



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 23, 2011/फाल्गुन 4, 1932

No. 46]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 23, 2011/PHALGUNA 4, 1932

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2011

नियम

फा. सं. 13018/3/2011—अ.भा.से. (I).—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के लिए 2011 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा के नियम संबंधित मंत्रालयों और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :

- (1) भारतीय प्रशासनिक सेवा
- (2) भारतीय विदेश सेवा
- (3) भारतीय पुलिस सेवा
- (4) भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा, ग्रुप "क"
- (5) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (6) भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप "क"
- (7) भारतीय रक्षा लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (8) भारतीय राजस्व सेवा आयकर, ग्रुप "क"
- (9) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, ग्रुप "क" (सहायक कार्य प्रबन्धक—प्रशासन)
- (10) भारतीय डाक सेवा, ग्रुप "क"
- (11) भारतीय सिविल लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (12) भारतीय रेलवे यातायात सेवा, ग्रुप "क"

- (13) भारतीय रेलवे लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (14) भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा, ग्रुप "क"
- (15) रेलवे सुरक्षा बल में ग्रुप "क" के सहायक सुरक्षा आयुक्त के पद
- (16) भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा, ग्रुप "क"
- (17) भारतीय सूचना सेवा, ग्रुप "क" (कनिष्ठ ग्रेड)
- (18) भारतीय व्यापार सेवा, ग्रुप "क" (ग्रेड-III)
- (19) भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा, ग्रुप "क"
- (20) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, ग्रुप "ख" (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)
- (21) दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन व दीव एवं दादरा व नगर हवेली सिविल सेवा, ग्रुप "ख"
- (22) दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन व दीव एवं दादरा व नगर हवेली पुलिस सेवा, ग्रुप "ख"
- (23) पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप "ख"
- (24) पांडिचेरी पुलिस सेवा, ग्रुप "ख"

1. यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस नियमावली के परिशिष्ट-1 में निर्धारित रीति से ली जाएगी।

प्रारम्भिक तथा प्रधान परीक्षाओं की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निश्चित किए जाएंगे।

2. उम्मीदवार को प्रधान परीक्षा के अपने आवेदन-पत्र में निम्न सेवाओं/पदों के लिए अपना वरीयता क्रम जिसके लिए वह संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्ति हेतु अनुशंसित किया जाता है तो नियुक्ति हेतु विचार किए जाने हेतु इसे यह उल्लेख करना चाहिए।

१. प्रश्न : १००० रु. की वस्तु का मूल्य १०% बढ़ाया जा अनुमानित
 २. उत्तर : १००० रु. का १०% बढ़ावा १०० रु. है।

- मौखिक परीक्षा के लिए प्रवेश के लिए प्रश्न की तारीख एक बार जांच कर लेने के और आवेदन द्वारा उसे अपने अधिलेख में दर्ज कर लेने के बाद प्रश्न या आवेदन की अन्य किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

1979 में अर्जीदारी में वृद्धि की जा रही है।

13. उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंधित उसके किसी भी अनुरोध को किसी

भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

14. जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित हो चुका है :

- (1) निम्नलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अर्थात् :
 - (क) गैर-कानूनी रूप से परितोषण की पेशकश करना, या
 - (ख) दबाव डालना, या
 - (ग) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा
- (2) नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं जिसमें तथ्य को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे तथ्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, अर्थात् :
 - (क) गलत तरीके से प्रश्न-पत्र की प्रति प्राप्त करना;
 - (ख) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना;
 - (ग) परीक्षकों को प्रभावित करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया है; अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना या भेदे रेखाचित्र बनाना; अथवा
- (9) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं को फाड़ना, परीक्षा देने वालों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसी ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है; अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो;
- (11) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास पाया गया हो; या
- (12) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवार को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी आदेशों का उल्लंघन किया है; अथवा

(13) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसिच्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है और/अथवा
- (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा निर्दिष्ट अवधि के लिए
 - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए, विवर्जित किया जा सकता है,
 - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है।
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :
 - (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया जाए, और
 - (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो विचार न कर लिया जाए।

15. जो उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा में आयोग द्वारा उनके निर्णय से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे प्रधान परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा और जो उम्मीदवार प्रधान परीक्षा (लिखित) में आयोग द्वारा उनके निर्णय से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा :

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा प्रारंभिक परीक्षा एवं प्रधान (लिखित) के स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

16. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग उम्मीदवारों के नाम, मुख्य परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर बने योग्यता क्रम के अनुसार सुव्यवस्थित करेगा। उसके बाद आयोग, अनारक्षित रिक्तियों पर उम्मीदवारों की संस्तुति करने के प्रयोजन से, मुख्य परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों की संख्या को देखते हुए अर्हक अंक

यशर्ते यह भी कि सरकार शांतिरक्त रूप से निःशस्त्र अभियंताओं की स्वास्थ्य परीक्षा करने के लिए उस खेल के विशेषज्ञों का एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित कर सकती है।

टिप्पणी : निराशा से बचने के लिए अभ्यर्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अपनी स्वास्थ्य जाँच करवा लें। नियुक्ति के पूर्व अभ्यर्थियों की की जाने वाली स्वास्थ्य जाँच और अपेक्षित स्तर का ज्योरा इन नियमों के परिशिष्ट-II में दिया गया है। निःशक्त भूतपूर्व सैनिकों के लिए मानदण्डों में सेवा(ओं) की अपेक्षाओं के अनुरूप छूट दी जाएगी।

22. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए आरक्षण का लाभ लेने के लिए पात्रता वही होगी जो "अक्षम व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995" में है :

बशर्ते, कि शारीरिक रूप में अक्षम उम्मीदवारों को शारीरिक अपेक्षाओं/कार्यात्मक वर्गीकरण (सक्षमताओं/अक्षमताओं) के संबंध में उन विशेष पात्रता मापदण्ड को पूरा करना भी अपेक्षित होगा जो इसके संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अभिज्ञात सेवा/पद के अपेक्षाओं की संगत हों।

शारीरिक अपेक्षाओं तथा कार्यात्मक वर्गीकरण वाली सेवाओं की एक सूची परिशिष्ट-IV पर है। संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारियों के निर्धारित किए जाने पर इनमें बदल या परिवर्तन हो सकता है।

उदाहरणार्थ, शारीरिक अपेक्षाएं और कार्यात्मक वर्गीकरण निम्न में से एक या अधिक हो सकते हैं :

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एमएफ (MF)	1. हाथ (अंगुलियों से) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य।
पीपी (PP)	2. खींच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य।
एल (L)	3. उत्थापन (लिफ्टिंग) द्वारा किए जाने वाले कार्य।
केसी (KC)	4. घुटने के बल बैठकर तथा क्राउचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य।
बीएन (BN)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य।
एस (S)	6. बैठकर (बेंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य।
एमटी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य।
एमई (SE)	9. देख कर किए जाने वाले कार्य।
एच (H)	10. सुनकर या बोल कर किए जाने वाले कार्य।
आरडब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य।
सी (C)	12. वार्तालाप
कोड	कार्यात्मक वर्गीकरण
बीएल (BL)	1. दोनों पैर प्रभावित लेकिन भुजाएं नहीं।
बीए (BA)	2. दोनों भुजाएं प्रभावित

बीएलए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं प्रभावित
ओएल (OL)	4. एक पैर प्रभावित
ओए (OA)	5. एक भुजा प्रभावित
ओएल (OAL)	6. एक भुजा और एक पैर प्रभावित
एमडब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक शक्ति
बी (B)	8. नेत्रहीन
एलवी (LV)	9. आंशिक दृष्टि
एच (H)	10. सुनना

टिप्पणी : उपर्युक्त सूची संशोधन के अधीन है।

23. किसी भी उम्मीदवार को समुदाय संबंधी आरक्षण का लाभ, उसकी जाति को केन्द्र सरकार द्वारा जारी आरक्षित समुदाय संबंधी सूची में शामिल किए जाने पर ही मिलेगा। यदि कोई उम्मीदवार सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के अपने प्रपत्र में यह उल्लेख करता है, कि वह सामान्य श्रेणी से संबंधित है लेकिन कालांतर में अपनी श्रेणी को आरक्षित सूची की श्रेणी में तब्दील करने के लिए आयोग को लिखता है, तो आयोग द्वारा ऐसे अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जबकि उपर्युक्त सिद्धांत का सामान्य रूप से पालन किया जाएगा, फिर भी कुछ ऐसे मामले हो सकते हैं। जिनमें किसी समुदाय विशेष को आरक्षित समुदायों की किसी भी सूची में शामिल करने के संबंध में सरकारी अधिसूचना जारी किए जाने और उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र जमा करने की तारीख के समय के बीच थोड़ा बहुत अंतर (अर्थात् 2-3 महीने) हुआ हो। ऐसे मामलों में, समुदाय को सामान्य से आरक्षित समुदाय में परिवर्तित करने संबंधी अनुरोध पर आयोग द्वारा मैरिट के आधार पर विचार किया जाएगा।

24. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री :

(क) जिसने किसी ऐसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो; या

(ख) जिसकी पति/पत्नी जीवित होते हुए, उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो,

उक्त सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु केन्द्रीय सरकार यदि इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार के दोनों पक्षों के व्यक्तियों पर लागू व्यक्तिगत कानून के अधीन ऐसा विवाह किया जा सकता है और ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

25. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि ऐसी भर्ती से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती हैं।

26. इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जा रही है, उसका संक्षिप्त विवरण परीशिष्ट-II में दिया गया है।

आर के गुप्ता, निदेशक

परिशिष्ट 1

खण्ड 1

परीक्षा की योजना

इस प्रतियोगिता परीक्षा में दो क्रमिक चरण हैं :

- (1) प्रधान परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुपरक), तथा
- (2) विभिन्न सेवाओं तथा पदों पर भर्ती हेतु उम्मीदवारों का चयन करने के लिए सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा (लिखित तथा साक्षात्कार) ।

2. प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुपरक (बहुविकल्प प्रश्न) प्रकार के दो प्रश्नपत्र होंगे तथा खंड II के उप-खंड (क) में दिए गए विषयों में ही अधिकतम 400 अंक होंगे । यह परीक्षा केवल प्रारंभिक चयन परीक्षण के रूप में होगी । प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार द्वारा प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त किए गए अंकों को उनके अंतिम योग्यता क्रम को निर्धारित करने के लिए नहीं गिना जाएगा । प्रधान परीक्षा में प्रवेश दिए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या उक्त वर्ष में विभिन्न सेवाओं तथा पदों में भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग कुल संख्या का बारह से तेरह गुना होंगे । केवल वे ही उम्मीदवार जो आयोग द्वारा किसी वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उक्त वर्ष को प्रधान परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे बशर्ते कि वे अन्यथा प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्र हों ।

“टिप्पणी-1 : आयोग, सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए अर्हक उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा, जिसका निर्धारण आयोग द्वारा दोनों प्रश्न-पत्रों के यथानिर्धारित कुल अर्हक अंकों को जोड़कर किया जाएगा ।

टिप्पणी-11 : वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों में, ऐसे कुछेक प्रश्नों को छोड़कर जिनमें ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) ऐसे प्रश्नों के लिए ‘सर्वाधिक उपयुक्त’ तथा ‘इतना उपयुक्त नहीं’ उत्तर को दिए जाने वाले विभिन्न अंकों के रूप में अन्तर्निहित होगी, उम्मीदवार द्वारा दिए गए गलत उत्तरों के लिए दंड (ऋणात्मक अंकन) दिया जाएगा ।

- (i) प्रत्येक प्रश्न के उत्तरों के लिए चार विकल्प हैं । उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए गलत उत्तर के लिए, उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक तिहाई (0.33) दण्ड के रूप में काटा जाएगा ।
- (ii) यदि उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे दिए गए उत्तरों में से एक ठीक ही क्यों न हो और उस प्रश्न के लिए वही दण्ड होगा जो ऊपर बताया गया है ।
- (iii) यदि प्रश्न को खाली छोड़ दिया गया है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा ।”

3. प्रधान परीक्षा में लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण होगा । लिखित परीक्षा में खंड II के उप-खंड (ख) में दिए गए विषयों में परम्परागत निबन्धात्मक शैली के 9 प्रश्नपत्र होंगे । खंड II (ख) के पैरा 1 के नीचे नोट II भी देखें।

4. जो उम्मीदवार प्रधान परीक्षा में लिखित भाग के उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु खंड II में उप-खंड “ग” के अनुसार साक्षात्कार के लिए बुलाएगा, किन्तु भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्नपत्रों में केवल अर्हता प्राप्त करनी होगी । खंड II (ख) के पैरा के नीचे टिप्पणी (II) भी देखें । इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में गिना नहीं जाएगा । साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या से दुगुनी होगी । साक्षात्कार के लिए 300 अंक होंगे (कोई न्यूनतम अर्हक अंक नहीं है) ।

इस प्रकार उम्मीदवारों द्वारा प्रधान परीक्षा (लिखित भाग तथा साक्षात्कार) में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर उसका अंतिम योग्यता क्रम निर्धारित किया जाएगा । परीक्षा में उम्मीदवारों की स्थिति तथा विभिन्न सेवाओं और पदों के लिए उनके द्वारा वरीयता क्रम को ध्यान में रखते हुए उन्हें विभिन्न सेवाओं में आवंटित किया जाएगा ।

खंड II

1. प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा की रूपरेखा तथा विषय :

(क) प्रारंभिक परीक्षा :

परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र होंगे जिसमें प्रत्येक प्रश्नपत्र 200 अंकों का होगा ।

नोट :

- (i) दोनों ही प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे ।
- (ii) प्रश्न-पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में तैयार किए जाएंगे । तथापि, दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा के बोधगम्यता कौशल से संबद्ध प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्न-पत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्धरणों के माध्यम से, हिन्दी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा ।
- (iii) पाठ्यक्रम संबंधी विवरण खंड-III के भाग-क में दिया गया है ।
- (iv) प्रत्येक प्रश्न पत्र दो घंटे की अवधि का होगा । तथापि, नेत्रहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्न पत्र में बीस मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा ।

(ख) प्रधान परीक्षा :

लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्नपत्र होंगे :

प्रश्नपत्र-1	संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से उम्मीदवारों द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा	300 अंक
प्रश्नपत्र-2	अंग्रेजी	300 अंक
प्रश्नपत्र-3	निबन्ध	200 अंक
प्रश्नपत्र-4	सामान्य अध्ययन	300 अंक
और 5		
प्रश्नपत्र-6	नीचे पैरा 2 में दिए गए ऐच्छिक विषयों की सूची से चुने जाने वाले कोई दो विषय प्रत्येक विषय के दो प्रश्नपत्र होंगे ।	प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए 300 अंक
7, 8 और 9	साक्षात्कार परीक्षण 300 अंकों का होगा ।	

टिप्पणी :—

- (1) भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्नपत्र मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष स्तर के होंगे जिनमें केवल अर्हता प्राप्त करनी होगी। इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में नहीं गिना जाएगा।
- (2) सभी उम्मीदवारों के पेपरों अर्थात् 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' और 'वैकल्पिक विषयों' का मूल्यांकन 'भारतीय भाषाओं' और 'अंग्रेजी' में, उनके अर्हक पेपरों के मूल्यांकन सहित, एक ही समय पर किया जाएगा लेकिन केवल उन्हीं उम्मीदवारों के 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' और 'वैकल्पिक विषयों' के पेपर का संज्ञान लिया जाएगा जो 'भारतीय भाषा' और 'अंग्रेजी' के अर्हक पेपरों में आयोग द्वारा स्वविवेकानुसार निर्धारित न्यूनतम मानक प्राप्त करते हैं, अतः 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन', और 'वैकल्पिक विषयों' के अंक उन उम्मीदवारों को नहीं बताए जाएंगे जो 'भारतीय भाषा' और 'अंग्रेजी' में ऐसा न्यूनतम अर्हक मानक प्राप्त करने में विफल रहते हैं।
- (3) तथापि भारतीय भाषाओं का प्रथम प्रश्नपत्र उन उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य नहीं होगा जो अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम तथा नागालैंड के उत्तर पूर्वी राज्यों तथा सिक्किम राज्य के हैं।
- (4) भाषा के प्रश्नपत्रों में उम्मीदवार निम्न प्रकार से लिपि का प्रयोग करेंगे :

भाषा	लिपि
असमिया	असमिया
बंगला	बंगला
गुजराती	गुजराती
हिन्दी	देवनागरी
कन्नड़	कन्नड़
कश्मीरी	फारसी
कोंकणी	देवनागरी
मलयालम	मलयालम
मणिपुरी	बंगाली
मराठी	देवनागरी
नेपाली	देवनागरी
उड़िया	उड़िया
पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी
सिन्धी	देवनागरी या अरबी
तमिल	तमिल
तेलुगु	तेलुगु

उर्दू	फारसी
बोडो	देवनागरी
डोगरी	देवनागरी
मैथिली	देवनागरी
संताली	देवनागरी या ओलचिकि

टिप्पणी :— संथाली भाषा के लिए प्रश्नपत्र केवल देवनागरी लिपि में छपेंगे किन्तु उम्मीदवारों का उत्तर देने के लिए देवनागरी या ओलचिकि-लिपि के प्रयोग का विकल्प होगा।

2. प्रधान परीक्षा के लिए ऐच्छिक विषयों की सूची :

- (1) कृषि विज्ञान
- (2) पशुपालन एवं चिकित्सा विज्ञान
- (3) नृविज्ञान
- (4) वनस्पति विज्ञान
- (5) रसायन विज्ञान
- (6) सिविल इंजीनियरी
- (7) वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि
- (8) अर्थशास्त्र
- (9) विद्युत इंजीनियरी
- (10) भूगोल
- (11) भू-विज्ञान
- (12) इतिहास
- (13) विधि
- (14) प्रबन्ध
- (15) गणित
- (16) यांत्रिक इंजीनियरी
- (17) चिकित्सा विज्ञान
- (18) दर्शन शास्त्र
- (19) भौतिकी
- (20) राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
- (21) मनोविज्ञान
- (22) लोक प्रशासन
- (23) समाज शास्त्र
- (24) सांख्यिकी
- (25) प्राणि विज्ञान
- (26) निम्नलिखित में से किसी एक भाषा का साहित्य :

अरबी, असमिया, बंगला, बोडो, चीनी, डोगरी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पाली, फारसी, पंजाबी, रूसी, संस्कृत, संताली, सिन्धी, तमिल, तेलुगु, उर्दू।

(3) यदि किसी उष्मीदवार को लिखावट आसानो से न पढ़ी जा सके तो उसको पित्तने वाले आँखों में से कुछ अम्ल काट लिया जायेंगे ।

- (4) सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे ।
- (5) परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में की गई संक्षिप्त सूक्ष्म और सरासरी अभिव्यक्ति को प्रेम मिलेगा ।
- (6) प्रश्नपत्रों में, यथा आवश्यक एस्.आई. (S.I.) इकाइयों का प्रयोग किया जायेगा ।
- (7) उम्मीदवार प्रश्नपत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करें ।
- (8) उम्मीदवारों को संच लोक सेवा आयोग की परंपरागत (निबंध) शैली के प्रश्नपत्रों के लिए साइंटिफिक (गण-प्रोफेशनल) प्रकाश के कैलकुलेटर्स का प्रयोग करने की अनुमति है । यद्यपि ऐसीमेवल प्रकार के कैलकुलेटर्स का प्रयोग उम्मीदवार द्वारा अनुचित साधन अथवा जाना माना जाएगा । परीक्षा भवन में कैलकुलेटर्स को भंगने या बदलने की अनुमति नहीं है ।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार कसूरदार प्रश्नपत्रों (परीक्षा पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर्स का प्रयोग नहीं कर सकते । अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं ।

ग - साक्षात्कार परीक्षण

1. उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार को परिचयवृत्त का अभिलेख होगा । उससे सामान्य हाथ की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे । यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तिगत की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं । यह परीक्षा सम्प्रेषण की आवश्यकता को जानने के अभिप्राय से की जाएगी । लंबे और पर इस परीक्षा का संयोजन वास्तव में न केवल उसके वैज्ञानिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक पृष्ठभूमि में उत्कृष्ट रसि का भी मूल्यांकन करना है, इसमें उम्मीदवार अभ्यासित उत्तर्कता, आत्मव्यक्तिक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रसि की विविधता और गहराई नेतृत्व और सामाजिक संगठन में कोषक, योद्धा और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जा सकती है ।

2. साक्षात्कार में प्रथम परीक्षा (क्रास एन्डमिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जायेगी जहाँ उम्मीदवारों को अनिश्चित कालावधि के माध्यम से, उम्मीदवार को आन्तरिक गुणों का पूरा समान का प्रश्न किया जाता है, परन्तु वह दातालय एवं निष्पक्ष दिशा में और एक विशेष प्रयास से किया जाता है ।

3. साक्षात्कार परीक्षा उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य गुण की जांच करने का प्रयोजन से नहीं किया जाता, क्योंकि उसकी जांच लिखित प्रश्नपत्रों से पहले ही हो जाती है । उम्मीदवारों से कहा जाती है कि वे केवल अपने विद्यालय के विशेष विषयों में ही पारंगत

हों बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा पैदा कर सकती हैं ।

खण्ड III

परीक्षा का पाठ्य विवरण

टिप्पणी : उम्मीदवारों को परामर्श दिया जाता है कि वे इस खण्ड में दिए गए प्राथमिक तथा प्रधान परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें क्योंकि कई विषयों के पाठ्यक्रम का निपतकालिक संशोधन किया गया है ।

भाषा का

प्रारम्भिक परीक्षा

प्रश्नपत्र-I (200 अंक) अवधि : दो घंटे

1. राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ ।
2. भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन ।
3. भारत एवं विश्व भूगोल — भारत एवं विश्व का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल ।
4. भारतीय राजतन्त्र और शासन — संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे, आदि ।
5. आर्थिक और सामाजिक विकास — सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि ।
6. पर्यावरणीय परिरक्षितकी जेब—विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है ।
7. सामान्य विज्ञान ।

प्रश्नपत्र-II (200 अंक) अवधि : दो घंटे

1. बोधगम्यता
2. संचार कौशल रसि—अंतर-वैयक्तिक कौशल
3. तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
4. निर्णय लेना और समस्या समाधान
5. सामान्य मानसिक योग्यता
6. आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि-दसवीं कक्षा का स्तर)
7. अंग्रेजी भाषा में बोधगम्यता कौशल (दसवीं कक्षा का स्तर)
8. दसवीं कक्षा का स्तर के अंग्रेजी भाषा के बोधगम्यता कौशल (प्रश्नपत्र II के पाठ्यक्रम में अंतिम चर्चा से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्नपत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्धरणों के माध्यम से, हिन्दी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा)
9. प्रश्न बहुविकल्पीय, वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे ।

भाग-ख**प्रधान परीक्षा**

प्रधान परीक्षा का उद्देश्य उम्मीदवारों की जानकारी और स्मरण शक्ति का परीक्षण करना ही नहीं बल्कि उनकी समग्र बौद्धिक प्रतिभा और अवबोधन क्षमता को आंकना है।

वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्रों में प्रश्नों की कुल संख्या आठ होगी। सभी प्रश्नों के अंक बराबर होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे अर्थात् भाग (क) और भाग (ख), प्रत्येक भाग में चार प्रश्न होंगे। आठ प्रश्नों में से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग में एक प्रश्न अनिवार्य होगा। प्रत्येक भाग से कम से कम एक-एक प्रश्न लेते हुए उम्मीदवारों को शेष छह प्रश्नों से तीन और प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे अर्थात् एक अनिवार्य प्रश्न तथा एक अन्य प्रश्न।

इस परीक्षा के वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग ऑनर्स डिग्री स्तर के होंगे अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम। इंजीनियरी, चिकित्सा विज्ञान और विधि के मामले में यह स्तर बैचलर डिग्री का होगा।

अनिवार्य विषय**अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाएं**

इन प्रश्न पत्रों का उद्देश्य अंग्रेजी सम्बन्धित भारतीय भाषा में अपने विचारों को स्पष्ट तथा सही रूप में प्रकट करना तथा गंभीर तर्क पूर्ण पत्र को पढ़ने और समझने में उम्मीदवार की योग्यता की परीक्षा करना है।

प्रश्न पत्रों का स्वरूप आमतौर पर निम्न प्रकार का होगा :-
अंग्रेजी

- (1) दिए गए गद्यांशों को समझना।
- (2) संक्षेपण।
- (3) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार।
- (4) लघु निबंध।

भारतीय भाषाएं

- (1) दिए गए गद्यांशों को समझना।
- (2) संक्षेपण।
- (3) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार।
- (4) लघु निबंध।
- (5) अंग्रेजी से भारतीय भाषा तथा भारतीय भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद।

टिप्पणी 1 : भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्न पत्र मैट्रिकुलेशन या समकक्ष स्तर के होंगे जिनमें केवल अर्हताएं प्राप्त करनी हैं।

इन प्रश्न पत्रों में प्रस्ताविक योग्यता क्रम के निर्धारण में नहीं गिने जाएंगे।

टिप्पणी 2 : अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में प्रश्न पत्रों के उत्तर उम्मीदवारों को अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में (अनुवाद प्रश्नों को छोड़कर) देने होंगे।

निबंध

उम्मीदवारों को किसी एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के सम्बन्ध में विकल्प दिया जाएगा। उनसे यह अपेक्षा की जाएगी कि वे अपने विचारों का क्रमबद्ध करते हुए निबन्ध के विषय से निकटता बनाए रखें और अपनी बात संक्षेप में लिखें। प्रभावशाली व स्टीक अभिव्यक्तियों के लिए श्रेय दिया जाएगा।

सामान्य-अध्ययन**सामान्य मार्ग-निर्देश**

इस प्रश्न पत्र में प्रश्नों का स्वरूप और स्तर इस प्रकार का होगा कि कोई सुशिक्षित व्यक्ति बिना कोई विशेष अध्ययन किए इनके उत्तर दे सकेगा। प्रश्न इस प्रकार के होंगे कि इनसे विभिन्न विषयों के बारे में अभ्यर्थी की सामान्य जागरूकता की परीक्षा होगी, जिसकी सिविल सेवाओं में वृत्ति स प्रासंगिकता रहेगी। इन प्रश्नों से अभ्यर्थी की ऐसे सभी मुद्दों की आधारभूत समझ की तथा दृढ़युक्त सामाजिक आर्थिक लक्ष्यों, उद्देश्यों और मांगों के विश्लेषण की तथा उन पर राय कायम करने की योग्यता की परीक्षा हो सकेगी। अभ्यर्थी को प्रासंगिक, अर्थपूर्ण और सारगर्भित उत्तर देने होंगे।

प्रश्न पत्र-1**1. आधुनिक भारत का इतिहास एवं भारतीय संस्कृति**

आधुनिक भारत के इतिहास के अंतर्गत उन्नीसवीं शताब्दी के लगभग मध्य से देश का इतिहास होगा एवं इसमें स्वतंत्रता आंदोलन तथा सामाजिक सुधारों को रूप देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्बन्ध में भी प्रश्न पूछे जाएंगे। भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित भाग के अंतर्गत प्राचीन काल से आधुनिक काल तक भारतीय संस्कृति के सभी पहलू होंगे साथ ही साहित्य, कला और स्थापत्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रश्न पूछे जाएंगे।

2. भारत का भूगोल

इस भाग में भारत के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल के सम्बन्ध में प्रश्न होंगे।

3. भारत का संविधान एवं भारतीय राज्य व्यवस्था

इस भाग के अंतर्गत भारत का संविधान तथा साथ ही सांविधिक, विधिक, प्रशासनिक एवं देश में प्रचलित राजनैतिक-प्रशासनिक व्यवस्था से उभरने वाले अन्य मुद्दे होंगे।

4. समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दे एवं सामाजिक प्रासंगिकता से सम्बन्धित विषय

इस भाग का अभिप्राय अभ्यर्थी की समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों एवं वर्तमान भारत के सामाजिक प्रासंगिकता के विषयों के प्रति, जैसे कि नीचे दिए जा रहे हैं, जागरूकता की परीक्षा करना है :

- (i) भारतीय अर्थव्यवस्था, एवं योजना, संसाधनों के जुटाव, संवृद्धि, विकास तथा रोजगार से सम्बन्धित मुद्दे।
- (ii) विकास के लाभों से व्यापक वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्करण से उभरने वाले मुद्दे।
- (iii) मानव संसाधन के विकास एवं प्रबंध से सम्बन्धित अन्य मुद्दे।

- (iv) स्वास्थ्य के मुद्दे जिसमें कि लोक स्वास्थ्य प्रबंध, स्वास्थ्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य की देखभाल से सम्बन्धित नैतिक सरोकार, चिकित्सकीय अनुसंधान तथा भेषज निर्माण शामिल है।
- (v) विधि प्रवर्तन, आंतरिक सुरक्षा तथा संबंधित मुद्दे जैसे कि सामुदायिक सामंजस्य का परिरक्षण।
- (vi) मानवाधिकारों के अनुरक्षण एवं लोकजीवन में सत्यनिष्ठा समेत सुशासन एवं नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व से संबंधित मुद्दे।
- (vii) पर्यावरण से जुड़े मुद्दे, पारिस्थितिक परिरक्षण, प्राकृतिक वसाधनों एवं राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण।

प्रश्न-पत्र-2

1. भारत और विश्व

इस भाग में ऐसे प्रश्न होंगे जिनसे विभिन्न क्षेत्रों में, जैसे कि नीचे दिए जा रहे हैं; भारत-विश्व संबंध के प्रति अभ्यर्थी की जागरूकता की परीक्षा होगी :

भारत के पड़ोसी देशों के साथ और क्षेत्र में संबंधों पर विशेष बल देते हुए विदेशी मामले।

सुरक्षा एवं रक्षा संबंधी मामले।

नाभिकीय नीति, मुद्दे एवं इन्हें।

विदेशों में भारतवंशी (भारतीय डायस्पोरा) और इसका भारत तथा विश्व को योगदान।

2. भारत का विश्व के साथ पारस्परिक आर्थिक क्रिया

इस भाग में आर्थिक एवं व्यापार के मुद्दों पर जैसे कि, विदेशी व्यापार, विदेशी निवेश; तेल, गैस एवं ऊर्जा प्रवाह से संबंधित आर्थिक एवं राजनय के मुद्दों पर; भारत के अन्य देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ पारस्परिक आर्थिक क्रिया को प्रभावित करने वाले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन, WIPO आदि पर प्रश्न होंगे।

3. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में विकास

इस भाग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष के क्षेत्रों में हुए विकास एवं कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों की बुनियादी धारणा के प्रति अभ्यर्थी की जागरूकता की परीक्षा के लिए प्रश्न होंगे।

4. अंतराष्ट्रीय मामले एवं संस्थाएं

इस भाग में वैश्विक मामलों की महत्वपूर्ण घटनाओं तथा अंतराष्ट्रीय संस्थाओं के विषय में प्रश्न होंगे।

5. सांख्यिकीय विश्लेषण, आलेख एवं रेखा चित्र

इस भाग से अभ्यर्थी सांख्यिकीय, आलेखों एवं रेखा चित्रों के रूप में प्रस्तुत सूचना से निष्कर्ष निकालने और उनका निर्वचन करने की योग्यता की परीक्षा की जाएगी।

कृषि विज्ञान

प्रश्न-पत्र-1

पारिस्थितिकी एवं मानव के लिए उसकी प्रासंगिकता, प्राकृतिक संसाधन, उनके अनुरक्षण का प्रबंध तथा संरक्षण। सस्य वितरण एवं उत्पादन के कारकों के रूप में भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण। कृषि पारिस्थितिकी; पर्यावरण के संकेतक के रूप में सस्य क्रम। पर्यावरण प्रदूषण एवं फसलों को होने वाले इससे संबंधित खतरे। पशु एवं मान। जलवायु परिवर्तन-अंतराष्ट्रीय अभिसमय एवं भूमंडलीय पहल। ग्रीन हाउस प्रभाव एवं भूमंडलीय तापन। पारितंत्र विश्लेषण के प्रगत उपकरण-सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणालियाँ।

देश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में सस्य क्रम। सस्य क्रम में विस्थापन पर अधिक पैदावार वाली तथा अल्पावधि किस्मों का प्रभाव। विभिन्न सस्य एवं कृषि प्रणालियों की संकल्पनाएँ। जैव एवं परिशुद्धता कृषि। महत्वपूर्ण अनाज, दलहन, तिलहन, रेशा, शर्करा, वाणिज्यिक एवं चारा फसलों के उत्पादन हेतु पैकेज रीतियाँ।

विभिन्न प्रकार के वन रोपण जैसे कि सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी एवं प्राकृतिक वनों की मुख्य विशेषताएँ तथा विस्तार। वन पादपों का प्रसार। वनोत्पाद। कृषि वानिकी एवं मूल्य परिवर्धन। वनों की वनस्पतियों और जंतुओं का संरक्षण।

खरपतवार, उनकी विशेषताएँ, प्रकीर्णन तथा विभिन्न फसलों के साथ उनकी संवेद्यता; उनका गुणन; खरपतवारों का संबंधी, जैव तथा रासायनिक नियंत्रण।

मृदा-भौतिकी, रासायनिक तथा जैविक गुणधर्म। मृदा रचना के प्रक्रम तथा कारक। भारत की मृदाएँ। मृदाओं के खनिज तथा कार्बनिक संघटक तथा मृदा उत्पादकता अनुरक्षण में उनकी भूमिका। पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व तथा मृदाओं और पादपों के अन्य लाभकर तत्व। मृदा उर्वरता, मृदा परीक्षण एवं उर्वरक संसाधन के सिद्धांत। समाकलित पोषकतत्व प्रबंध। जैव उर्वरक। मृदा में नाइट्रोजन की हानि, जलमग्न धान-मृदा में नाइट्रोजन उपयोग क्षमता। मृदा में नाइट्रोजन योगिकीकरण। फास्फोरस एवं पोटेशियम का दक्ष उपयोग। समस्याजनक मृदाएँ तथा उनका सुधार। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को प्रभावित करने वाले मृदा कारक। मृदा संरक्षण, समाकलित जल-विभाजन प्रबंधन। मृदा अपरदन एवं इसका प्रबंधन। वर्षाधीन कृषि और इसकी समस्याएँ। वर्षा पोषित कृषि क्षेत्रों में कृषि उत्पादन में स्थिरता लाने की प्रौद्योगिकी।

सस्य उत्पादन से संबंधित जल उपयोग क्षमता, सिंचाई कार्यक्रम के मानदंड, सिंचाई जल की अपवाह हानि को कम करने की विधियाँ तथा साधन। ड्रिप तथा छिड़काव द्वारा सिंचाई। जलाक्रांत मृदाओं से जलनिकास, सिंचाई जल की गुणवत्ता, मृदा तथा जल प्रदूषण पर औद्योगिक बहिस्त्रावों का प्रभाव। भारत में सिंचाई परियोजनाएँ।

फार्म प्रबंधन, विस्तार, महत्व तथा विशेषताएँ, फार्म आयोजना। संसाधनों का इष्टतम उपयोग तथा बजटन। विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियों का अर्थशास्त्र। विपणन प्रबंधन-विकास की कार्यनीतियाँ, बाजार आसूचना। कीमत में उतार-चढ़ाव एवं उनकी लागत; कृषि अर्थव्यवस्था में सहकारी संस्थाओं की भूमिका; कृषि के प्रकार तथा

प्रणालियाँ और उनको प्रभावित करने वाले कारक। कृषि विज्ञान नीति। फसल बीमा।

कृषि विस्तार, इसका महत्व और भूमिका, कृषि विज्ञान कार्यक्रमों के मूल्यांकन की विधियाँ, सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण तथा कृषि-क्रेडिट और सीमांत कृषकों व भूमिहीन कृषि श्रमिकों की स्थिति। विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम। कृषि प्रौद्योगिकी के प्रसार में कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका। गैर-सरकारी संस्था तथा जागतिक विकास के लिए स्व-सहायता उपगम।

प्रश्न-पत्र-2

कोशिका संरचना, प्रकार्य एवं कोशिका चक्र। आणविक उत्पादन का संश्लेषण, संरचना तथा प्रकार्य। आनुवंशिकता का भूमिका। गुणवत्ता संरचना, गुणसूत्र, विपथन, सहसंयोजक एवं जीन-प्रयोग। एवं पुनर्गठन प्रजनन में उनकी सार्थकता। बहुगुणता, गुणसूत्र तथा असुगुणित। उत्परिवर्तन एवं सस्य सुधार में उनकी भूमिका। वंशवृद्धि, संध्यता तथा असंयोजकता, वर्गीकरण तथा सस्य सुधार में प्रयुक्त अनुप्रयोग। कोशिका द्रव्यी संरचना, लिपि संरचना, लिपि संरचना तथा लिपि संरचित लक्षण।

पादप प्रजनन का इतिहास। जनन की विधियाँ, आणविक तथा संरचना प्रक्रियाएँ। सस्य पादपों का उत्पादन। उत्पादन एवं उपज का आकार, उत्पादन केंद्र, समजात पैरी का विकास, उत्पादन गुणवत्ता संसाधन-संरक्षण तथा उपयोग। पादप प्रजनन के विकास में अनुप्रयोग, सस्य पादपों का सुधार। आणविक सूचना प्रणाली, विकास में उनका अनुप्रयोग। शुद्ध वंशक्रम वंश, कोशिकी, गुणसूत्र पुनरावृत्ति वंश, संयोजी क्षमता, पादप प्रजनन में इसका उपयोग। संकर ओज एवं इसका उपयोग। कार्य संकरण। रंग गुण की एक प्रतिरोध के लिए प्रजनन। अंतरजातीय तथा अंतरजातीय प्रजनन की भूमिका। सस्य सुधार में आनुवंशिक इंजीनियरी एवं जीन-प्रयोग की भूमिका। अनुवंशिकता: रुधिरित सस्य पादप।

बीज उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियाँ। बीज संरचना, बीज पैकेजिंग एवं भंडारण। DNA फिंगरप्रिंटिंग एवं बीज पैकेजिंग-बीज उत्पादन एवं विपणन में सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की भूमिका। बौद्धिक संपदा अधिकार सम्बन्धी मामले।

पादप पोषण, पोषक तत्वों के अवशोषण, स्थानांतरण एवं उपयोग के संदर्भ में पादप कार्यिकी के सिद्धांत। पुरा-उत्पादन सम्बन्ध।

प्रक्रिया एवं पादप-वर्णक; प्रकाशसंश्लेषण-आणविक प्रक्रियाएँ और इसके प्रक्रम को प्रभावित करने वाले कारक, आणविक प्रक्रियाएँ श्वसन; C_3 , C_4 एवं CAM क्रियाविधियाँ। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन एवं वसा उपापचय। वृद्धि एवं परिवर्धन; दीप्तिकालिता एवं वंशवृद्धि। पादप वृद्धि उत्पादन एवं सस्य उत्पादन में इनकी भूमिका। बीज परिवर्धन एवं अनुकरण की कार्यिकी; प्रसुप्ति। प्रतिबल वायुमंडली-वातप्रवाह, लवण एवं जल प्रतिबल। प्रमुख फल, दाल, फसल, सब्जियाँ, मसाले एवं पुष्पी फसल। प्रमुख बागवानी फसलों की बेकेंज रीतियाँ। संरक्षित कृषि एवं उच्च तकनीकी बागवानी। तुड़ाई के बाद की प्रौद्योगिकी एवं फलों व सब्जियों का मूल्यवर्धन। मसु-दर्शनीकरण एवं वाणिज्यिक पुष्पकृषि। औषधीय एवं एरोमेटिक पौधे। मानक पोषण में फलों व सब्जियों की भूमिका।

पीड़कों एवं फसलों, सब्जियों, फलोद्यानों एवं फसल फसलों के रोगों का निदान एवं उनका आर्थिक महत्व। पीड़कों एवं रोगों का वर्गीकरण एवं उनका प्रबंधन। भंडारण के पीड़क और उनका प्रबंधन। पीड़कों एवं रोगों की जीव वैज्ञानिक रोकथाम। जानपदिक रोग विज्ञान एवं प्रमुख फसलों की पीड़कों व रोगों का पूर्वानुमान। रोग प्रबंधन उपाय। पीड़क नाशक, उनका सूत्रण एवं कार्यप्रकार।

भारत में खाद्य उत्पादन एवं उपयोग की प्रवृत्तियाँ। खाद्य सुरक्षा एवं जनसंख्या वृद्धि-वृद्धि 2020 अन्न अधिशेष को कारण। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीतियाँ, अधिप्राप्ति, वितरण को अवलोकन।

खाद्यान्नों की उपलब्धता, खाद्य पर प्रति व्यक्ति वार्षिक आवश्यकता की प्रवृत्तियाँ, जन वितरण प्रणाली तथा गरीबी रेखा का भाव को जनसंख्या, लक्ष्यनुकूलि जन वितरण प्रणाली (PDS) कार्यिकीकरण के संदर्भ में नीति कार्यान्वयन। अन्न आध्यतन। खाद्य उत्पादन का राष्ट्रीय आहार दिशा-निर्देशों एवं खाद्य उपयोग प्रवृत्ति के सम्बन्ध। धुंधलापन के लिए खाद्यभारित आहार उपगम। पोषक तत्वों की न्यूनता-सूक्ष्म पोषक तत्व न्यूनता। प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण या प्रोटीन कैलोरी कुपोषण (PEM) या (PECM), महिलाओं और बच्चों की कार्यिकी के संदर्भ में सूक्ष्म पोषक तत्व न्यूनता एवं पोषक संतुलन विकास। खाद्यान्न उत्पादकता एवं खाद्य सुरक्षा।

पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान

प्रश्न-पत्र-1

1. पशु पोषण:

1.1 पशु के अंदर खाद्य ऊर्जा का विभाजन। पोषण एवं अप्रत्यक्ष उत्पादित। कार्बन-नाइट्रोजन अनुपात एवं तुलनात्मक वंश विधियाँ। रोमपी पशुओं, गुरातों एवं कुत्तुओं में खाद्य का उपयोग व्यक्त करने के सिद्धांत। अनुरक्षण, वृद्धि, समथता, रक्त मात्रा तथा अन्न, अन्न, एवं मांस उत्पादन के लिए ऊर्जा आवश्यकताएँ।

1.2 प्रोटीन पोषण में वर्गीकरण प्रगति। कार्बन-नाइट्रोजन अनुपात। प्रोटीन गुणवत्ता का सूचकांक। रोमपी आहार में प्रोटीन कैल्शियम का प्रयोग। अनुरक्षण, वृद्धि, समथता, रक्त मात्रा तथा अन्न, अन्न एवं मांस उत्पादन का विश्व प्रोटीन आवश्यकताएँ।

1.3 प्रमुख एवं लेश खनिज-उनके स्रोत, शरीर आवश्यकता प्रकार्य एवं हीनता लक्षण। विषैला खनिज। खनिज अंतःक्रियाएँ। शरीर में वसा-सुतनशील तथा वसा-सुतनशील खनिजों की भूमिका, उनके स्रोत एवं हीनता लक्षण।

1.4 आहार संयोजी-कोथेन सदनक, प्रावायोटिक, एन्जाइम, एन्टिबायोटिक, हार्मोन, ओलियो शर्कराइड, एन्टिबायोटिक, पायसीकारक, संघ संदमक, उधयरोधी, हलवाति। हार्मोन एवं एन्टिबायोटिक जैसे वृद्धिवर्धकों का उपयोग एवं दुष्प्रयोग-नवीनतम संकल्पनाएँ।

1.5 चारा संरक्षण। आहार का भंडारण एवं आहार आवश्यक। आहार प्रौद्योगिकी एवं आहार प्रसंस्करण में अभिनव प्रगति। पशु आहार में उपस्थित पोषणराशी एवं विषैले कारक। आहार विरलेपण एवं गुणता नियंत्रण। पाचनीयता अभिप्रयोग-प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष एवं सूचक विधियाँ। चारण पशुओं में आहार ग्रहण प्रागूक्ति।

- 1.6 रोमंथी पोषण में हुई प्रगति । पोषक तत्व आवश्यकताएं । संतुलित राशन । बछड़ों, सगर्भा, कामकाजी पशुओं एवं प्रजनन सांडों का आहार । दुधारू पशुओं को स्तन्यस्राव चक्र की विभिन्न अवस्थाओं के दौरान आहार देने की युक्तियां । दुग्ध संयोजन आहार का प्रभाव । मांस एवं दुग्ध उत्पादन के लिए बकरी/बकरे का आहार । मांस एवं ऊन उत्पादन के लिए भेड़ का आहार ।
- 1.7 शूकर पोषण । पोषक आवश्यकताएं । विसर्पी, प्रवर्तक, विकासन एवं परिष्कारण राशन । बेचरबी मांस उत्पादन हेतु शूकर-आहार । शूकर के लिए कम लागत के राशन ।
- 1.8 कुक्कुट पोषण । कुक्कुट पोषण के विशिष्ट लक्षण । मांस एवं अंडा उत्पादन हेतु पोषक आवश्यकताएं । अंडे देने वालों एवं ब्रौलरों की विभिन्न श्रेणियों के लिए राशन संरूपण ।

2. पशु शरीर क्रिया विज्ञान :

- 2.1 रक्त की कार्यिकी एवं इसका परिसंचरण, श्वसन; उत्सर्जन । स्वास्थ्य एवं रोगों में अंतःस्रावी ग्रंथि ।
- 2.2 रक्त के घटक-गुणधर्म एवं प्रकार्य-रक्त कोशिका रचना-हीमोग्लोबिन संश्लेषण एवं रसायनकी-प्लाज्मा प्रोटीन उत्पादन, वर्गीकरण एवं गुणधर्म, रक्त का स्कंदन; रक्त स्रावी विकार-प्रतिस्कंदक-रक्त समूह-रक्त मात्रा-प्लाज्मा विस्तारक-रक्त में उभयरोधी प्रणाली । जैव रासायनिक परीक्षण एवं रोग-निदान में उनका महत्व ।
- 2.3 परिसंचरण-हृदय की कार्यिकी, आभिहृदय चक्र, हृदय, हृदयस्पंद, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम । हृदय का कार्य और दक्षता-हृदय प्रकार्य में आयनों का प्रभाव-अभिहृद पेशी का उपापचय, हृदय का तंत्रिका-नियमन एवं रासायनिक नियम, हृदय पर ताप एवं तनाव का प्रभाव, रक्त दाब एवं अतिरिक्त दाब, परासरण नियमन, धमनी स्पंद, परिसंचरण का वाहिका प्रेरक नियमन, स्तब्धता । हृद एवं फुफ्फुस परिसंचरण, रक्त भस्तिष्क रोध-भस्तिष्क तरल-पक्षियों में परिसंचरण ।
- 2.4 श्वसन-श्वसन क्रिया विधि, गैसों का परिवहन एवं विनिमय-श्वसन का तंत्रिका नियंत्रण, रसोग्राही, अल्पआवसीयता, पक्षियों में श्वसन ।
- 2.5 उत्सर्जन-वृक्क की रचना एवं प्रकार्य-मूत्र निर्माण-वृक्क प्रकार्य अध्ययन विधियां-वृक्कीय-अम्ल-क्षार संतुलन नियमन ; मूत्र के शारीरक्रियात्मक घटक-वृक्क पात-निश्चेष्ट शिरः रक्ताधि क्य-चूर्जों में मूत्र स्रवण-स्वेदग्रंथियां एवं उनके प्रकार्य । मूत्रीय दुष्क्रिया के लिए जैवरसायनिक परीक्षण ।
- 2.6 अंतः स्रावी ग्रंथियां-प्रकार्यात्मक दुष्क्रिया उनके लक्षण एवं निदान । हार्मोनो का संश्लेषण, स्रवण की क्रियाविधि एवं नियंत्रण-हार्मोनो-ग्राही-वर्गीकरण एवं प्रकार्य ।

- 2.7 वृद्धि एवं पशु उत्पादन-प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात् वृद्धि, परिपक्वता, वृद्धिवक्र, वृद्धि के माप, वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक, कन्फार्मेशन, शारीरिक गठन, मांस गुणता ।
- 2.8 दुग्ध उत्पाद की कार्यिकी/जनन एवं पाचन-स्तन विकास के हार्मोनो नियंत्रण की वर्तमान स्थिति, दुग्ध स्रवण एवं दुग्ध निष्कासन, नर एवं मादा जनन अंग, उनके अवयव एवं प्रकार्य । पाचन अंग एवं उनके प्रकार्य ।
- 2.9 पर्यावरण कार्यिकी-शरीर क्रियात्मक सम्बन्ध एवं उनका नियमन, अनुकूलन की क्रिया विधि, पशु व्यवहार में शामिल पर्यावरणीय कारक एवं नियात्मक क्रियाविधियां, जलवायु विज्ञान-विभिन्न प्राचल एवं उनका महत्व । पशु पारिस्थितिकी । व्यवहार की कार्यिकी । स्वास्थ्य एवं उत्पादन पर तनाव का प्रभाव ।

3. पशु जनन :

वीर्य गुणता संरक्षण एवं कृत्रिम वीर्यरोचन-वीर्य के घटक, स्पर्मेटोजोआ की रचना, स्थूलित वीर्य का भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, जीवे एवं पात्रे वीर्य को प्रभावित करने वाले कारक । वीर्य उत्पादन एवं गुणता को प्रभावित करने वाले कारक । संरक्षण, तनुकारकों की रचना, शुक्राणु संक्रेरण, तनुकृत वीर्य का परिवहन । गायों, भेड़ों, बकरी, शूकरों एवं कुक्कुटों में गहन प्रशीतन क्रिया-विधियां । स्त्रीमद की पहचान तथा बेहतर गर्भाधान हेतु वीर्यसेचन का समय । अमद अवस्था एवं पुनरावर्ती प्रजनन ।

4. पशुधन उत्पादन एवं प्रबंध :

- 4.1 वाणिज्यिक डेरी फार्मिंग-उन्नत देशों के साथ भारत की डेरी फार्मिंग की तुलना । मिश्रित कृषि के अधीन एवं विशिष्ट कृषि के रूप में डेरी उद्योग । आर्थिक डेरी फार्मिंग । डेरी फार्म शुरू करना, पूंजी एवं भूमि आवश्यकताएं, डेरी फार्म का संगठन । डेरी फार्मिंग में अवसर, डेरी पशु की दक्षता को निर्धारित करने वाले कारक । यूथ अभिलेखन, वजनन, दुग्ध उत्पादन की लागत, कीमत निर्धारण नीति कार्मिक प्रबंध । डेरी गोपशुओं के लिए व्यावहारिक एवं किफायती राशन विकसित करना; वर्ष भर हरे चारे की पूर्ति, डेरी फार्म हेतु आहार एवं चारे की आवश्यकताएं । छोटे पशुओं एवं सांडों, बछियों एवं प्रजनन पशुओं के लिए आहार प्रवृत्तियां; छोटे एवं व्यस्क पशुधन आहार की नई प्रवृत्तियां, आहार अभिलेख ।
- 4.2 वाणिज्यिक मांस, अंडा एवं ऊन उत्पादन-भेड़, बकरी, शूकर, खरगोश, एवं कुक्कुट के लिए व्यावहारिक एवं किफायती राशन विकसित करना । चारे, हरे चारे की पूर्ति, छोटे एवं परिपक्व पशुधन के लिए आहार प्रवृत्तियां । उत्पादन बढ़ाने एवं प्रबंधन की नई प्रवृत्तियां । पूंजी एवं भूमि आवश्यकताएं एवं सामाजिक आर्थिक संकल्पना ।

4.3 सूखा, बाढ़ एवं अन्य नैसर्गिक आपदाओं से पशुओं का आहार एवं उनका प्रबंधन ।

5. आनुवंशिकी एवं पशु-प्रजनन :

पशु आनुवंशिकी का इतिहास । सूत्री विभाजन एवं अधिसूत्री विभाजन ; मेंडल की वंशागति ; मेंडल की आनुवंशिकी से विचलन ; जीन की अभिव्यक्ति ; सहसंयोजकता एवं जीन-विनियमन ; लिंग निर्धारण, लिंग प्रभावित एवं लिंग सीमित लक्षण ; रक्त समूह एवं बहुरूपता ; गुणसूत्र विषयन ; कोशिकाद्रव्य वंशागति । जीन एवं इसकी संरचना ; आनुवंशिक पदार्थ के रूप में DNA ; आनुवंशिक कूट एवं प्रोटीन संश्लेषण ; पुनर्योज DNA प्रौद्योगिकी । उत्परिवर्तन, उत्परिवर्तन के प्रकार, उत्परिवर्तन एवं उत्परिवर्तन से को पहचानने की विधियाँ । पारजनन ।

5.1 पशु प्रजनन पर अनुप्रयुक्त समष्टि आनुवंशिकी-भावात्मक और इसकी तुलना में गुणात्मक विशेषक ; इन्हें जीनबर्ग नियम ; समष्टि और इसकी तुलना में व्यष्टि ; जीन एवं जीन प्ररूप वारंवारता ; जीन वारंवारता को परिचालित करने वाले बल ; प्रादुर्च्छिक अपसरण एवं लघु समष्टियों, तथा गुणांक का सिद्धांत ; अंतःप्रजनन, अंतःप्रजनन गुणक, अकलन की विधियाँ, अंतःप्रजनन प्रणालियाँ, प्रभावी समष्टि आकार ; विभिन्नता संवितरण ; जीन प्ररूप X पर्यावरण पर्यावरण एवं जीन प्ररूप X पर्यावरण अंतःक्रिया ; बहु माप की भूमिका ; संबंधियों के बीच समरूपता ।

5.2 प्रजनन तंत्र-पशुधन एवं कुक्कुटों की नस्लों । जननक्षमता, पुनरुत्पत्तीयता एवं आनुवंशिक एवं समजलक्षणों के संबंध, उनकी आकलन विधि एवं आकलन परिष्कृत रूपों के साधन एवं उनकी संगत योग्यताएं ; व्यष्टि, वंशावली, कुल एवं कुलांतर्गत वरण ; संतति, परीक्षण ; वरण विधियाँ ; वरण सूचकों की रचना एवं उनका उपयोग ; विविध वरण विधियों द्वारा आनुवंशिक लक्ष्यों का तुलनात्मक मूल्यांकन ; अप्रत्यक्ष वरण एवं सहसंबंधित अनुक्रिया ; अंतःप्रजनन, बहिःप्रजनन, अपग्रेडिंग, संकरण एवं प्रजनन संश्लेषण ; अंतःप्रजनित लाइनों का वाणिज्यिक प्रयोजनों हेतु संकरण ; सामान्य एवं विशिष्ट संयोजन योग्यता हेतु वरण ; दहली लक्षणों के लिए प्रजनन । सायर इंडेक्स ।

6. विस्तार

विस्तार का आधारभूत दर्शन, उद्देश्य, संकल्पना एवं सिद्धांत । किसानों को ग्रामीण दशाओं में शिक्षित करने की विभिन्न विधियाँ । प्रौद्योगिक पीढ़ी, इसका अंतरण एवं प्रतिपुष्टि । प्रौद्योगिकी अंतरण में समस्याएं एवं कठिनाइयाँ । ग्रामीण विकास हेतु पशुपालन कार्यक्रम ।

प्रश्न पत्र-2

1. शरीर रचना विज्ञान, भेषज गुण विज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान :

1.1 ऊतक विज्ञान एवं उतकीय तकनीक : ऊतक प्रकरण एवं H.E. अभिरंजन की पैराफीन अंतःस्थापित तकनीक-

हिमीकरण माइक्रोटीमी-सूक्ष्मदर्शिकी-दीप्त क्षेत्र सूक्ष्मदर्शी एवं इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी । कोशिका की कोशिकाविज्ञान संरचना, कोशिकांग एवं अंतर्वेशन ; कोशिका विभाजन-कोशिका प्रकार-ऊतक एवं उनका वर्गीकरण- भूजीय एवं वयस्क ऊतक-अंगों का तुलनात्मक ऊतक विज्ञान-संवहनी । तंत्रिका, पाचन, श्वसन, पेशी कंकाली एवं जननभूत तंत्र-अंतःस्त्रावी ग्रंथियाँ अध्यावरण-संवैदी अंग ।

1.2 भ्रूण विज्ञान-पक्षिगर्भ एवं घरेलू स्तनपायियों के विशेष संरभ के साथ कशेरुकियों का भ्रूण विज्ञान-युग्मक जनन-निषेचन-जनन स्तर-गर्भ झिल्ली एवं अपरान्यास-घरेलू स्तनपायियों में अपरा के प्रकार-विरूपताविज्ञान-यमल एवं वयलन-अंगविकास-जनन स्तर व्युत्पन्न-अंतरचर्मा, भ्रूणचर्मा एवं बहिर्चर्मा व्युत्पन्न ।

1.3 गो-शारीरिक-क्षेत्रीय शारीरिक : वृषभ के पैरानासीय कोटर-लारग्रंथियों की बहिस्तल शारीरिकी । अवनत्रकोटर, जंभिका, चिबुक-कूपिका-मानसिक एवं शूंगी तंत्रिका रोध की क्षेत्रीय शारीरिकी । पराकशेरुक तंत्रिकाओं की क्षेत्रीय शारीरिकी, गुह्य तंत्रिका, मध्यम तंत्रिका, अंतःप्रकांठिका तंत्रिका एवं बहिः प्रकांठिका तंत्रिका-अंतर्जंघिका बहिर्जंघिका एवं अंगुलि तंत्रिकाएं-कपाल तंत्रिकाएं-आंध्रदृष्टानिका संज्ञाहरण में शामिल संरचनाएं-उपरिस्थ लसीका पर्व-वक्षीय, उदरीय तथा श्रोणीय गुहिका के अंतरांगों की बहिस्तर शारीरिकी-गतितंत्र की तुलनात्मक विशेषताएं एवं स्तनपायी शरीर की जैवयांत्रिकी में उनका अनुप्रयोग ।

1.4 कुक्कुट शारीरिकी-पेशी-कंकाली तंत्र-श्वसन एवं उड़ने के संबंध में प्रकायात्मक शारीरिकी, पाचन एवं अंडोत्पादन ।

1.5 भेषज गुण विज्ञान एवं भेषज बलगतिकी के कोशिकीय स्तर । तरलों पर कार्यकारी औषधें एवं विद्युत अपघट्य संतुलन । स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र पर कार्यकारी औषधें । संज्ञाहरण की आधुनिक संकल्पनाएं एवं वियोजी संज्ञाहरण । ऑटोकाइंडा । प्रतिरोगाणु एवं रोगाणु संक्रमण में रसायन चिकित्सा के सिद्धांत । चिकित्साशास्त्र में हार्मोंन का उपयोग-परजीवी संक्रमणों में रसायन चिकित्सा । पशुओं के खाद्य ऊतकों में औषध एवं आर्थिक सरोकार-अर्बुद रोगों में रसायन चिकित्सा । कौटनाशकों, पौधों, धातुओं, अधातुओं, जंतुविषों एवं कवकविषों के कारण विषालुता ।

1.6 जल, वायु एवं वासस्थान के संबंध के साथ पशु स्वास्थ्य विज्ञान-जल, वायु एवं मृदा प्रदूषण का आकलन-पशु स्वास्थ्य में जलवायु का महत्व-पशु कार्य एवं निष्पादन में पर्यावरण का प्रभाव-पशु कृषि एवं औद्योगीकरण के बीच संबंध-विशेष श्रेणी के घरेलू पशुओं, यथा, सगाँवाँ गो एवं शूकरी, दुधारू गाय, ब्रायलर पक्षी के लिए आवास आवश्यकताएं-पशु वासस्थान के संबंध में तनाव, श्रान्ति एवं उत्पादकता ।

2. पशु रोग :

- 2.1 गोपशु, भेड़ तथा अजा, घोड़ा, शूकर तथा कुक्कुट के संक्रामक रोगों का रोगकारण, जानपदिक रोग विज्ञान, रोगजनन, लक्षण, मरणोत्तर विक्षति, निदान एवं नियंत्रण :
- 2.2 गोपशु, घोड़ा, शूकर एवं कुक्कुट के उत्पादन रोगों का रोग कारण, जानपदिक रोग विज्ञान, लक्षण, निदान, उपचार ।
- 2.3 घरेलू पशुओं और पक्षियों के होनता रोग ।
- 2.4 अंतर्घट्टन, अफरा, प्रवाहिका, अजीर्ण, निर्जलीकरण, आघात, विषाक्तता जैसा अविशिष्ट दशाओं का निदान एवं उपचार ।
- 2.5 तंत्रिका वैज्ञानिक विकारों का निदान एवं उपचार ।
- 2.6 पशुओं के विशिष्ट रोगों के प्रति प्रतिरक्षीकरण के सिद्धांत एवं विधियाँ मृथ प्रतिरक्षा रोगमुक्त क्षेत्र—“शून्य” रोग संकल्पना रसायन रोग निरोध ।
- 2.7 संज्ञाहरण-स्थायिक क्षेत्रीय एवं सार्वदेहिक-संज्ञाहरण पूर्व आँबध प्रदान । अस्थिभंग एवं संधिच्युति में लक्षण एवं शल्य व्यतिकरण । हर्निया, अवरोध, चतुर्थ आमाशयी विस्थापन सिजेरियन शस्त्रकर्म । रोमधिका-छेदन-जनदनाशन ।
- 2.8 रोग जांच तकनीक-प्रयोगशाला जांच हेतु सामग्री-पशु स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना-रोगमुक्त क्षेत्र ।

3. सार्वजनिक पशु स्वास्थ्य :

- 3.1 पशुजन्य रोग-वर्गीकरण, परिभाषा, पशुजन्य रोगों की व्यापकता एवं प्रसार में पशुओं एवं पक्षियों की भूमिका-पेशागत पशुजन्य रोग ।
- 3.2 जानपदिक रोग विज्ञान-सिद्धांत, जानपदिक रोगों विज्ञान संबंधी पदावली की परिभाषा, रोग तथा उनकी रोकथाम के अध्ययन में जानपदिक रोगविज्ञानी उपायों का अनुप्रयोग । वायु, जल तथा खाद्य जनित संक्रमणों के जानपदिक रोगविज्ञानीय लक्षण । OIE विनियम, WTO स्वच्छता एवं पादप-स्वच्छता उपाय ।
- 3.3 पशुचिकित्सा विधिशास्त्र-पशुगुणवत्ता सुधार तथा पशु रोग निवारण के लिए नियम एवं विनियम-पशुजनित एवं पशु उत्पाद जनित रोगों के निवारण हेतु राज्य एवं केन्द्र के नियम-SPCA पशु चिकित्सा-विधिक मामले-प्रमाणपत्र-पशु चिकित्सा विधिक जांच हेतु नमूनों के संग्रहण की सामग्रियाँ एवं विधियाँ ।

4. दुग्ध एवं दुग्धोत्पाद प्रौद्योगिकी :

- 4.1 घाजर का दूध : कच्चे दूध की गुणता, परीक्षण एवं कोटि निर्धारण । प्रसंस्करण, परिवेष्टन, भंडारण, वितरण, विपणन, दोष एवं उनकी रोकथाम । निम्नलिखित प्रकार के दूध को बनाना : पार्श्वचुरीकृत, मानकित, डोन्ड, डबल डोन्ड, निर्जीवाणुकृत, समांगीकृत, पुनर्निर्मित पुनर्संयोजित एवं सुवासित दूध । संवर्धित दूध तैयार करना, संवर्धन तथा

उनका प्रबंध, योगर्ट, दही, लस्सी एवं श्रीखंड । सुवासित एवं निर्जीवाणुकृत दूध तैयार करना । विधिक मानक । स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध तथा दुग्ध संयंत्र उपस्कर हेतु स्वच्छता आवश्यकताएँ ।

- 4.2 दुग्ध उत्पाद प्रौद्योगिकी : कच्ची सामग्री का चयन, क्रीम, मक्खन, घी, खोया, छेना, चीज, संघनित, वाष्पित, शुष्किलत दूध एवं शिशु आहार, आइसक्रीम तथा कुल्फी जैसे दुग्ध उत्पादों का प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण एवं विपणन, उपोत्पाद, छेने के पानी के उत्पाद, छाछ (बटर मिल्क), लैक्टोज एवं कंसीन । दुग्ध उत्पादों का परीक्षण, कोटि-निर्धारण, उन्हें परखना । BIS एवं एगमार्क विनिर्देशन, विधिक मानक, गुणता नियंत्रण एवं पोषक गुण । संवेष्टन, प्रसंस्करण एवं सक्रियात्मक नियंत्रण । डेरी उत्पादों का लागत निर्धारण ।

5. मांस स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी :

5.1 मांस स्वास्थ्य विज्ञान

- 5.1.1 खाद्य पशुओं की मृत्यु पूर्व देखभाल एवं प्रबंध, विसंज्ञा, वध एवं प्रसाधन सक्रिया, वधशाला आवश्यकताएँ एवं अभिकल्प; मांस निरीक्षण प्रक्रियाएँ एवं पशुशव मांसखंडों को परखना-पशुशव-मांसखंडों का कोटि निर्धारण-पुष्टिकर मांस उत्पादन में पशुचिकित्सकों के कर्तव्य और कार्य ।
- 5.1.2 मांस उत्पादन संभालने की स्वास्थ्यकर विधियाँ-मांस का बिगड़ना एवं इसकी रोकथाम के उपाय-वधोपरांत मांस में भौतिक-रासायनिक परिवर्तन एवं इन्हें प्रभावित करने वाले कारक-गुणता सुधार विधियाँ-मांस में मिलावट एवं इसकी पहचान-मांस व्यापार एवं उद्योग में नियामक उपबंध ।

5.2 मांस प्रौद्योगिकी

- 5.2.1 मांस के भौतिक एवं रासायनिक लक्षण-मांस इमल्शन-मांसपरीक्षण की विधियाँ-मांस एवं मांस उत्पादन का संसाधन; डिब्बाबंदी, किरणन, संवेष्टन, प्रसंस्करण एवं संयोजन ।
- 5.3 उपोत्पाद-वधशाला उपोत्पाद एवं उनके उपयोग-खाद्य एवं अखाद्य उपोत्पाद-वधशाला उपोत्पाद के समुचित उपयोग क सामाजिक एवं आर्थिक निहितार्थ-खाद्य एवं भैषजिक उपयोग हेतु अंग उत्पाद ।
- 5.4 कुक्कुट उत्पाद प्रौद्योगिकी-कुक्कुट मांस के रासायनिक संघटन एवं पोषक मान-वध की देखभाल तथा प्रबंध । वध की तकनीकें, कुक्कुट मांस एवं उत्पादों का निरीक्षण, परिरक्षण । विधिक एवं BIS मानक । अंडों की संरचना, संघटन एवं पोषक मान । सूक्ष्मजीवी विवृति । परिरक्षण एवं अनुरक्षण । कुक्कुट मांस, अंडों एवं उत्पादों का विपणन । मूल्य वर्धित मांस उत्पाद ।
- 5.5 खरगोश/फर वाले पशुओं की फार्मिंग-खरगोश मांस उत्पादन । फर एवं ऊन का निपटान एवं उपयोग तथा अपशिष्ट उपोत्पादों का पुनश्चक्रण । ऊन का कोटिनिर्धारण ।

भूविज्ञान

प्रश्न पत्र - I

- 1.1 भूविज्ञान का अर्थ, विषय क्षेत्र एवं विभाग
- 1.2 अन्य विषयों के साथ संबंध : सामाजिक विज्ञान, व्यवहारपरक विज्ञान, जीव विज्ञान, आर्थिक विज्ञान, भू-विषयक विज्ञान एवं मानविकी।
- 1.3 भूविज्ञान की प्रमुख शाखाएं, उनका क्षेत्र तथा प्रायोगिकता :
 - (क) सामाजिक-सांस्कृतिक भूविज्ञान।
 - (ख) जैविक विज्ञान।
 - (ग) पुरातत्व-भूविज्ञान।
 - (घ) भाषा-भूविज्ञान।
- 1.4 मानव विकास तथा मनुष्य का आविर्भाव :
 - (क) मानव विकास में जैव एवं सांस्कृतिक कारक;
 - (ख) जैव विकास के सिद्धांत (डार्विन-पूर्व, डार्विन कालीन एवं डार्विनोत्तर);
 - (ग) विकास का संश्लेषणात्मक सिद्धांत; विकासात्मक जीव विज्ञान की पदावली एवं संकल्पनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा (डॉल का नियम, कोप का नियम, गॉस का नियम, समांतरवाद, अभिसरण, अनुकूली विकिरण एवं मोजेक विकास)।
- 1.5 नर-वानर की विशेषताएं: विकासात्मक प्रवृत्ति एवं नर-वानर वर्गीकी; नर-वानर अनुकूलन; (वृक्षीय एवं स्थलीय) नर-वानर वर्गीकी; नर-वानर व्यवहार, तृतीयक एवं चतुर्थक जीवाश्म नर-वानर, जीवित प्रमुख नर-वानर; मनुष्य एवं वानर की तुलनात्मक शरीर-रचना; नृ संस्थिति के कारण हुए कंकालीय परिवर्तन एवं हल्के निहितार्थ।
- 1.6 जातिवृत्तीय स्थिति, निम्नलिखित की विशेषताएं एवं भौगोलिक वितरण :
 - (क) दक्षिण एवं पूर्व अफ्रीका में अतिनूतन अत्यंत नूतन होमिनिड-आस्ट्रेलोपिथेसिन
 - (ख) होमोइरेक्टस : अफ्रीका (पैन्थ्रोपस), यूरोप (होमोइरेक्टस हीडेल बर्जेन्सिस), एशिया होमोइरेक्टस जावानिकस, होमो इरेक्टस पेकाइनेन्सिस)
 - (ग) निएन्डरथल मानव-ला-शापेय-ओ सैंत (क्लासिकी प्रकार), माउंट कारमेस (प्रगामी प्रकार)
 - (घ) रोडेसियन मानव।
 - (ङ) होमो-सैपिएन्स-क्रोमैगन, ग्रिमाली एवं चांसलीड।
- 1.7 जीवन के जीववैज्ञानिक आधार : कोशिका, DNA संरचना एवं प्रतिकृति, प्रोटोन संश्लेषण, जेन, उत्परिवर्तन, क्रोमोसोम एवं कोशिका विभाजन।
- 1.8 (क) प्रागैतिहासिक पुरातत्त्व विज्ञान के सिद्धांत/कालानुक्रम : सापेक्ष एवं परम काल निर्धारण विधियां।

(ख) सांस्कृतिक विकास-प्रागैतिहासिक संस्कृति का विकास

- (i) पुरापाषाण
 - (ii) मध्य पाषाण
 - (iii) नव पाषाण
 - (iv) ताम्र पाषाण
 - (v) ताम्र-कांस्य युग
 - (vi) लोह युग।
- 2.1 संस्कृति का स्वरूप : संस्कृति और सभ्यता की संकल्पना एवं विशेषता; सांस्कृतिक सापेक्षवाद की तुलना में नृजाति केन्द्रिकता।
 - 2.2 समाज का स्वरूप : समाज की संकल्पना; समाज एवं संस्कृति; सामाजिक संस्थाएं; सामाजिक समूह; एवं सामाजिक स्तरीकरण।
 - 2.3 विवाह : परिभाषा एवं सार्वभौमिकता; विवाह के नियम (अंतर्विवाह, बहिर्विवाह, अनुलोमविवाह, अगम्यगमन निषेध); विवाह के प्रकार (एक विवाह प्रथा, बहु विवाह प्रथा, बहुपति प्रथा, समूह विवाह)। विवाह के प्रकार्य; विवाह विनियम (अधिमान्य, निर्दिष्ट एवं अभिनिषेधक); विवाह भुगतान (वधू धन एवं दहेज)।
 - 2.4 परिवार : परिभाषा एवं सार्वभौमिकता; परिवार, गृहस्थी एवं गृह्य समूह; परिवार के प्रकार्य; परिवार के प्रकार (संरचना, रक्त-संबंध, विवाह, आवास एवं उत्तराधिकार के परिप्रेक्ष्य से); नागरीकरण, औद्योगिकरण एवं नारी अधिकारवादी आंदोलनों में परिवार पर प्रभाव।
 - 2.5 नातेदारी : रक्त संबंध एवं विवाह, संबंध; वंशानुक्रम के सिद्धांत एवं प्रकार (एकरेखीय, द्वैध, द्विपक्षीय, उभयरेखीय); वंशानुक्रम, समूह के रूप (वंशपरंपरा, गोत्र, फ्रेटरी, मोइटी एवं संबंधी); नातेदारी शब्दावली (वर्णनात्मक एवं वर्गीकारक); वंशानुक्रम, वंशानुक्रमण एवं पूरक वंशानुक्रमण; वंशानुक्रमांक एवं सहबंध।
 3. आर्थिक संगठन : अर्थ, क्षेत्र एवं आर्थिक भूविज्ञान की प्रासंगिकता; रूपवादी एवं तत्ववादी बहस; उत्पादन, वितरण एवं समुदायों में विनिमय (अन्योन्यता, पुनर्वितरण एवं बाजार), शिकार एवं संग्रहण, मत्स्यन, स्विडेनिंग, पशुचारण, उद्यानकृषि एवं कृषि पर निर्वाह; भूमंडलीकरण एवं देशी आर्थिक व्यवस्थाएं।
 4. राजनैतिक संगठन एवं सामाजिक नियंत्रण : टोली, जनजाति, सरदारी, राज एवं राज्य; सत्ता, प्राधिकार एवं वैधता की संकल्पनाएं; सरल समाजों में सामाजिक नियंत्रण, विधि एवं न्याय।
 5. धर्म : धर्म के अध्ययन में नृवैज्ञानिक उपागम (विकासात्मक, मनोवैज्ञानिक एवं प्रकार्यात्मक); एकेश्वरवाद; पवित्र एवं अपावन; मिथक एवं कर्मकांड; जनजातीय एवं कृषक

1. The first step is to identify the key components of the system. This includes understanding the hardware, software, and data involved.

नवैकान्तिक सिद्धांतः

- (क) क्लासिकी विकासवाद (रुडाल्फ, मॉर्गन एवं प्रेजर)
- (ख) ऐतिहासिक विश्लेषणवाद (ब्राउसर), विमर्शवाद (बिर्टर, जर्मन एवं अमेरिकी)
- (ग) प्रकल्पवाद (मैलिनाइव्स्की); संरचना-प्रकार्यवाद (रैडक्लिफ-ब्राउन)
- (घ) संरचनावाद (लेवी स्ट्रास एवं ई लोश)
- (च) संस्कृति एवं व्यक्तित्व (बेनेडिक्ट, मोड, लिटन, कार्डिनर एवं कोरा-दु-बुवा)
- (छ) नव-विकासवाद (विल्ड, क्राइट, स्ट्यूवर्ड, शाहलिस एवं सर्विस)
- (ज) सांस्कृतिक भौतिकवाद (हैरिस)
- (झ) प्रतीकात्मक एवं अर्थनिरूपी सिद्धांत (टर्नर, रनाइडर एवं गोर्ट्ज)।
 - (क) संज्ञानात्मक सिद्धांत (टायलर कांक्सन)
 - (ख) नृविज्ञान में उत्तर-आधुनिकतावाद

7. **संस्कृति, भाषा एवं संचार :** भाषा का स्वरूप, उद्गम एवं विशेषताएं; वाचिक एवं अवाचिक संप्रेषण; भाषा प्रयोग के सामाजिक संदर्भ ।

४ नृविज्ञान में अनुसंधान पद्धतियां :

- (क) नृविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा
- (ख) तकनीक, पद्धति एवं कार्य-विधि के बीच विभेद
- (ग) दत्त संग्रहण के उपकरण : प्रेक्षण, साक्षात्कार, अनुसूचियाँ, प्रश्नावली, केस अध्ययन, वंशावली, मौखिक इतिवृत्त, सूचना के द्वितीयक स्रोत, सहभागिता पद्धति ।
- (घ) दत्त का विश्लेषण, निर्वचन एवं प्रस्तुतीकरण ।

9.1 मानव आनुवंशिकी-पद्धति एवं अनुप्रयोग : मनुष्य परिवार अध्ययन में आनुवंशिक सिद्धांतों के अध्ययन की पद्धतियाँ (वंशावली विश्लेषण, युग्म अध्ययन, पोथ्यपुत्र, सह-युग्म पद्धति, कोशिका-जननिक पद्धति, गुणसूत्री एवं केन्द्रक ररूप विश्लेषण), जैव रसायनी पद्धतियाँ, रोधक्षमतात्मक पद्धतियाँ, D.N.A. प्रौद्योगिकी, एवं पुनर्योगज प्रौद्योगिकियाँ ।

9.2 मनुष्य-परिवार अध्ययन में मेंडेलीय आनुवंशिकी, मनुष्य में एकल उपादान, बहु उपादान, घातक, अवघातक एवं अनेकजीनी वंशागति ।

9.3 आनुवंशिक बहुरूपता एवं वरण की संकल्पना, मेंडेलीय जनसंख्या, हार्डी-वीनबर्ग नियम; बारंबारता में कमी

१०४ गुणसूर गुहं यन्मूः ॐ गुणसूरी विप्रेषण विप्रेषिणि

- (क) संक्रामक एवं गैरसंक्रामक विषयन : एचआईवी
- (ख) लिंग-सुषुम्बी विषयन-कण्डलीकृत गैर-सुषुम्बी, डेला (K0), प्रतिशया (K00), अतिलिंग एवं वयः संरक्षणालम्बक अध्ययनसर्गः ।
- (ग) अलिंग-सुषुम्बी विषयन-डाउन स्निक्षण, यानो, एडवर्ड एवं क्रि-यु-शॉ सलक्षण
- (घ) मानव रोगों में आनुवंशिक अध्ययन, आनुवंशिक स्त्रीनिग, आनुवंशिक उपबोधन, मानव DNA, प्रोफाइलिंग, जीन मैपिंग एवं जीनोम अध्ययन ।

9.5 प्रजाति एवं प्रजातिवाद, दूरीक एवं अदूरीक लक्षणों की आकारिकीय विभिन्नताओं का जीववैज्ञानिक आधार । प्रजातीय निकष, आनुवंशिकता एवं पर्यावरण के संबंध में प्रजातीय विशेषक; मनुष्य में प्रजातीय वर्गीकरण, प्रजातीय विभेदन एवं प्रजाति संकरण का जीव वैज्ञानिक आधार ।

9.6 आनुवंशिक चिह्नक के रूप में आयु, लिंग एवं जनसंख्या विभेद-ABO, Rh रक्तसमूह, HLA Hp, ट्रैन्सफेरिन, Gm, रक्त एन्जाइम । शरीरक्रियात्मक लक्षण-विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक समूहों में Hb, स्तर, शरीर वसा, स्पंद दर, श्वसन प्रकार्य एवं संवेदी प्रत्यक्षण ।

9.7 पारिस्थितिक नृविज्ञान की संकल्पनाएं एवं पद्धतियां ।
जैव-सांस्कृतिक अनुकूलन-जननिक एवं अजननिक कारक।
पर्यावरणीय दबावों के प्रति मनुष्य की शरीरक्रियात्मक
अनुक्रियाएं : गर्म मरुभूमि, शीत उच्च तंगता जलवायु ।

9.8 जानपदिक रोग विज्ञानीय नृविज्ञान : स्वास्थ्य एवं रोग।
संक्रामक एवं असंक्रामक रोग । पोषक तत्वों की कमी से
संबंधित रोग ।

10. मानव वृद्धि एवं विकास की संकल्पना : वृद्धि की अवस्थाएं- प्रसव पूर्व, प्रसव, शिशु, बचपन, किशोरावस्था, परिपक्वावस्था, जरात्व ।

- वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले कारक : जननिक, पर्यावरणीय, जैव रासायनिक, पोषण संबंधी, सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक ।
- कालप्रभावन एवं जरतव । सिद्धांत एवं प्रेक्षण-जैविक एवं कालानुक्रमिक दीर्घ आयु । मानवीय शरीर गठन एवं कार्यप्ररूप । वृद्धि अध्ययन की क्रियाविधियाँ ।

11.1 रजोदर्शन, रजोनिवृत्ति एवं प्रजनन शक्ति की अन्तर्जैव घटनाओं की प्रासंगिकता । प्रजनन शक्ति के प्रतिरूप एवं विभेद ।

- [illegible]

वनस्पति विज्ञान

प्रश्नपत्र-1

1. सूक्ष्मजैविकी एवं अन्तःपरोप विज्ञान :

विषाणु, वाइरस, कोवाणु, फंगाई एवं माइक्रोप्लाज्मा संरचना एवं प्रजनन : बहुपलक, पूर्ण, उल्लेख चिकित्सा तथा वायु एवं मृदा एवं जल में प्रदूषण-निरोधन में सूक्ष्मजैविकी के अनुप्रयोग : ज्ञात एवं प्राचीन पदार्थ :

विषाणुशास्त्र, कोवाणुशास्त्र, वाइरसशास्त्र, फंगाई तथा सूक्ष्मभूषण द्वारा होने वाले प्रमुख पादप रोग : संक्रमण और फैलाव की विधियाँ : संक्रमण तथा रोग प्रतिरोध के आणविक आधार : परजीविता की कार्यात्मक और नियंत्रण के उपाय : कवक आविष : मॉडलिंग एवं रोग प्रयोगात्मक प्रत्यक्ष साक्ष्य :

2. क्रिस्टोलोगी :

शर्करा, तन्तु, लाइकन, ब्रायोफाइट, टेरीडोफाइट-संरचना और जनन का विकासगतिकी महत्व : भारत में क्रिस्टोलोगी का वितरण और जनक पर्यावरणिक एवं आर्थिक महत्व :

3. पुष्पाभिवृद्धि :

आनुवंशिकी : एवं अनावृत बीजों की अवधारणा : अनावृतबीजों का वर्गीकरण और विवरण : साइकोटोडोन्टोज, गिंगोएडोन्टोज, कॉनोफेरेलीज और पातेलीज के मुख्य लक्षण, संरचना व जनन : साइकोडोफिलिकोलीज, मेडिफेरेलीज तथा काटेडोलीज का संरचना व जनन : भूवैज्ञानिक समयमान, कोवाणुप्रकार एवं उनके अध्ययन की विधियाँ : आनुवंशिकी : वर्गीकी, परावर्तकी, गुणसूत्र, परावर्तकीय और जीनोम :

वर्गीकी साधन : वनस्पतिक नामप्रणालि के अंतराष्ट्रीय कूट, संरचनात्मक वर्गीकी एवं रसायन वर्गीकी शरीरिका, भूण विज्ञान एवं परावर्तकी विज्ञान में साधन :

आनुवंशिकी का उद्गम एवं विकास, आनुवंशिकी के वर्गीकरण की विभिन्न प्रणालियों का तुलनात्मक विवरण, आनुवंशिकी कुलों का अध्ययन-मोनोलाइस, डैनमकुलेसी, थ्रेसीफोसी, रोजेसी, फेबेसी, यूफोर्बिएसी, माल्वेसी, डिफटेकार्पेसी, एपिएसी, एक्लेपिडिएसी, बर्बिनेसी, सोलैनेसी, रुबिएसी, कुकुर्बिटिएसी, ऐस्टीरेसी, पोएसी, ओरकेसी, विलिएसी, म्यूजेसी एवं अर्कटोइसी : रंध एवं उनके प्रकार, ग्रंथीय एवं अग्रंथीय ट्राइकोम, विसंग द्वितीयक बुद्धि, सी 3 और सी-4 पौधों का शरीर : जाइलम एवं फ्लोएम विभजन, काष्ठ शरीर :

नर और मादा युग्मकाभिवृद्धि का परिवर्धन, परागण, निषेचन : भ्रूणपाथ-इसका परिवर्धन और कार्य : भ्रूण परिवर्धन के स्वरूप : बहुभ्रूणता, असंगजनन, परागण विज्ञान के अनुप्रयोग, परागभंडारण एवं टेस्ट ट्यूब निषेचन सहित प्रयोगात्मक भ्रूण विज्ञान :

4. पादप संसाधन विकास :

पादप शान्ति एवं परिचय, कूट पौधों का उद्भव, उद्भव संबंधी वैलोलोव के केंद्र, खाद्य, चारा, रेशों, मसालों, पेय पदार्थों, खाद्य तेलों, औषधियों, म्हापकों, कीटनाशकों, इमारती लकड़ी, गोंद, रंजकों तथा रंजकों के स्रोतों के रूप में पौधे, लेटेक्स, सेलुलोज, मंड और उनके उत्पाद : इत्रसजी : भारत के संदर्भ में नुकुलवनस्पतिकी का महत्व : ऊर्जा वृक्षोपण, वनस्पतिक उद्योग और पादपालय :

5. आकारजनन :

पूर्ण शक्तिता, ध्रुवणता, सममिति और विभेदन : कोशिका, ऊतक, अंग एवं जीवद्रव्यक संवर्धन : कार्यात्मक संकर और द्रव्य संकर : माइक्रोप्रोपेगेशन, सोमाक्लोनल विविधता एवं इसका अनुप्रयोग, पराग अगुणित, अन्त्रियोरस्क्य विधियाँ एवं उनके अनुप्रयोग :

प्रश्न पत्र-2

1. कोशिका जैविकी :

कोशिका जैविकी की विधियाँ : प्राक्केंद्रकी और सुकेंद्रकी कोशिकाएँ-संरचनात्मक और परासंरचनात्मक बारीकियाँ : कोशिका बाह्य आधात्री अधवा कोशिकाबाह्य आव्यूह (कोशिका भित्ति) तथा झिल्लियों की संरचना और कार्य-कोशिका आसंजन, झिल्ली अभिगमन तथा आशयी अभिगमन : कोशिका अंगकों (हार्ति तन्तु केंद्रक सूचकिकाएँ, ई आर, डिक्क्रियोसोम, राइबोसोम, अंतःकाय, तदनकाय, परऑक्सीसोम) की संरचना और कार्य : साइटोस्केलेटन एवं माइक्रोट्यूब्यूल्स, केंद्रक, केंद्रिक, केंद्री रंध सम्मिश्र : क्रोमेटिन एवं न्यूक्लियोसोम : कोशिका संकेतन और कोशिकाग्राही : संकेत चारक्रमण : समसूत्रण और अर्धसूत्रण विभाजन, कोशिका चक्र का आणविक आधार : गुणसूत्रों में संख्यात्मक और संरचनात्मक विभिन्नताएँ तथा उनका महत्व : क्रोमेटिन व्यवस्था एवं जीनोम संवेष्टन, पॉलिडोन गुणसूत्र, बी-गुणसूत्र-संरचना व्यवहार और महत्व :

2. आनुवंशिकी, आणविक जैविकी और विकास :

आनुवंशिकी का विकास और जीन बनाम युग्मविकल्पी अवधारणा (कूट विकल्पी), परमाणुतात्मक आनुवंशिकी तथा बहुकारक : अपूर्ण प्रभाविता, बहुजननिक वंशागति, बहुविकल्पी सहसंयोजकता तथा विनिमय-आणविक मानचित्र (मानचित्र प्रकारों की अवधारणा) सहित जीन मानचित्रण की विधियाँ : लिंग गुणसूत्र तथा लिंग सहसंयोजक वंशागति, लिंग निर्धारण और लिंग विभेदन का आणविक आधार : उल्लिखित (जैव रासायनिक और आणविक आधार) कोशिकाद्रव्यी वंशागति एवं कोशिकाद्रव्यी जीन (नर वंशता की आनुवंशिकी सहित) :

न्यूक्लीय अम्लों और प्रोटीनों की संरचना तथा संश्लेषण : आनुवंशिक कूट और जीन अभिव्यक्ति का नियमन : जीन नोरवता, बहुजीन कुल, जैव विकास-प्रमाण, क्रियाविधि तथा सिद्धांत : उद्भव तथा विकास में RNA की भूमिका :

3. पादप प्रजनन, जैव प्रोटोगिकी तथा जैव सांख्यिकी :

पादप प्रजनन की विधियाँ-आप्रवेश, चयन तथा संकरण : (वंशावली, प्रतीप संकर, सामूहिक चयन, व्यापक पद्धति) उत्परिवर्तन, बहुगुणता, नरबन्धता तथा संकर ओज प्रजनन : पादप प्रजनन में असंगजनन का उपयोग : DNA अनुक्रमण, आनुवंशिक इंजीनियरी-जीन अंतरण की विधियाँ; पारजीनी सत्य एवं जैव सुरक्षा पहलू, पादप प्रजनन में आणविक चिह्नक का विकास एवं उपयोग : उपकरण एवं तकनीक-प्रोब, दक्षिणी ब्लास्टिंग, DNA फिंगर प्रिंटिंग, PCR एवं FISH : मानक विचलन तथा विचरण गुणांक (सी बी), सार्धकता परीक्षण, (जैड-परीक्षण, टी-परीक्षण तथा काई-वर्ग परीक्षण) : प्रायिकता तथा बंटन (सामान्य, द्विपदी तथा प्वासों बंटन) संबंधन तथा समाश्रयण :

4. शरीर क्रिया विज्ञान तथा जैव रसायनिकी :

जल संबंध, खनिज पोषण तथा आयन अभिगमन, खनिज न्युताएँ : प्रकाश संश्लेषण-प्रकाश रसायनिक अभिक्रियाएँ, फोटो फॉस्फोरिलेशन एवं कार्बन फिक्सेशन पाथवे, C_3 , C_4 और कैम दिशामार्ग : फ्लोएम परिवहन की क्रियाविधि रवसन (किण्वन सहित अवायुजीवीय और वायुजीवीय)-इलेक्ट्रॉन अभिगमन शृंखला और ऑक्सीकरण फॉस्फोरिलेशन फोटो रवसन, रसोपरासरी सिद्धांत तथा ATP संश्लेषण : लिपिड उपापचय, नाईट्रोजन स्थिरीकरण एवं नाईट्रोजन उपापचय : किण्व, सहकिण्व, ऊर्जा

अवस्था तथा ऊर्जा संरक्षण। द्वितीयक उत्पादचयनों का महत्व। प्रकाशप्रतिक्रियाओं के रूप में वर्णक (फ्लोरोप्रोटीन वर्णक तथा पादप वर्णक)। श्वसन संश्लेषण, दोषिकर्तव्यता तथा पुष्पन, बसंतीकरण, जीर्णन। वृद्धि पदार्थ। उनकी द्रव्यगतिक प्रकृति। कृषि बागवानी में जल की भूमिका और प्रत्युत्पादन, वृद्धिसंकेत, वृद्धिगतियों। प्रतिफल शक्ति (ताप, जल, लवण, आदि)। फल एवं बीज शक्ति। बीजों की प्रसुप्ति, भंडारण तथा प्रसुप्ति अंकुरण। फल का पकन—इसका आणविक आधार तथा जीवप्रवृत्ति।

3. परिस्थितिकी तथा पादप भूगोल :

परितंत्र को संकल्पना, पारिस्थितिक कारक। सम्पदा की अवधारणाएँ और गतिकी। पादप अनुक्रमण। जीव मंडल की अवधारणा। पारितंत्र, संरक्षण। प्रदुषण और उसका नियंत्रण (फाइटीरोमॉडिफेशन सहित)। पादप सूचक, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम।

भारत में वनों के प्रारूप—वनों का पारिस्थितिक एवं आर्थिक महत्व। वनरोपण, वनोन्मूलन तथा सामाजिक वानिकी। संकटापन्न पौध, स्थानिकता, IUCN कोटियाँ, रेड डाटा बुक। जैव विविधता एवं उसका संरक्षण, संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क, जैव विविधता पर सम्मेलन, किसानों के अधिकार एवं बौद्धिक संपदा अधिकार, संशोधनीय विकास की संकल्पना, जैव-भू-रासायनिक चक्र, भूमंडलीय तापन एवं जलवायु परिवर्तन, संक्रमक जातियाँ, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, भारत के पादप भूगोलीय क्षेत्र।

रसायन विज्ञान

प्रश्न पत्र-1

1. परमाणु संरचना : क्वांटम सिद्धांत, हाइसेन बर्ग का अनिश्चितता सिद्धांत, श्रोडिंगर तरंग समीकरण (काल अनाश्रित, तरंग फलन की व्याख्या, एकल विमयी बॉक्स में कण, क्वांटम संख्याएँ, हाइड्रोजन परमाणु तरंग फलन। S, P और D कक्षकों की आकृति।

2. रसायन आबंध : आयनी आबंध, आयनी यौगिकों के अभिलक्षण, जालक ऊर्जा, बार्नहैबर चक्र; सहसंयोजक आबंध तथा इसके सामान्य अभिलक्षण। अणुओं में आबंध की ध्रुवता तथा उसके द्विध्रुव अर्थपूर्ण। संयोजी आबंध सिद्धांत, अनुनाद तथा अनुनाद ऊर्जा की अवधारणा। अणु कक्षक सिद्धांत (LCAO पद्धति); H_2^+ , H_2 , He_2^+ से Ne_2 , NO, CO, HF एवं CN। संयोजी आबंध तथा अणुकक्षक सिद्धांतों की तुलना, आबंध कोटि, आबंध सामर्थ्य तथा आबंध लंबाई।

3. ठोस अवस्था : क्रिस्टल पद्धति, क्रिस्टल फलकों, जालक संरचनाओं तथा यूनिट सेल का स्पष्ट उल्लेख। ब्रेग का नियम, क्रिस्टल द्वारा X-रे विवर्तन; क्लोज पैकिंग (संसकुलित रचना), अर्धव्यास अनुपात नियम, सीमांत अर्धव्यास अनुपात मानों के आकलन। NaCl, ZnS CsCl एवं CaF_2 की संरचना। स्ट्राइकियोमीट्रिक तथा नॉन-स्ट्राइकियोमीट्रिक दोष, अशुद्धता दोष, अर्द्धचालक।

4. गैस अवस्था एवं परिवहन परिघटना : वास्तविक गैसों की अवस्था का समीकरण, अंतराअणुक पारस्परिक क्रिया, गैसों का द्रवीकरण तथा क्रांतिक घटना, मैक्सवेल का गति वितरण, अंतराअणुक संघट्ट, दीवार

पर संघट्ट तथा अधिस्पंदन, ऊष्मा चालकता एवं आर्गन फ्लो की स्थानता।

5. द्रव अवस्था : कोटिजन समीकरण, शुद्ध तरलत्व एवं द्रव-वर्णक आर्द्रक एवं संस्पर्श कोण, अंतःद्रव्यीय तनाव एवं कोहेशन क्रिया।

6. ऊष्मागतिकी : कार्य, ऊष्मा तथा अवस्था फलन, ऊष्मागतिकी का प्रथम नियम, ऊष्मागतिकी का दूसरा नियम, एंट्रॉपी का अवस्था फलन के रूप में, विभिन्न प्रक्रमों में एंट्रॉपी परिवर्तन, एंट्रॉपी अवक्रमणीयता तथा अनुक्रमणीयता, मुक्त ऊर्जा फलन, अवस्था का ऊष्मागतिकी समीकरण, मैक्सवेल संबंध; ताप, आयतन एवं U, H, A, G, C_p एवं C_v एवं β की दाब निर्भरता; J-1 प्रभाव एवं व्युत्क्रमण ताप; साम्य के लिए निष्पत्ति, साम्य स्थिरांक तथा ऊष्मागतिकीय राशियों के बीच संबंध, नेस्टे ऊष्मा प्रमेय तथा ऊष्मागतिकी का तीसरा नियम।

7. प्रावस्था साम्य तथा विलयन : क्लासियस-क्लेपियर समीकरण, शुद्ध पदार्थों के लिए प्रावस्था आरेख; द्विआधारी पद्धति में प्रावस्था साम्य, आंशिक मिश्रणीय द्रव-उच्चतर तथा निम्नतर क्रांतिक विलयन ताप; आंशिक मोलर राशियाँ, उनका महत्व तथा निर्धारण; आधिक्य ऊष्मागतिकी फलन और उनका निर्धारण।

8. विद्युत रसायन : प्रबल विद्युत अपघट्यों का डेबाई-हुकेल सिद्धांत एवं विभिन्न साम्य तथा अधिगमन गुणधर्मों के लिए डेबाई-हुकेल सीमांत नियम। गेल्बेनिक सेल, सांद्रता सेल; इलेक्ट्रोकेमिकल सीरीज, सेलों के emf का मापन और उसका अनुप्रयोग; ईंधन सेल तथा बैटरियाँ। इलेक्ट्रोड पर प्रक्रम; अंतरापृष्ठ पर द्विस्तार; चार्ज ट्रांसफर की दर, विद्युत धारा घनत्व; अतिविभव; वैद्युत विश्लेषण तकनीक; मोलरोप्राफी, एंप्रोमिति, आयन वरणात्मक इलेक्ट्रोड एवं उनके उपयोग।

9. रासायनिक बलगतिकी : अभिक्रिया दर की संज्ञता पर निर्भरता, शून्य, प्रथम, द्वितीय तथा आंशिक कोटि की अभिक्रियाओं के लिए अवकल और समाकल दर समीकरण; उत्क्रम, समान्तर, क्रमागत तथा शृंखला अभिक्रियाओं के दर समीकरण; शाखन शृंखला एवं विस्फोट; दर स्थिरांक पर ताप और दाब का प्रभाव। स्टॉप-फ्लो और रिलेक्सेशन पद्धतियों द्वारा द्रुत अभिक्रियाओं का अध्ययन। संघटन और संक्रमण अवस्था सिद्धांत।

10. प्रकाश रसायन : प्रकाश का अवशोषण; विभिन्न मार्गों द्वारा उत्तेजित अवस्था का अवसान; हाइड्रोजन और हेलोजनों के मध्य प्रकाश रसायन अभिक्रिया और उनकी क्वांटमी लब्धि।

11. पृष्ठीय परिघटना तथा उत्प्रेरकता : ठोस अधिशोषकों पर गैसों और विलयनों का अधिशोषण, लैंगम्यूर तथा BET अधिशोषण रेखा; पृष्ठीय क्षेत्रफल का निर्धारण; विषमांगी उत्प्रेरकों पर अभिक्रिया, अभिलक्षण और क्रियाविधि।

12. जैव अकार्बनिक रसायन : जैविक तंत्रों में धातु आयन तथा भित्ति के पार आयन गमन (आण्विक क्रियाविधि); ऑक्सीजन अपटेक प्रोटीन, साइटोक्रोम तथा फेरोडोक्सिन।

13. समन्वय रसायन :

(क) धातु संकुल के आबंध सिद्धांत, संयोजकता आबंध सिद्धांत, क्रिस्टल फील्ड सिद्धांत और उसमें संशोधन, धातु संकुल के चुंबकीय तथा इलेक्ट्रानिक स्पेक्ट्रम कर व्याख्या में सिद्धांतों का अनुप्रयोग ।

(ख) समन्वयी यौगिकों में आइसोमेरिज्म । समन्वयी यौगिकों का UFAC नामकरण; 4 तथा 6 समायोजन वाले संकुलों त्रिविम रसायन, क्लेट प्रभाव तथा बहुनाभिकीय संकुल; परा-प्रभाव और उसके सिद्धांत; वर्ग समतली संकुल में प्रतिस्थापनिक अभिक्रियाओं की बलगतिकी; संकुलों की तापगतिकी तथा बलगतिकी स्थिरता ।

(ग) मेटल कार्बोनिलों की संश्लेषण संरचना तथा उनकी अभिक्रियात्मकता; कार्बोक्सिलेट एनॉयन, कार्बोनिल हाइड्राइड तथा मेटल नाइट्रोसील यौगिक ।

(घ) एरोमैटिक प्रणाली के संकुलों, मेटल ओलेफिन संकुलों में संश्लेषण, संरचना तथा बंध, एल्काइन तथा सायक्लोपेंटाडायनिक संकुल, समन्वयी असंतुष्टता, आक्सीडेटिव योगात्मक अभिक्रियाएँ, निवेशन अभिक्रियाएँ, प्रवाही अणु और उनका अभिलक्षण, मेटल-मेटल आबंध तथा मेटल परमाणु गुच्छे वाले यौगिक ।

14. मुख्य समूह रसायनिकी : बोरेन, बोरजाइन, फास्फेजीन एवं चक्रीय फास्फेजीन, सिलिकेट एवं सिलिकॉन, इंटरहैलोजन यौगिक; गंधक-नाइट्रोजन यौगिक, नाँबुल गैस यौगिक ।

15. f ब्लॉक तत्वों का सामान्य रसायन : लन्थेनाइड एवं एक्टीनाइड; पृथक्करण, आक्सीकरण अवस्थाएँ, चुंबकीय तथा स्पेक्ट्रमी गुणधर्म; लैथेनाइड संकुचन ।

प्रश्न पत्र-2

1. विस्थापित सहसंयोजक बंध : एरोमैटिकता, प्रतिएरोमैटिकता; एन्यूलीन, एजुलीन, ट्रोपोलोन्स, फुल्वीन, सिडनोन ।

2. (क) अभिक्रिया क्रियाविधि : कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधियों के अध्ययन की सामान्य विधियाँ (गतिक एवं गैर-गतिक दोनों), समस्थानिकी विधि, क्रास-ओवर प्रयोग, मध्यवर्ती ट्रेपिंग, त्रिविम रसायन, सक्रियण ऊर्जा, अभिक्रियाओं का ऊष्मागतिकी नियंत्रण तथा गतिक नियंत्रण ।

(ख) अभिक्रियाशील मध्यवर्ती: कार्बोनियम आयनों तथा कारबेनायनों, मुक्त मूलकों (फ्री रेडिकल) कार्बीनों वेंजाइनों तथा नाइट्रेनों का उत्पादन, ज्यामिति, स्थिरता तथा अभिक्रिया ।

(ग) प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ: SN_1 , SN_2 एवं SN_i क्रियाविधियाँ प्रतिवेशी समूह भागीदारी, पाइसेल, फ्यूरेन, थियोफिन, इंडोन जैसे हेट्रोसिकल यौगिकों सहित एरोमैटिक यौगिकों को इलेक्ट्रोफिलिक तथा न्यूक्लियोफिलिक अभिक्रियाएँ ।

(घ) विलोपन अभिक्रियाएँ: E_1 , E_2 तथा E_{1cB} क्रियाविधियाँ; सेजैफ तथा हॉफमन E_2 अभिक्रियाओं में दिक्विन्यास, पाइरोलिटिक S_N विलोपन-चुगीव तथा कोप विलोपन ।

(ङ.) संकलन अभिक्रियाएँ: $C=C$ तथा $C \equiv C$ के लिए इलेक्ट्रोफिलिक संकलन, $C=C$ तथा $C \equiv N$ के लिए न्यूक्लियोफिलिक संकलन, संयुग्मी ओलिफिल्स तथा कार्बोजिल्स ।

(च) अभिक्रियाएँ तथा पुनर्विन्यास : (क) पिनाकोल-पिनाकोलोन, हॉफबेन, बेकमन, बेयर बिलगर, फेवोस्की, फ्राइस, क्लेसेन, कोप, स्टीवेन्ज तथा वागनर-मेरबाइन पुनर्विन्यास ।

(छ) एल्डोल संघनन, क्लैसेन संघनन, डीकमन, परकिन, नोवेनेजेल, विटिंग, क्लिमेंसन, वोल्फ किशनर, केनिजरो तथा फान-रोक्टर अभिक्रियाएँ, स्टॉब बैंजोइन तथा एसिलोइन संघनन, फिशर इंडोल संश्लेषण, स्क्राप, संश्लेषण विश्लर-नेपिरास्की, सैंडमेयर, टाइमन तथा रेफॉरमास्की अभिक्रियाएँ ।

3. परिरंभीय अभिक्रियाएँ: वर्गीकरण एवं उदाहरण, वुडवर्ड-हॉफमैन नियम-विद्युतचक्रीय अभिक्रियाएँ, चक्री संकलन अभिक्रियाएँ (2+2 एवं 4+2) एवं सिग्मा-अनुवर्तनी विस्थापन (1, 3; 3, 3 तथा 1, 5) FMO उपागम ।

4. (i) बहुलकों का निर्माण और गुणधर्म : कार्बनिक बहुलक-पोलिएथिलीन, पोलिस्टाइरीन, पोलोविनाइल क्लोराइड, टेफ्लॉन, नाइलॉन, टेरीलीन, सॉलिष्ट तथा प्राकृतिक रबड़ ।

(ii) जैव बहुलक : प्रोटीन, DNA, RNA की संरचनाएँ ।

5. अधिकारकों के सांश्लेषिक उपयोग: O_3 , O_4 , HIO_4 , CrO_3 , $Pb(OAc)_4$, SeO_2 , NBS, $B_2H_6 \cdot Na$ द्रव अमोनिया, $LiAlH_4$, $NabH_4$, $n-BuLi$ एवं MCPBA ।

6 प्रकाश रसायन : साधारण कार्बनिक यौगिकों की प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाएँ, उत्तेजित और निम्नतम अवस्थाएँ, एकक और त्रिक अवस्थाएँ, नारिश टाइप-I और टाइप-II अभिक्रियाएँ ।

7. स्पेक्ट्रोमिकी सिद्धांत और संरचना के स्पष्टीकरण में उनका अनुप्रयोग ।

(क) घूर्णी—द्विपरमाणुक अणु, समस्थानिक प्रतिस्थापन तथा घूर्णी स्थिरांक ।

(ख) कांपनिक—द्विपरमाणुक अणु, रेखिक त्रिपरमाणुक अणु बहुपरमाणुक अणुओं में क्रियात्मक समूहों की विशिष्ट आवृत्तियाँ ।

(ग) इलेक्ट्रानिक : एकक और त्रिक अवस्थाएँ : 111* तथा 11-11 *संक्रमण, संयुग्मित द्विआबंध तथा संयुग्मित कार्बोनिकल में अनुप्रयोग-बुडवर्ड-फोशर नियम; चार्ज अंतरण स्पेक्ट्रा ।

(घ) नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद ($^1\text{H-NMR}$) : आधारभूत सिद्धांत; रासायनिक शिफ्ट एवं स्पिन-स्पिन अन्योन्य क्रिया एवं कपलिंग स्थिरांक ।

(ङ) द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमिति : पैरेंट पीक, बेसपीक, मेटास्टेबल पीक, मैक लैफर्टी पुनर्विन्यास ।

सिविल इंजीनियरी

प्रश्न पत्र-1

1. इंजीनियरी यांत्रिकी पदार्थ सामर्थ्य तथा संरचनात्मक विश्लेषण

1.1 इंजीनियरी यांत्रिकी : मात्रक तथा विभाग, SI मात्रक, सदिश, बल की संकल्पना, कण तथा दृढ़ पिंड संकल्पना, संगामी, असंगामी तथा समतल पर समांतर बल, बल आघूर्ण, मुक्त पिंड आरेख, संप्रतिबंध साम्यावस्था, कल्पित कार्य का सिद्धांत, समतुल्य बल प्रणाली।

प्रथम तथा द्वितीय क्षेत्र आघूर्ण, द्रव्यमान जड़त्व आघूर्ण

स्थैतिक घर्षण :

शुद्धगमिकी तथा गतिकी :

कार्तीय निर्देशांक शुद्धगतिकी समान तथा असमान त्वरण के अधीन गति गुरुत्वाधीन गति । कणगतिकी, संवेग तथा ऊर्जा सिद्धांत, प्रत्यास्थ पिंडों का संपट्टन दृढ़ पिंडों का घूर्णन ।

1.2 पदार्थ-सामर्थ्य : सरल प्रतिबल तथा विकृति, प्रत्यास्थ स्थिरांक, अक्षत:भारित संपीडांग अपरूपण बल तथा बंकन आघूर्ण, सरलबंकन का सिद्धांत, अनुप्रस्थ काट का अपरूपण प्रतिबल वितरण, समरसामर्थ्य धरण ।

धरण विश्लेष : मैकाले विधि, मोर की आघूर्ण क्षेत्र विधि, अनुरूप धरण विधि, एकांक भार विधि, शाफ्ट की ऐंडन, स्तंभों का प्रत्यास्थ स्थायित्व । आयलर, रेनकाईन तथा सीकेट सूत्र ।

1.3 संरचनात्मक विश्लेषण : कास्टिलियानोस प्रमेय । तथा 11. धरण और कील राधियुक्त केंद्रों में प्रयुक्त संगत विकृति की एकांक भार विधि, ढाल विश्लेष, आघूर्ण वितरण ।

वेलन भार और प्रभाग रेखाएँ : धरण को परिच्छेद पर अपरूपण बल तथा बंकन आघूर्ण के लिए प्रभाव रेखाएँ । गतिकील भार प्रणाली द्वारा धरण चक्रमण में अधिकतम अपरूपण बल तथा बंकन आघूर्ण हेतु मानदंड। सरल आलंबित समतल कील राधियुक्त केंद्रों हेतु प्रभाव रेखाएँ ।

डाट : त्रिकील, द्विकील तथा आबट डाट-धर्षांक उपयोग एवं तापमान प्रभाग ।

विश्लेषण की आव्यूह विधि : अनिर्धारित धरण तथा दृढ़ ढांचों का बल विधि तथा विस्थापन विधि से विश्लेषण ।

धरण और ढांचों का प्लास्टिक विश्लेषण : प्लास्टिक बंकन सिद्धांत, प्लास्टिक विश्लेषण, स्थैतिक प्रणाली; यांत्रिकी विधि।

असममित बंकन : जड़त्व आघूर्ण, जड़त्व उत्पाद, उदासीन अक्ष और मुख्य की स्थिति, बंकन प्रतिबल की परिगणना ।

2. संरचनात्मक अभिकल्प : इस्पात, कंक्रीट तथा चिनाई संरचना

2.1 संरचनात्मक इस्पात अभिकल्प : संरचनात्मक इस्पात : सुरक्षा गुणक और भार गुणक । कवचित तथा वेल्डित जोड़ तथा संयोजन । तनाव तथा संपीडांग इकाइयों का अभिकल्प, संघटित परिच्छेद का धरण कवचित तथा वेल्डित प्लेट गर्डर, गैदी गर्डर, बटन एवं लेसिंगयुक्त स्टैंचियन्स ।

2.2 कंक्रीट तथा चिनाई संरचना का अभिकल्प : मिश्र अभिकल्प की संकल्पना, प्रबलित कंक्रीट : कार्यकारी प्रतिबल तथा सीमा अवस्था विधि से अभिकल्प-पुस्तिकाओं की सिफारिशें, वन-वे एवं दू-वे स्लैब की डिजाइन, सोपान स्लैब, आयताकार T एवं L काट क सरल एवं सतत धरण । उत्केन्द्रता सहित अथवा रहित प्रत्यक्ष भार के अंतर्गत संपीडांग इकाइयां। विलगित एवं संयुक्त नींव। कंट्रीलीवर एवं काउंटर फोर्ट प्ररूप ।

प्रतिधारक भित्ति।

जलटंकी : पृथ्वी पर रखे आयताकार एवं गोलाकार टैंकों की अभिकल्पन आवश्यकताएँ ।

पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट : पूर्व प्रतिबलित के लिए विधियाँ और प्रणालियाँ, स्थिरक स्थान, कार्यकारी प्रतिबल आधारित आनति के लिए परिच्छेद का विश्लेषण और अभिकल्प, पूर्व प्रतिबलित ढांच।

3. तरल यांत्रिकी, मुक्त वाहिका प्रवाह एवं द्रवचालित भस्मीने

3.1 तरल यांत्रिकी : तरल गुणधर्म तथा तरल गति में उनकी भूमिका, तरल स्थैतिकी जिसमें समतल तथा वक्र सतह पर कार्य करने वाले बल भी शामिल हैं। तरल प्रवाह की शुद्धगतिकी एवं गतिकी: वेग और त्वरण, सरिता रेखाएँ, सांतत्य समीकरण, आघूर्ण तथा घूर्णी प्रवाह, वेग विभव एवं सरिता फलन। सांतत्य, संवेग एवं ऊर्जा समीकरण, नेविअर स्टोक्स समीकरण, आयलर गति समीकरण, तरल प्रवाह समस्याओं में अनुप्रयोग, पाइप प्रवाह, स्लूइस गेट, धियर।

3.2 विमीय विश्लेषण एवं समरूपता : बकिंघम P_i -प्रमेय विमारहित प्राचल।

3.3 स्तरीय प्रवाह : समांतर, अचल एवं चल प्लेटों के बीच स्तरीय प्रवाह, ट्यूब द्वारा प्रवाह।

3.4 परिसीमा परत : चपटी प्लेट पर स्तरीय एवं विक्षुब्ध परिसीमा परत, स्तरीय उपपरत, मसृण एवं रूक्ष परिसीमाएं, विकर्ष एवं लिफ्ट।

पाइपों द्वारा विक्षुब्ध प्रवाह: विक्षुब्ध प्रवाह के अभिलक्षण, वेग वितरण एवं पाइप घर्षण गुणक की विविधता, जलदाब प्रवणता रेखा तथा पूर्ण उर्जा रेखा।

3.5 मुक्त बहिका प्रवाह : समान एवं असमान प्रवाह, आघूर्ण एवं ऊर्जा संशुद्धि गुणक, विशिष्ट ऊर्जा तथा विशिष्ट बल, क्रांतिक गहराई, तीव्र परिवर्ती प्रवाह, जलोच्छाल, क्रमशः परिवर्ती प्रवाह, पृष्ठ परिच्छेदिका वर्गीकरण, नियंत्रण काट, परिवर्ती प्रवाह समीकरण के समाकलन की सोपान विधि।

3.6 द्रवचालित यंत्र तथा जलशक्ति :

द्रवचालित टरबाइन, प्रारूप वर्गीकरण, टरबाइन चयन, निष्पादन प्राचल, नियंत्रण, अभिलक्षण, विशिष्ट गति। जलशक्ति विकास के सिद्धान्त।

4. भू-तकनीकी इंजीनियरी

मृदा के प्रकार एवं संरचना, प्रवणता तथा कण आकार वितरण, गाढ़ता सीमाएं।

मृदा जल कोशिकीय तथा संरचनात्मक प्रभावी प्रतिबल तथा रंध्र जल दाब, प्रयोगशाला निर्धारण, रिसन दाब, बालु पंक अवस्था-कर्तन-सामर्थ्य परीक्षण-मोर कूलांब संकल्पना-मृदा संहनन-प्रयोगशाला एवं क्षेत्र परीक्षण। संपीड्यता एवं संपिंडन संकल्पना-संपिंडन सिद्धान्त-संपीड्यता स्थिरण विश्लेषण। भूदाब सिद्धान्त एक प्रतिधारक भित्ति के लिए विश्लेषण, चांदरी स्थूणाभित्ति एवं बंधनयुक्त खनन के लिए अनुप्रयोग। मृदा धारण क्षमता-विश्लेषण के उपागम-क्षेत्र परीक्षण-स्थिरण विश्लेषण-भूगड्ढन ढाल का स्थायित्व।

मृदाओं का अवपृष्ठ खनन-विधियां।

नींव-संरचना नींव के प्रकार एवं चयन मापदंड-नींव अभिकल्प मापदंड-पाद एवं पाइल प्रतिबल वितरण विश्लेषण, पाइप समूह कार्य-पाइल भार परीक्षण। भूतल सुधार प्रविधियां।

प्रश्न पत्र-2

1. निर्माण तकनीकी, उपकरण, योजना और प्रबंध

1.1 निर्माण तकनीकी :

इंजीनियरी सामग्री : निर्माण सामग्री के निर्माण में उनके प्रयोग की दृष्टि से, भौतिक गुणधर्म : पत्थर, ईट तथा टाइल, चूना, सीमेंट तथा विविध सुरखी मसाला एवं कंक्रीट। लौह सीमेंट के विशिष्ट उपयोग, तंतु प्रबलित C.C., उच्च सामर्थ्य कंक्रीट। इमारती लकड़ी : गुणधर्म एवं दोष, सामान्य संरक्षण, उपचार।

कम लागत के आवास, जन आवास, उच्च भवनों जैसे विशेष उपयोग हेतु सामग्री उपयोग एवं चयन।

1.2 निर्माण : ईट, पत्थर, ब्लाकों के उपयोग के चिनाई सिद्धान्त-निर्माण विस्तारण एवं सामर्थ्य अभिलक्षण। प्लास्टर, प्वाइंटिंग, प्लारिंग, रूफिंग एवं निर्माण अभिलक्षणों के प्रकार।

भवनों के सामान्य मरम्मत कार्य।

रहिवासों एवं विशेष उपयोग के लिए भवन की कार्यात्मक योजना के सिद्धान्त भवन कोड उपबंध। विस्तृत एवं लगभग आकलन के आधारभूत सिद्धान्त-विनिर्देश लेखन एवं दर विश्लेषण-स्थावर।

संपत्ति मूल्यांकन के सिद्धान्त।

मृदाबंध के लिए मशीनरी, कंक्रीटरकरण एवं उनका विशिष्ट उपयोग-उपकरण चयन को प्रभावित करने वाले कारक-उपकरणों की प्रचालन लागत।

1.3 निर्माण योजना एवं प्रबंध : निर्माण कार्यका-उ-कार्यक्रम-निर्माण उद्योग का संगठन गुणता आश्वासन सिद्धान्त।

नेटवर्क के आधारभूत सिद्धान्तों का उपयोग CPM एवं PERT के रूप में विश्लेषण :-

निर्माण मॉनीटरी, लागत इष्टतमीकरण एवं संसाधन नियतन में उनका उपयोग। आर्थिक विश्लेषण एवं विधि के आधारभूत सिद्धान्त।

परियोजना लाभदायकता—

वित्तीय आयोजना के बूट उपागम के आधारभूत सिद्धान्त सरल टोल नियतीकरण मानदंड।

2. सर्वेक्षण एवं परिवहन इंजीनियरी

2.1 सर्वेक्षण : CE कार्य की दूरी एवं कोण मापने की सामान्य विधियां एवं उपकरण, प्लेन टेबल में उनका उपयोग, चक्रम सर्वेक्षण समतलन, त्रिकोणन, रूपलेखण एवं रथलाकृतिक मानचित्र, फोटोग्राममिति एवं दूर सर्वेदन के सामान्य सिद्धान्त।

2.2 रेलवे इंजीनियरी :

स्थायी पथ-अवयव, प्रकार एवं उनके प्रकार्य टर्न एवं क्रासिंग के प्रकार्य एवं अभिकल्प घटक-ट्रैक के भूमितीय अभिकल्प की आवश्यकता-स्टेशन एवं यार्ड का अभिकल्प।

2.3 राजमार्ग इंजीनियरी : राजमार्ग संरखन के सिद्धान्त, सड़कों का वर्गीकरण एवं ज्यामितिक अभिकल्प अवयव एवं सड़कों के मानक। नम्य एवं दृढ़ कुटिटम हेतु कुटिटम संरचना, कुटिटम के अभिकल्प सिद्धान्त एवं क्रियापद्धति। प्ररूपी निर्माण विधियां एवं स्थायीकृत मृदा, WBM, बिटुमेनी निर्माण एवं CC सड़कों के लिए सामग्री। सड़कों के लिए बहिस्तल एवं अधस्तल अपवाह विन्यास-पुलिया संरचनाएं। कुटिटम विशोभ एवं उन्हें उपरिशाया द्वारा मजबूती प्रदान करना। यातायात सर्वेक्षण

एवं यातायात अयोग्यता में इनके अनुपयोग प्रमाणित होना चाहिए एवं मूर्खी आदि के लिए अधिकांशतः विशेषज्ञों-विशेषज्ञों को संशोधन यातायात चिह्न एवं अंकन ।

3. जल विज्ञान, जल सांभालन एवं इन्फोल्डिगरी

3.1 जल विज्ञान : जलीय चक्र, अवशेषण, वाष्पीकरण, वाष्पचूर्णन, अंतःस्पंदन, अधिभार प्रवाह, जलोच्च, बाढ़, जलमय विस्फोटन, जलप्रपात द्वारा बाढ़ अनुशीलन, वहिष्कार बाढ़ मार्गभिषेपन-सूचक, आदि ।

3.2 भू-तल प्रवाह : विशिष्ट जल, संतत रूप में, समतल या मुकुट, परिकुट तथा अपरिकुट अवतली स्तर, एकिकार्य, ताप के साथ अपरिपुष्ट स्थितियों के अंतर्गत एक का के भीतर अग्रगण्य प्रवाह ।

33 जल संसाधन इंजीनियरिंग : भू तथा वायुमंडल जल संसाधन, प्रवाह तथा बहुदृष्टीय परीक्षणार्थ, जलसंधि को संयोजन तथा जलसंधि हानियाँ, जलसंधि प्रवर्धन ।

3.4 सिंथेटिक इंजीनियरिंग :

(क) फसलों को निम्न जल की आवश्यकता है : पत्ती पत्रयोग्य
कति तथा है या, मिट्टी के तली में जल पानी का पानी ;

सिखों ने कहा : महारों ने कहा कि सिखों आगे बढ़ें, पढ़ें, लिखें, व्यवसाय करें, महारों की हाथियाँ, भुखण्ड लें, सिखों को महारों का संस्कार-अस्कार दख भाड़, अस्ति महारों का सिंघासन, सिंघासन सिंघासों, सिंघास अस्ति महारों का सिंघासन ।

(ग) जन्म-मरण : कर्मकाण्ड अध्याय विंशत्य, सूत्र १०० ।

(घ) नदी संचयन : आसपास, दुर्गमस्थानों में नदी प्रवाह, संचयन से मृदु, अव्यवस्थित एवं अशुद्ध पानी संचयन ।

(क) निम्नलिखित शर्तों पर परामर्श तथा परामर्श के लिये न्यायनिका के निर्देशों और दिनांक १५ अक्टूबर १९७७ के दिनांक १९७७।

(च) संयोजक ५० करोड़ की शिफ्ट, जिसका एक भाग को सिद्धांत २ भाग में विभाजित है।

(४) उपर्युक्त मर्ग : उपर्युक्त मर्ग में प्रथम चरण में

(क) नदी प्रणालियाँ : नदी प्रणालियाँ दो प्रकार की होती हैं—

4. पर्यावरण इंजीनियरी

4.1 जल पूर्ति : जल स्रोतों की समीक्षा, जल की आवश्यकता का आकलन, महत्व, भौतिक, रासायनिक तथा जीवजैव विज्ञान संबंधी विचारों का अन्तर्ग्रहण से होने वाली स्वीकार्यता, पौष्टिकता के विचार आदि।

4.2 जल का अंतर्राक्षण : यह मायामात्र प्रक्रम की विशेषता है। इस सादन, मंदबुद्ध, दास विचार प्रवर्तन की मध्य मृदु कथा, मजबूत, प्रशस्त लवणता का दूर कारण है।

4.3 वाहित मल व्यवस्था : गांव में नगर शैक्षणिक, आर्थिक, प्रतिभात वाहित मल-पृथक शैक्षणिक, आर्थिक, प्रतिभात व्यवस्था द्वारा नगर शैक्षणिक, आर्थिक, प्रतिभात डिजाइन।

4.4 सीवेज लक्षण : BOD, COD, डीएम पर्याप्त, बिनाप अम्लीयता, नडट्रोजन और TOC, स्वभाव अम्लीय पर्याप्त तथा प्रति 100 मिलीग्राम में मानक !

4.5 सीने न उपचार : सर्जिकल रिमूव, इन्फ्रारेड, लेजर, क्रायोथेरेपी, प्लास्मि क्लिटर, आक्सीजन प्लास्मा, अल्ट्रासोनिक अल्ट्राफोनेसिस, लेजर टैंक, अल्ट्राफोनिक्सायण, अल्ट्रासोनिक जल उपचार, आदि ।

4.6 ठोस अपशिष्ट : गाँवों और शहरों में अस्सीव्यवस्थापन दीर्घकालीन कृषिप्रावों का पथ ।

5. पर्यावरणीय प्रदूषण - जीवनसाथी विकास। मित्रपरिवार
अपशिष्ट एवं निस्सारा, पानी प्रदूषित नदियाँ, झाड़ों की सफाई,
पर्यटनवाहियों की सफाई, पर्यावरण संबंधी प्रभाव एवं नदियों, पानी प्रदूषण
का प्रदूषण नियंत्रण अभियान।

ताणि च त्वं लेखाविधि

७७७ ५३ १

लोपयन्ताया एत्वं द्वित्व

लेखक, अंग्रेजी एवं लेखनीयता

1. **विनीय लेखाकरण** : विनीय लेखाकरण के माध्यम से लेखाकरण : व्यवहारगत शिक्षा में का प्रभाव, लेखाकरण : प्रभाव, व्यवहारगत, व्यवहारगत के लिए, लेखाकरण, व्यवहारगत, अनुभवगत एवं विचारगत रूपों, दीर्घकालीन विभाग संविधान, व्यवहार की पहचान, प्रभाव, व्यवहारगत, आकस्मिकता, विदेशी मुद्रा के व्यवहार, विदेश एवं व्यवहार अनुभव, नकदी प्रवाह विवरण, प्रभावगत आर्थिक ।

बोसम शेयर, एडर शेयर, सर्वकारी स्टॉक विद्यालय एवं प्रतिष्ठानों
की वापसी खरीद (ब.ई.-बैक) समेत शेयर एवं अन्य देवों का
लेखाकरण ।

कांयची उ० वायु येथी येणार वरगा हवं प्रसक्त नसा ।

कंठनिर्गमं क० साधयेत्-यत्, आपो-यत् एवं पुनर्निर्गमः ।

2. लक्षण विवेचना

समान श्रेणीकरण का प्रत्यक्ष और कार्य । समान श्रेणीकरण प्रणाली का संस्थापन, आग प्रकाश से संबंधित समान प्रणालियों, समान उपयोग, समान विचारों एवं विचारों ।

हमारे निराश्रितों को निर्धारित : एवं स्वयं निर्धारण, प्रक्रिया
स्वयं निर्धारण कार्य-स्वयं निर्धारण स्वयं निर्धारण : स्वयं निर्धारण
को उपकरणों के रूप में निर्धारण-स्वयं निर्धारण निर्धारण ।

क्रीडात विभिरण ! तू यांनीं जग में चार्दिक निजलेपन ! मिथक त्यात
निर्माण, उत्पत्ति निर्णय, निर्माण, जग निर्माण, वेद जग में का निर्णय ! निर्णय !
सत्य निर्माण एवं सत्य निर्माण निर्णय ! तू जग में का निर्माण के
सत्यता के रूप में जग में ! सत्य, सत्य निर्माण एवं प्रमाण निर्माण !
सत्यनिष्ठ वेदनिष्ठ एवं प्रमाणनिष्ठ ! सत्यनिष्ठ !

३. वृत्तान्त

आम्रकः, पत्रिपुष्पम्, शृङ्गार, मा आम्रकः, कृष्ण आयुजः आम्रकः
नरसे चाम्पू आयु, त्रिभिः पत्रि, शृङ्गारि जेवम्, मृदु मणिन से आयु,

पुंजी बाजार : पार्श्विक एवं द्वितीयक बाजार : वित्तीय बाजार प्रत्यक्ष एवं परोक्ष, व्यापक ऋण प्रणालि, नियामक के रूप में वित्तीय सेवाएं।
मन्त्रालय फरेस, जॉर्जिया पुंजी, राष्ट्रीय भूत आधिकारण, बीमा एवं IRDA.

2. औद्योगिक संबंध (IR)

औद्योगिक संबंध का अर्थ, स्वरूप, महत्व एवं क्षेत्र, ट्रेड यूनियनों की रचना, ट्रेड यूनियन विधान, भारत में ट्रेड यूनियन आंदोलन, ट्रेड यूनियनों की मान्यता, भारत में ट्रेड यूनियनों की समस्याएं। ट्रेड यूनियन आंदोलन पर उदासीकरण का प्रभाव।

औद्योगिक विवादों का स्वरूप : हड़ताल एवं तात्कालिक, विवाद के कारण, विवादों का निवारण एवं निगटार। प्रबंधन में कामगारों की सहभागिता : दर्शन, तर्काधार, मौजूदा स्थिति एवं भावी संभावनाएं।

न्यायनिर्णय एवं सामूहिक सौदाकारी

सामाजिक उद्यमों में औद्योगिक संबंध, भारतीय उद्योगों में गैर-हाजिरी एवं श्रमिक आंदोलन एवं उनके कारण और उपचार।

ILO एवं इसके प्रकार्य।

अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र-1

1. उन्नत व्यापार अर्थशास्त्र

- (क) कीमत निर्धारण के मार्शलियन एवं वालरासियन उपागम।
- (ख) वैकल्पिक वितरण सिद्धांत : रिकार्डो, काल्डोर, कलीको।
- (ग) बाजार संरचना : एकाधिकारी प्रतियोगिता, द्विअधिकार, अल्पाधिकार।
- (घ) आधुनिक कल्याण मानदंड : परेटी हिक्स एवं सितोवस्की, ऐरो का असंभावना प्रमेय, ए. के. सेन का सामाजिक कल्याण फलन।

2. उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र

नियोजन आय एवं व्याज दर निर्धारण के उपागम : क्लासिकी, कीन्स (IS-LM) वक्र, नवक्लासिकी संश्लेषण एवं नया क्लासिकी, व्याज दर निर्धारण एवं व्याज दर संरचना के सिद्धांत।

3. मुद्रा बैंकिंग एवं वित्त :

- (क) मुद्रा की मांग और पूर्ति : मुद्रा का मुद्रा गुणक मात्रा सिद्धांत (फिशर, पीक एवं फ्राइडमैन) तथा कीन का मुद्रा के लिए मांग का सिद्धांत, बंद और खुली अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा प्रबंधन के लक्ष्य एवं साधन। केन्द्रीय बैंक और खजाने के बीच संबंध : मुद्रा की वृद्धि दर पर उच्चतम सीमा का प्रस्ताव।
- (ख) लोक वित्त और बाजार अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका : पूर्ति के स्थिरीकरण में, संसाधनों का विनिधान और वितरण और संवृद्धि। सरकारी राजस्व के स्रोत, करों एवं उपदानों के रूप, उनका भार एवं प्रभाव। करारान की सीमाएं, ऋण, क्राउडिंग आउट प्रभाव एवं ऋण लेने की सीमाएं। लोक व्यय एवं इसके प्रभाव।

4. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

(क) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के पुराने और नए सिद्धांत :

- (i) तुलनात्मक लाभ,

(ii) व्यापार शर्तें एवं प्रस्ताव वक्र,

(iii) उत्पाद चक्र एवं निर्णायक व्यापार सिद्धांत,

(iv) "व्यापार, संवृद्धि के सारक के साथ में" और खुली अर्थव्यवस्था में अव्यवस्था के सिद्धांत।

(ख) संरक्षण के स्वरूप : टैरिफ एवं क्वोट।

(ग) भुगतान शेष समायोजन : वैकल्पिक उपागम :

- (i) कीमत बनाम आय, नियत विनिमय दर के अधीन आय के समायोजन।
- (ii) मिश्रित नीति के सिद्धांत।
- (iii) पूंजी चलिष्णुता के अधीन विनिमय दर समायोजन।
- (iv) विकासशील देशों के लिए तिरती दरें और उनकी विवक्षा, मुद्रा (करेंसी) बोर्ड।
- (v) व्यापार नीति एवं विकासशील देश।
- (vi) BOP खुली अर्थव्यवस्था समष्टि मॉडल में समायोजन तथा नीति समन्वय।
- (vii) सट्टा।
- (viii) व्यापार गुट एवं मौद्रिक संघ।
- (ix) विश्व व्यापार संगठन (WTO) : TRIM, TRIPS, घरेलू उपाय WTO बातचीत के विभिन्न चक्र।

5. संवृद्धि एवं विकास

- (क) (i) संवृद्धि के सिद्धांत : हैरड का मॉडल।
- (ii) अधिशेष श्रमिक के साथ विकास का ल्यूइस मॉडल।
- (iii) संतुलित एवं असंतुलित संवृद्धि।
- (iv) मानव पूंजी एवं आर्थिक वृद्धि।
- (ख) कम विकसित देशों का आर्थिक विकास का प्रक्रम : आर्थिक विकास एवं संरचना परिवर्तन के विषय में मिडल एवं कुजमेंटस : कम विकसित देशों के आर्थिक विकास में कृषि की भूमिका।
- (ग) आर्थिक विकास तथा अंतर्राष्ट्रीय एवं निवेश, बहुराष्ट्रीयों की भूमिका।
- (घ) आयोजना एवं आर्थिक विकास : बाजार की बदलती भूमिका एवं आयोजना, निजी-सरकारी साझेदारी।
- (ङ) कल्याण संकेतक एवं वृद्धि के माप-मानव विकास के सूचक। आधारभूत आवश्यकताओं का उपागम।
- (च) विकास एवं पर्यावरणी धारणीयता-पुनर्नवीकरणीय एवं अपुनर्नवीकरणीय संसाधन, पर्यावरणी अपकर्ष अंतर-पीढ़ी इक्विटी विकास।

प्रश्न पत्र-11

वैद्युत इंजीनियरी

प्रश्न पत्र-1

1. स्वतंत्रता पूर्व युग में भारतीय अर्थव्यवस्था : भूमि प्रणाली एवं इसके परिवर्तन, कृषि का वाणिज्यीकरण, अपवहन सिद्धांत, अबंधता सिद्धांत एवं समालोचना। निर्माण एवं परिवहन : जूट कपास, रेलवे, मुद्रा एवं साख।

2. स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय अर्थव्यवस्था :

क. उदारीकरण के पूर्व का युग

- (i) वकील, गाइगिल एवं वी. के. आर. वी. राव के योगदान।
- (ii) कृषि : भूमि सुधार एवं भूमि पट्टा प्रणाली, हरित क्रांति एवं कृषि में पूंजी निर्माण।
- (iii) संघटन एवं संवृद्धि में व्यापार प्रवृत्तियां, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की भूमिका, लघु एवं कुटीर उद्योग।
- (iv) राष्ट्रीय एवं प्रतिव्यक्ति आय : स्वरूप, प्रवृत्तियां, सकल एवं क्षेत्रीय संघटन तथा उनमें परिवर्तन।
- (v) राष्ट्रीय आय एवं वितरण को निर्धारित करने वाले स्थूल कारक, गरीबी के माप, गरीबी एवं असमानता में प्रवृत्तियां।

ख. उदारीकरण के पश्चात् का युग

- (i) नया आर्थिक सुधार एवं कृषि : कृषि एवं WTO, खाद्य प्रसंस्करण, उपदान, कृषि कीमतें एवं जन वितरण प्रणाली, कृषि संवृद्धि पर लोक व्यय का समाघात।
- (ii) नई आर्थिक नीति एवं उद्योग : औद्योगीकरण निजीकरण, विनिवेश की कार्य नीति, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तथा बहुराष्ट्रीयों की भूमिका।
- (iii) नई आर्थिक नीति एवं व्यापार : बौद्धिक संपदा अधिकार : TRIPS, TRIMS, GATS तथा new EXIM नीति की विवक्षाएं।
- (iv) नई विनिमय दर व्यवस्था : आंशिक एवं पूर्ण परिवर्तनीयता।
- (v) नई आर्थिक नीति एवं लोक वित्त : राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम, बारहवां वित्त आयोग एवं राजकोषीय संघवाद तथा राजकोषी समेकन।
- (vi) नई आर्थिक नीति एवं मौद्रिक प्रणाली : नई व्यवस्था में RBI की भूमिका।
- (vii) आयोजना : केन्द्रीय आयोजना से सांकेतिक आयोजना तक, विकेन्द्रीकृत आयोजना और संवृद्धि हेतु बाजार एवं आयोजना के बीच संबंध : 73वां एवं 74वां संविधान संशोधन।
- (viii) नई आर्थिक नीति एवं रोजगार : रोजगार एवं गरीबी, ग्रामीण मजदूरी, रोजगार सृजन, गरीबी उन्मूलन योजनाएं, नई ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना।

1. परिपथ-सिद्धांत

विद्युत अवयव, जाल लेखचित्र, केल्विन धारा नियम, केल्विन वोल्टता नियम, परिपथ विश्लेषण विधियां, नोडोय विश्लेषण; पाश विश्लेषण; आधारभूत जाल प्रमेय तथा अनुप्रयोग; क्षणिका विश्लेषण; RL, RC एवं RLC परिपथ; ज्वायक्रीय स्थायी अवस्था विश्लेषण; अनुनादी परिपथ; युग्मित परिपथ; संतुलित त्रिकला परिपथ। द्विकारक जाल।

2. संकेत एवं तंत्र

सतत काल एवं विवक्त-काल संकेतों एवं तंत्र का निरूपण; रैखिक काल निश्चर तंत्र, संवलन आवेग, अनुक्रिया; संवलन एवं अवकल अंतर समीकरणों पर आधारित रैखिक काल निश्चर तंत्रों का समय क्षेत्र विश्लेषण। फूरिए रूपांतर, लेप्लास रूपांतर, जैड-रूपांतर, अंतरण फलन संकेतों का प्रतिचयन एवं उनकी प्रतिप्राप्ति। विवक्त कालतंत्रों के द्वारा तुल्य रूप संकेतों का DFT, FFT संसाधन।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत

मैक्सवेल समकरण, परिवर्द्ध माध्यम में तरंग संचरण। परिसीमा अवस्थाएं, समतल तरंगों का परावर्तन एवं अपवर्तन। संचरण लाइनें; प्रगामी एवं अप्रगामी तरंगें, प्रति बाधा प्रतिफलन, स्मिथ चार्ट।

4. तुल्य एवं इलेक्ट्रॉनिकी

अभिलक्षण एवं डायोड का तुल्य परिपथ (वृहत एवं लघु संकेत), द्विसंधि ट्रांजिस्टर, संधि क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर एवं धातु ऑक्साइड सामिचालक क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर। डायोड परिपथ : कर्तन, ग्रामी, दिष्टकारी। अभिनतिकरण एवं अभिनति स्थायित्व। क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर प्रवर्धक। धारा दर्पण, प्रवर्धक : एकल एवं बहुचरणी, अवकल, सक्रियात्मक, पुनर्निवेश एवं शक्ति। प्रबंधकों का विश्लेषण, प्रबंधकों की आवृत्ति अनुक्रिया। सक्रियात्मक प्रबंधक परिपथ। निरयंदक, ज्वायक्रीय दोलित्र : दोलन के लिए कसौटी, एकल ट्रांजिस्ट्री और सक्रियात्मक प्रबंधक विन्यास। फलन जनित्र एवं तरंग परिपथ। रैखिक एवं स्वचन विद्युत प्रदाया।

5. अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी

बूलीय बीजावली, बूलीय फलन का न्यूनतमीकरण; तर्कद्वार, अंकीय समाकलित परिपथ कुल, (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS)। संयुक्त परिपथ अंकगणितीय परिपथ, कोड परिवर्तक, मल्टीप्लेक्सर एवं विकोडिज़र।

अनुक्रमिक परिपथ, चटखनी एवं थपथप, गणित्र एवं विस्थापन पंजीयक। तुलनित्र, कालनियामक बहुकंपित्र। प्रतिदर्श एवं धारण परिपथ, तुल्यरूप अंकीय परिवर्तन (ADC) एवं अंकीय तुल्य रूप परिवर्तक (DAC)। सामिचालक स्मृतियां। प्रक्रमित युक्तियों का प्रयोग करते हुए तर्क कार्यान्वयन (ROM, PLA, FPGA)।

6. ऊर्जा रूपांतरण

वैद्युत यांत्रिकी ऊर्जा रूपांतरण के सिद्धांत : घूर्णित मशीनों में बल आधूर्ण एवं विद्युत चुंबकीय बल। दि.धा. मशीनें : अभिलक्षण एवं निस्पादन विश्लेषण, मोटरों का प्रारम्भन एवं गति नियंत्रण। परिणामित्र :

3. **समुद्र विज्ञान** : अटलमैटिक, हिंद एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊष्मा एवं लवण बजट, महासागरों निक्षेप; तरंग, धाराएं एवं ज्वार-भाटा; समुद्री संसाधन : जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल मितियां; प्रवाल रिजिन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्र नियम एवं समुद्री प्रदूषण ।
4. **जीव भूगोल** : मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन; न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; वन अपरोपण की समस्याएं एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केंद्र ।
5. **पर्यावरणीय भूगोल** : पारिस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारिस्थितिक अनुकूलन; पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिक परिवर्तन एवं असंतुलन; पाश्चिंत्र उष्णकटिबंधीय प्रबंधन एवं संरक्षण; पर्यावरणीय निष्पत्ति, प्रबंधन एवं संरक्षण; जैव विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान ।

मानव भूगोल

1. **मानव भूगोल में संदर्श** : क्षेत्रीय विभेदन; प्रदेशिक संश्लेष द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति अवस्थिति विश्लेषण; उद्गमभूत, व्यावहारिक, मानवीय कल्याण उपागम; भाषाएं, धर्म एवं निष्पत्तीकरण; विश्व सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचक ।
2. **आर्थिक भूगोल** : विश्व आर्थिक विकास; माप एवं समस्याएं; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकल्प संवृद्धि की सीमाएं; विश्व कृषि; कृषि प्रदेशों की प्रारूपता कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खान एवं पोषण समस्याएं; खाद्य सुरक्षा; दमिषः कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग; अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएं; विश्व व्यापार के प्रतिमान ।
2. **जनसंख्या एवं बस्ती भूगोल** : विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी गुण; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; आन्तरिक-अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएं; जनसंख्या के सिद्धांत; विश्व जनसंख्या समस्या और नीतियां; सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या । ग्रामीण बस्तियों की प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण बस्तियों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख शहर एवं श्रेणी आकार प्रणाली की संकल्पना, नगरों का प्रकाशित्व, वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम नगर उत्पत्ति; अनुप्राणी नगर, नगरीकरण की समस्याएं एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास ।
4. **प्रादेशिक आयोजना** : प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियां; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियां; प्रादेशिक आयोजना में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिए आयोजना ।

5. **मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धांत एवं नियम** : मानव भूगोल में प्रणाली विश्लेषण; माल्थस का मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टावर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थान सिद्धांत; पैरू एवं बूर्देविए; वॉन थूनेन का कृषि अवस्थान मॉडल; वेबर का औद्योगिक अवस्थान मॉडल; ओस्तोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; अंतःभूमि एवं वहिःभूमि सिद्धांत; अंतरराष्ट्रीय सीमाएं एवं सीमांत क्षेत्र के नियम ।

प्रश्न पत्र-2

भारत का भूगोल

1. **भौतिक विन्यास** : पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाहतंत्र एवं जल विभाजन; भू-आकृतिक प्रदेश : भारतीय मानमून एवं वर्षा प्रतिरूप उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोभ की क्रिया विधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि; जलवायवी प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति, मृदा प्रकार एवं उनका वितरण ।
2. **संसाधन** : भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट ।
3. **कृषि** : अवसंरचना : सिंचाई, बोज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारक : जोत; भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकर्ष, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रांति एवं इसकी सामाजिक आर्थिक एवं पारिस्थितिक विवक्षा; वर्णाधीन खेती का महत्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रांति, जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खीपालन एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवी क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश ।
4. **उद्योग** : उद्योगों का विकास : कपास,जूट, वस्त्रोद्योग, लोह एवं इस्पात, अलुमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकल्स, आटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक घराने एवं संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीतियां; बहुराष्ट्रीय कंपनियां एवं उदासीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थितिक पर्यटन समेत पर्यटन ।
5. **परिवहन, संचार एवं व्यापार** : सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, हवाईमार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; निर्यात प्रक्रमण क्षेत्र; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ।
6. **सांस्कृतिक विन्यास** : भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; प्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएं; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियां, जनजातीय क्षेत्र तथा उनकी

समस्याएं; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय गुण : लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंतःप्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएं, जनसंख्या समस्याएं एवं नीतियां; स्वास्थ्य सूचक ।

7. **बस्ती :** ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सत्रगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएं, नगर आयोजना; नगरीकरण की समस्याएं एवं उपचार ।

8. **प्रादेशिक विकास एवं आयोजना :** भारत में प्रादेशिक आयोजना का अनुभव; पंचवर्षी योजनाएं; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं विकेंद्रीकृत आयोजना; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजक प्रबंध; पिछड़ा क्षेत्र, मरुस्थल, अनावृष्टि प्रवण, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिए आयोजना; बहुस्तरीय योजना; प्रादेशिक योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास ।

9. **राजनैतिक परिप्रेक्ष्य :** भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविर्भाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्य मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैश्विक मामले में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिंद महासागर परिमंडल की भू-राजनीति ।

10. **समकालीन मुद्दे :** पारिस्थितिक मुद्दे : पर्यावरणीय संकट : भू-स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं पर्यावरण प्रबंधन के सिद्धांत; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय निम्नीकरण; वनोन्मूलन, मरुस्थलीकरण एवं मुद्दा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएं; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएं; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदियों का सहवर्द्धन, भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था ।

टिप्पणी : अभ्यर्थियों को इस प्रश्नपत्र में लिए गए विषयों से संगत एक अनिवार्य मानचित्र-आधारित प्रश्न का उत्तर देना अविवार्य है ।

भूविज्ञान

प्रश्न पत्र-1

1. सामान्य भूविज्ञान :

सौरतंत्र, उल्कापिंड, पृथ्वी का उद्भव एवं अंतरंग तथा पृथ्वी की आयु, ज्वालामुखी-कारण एवं उत्पाद, ज्वालामुखी पट्टियां, भूकंप-कारण, प्रभाव, भारत के भूकंपी क्षेत्र, द्वीपाभ चाप, खाइयां एवं महासागर मध्य कटक; महाद्वीपीय अपोढ़; समुन्द्र अधस्थल विस्तार, प्लेट विवर्तनी; समस्थिति ।

2. भूआकृति विज्ञान एवं सुदूर-संवेदन :

भूआकृति विज्ञान की आधारभूत संकल्पना; अपक्षय एवं मृदानिर्माण; स्थलरूप; ढाल एवं अपवाह; भूआकृतिक चक्र एवं उनकी विवक्षा; आकारिकी एवं इसकी संरचनाओं एवं आशिमकी से संबंध; तटीय भूआकृति विज्ञान; खनिज पुर्वेक्षण में भूआकृति विज्ञान के अनुप्रयोग, सिविल इंजीनियरी; जल विज्ञान एवं पर्यावरणीय अध्ययन; भारतीय उपमहाद्वीप का भूआकृति विज्ञान। वायव फोटो एवं उनकी विवक्षा-गुण एवं सीमाएं; विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम; कक्षा परिभ्रमण उपग्रह एवं संवेदन प्रणालियां; भारतीय दूर संवेदन उपग्रह, उपग्रह दत्त उत्पाद; भू-विज्ञान में दूर संवेदन के अनुप्रयोग; भौगोलिक सूचना प्रणालियां (GIS) एवं विश्वव्यापी अवस्थान प्रणाली (GIS) - इसका अनुप्रयोग ।

3. संरचनात्मक भूविज्ञान

भूवैज्ञानिक मानचित्र एवं मानचित्र पठन के सिद्धांत, प्रक्षेप आरेख प्रतिबल एवं विकृति दीर्घवृत्त तथा प्रत्यास्थ, सुघट्य एवं श्यान पदार्थ के प्रतिबल-विकृति संबंध; विरूपित शैलों में विकृति चिह्नक; विरूपण दशाओं के अंतर्गत खनिजों एवं शैलों का व्यवहार; चलन एवं भ्रंश वर्गीकरण एवं यांत्रिकी; चलनों, शल्कनों, सरिखणों, जोड़ों एवं भ्रंशों, विषमविन्यासों का संरचनात्मक विश्लेषण; क्रिस्टलन एवं विरूपण के बीच समान संबंध ।

4. जीवाश्म विज्ञान

जाति-परिभाषा एवं नामपद्धति; गुरु जीवाश्म एवं सूक्ष्म जीवाश्म; जीवाश्म संरक्षण की विधियां; विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म जीवाश्म; सह संबंध, पेट्रोलियम अन्वेषण, पुराजलवायवी एवं पुरासमुद्रविज्ञानीय अध्ययनों में सूक्ष्म जीवाश्मों का अनुप्रयोग; होमिनिडी एक्विडी एवं प्रोबोसीडिया में विकासत्मक प्रवृत्ति; शिवालिक प्राणिजात; गोडवाना वनस्पतिजात एवं प्राणिजात एवं इसका महत्व; सूचक जीवाश्म एवं उनका महत्व ।

5. भारतीय स्तरिकी

स्तरिकी अनुक्रमों का वर्गीकरण : अश्मस्तरिक जैवस्तरिक, कालस्तरिक एवं चुम्बकस्तरिक तथा उनका अंतर्संबंध; भारत की कैम्ब्रियनपूर्व शैलों का वितरण एवं वर्गीकरण; प्राणिजात वनस्पतिजात एवं आर्थिक महत्व की दृष्टि से भारत की दृश्यजीवी शैलों के स्तरिक वितरण एवं अश्मविज्ञान का अध्ययन; प्रमुख सीमा समस्याएं-कैम्ब्रियन, कैम्ब्रियन पूर्व, पर्मियन/ट्राईऐसिक, कैटेशियस/तृतीयक एवं प्लायोसिन/प्लीस्टोसिन; भूवैज्ञानिक अतीत में भारतीय उपमहाद्वीप में जलवायवी दशाओं, पुराभूगोल एवं अग्नेय सक्रियता का अध्ययन; भारत का स्तरिक ढांचा; हिमालय का उद्भव।

6. जल भूविज्ञान एवं इंजीनियरी भूविज्ञान

जल वैज्ञानिक चक्र एवं जल का जननिक वर्गीकरण; अवपृष्ठ जल का संचलन; वृहत ज्वार; सरभ्रंता, पराक्राम्यता, द्रवचालित

चालकता, परागभ्यता एवं संचयन गुणांक, ऐक्विफर वर्गीकरण; शैलों की जलधारी विशेषताएं; भूजल रसायनिकी; लवणजल अंतर्बंधन; कूपों के प्रकार, वर्षाजल संग्रहण; शैलों के इंजीनियरी गुण-धर्म; बांधों, सुरगों, राजमार्गों एवं पुलों के लिए भूवैज्ञानिक अन्वेषण; निर्माण सामग्री के रूप में शैल; भूस्खलन-कारण, रोकथाम एवं पुनर्वास; भूकंप रोधी संरचनाएं ।

प्रश्न पत्र-2

1. खनिज विज्ञान

प्रणालियों एवं सममिति वर्गों में क्रिस्टलों का वर्गीकरण क्रिस्टल संरचनात्मक संकेतन की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली क्रिस्टल सममिति को निरूपित करने के लिए प्रक्षेप आरेख का प्रयोग; किरण क्रिस्टलिकी के तत्व ।

शैलकर सिलिकेट खनिज समूहों के भौतिक एवं रासायनिक गुण; सिलिकेट का संरचनात्मक वर्गीकरण; आग्नेय एकायांतरित शैलों के सामान्य खनिज; कार्बोनेट, फास्फेट सल्फाइड एवं हेलाइड समूहों के खनिज; मृत्तिका खनिज ।

सामान्य शैलकर खनिजों के प्रकाशिक गुणधर्म; खनिजों में बहुवर्णता, विलोप कोण, द्विअपवर्तन (डबल रिफ्रैक्शन बाईरिफ्रिजेंस), यमलन एवं परिक्षेपण ।

2. आग्नेय एवं कायांतरित शैलिकी

पैगमा जनन एवं क्रिस्टलन; ऐल्बाइट-ऐनोर्थाइट का क्रिस्टलन; डायोप्साइड-ऐनोर्थाइट एवं डायोप्साइड-वोलास्टोनाइट-सिलिका प्रणालियां; बॉवेन का अभिक्रिया सिद्धांत; मैग्मीय विभेदन एवं स्वांगीकरण; आग्नेय शैलों के गठन एवं संरचनाओं का शैलजनननिक महत्व; ग्रेनाइट, साइनाइड, डायोराइट, अल्पसिलिक एवं अत्यल्पसिलिक समूहों, चार्नोकाइट, अर्नोर्थोसाइट एवं क्षारीय शैलों की शैलवर्णना एवं शैल जनन; कार्बोनेटाइट्स, डेकन ज्वालामुखी शैल-क्षेत्र ।

कायांतरण प्ररूप एवं कारक; कायांतरी कोटियां एवं संस्तर; प्राक्स्था नियम; प्रादेशिक एवं संस्पर्श कायांतरण संलक्षणी; ACF एवं AKF आरेख; कायांतरी शैलों का गठन एवं संरचना; बालुकामय, मृण्मय एवं अल्पसिलिक शैलों का कायांतरण; खनिज समुच्चय पश्चगतिक कायांतरण तत्वांतरण एवं ग्रेनाइटीभवन; भारत का मिग्मेटाइट, कणिकाश्म शैल प्रदेश ।

3. अवसादी शैलिकी

अवसाद एवं अवसादी शैल निर्माण प्रक्रियाएं, प्रसंधनन एवं शिलीभवन, संखंडाश्मी एवं असंखंडाश्मी शैल-उनका वर्गीकरण, शैलवर्णना एवं निक्षेपण वातावरण; अवसादी संलक्षणी एवं जननक्षेत्र; अवसादी संरचनाएं एवं उनका महत्व; भारी खनिज एवं उनका महत्व; भारत की अवसादी द्रोणियां ।

4. आर्थिक भूविज्ञान

अयस्क, अयस्क खनिज एवं गैस, अयस्क का औसत प्रतिशत, अयस्क निक्षेपों का वर्गीकरण; खनिज निक्षेपों की निर्माण

प्रक्रिया; अयस्क स्थानीकरण के नियंत्रण; अयस्क गठन एवं संरचनाएं; धातु जननिक युग एवं प्रदेश; एल्युमिनियम, क्रोनियम, ताम्र, स्वर्ण, लोह, लंड, जिक मैंगनीज, टिटैनियम, युरेनियम एवं थेरियम तथा औद्योगिक खनिजों के महत्वपूर्ण भारतीय निक्षेपों का भूविज्ञान; भारत में कोयला एवं पेट्रोलियम निक्षेप; राष्ट्रीय खनिज नीति; खनिज संसाधनों का संरक्षण एवं उपयोग; समुद्री खनिज संसाधन एवं समुद्र नियम ।

5. खनन भूविज्ञान

पूर्वक्षण की विधियां-भूवैज्ञानिक, भूभौतिक, भूरासायनिक एवं भू-वानस्पतिक; प्रतिचयन प्रविधियां, अयस्क निचय प्राक्कलन; धातु अयस्कों, औद्योगिक खनिजों, समुद्री खनिज संसाधनों एवं निर्माण प्रस्तरों के अन्वेषण एवं खनिज की विधियां; खनिज सज्जीकरण एवं अयस्क प्रसाधन ।

6. भूरासायनिक एवं पर्यावरणीय भूविज्ञान

तत्वों का अंतरिक्षी बाहुल्य; ग्रहों एवं उल्कापिंडों का संघटन; पृथ्वी की संरचना एवं संघटन एवं तत्वों का वितरण; लेश तत्व; क्रिस्टल रासायनिकी के तत्व-रासायनिक आवंध, समन्वय संख्या, समाकृतिकता एवं बहम्पता; प्रारंभिक उष्मागतिकी ।

प्राकृतिक संकट-बाढ़, वृहत क्षरण, तटीय संकट, भूकंप एवं ज्वालामुखीय सक्रियता तथा न्यूनीकरण; नगरीकरण, खनन औद्योगिक एवं रेडियोसक्रिय अपरद निपटान, उर्वरक प्रयोग, खनन अपरद एवं फ्लाई ऐश सन्निक्षेपण के पर्यावरणीय प्रभाव; भौम एवं भू-पृष्ठ जल प्रदूषण, समुद्री प्रदूषण; पर्यावरण संरक्षण-भारत में विधायी उपाय; समुद्र तल परिवर्तन-कारण एवं प्रभाव ।

इतिहास

प्रश्न पत्र-1

1. स्रोत :

पुरातात्विक स्रोत :

अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक ।

साहित्यिक स्रोत :

स्वदेशी : प्राथमिक एवं द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य ।

विदेशी वर्णन : यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक

2. प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास :

भौगोलिक कारक । शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग) ।

3. मिथु घाटी सभ्यता :

उद्म, काल, विस्तार, विशेषताएं, पतन, अस्तित्व एवं महत्व, कला एवं स्थापत्य ।

4. महायाषाणयुगीन संस्कृतियां :

मिथु से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियां, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लोह उद्योग ।

5. आर्य एवं वैदिक काल :

भारत में आर्यों का प्रसार ।

वैदिक काल : धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपान्तरण; राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; वैदिक युग का महत्व; राजतंत्र एवं वर्ग व्यवस्था का क्रम विकास ।

6. महाजनपद काल :

महाजनपदों का निर्माण : गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर कदों का उद्भव; व्यापार मार्ग; आर्थिक विकास टंकण (सिक्का डकान्); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नदों का उद्भव । ईरानी एवं नदों का उद्भव ।

7. मौर्य साम्राज्य :

मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; धर्मदेश; राज्य व्यवस्था; प्रशासन; अर्थव्यवस्था; कला, स्थापत्य एवं मूर्तिशिल्प; विदेशी संपर्क; धर्म का प्रसार; साहित्य ।

साम्राज्य का विघटन; गुंग एवं कण्व ।

8. उत्तर मौर्य काल (भारत-यूनानी, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप) :

बाहरी विश्व से संपर्क; नगर-केन्द्रों का विकास, अर्थ-व्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, भौतिक नगर, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान ।

9. प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, टंकण एवं दक्षिण भारत में :

खारवंश, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थ-व्यवस्था, भूमि, अनुदान, टंकण, व्यापारिक श्रेणियां एवं नगर केंद्र, ग्राम केंद्र, संगम साहित्य एवं संस्कृति; कला एवं स्थापत्य ।

10. गुप्त वंश, चकाटक एवं वर्धन वंश :

राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक प्रशासन, गुप्तकालीन टंकण, भूमि अलग, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंजस्य, जाति पद्धति, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षणिक संस्थाएं, धर्म, विद्वान्मंडल एवं बल्लभ, साहित्य, विज्ञान, कला एवं स्थापत्य ।

11. गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य :

कादंबवंश, गुलबर्गा, बदामी का गुलबर्गावंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, सामाजिक श्रेणियां, साहित्य; वैश्याव एवं शैव धर्मों का विकास । तमिल भक्ति आंदोलन, शैवधर्म; वेदांत; मंदिर संस्थाएं एवं मंदिर स्थापत्य; राज वंश, सेन

वंश, राष्ट्रकूट वंश, परमार वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; सांस्कृतिक पक्ष । सिंध के अरब विजेता; अलबरूनी, कल्याण का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संग्रहालय, मंदिर एवं मठ संस्थाएं, अग्रहार वंश, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थ-व्यवस्था एवं समाज ।

12. प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य :

भाषाएं एवं मूलग्रंथ, कला एवं स्थापत्य के क्रम विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शाखाएं, विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में विचार ।

13. प्रारंभिक मध्यकालीन भारत, 750-1200

● राज्य व्यवस्था: उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनैतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उद्गम एवं उदय

● चोल वंश : प्रशासन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज

● भारतीय सामंजस्य

● कृषि अर्थ-व्यवस्था एवं नगरीय बस्तियां

● व्यापार एवं वाणिज्य

● समाज : ब्राह्मण की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था

● स्त्री की स्थिति

● भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ।

14. भारत की सांस्कृतिक परंपरा 750-1200

● दर्शन : शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं विशिष्टाद्वैत, मध्य एवं ब्रह्म-मीमांसा ।

● धर्म : धर्म के स्वरूप एवं विरोधता, नग्न भक्ति, मंत्रदाय, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत ।

● साहित्य : संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नवविकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की "राजतरंगिणी", अलबरूनी का "ईंडिया" ।

● कला एवं स्थापत्य : मंदिर स्थापत्य, मूर्तिशिल्प, चित्रकला ।

15. तेरहवीं शताब्दी

● दिल्ली सल्तनत की स्थापना : गौरी के आक्रमण-गौरी की सफलता के पीछे कारक

● आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम

● दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रारंभिक तुर्क सुल्तान

● मुद्राधिकरण : इल्तुतमिश और बलबन का शासन ।

16. चौदहवीं शताब्दी

● खिलजी क्रांति

● अलाउद्दीन खिलजी : विजय एवं क्षेत्र-प्रसार, कृषि एवं आर्थिक उपाय

- मुहम्मद तुगलक : प्रमुख प्रफलप, कृषि उपाय, मुहम्मद तुगलक की अफसरशाही
 - फिरोज तुगलक : कृषि उपाय, सिविल इंजीनियरी एवं लोक निर्माण में उपलब्धियाँ, दिल्ली सल्तनत का पतन, विदेश संपर्क एवं इब्नबतूता का वर्णन।
17. **तेरहवीं एवं चौदहवीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था**
- समाज : ग्रामीण समाज की रचना, शासी वर्ग, नगर निवास, स्त्री, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अंतर्गत जाति एवं दल प्रथा, भक्ति आन्दोलन, सूफ़ी आन्दोलन
 - संस्कृति : फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं का साहित्य, सल्तनत स्थापत्य एवं नए स्थापत्य रूप, चित्रकला, समिश्र संस्कृति का विकास
 - अर्थ व्यवस्था : कृषि उत्पादन, नगर अर्थव्यवस्था एवं कृषि उत्पादन का उद्भव, व्यापार एवं वाणिज्य।
18. **पंद्रहवीं एवं प्रारम्भिक सोलहवीं शताब्दी - राजनैतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था**
- अंतर्गत राजवर्षों का उदय : बंगाल, कश्मीर (जैनुल आददीन), गुजरात, मालवा, बहमनी
 - विजयनगर साम्राज्य
 - लादीपेश
 - मुगल साम्राज्य, पहला चरण : बाबर एवं हुमायूँ
 - सूर साम्राज्य : शेरशाह का प्रशासन
 - पुर्तगाली औपनिवेशिक प्रतिष्ठान।
19. **पंद्रहवीं एवं प्रारम्भिक सोलहवीं शताब्दी : समाज एवं संस्कृति**
- क्षेत्रीय सांस्कृतिक विशिष्टताएं
 - साहित्यिक परम्पराएं
 - प्रांतीय स्थापत्य
 - विजयनगर साम्राज्य का समाज, संस्कृति, साहित्य और कला।
20. **अकबर**
- विजय एवं साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण
 - जागीर एवं मनसब व्यवस्था की स्थापना
 - राजपूत नीति
 - धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास, सुलह-ए-कुल का सिद्धांत एवं धार्मिक नीति
 - कला एवं प्रौद्योगिकी को राज-दरबारी संरक्षण।
21. **सत्रहवीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य**
- जहांगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियाँ
 - साम्राज्य एवं जमींदार
 - जहांगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की धार्मिक नीतियाँ

- मुगल राज्य का स्वरूप
 - उत्तर सत्रहवीं शताब्दी का संकट एवं विद्रोह
 - अहोम साम्राज्य
 - शिवाजी एवं प्रारम्भिक मराठा राज्य।
22. **सोलहवीं एवं सत्रहवीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं व्यवसाय**
- अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादन, शाल्य उत्पादन
 - माल, डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी कंपनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणिज्य - "व्यापार क्रांति"
 - भारतीय व्यापारी वर्ग, बैंकिंग, बीमा एवं ऋण प्रणालियाँ
 - किसानों की दशा, सिद्धियों की दशा
 - सिद्ध समुदाय एवं खलसा पंथ का विकास।
23. **मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति**
- फारसी इतिहास एवं अन्य साहित्य
 - हिन्दी एवं अन्य धार्मिक साहित्य
 - मुगल स्थापत्य
 - मुगल चित्रकला
 - प्रांतीय स्थापत्य एवं चित्रकला
 - शास्त्रीय संगीत
 - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।
24. **अठारहवीं शताब्दी**
- मुगल साम्राज्य के पतन के कारक
 - क्षेत्रीय सामंत देश : निजाम का दकन, बंगाल, अवध
 - पेशवा के अधीन मराठा उत्कर्ष
 - मराठा राजकोपीय एवं वित्तीय व्यवस्था
 - अफगान शक्ति का उदय, पानीपत का युद्ध-1761
 - ब्रिटिश विजय की पूर्व संध्या में राजनीति, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था की स्थिति।

प्रश्न-पत्र 2

1. **भारत में यूरोप का प्रवेश**
प्रारम्भिक यूरोपीय बस्तियाँ; पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियाँ; आधिपत्य के लिए उनके युद्ध; कर्नाटक युद्ध; बंगाल-अंग्रेजों एवं बंगाल के नवाब के बीच संघर्ष; सिराज और अंग्रेज, प्लासी का युद्ध; प्लासी का महत्व।
2. **भारत में ब्रिटिश प्रसार**
बंगाल-मीर जाफर एवं मीर कासिम; बक्सर का युद्ध; मैसूर; मराठा; तीन अंग्रेज-मराठा युद्ध; पंजाब।
3. **ब्रिटिश राज की प्रारम्भिक संरचना**
प्रारम्भिक प्रशासनिक संरचना : द्वैधशासन से प्रत्यक्ष नियंत्रक तक; रेगुलेटिंग एक्ट (1773); पिट्स इंडिया एक्ट (1784); चार्टर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता स्वरूप; अंग्रेजी उपयोगितावादी और भारत।

4. ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव

(क) ब्रिटिश भारत में भूमि-राजस्व बंदोबस्त; स्थायी बंदोबस्त; रयतवारी बंदोबस्त; महालवारी बंदोबस्त; राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव; कृषि का वाणिज्यीकरण; भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय; ग्रामीण समानता का परिक्षण।

(ख) पारंपरिक व्यापार एवं वाणिज्य का विस्थापन; अनेद्योगीकरण; पारंपरिक शिल्प की अवनीति; धन का अपवाह: भारत का आर्थिक रूपांतरण; टेलीग्राफ एवं डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचार जाल; ग्रामीण भीतरी प्रदेश में दुर्भिक्ष एवं गरीबी; यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएं।

5. सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास

स्वदेशी शिक्षा की स्थिति; इसका विस्थापन; प्राच्यविद्-आंग्लविद् विवाद, भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रादुर्भाव; प्रेस, साहित्य एवं लोकमत का उदय; आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय; विज्ञान की प्रगति; भारत में क्रिश्चियन मिशनरी के कार्यकलाप।

6. बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन

राममोहन राय, ब्रह्म आंदोलन; देवेन्द्रनाथ टैगोर; ईश्वरचंद्र विद्यासागर; युवा बंगाल आंदोलन; दयानंद सरस्वती; भारत में सती, विधवा विवाह, बाल विवाह, आदि समेत सामाजिक सुधार आंदोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय पुनर्जागरण का योगदान; इस्लामी पुनरुद्धार वृत्ति-फरार्दीजी एवं बहावी आंदोलन।

7. ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया

रंगपुर ढींग (1783), कोल विद्रोह (1832), मालाबार में मोंपला विद्रोह (1841-1920), मन्थाल हल (1855), नील विद्रोह (1859-60), दकन विप्लव (1875), एवं मुंडा विद्रोह उलुलान (1899-1900) समेत 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए किसान आंदोलन एवं जनजातीय विप्लव; 1857 का महाविद्रोह-उद्गम, स्वरूप, असफलता के कारण, परिणाम; पश्च 1857 काल में किसान विप्लव के स्वरूप में बदलाव; 1920 और 1930 के दशकों में हुए किसान आंदोलन।

8. भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक; संघों की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बुनियाद; कांग्रेस के जन्म के संबंध में सेफ्टी वाल्व का पक्ष; प्रारंभिक कांग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य; प्रारंभिक कांग्रेस नेतृत्व की सामाजिक रचना; नरम दल एवं गरम दल; बंगाल का विभाजन (1905); बंगाल में स्वदेशी आंदोलन; स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य; भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ।

9. गांधी का उदय; गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप; गांधी का जनाकर्षण; रीलेट सत्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन; असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद से सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय

राजनीति; सविनय अवज्ञा आंदोलन की दो चरण; साइमन कमिशन; नेहरू रिपोर्ट; मौलाना आंदोलन, राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन; राष्ट्रवाद एवं श्रमिक आंदोलन; माहला एवं भारतीय युवा तथा भारतीय आंदोलन में छात्र (1885-1947); 1927 का चुनाव; स्वतंत्रता के गठन; क्रिप्स मिशन, भारत का आंदोलन, सविनय अवज्ञा; कैबिनेट मिशन।

10. औपनिवेशिक भारत में 1858 और 1947 के बीच सांविधानिक घटनाक्रम।

11. राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कड़ियां

क्रांतिकारी : बंगाल, पंजाब, मद्रास, यू.पी., मद्रास प्रदेश, भारत से बाहर। वामपक्ष; कांग्रेस के अंदर का वामपक्ष; जवाहर लाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, कांग्रेस समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामदल।

12. अलगाववाद की राजनीति; मुस्लिम लीग; इन्दु महासभा सांप्रदायिकता एवं विभाजन की राजनीति; सत्ता का हस्तांतरण; स्वतंत्रता।

13. एक राष्ट्र के रूप में सुदृढीकरण; महत्त्व का विदेश नीति भारत और उसके पड़ोसों (1947-1964) गन्तव्य का भगवाण पुनर्गठन (1935-1947); क्षेत्रीयतावाद एवं क्षेत्रीय असमानता; भारतीय रियासतों का एकीकरण, निर्वाचन की राजनीति में रियासतों के नरेश (प्रिन्स); राष्ट्रीय भाषा का प्रश्न।

14. 1947 के बाद जाति एवं नृजातित्व; उत्तर औपनिवेशिक निर्वाचन-राजनीति में पिछड़ी जातियां एवं जनजातियां; दलित आंदोलन।

15. आर्थिक विकास एवं राजनीति परिवर्तन; भूमि सुधार; योजना एवं ग्रामीण पुनर्रचना की राजनीति; उत्तर औपनिवेशिक भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण नीति; विज्ञान की तरक्की।

16. प्रबोध एवं आधुनिक विचार

(i) प्रबोध के प्रमुख विचार : कांट रुसो

(ii) उपनिवेशों में प्रबोध-प्रसार

(iii) समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक); मार्क्स के समाजवाद का प्रसार

17. आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत

(i) यूरोपीय राज्य प्रणाली

(ii) अमेरिकी क्रांति एवं संविधान

(iii) फ्रांसीसी क्रांति एवं उसके परिणाम, 1789-1815

(iv) अब्राहम लिंकन के संदर्भ के साथ अमेरिकी सिविल युद्ध एवं दासता का उन्मूलन

(v) ब्रिटिश गणतंत्रात्मक राजनीति, 1815-1850; सोवियत सुधार, मुक्त व्यापारी, चार्टरवादी।

18. औद्योगिकीकरण

- (i) अंग्रेजी औद्योगिक क्रांति : कारण एवं समाज पर प्रभाव
- (ii) अन्य देशों में औद्योगिकीकरण : यू.एस.ए., जर्मनी, रूस, जापान
- (iii) औद्योगिकीकरण एवं भूमंडलीकरण ।

19. राष्ट्र राज्य प्रणाली

- (i) 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय
- (ii) राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण
- (iii) पूरे विश्व में राष्ट्रीयता के आविर्भाव के समक्ष साम्राज्यों का विघटन ।

20. साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद

- (i) दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया
- (ii) लातीनी अमरीका एवं दक्षिणी अफ्रीका
- (iii) आस्ट्रेलिया
- (iv) साम्राज्यवाद एवं मुक्त व्यापार : नवसाम्राज्यवाद का उदय ।

21. क्रांति एवं प्रतिक्रांति

- (i) 19वीं शताब्दी यूरोपीय क्रांतियाँ
- (ii) 1917-1921 की रूसी क्रांति
- (iii) फासीवाद प्रतिक्रांति, इटली एवं जर्मनी
- (iv) 1949 की चीनी क्रांति ।

22. विश्व युद्ध

- (i) संपूर्ण युद्ध के रूप में प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध : समाजीय निहितार्थ
- (ii) प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम
- (iii) द्वितीय विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम ।

23. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व

- (i) दो शक्तियों का आविर्भाव
- (ii) तृतीय विश्व एवं गुटनिरपेक्षता का आविर्भाव
- (iii) संयुक्त राष्ट्र संघ एवं वैश्विक विवाद ।

24. औपनिवेशिक शासन से मुक्ति

- (i) लातीनी अमरीका-बोलीवर
- (ii) अरब विश्व-मिश्र
- (iii) अफ्रीका रंगभेद से गणतंत्र तक
- (iv) दक्षिण पूर्व एशिया-वियतनाम ।

25. वि-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास

- (i) विकास के बाधक कारक : लातीनी, अमरीका, अफ्रीका

26. यूरोप का एकीकरण

- (i) युद्धोत्तर स्थापनाएं : NATO एवं यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी)
- (ii) यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) का सुदृढीकरण एवं प्रसार

(iii) यूरोपियाई संघ ।

27. सोवियत यूनियन का विघटन एवं एक ध्रुवीय विश्व का उदय

- (i) सोवियत साम्यवाद एवं सोवियत यूनियन को निपात तक पहुंचाने वाले कारक, 1985-1991
- (ii) पूर्वी यूरोप में राजनैतिक परिवर्तन 1989-2001
- (iii) शीत युद्ध का अंत एवं अकेली महाशक्ति के रूप में US का उत्कर्ष ।

विधि

प्रश्न-पत्र 1

सांविधिक एवं प्रशासनिक विधि :

1. संविधान एवं संविधानवाद; संविधान के सुस्पष्ट लक्षण ।
2. मूल अधिकार-लोकहित याचिका, विधिक सहायता, विधिक सेवा प्राधिकरण ।
3. मूल अधिकार-निदेशक तत्त्व तथा मूल कर्तव्यों के बीच संबंध ।
4. राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति तथा मंत्रिपरिषद् के साथ संबंध ।
5. राज्यपाल तथा उसकी शक्तियाँ ।
6. उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय :
(क) नियुक्ति तथा स्थानांतरण ।
(ख) शक्तियाँ, कार्य एवं अधिकारिता ।
7. केंद्र, राज्य एवं स्थानीय निकाय;
(क) संघ तथा राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण ।
(ख) स्थानीय निकाय ।
(ग) संघ, राज्यों तथा स्थानीय निकायों के बीच प्रशासनिक संबंध ।
(घ) सर्वोपरि अधिकार-राज्य संपत्ति-सामान्य संपत्ति-समुदाय संपत्ति ।
8. विधायी शक्तियों, विशेषाधिकार एवं उन्मुक्ति ।
9. संघ एवं राज्य के अधीन सेवाएं :
(क) भर्ती एवं सेवा शर्तें : सांविधानिक सुरक्षा; प्रशासनिक अधिकरण ।
(ख) संघ लोक सेवा आयोग एवं लोक सेवा आयोग-शक्ति एवं कार्य ।
(ग) निर्वाचन आयोग-शक्ति एवं कार्य ।
10. आपात् उपबंध ।
11. संविधान संशोधन ।
12. नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत-आविर्भाव होती प्रवृत्तियाँ एवं न्यायिक उपागम ।
13. प्रत्यायोजित विधान एवं इसकी सांविधानिकता ।
14. शक्तियों एवं सांविधानिक शासन का पृथक्करण ।
15. प्रशासनिक कार्रवाई का न्यायिक पुनर्विलोकन ।
16. ओम्बड्समैन : लोकायुक्त, लोकपाल आदि ।

अंतर्राष्ट्रीय विधि :

1. अंतर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति तथा परिभाषा
2. अंतर्राष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि के बीच संबंध ।
3. राज्य मान्यता तथा राज्य उत्तराधिकार ।
4. समुद्र नियम : अंतर्देशीय जलमार्ग, क्षेत्रीय समुद्र, समांतरस्थ परिक्षेत्र, महाद्वीपीय उपकट, अन्य आर्थिक परिक्षेत्र तथा महासमुद्र ।
5. व्यक्ति : राष्ट्रीयता, राज्यहीनता-मानवाधिकार तथा उनके प्रवर्तन के लिए उपलब्ध प्रक्रियाएं ।
6. राज्यों की क्षेत्रीय अधिकारिता-प्रत्यर्पण तथा शरण ।
7. संधियां : निर्माण, उपयोग, पर्यवेक्षण और अन्त्य ।
8. संयुक्त राष्ट्र : इसके प्रमुख अंग, शक्तियां कृत्य और सुधार ।
9. विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा : विभिन्न तरीके ।
10. बल का विधिपूर्ण आश्रय : आक्रमण, आतंकवाद, हस्तक्षेप ।
11. अंतर्राष्ट्रीय मानवादी विधि के मूल सिद्धांत-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं समकालीन विकास ।
12. परमाणु अस्त्रों के प्रयोग की वैधता; परमाणु अस्त्रों के परीक्षण पर रोक - परमाण्वीय अप्रसार संधि, सी.टी.बीटी ।
13. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, राज्यप्रवर्तित आतंकवाद, अपहरण, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ।
14. नए अंतर्राष्ट्रीय आधिक आदेश तथा मौद्रिक विधि, डब्ल्यू टी ओ, टीआरआईसीएस, जीएटीटी, आईएमएफ, विश्व बैंक ।
15. मानव पर्यावरण का संरक्षण तथा सुधार-अंतर्राष्ट्रीय प्रयास ।

प्रश्न पत्र-II**अपराध विधि**

1. आपराधिक दायित्व के सामान्य सिद्धांत; आपराधिक मन:स्थिति तथा आपराधिक कार्य । सांविधिक अपराधों में आपराधिक मन:स्थिति ।
2. दंड के प्रकार एवं नई प्रवृत्तियाँ जैसे कि मृत्यु दंड रद्द करना
3. तैयारियां तथा आपराधिक प्रयास
4. सामान्य अपवाद
5. संयुक्त तथा रचनात्मक दायित्व
6. दुष्प्रेरण
7. आपराधिक षडयंत्र
8. राज्य के प्रति अपराध
9. लोक शांति के प्रति अपराध
10. मानव शरीर के प्रति अपराध
11. संपत्ति के प्रति अपराध
12. स्त्री के प्रति अपराध
13. मानहानि

14. प्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988

15. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 एवं उत्तरवर्ती विधायी विकास
16. अभिवचन सौदा ।

अपकृत्य विधि

1. प्रकृति तथा परिभाषा
2. जुटि तथा कठोर दायित्व पर आधारित दायित्व; आत्यंतिक दायित्व ।
3. प्रतिनिधिक दायित्व, राज्य दायित्व सहित
4. सामान्य प्रतिरक्षा
5. संयुक्त अपकृत्य कर्ता
6. उपचार
7. उपेक्षा
8. मानहानि
9. उत्पात (न्यूसेन)
10. षडयंत्र
11. अप्राधिकृत बंदोबस्त
12. विद्वेषपूर्ण अभिव्यक्ति
13. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 ।

संविदा विधि और वाणिज्यिक विधि

1. संविदा का स्वरूप और निर्माण/ई संविदा
2. स्वतंत्र सम्मति को दृष्टि करने वाले कारक
3. शून्य शून्यकरणीय, अवैध तथा अप्रवर्तनीय करार
4. संविदा का पालन तथा उन्मोचन
5. संविदाकल्प
6. संविदा भंग के परिणाम
7. क्षतिपूर्ति, गारंटी एवं बीमा संविदा
8. अधिकरण संविदा
9. माल की विक्री तथा अवक्रय (हायर परचेज)
10. भागीदारी का निर्माण तथा विघटन
11. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881
12. माध्यस्थता तथा सुलह अधिनियम, 1996
13. मानक रूप संविदा

समकालीन विधिक विकास

1. लोकहित याचिका
2. बौद्धिक संपदा अधिकार-संकल्पना, प्रकार/संभावनाएं ।
3. सूचना प्रौद्योगिकी विधि, जिसमें साइबर विधियां शामिल हैं, संकल्पना, प्रयोजन/संभावनाएं ।
4. प्रतियोगिता विधि संकल्पना, प्रयोग/संभावनाएं ।
5. वैकल्पिक विवाद समाधान-संकल्पना, प्रकार/संभावनाएं ।
6. पर्यावरणीय विधि से संबंधित प्रमुख कानून ।
7. सूचना का अधिकार अधिनियम ।
8. संचार माध्यमों (मीडिया) द्वारा विचारण ।

निम्नलिखित भाषाओं का साहित्य

नोट :

- (1) उम्मीदवार को संबद्ध भाषा में कुछ या सभी प्रश्नों के उत्तर देने पड़ सकते हैं।
- (2) संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं के संबंध में लिपियां वही होंगी जो प्रधान परीक्षा से संबद्ध परिशिष्ट I के खण्ड II (ख) में दर्शाई गई हैं।
- (3) उम्मीदवार ध्यान दें कि जिन प्रश्नों के उत्तर किसी विशिष्ट भाषा में नहीं देने हैं उनके उत्तरों को लिखने के लिए वे उसी माध्यम को अपनाएं जोकि उन्होंने निबंध, सामान्य अध्ययन तथा वैकल्पिक विषयों के लिए चुना है।

अरबी

प्रश्न पत्र-1

उत्तर अरबी में लिखने होंगे

खंड-क

1. (क) अरबी भाषा का उद्भव और विकास रूपरेखा।
(ख) अरबी भाषा के व्याकरण, छन्द विधान और अलंकार विधान की प्रमुख विशेषताएं।
(ग) अरबी में संक्षिप्त निबंध।

खंड-ख

2. साहित्य का इतिहास और साहित्यिक आलोचना : सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, क्लासिकी साहित्य, साहित्यिक आन्दोलन, आधुनिक प्रवृत्तियां, आधुनिक गद्य उद्भव और विकास : नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध।

प्रश्न पत्र-2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन अपेक्षित होगा इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके। (उत्तर अरबी में लिखने होंगे)।

खंड-क

कवि

1. इमराउल कायस : किफ्रा नवके मिन जिकरा हवीबिन वा मंजिल (संपूर्ण) अल मौलाकातस सबा।
2. हसन बिन धबीस : लिलाही दरू इजवेतिन नदमतुहुन (संपूर्ण) दीवान हसन बिन धवीत।
3. जरीर : हय्यू उमामता बजूकुरू अहदान मद से जल्ल्यास सिफाही वा दामि यातिन बिकला तक नखबतु अदब : अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
4. फर्जदाक : हजल लजी तारिफुल बधा-ओ-बातातुहु (संपूर्ण) मजमुआतुन मिनान नरम-ए-वान नरम, जामिया सलफिया, वाराणसी।

5. अल मुतानब्बी : या उख्ता खैर-ए-अरबीन या बिता खैर-ए-अबीन

से

अकमाहुल फिकरू-बैनल जिज-ए-बताबी तक नुख्बातुल अदब, अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

6. अबुल अला उम्मारी अला फी सबील माजदी भा अना फाइलू।

से

वा या नफसू जिद्दी इन्ना दहसकी हजीलू तक मजमुआतुल मिनान नरम-ए-वान नरम, जामिया सलफिसर, वाराणसी।

7. शैकी : वुलीदल शुदा फल्केनतु दिवाऊ

से

मल्लारा इला दिनकल फुकारजा सलामुन मौला या गांदी (संपूर्ण) शैकिवात।

8. हाफिज इब्राहीम : राबातू लिमाफसी फताहस्तु हस्ती (संपूर्ण) मुखबतुल अदब।

9. ईल्ल्या अबू मादी : दमातुन खारसजो (संपूर्ण) तुल्लारत खैर-बल-अरबी।

वल हादिय, एम. एम. वदवी।

खंड-ख

(क) लेखक

लेखक	पुस्तकें	पाठ
1. ईबुल मुकफफा	कालिलाह-वा-दिम्नाह	असद आइ वल ताऊर
2. अल-जाहिज	मुख्तारत मिन अदाविल वरब बरिलूम हकीम (संपूर्ण) भाग-2, एस. ए. हसन अली नदवी द्वारा।	
3. इब्न खल्दून	मुकद्दमा	बराउन फित तामील (संपूर्ण)
4. महमूद तैमूर	कलार रावी	अम मुतावली (संपूर्ण)
5. तौफीकुल हकीम	मसराहियत	सिहल मुन्ताहिरा (संपूर्ण)
6. अब्बास महमूद	बकगद मूल्तारात मिन अदाविल वरब-2	आसीदिक (संपूर्ण)

(ख) भारतीय लेखकों का अध्ययन

1. मुलाम अली बाजाद विलगरानी
2. शाह वलूल्हाह देहलवी
3. जुल्फीकार अली देवबंदी
4. अब्दुल अजीब मैमन
5. सैयद अकुल इसन अली हसनी नदवी

असमिया

प्रश्न-पत्र-I

उत्तर असमिया में लिखने होंगे

खंड-क

भाषा

- (क) असमिया भाषा के उद्गम और विकास का इतिहास— भारतीय आर्य भाषाओं में उसका स्थान—इसके इतिहास के विभिन्न काल—खंड
- (ख) असमिया गद्य का विकास ।
- (ग) असमिया भाषा के स्वर और व्यंजन—प्रचीन भारतीय आर्यों से चली आ रही असमिया पर बालाघाट के साथ स्वनिर्णय परिवर्तन के नियम ।
- (घ) असमिया शब्दावली एवं इसके स्रोत ।
- (ङ) भाषा का रूप विज्ञान—क्रिय रूप—पूर्वाश्रयी निर्देशन एवं अधिकपदीय पर प्रत्यय ।
- (च) बोलोगत वैविध्य—मानक बोलचाल एवं विशेष रूप से कामरूपी बोली ।
- (छ) उन्नीसवीं शताब्दी तक विभिन्न युगों में असमिया लिपियों का विकास ।

खंड-ख

साहित्यिक आलोचना और साहित्यिक इतिहास

- (क) साहित्यिक आलोचना के सिद्धांत, नई समीक्षा ।
- (ख) विभिन्न साहित्यिक विधाएं ।
- (ग) असमिया में साहित्यिक रूपों का विकास ।
- (घ) असमिया में साहित्यिक आलोचना का विकास ।
- (ङ) चर्यागीतों के काल से असमिया साहित्य के इतिहास की बिल्कुल प्रारंभिक प्रवृत्तियां और उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : आदि असमिया शंकरदेव से पहले-शंकरदेव-के बाद-आधुनिक काल (ब्रिटिश आगमन के बाद से) स्वातंत्र्योत्तर काल । वैष्णव काल, गौनाकी एवं स्वातंत्र्योत्तर काल पर विशेष बल दिया जाना है ।

प्रश्न-पत्र-II

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य-पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके । उत्तर असमिया में लिखने होंगे ।

खंड-क

रामायण (केवल अयोध्या कांड)	माधव कंदली द्वारा
पारिजात-हरण	शंकरदेव द्वारा
रासक्रीड़ा	शंकरदेव द्वारा (कीर्तन घोष से)
बरगीत	माधवदेव द्वारा
राजसूय	माधवदेव द्वारा

कथा-भागवत (पुस्तक 1 एवं 2) बैकुण्ठनाथ भट्टाचार्य द्वारा
गुरु चरित-कथा (केवल शंकरदेव का भाग)—संपादक : महेश्वर नियोग ।

खंड-ख

मोर जीवन स्मरण	लक्ष्मीनाथ बेजुबरा आ द्वारा
कृपावर बराबरुआ काकतर तोपोला	लक्ष्मीनाथ बेजुबरा आ द्वारा
प्रतिमा	चन्द्र कुमार अगरवाला
गांवबूढ़ा	पद्मनाथ गोहेन बरुआ द्वारा
मनांमती	रजनीकांत बोरदोलोई द्वारा
पुरणी असमिया साहित्य	बार्नीकांत काकती द्वारा
कारिआंग लिगिरी	ज्योति प्रसाद अगरवाला द्वारा
जीवनार बातत	बीना बरुआ (विर्चिच कुमार बरुआ द्वारा)
मृत्युत्रज्य	वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य द्वारा
सम्राट	नवकांत बरुआ द्वारा ।

बांगला

प्रश्न-पत्र-I

भाषा और साहित्य का इतिहास—उत्तर बांगला में लिखने होंगे

खंड-क

बांगला भाषा के इतिहास के विषय

1. आद्य भारोपीय से बांगला तक का कालानुक्रमिक विकास (शाखाओं सहित वंशवृक्ष एवं अनुमानित तिथियां) ।
2. बांगला इतिहास के विभिन्न चरण (प्राचीन, मध्य एवं नवीन) एवं उनकी भाषा विज्ञान-संबंधी विशिष्टताएं ।
3. बांगला की नीतियां एवं उनके विभेदक लक्षण ।
4. बांगला शब्दावली के तत्व ।
5. बांगला गद्य-साहित्य के रूप-साधु एवं पतित ।
6. अपिनिहिति (विप्रकर्ष), अभिश्रुति (उम्माडट), मूर्ध-न्योभवन (प्रतिवेष्टन), नासिक्योभवन (अनुनासिकृत), समीभवन (समीकरण), सादृश्य (एनेलोजी), स्वरागम (स्वर सिन्नवेश), आदि स्वरागम, मध्य स्वरागम अथवा स्वर भक्ति, अंत्य स्वरागम, स्वर संगति (वावल हार्मनी), वाई-श्रुति एवं डब्ल्यू-श्रुति ।
7. मानकीकरण की समस्याएं तथा वर्ण माला और वर्तनी तथा लिप्यंतरण और रोमनीकरण का सुधार ।
8. आधुनिक बांगला का स्वनिर्मितज्ञान, रूपविज्ञान और वाक्य विन्यास । (आधुनिक बांगला की ध्वनियां, समुच्चयबोधक, शब्द रचनाएं, समास, मूल वाक्य अभिरचना) ।

खंड-ख

बांगला साहित्य के इतिहास के विषय

1. बांगला साहित्य का काल विभाजन : प्राचीन एवं मध्यकालीन बांगला ।
2. आधुनिक तथा पूर्व-आधुनिक-पूर्व बांगला साहित्य के बीच अंतर से संबंधित विषय ।
3. बांगला साहित्य में आधुनिकता के अभ्युदय के आधार तथा कारण ।

- विभिन्न मध्यकालीन बांग्ला रूपों का विकास : मंगल काव्य, वैष्णव गीतिकाव्य, रूपांतरित आख्यान (रामायण, महाभारत, भागवत) एवं धार्मिक जीवनचरित ।
- मध्यकालीन बांग्ला साहित्य में धर्म निरपेक्षता का स्वरूप ।
- उन्नीसवीं शताब्दी के बांग्ला काव्य में आख्यानक एवं गीतिका व्यक्तिक प्रवृत्तियाँ ।
- गद्य का विकास ।
- बांग्ला नाटक साहित्य (उन्नीसवीं शताब्दी, टैगोर, 1944 के उपरान्त के बांग्ला नाटक) ।
- टैगोर एवं टैगोरोत्तर ।
- कथा साहित्य प्रमुख लेखक : बंकिमचंद्र, टैगोर, शरत्चंद्र, विभूतिभूषण, ताराशंकर, भाणिक ।
- नागी एवं बांग्ला साहित्य : सर्जक एवं सृजित ।

प्रश्न-पत्र II

विस्तृत अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तकें—उत्तर बांग्ला में लिखने होंगे

खंड-क

- वैष्णव पदावली : (कलकत्ता विश्वविद्यालय) विद्यापति, चंडीदास, ज्ञानदास, गोविन्ददास एवं बलरामदास की कविताएँ।
- चंडीमंगल : मुकुन्द द्वारा कालकेतु वृत्तान्त, (साहित्य अकादमी)।
- चेतन्य चरितामृत : मध्य लीला, कृष्णदास कविराज रचित (साहित्य अकादमी)।
- मेघनादसंध काव्य : मधुसूदन दत्त रचित।
- कपालकुण्डला : बंकिमचन्द्र चटर्जी रचित।
- समय एवं बंगदेशी कृषक : बंकिमचन्द्र चटर्जी रचित।
- सोनार तारी : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित ।
- छिन्न पत्रावली : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित ।

खंड-ख

- रक्त करबी : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित ।
- नवजातक : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित ।
- गृहदाह : शरदचन्द्र चटर्जी रचित ।
- प्रबंध संग्रह : भाग I, प्रथम चौधरी रचित ।
- अरण्यक : विभूतिभूषण बनर्जी रचित ।
- कहानियाँ : भाणिक बंछोपाध्याय रचित ।
अताशी मामी, प्रागैतिहासिक, होलुद-पोरा, सरीसृप, हारनेर, नटजमाई, छोटे-बोकुलपुरे, जात्री, कुष्ठरोगीर बौज, जाके घुश दिते होय ।
- श्रेष्ठ कविता : जीवनाचंद दास रचित ।
- जानौरी : सोतानाथ भाडुडी रचित ।
- इंद्रजीत : बादल सरकार रचित ।

बोड़ो

प्रश्न-पत्र-I

बोड़ो भाषा एवं साहित्य का इतिहास
(उत्तर बोड़ो भाषा में ही लिखें)

खंड-क

बोड़ो भाषा का इतिहास

- स्वदेश, भाषा परिवार, इसकी वर्तमान स्थिति एवं असमी के साथ इसका पारम्परिक संपर्क ।
- (क) स्वनिम : स्वर तथा व्यंजन स्वनिम । (ख) ध्वनियाँ ।
- रूपविज्ञान : लिंग, कारक एवं विभक्तियाँ, बहुवचन प्रत्यय, व्युत्पन्न, क्रियार्थक प्रत्यय ।
- शब्द समूह एवं इनके स्रोत।
- वाक्य विन्यास : वाक्यों के प्रकार, शब्द क्रम।
- प्रारम्भ से बोड़ो भाषा को लिखने में प्रयुक्त लिपि का इतिहास।

खंड-ख

बोड़ो साहित्य का इतिहास :

- बोड़ो लोक साहित्य का सामान्य परिचय।
- धर्म प्रचारकों का योगदान।
- बोड़ो साहित्य का काल विभाजन।
- विभिन्न विधाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण (काव्य, उपन्यास, लघु-कथा तथा नाटक)।
- अनुवाद साहित्य।

प्रश्न-पत्र-II

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक योग्यता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

(उत्तर बोड़ो भाषा में ही लिखें)

खंड-क

बोड़ो भाषा का इतिहास :

- (क) खोन्थई-मेथई (मादाराम ब्रह्मा तथा रूपनाथ ब्रह्मा द्वारा संपादित)
- (ख) हथोरखी-हला (प्रमोदचंद्र ब्रह्मा द्वारा संपादित)
- (ग) बोरोनी गुडी सिब्बाअर्ब अरोज : मादाराम ब्रह्मा द्वारा
- (घ) राजा नीलांबर-दुरेन्द्र नाथ बासुमतारी
- (ङ) बिबार (गद्य खंड) (सतीशचन्द्र बासुमतारी द्वारा संपादित)

खंड-ख

- (क) गिबी बिठाई (आइदा नवी) : बिहुराम बोड़ो
- (ख) रादाब : समर बह्मा चौधरी
- (ग) ओखरंग गोगसे नंगोरु : ब्रजेन्द्र कुमार ब्रह्मा
- (घ) बैसागु अर्ब हरिमू : लक्ष्मेश्वर ब्रह्मा
- (ङ) ग्वादान बोड़ो : मनोरंजन लहारी
- (च) जुजेनो ओर : चितरंजन मुचहारी

- (छ) मवीहर : धरानेधर तारी
(ज) होर बड़ी रक्खसी : कमल कुमार ब्रह्म
(झ) जओलिया दीहन : मंगल सिंह होजावरी
(ञ) हंगरा गदुनीर सी : भीमकमल ब्रह्म।

चीनी

प्रश्न-पत्र-I

इस प्रश्न-पत्र द्वारा उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हें मानक चीनी भाषा और इसकी विशेषताओं का अच्छा ज्ञान हो जिससे उनकी अभिव्यक्तिगत सांगठनिक क्षमताओं का परीक्षण हो सके। सभी प्रश्नों के उत्तर (चीनी से अंग्रेजी में अनुवाद के प्रश्न को छोड़कर) चीनी भाषा में देने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड-क

1. निम्नी सामयिक विषय पर लगभग 500 चीनी अक्षरों में निम्न लिखतः
2. अनुवाद
(क) चीनी भाषा में अंग्रेजी भाषा में
(ख) अंग्रेजी भाषा में चीनी भाषा में
3. वाक्यगत और व्याकरणिक प्रयोग।

खंड-ख

1. चीनी भाषा में मुद्राओं और लोककृतियों की व्याख्या।
2. चीनी भाषा का विकास।
3. दोषसंश्लेषण।

प्रश्न-पत्र-II

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि उसे चीनी संस्कृति अध्ययन का अच्छा ज्ञान हो और इसका प्रयोग इस प्रकार किया जाए कि जिससे उम्मीदवारों की आत्मप्रभावनात्मक योग्यता का परीक्षा हो सके। सभी प्रश्नों के उत्तर चीनी में लिखने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड-क

1. आधुनिक चीनी इतिहास (1919 से अब तक) का प्रमुख घटनाओं से संबंधित विषयों पर संक्षिप्त विवरण देना।
2. मुक्ति युद्ध काल (1949 से अब तक) की प्रमुख साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन :
(क) लाओ शी - फार, जैवशास्त्र, शिक्षा, युद्ध।
(ख) बा जिन - शिक्षा।
(ग) लु शून - साहित्य, मैदानी डोगरी, दि इ गदरी आका आका।
(घ) माओ त्से - शिक्षा।
(ङ) एंग किये - ओल्ड रिगार्ड (मे से डे इ रिगार्ड), मे से रिगार्ड आइ कन रिगार्ड, मे से आइ से रिगार्ड, मे से आइ से रिगार्ड (मैदानी)।
(च) गुओ गुओ - मैदानी।
3. चीनी समाज के विकास में दर्शन और धर्म की भूमिका।

खंड-ख

1. 1979 के बाद सामाजिक-आर्थिक/राजनीतिक/शैक्षिक/वैज्ञानिक वृद्धि : वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय विकास।
2. उत्तर-मुक्ति काल (1949 से अब तक) की प्रमुख साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
(क) गू हुआ, दि राइन काल्ड दिविक्कस (पुसेडान)
(ख) चैन राड, दि दि मिडिल एज (चैन दाओ सोडरिफर)
(ग) लियू रिगवू, दि क्लास-इन चार्ज (चैन इंग)
(घ) ल्यू याओ, दि ह्यूमन एक्जिस्टेंस (चैन इंग)
(ङ) आई क्विंग, रिगवू फ्रीक्वेंस, दि मिग, दि गदुनीर रिगवू, दि हन्टर हू रिगवू बर्डस
(च) शू-तिंग, मदरलैंड, राई रिगवू मदरलैंड।

डोगरी

प्रश्न-पत्र-I

डोगरी भाषा एवं साहित्य का इतिहास
(उत्तर डोगरी भाषा में लिखे जाएंगे)

खंड-क

डोगरी भाषा का इतिहास :

1. डोगरी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास : विभिन्न अवस्थाओं में।
2. डोगरी एवं इसकी बोलियां भाषाई सीमाएं।
3. डोगरी भाषा के विशिष्ट लक्षण।
4. डोगरी भाषा की संरचना।

(क) ध्वनि संरचना।

खंडीय स्वर : एवं व्यंजन

अखंडीय : दीर्घता, इशाचन, सांकेतिकता, सुगम संघ

(ख) डोगरी का पदरचना विज्ञान।

(i) रूप रचना वर्ग : किंग, चवन, काफ, गुग, काफ एवं वाच्य।

(ii) शब्द निर्माण : उपसर्ग, परासर्ग, तथा प्रत्यय का उपयोग।

(iii) शब्द समूह : लक्षण, गुण, विदेशीय एवं देशीय।

(ग) वाक्य संरचना : मध्यम वाक्य - उसके प्रमुख तथा अवयव डोगरी वाक्यविन्यास में अन्यथा तथा अन्विष्ट।

5. डोगरी भाषा एवं लिपी : कोरियाई, ब्रह्म, मैदानी तथा फारसी।

खंड-ख

डोगरी साहित्य का इतिहास :

1. स्वतंत्रता-पूर्व डोगरी साहित्य का संक्षिप्त विवरण : नवजात गद्य।
2. आधुनिक डोगरी साहित्य का विकास तथा डोगरी साहित्य का प्रमुख रुझान।
3. डोगरी लघुकथा का विकास, मुख्य-रुझान तथा प्रमुख लेखक तथा लेखिका।

1. डोगरी उपन्यास का विकास, मुख्य-रूझान तथा डोगरी उपन्यासकारों का योगदान ।
2. डोगरी नाटक का विकास तथा प्रमुख नाटककारों का योगदान ।
3. डोगरी गद्य का विकास : निर्माण, संस्करण एवं यात्रावृत्त ।
4. डोगरी लोक साहित्य का परिचय-लोकगीत, लोक कथाएं तथा लोक कथाएं ।

प्रश्न-पत्र II

डोगरी साहित्य का पठालोचन (उत्तर डोगरी में लिखे जाएं)

खण्ड-क

कवि

1. अजकणी गेहलो में डोगरी कविता
निम्नलिखित कवि :-
देवी, दिता लखखू, गंगा राम, मनका, हरदत्त, पहाड़ी गांधी भाब, काशी राम तथा परमानंद अलमस्त ।
2. आधुनिक डोगरी कविता, आजादी बाद की डोगरी कविता
निम्नलिखित कवि :-
किशन स्मैलपुरी, तारा स्मैलपुरी, मोहन लाल सपोलिया, यश शर्मा, कं. एम. मधुकर, पद्मा सचदेवा, जितेन्द्र ऊधमपुरी, चरण सिंह तथा प्रकाश प्रेमी ।
3. शीरजा डोगरी सं. 102, गज़ल अंक
निम्नलिखित शायर :-
राम लाल शर्मा, वेद पाल दीप, एन. डी. जाम्वाल, शिव राम दीप, आश्वनी मंगोत्रा तथा वीरेन्द्र कंसेर
4. शीरजा डोगरी सं. 107, गज़ल अंक
निम्नलिखित कवि :-
आर. एन. शास्त्री, जितेन्द्र ऊधमपुरी, चंदा शर्मा तथा दर्शन दर्शी
5. रामभूषण शर्मा द्वारा रचित 'रामायण' (महाकाव्य) (अयोध्या काण्ड तक) ।
6. दीनू भाई पन्त द्वारा रचित 'वीर गुलाब' (खण्ड काव्य) ।

खण्ड-ख

गद्य

1. अजकणी डोगरी कहानी
निम्नलिखित लघु कथा लेखक :-
मदन मोहन शर्मा, नेरन्द्र खजूरिया तथा बी.पी. साडे ।
2. अजकणी डोगरी कहानी भाग-II
निम्नलिखित लघु कथा लेखक :-
वेद राही, नरसिंह देव, जम्वाल, ओम गोस्वामी, छत्रपाल, ललित भगवांन, चमन अरोड़ा तथा रतन कंसेर ।
3. कथा कुंज भाग-I
निम्नलिखित कथा लेखक :-
ओम विद्यार्थी, चम्पा शर्मा तथा कृष्ण शर्मा ।
4. बंधु शर्मा द्वारा रचित 'मौल पत्थर' (लघु कथा संग्रह) ।
5. देश बंधु डोगरा नूतन द्वारा रचित 'कैदी' (उपन्यास) ।

6. ओ.पी. शर्मा सारथी द्वारा रचित 'नंगा रुक्ख' (उपन्यास) ।
7. मोहन सिंह द्वारा रचित 'न्या' (नाटक) ।
8. सतरंग (एकांकी नाटक संग्रह)

निम्नलिखित नाटककार :-

विश्वनाथ खजूरिया, राम नाथ शास्त्री, जितेन्द्र शर्मा, ललित मंगोत्रा, चरण मोहन शर्मा ।

9. डोगरी नाटक संग्रह

निम्नलिखित लेखक :-

विश्वनाथ खजूरिया, नारायण मिश्रा, बालकृष्ण शास्त्री, विश्वनाथ, श्याम लाल शर्मा, लक्ष्मी नारायण, डा.सी. प्रशान्त, वेद घई, कुवंर विद्योपी ।

अंग्रेजी

इस कार्यक्रम के दो प्रश्न-पत्र होंगे : इसमें निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से निम्नलिखित अवधि के अंग्रेजी साहित्य का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा जिससे उम्मीदवार की मर्यादा-क्षमता की जाँच हो सके ।

प्रश्न-पत्र I : 1600-1990

प्रश्न-पत्र II : 1900-1990

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में दो प्रश्न अनिवार्य होंगे :

- (क) एक लघु-टिप्पण प्रश्न सामान्य अध्ययन से संबंधित विषय पर होगा; और
- (ख) गद्य तथा पद्य दोनों के अनदेखे उद्धरणों का आलोचनात्मक विश्लेषण होगा ।

प्रश्न-पत्र-I

उत्तर अंग्रेजी में लिखने होंगे

विस्तृत अध्ययन के लिए पाठ नीचे दिए गए हैं । अभ्यर्थियों से निम्नलिखित विषयों तथा घटनाओं के विस्तृत ज्ञान की अपेक्षा की जाएगी : दि रिनसा; एलिजाबेथन एण्ड जेकोबियन ड्रामा, मेटाफिजिकल पोयट्री; दि एपिड एण्ड दि-मोक एपिक; नवकलासिकवाद; सैटायर; दि रोमान्टिक मूवमेंट; दि राइज आफ दि नावेल; दि विक्टोरियन एज ।

खण्ड-क

1. विलियम शेक्सपियर : किंगलियर और दि टैमैस्ट ।
2. जान डन-निम्नलिखित कविताएं :
 1. कॅनोनाईजेशन
 2. डेथ वी नाट प्राइड
 3. दि गुड मोरी
ऑन हिज मिस्ट्रेस गोइंग टु बेंड
दि रैलिक ।
3. जॉन मिल्टन-पैराडाइज लॉस्ट I, II, IV, IX
4. अलेक्जेंडर पोप-दि रेप आफ दि लॉक ।
5. विलियम वर्डस्वर्थ-निम्नलिखित कविताएं :
-ओड आन इंट्रमेशंस ऑफ इम्मोर्टेलिटी
-टिंटर्न एबे श्री वीजर्स शी प्रिन्स
-शी इवेल्ट अमंग अनट्रोडन वेंज
-माइकेल

- रेजोल्यूशन एण्ड इंडिपेंडेन्स
- दि वर्ल्ड इज टू मच विद अस
- मिल्टन दाउ शुइस्ट बी लिविंग एट दिस आवर
- अर्पान, वेस्टमिन्स्टर ब्रिज

6. अल्फ्रेड टेनोसन : इन मेमोरियम

7. हैनरिक इब्सेन : ए हॉल्स हाउस

खण्ड-ख

1. जोनाथन स्विफ्ट - गॉलिवर्स ट्रेवल्स
2. जैन ऑस्टिन - फ्राइड एण्ड प्रेजुडिस
3. हेनरी फील्डिंग - टॉग जॉन्स
4. चार्ल्स डिकन्स - हाई टाइम्स
5. जार्ज इलियट - दि मिल आन दि फूलोस
6. टामस हार्डी - टेस ऑफ दि डि अबरविल्स
7. मार्क ट्वेन - दि एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन

प्रश्न पत्र-II

उत्तर अंग्रेजी में लिखने होंगे

विस्तृत अध्ययन के लिए पाठ नीचे दिए गए हैं : अध्यापिकाओं से निम्नलिखित विषयों और आन्दोलनों का यथेष्ट ज्ञान भी अपेक्षित होगा :-

आधुनिकतावाद; पोयट्स ऑफ दि थर्टीज; दी ल्युमि-ऑफ-कांशसनेस नावेल; एक्सर्ड ड्रामा; उपनिवेशवाद तथा उत्तर-उपनिवेशवाद; अंग्रेजी में भारतीय लेखन; साहित्य में मार्क्सवाद, मनोवैज्ञानिकतात्मक और नारीवादी दृष्टियाँ, उत्तर-आधुनिकतावाद।

खण्ड-क

1. विलियम कटलर यीट्स-निम्नलिखित कविताएं :

- ईस्टर 1916
- दि सैकंड कर्मिंग
- ए प्रयर फार माई डाटर
- सेलिंग टू बाइजेंटियम
- दि टॉवर
- अमंग स्कूल चिल्ड्रन
- लीडा एण्ड दि स्वान
- मेरु
- लेपिस लेजुली
- द सैकेन्ड कर्मिंग
- बाइजेंटियम

2. टी. एस. इलियट-निम्नलिखित कविताएं :

- दि लव सोंग ऑफ जे अल्फ्रे प्रूफाक
- जर्नी ऑफ दि मेजाइ
- बर्न्ट नार्टन

3. डब्ल्यू. एच. आडेन-निम्नलिखित कविताएं :

- पाटीशन
- म्यूजी दे ब्लू आर्ट्स
- इन मेमोरी ऑफ डब्ल्यू. बी. यीट्स
- ले यूअर स्लोपिंग हैड, माई लव
- दि अननोन सिटिजन

-कन्डिंसर

-मुंडस एंट इम्फेन्स

-दि शील्ड ऑफ एक्लिप्ट

-सैप्टेम्बर 1, 1939

-पेटोशन

4. जॉन अस्बोर्न : लुक बैक इन एंग

5. ए. डब्लू. ब्रैकेंट : वेस्टिंग फार गॉड

6. फिलिप लार्किन : निम्नलिखित कविताएं

-वैकस्ट

-फ्लोज

-डिसेप्शन

-आफ्टरनून्स

-डेज

-मिस्टर ब्लीनी

7. ए. के. रामनुजन-निम्नलिखित कविताएं :

-लुकिंग फार ए कजन आन ए स्विंग

-ए रिवर

-ऑफ मदर्स, अमंग अदर थिंग्स

-लव पोयम फार ए वाईफ-1

-स्माल-स्कल रिफ्लेक्शन्स

-आन ए ग्रेट हाऊस

-ओबिनुएरी

(ये सभी कविताएं आर पार्थसारथी द्वारा सम्पादित तत्कालीन आशुतोष चट्टोपाध्याय यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित दसवीं शताब्दी के भारतीय कविताओं के संग्रह में उपलब्ध हैं)।

खण्ड-ख

1. जोसेफ कोनरड : लाटेंट जिम
2. जेम्स ज्वायस : पोर्ट्रेट आफ दि आर्टिस्ट एज ए यंग मैन
3. डी. एच. लॉरेन्स : सन्स एण्ड लवर्स
4. ई. एम. पोस्टर : ए पैसज टू इंडिया
5. वजीरिया बूल्फ : मिस्मिज डेलावे
6. राजा राव : कांथापुरा
7. वी. एस. नायपाल : ए हाऊस फार मिस्टर थिस्वाम

फ्रेंच

प्रश्न पत्र-1

फ्रेंच से अंग्रेजी में अनुवाद के प्रश्न को छोड़कर उत्तर फ्रेंच में लिखने होंगे

खण्ड क

1. फ्रेंच साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

(क) क्लासिकवाद

(ख) स्वच्छन्दतावाद

(ग) यथार्थवाद

2. फ्रांस में कला

- (क) स्वच्छन्दतावाद
(ख) यथार्थवाद
(ग) प्रभाववाद

3. पांचवा गणतंत्र

- (क) द 'गॉल एवं पांचवां गणतंत्र'
(ख) मई-1968
(ग) पॉपिडु
(घ) गिस्लार्द द' स्तैंग
(ङ) मितरां
(च) शिरॉक

4. अनुवाद : फ्रेंच से अंग्रेजी में (सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक प्रकृति के दो उद्घरणों का अनुवाद-प्रत्येक उद्घरण दो सौ शब्दों का) ।

खण्ड-ख

1. फ्रेंच साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

- (क) प्रतीकावाद
(ख) अतिथयार्थवाद
(ग) एब्जंड का रंगमंच

2. फ्रांस में कला

- (क) अतिथयार्थवाद
(ख) धनवाद
(ग) अमूर्त चित्रकला

3. पांचवा गणतंत्र

- (क) फ्रांस में राजनीतिक दल
(ख) पांचवें गणतंत्र में राष्ट्रपति का स्थान एवं उसकी भूमिका
(ग) सरकार
(घ) संसद
(ङ) सोनेट

4. अनुवाद : अंग्रेजी से फ्रेंच में (सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक प्रकृति के दो उद्घरणों का अनुवाद-प्रत्येक उद्घरण दो सौ शब्दों का) ।

प्रश्न पत्र-2

खण्ड क

(उत्तर फ्रेंच में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों का गहन अध्ययन अपेक्षित है । प्रश्न इस तरह तैयार किए जाएंगे कि अभ्यर्थियों की आलोचनात्मक योग्यता को जाँचा जा सके ।

1. 17वीं शताब्दी

- (क) कोर्नेल : ल सीद
(ख) रारिज : आंद्रोमाक
(ग) मोलियर : ला आत्र

2. 18वीं शताब्दी

- व्यू मार्श : ल मारिज द फिगैरो

3. 19वीं शताब्दी

- (क) लामार्तिन : लिलेक लवलों
(ख) विक्टर ह्यूगो : ल कांशिबेंस, एल आवे प्रिस प्ली द में, दे ल ओब
(ग) विक्टर ह्यूगो : हरतानी
(घ) मुसे : सिवनी, लन्वी द देसांभ्र
(ङ) मेरीमे : कोलॉंब
(च) बाल्जाक : यूजेनी ग्रांदे
(छ) फ्लाबेयर : मदाम बावेंरी
(ज) बादलेय : ल दन्वितेशो ओ, वयाज, टिक्वीलमों ला एल्बत्रोस
(झ) रिबो : लोदार्मे द्यू वाल
(ट) वल्लेन : चांसो द, ओतम, में रेव फमिलिये, इल प्लेयर दामों कैर

खण्ड ख

4. 20वीं शताब्दी

- (क) एपॉलिनेयर : न्वी रेनान, लो पो भिराबो
(ख) जाक प्रेवर : पुर फैर लो पोत्रो द आंद अन्वासो बाबरा
(ग) पॉल एलुवार : लिबर्ते
(घ) पॉल वेलेरी : ले पा, ल फिलैस
(ङ) आन्द्रे गीद : ल सिफेनी पास्तोरेल
(च) कामू : ला इतरांजर
(छ) सार्त्र : ले मैन साल्स
(ज) आइनेस्की : राइनोसिरोस

फ्रेकोफोनी

- (क) जेराई बेसेत : ला लायब्रे
(ख) आनन्द देवी : लो वाद द द्रोपदी
(ग) शेख हमीदु काने : ला आपेत आंबीग
(घ) अब्दलतीफ लांबी : पोयम ए आं प्रोस
1. ला आर्ब आ पोयम्स (ला. एन्तरों दु मोन)
2. ले रेव विसेनो यूरिर श्यूर ल पेज (ला एन्तरों दु मोन)

5. समकालीन विषय पर सामान्य प्रकृति का निबन्ध ।

जर्मन

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर जर्मन भाषा में लिखने होंगे)

खण्ड-क

1. भाषा की संरचना :

अभ्यर्थियों से शब्दक्रम, वाक्य रचना तथा शब्दार्थ विज्ञान जैसे विशिष्ट पहलुओं के संदर्भ में, जर्मन व्याकरण के सम्यक् ज्ञान की अपेक्षा की जाती है ।

2. जर्मन भाषा में निबन्ध :

अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि सामान्य प्रकार के समकालीन विषय पर निबंध लिखते समय वे दिखलाएँ के जर्मन भाषा में लिखी जाने वाली अभिव्यक्ति की तकनीकों पर उनका अधिकार है।

खण्ड-ख

1. एक सामान्य विषय पर लिखे पाठ का अंग्रेजी से जर्मन में अनुवाद।

2. निम्नलिखित विषयों के विशेष संदर्भ में जर्मनी का अठारहवीं सदी से लेकर वर्तमान समय तक का सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास :

- (क) जर्मन समाज और संस्कृति पर बोधन का प्रभाव
- (ख) जर्मनी पर प्रशियण संस्कृति का प्रभाव
- (ग) वाइमर गणराज्य में हुए सांस्कृतिक बदल-बिवाद
- (घ) जर्मनी में राष्ट्रीय समाजवाद के अधीन संस्कृति की आवधारणा
- (ङ) 1945 के बाद दो जर्मन साहित्य धाराओं तथा संस्कृतियों का विकास
- (च) जर्मनी का पुनरकीर्ण और संस्कृतिक विविधता का समस्याएँ
- (छ) यूरोपीय संघ में जर्मन भाषा तथा साहित्य की भूमिका और प्रासंगिकता।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर जर्मन में लिखने होंगे)

खण्ड-क

1. 19वीं शताब्दी से आज तक के जर्मन साहित्य का विकास :

अभ्यर्थियों को प्रमुख प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि लेखकों और उनकी महत्वपूर्ण कृतियों की जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त केवल लेखकों और उनकी कृतियों की जानकारी प्राप्त करने पर जोर नहीं दिया जाता, बल्कि अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह किसी साहित्यिक काल की विशेषताओं को प्रतिनिधि रचनाओं के आधार पर पहचाने।

2. साहित्यिक विधाओं का अध्ययन :

अभ्यर्थियों को रोमान, नावेल, नाटक, गाथागीत, शोकगीत, प्रवाणगीत, युद्धगीत, कुरेजिएरट जैसी विभिन्न विधाओं की महत्वपूर्ण विशेषताओं का ज्ञान होना चाहिए।

खण्ड-ख

1. साहित्यिक व्याख्याओं के प्रत्यक्ष ज्ञान : अभ्यर्थियों को साहित्य के आलोचनात्मक ज्ञान के विभिन्न दृष्टिकोणों की जानकारी होनी चाहिए।

2. चुनी हुई कृतियों का अध्ययन :

- (क) गॉटे हार्ड लोडन डेस जुंगेन बर्धर
- (ख) शिलर मारिया स्तुअर्ट
- (ग) ईरनडोर्फ-गोट्टिस्ट
- (घ) गोटफ्रीड कैलर : क्लाइडर माशेर ल्यूटे
- (ङ) टॉमस मान हार्ड बरोश्टन कोफे
- (च) फाल्स माफूका-वॉर डेम गेसज
- (छ) फ्रीडरिख डरनमैट-डाइ फिजीकर
- (ज) मैक्स क्रिस्ट-एंडोरा

- (झ) हीनरिख वोल्-डाई वेरलोरीन एहरे डेर कैयरिना ब्लुम
- (ञ) इग्नेबोर्ग बैखमन-एलेस (औस डेम एरैलवेंड : डास इर्डीबिस्ट जार)
- (ट) रोज ओसलेंडर-गोट्टिस्ट
- (ठ) क्रिस्टा बोल्फ-डेर गेटोरे हिम्मेल
- (ड) गुंटर ग्रास-जुंडा जीगन

गुजराती

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर गुजराती में लिखने होंगे)

खण्ड-क

गुजराती भाषा का स्वरूप तथा इतिहास

1. गुजराती भाषा का इतिहास : आधुनिक भारतीय अल्प भाषा के पिछले एक हजार वर्ष के विशेष संदर्भ में।
2. गुजराती भाषा की महत्वपूर्ण विशेषताएँ : स्वतंत्र विज्ञान, रूप विज्ञान तथा वाक्य विन्यास।
3. प्रमुख बोलियाँ : भूरती, पाटणी, वरातरी तथा सौराष्ट्र।

गुजराती साहित्य का इतिहास मध्ययुगीन

4. जैन परम्परा
5. भक्ति परम्परा : सगुण तथा निर्गुण (ज्ञानमार्गी)
6. गैर-सम्प्रदायवादी परम्परा (लौकिक परम्परा)

आधुनिक

7. सुधारक युग
8. पंडित युग
9. गांधी युग
10. अनुगांधी युग
11. आधुनिक युग

खण्ड-ख

साहित्यिक स्वरूप (निम्नलिखित साहित्यिक स्वरूपों की प्रमुख विशेषताएँ, इतिहास और विकास)

(क) मध्ययुग

1. वृत्तान्त : रास, आख्यान तथा पद्यवार्ता
2. गीतिकाव्य : पद

(ख) लोक साहित्य

3. भवाई

(ग) आधुनिक

4. कथा साहित्य : उपन्यास तथा कहानी
5. नाटक
6. साहित्यिक निबंध
7. गीतिकाव्य

(घ) आलोचना

8. गुजराती की सांस्कृतिक आलोचना का इतिहास
9. लोक परम्परा में नवीनतम अनुसंधान

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर गुजराती में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का पूल अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की जांच हो सके ।

खण्ड-क

1. मध्ययुग

- (i) वसंतविलास फागु-अज्ञातकृत
 - (ii) कादम्बरी-भालण
 - (iii) सुदामा चरित्र-प्रेमानंद
 - (iv) चंद्रचंद्रावतीनी वार्ता : शामल
 - (v) अखेगीता-अखों
2. सुधारक युग तथा पंडित युग
- (vi) मारी हकीकत-नर्मदाशंकर दवे
 - (vii) फरवसब्रीरा-दलपतराम
 - (viii) सरस्वतीचंद्र भाग 1- गोवर्धनराम त्रिपाठी
 - (ix) पूर्वालाप-'कांत' (मणिशंकर रत्नाजी भट्ट)
 - (x) राइनो पर्वत-रमणभाई नीलकंठ

खण्ड-ख

1. गांधी युग तथा अनुगांधी युग

- (i) हिन्द स्वराज-मोहनदास करमचंद गांधी
- (ii) पाटणनी प्रभुता-कन्हैयालाल मुंशी
- (iii) काव्यनी शक्ति-रामनारायण विश्वनाथ पाठक
- (iv) सौराष्ट्री रसधार-भाग 1 झवेरचंद मेघाणी
- (v) मानवीनी भवाई-पन्नालाल पटेल
- (vi) ध्वनि- राजेन्द्र शाह

2. आधुनिक युग

- (vii) सत्यपदी-उमाशंकर जोशी
- (viii) जनन्तिके-सुरेश जोशी
- (ix) अवस्थामा-सितानु यशशंकर

हिन्दी

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर हिन्दी में लिखने होंगे)

भाग क

1. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास

- (i) अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप ।
- (ii) मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास ।
- (iii) सिद्धनाथ साहित्य, खुसरौ, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप ।
- (iv) उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास ।
- (v) हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण ।

- (vi) स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास ।
- (vii) भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास ।
- (viii) हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास ।
- (ix) हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध ।
- (x) नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उनके सुधार के प्रयास तथा मानस हिन्दी का स्वरूप ।
- (xi) मानक हिन्दी का व्याकरणिक संरचना ।

भाग ख

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ।

हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ :-

- (क) आदिकाल : सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य
प्रमुख कवि : चंदबरदाई, खुसरौ, हेमचन्द्र, विद्यापति
- (ख) भक्ति काल : संत काव्य धारा सूफी काव्यधार, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा
प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी
- (ग) रीतिकाल : रीतिकाल, रीतिबद्धकाव्य, रीतिमुक्त काव्य
प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद
- (घ) आधुनिक काल :
क. नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल
ख. प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र
ग. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता ।
प्रमुख कवि :
मैथिलिशरण गुप्त, जयशंकर "प्रसाद" सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला", महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह, "दिनकर", सच्चिदानंद वात्स्यायन "अज्ञेय", गजानन माधव, मुक्ति बोध, नागार्जुन ।

3. कथा साहित्य

- (क) उपन्यास और यथार्थवाद
 - (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास
 - (ग) प्रमुख उपन्यासकार
प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी
 - (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
 - (ङ) प्रमुख कहानीकार
प्रेमचंद, जयशंकर "प्रसाद", सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्ण सोबती
- नाटक और रंगमंच
- (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास ।

(ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर "प्रसाद", जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश ।

(ग) हिन्दी रंगभंग का विकास ।

आलोचना :

(क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मैनोंविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा ।

(ख) प्रमुख आलोचक

रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र ।

हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं :

ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त ।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर हिन्दी में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके ।

भाग क

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद)
संपादक : श्याम सुन्दरदास
2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद)
संपादक : रामचंद्र शुक्ल
3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुन्दर काण्ड) कवितावली (उत्तर काण्ड)
4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खण्ड और नागमती त्रियोग खण्ड)
संपादक : श्याम सुन्दरदास
5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 पद)
संपादक : जगन्नाथ दास रत्नाकर
6. मैथिलिशरण गुप्त : भारत भारती
7. जयशंकर "प्रसाद" : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
8. सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला" : राग-विराग (राम की शक्ति पूंजी और कुकरमुत्ता)
संपादक : राम विलास शर्मा
9. रामधारी सिंह "दिनकर" : कुरुक्षेत्र
10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार ("असाध्य वीणा")
11. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस
12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा ।

भाग ख

1. भारतेन्दु, भारत दुर्दशा
2. मोहन राकेश, आषाढ़ का एक दिन
3. रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि (भाग-1)
(कविता क्या है श्रद्धा और भक्ति)
4. निबंध निलय, संपादक, डा. सत्येन्द्र

बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राम विलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेर नाथ राय

5. प्रेमचंद, गोदान, 'प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियां',
संपादक, अमृत राय/मंजूसा-प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियां
संपादक, अमृत राय
6. प्रसाद, स्कंदगुप्त
7. यशपाल, दिव्या
8. फणीश्वरनाथ रेणु, मैला आंचल
9. मन्नू भण्डारी, महाभोज
10. एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियां) संपादक : राजेन्द्र यादव ।

कन्नड़

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर कन्नड़ में लिखने होंगे)

खण्ड क

(क) कन्नड़ भाषा का इतिहास

भाषा क्या है? भाषा की सामान्य विशेषताएं ।

द्रविड़ भाषा परिवार और इसके विशिष्ट लक्षण : कन्नड़ भाषा की प्राचीनता । उसके विकास के विभिन्न चरण :

कन्नड़ भाषा की बोलियां : क्षेत्रीय और सामाजिक । कन्नड़ भाषा के विकास के विभिन्न पहलू : स्वनिमित्त और अर्थगत परिवर्तन ।

भाषा आदान ।

(ख) कन्नड़ साहित्य का इतिहास

प्राचीन कन्नड़ साहित्य : प्रभाव और प्रवृत्तियां । निम्नलिखित कवियों का अध्ययन :

पंपा, जन्न, नागचंद्र, पंपा से रत्नाकर वर्णी तक इन निर्दिष्ट कवियों का विषय वस्तु, रूप विधान और अभिव्यंजना की दृष्टि से अध्ययन ।

मध्ययुगी कन्नड़ साहित्य : प्रभाव और प्रवृत्तियां ।

वचन साहित्य : बासवन्ना अक्क महादेवी ।

मध्ययुगीन कवि : हरिहर राघवंक, कुमारव्यास ।

दारा साहित्य : पुरन्दर और कनक ।

संगतया : रत्नाकर वर्णी

(ग) आधुनिक कन्नड़ साहित्य : प्रभाव प्रवृत्तियां और विचार-धाराएं ।
नवोदय, प्रगतिशील, नव्य, दलित और बन्द्य ।

खण्ड-11

(क) काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

कविता की परिभाषा और संकल्पनाएं : शब्द, अर्थ, अलंकार, रीति, रस, ध्वनि, औचित्य ।

रस सूत्र की व्याख्याएं ।

साहित्यिक आलोचना की आधुनिक प्रवृत्तियां :

रूपवादी, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, नारीवादी,

उत्तर-औपनिवेशिक आलोचना ।

(ख) कर्नाटक का सांस्कृतिक इतिहास

कर्नाटक की संस्कृति में राजवंशों का योगदान : साहित्यिक संदर्भ में बदामी और कल्याणी के चालुक्यों, राष्ट्रकुटों, हौशल्या और विजयनगर के शासकों का योगदान।

कर्नाटक के प्रमुख धर्म और उनका सांस्कृतिक योगदान

कर्नाटक की कलाएं : साहित्यिक संदर्भ में मूर्तिकला,

वास्तुकला, चित्रकला, संगीत, नृत्य।

कर्नाटक का एकीकरण और कन्नड़ साहित्य पर इसका प्रभाव।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर कन्नड़ में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके।

खण्ड क

प्राचीन कन्नड़ साहित्य

1. पंपा का विक्रमार्जुन विजय (सर्ग 12 तथा 13), (मैसूर विश्वविद्यालय प्रकाशन)।
2. बदराधने (सुकुमारस्वामैया काथे, विद्युत्चोरन काथे)।

(ख) मध्ययुगीन कन्नड़ साहित्य

1. वचन काम्मत, 'संपादक: के. मास्लसिद्धप्पा, के. आर. नागराज' (बंगलौर विश्वविद्यालय, प्रकाशन)।
2. जनप्रिय कनकसम्पुत, संपादक : डी. जवारे गौड़ा' (कन्नड़ एंड कल्चर डायरेक्टोरेट, बंगलौर)।
3. नम्बियन्नाना रागाले, संपादक : डी. एन. श्रीकांतैय (ता. वैम स्मारक ग्रंथ माले, मैसूर)।
4. कुमारव्यास भारत : कर्ण पर्व (मैसूर विश्वविद्यालय)।
5. भारतेश वैभव संग्रह, संपादक : ता. सु. शाम राव (मैसूर विश्वविद्यालय)।

खण्ड ख

आधुनिक कन्नड़ साहित्य

1. काव्य : होसगन्नड़ कविते, संपादक : जी. एच. नायक (कन्नड़ साहित्य परिशत्तु, बंगलौर)।
2. उपन्यास : बैलाद जीव-शिवराम कारंत (माधवी-अनुपमा निरंजन औडालाल-देवानुरू महादेव)।
3. कहानी : कन्नड़ सन्न काथेगलु, संपादक : जी. एच. नायक (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)।
4. नाटक : शुद्र तपस्वी-कुवेम्पु। तुगलक-गिरीश कर्नाड
5. विचार साहित्य : देवरू-ए. एन. मूर्ति राव (प्रकाशक : डी.वी. के. मूर्ति, मैसूर)

(ख) लोक साहित्य

1. जनपद स्वरूप-डा. एच.एम. नायक (ता. वैम स्मारक ग्रंथ माले, मैसूर)
2. जनपद गीतांजलि : संपादक : डी. जवारे गौड़ा (प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)।

3. कन्नड़ जनपद काथेगलु-संपादक : जे.एस. परमशिवैया (मैसूर विश्वविद्यालय)।
4. बीडि मक्कालु बैलेडो : संपादक : कालेगौड़ा नागवारा (प्रकाशक : बंगलौर विश्वविद्यालय)।
5. सविरद ओगातुगलु-संपादक : एस. जी. इमरापुर।

कश्मीरी

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर कश्मीरी में लिखने होंगे)

खण्ड क

1. कश्मीरी भाषा के वंशानुगत संबंध : विभिन्न सिद्धांत
2. घटना क्षेत्र तथा बोलियां (भौगोलिक/सामाजिक)
3. स्वनिम विज्ञान तथा व्याकरण :
(i) स्वर व व्यंजन व्यवस्था
(ii) विभिन्न कारक विभक्तियों सहित संज्ञाएँ तथा सर्वनाम
(iii) क्रियाएँ : विभिन्न प्रकार एवं काल।
4. वाक्य संरचना :
(i) साधारण, कर्तृवाच्य व घोषणात्मक कथन :
(ii) समन्वय
(iii) सापेक्षीकरण।

खण्ड ख

1. 14वीं शताब्दी में कश्मीरी साहित्य :
(सामाजिक-सांस्कृतिक तथा बौद्धिक पृष्ठभूमि; लाल दयाद तथा शेईखुल आलम के विशेष संदर्भ सहित)
2. उन्नीसवीं शताब्दी का कश्मीरी साहित्य (विभिन्न विधाओं का विकास : वत्सन; गजल तथा मथनवी)
3. बीसवीं शताब्दी के पूर्वाद्ध में कश्मीरी साहित्य (महजूर तथा आजाद के विशेष संदर्भ सहित; विभिन्न साहित्यिक प्रभाव)
4. आधुनिक कश्मीरी साहित्य (कहानी, नाटक, उपन्यास, तथा नज्म के विकास के विशेष संदर्भ सहित)।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर कश्मीरी में लिखने होंगे)

खण्ड क

1. उन्नीसवीं शताब्दी तक के कश्मीरी काव्य का गहन अध्ययन :
(i) लाल दयाद
(ii) शेईखुल आलम
(iii) हब्बा खातून
2. कश्मीरी काव्य : 19वीं शताब्दी
(i) महमूद गामी (वत्सन)
(ii) मकबूल शाह (गुलरेज)
(iii) रसूल मीर (गजल्ले)
(iv) अब्दुल अहद नदीम (नात)
(v) कृष्णजू राजदान (शिव लंगुन)
(vi) (सूफी कवि) (पाठ्य पुस्तक संग्रहालय-प्रकाशन-कश्मीरी विभाग, कश्मीरी विश्वविद्यालय)

3. बीसवीं शताब्दी का कश्मीरी काव्य (पाठ्य पुस्तक "आजिय काशिर शयरी" प्रकाशन-कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय।)
4. साहित्यिक समालोचना तथा अनुसंधान कार्य : विकास एवं विभिन्न प्रवृत्तियाँ।

खण्ड ख

1. कश्मीरी कहानियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन :
 - (i) अफसाना मजमुए, प्रकाशन: कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय।
 - (ii) "काशुर अफसाना अज", प्रकाशन: साहित्य अकादमी
 - (iii) हमासर काशुर अफसाना, प्रकाशन: साहित्य अकादमी केवल निम्नलिखित कहानी लेखक :
अख्तर मोहि-उद्दीन, अमीन कामिल, हरिकृष्ण कौल, हृदय कौल भारती, बंसी निर्दोष, गुलशन भाजिद।
2. कश्मीरी उपन्यास :
 - (i) जी. एन. गोहर का भुजरिम
 - (ii) भास्कर-इवानइलिचन (टॉलस्टाय की रूसी कहानी इवान इलिच का कश्मीरी अनुवाद) कश्मीरी विभाग द्वारा प्रकाशित।
3. कश्मीरी नाटक :
 - (i) हरिकृष्ण कौल का नाटुक करिब अज
 - (ii) ऑफ एंगी नाटुक, रेखा मोतीलाल कीमु, सहायक प्रकाशनी द्वारा प्रकाशित।
 - (iii) राजि इंडिपस अनु. नजी. मुसवर, साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।
4. कश्मीरी लोक साहित्य :
 - (i) काशुर लुकि थियेटर लेखक-साहम्मद सुबान भगद-प्रकाशन, कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय।
 - (ii) काशुरी लुकी बीथ (सभी अंक) जम्मू एवं कश्मीर सांस्कृतिक अकादमी द्वारा प्रकाशित।

कोंकणी

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर कोंकणी में लिखने होंगे)

खण्ड क

कोंकणी भाषा का इतिहास :

- (1) भाषा का उद्भव और विकास तथा इस पर भारत के अन्तरगत प्रभाव।
- (2) कोंकणी भाषा के मुख्य रूप तथा उसकी भारत के अन्तर्गत।
- (3) कोंकणी भाषा में व्यकरण तथा शब्दकोश संबंधी बातें, काल, क्रिया विशेषण, अव्यय तथा वाक्य के अर्थपूर्ण।
- (4) पुरानी भाषा कोंकणी, नयी भाषा कोंकणी तथा भाषा के विकास की समस्याएँ।

खण्ड ख

कोंकणी साहित्य का इतिहास :

जम्मूदवारों से अपेक्षा की जाएगी की वे कोंकणी भाषा के विकास उसकी सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भली-भाँति परिचित हों तथा इससे उठने वाली समस्याओं तथा मुद्दों पर विचार करने में सक्षम हों।

(1) कोंकणी साहित्य का इतिहास—प्राचीनतम संभावित स्रोत से लेकर वर्तमान काल तक तथा मुख्य कृतियों, लेखकों और आंदोलनों सहित।

- (i) कोंकणी साहित्य के उत्तरोत्तर निर्माण की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- (ii) आदिकाल से आधुनिक काल तक कोंकणी साहित्य पर पड़ने वाले भारतीय और पाश्चात्य प्रभाव।
- (iii) विभिन्न क्षेत्रों और साहित्यिक विधाओं में उभरने वाली आधुनिक प्रवृत्तियाँ—कोंकणी लोक साहित्य के अध्ययन सहित।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर कोंकणी में लिखने होंगे)

कोंकणी साहित्य की मूलपाठ

विषयक समालोचना

यह प्रश्न-पत्र इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि जम्मूदवार की आलोचना तथा विश्लेषण क्षमता की जांच हो सके।

जम्मूदवारों से कोंकणी साहित्य के विस्तृत परिचय की अपेक्षा की जाएगी और देखा जाएगा कि उन्होंने निम्नलिखित पाठ्य-पुस्तकों को मूल में पढ़ा है अथवा नहीं।

खण्ड क—गद्य

1. (क) कोंकणी मनसंगोत्री (पद्य के अलावा) प्रो. ओलिविन्हो गोम्स द्वारा संपादित।
(ख) ओल्ड कोंकणी लैंग्वेज एंड लिटरेचर, डी पोर्चुगीस रोले : प्रो. ओलिविन्हो गोम्स द्वारा संपादित।
2. (क) ओल्ड डेव्युचरक : ए. वी. डा. क्रुज का उपन्यास।
(ख) बडोल आनी वरेम : एंटोनियां पटेरा का उपन्यास।
(ग) डेवाचे कुरपेन : वी. जे. पी. सल्दाना का उपन्यास।
3. (क) वज्रलिखानी- जे. जे. गौडम-काय :
(शांताराम बर्डे कखलिकर द्वारा संपादित संग्रह)
(ख) कोंकणी ललित निबंध : श्याम वेरेंकर द्वारा संपादित निबंध संग्रह।
(ग) तीन दशकम : चंद्रकांत केणि द्वारा संपादित संग्रह।
4. (क) डिमांड : पुंडलीक नाइक का नाटक।
(ख) कादम्बिनी : ए. मिसलेनी आफ मार्डन प्रोज : प्रो. ओ. जे. एफ. गोम्स तथा श्रीमती पी. एस. तदकोदकर द्वारा संपादित।
(ग) रथा त जे ओ धुदियो : श्रीमती जयंती नाईक।

खण्ड ख—गद्य

1. (क) इवअणि मोरी-एहुआडो वुनो डिमूजा द्वारा रचित काव्य।
(ख) अब्रवंचम धनंजय : लुईस मेस्करेनहास।
2. (क) गोडडे रामाचण : आर. के. राव द्वारा संपादित।
(ख) रत्नाहार I एंड II क्लेक्शन आफ पांचयस : आर. वी. पंडित द्वारा संपादित।

3. (क) अयो जुयो-चोयम्स-मनोहर एल. सरदेसाई ।
(ख) कनादी घाटी कोंकणी कवि : प्रताप नाईक द्वारा संपादित कविता संग्रह ।
4. (क) अदुष्टाचे कल्ले : पांडुरंग भंगुई द्वारा रचित कविताएं
(ख) यमन : माधव थोरकर द्वारा रचित कविताएं ।

मैथिली

प्रश्न पत्र-I

मैथिली भाषा एवं साहित्य का इतिहास
उत्तर मैथिली में लिखने होंगे

खण्ड-क

मैथिली भाषा का इतिहास

1. भारतीय भाषा-परिवार में मैथिली का स्थान ।
2. मैथिली भाषा का उद्भव और विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली) ।
3. मैथिली भाषा का कालिक विभाजन (आदिमकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल) ।
4. मैथिली एवं इसकी विभिन्न उपभाषाएं ।
5. मैथिली एवं अन्य पूर्वांचलीय भाषाओं में संबंध (बंगला, असमिया, उड़िया) ।
6. तिरहुता लिपि का उद्भव और विकास ।
7. मैथिली में सर्वनाम और क्रियापद ।

खण्ड-ख

मैथिली भाषा का इतिहास

1. मैथिली साहित्य की पृष्ठभूमि (धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) ।
2. मैथिली साहित्य का काल-विभाजन ।
3. प्राकृ विद्यापति साहित्य ।
4. विद्यापति और उनकी परम्परा ।
5. मध्यकालीन मैथिली नाटक (कीर्तनिया नाटक, अंकीया नाटक, नेपाल में रचित मैथिली नाटक) ।
6. मैथिली लोकसाहित्य (लोकगाथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा) ।
7. आधुनिक युग में विभिन्न साहित्यिक विधाओं का विकास

(क) प्रबंधकाव्य

(ख) सुवनककाव्य

(ग) उपन्यास

(घ) कथा

(ङ.) नाटक

(च) निबंध

(छ) समीक्षा

(ज) संस्मरण

(झ) अनुवाद

8. मैथिली पत्र-पत्रिकाओं का विकास ।

प्रश्न पत्र-II

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य-पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके ।

खण्ड-क

1. विद्यापति गीतशती-प्रकाशक-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (गीतसंख्या 1 से 50 तक) ।
2. गोविन्ददास भजनावली-प्रकाशक-मैथिली अकादमी, पटना (गीतसंख्या 1 से 50 तक) ।
3. कृष्णजन्म-मनबोध ।
4. मिथिलाभाषा रामायण-चन्द्रा झा (सुन्दरकाण्ड मात्र) ।
5. रमेश्वरचरित मिथिला रामायण-लालदास (बालकाण्ड मात्र) ।
6. कीचकवध-तंत्रनाथ झा
7. दत्त-वती-सुरेश झा 'सुमन' (प्रथम और द्वितीय संग मात्र) ।
8. चित्रा-यात्री
9. समकालीन मैथिली कविता-प्रकाशक-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।

खण्ड-ख

10. वर्णरत्नाकार-ज्योतिरीश्वर (द्वितीय कल्लोल मात्र) ।
11. खट्टर कक्का नरंग-हरिमोहन झा ।
12. लोरिक-विजय-जणिपदम् ।
13. पृथ्वीपुत्र-ललित ।
14. भफाईत चाहक जिनगी-सुधाशु 'शेखर' चौधरी ।
15. कृति राजकमल-प्रकाशक-मैथिली अकादमी, पटना (आरम्भ से दस कथा तक)
16. कथा-संग्रह-प्रकाशक-मैथिली अकादमी, पटना ।

मलयालम

प्रश्न पत्र-I

उत्तर मलयालम में लिखने होंगे

खण्ड-क

1. मलयालम भाषा की प्रारंभिक अवस्था :

- 1.1 विभिन्न सिद्धांत : प्राकृ द्रविड़ियन, तमिल, संस्कृत से उद्भव ।

1.2 तमिल तथा मलयालम का संबंध ए. आर. राजराज वर्मा के छः लक्षण (नया) ।

1.3 पाट्टु संप्रदाय-परिभाषा, रामचरितम्, परवर्ती पाट्टु कृतियां-निराणम कृतियां तथा कृष्ण गाथा ।

2. निम्नलिखित की भाषाई विशेषताएं :-

2.1 मणिप्रवालम-परिभाषा । मणि प्रवालम में लिखी प्रारम्भिक कृतियों की भाषा-चम्पू, सदेशकाव्य, चन्द्रोत्सव, छुट-पुट कृतियां, परिवर्ती मणिप्रवाल कृतियां-मध्ययुगीन चम्पू एवं आट्ट कथा ।

2.2 लोक गाथा-दक्षिणी तथा उत्तरी गाथाएं, माप्पिला गीत ।

2.3 प्रारंभिक मलयालम गद्य-भाषा कौटलीयम्, ब्रह्मांड पुराणम् अट्ट-प्रकारम्, क्रम दीपिका तथा नम्बियान तमिल ।

3. मलयालम का मानकीकरण

3.1 पाणा, किलिप्पाट्टू तथा तुल्लल की भाषा की विशेषताएँ ।
3.2 स्वदेशी तथा यूरोपीय मिशनरियों का मलयालम को योगदान ।
3.3 समकालीन मलयालम की विशेषताएँ : प्रशासनिक भाषा के रूप में मलयालम । विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी साहित्य की भाषा-जन की भाषा ।

खंड-ख

साहित्य का इतिहास

4. प्राचीन तथा मध्ययुगीन साहित्य :

4.1 पाट्टू-राम चरितम्, निराणम कृतियाँ एवं कृष्ण गाथा ।
4.2 मणिप्रवालम-आट्टू कथा, चंपू आदि प्रारंभिक तथा मध्ययुगीन मणिप्रवाल कृतियाँ ।
4.3 लोक साहित्य ।
4.4 किलिप्पाट्टु, तुल्लल तथा महाकाव्य ।

5. आधुनिक साहित्य-कविता

5.1 वैणमणि कवि तथा समकालीन कवि ।
5.2 स्वच्छन्दतावाद का आगमन-कवियत्र का काव्य-आशान, उल्लूर तथा वल्लतौल ।
5.3 कवियत्र के बाद की कविता ।
5.4 मलयालम कविता में आधुनिकतावाद ।

6. आधुनिक साहित्य-गद्य

6.1 नाटक
6.2 उपन्यास
6.3 लघु कथा
6.4 जीवनी, यात्रा वर्णन, निबंध और समालोचना ।

प्रश्न पत्र-II

उत्तर मलयालम में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक क्षमता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खंड-क

भाग-1

1. रामचरितम्-पटलम् -1 ।
1.2 कण्णशश रामायणम्-बालाकण्डम् प्रथम 25 पद्य ।
1.3 उण्णुनीलि सदेशम्-पूर्व भागम् 25 श्लोक, प्रस्तावना सहित
1.4 महाभारतम् : किलिप्पाट्टु-भीष्म पर्वम् ।

भाग-2

2.1 कुमारन् आशान-चिन्ता अवस्थियाय सीता
2.2 वेलोप्पिल्ली-कुटियोषिकल
2.3 जी. शंकर कुरूप-पेरुन्तच्चन
2.4 एन. वी. कृष्ण वारियार-तिर्वोदिपिले पाट्टु

भाग-3

3.1 ओ. एन. वी.-भूमिक्कोरु चरम् गीतिम्
3.2 अय्यप्पा पणिक्कर-कुरुक्षेत्रम्
3.3 आक्किट्टम पंडत्ते मेशर्शति
3.4 आट्टूर अट्टूर रवि वर्मा-मेघरूप

खंड-ख

भाग-4

4.1 ओ. चंतु मेनन इंदुलेखा
4.2 तकषि-चेम्मीन
4.3 ओ. वी. विजयन-खसाविकन्ते इतिहासम्

भाग-5

5.1 एम. टी. वासुदेवन नायर-वानप्रस्थम् (संग्रह)
5.2 एन. एस. माधवन-हिग्विता (संग्रह)
5.3 सी. जे. थामस-1128-इल क्राइम 27

भाग-6

6.1 कुट्टिकृष्णमारार-भारत पर्यटनम्
6.2 एम. के. सानू-नक्षत्रंगलुटे स्नेहभाजनम्
6.3 वी. टी. भट्टातिरिपाद-कण्णीरूप किनावुम

मणिपुरी

प्रश्न पत्र-I

उत्तर मणिपुरी में लिखने होंगे

खण्ड-क

भाषा

(न) मणिपुरी भाषा की सामान्य विशेषताएं और उसके विकास का इतिहास, उत्तर-पूर्वी भारत की तिब्बती-बर्मी भाषाओं के बीच मणिपुरी भाषा का महत्व तथा स्थान, मणिपुरी भाषा के अध्ययन में नवीनतम विकास, प्राचीन मणिपुरी लिपि का अध्ययन और विकास।

(ख) मणिपुरी भाषा की महत्वपूर्ण विशेषताएं :—

- स्वर विज्ञान : स्वनिम (फोनीम), स्वर, व्यंजन, संयोजन, स्वरक, व्यंजन समूह और इनका प्रादुर्भाव-अक्षर-इसकी संरचना, स्वरूप तथा प्रकार।
- रूप विज्ञान : शब्द श्रेणी, धातु तथा इसके प्रकार, प्रत्यय और इसके प्रकार, व्याकरणिक श्रेणियाँ-लिंग, संख्या, पुरुष, कारक, काल और इनके विभिन्न पक्ष। संयोजन की प्रक्रिया (समास और संधि)।
- वाक्य विन्यास : शब्द क्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्यांश और उप-वाक्यों का गठन।

भाग-ख

(क) मणिपुरी साहित्य का इतिहास :

आरंभिक काल : (सत्रहवीं शताब्दी तक) सामाजिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, विषयवस्तु, कार्य की शैली तथा रीति।

मध्यकाल : (अठारहवीं तथा उन्नीसवीं शताब्दी) सामाजिक धार्मिक तथा राजनीतिक पृष्ठभूमि, विषयवस्तु, कार्य की शैली तथा रीति।

आधुनिक काल : प्रमुख साहित्यिक रूपों का विकास-विषयवस्तु, रीति और शैली में परिवर्तन।

(ख) मणिपुरी लोक साहित्य :

दंतकथा, लोक कथा, लोक गीत, गाथा, लोकोक्ति तथा पहेली।

(ग) मणिपुरी संस्कृति के विभिन्न पक्ष :

हिन्दू पूर्व मणिपुरी आस्था, हिन्दुत्वा आगमन और समन्वयवाद की प्रक्रिया, प्रदर्शन कला-लाई हरोवा, महारस, स्वदेशी खेल-सगोल कांगजेई, खोंग कांगजेई कांग।

प्रश्न पत्र-II

उत्तर मणिपुरी में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित है और प्रश्नों का स्वरूप ऐसा होगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके।

भाग-क

प्राचीन तथा मध्यकालीन मणिपुरी साहित्य

(क) प्राचीन मणिपुरी साहित्य

1. ओ. भोगेश्वर सिंह (सं.) नुमित कप्पा
2. एम. गौराचंद्र सिंह (सं.) थ्वनथवा हिरण
3. एन. खेलचंद्र सिंह (सं.) नोथिंगकांग फम्बल काबा
4. एम. चंद्र सिंह (सं.) पंथोचबी खोंगल

(ख) मध्यकालीन मणिपुरी साहित्य

1. एम. चंद्र सिंह (सं.) समसोक गांवा
2. आर. के. स्नेहल सिंह (सं.) रामायण आदि कांड
3. एन. खेलचंद्र सिंह (सं.) धनंजय लाइबू निंगबा
4. ओ. भोगेश्वर सिंह (सं.) चंद्रकीर्ति जिला चंगबा

भाग-ख

आधुनिक मणिपुरी साहित्य

(क) कविता तथा महाकाव्य

(1) कविता

(ख) मणिपुरी शेरेंग (प्रकाशन) मणिपुरी साहित्य परिषद् 1988 (सं.)

1. ख. चोबा सिंह पी थदोई, लैमगी चेफला आमदा लोकटक
2. डॉ. एल. कमल सिंह निर्जनता, निरब राजनी
3. ए. मीना केतन सिंह कमालदा नोंगमलखोडा
4. एल. समरेन्द्र सिंह इंगगी नोंग ममंग लेकाई थम्बल सतले
5. ई. नीलकांत सिंह मणिपुर, लमंगनबा
6. श्री बीरेन तंगखुल हुई
7. थ. इबापिशाक अनौबा थंगलाबा जिवा

(ग) कान्ही शेरेंग (प्रकाशन) मणिपुर विश्वविद्यालय 1988 (सं.)

1. डॉ. एल. कमल सिंह बिस्वा-प्रेम
2. श्री बीरेन चफट्टबा लेइगी येन
3. थ. इबापिशाक नरक पाताल पृथ्वी

महाकाव्य

1. ए. दोरेन्द्र नीत सिंह कांसा बोधा
2. एच. अंगनधल सिंह खंबा-थोईबी शेरेंग (सन-सेनबा, लेई लंगबा, शामू खोंगी विचार)

(III) नाटक

- | | |
|--------------------|-------------------|
| 1. एस. ललित सिंह | अरेष्पा मारुप |
| 2. जी. सी. टोंग्रा | मैट्रिक पास |
| 3. ए. समरेन्द्र | जज साइड की इम्पेच |

(ख) उपन्यास, कहानी तथा गद्य :

(I) उपन्यास

- | | |
|---------------------|---|
| 1. डॉ. एल. कमल सिंह | माधवी |
| 2. एच. अंगनधल सिंह | जहेरा |
| 3. एच. गुणे सिंह | लापण |
| 4. पाछा प्रोटेई | इम्फाल आभासुंग मैजी इन्फि, कुंगसीतकी फिल्लस |

(II) कहानी

(क) कांकी वरिमचा (प्रकाशन) मणिपुर विश्वविद्यालय 1987 (सं.)

- | | |
|--------------------------|----------------------|
| 1. आर. के. शीतलजीत सिंह | कमला कमला |
| 2. एस. के. विनोदिनी सिंह | आइगी भाऊसा हीटण लालू |
| 3. ख. प्रकाश | धेनम शरण |

(ख) परिधर की खांगतलाबा वरिमचा (प्रकाशन) मणिपुर साहित्य परिषद् 1994 (सं.)

- | | |
|------------------------|----------|
| 1. एस. नीलबिर शास्त्री | लोखातण |
| 2. आर. के. इलंगवा | करिगुंगी |

(ग) अनौठा मणिपुर वरिमचा (प्रकाशन) दि. कल्लारल फोरम मणिपुर 1992 (सं.)

- | | |
|----------------------|-------------|
| 1. एस. कुंजमोहन सिंह | इजात तनवा |
| 2. ई. दीनमणि | मोथक खोपावा |

(III) गद्य

(क) वारेंगी सकलोन (ड्यू पार्ट) (प्रकाशन) दि. कल्लारल फोरम मणिपुर 1992 (सं.)

- | | |
|--------------|-------------------------------------|
| 1. चौबा सिंह | : खंवा-थोइबिगी वारी अमासुंग महकाव्य |
|--------------|-------------------------------------|

(ख) कांकी वारेंगी (प्रकाशन) मणिपुर विश्वविद्यालय 1993 (सं.)

- | | |
|-----------------------|-----------|
| 1. बी. मणिमन शास्त्री | फाजवा |
| 2. च. मणिहर सिंह | लाई-हरौबा |

(ग) अपुनबा वारेंगी (प्रकाशन) मणिपुर विश्वविद्यालय 1996 (सं.)

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| 1. च. पिशक सिंह | समाज अमासुंग संस्कृति |
| 2. एम. के. विनोदिनी | थोईबिदु वेरोहोइदा |

3. एरिक न्यूटन

कलगी महोसा (आई. आर. बाबू द्वारा अनुदित)

(घ) मणिपुर वारेंगी (प्रकाशन) दि. कल्लारल फोरम मणिपुर 1999 (सं.)

- | | |
|-----------------------|-----|
| 1. एम. कृष्णमोहन सिंह | लान |
|-----------------------|-----|

मराठी

प्रश्न पत्र-I

उत्तर मराठी में लिखने होंगे

खण्ड-क

(भाषा और लोक विद्या)

(क) भाषा का स्वरूप और कार्य

(मराठी के संदर्भ में)

भाषा-संकेतन प्रणाली के रूप में : लेंगुइ और गरील. आधारभूत कार्य, काव्यात्मक भाषा, धानक भाषा तथा बोधियां, सामाजिक व्यवस्था के अनुसार भाषाई-परिवर्तन तेरहवीं तथा सत्रहवीं शताब्दी में मराठी की भाषाई विशेषताएं

(ख) मराठी की बोलियां

अहिराणी, बर्हदी, डांगी

(ग) मराठी व्याकरण

शब्द-भेद (पार्स आफ स्पीच), कारक व्यवस्था (केस सिस्टम), प्रयोग विचार (वाच्य)

(घ) लोक विद्या के स्वरूप और प्रकार

(मराठी के विशेष संदर्भ में) लोकगीत, लोककथा, लोकनृत्य

खण्ड-ख

(साहित्य का इतिहास और साहित्यिक आलोचना)

(क) मराठी साहित्य का इतिहास

1. प्रारंभ से 1818 ई. तक : महानुभाव लेखक, बरकारो, कवि, पंडित कवि, शाहिस, वाखर साहित्य के विशेष संदर्भ में।

2. 1850 ई. से 1990 तक : काव्य, कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी), नाटक और प्रमुख साहित्य धाराओं के विशेष संदर्भ में तथा रोमांटिक, यथार्थवादी, आधुनिकतावादी, दलित, ग्रामीण और नारीवादी आंदोलनों के विकास के विशेष संदर्भ में।

(ख) साहित्यिक आलोचना

1. साहित्य का स्वरूप और कार्य।
2. साहित्य का मूल्यांकन।
3. आलोचना का स्वरूप, प्रयोजन और प्रक्रिया।
4. साहित्य, संस्कृति और समाज।

प्रश्न पत्र-II

उत्तर मराठी में लिखने होंगे

निर्धारित साहित्यिक रचनाओं का मूल पाठ विषयक अध्ययन

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इनमें अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

खंड-क

(काव्य)

- (1) "स्मृति स्थल"
- (2) महात्मा जोतिबा फुले : "शेतकारियाचा आसुद",
"सार्वजनिक सत्यधर्म"
- (3) एस. बी. केतकर : "ब्राह्मण कन्या"
- (4) पी. के. अत्रे : "शास्त्रांग नमस्कार"
- (5) शरच्चंद मुक्तिबोध : "जाना हे बोलातु जेथे"
- (6) अद्धव शैलके : "शीलन"
- (7) बाबू राव वागुल : "जेव्हा मी जात चोरली होती"
- (8) गौरी देशपांडे : "एकेक पान गालाव्या"
- (9) पी आई सोनकाम्बले "आठवनीन्चे पक्षी"

खंड-क

(गद्य)

- (1) नामदेवान्दी अभंगवाणी
सम्पा.-इनामदार, रेलकर, मिराजकर,
मार्डन बुक डिपो, पुणे
- (2) "पेन्जान"
सम्पा.-एम. एन. अदवन्त
साहित्य प्रसाद केन्द्र, नागपुर
- (3) दमयन्ती स्वयंवर
द्वारा रघुनाथ पंडित
- (4) बालकविंची कविता
द्वारा-बालकवि
- (5) विशाखा
द्वारा-कुसुमाग्रज
- (6) मृदंग
द्वारा-विन्दा करन्दीकर
- (7) जाहिरनामा
द्वारा-नारायण सुर्वे
- (8) संध्या कालाचे कविता
द्वारा-प्रेस
- (9) यां ससेत जीव रमात नाही
द्वारा-नामदेव ढसाल

नेपाली

प्रश्न पत्र-1

उत्तर नेपाली में लिखने होंगे

खंड-क

1. नई भारतीय आर्य भाषा के रूप में नेपाली भाषा के उद्भव और विकास का इतिहास।
2. नेपाली व्याकरण और स्वनिम विज्ञान के मूल सिद्धांत :
(i) संज्ञा रूप और कोटियां : लिंग, वचन, कारक, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय।
(ii) क्रिया रूप और कोटियां : काल, पक्ष, वाच्य, धातु, प्रत्यय।
(iii) नेपाली स्वर और व्यंजन।
3. नेपाली भाषा की प्रमुख बोलियाँ।
4. नेपाली आंदोलन (जैसे हलन्त बहिष्कार, झारोवाद आदि) के विशेष संदर्भ में नेपाली का मानकीकरण तथा आधुनिकीकरण।
5. भारत में नेपाली भाषा का शिक्षण-सामाजिक सांस्कृतिक पक्षों के विशेष संदर्भ में इसका इतिहास और विकास।

खण्ड-ख

1. भारत में विकास के विशेष संदर्भ में नेपाली साहित्य का इतिहास।
2. साहित्य की मूल अवधारणाएं तथा सिद्धांत : काव्य/साहित्य, काव्य प्रयोजन साहित्यिक विधाएं, शब्द शक्ति, रस, अलंकार, त्रासदी, कामदी, सौंदर्यशास्त्र, शैली-विज्ञान।
3. प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियां तथा आंदोलन-स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, आयमिक आंदोलन, समकालीन नेपाली लेखन, उत्तर-आधुनिकतावाद।
4. नेपाली लोक साहित्य (केवल निम्नलिखित लोक स्वरूप)-सवाई, झाव्योरी सेलो संगिनी, लहरी।

प्रश्न पत्र-2

उत्तर नेपाली में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अभ्यर्थी को आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके।

खण्ड-क

1. सांता ज़ान्डिल दास उदय लहरी
2. लेखनाथ पोडायल तरुण तापसी
(केवल III, V, VI, XII, XV, XVIII विश्राम)

3. आगम सिंह गिरि—जालेको प्रतिबिम्ब : रोयको प्रतिध्वनि (केवल निम्नलिखित कविताएं—प्रसावको, विष्णुहत्संग ब्यूझेको एक रात, छोरोलाई, जालेको प्रतिबिम्ब : रोयको प्रतिध्वनि, हमरो आकाशमणी पानी हुन्छ उज्यालो, तिहार) ।
4. हरिभक्त कटवाल—यो जिन्दगी खाई के जिन्दगी : (केवल निम्नलिखित कविताएं—जीवन : एक दृष्टि, यो जिन्दगी खाई के जिन्दगी, आकाश तारा के दाग, हमलाई निरक्षो नासमझा, खाई म-याता याहां, आत्मदुतिप्रसे वलिदान को ।)
5. बालकृष्णसाना—प्रहलाद
6. मनबहादुर मुखिया—अंधारोमा झन्चनेहारू (केवल निम्नलिखित एकांकी—“अंधारोमा झन्चनेहारू”, “सुस्कोर”) ।

खण्ड-ख

1. इंद्र सुन्दास—सहारा
2. लिलबहादुर छेत्री—ब्रह्मपुत्र को छेउछाउ
3. रूप नारायण सिन्हा—कथा नवरत्न (केवल निम्नलिखित कहानियां—बिटेका फुल, जिम्मेवारी कास्को, धनमातिको सिनेमा—स्वप्न, विध्वस्त जीवन) ।
4. इंद्रबहादुर राय—विपना कटिपया : (केवल निम्नलिखित कहानियां—रातभरि हुरि चलयो, जयप्रथा अफमत्र लेखमाणी अईपुग, भागी, दोष कात्र, छुट्याइयो) ।
5. सानू लामा—कथा संपद (केवल निम्नलिखित कहानियां—स्वास्नी भांछे, खानी तरमा एक दिन फुरबाले गौन छाड्यो, अमिनाको मांछे) ।
6. लक्ष्मी प्रसाद देवकोटा—लक्ष्मी निबंध संग्रह (केवल निम्नलिखित निबंध—श्री गणेशाय नमः, नेपाली साहित्य को इतिहासभा, सर्वश्रेष्ठ पुरुष, कल्पना, कला रा जीवन, यथा बुद्धिमान की गुरु)
7. रामाकृष्ण शर्मा—दासगोरखा (केवल निम्नलिखित निबंध—कवि, सत्यज्ञ रा साहित्य, साहित्य मा सापेक्षता, साहित्यिक हचिको प्रौढता; नेपाली साहित्य की प्रगती) ।

उडिया

प्रश्न पत्र-1

उत्तर उडिया में लिखने होंगे

खण्ड-क

उडिया भाषा का इतिहास

- (i) उडिया भाषा का उद्भव और विकास, उडिया भाषा पर ऑस्ट्रिक, द्राविड, फारसी-अरबी तथा अंग्रेजी का प्रभाव ।

- (ii) स्वनिकी तथा स्वनिम विज्ञान : स्वर, व्यंजन, उडिया ध्वनियों में परिवर्तन के सिद्धांत ।
- (iii) रूप विज्ञान : रूपिम (निर्बाध, परिवर्द्ध, समास और सम्मिश्र), व्युत्पत्ति परक तथा विभक्ति प्रधान प्रत्यय, कारक विभक्ति, क्रिया संयोजन ।
- (iv) काव्य रचना : वाक्यों के प्रकार और उनका रूपान्तरण, वाक्यों की संरचना ।
- (v) शब्दार्थ विज्ञान : शब्दार्थ, शिष्टोक्ति में परिवर्तन के विभिन्न प्रकार ।
- (vi) वर्तनी, व्याकरणिक प्रयोग तथा वाक्यों की संरचना में सामान्य अशुद्धियां ।
- (vii) उडिया भाषा में क्षेत्रीय भिन्नताएं (पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तरी उडिया) तथा बोलियां (भात्री और देसिया) ।

खण्ड-ख

उडिया साहित्य का इतिहास

- (i) विभिन्न कालों में उडिया साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक) ।
- (ii) प्राचीन महाकाव्य, अलंकृत काव्य तथा पदावलियां ।
- (iii) उडिया साहित्य का विशिष्ट संरचनात्मक स्वरूप (कोइली, चौतिसा, पोई, चोपदी, चम्पू) ।
- (iv) काद्य, नाटक, कहानी, उपन्यास, निबंध तथा साहित्यिक सभालोचना की आधुनिक प्रवृत्तियां ।

प्रश्न पत्र-2

उत्तर उडिया में लिखने होंगे

पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन

इस प्रश्न पत्र में मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा तथा अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा ली जाएगी ।

खण्ड-क

काव्य

(प्राचीन)

1. सरल दास : शान्ति पर्व—महाभारत से
2. जगनाथ दास : भागवत, ग्याहरवां स्कंध जादू अवधूत सम्वाद

(मध्यकालीन)

3. दीनाकृष्ण दास : राख कल्लोल—(16 तथा 34 छंद)
4. उपेन्द्र भांजा : लावण्यवती—(1 तथा 2 छंद)

(आधुनिक)

5. राधानाथ राय : चंद्रभागा
6. मायाधर मानसिंह : जीवन चिन्ता
7. सचिदानन्द राउतराय : कविता-1962
8. रामाकान्त रथा : सप्तम ऋतु

खण्ड-ख

नाटक

9. मनोरंजन दास : काठ घोड़ा
10. विजय मिश्रा : ताता निरंजन

उपन्यास

11. फकीर मोहन सेनापति : छमना अथगुन्थ
12. गोनीनाथ मोहन्ती : दानापानी

कहानी

13. सुरेन्द्र मोहन्ती : मरलारा मृत्यु
14. मनोज दास : लक्ष्मीश अभिसार

निबंध

15. चितरंजन दास : तरंग-आं-ताद्वित (प्रथम पांच निबंध)
16. चंद्र शेखर रथ : मन सत्यधर्म काहूही (प्रथम पांच निबंध)

पाली

प्रश्न पत्र-1

पाली भाषा

कृपया ध्यान दें :- सभी प्रश्नों के उत्तर पाली भाषा में देवनागरी अथवा रोमन लिपि में लिखने होंगे।

खण्ड-क

1. पाली का उद्भव और उद्भव-स्थल तथा इसकी विशेषताएं।
2. पाली व्याकरण— (i) पाली व्याकरण की पारिभाषिक शब्दावली-अक्ख, सरा, व्यंजन, निगगहित, नाम सब्बनाम, आख्यात, उपसग्ग, निपात, अव्यय, (ii) कारक, (iii) समास, (iv) संधि, (v) तद्धित (अपच बोधक और अधिकारबोधक-पच्चय)। (vi) निम्नलिखित शब्दों के व्युत्पत्तिमूल : बुद्धो, भिक्खु, सामनेरो सत्पा, धम्मो, लताय, पुरिसानम, तुम्हे अम्हेमी, मुनिना, रत्तीसु फलाय, अट्ठीस, रन्म, संघो।
3. पाली से अंग्रेजी में दो अनदेखे उधरणों का अनुवाद।

खण्ड-ख

4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300 शब्दों का निबंध :

- (क) भगवाबुद्धो
- (ख) तिलक्खणम्
- (ग) अरियो अठंगिको मग्गो
- (घ) चत्तारि अरियसच्चाणि

(ड.) कमवादो

- (च) पतिच्चसमुप्पादो
- (छ) निब्बानमू परमम् सुखम्
- (ज) तिपिटकम्
- (झ) धम्मपदम्
- (ञ) मज्झिमा-पतिपदा

5. पाली उद्धरणों का सार।

6. पाली काव्य की पाली भाषा में व्याख्या।

7. निम्नलिखित अबिकारी (अव्यय एवं निपात) का अर्थ और अभ्यर्थी द्वारा पाली वाक्यों में उनका प्रयोग :

- (1) अथ, (2) अन्तरा, (3) अद्वा, (4) कदा, (5) कित्तावत्ता, (6) अहीरत्तम्, (7) दिवा, (8) यथा, (9) चे, (10) सेय्याभीदम्, (11) बिना, (12) कुदाचनम्, (13) सद्धिम, (14) अंतरेन, (15) खो, (16) मा, (17) एवम् (18) एत्थ, (19) किर, (20) पन।

प्रश्न पत्र-2

पाली साहित्य

कृपया ध्यान दें :- इसमें दो प्रश्न अनिवार्य होंगे जिनके उत्तर पाली में देवनागरी अथवा रोमन लिपि में देने होंगे शेष प्रश्नों के उत्तर या तो पाली अथवा उम्मीदवार द्वारा चुने हुए परीक्षा माध्यम में लिखने होंगे।

खंड-क

- (i) पाली स्रोतों से बुद्ध का जीवन वृत्त और उपदेश।
- (ii) निम्नलिखित पुस्तकों और लेखकों के संदर्भ में पाली साहित्य का इतिहास-प्रामाणिक और अप्रामाणिक :

महावग्ग, चुल्लवग्ग, पातिमोक्ख, दीघ-निकाय, धम्मपद, जातक, थेरगाथा, थेरीगाथा, दीपवंश, महावंश, दठवंश, शासनवंश, मिलिनन्दपण्ह, पेटकोपडेस, नेटिप्पकरण, बुवुदत्त, बुद्धघोस और धम्मपाल।

खंड-ख

1. निम्नलिखित निर्धारित पाठों में से मूल पाठ विषयक प्रश्न, आलोचनात्मक टिप्पणियां तथा सटिप्पण अनुवाद संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे :-

- (i) दीघ-निकाय (केवल सामत्रफल-सुत)
- (ii) सुत्त-निपात (केवल खग्ग विसणि-सुत्त और धनिय-सुत्त)
- (iii) धम्मपद (केवल पहले पांच वग्ग)
- (iv) मिलिंदपण्ह (केवल लखण-पण्ह)
- (v) महावंश (केवल तृतीय संगीती)
- (vi) अभिधम्मत्थ-संघ (पहला, दूसरा और छठा पाठ)
- (vii) पाली छंदविधान-बुत्तोदय-अनुट्ठुम, इंदवजिरा, उपेन्दवजिरा, वसंत तिलका, मालिनी, सिखरिणी, उपजति, तोटक, दोधक, वंसट्ट

(viii) पाली अलंकार विधान (सुबोधालंकार-यणक, अनुप्रास, रूपक, उपमा, अतिसयुक्ति, व्यतिरेक, चिदात्मता, व्यर्थान्वयस्य, दीपक, दिट्ठंत) ।

2. निर्धारित पाठों में से बौद्ध दर्शन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ ।

3. निर्धारित पाठों में से पाली काव्य की व्याख्या ।

फारसी

प्रश्न पत्र-1

प्रश्न पत्र में दो प्रश्न अनिवार्य होंगे जिनका उत्तर फारसी में देना होगा । शेष प्रश्नों का उत्तर या तो फारसी में अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा के लिए चुने गए भाषा माध्यम में देना होगा ।

खंड-क

1. (क) फारसी भाषा के उद्भव और विकास का वर्णन ।
(इसका उत्तर फारसी में देना होगा) ।

(ख) अनुप्रयुक्त व्याकरण, अलंकार, तंदविधान काव्य प्रयुक्त होने वाले मुहावरों और लोकोक्तिवर्णन ।

(i) व्याकरण : इस्म और उसके प्रकार, जमीर-ए-वृत्तविधान और अनुपासित, मुताकाबी-शेखरीशी, मुताकफ-ए-इयामी, मुताफी-इयारा, मुशाम्म ईलाइह, फेल और इयामी प्रकार, मुताकफ-ए-अकमकवन और बहुवचन, जुमले और इयामी इयारा ।

(ii) अलंकार-विधान : दारजीश, शारकनाक, लुजुम-भा-ला-यालजुम, सयाकतुल आदाद, कवय, तारसी, इस्तिआरा, मयतुन नज़ीर, लफ-ओ नश्र, इहाम, हुस्न-ए-तलीख, ताजाहुली-आरेफानेह, तलमीह, तनसीक्वस सारिह ।

(iii) तंदविधान : दाहरी-मुजारा, रागहा, मुतालादीब, फाविल, हफज कर्मिल ।

खंड-ख

1. इरान और भारत में फारसी साहित्य का इतिहास, साहित्यिक आलोचना और शैली, क्लासिकी और आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव, नाटक, उपन्यास, कहानी संचित आधुनिक साहित्यिक विधाओं का विकास ।

2. फारसी में संक्षिप्त विबंध 250 शब्दों में (एक-एक भाग फारसी में देना होगा) ।

प्रश्न पत्र-2

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्यपुस्तकों का उपयोग अनिवार्य होगा और इसमें ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवार की समग्र ज्ञान-क्षमता की परीक्षा हो सके । दो अनिवार्य प्रश्न होंगे जो पद्य और चतुर् में मूल पाठों में एक-एक होंगे जिनके उत्तर फारसी में देने होंगे । शेष प्रश्नों के उत्तर या तो फारसी में देने होंगे अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा के लिए चुने गए भाषा माध्यम में देने होंगे ।

खंड-क

राष्ट्र

1. निज़ामी आरूजी समरकंदी : चहार मकाला :

(i) दाबीरी

(ii) शायरी

2. काबुस/बी, वरमगीर : काबुसनामा :

(i) दार शिनाख्त-ए-हफ-ए-पीदार-वा-मादर

(ii) दार बिशी जुस्तान अज़ सुखानदानी

(iii) दार तालिब इल्मी वा फकीह वा फुकाहा

3. शादी शीराजी : गुलिस्तां

(i) दार ताशीर-ए-सुहबत

4. मो. अवफी : जावामियुल हिकायत:

(i) पहली दस हिदायतें

5. ज़ियाउद्दीन बर्नी : तारीख-ए-फिरोज़शाही

(i) वासाया-ए-मुल्लान बलबन बे फरजंद-ए-बुजुर्ग

6. अबुल फज़ल : आइन-ए-अकबरी

(i) आईल-ख़जीना-ए-आबदि

(ii) आईन-ए-शबिस्तान-ए-इकबाल

(iii) आईन-ए-मंज़िल दार युरीशहा

(iv) आईन-ए-चिराग आफरोज़ी

7. सादिक-ए-हिदायत :

(i) दश अकुल

(ii) गिरदाब

8. मो. हिजाजी :

(i) खुदकुशी

(ii) पेजेशकि-ए-उज्र

खंड-ख

काव्य

1. फिरदौसी : शाहनामा

(i) रुस्तम-ओ-सोहराब

2. खप्पाम : रूबाइयाँ

(रदीफ अलीफ और बे)

3. शादी शिराजी : बुस्तन

दार अदल-ओ-तदवीर-ओ-राई

4. अमीर खुसरो : मजमुआ-ए-दीवान-ए-खुसरो (रदीफ दाल)

5. मौलाना रूम : मथनवी मनाबी (दफतर दव्यम का प्रथम भाग)

6. हाफिज (रदीफ अलीफ और दाल)

7. उर्फी शिराजी : कासायंद

(i) इकबाल-ए-करम मिगाज़ाद अरबाबी-हिमाम रा ।

(ii) हर खुस्ता जाने कि बा कश्मीर दार आगद ।

(iii) शबाह-ए-ईद के दर तकया गाह-ए-नाज-ओ नईप ।

8. गालिब : गज़लियात (रदाफ अलीफ)

9. बहार मशहदी :

(i) जुगहद-ए-जंग

(ii) शुकुत-ए-शाव

(iii) दमावानदीये

(iv) दुखतर-ए-बसरा

10. फुरुग-ए-फरुखाजार :

(i) दार बराबर-ए-खुदा

(ii) दिव-ए-शाव

11. निमायुशिश

(i) क्यू

(ii) खार-कन

टिप्पणी : गद्य और पद्य के पाठों की व्याख्या फारसी में करना अनिवार्य है ।

पंजाबी

प्रश्न पत्र-1

उत्तर पंजाबी में गुरुमुखी लिपि में लिखने होंगे

भाग-क

(क) पंजाबी भाषा का उद्भव - विकास के विभिन्न चरण और पंजाबी भाषा में नूतन विकास : पंजाबी स्वर विज्ञान की विशेषताएँ तथा इलकी तानों का अध्ययन : स्वर एवं व्यंजन का वर्गीकरण ।

(ख) पंजाबी रूप विज्ञान : स्वन-लिपि प्रणाली (सजीव एवं असजीव) : उपसर्ग, प्रत्यय एवं परसर्गों का विभिन्न कार्य । पंजाबी शब्द-रचना : मल्ल, तदभाव रूप : वाक्य विन्यास, पंजाबी में कर्ता एवं कर्म का अभिव्यक्ति, संज्ञा एवं क्रिया परस्पर ।

(ग) भाषा एवं चेतना : वर्तनी एवं व्यंजित वर्तनी का अभिव्यक्ति : पंजाबी की प्रमुख बोलियाँ - पोटोहरी, माझी, दोआबी, मालवी, पुआवि - सामाजिक स्तरीकरण के आधार पर वाक्य परिवर्तन की विविधता, तानों की विशेष संदर्भ में विभिन्न बोलियों का विशिष्ट लक्षण । भाषा एवं लिपि : गुरुमुखी का उद्भव और विकास : पंजाबी के लिए गुरुमुखी की उपयोगिता ।

(घ) शास्त्रीय पुरुषार्थ : गद्य जगो सगह ।

मध्यकालीन साहित्य : गुस्मह, सुनी, किस्सा एवं वार, जनमसाखियाँ

भाग-ख

(क) आधुनिक प्रवृत्तियाँ : रहस्यवादी, स्वच्छंदतावादी, प्रगतिवादी एवं नव-रहस्यवादी (वीर सिंह, पूरण सिंह, मोहन सिंह, अमृता प्रीतम, जाबा बलवन्त, प्रीतम सिंह, सफीर, जे.एस. नेकी)

प्रयोगवादी : (जसवीर सिंह अहलूवालिया, रविन्द्र रवि, अजायब कमाल) ।

सौंदर्यवादी : (हरभजन सिंह, तारा सिंह) ।

नव-प्रगतिवादी : (पाशा, जगतार, पातर) ।

(ख) लोक साहित्य : लोक गीत, लोक कथाएँ, पहेलियाँ, कहावतें ।

महाकाव्य : (वीर सिंह, अवतार सिंह आजाद, मोहन सिंह)

गीतिकाव्य : (गुरू, सूफ़ी और आधुनिक गीतकार-मोहन सिंह, अमृता प्रीतम, शिवकुमार, हरभजन सिंह) ।

(ग) नाटक : (आई. सी. नंदा, हरचरण सिंह, बलवंत गार्गी, एस. एस. शेखों, चरण दास सिद्धू) ।

उपन्यास : (वीर सिंह, नाटक सिंह, जसवंत सिंह कंवली, करतार सिंह दुग्गल, सुखबीर, गुरदयाल सिंह, दलीप कौर टिवाणा, स्वर्ण चंदन) ।

कहानी : (सुजान सिंह, कं. एस. विर्क, प्रेम प्रकाश, वरयाम सधु) ।

(घ) सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रभाव : संस्कृत, फारसी और पश्चिमी ।

निबंध : (पूरण सिंह, तेजा सिंह, गुरबख्श सिंह) ।

साहित्यिक आलोचना : (एस. एस. शेखों, अतर सिंह, बिशन सिंह, हरभजन सिंह, नजम हुसैन सैयद) ।

प्रश्न पत्र-2

उत्तर पंजाबी में गुरुमुखी लिपि में लिखने होंगे

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अभ्यर्थी को आलाचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके ।

भाग-क

(क) शेख फरीद : आदि ग्रंथ में सम्मिलित संपूर्ण वाणी ।

(ख) गुरु नानक : जप जी, बरामाह, आसा दी वार ।

(ग) बुल्ले शाह : काफियाँ ।

(घ) वारिस शाह : हीर ।

भाग-ख

(क) शाह मोहम्मद : जंगनामा (जंग सिंधान ते फिरंगियान)

धनी राम चात्रिक (कवि) : चंदन वारी, सूफी खान, नवांजहां ।

(ख) नानक सिंह (उपन्यासकार) : चिट्टा लहू, पवित्र थापी, एक मयान दो तलवारां ।

(ग) गुरुबख्श सिंह (निबंधकार) : जिन्दगी दी रास, नवां शिवाला, मेरियां अभूल यादां ।

बलराज साहनी (यात्रा-विवरण) : मेरा रूसी सफरनामा, मेरा पाकिस्तानी सफरनामा ।

(घ) बलवंत गागी (नाटककार) : लोहा कुट्टू, धूनी दी अग, सुल्तान रजिया ।

संत सिंह सेखों (आलोचक) : साहित्यार्थ प्रसिद्ध पंजाबी कवि, पंजाबी काव शिरोमणि ।

रूसी

प्रश्न पत्र 1

रूसी से अंग्रेजी में अनुवाद के प्रश्न को छोड़कर सभी उत्तर रूसी में लिखने होंगे

भाषा तथा संस्कृति

खंड क

I. आधुनिक रूसी भाषा :

ध्वनी विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, कोश विज्ञान, कोश रचना और अर्थ विज्ञान, भाषा विज्ञान ।

II. रूसी से अंग्रेजी में तथा अंग्रेजी से रूसी भाषा में अनुवाद ।

खंड ख

I. रूसी संघ का सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक विकास : सन् 1812 का देशभक्तिपूर्ण युद्ध, अक्टूबर क्रांति, पेरिसब्रोइका और ग्लेसनोत, यू. एस. एस. आर. का विघटन, रूसी संघ की क्षेत्रीय और सांस्कृतिक भिन्नताएं ।

सामान्य विषयों पर निबंध ।

प्रश्न पत्र II

उत्तर रूसी में लिखने होंगे

(साहित्य)

खंड क

साहित्यिक इतिहास तथा साहित्यिक आलोचना :

साहित्यिक आन्दोलन, भावुकतावाद, रोमांसवाद, प्रकृतिवाद, यथार्थवाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवाद, पराकाष्ठावाद, प्रतीकवाद, भविष्यवाद, साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास, लोक साहित्य, गीत और कविताएं ।

ए. एस. पुश्किन, एम. यू. लरमोन्तोव, अलेक्जेंडर ब्लाक, इज्जिन, वी. मायकोवस्की, अन्ना अख्मत्सोवा । महागाथा-एल. एन. टालस्टाय, एम. शोलोखोव । कहानी, उपन्यासिका, उपन्यास-पुश्किन, लरमोन्तोव, एन. वी. गोगोल, एस. श्चेद्रिन, आई. गोन्चारोव आई. तर्जिनेव, एफ. एम. दोस्तोवस्की, एल. एन. टालस्टाय, ए. पी. चेखोव, एम. गोर्की, एम. शोलोखोव, आई. बुनिन, ई. जेमियातिन, बोरिस पास्तेरनक, ए. सोल्झेनित्सीन, एम. बुल्गाकोव, चिगीज़, आसूल्मातोव, बलेन्तीन, वी. शुक्शिन । आलोचना - बेलिन्सकी, दोब्रोल्नोव, चेर्नोशेव्स्की, पिसारेव ।

नाटक : चेखोव, गोगोल । सामाजिक-राजनैतिक आन्दोलनों का साहित्य पर प्रभाव ।

खंड ख

इस खंड में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके :-

1.	ए. एस. पुश्किन	इन्जीनि ओनिजित
2.	एम. यू. लरमोन्तोव	हीरो आफ आवर टाइम्स
3.	एन. वी. गोगोल	रेविज़ोर
4.	आई. एस. तर्जिनेव	फादर्स एंड संस
5.	एफ. एम. दोस्तोवस्की	क्राइम एंड पनिशमेंट
6.	एल. एन. टालस्टाय	1. वार एंड पीस 2. रेज़रेक्शन
7.	ए. पी. चेखोव	1. तोस्का 2. स्मर्ट चिनोवनिका 3. कमीलियन
8.	ए. एम. गोर्की	मदर
9.	ए. ब्लॉक	दि ट्वेल्थ
10.	बी. बी. मायकोव्स्की	1. क्लाउड-इन पैट्स 2. गुड
11.	एम. शोलोखोव	फेट ऑफ ए मैन
12.	बी. पास्तेरनाक	डॉक्टर ज़िवागो
13.	सोल्झेनित्सीन	वन डे इन दि लाइफ ऑफ इवान दोनिसोविच
14.	बी. रस्पूतीन	झिगी आई पोम्नी
15.	चिगीज़ आइल्मातोव	बैली पोरखोद
16.	वी. शुक्शिन	शुदिक

संस्कृत

प्रश्न पत्र 1

तीन प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दिया जाना चाहिए । शेष प्रश्नों के उत्तर या तो संस्कृत में अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा के लिए चुने गये भाषा माध्यम में दिए जाने चाहिए ।

खण्ड क

1. संज्ञा, संधि, कारक, समास, कर्तरि और कर्मणी वाच्य (वाच्य प्रयोग) पर विशेष बल देते हुए व्याकरण की प्रमुख विशेषताएं ।

(इसका उत्तर संस्कृत में देना होगा)

2. (क) वैदिक संस्कृत भाषा की मुख्य विशेषताएं ।

(ख) शास्त्रीय संस्कृत भाषा के प्रमुख लक्षण ।

(ग) भाषा वैज्ञानिक अध्ययन में संस्कृत का योगदान ।

3. सामान्य ज्ञान :

- (क) संस्कृत का साहित्यिक इतिहास ।
 (ख) साहित्यिक आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।
 (ग) रामायण ।
 (घ) महाभारत ।
 (ङ) साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास ।

महाकाव्य

रूपक (नाटक)

कथा

आष्टयार्थिका

चम्पू

खण्ड काव्य

मुक्तक काव्य

खण्ड ख

4. भारतीय संस्कृति का सार, निम्नलिखित पर बल देते हुए :

- (क) पुरुषार्थ
 (ख) संस्कार
 (ग) वर्णाश्रम व्यवस्था
 (घ) कला और ललित कला
 (ङ) तकनीकी विज्ञान

5. भारतीय दर्शन की प्रवृत्तियाँ

- (क) मीमांसा
 (ख) वेदान्त
 (ग) न्याय
 (घ) वैशेषिक
 (ङ) सांख्य
 (च) योग
 (छ) बुद्ध
 (ज) जैन
 (झ) चार्वाक

6. संक्षिप्त निबंध (संस्कृत में)

7. अनदेखा पाठांश और प्रश्न (इसका उत्तर संस्कृत में देना होगा) ।

प्रश्न पत्र-2

वर्ग 4 के प्रश्न का उत्तर केवल संस्कृत में देना होगा । वर्ग 1, 2 और 3 के प्रश्नों के उत्तर या तो संस्कृत में अथवा उम्मीदवार द्वारा चुने गये भाषा माध्यम में देने होंगे ।

खण्ड क

निम्नलिखित समुच्चयों का सामान्य अध्ययन :-

वर्ग-1

- (क) रघुवंशम्-कालिदास
 (ख) कुमारसंभवम्-कालिदास
 (ग) किरातार्जुनीयम्-भारवि
 (घ) शिशुपालवधम्-माघ
 (ङ) नैषध चरितम्-श्रीहर्ष
 (च) कादम्बीर-बाणभट्ट
 (छ) दशकुमार चरितम्-दण्डी
 (ज) शिवराज्योदयम्-एस. बी. वारनेकर

वर्ग-2

- (क) ईशावास्योपनिषद्
 (ख) भगवद्गीता
 (ग) बाल्मीकि रामायण का सुंदरकांड
 (घ) कौटिल्य का अर्थशास्त्र

वर्ग-3

- (क) स्वप्नवासवदत्तम्-भास
 (ख) अभिज्ञान शाकुन्तलम्-कालिदास
 (ग) मृच्छकटिकम्-शूद्रक
 (घ) मुद्राराक्षसम्-विशाखदत्त
 (ङ) उत्तररामचरितम्-भवभूति
 (च) रत्नावली-श्रीहर्षवर्धन
 (छ) वेणीसंहारम्-भट्टनारायण

वर्ग-4

निम्नलिखित पर संस्कृत में संक्षिप्त टिप्पणियाँ :

- (क) मेघदूतम्-कालिदास
 (ख) नीतिशतकम्-भर्तृहरि
 (ग) पंचतंत्र
 (घ) राजतरंगिणी-कल्हण
 (ङ) हर्षचरितम्-बाणभट्ट
 (च) अमरकशतकम्-अमरक
 (छ) गीत गोविंदम्-जयदेव

खंड-ख

इस खंड में निम्नलिखित चुनी हुई पाठ्य सामग्रियों का मौलिक अध्ययन अपेक्षित होगा :-

(वर्ग 1 और 2 से प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत में देने होंगे।
वर्ग 3 एवं 4 के प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में अथवा उर्दू/हिन्दी द्वारा
चुने गये भाषा माध्यम में देने होंगे)

वर्ग-1

- (क) रघुवंशम्-सर्ग 1, श्लोक 1 से 10
- (ख) कुमारसंभवम्-सर्ग 1, श्लोक 1 से 10
- (ग) किरातार्जुनीयम्-सर्ग 1, श्लोक 1 से 10

वर्ग-2

- (क) ईशावास्योपनिषद्-श्लोक 1, 2, 4, 5, 7, 8, 9, 10
- (ख) भगवद्गीता अध्याय- II-श्लोक 13 से 15
- (ग) बाल्मीकि का सुंदरकांड सर्ग 15, श्लोक 1, 2, 3, 4
(गीता प्रेस संस्करण)

वर्ग-3

- (क) मेघदूतम्-श्लोक 1 से 10
- (ख) नीतिशतकम्-श्लोक 1 से 10
- (डॉ. डॉ. कोशाम्बी द्वारा सम्पादित, नवमोदक प्रकाशन)
- (ग) कादम्बरी-शुकनासप्रदेश (केवला)

वर्ग-4

- (क) स्वप्नवासवदूतम्-अंक 1/1
- (ख) अभिज्ञानशकुन्तलम्-अंक IV अक्षर 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

संताली

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर संताली में लिखने होंगे)

खंड-क

भाग-I संताली भाषा का इतिहास

1. प्रमुख आस्ट्रिक भाषा परिवार, आस्ट्रिक भाषाओं का क्षेत्र तथा क्षेत्र विस्तार।
2. संताली की व्याकरणिक संरचना।
3. संताली भाषा की महत्वपूर्ण विशेषताएँ :-
ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, व्याकरण विज्ञान, अनुवाद विज्ञान तथा कोश विज्ञान।
4. संताली भाषा का अन्य भाषाओं का प्रभाव।
5. संताली भाषा पर मानकीकरण।

भाग-II संताली साहित्य का इतिहास

1. संताली साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

- (क) आदिवासी सन् 1854 ई. के पूर्व का साहित्य।
- (ख) मिशनरी काल सन् 1855 ई. से सन् 1889 ई. तक का साहित्य।
- (ग) मध्य काल सन् 1890 से सन् 1946 ई. तक का साहित्य।
- (घ) आधुनिक काल सन् 1947 ई. से अब तक का साहित्य।

2. संताली साहित्य के इतिहास में लेखन की सम्पदा।

खण्ड-ख

साहित्यिक संरचना : निम्नलिखित साहित्यिक स्वरूपों

की प्रमुख विशेषताएँ, इतिहास और विकास

भाग-I संताली में साहित्यिक संरचना, कविता, गद्य, लेखन, कविता, मुहावरे, पहेलियाँ, प्रेम कदुम।

भाग-II संताली में 1947-48 साहित्य

1. यह साहित्य का विकास एवं प्रमुख लेखक।

2. यह साहित्य का विकास एवं प्रमुख लेखक।

(क) उपन्यास एवं प्रमुख लेखक।

(ख) कहानी एवं प्रमुख लेखक।

(ग) नाटक एवं प्रमुख लेखक।

(घ) आजीवन एवं प्रमुख लेखक।

(ङ) कालित निबंध, ऐतिहासिक संरचना, नाटक, नाटक, आदि प्रमुख लेखक।

संताली साहित्यकार :

श्याम सुन्दर हेम्रम, श्री सुभाष सुभाष बाइरा बिरा, साधु कर्मा, मुत्त, नायाण सोरेन 'लोडेसुजेन', रायदा प्रसाद किरकु, सुभाष दुद्द, कालीप्रसाद सोरेन, एकला सोरेन, दिगम्बर होमदा, अदित्य मित्र 'सताली', कालीप्रसाद सुभाष 'आदिवासी', यदुमना बिरा, अर्जुन हेम्रम, कृष्ण चन्द्र दुद्द, रण चोँद हौसदा, फलेन्द्र नाथ भाण्डी, महादेव हौसदा, गौर चन्द्र मुग्ग, ठाकुर प्रसाद मुग्ग, हर प्रसाद मुग्ग, उदय नाथ मण्डा, रामल हेम्रम, धीरेन्द्र नाथ बासक, श्याम चरण हेम्रम, दमयन्ती बेसरा, टी. के. राधाज, योगदा विरचनाथ दुद्द।

भाग-III संताली में सांस्कृतिक विरासत :

रीति रिवाज, पर्व-त्योहार एवं संस्कार (अन्न, विवाह एवं मृत्यु)।

संताली

प्रश्न पत्र-II

(उत्तर संताली में लिखने होंगे)

खण्ड-क

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मूल अध्ययन आवश्यक है। परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक क्षमता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

भाग-I प्राचीन साहित्य

पद्य

1. खेरवाल बोंसा धोरोम पुथी-मांझी रामदास दुडू 'रसिका'।
2. मारे हापडामको रेबाक काथा-एल.ओ. स्क्रैपसंरुड।
3. जोमसिम बिनती लिटा-मंगल चन्द्र तुइकूलुमाड., सोरेन।
4. माराड. बुरू बिनती-कानाईलाल दुडू।

पद्य

1. काराम सेरेब-नुनकू सोरेन।
2. देवी दासांय सेरेत्र-मानिन्द हांसदा।
3. होड सेरेब-डबलि. बी. अबीर।
4. बाहा सेरेत्र-बलराम दुडू।
5. दोड सेरेत्र-पद्मश्री भागवत मुरमू ठाकुर।
6. होर सेरेत्र-रघुनाथ मुरमू।
7. सोरोंस सेरेत्र-बाबूलाल मुरमू 'आदिवासी'।
8. मोडे सिब मोडे त्रिदा-रूप चाँद हाँसदा।
9. जुडासी माडक तातर-तेज नारायण मुरमू।

खण्ड-ख

आधुनिक साहित्य

भाग-I कविता

1. ओनोडहें बाहाय डालवाक्-पाउल जुझार सोरेन।
2. असाड बिनती-नारायण सोरेन 'तोड़े सुताम'।
3. चांद माला-गोरा चांद दूडू।
4. अनतो बाहा माला-आदित्य मित्र 'संताली'।
5. तिरयी तेताड.-हरिहर हाँसदा।
6. सिसिरजोन एड-ठाकुर प्रसाद मुरमू।

भाग-II उपन्यास

1. हाडपावाक्आतो-आर. कार्सटियार्स (अनुवादक-आर.आर. किस्कू राणाज)।
2. सानू साती-चन्द्र मोहन हाँसदा।
3. आतू ओडाके डोमन हाँसदा।
4. ओजोस गाडा द्विप रे-नाथनियल मुरमू।

भाग-III कहानी

1. नियोन गाडा-रूपचाँद हाँसदा: एवं यदुमनी बेसरा।

2. माया जाल-डोमन साहू 'समीर' एवं पद्मश्री भागवत मुरमू 'ठाकुर'।

भाग-IV नाटक

1. खेरवाड बिर-पं. रघुनाथ मुरमू।
2. जुरी खातिर-डा. कृष्ण चन्द्र दुडू।
3. बिरसा बिर-रबिलाला दुडू।

भाग-V जीवन साहित्य

1. संताल को रेन मायाड. गोहाको-डा. विश्वनाथ हाँसदा।

सिन्धी

प्रश्न पत्र-I

(उत्तर सिन्धी अरबी अथवा देवनागरी लिपि में लिखना होगा)

खण्ड-क

1. (क) सिन्धी भाषा का उद्भव और विकास-विभिन्न विद्वानों के मत।
- (ख) स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान एवं वाक्य विन्यास के साथ सिन्धी भाषा के संबंध सहित सिन्धी की महत्वपूर्ण भाषा वैज्ञानिक विशेषताएं।
- (ग) सिन्धी भाषा की प्रमुख बोलियाँ।
- (घ) विभाजन के पहले और विभाजन के बाद की अवधियों में सिन्धी शब्दावली और उनके विकास के चरण।
- (ङ.) सिन्धी की विभिन्न लेखन प्रणालियों (लिपियों) का ऐतिहासिक अध्ययन।
- (च) विभाजन के बाद अन्य भाषाओं और सामाजिक स्थितियों के प्रभाव के चलते भारत में सिन्धी भाषा की संरचना में परिवर्तन।

खण्ड-ख

2. विभिन्न युगों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में सिन्धी-साहित्य:
 - (क) लोक साहित्य समेत सन् 1350 ई. तक का प्रारम्भिक मध्यकालीन साहित्य।
 - (ख) सन् 1350 ई. से 1850 ई. तक का परवर्ती मध्यकालीन साहित्य।
 - (ग) सन् 1850 ई. से 1947 ई. तक का पुनर्जागरण काल।
 - (घ) आधुनिक काल सन् 1947 ई. से आगे।
 (आधुनिक सिन्धी साहित्य की साहित्यिक विधाएं और कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, साहित्यिक आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण और यात्रा विवरणों में प्रयोग)।

प्रश्न पत्र-II

(उत्तर सिन्धी, अरबी अथवा देवनागरी लिपि में लिखना होगा)

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिस अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके।

खण्ड-क

इस खंड में पाठ्य पुस्तकों की सप्रसंग व्याख्याएं और आलोचनात्मक विश्लेषण होंगे।

I. काव्य

- (क) "शाह जो चूण्डा शायर", संपादक : एच. आई. सदरानगणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (प्रथम सौ पृष्ठ)।
- (ख) "साचल जो चूण्ड कलाम" संपादक : कल्याण बी. अडवाणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (सिर्फ कागिस)।
- (ग) "सामी-ए-जा चंद श्लोक"; संपादक: बी.एच. नागराणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (प्रथम सौ पृष्ठ)।
- (घ) "शायर-ए-बेवास"; किशिनचंद बेवास (सिर्फ सामुन्डी सिपुन भाग)।
- (ङ.) "रौशन छंवरो"; नारायण श्याम।
- (च) "विरहंगे खानपोई जी सिन्धी शायर जी चूण्ड"; संपादक: एच.आई. सदरानगणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।

II. नाटक

- (क) "बेहतरीन सिन्धी नाटक" (एकांकी) एम. खयाल द्वारा संपादित; गुजरात सिन्धी अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- "काको कालूमल" (पूर्णाविधि नाटक) : मदन जुमाणी।

खण्ड-ख

इस खंड में पाठ्य पुस्तकों की सप्रसंग व्याख्याएं और आलोचनात्मक विश्लेषण होंगे।

- (क) पाखीअरा बालार खान विछडूया (उपन्यास) गोविन्द माल्ही।
- (ख) सत् दीन्हण (उपन्यास) : कृशिन सतवाणी।
- (ग) चूण्ड सिन्धी कहानियां (कहानियां) भाग-III: संपादक : प्रेम प्रकाश; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- (घ) "बंधन" (कहानियां) सुन्दरी उत्तमचंदानी।
- (ङ) "बेहतरीन सिन्धी मजमून" (निबंध); संपादक : हीरो ठाकुर; गुजरात सिन्धी अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- (च) "सिन्धी तनकीद" (आलोचना); संपादक : रामवानी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- (छ) "मुमहीनजी हयाती-ए-जा-सोना" (कथा : बर्खा) (आत्मकथा); पोपाटी हीरानंदानी।
- (ज) "हा. चोइथ्रम गिडवानी" (जीवनी); विष्णु शर्मा।

तमिल

प्रश्न पत्र-1

उत्तर तमिल में लिखने होंगे

खंड-क

भाग-1 : तमिल भाषा का इतिहास

प्रमुख भारतीय भाषा परिवार-भारतीय भाषाओं में, विशेषकर द्रविड़ परिवार में तमिल का स्थान-द्रविड़ भाषाओं की संख्या तथा क्षेत्र विस्तार।

संगम साहित्य की भाषा-मध्यकालीन तमिल : पल्लव युग की भाषा के संदर्भ-संज्ञा, क्रिया, विशेषण तथा क्रिया विशेषण का ऐतिहासिक अध्ययन-तमिल में काल सूचक प्रत्यय तथा कारक चिह्न।

तमिल भाषा में अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण-क्षेत्रीय तथा सामाजिक बोलियां-तमिल में लेखन की भाषा और बोलचाल की भाषा में अंतर।

भाग-2 : तमिल साहित्य का इतिहास

तोलकाप्पियम-संगम साहित्य-अकम और पुरम की काव्य विधाएं-संगम साहित्य की पंथनिरपेक्ष विशेषताएं-नीतिपरक साहित्य का विकास; सिलप्पदिकारम और मणिमेखलै।

भाग-3 : भक्ति साहित्य (आलवार और नायनमार) - आलवारों के साहित्य में सखी भाव (ब्राइडल मिस्टरिज) -छुटपुट साहित्यिक विधाएं (तट्टु, उला, परणि, कुरवजि)।

आधुनिक तमिल साहित्य के विकास के सामाजिक कारक: उपन्यास, कहानी और आधुनिक कविता-आधुनिक लेखन पर विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं का प्रभाव।

खण्ड-ख

भाग-1 : तमिल के अध्ययन में नई प्रवृत्तियां

समालोचना के उपागम: सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक तथा नैतिक-समालोचना का प्रयोग-साहित्य के विविध उपादान: उल्लुरै (लक्षणा), इरैच्चि, तोणमम (मिथक), (ओतुरुक्कम) (कथा रूपक), अंगदम (व्यंग्य), मेयप्पाडु, पडियम (बिंब), कुरियीडु (प्रतीक), इरूण्मै (अनेकार्थकता)-तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा-तुलनात्मक साहित्य के सिद्धांत।

भाग-2 : तमिल में लोक साहित्य

गाथाएं, गीत, लोकोक्तियां और पहेलियां-तमिल लोक गाथाओं का समाज वैज्ञानिक अध्ययन। अनुवाद की उपयोगिता-तमिल की कृतियों का अन्य भाषाओं में अनुवाद-तमिल में पत्रकारिता का विकास।

भाग-3 : तमिल की सांस्कृतिक विरासत

प्रेम और युद्ध की अवधारणा-अरम की अवधारणा-प्राचीन तमिलों द्वारा युद्ध में अपनाई गई नैतिक संहिता। पांचों लिणै क्षेत्रों की प्रथाएं, विश्वास, रीति-रिवाज तथा उपासना विधि।

उत्तर-संगम साहित्य में अभिव्यक्त सांस्कृतिक परिवर्तन-मध्यकाल में सांस्कृतिक सम्मिश्रण (जैन तथा बौद्ध)। पल्लव, परवती चौल तथा नायक के विभिन्न युगों में कलाओं और वास्तुकला

का विकास। तमिल समाज पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक आंदोलनों का प्रभाव। समकालीन तमिल समाज के सांस्कृतिक परिवर्तन में जन माध्यों की भूमिका।

तमिल

प्रश्न पत्र 2

उत्तर तमिल में लिखने होंगे

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का मूल अध्ययन आवश्यक है। परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक क्षमता को जताने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड क

भाग-1 : प्राचीन साहित्य

- (1) कुरुन्तोकै (1 से 25 तक कविताएं)
- (2) पुरानाचूरु (182 से 200 तक कविताएं)
- (3) तिरुक्कुरल (नोरुल पालः अरसियलुम अपैच्चियलुम) (इरैमादचि से अवेअंजामै तक)

भाग-2 : महाकाव्य

- (1) मिलण्णदिकरणम् (मदुरै कांडम्)
- (2) कांड रामायणम् (कुम्भकर्णन वेदै पडलाम्)

भाग-3 : भक्ति साहित्य

- (1) तिरुवाचक 'र' मः नोत्तल विण्णण्णम्
- (2) तिरुप्पावै (सभी-पद)

खण्ड ख

आधुनिक साहित्य

भाग-1 : कविता

- (1) भारतियार : कण्णन पाट्टु
- (2) भारती दासन : कुटुम्ब विल्लवकु
- (3) ना. कामरासन : करुण्णु मल्लरकल

गद्य

- (1) मु. चरदागजनार : अरमुम अरसियलुम
- (2) सी. एन अण्णादुरै : ऐ, तालन्द तमिलयम।

भाग-2 : उपन्यास, कहानी और नाटक

- (1) अकिलन : चित्तिरपावै
- (2) नयकांतन : गुरुपीडम

भाग-3 : लोक साहित्य

- (1) मनुप्पाट्टन कर्तै : न. वानमामलै (सं.)
प्रकाशन : मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै
- (2) मलैयरुवि : कि.वा. जगन्नाथन (सं.)
प्रकाशन : मरुस्वती महल, तंजावर

तेलुगु

उत्तर तेलुगु में लिखने होंगे

खण्ड-क : भाषा

1. द्रविड़ भाषाओं में तेलुगु का स्थान और इसकी प्राचीनता-तेलुगु, तेलुगु और आंध्र का व्युत्पत्ति-आधारित इतिहास।

2. आद्य-द्रविड़ में प्राचीन तेलुगु तक और प्राचीन तेलुगु में आधुनिक तेलुगु तक स्वर-विज्ञानीय, रूपविज्ञानीय व्याकरणिक और वाक्यगत स्तरों में मुख्य भाषायी परिवर्तन।

3. क्लासिकी तेलुगु की तुलना में बोलचाल की व्याकरणिक तेलुगु का विकास-औपचारिक और कार्यात्मक दृष्टि में तेलुगु भाषा की व्याख्या।

4. तेलुगु भाषा पर अन्य भाषाओं का प्रभाव।

5. तेलुगु भाषा का आधुनिकीकरण :

(क) भाषायी तथा साहित्यिक आंदोलन और तेलुगु भाषा के आधुनिकीकरण में उनकी भूमिका।

(ख) तेलुगु भाषा के आधुनिकीकरण में प्रचार माध्यमों की भूमिका (अखबार, रेडियो, टेलिविजन आदि)।

(ग) वैज्ञानिक और तकनीकी सहित विभिन्न विमर्शों के बीच तेलुगु भाषा में नये शब्द गढ़ते समय पारिभाषिकी और क्रियाविधि से संबंधित समस्याएं।

6. तेलुगु भाषा की बोलियां-प्रादेशिक और सामाजिक भिन्नताएं तथा मानकीकरण की समस्याएं।

7. वाक्य-विन्यास-तेलुगु वाक्यों के प्रमुख विभाजन सरल, मिश्रित और संयुक्त वाक्य-संज्ञा और क्रिया-विधेयन-नामिकीकरण और संबंधीकरण की प्रक्रियाएं-प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रस्तुतीकरण-परिवर्तन प्रक्रियाएं।

8. अनुवाद-की समस्याएं-सांस्कृतिक, सामाजिक और मुहावरा-संबंधी अनुवाद की विधियां-अनुवाद के क्षेत्र में विभिन्न दृष्टिकोण साहित्यिक तथा अन्य प्रकार के अनुवाद-अनुवाद के विभिन्न उपयोग।

खण्ड ख : साहित्य

1. नात्रय-पूर्व काल में साहित्य-मार्ग और देशी कविता।
2. नात्रय-काल-आंध्र महाभारत की ऐतिहासिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि।
3. रोप कवि और उनका योगदान-द्रिपाद, सातक, रागद, उदाहरण।
4. तिवकन और तेलुगु साहित्य में तिवकन का स्थान।
5. एरेना और उनकी साहित्यिक रचनाएं-नवन सोमन और काव्य के प्रति उनका नया दृष्टिकोण।
6. श्रीनाथ और पोतन-उनकी रचनाएं तथा योगदान।
7. तेलुगु साहित्य में भक्ति कवि-तल्लपक अन्नामैया, रामदासु त्यागैया।
8. प्रबंधों का विकास-काव्य और प्रबंध।
9. तेलुगु साहित्य की दक्खिनी विचारधारा-रघुनाथ नायक, चेमाकुर जेंकटकवि और महिला कवि-साहित्य-रूप जैसे यक्षगान, गद्य और पदकविता।
10. आधुनिक तेलुगु साहित्य और साहित्य-रूप-उपन्यास, कहानी, नाटक, नाटिका और काव्य रूप।
11. साहित्यिक आंदोलन : सुधार आंदोलन, राष्ट्रवाद, नवक्लासिकीवाद, स्वच्छन्दतावाद और प्रगतिवादी, क्रान्तिकारी आंदोलन।
12. दिगम्बरकाबुलु, नारीवादी और दलित साहित्य।

13. लोकसाहित्य के प्रमुख विभाजन-संश्लेष कलाओं का प्रस्तुतीकरण ।

प्रश्न पत्र 2

उत्तर तेलुगु में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे अभ्यर्थी की निम्नलिखित विषयों से सम्बन्धित आलोचनात्मक क्षमता की जांच हो सके :—

- (i) सौंदर्यपरक दृष्टिकोण-रस, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य-रूप संबंधी और संरचनात्मक-विशेष योजना और प्रतीकवाद ।
- (ii) समाज शास्त्रीय, ऐतिहासिक, आदर्शवादी और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण ।

खण्ड क

1. नात्रय-दुष्यंत चरित्र (आदि पर्व चौथा सर्ग छंद 5-109)
2. तिवक्कन-श्री कृष्ण रायबरामु (उद्योग पर्व-तीसरा सर्ग छंद 1-144)
3. श्रीनाथ-गुना निधि कथा (कासी खंड-चौथा सर्ग छंद 76-133)
4. पिंगली सुरन-सुगन्धि सलिनलकथा (कलापुर्णीराम-चौथा सर्ग छंद 60-142)
5. मोल्ला-रामायनाम (अवतारिक सहित काल कांड)
6. कसुल पुरुषोत्तम कवि-आंध्र नायक सतकम् ।

खण्ड ख

1. गुर्जद अप्पा राव-अनिमुत्थालु (कहाविया)
2. विश्वनाथ सत्यनारायण-आंध्र प्रशस्ति
3. देवुलापल्लि कृष्ण शास्त्री-कृष्णपक्षम (उर्वशी और पक्कम को छोड़कर)
4. श्री श्री-महाप्रस्थानम्
5. जशुवा-गब्बिलम (भाग-1)
6. श्री नारायण रेड्डी-कर्पूरवसन्ता रायालु
7. कनुपरति वरलक्ष्मा-शारदा लेखालु (भाग-1)
8. आलेय-एन. जी. ओ.
9. रच कोंड विश्वनाथ शास्त्री-अल्पजीवि

उर्दू

प्रश्न पत्र 1

उत्तर उर्दू में लिखने होंगे

खण्ड क

उर्दू भाषा का विकास

- (क) भारतीय-आर्य भाषा का विकास
 - (i) प्राचीन भारतीय-आर्य
 - (ii) मध्ययुगीय भारतीय-आर्य
 - (iii) अर्वाचीन भारतीय-आर्य
- (ख) पश्चिमी हिन्दी तथा इसकी बोलियाँ, जैसे कन्नड़भाषा, खड़ी बोली, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली ;
उर्दू भाषा के उद्भव से संबंधित सिद्धांत

- (ग) दिक्खिनी उर्दू-उद्भव और विकास-इसकी महत्वपूर्ण भाषा मूलक विशेषताएं ।
- (घ) उर्दू भाषा के सामाजिक और सांस्कृतिक आधार और उनके विभेदक लक्षण ;
लिपि, स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, शब्द भंडार ।

खंड ख

- (क) विभिन्न विधाएं और उनका विकास : (i) कविता : गज़ल, मसनवी, कसिदा, मरसिया, रूबाई, जदीद जम् ।
(ii) गद्य : उपन्यास, कहानी, दास्तान, नाटक, इंशाइया, खुतूत, जीवनी
- (ख) निम्नलिखित की महत्वपूर्ण विशेषताएं
(i) दिक्खिनी, दिल्ली और लखनऊ शाखाएं
(ii) सर सैयद आन्दोलन, स्वच्छंदतावादी आन्दोलन, प्रगतिशील आन्दोलन, आधुनिकतावाद ।
- (ग) साहित्यिक आलोचना और उसका विकास : हाली, शिवली, कलीमुद्दीन अहमद, एहंशाप हुसैन, आले अहमद सुरूर ।
- (घ) निबन्ध लेखन (साहित्यिक और कल्पनाप्रधान विषयों पर)

प्रश्न पत्र 2

उत्तर उर्दू में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके :

खण्ड क

1. मीर अम्मान बागोबहार
2. गालिब इन्तिखाह ए-खुल-ए गालिब
3. मुहम्मद हुसैन आजाद नैरंग-ए-खयाल
4. प्रेमचंद दीवान
5. राजेन्द्र सिंह बेदी अपने दुख मुझे दे दो
6. अबुल कलाम आजाद गुवार-ए-खातिर

खण्ड ख

1. मीर इन्तिखान-ए-मीर
(सम्पादक : अबदुल हक)
2. मीर हसन सहस्त्र बयाँ
3. गालिब दीवान-ए-गालिब
4. इकबाल बाल-ए-जिबरेल
5. फ़िराक गुल-ए-नगमा
6. फ़ैज दस्त-ए-सबा
7. अखतरुलमान वित-ए-लम्हात

प्रबंध

अभ्यर्थी को प्रबंध की विज्ञान और कला के रूप में संकल्पना और विकास का अध्ययन करना चाहिए और प्रबंध के अग्रणी विचारकों के योगदान को आत्मसात करना चाहिए तथा कार्यनीतिक एवं प्रचालनात्मक

परिवेश को दृष्टिगत रखते हुए इसकी संकल्पनाओं को वास्तविक शासन एवं व्यवसाय निर्णयन में प्रयोग में लाना चाहिए।

प्रश्न पत्र-1

1. प्रबंधकीय कार्य एवं प्रक्रिया :

प्रबंध की संकल्पना एवं आधार, प्रबंध चिंतन का विकास : प्रबंधकीय कार्य-आयोजना, संगठन, नियंत्रण; निर्णयन; प्रबंधक की भूमिका, प्रबंधकीय कौशल; उद्यमवृत्ति; नवप्रवर्तन प्रबंध; विश्वव्यापी वातावरण में प्रबंध, नमय प्रणाली प्रबंधन; सामाजिक उत्तरदायित्व एवं प्रबंधकीय आचारनीति; प्रक्रिया एवं ग्राहक अभिविन्यास; प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष मूल्य शृंखला पर प्रबंधकीय प्रक्रियाएं !

2. संगठनात्मक व्यवहार एवं अभिकल्प :

संगठनात्मक व्यवहार का संकल्पनात्मक निर्देश; व्यक्ति प्रक्रियाएं-व्यक्तित्व, मूल्य एवं अभिवृत्ति, प्रत्यक्ष, अभिप्रेरण, अधिगम एवं पुनर्वर्तन, कार्य तनाव एवं तनाव प्रबंधन; संगठन व्यवहार की गतिकी-सत्ता एवं राजनीति, द्वन्द्व एवं वार्ता, नेतृत्व प्रक्रिया एवं शैलियां, संप्रेषण; संगठनात्मक प्रक्रियाएं-निर्णयन, कृत्यक अभिकल्प; संगठनिक अभिकल्प के क्लासिकी, नवक्लासिकी एवं आपात उपायन; संगठनात्मक सिद्धांत एवं अभिकल्प-संगठनात्मक संस्कृति, सांस्कृतिक अनेकता प्रबंधन, संगठन अधिगम; संगठनात्मक परिवर्तन एवं विकास; ज्ञान आधारित उद्यम-प्रणालियां एवं प्रक्रियाएं; जालतंत्रिक एवं आभासी संगठन।

3. मानव संसाधन प्रबंध :

मानव संसाधन की चुनौतियां; मानव संसाधन प्रबंध के कार्य; मानव संसाधन प्रबंध की भाजी चुनौतियां; मानव संसाधनों का कार्यनीतिक प्रबंध; मानव संसाधन आयोजना; कृत्यक विश्लेषण; कृत्यक मूल्यांकन; भर्ती एवं चयन; प्रशिक्षण एवं विकास, पदोन्नति एवं स्थानांतरण; निष्पादन प्रबंध; प्रतिस्पर्धा प्रबंध एवं लाभ; कर्मचारी मनोबल एवं उत्पादकता; संगठनात्मक वातावरण एवं औद्योगिक संबंध प्रबंध; मानव संसाधन लेखाकरण एवं लेखा परीक्षा, मानव संसाधन सूचना प्रणाली; अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंध।

4. प्रबंधकों के लिए लेखाकरण :

वित्तीय लेखाकरण-संकल्पना, महत्व एवं क्षेत्र, सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांत, तुलनापत्र के विश्लेषण एवं व्यवसाय आय मापन के विशेष संदर्भ में वित्तीय विवरणों को तैयार करना, सामग्री सूची मूल्यांकन एवं मूल्यहास, वित्तीय विवरण विश्लेषण, निधि प्रवाह विश्लेषण, नकदी प्रवाह विवरण, प्रबंध लेखाकरण-संकल्पना, आवश्यकता, महत्व एवं क्षेत्र; लागत लेखाकरण-अभिलेख एवं प्रक्रियाएं, लागत लेजर एवं नियंत्रण लेखाएं, वित्तीय एवं लागत लेखाओं के बीच समाधान एवं समाकलन; ऊपरी लागत एवं नियंत्रण, कृत्यक एवं प्रक्रिया लागत आंकलन, बजट एवं बजटीय

नियंत्रण, निष्पादन बजटन, शून्यधारित बजटन, संगत लागत-आंकलन, एवं निर्णयन लागत-आंकलन; मानक लागत-आंकलन एवं प्रसरण विश्लेषण, सीमांत लागत एवं निर्माण लागत आंकलन, आंकलन एवं अवशोषण लागत-आंकलन।

5. वित्तीय प्रबंध :

वित्त कार्य के लक्ष्य; मूल्य एवं प्रति लाभ की संकल्पनाएं; बांडों एवं शेयरों का मूल्यांकन; कार्यशील पूंजी का प्रबंध; प्राक्कलन एवं वित्तीयन; नकदी, प्राप्ति, सामग्रीसूची एवं चालू देयताओं का प्रबंधन; पूंजी लागत; पूंजी बजटन; वित्तीय एवं प्रचालन लेवरेज; पूंजी संरचना अभिकल्प; सिद्धांत एवं व्यवहार; शेयरधारक मूल्य सृजन; लाभांश नीति निगम वित्तीय नीति एवं कार्यनीति, निगम कुर्की एवं पुनर्संरचना कार्यनीति प्रबंध; पूंजी एवं मुद्रा बाजार; संस्थाएं एवं प्रपत्र; पट्टे पर देना, किराया खरीद एवं जोखिम पूंजी; पूंजी बाजार विनियमन; जोखिम एवं प्रतिलाभ; पोर्टफोलियो सिद्धांत; CAPM; APT; वित्तीय व्युत्पन्न : विकल्प फ्यूचर्स, स्वैप; वित्तीय क्षेत्रक में अभिनव सुधार।

6. विपणन प्रबंध :

संकल्पना, विकास एवं क्षेत्र; विपणन कार्यनीति सूत्रीकरण एवं विपणन योजना के घटक; बाजार का खंडीकरण एवं लक्ष्योन्मुखन; पण्य का अवस्थान एवं विभेदन; प्रतियोगिता विश्लेषण; उपभोक्ता बाजार विश्लेषण; औद्योगिक क्रेता व्यवहार; बाजार अनुसंधान; उत्पाद कार्यनीति; कीमत निर्धारण कार्यनीतियां; विपणन सारणियों का अभिकल्पन एवं प्रबंधन; एकीकृत विपणन संचार; ग्राहक संतोष का निर्माण, मूल्य एवं प्रतिधारण; सेवाएं एवं अ-लाभ विपणन; विपणन में आचार, ग्राहक सुरक्षा, इंटरनेट विपणन, खुदरा प्रबंध; ग्राहक संबंध प्रबंध; साकल्यवादी विपणन की संकल्पना।

प्रश्न पत्र-2

1. निर्णयन की परिमाणात्मक प्रविधियां :

वर्णनात्मक सांख्यिकी-सारणीबद्ध, आलेखीय एवं सांख्यिक विधियां, प्रायिकता का विषय प्रवेश, असंतत एवं संतत प्रायिकता बंटन, आनुमानिक सांख्यिकी-प्रतिदर्शी बंटन, केन्द्रीय सीमा प्रमेय, माध्यों एवं अनुपातों के बीच अंतर के लिए परिकल्पना परीक्षण, समष्टि प्रसारणों के बारे में अनुमान, काई-स्क्वेयर एवं ANOVA, सरल सहसंबंध एवं समाश्रयण, कालश्रेणी एवं पूर्वानुमान, निर्णय सिद्धांत, सूचकांक; रैखिक प्रोग्रामन-समस्या सूत्रीकरण, प्रसमुच्चय विधि एवं आलेखीय हल, सुग्राहिता विश्लेषण।

2. उत्पादन एवं व्यापार प्रबंध :

व्यापार प्रबंध के मूलभूत सिद्धांत; उत्पादनार्थ आयोजना; समस्त उत्पादन आयोजना, क्षमता आयोजना, संयंत्र अभिकल्प : प्रक्रिया आयोजना, संयंत्र आकार एवं व्यापार मान, सुविधाओं का प्रबंधन; लाईन संतुलन; उपकरण प्रतिस्थापन एवं अनुरक्षण; उत्पादन नियंत्रण; पूर्ति शृंखला

प्रबंधन-विक्रेता मूल्यांकन एवं लेखापरीक्षा; सुगता प्रबंधन; सांख्यिकीय प्रक्रिया नियंत्रण, बड सिस्टम निर्माण प्रणालियों में नम्यता एवं स्फूर्ति; विश्व श्रेणी का निर्माण; परियोजना प्रबंधन संकल्पनाएं, अनुसंधान एवं विकास प्रबंध, लेव व्यापार प्रबंध; सामग्री प्रबंधन की भूमिका एवं महत्व, मूल्य विश्लेषण, निर्माण अथवा क्रय निर्णय; सामग्री सूत्री नियंत्रण, अधिकतम खुदरा कीमत; अपशेष प्रबंधन।

3. प्रबंध सूचना प्रणाली :

सूचना प्रणाली का संकल्पनात्मक आधार; सूचना सिद्धांत, सूचना संसाधन प्रबंध; सूचना प्रणाली प्रकार, प्रणाली विकास-प्रणाली एवं अधिकल्प विहंगमलोकित; प्रणाली विकास प्रबंध जीवन-चक्र, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन संरक्षण के लिए अधिकल्पन; परियोजना कार्यान्वयन एवं नियंत्रण; सूचना प्रौद्योगिकी की प्रवृत्तियां; आँकड़ा संसाधन प्रबंधन, आँकड़ा आयोजना; DDS एवं RDBMS; उद्यम पर्याप्त आयोजना (ERP); विशेषज्ञ प्रणाली निर्माण के आर्किटेक्चर ई-गवर्नेंस, सूचना प्रणाली आयोजना, सूचना प्रणाली में नम्यता; उपयोक्ता संबद्धता; सूचना प्रणाली का मूल्यांकन।

4. सरकार व्यवसाय अंतरापृष्ठ :

व्यवसाय में राज्य की सहभागिता, भारत में सरकार, सरकार एवं विभिन्न वाणिज्य मंडलों तथा उद्योग के बीच अंतर्गत क्रिया; लघु उद्योगों के प्रति सरकार की नीति; नए उद्योग की स्थापना हेतु सरकार की अनुमति; जन वितरण प्रणाली का भूत एवं वितरण पर सरकारी नियंत्रण; उपयोक्ता संरक्षण अधिनियम (CPA) एवं उपयोक्ता अधिकार का संरक्षण में स्वच्छक संस्थाओं की भूमिका; सरकार की नई औद्योगिक नीति; उद्यमीकरण अ-विनियमन एवं निजीकरण; भारत की योजना प्रणाली; पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लक्ष्य; सरकारी नीति; पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यवसाय एवं उद्योग के दायित्व; निगम अभिशासन; सड़कर विधियां।

5. कार्यनैतिक प्रबंध :

अध्ययन क्षेत्र के रूप में व्यवसाय नीति; कार्यनैतिक प्रबंध का स्वरूप एवं विषय क्षेत्र, सामरिक आशय, दृष्टि, संकेत एवं नीतियां; कार्यनैतिक आयोजना प्रक्रिया एवं कार्यनैतिक परिवर्तनीय विश्लेषण एवं आंतरिक विश्लेषण, SWOT विश्लेषण; कार्यनैतिक विश्लेषण हेतु उपकरण एवं प्रवृत्तियां-प्रभाव आव्यूह : अनुभव वक्र, BCG मॉडल, GEC बहुलक, उद्योग विश्लेषण, मूल्य शृंखला का संकल्पक व्यवसाय प्रतिष्ठान की कार्यनैतिक परिच्छेदिका; प्राकृतिक विश्लेषण हेतु डांचा; व्यवसाय प्रतिष्ठान का प्राक्कण-सामयिक प्रतियोगी कार्यनैतियां; विकास कार्यनैति विस्तार समाकलन एवं विशाखन; क्रोड़ सक्षमता की संकल्पना कार्यनैतिक नम्यता; कार्यनैति पुनराविस्कार; कार्यनैति पुनर्रचना; मुख्य कार्यपालक एवं परिषद्, टर्म, कार्यनैति प्रबंधन; प्रबंधन एवं कार्यनैतिक परिवर्तन; कार्यनैतिक

सहबंध; विलयन एवं अग्रिमरण; भारतीय संरक्षण व्यवसायों में एवं निगम विकास।

6. अंतराष्ट्रीय व्यवसाय :

अंतराष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश : माल एवं सेवाओं में व्यापार के बदलते संघर्ष; भारत का विदेशी व्यापार नीति एवं प्रवृत्तियां; अंतराष्ट्रीय व्यापार का नित पोषण; शान्त आर्थिक सहयोग; FTA, सेवा प्रतिष्ठानों का अंतराष्ट्रीयकरण; अंतराष्ट्रीय उत्पादन; अंतराष्ट्रीय वित्त नीति; अंतराष्ट्रीय प्रबंध; अंतराष्ट्रीय कराधान; विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था एवं प्रौद्योगिकीय विकास; विश्वव्यापी ई-व्यापार; विश्वव्यापी सांठनिक संरचना आभिकल्पन एवं नियंत्रण; अंतराष्ट्रीय प्रबंध; विश्वव्यापी व्यवसाय कार्यनैति; विश्वव्यापी व्यापार कार्यनैति; विप्रीत प्रबंध; विप्रीत व्यापार नियंत्रण; वस्तु उपक्रम; विदेश निवेश; विदेशी प्रत्यक्ष निवेश; विदेशी पोर्टफोलियो निवेश; सामाजिक विलयन एवं आभिकल्प; विश्व मुद्रा जोखिम उद्भासन प्रबंध; विश्व वित्तिय संघर्ष एवं अंतराष्ट्रीय बैंकिंग, बाह्य ऋण प्रबंधन; ई-व्यापार विश्लेषण।

गणित

प्रश्नपत्र-1

1. रैखिक बीजगणित :

R एवं C सदिश समष्टियां, रैखिक आश्रितता एवं स्वतंत्रता, उपसमष्टियां, आधार, विमा, रैखिक रूपांतरण, कोटि एवं गुणक, रैखिक रूपांतरण का आव्यूह।

आव्यूहों की बीजगणित, घटित एवं रंग समतुल्यता, रंग का लघु, स्वतंत्रता एवं समरूपता, आव्यूह की कोटि, आव्यूह का गुणक, रैखिक समीकरण प्रणाली का हल, आंशिकशून्यिक मान पर औपलब्धता, सदिश, अभिलक्षणिक बहुपद, कैले-हैमिल्टन प्रमेय, समतल, त्रिगुण सममित, हर्मिटी, विषम हर्मिटी, लायिक एवं ऐकिक आव्यूह का आंशिक अभिलक्षणिक मान।

2. कलन :

वास्तविक संख्याएँ, वास्तविक अंक के घटन, समाकलन, अवकलनीयता, माध्यमान प्रमेय, शून्यता के साथ डेल्टा का प्रमेय, अनिर्धारित रूप, उच्चिष्ठ एवं अल्पिष्ठ, अंतरास्थान, त्रिक अनुसंधान, वास्तविक अंकों के फलन : सीमा, सांतत्व, अंतरास्थान अवकलन, अवकल एवं अल्पिष्ठ, सामाजिक गुणक विधि, जैकोबी, अनिश्चित समाकलनों की समाकलन, आंशिक समाकल, अनंत (इम्पिट एवं इंप्रॉपर) 3-फलन, द्विधारा एवं विधा समाकल (केवल मूल्यांकन प्रवृत्तियां), क्षेत्र, पृष्ठ एवं आयतन।

3. विश्लेषिक ज्यामिति :

त्रिविमाओं में कार्तीय एवं ध्रुवीय निर्देशांक, त्रि-धारा में द्वितीय काल समीकरण, विहित रूपों में लघुकरण, सरल रेखाएँ, 3-विषमसमंतोय रेखाओं के बीच की लघुतम दूरी, समतल, गोलक, शंकु, बेलन, अक्षरालय, दीर्घवृत्तज, एक या दो पृष्ठी अतिपरवलयज एवं उनके गुणक।

4. साधारण अवकल समीकरण :

अवकल समीकरणों का संरूपण, प्रथम कोटि एवं प्रथम क्रम का समीकरण, समाकलन गुणक, लंबकोणीय सछेदी, प्रथम क्रम का समीकरण

यांत्रिक इंजीनियरी

प्रश्न पत्र-1

1. यांत्रिकी :

1.1 दृढ़ पिंडों की यांत्रिकी

आकाश में साम्यावस्था का समीकरण एवं इसका अनुप्रयोग, क्षेत्रफल के प्रथम एवं द्वितीय घर्षण की सरल समस्याएँ, समतल गति के लिए कणों की शुद्धगतिवी, प्रारंभिक गति गतिकी ।

1.2 विरूपणीय पिंडों की यांत्रिकी

व्यापीकृत हुक का नियम एवं इसका अनुप्रयोग, अक्षीय प्रतिबल पर अभिकल्प समस्याएँ, अपरूपण प्रतिबल एवं आभ्रमक प्रतिबल, गतिका भारण के लिए सामग्री के गुण, दंड में बंकन समस्याएँ एवं प्रतिबल, मुख्य प्रतिबलों एवं विकृतियों का निर्धारण-विश्लेषण एवं आलेखी, संयुक्त एवं मिश्रित प्रतिबल, द्विअक्षीय प्रतिबल-तुल्य विद्रुह दाब भाण्ड, गतिक भार के लिए पदार्थ व्यवहार एवं अभिकल्प कर्तक, केवल बंकन एवं मरोड़ी भार के लिए गोल शैप्ट का अभिकल्प प्रयोगात्मक निर्धारि समस्याओं के लिए दंड का विक्षेप, भंग के सिद्धांत ।

2. इंजीनियरी पदार्थ :

ठोसों की आधारभूत संकल्पनाएँ एवं संरचना, सामान्य लोह एवं अलोह पदार्थ एवं उनके अनुप्रयोग, स्टीलों का ताप प्रसार, अधातु-प्लास्टिक, सेरेमिक, संमिश्र पदार्थ एवं नैनोपदार्थ ।

3. यंत्रों का सिद्धांत :

समतल-क्रियाविधियों का शुद्धगतिक एवं गतिक विश्लेषण : कैम, गियर एवं अधिचक्रिक गियरमालाएँ, गतिपालक चक्र, अधिविचक्रक, दृढ़ घूर्णकों का संतुलन, एकल एवं बहुसिलिंडरी इंजन, यांत्रिकता का वैश्विक कंपन विश्लेषण (एकल स्वातंत्र्य कोटि), क्रांतिक चाल एवं शैप्ट का आचलन ।

4. निर्माण का विज्ञान :

4.1 निर्माण प्रक्रम :

यंत्र औजार इंजीनियरी-व्यापारी बल विश्लेषण, टेलर का औजार आयु समीकरण, रूढ़ मशीनन, NC एवं CNC मशीनन प्रक्रम, चाल एवं स्थायिक ।

अरूढ़ मशीनन-EDM, ECM, पराश्रव्य, जल प्रक्षार मशीनन, इत्यादि लेजर एवं प्लाज्मा के अनुप्रयोग, ऊर्जा दर अवकलन ।

रूपण एवं वेल्डन प्रक्रम-मानक प्रक्रम ।

मापिकी-अन्यायोजनों एवं सहिष्णुताओं की संकल्पना, औजार एवं प्रमाप, तुलचित्र, लंबाई का निरीक्षण, स्थिति, परिच्छेदिका एवं वृष्ट संपूर्ति ।

4.2 निर्माण प्रबंध :

तंत्र अभिकल्प : फैक्टरी अवस्थिति-सरल OR मॉडल, संयंत्र अभिन्यास-पद्धति आधारित, इंजीनियरी आर्थिक विश्लेषण एवं भंग के अनुप्रयोग-उत्पादा वरण, प्रक्रम वरण एवं क्षमता आयोजना के लिए विश्लेषण भी, पूर्व निर्धारित समय मानक ।

प्रणाली आयोजना : समाश्रयण एवं अपवटन पर आधारित पूर्वकथन विधियाँ, बहु मॉडल एवं प्रासंभाव्य समन्वयोजन रेखा का अभिकल्प एवं संतुलन, सामग्री सूची प्रबंध-आदेश काल एवं आदेश मात्रा निर्धारण के लिए प्रायिकतात्मक सामग्री सूची मॉडल, JIT प्रणाली, युक्तिमय उद्गमीकरण, अंतर-संयंत्र संभारतंत्र ।

तंत्र संक्रिया एवं नियंत्रण :

कृत्यकशाला के लिए अनुसूचक कलन विधि, उत्पाद एवं प्रक्रम गुणता नियंत्रण के लिए सांख्यिकीय विधियों का अनुप्रयोग, मापन, पदस, दूषित प्रतिशतता, दोषों की संख्या एवं प्रति यूनिट दोष के लिए नियंत्रण चार्ट अनुप्रयोग, गुणता लागत प्रणालियाँ, संसाधन, संगठन एवं परियोजना जोखिम का प्रबंधन ।

प्रणाली सुधार : कुल गुणता प्रबंध, नम्य, कृत्र एवं दृढ़ समतनों का विकास एवं प्रबंधन जैसी प्रणालियों का कार्यान्वयन ।

प्रश्न पत्र-2

1. उष्मागतिकी, गैस गतिकी एवं ठोस यंत्र :

1.1 उष्मागतिकी के प्रथम नियम एवं द्वितीय नियम की आधारभूत संकल्पनाएँ, ऐन्ट्रॉपी एवं प्रतिक्रमणीयता की संकल्पना, उपलब्धता एवं अनुपलब्धता तथा अप्रतिक्रमणीयता ।

1.2 तरलों का वर्गीकरण एवं गुणधर्म, अंसपीड्य एवं संपीड्य तरल प्रवाह, मैक संख्या का प्रभाव एवं संपीड्यता, चालन संवेग एवं ऊर्जा समीकरण, प्रसामान्य एवं तिर्यक प्रवाह, एक विभीष्य समपैट्रॉपी प्रवाह, तरलों का नलिका में घर्षण एवं ऊर्जाअंतरण के साथ प्रवाह ।

1.3 पंखों, ब्लोअरों एवं संपीडित्रों से प्रवाह, अक्षीय एवं अभिकेंद्री प्रवाह विन्यास, पंखों एवं संपीडित्रों का अभिकल्प, संपीडनों और टरबाइन, सोपानों की सरल समस्याएँ विकृत एवं संवृत चक्र गैस टरबाइन, गैस टरबाइन में किया गया कार्य, पुनःताप एवं पुनर्जनन ।

2. ऊष्मा अंतरण :

2.1 चालन ऊष्मा अंतरण-सामान्य चालन समीकरण-लाप्लास, प्वासों एवं फूरिए समीकरण, चालन का फूरिए नियम, सरल भित्ति ठोस एवं खोखले बेलन तथा गोलकों पर लगा एक विभीष्य स्थायी तथा ऊष्मा चालन ।

2.2 संवहन ऊष्मा अंतरण-न्यूटन का संवहन नियम, मुक्त एवं प्रणोदित संवहन, चपटे तल पर अंसपीड्य तरल के स्तरीय एवं विक्षुब्ध प्रवाह के दौरान ऊष्मा अंतरण, नसेल्ट संख्या, जलगतिक एवं ऊष्मीय सीमांतपरत एवं उनकी मोटाई की संकल्पनाएँ, प्रांटल संख्या, ऊष्मा एवं संवेग अंतरण के बीच अनुरूपता-रेनॉल्ड्स कोलबर्न, प्रांटल अनुरूपताएँ, क्षैतिज नलिकाओं से स्तरीय एवं विक्षुब्ध प्रवाह के दौरान ऊष्मा अंतरण, क्षैतिज एवं ऊर्ध्वाधर तलों से मुक्त संवहन ।

2.3 कृष्णिका विकिरण-आधारभूत विकिरण नियम, जैसे कि, स्टीफेन बोल्ट्जमैन, प्लांक वितरण, वीन विस्थापन, आदि ।

2.4 आधारभूत ऊष्मा विनिमयित्र विश्लेषण, ऊष्मा विनिमयित्रों का वर्गीकरण ।

3. अंतर्दहन इंजिन :

3.1 वर्गीकरण, सक्रिया के ऊष्मागतिक चक्र, भंग शक्ति, सूचित शक्ति, यांत्रिक दक्षता, ऊष्मा समायोजन चादर, निष्पादन अभिक्षण का निर्वचन, पेट्रोल, गैस एवं डीजल इंजिन ।

3.2 SI एवं CI इंजिनों में दहन, सामान्य एवं असामान्य दहन, अपस्फोटन पर कार्यशील प्राचलों का प्रभाव, अपस्फोटन का न्यूनीकरण, SI एवं CI इंजिनों के लिए दहन प्रकोष्ठ के प्रकार, योजक, उत्सर्जन ।

3.3 अंतर्दहन इंजिनों की विभिन्न प्रणालियाँ-ईंधन, स्नेहन, शीतन एवं संचरण प्रणालियाँ, अंतर्दहन इंजिनों में विकल्पी ईंधन ।

4. भाप इंजीनियरी :

4.1 भाप जनन-आशोधित रैंकिन चक्र विश्लेषण, आधुनिक भाप बॉयलर, क्रांतिक एवं अधिक्रांतिक दाबों पर भाप, प्रवात उपस्कर, प्राकृतिक एवं कृत्रिम प्रवात, बॉयलर ईंधन, ठोस, द्रव एवं गैसीय ईंधन, भाप टरबाइन-सिद्धांत, प्रकार, संयोजन, आवेग एवं प्रतिक्रिया टरबाइन, अक्षीय प्रणोद ।

4.2 भाप तुंड-अभिसारी एवं अपसारी तुंड में भाप का प्रवाह, आर्द्र, संतृप्त एवं अधितप्त जैसी विभिन्न प्रारम्भिक भाप दशाओं के साथ, अधिकतम निस्सरण के लिए कंठ पर दाब, पश्चदाब विचरण का प्रभाव, तुंडों में भाप अधिसंतृप्त प्रवाह, विलसन रेखा ।

4.3 आंतरिक एवं बाह्य अप्रतिक्रम्यता के साथ रैंकिन चक्र, पुनस्ताप गुणक, पुनस्तापन एवं पुनर्जनन, अधिनियंत्रण विधियाँ, पश्च दाब एवं उपनिकासन टरबाइन ।

4.4 भाप शक्ति संयंत्र-प्रयुक्त चक्र शक्ति जनन, उष्मा पुनःप्राप्ति भाप जनित्र (HRSG) तप्त एवं अतप्त, सहजनन संयंत्र ।

5. प्रशीतन एवं वातानुकूलन :

5.1 वाष्प संपीडन प्रशीतन चक्र-p-H एवं T-s आरेखों पर चक्र, पर्यावरण अनुकूली प्रशीतक द्रव्य-R 134 a, R 123, वाष्पित्र द्रवणित्र, प्रसरण साधन जैसे तंत्र सरल वाष्प अध्ययन तंत्र ।

5.2 आर्द्रतामिति-गुणधर्म, प्रक्रम, लेखाचित्र, संवेद्य तापन एवं शीतन, आर्द्रीकरण एवं अनार्द्रीकरण प्रभावी तापक्रम, वातानुकूलन भार परिकलन, सरल वाहिनी अधिकल्प ।

चिकित्सा विज्ञान

प्रश्न पत्र-1

1. मानव शरीर :

उपरि एवं अधोशाखाओं, स्कंधसंधियों, कूल्हे एवं कलाई में रक्त एवं तंत्रिका संभरण समेत अनुप्रयुक्त शरीर ।

सकलशारीर, सक्तसंभरण एवं जिह्वा का लिंफिय अपवाह, थायरॉइड, स्तन ग्रंथि, जठर, यकृत, प्रॉस्टेट, जननग्रंथि एवं गर्भाशय ।

डायक्राम, पेरीनियम एवं वंक्षणप्रदेश का अनुप्रयुक्त शरीर ।

वृक्क, मूत्राशय, गर्भाशय नलिकाओं, शुक्रवाहिकाओं का रोगलक्षण शरीर ।

भूगर्भविज्ञान : अपरा एवं अपरा रोध । हृदय, आंत्र, डूक्क, गर्भाशय, डिंबग्रंथि, वृषण का विकास एवं उनकी सामान्य जन्मजात असामान्यताएं ।

केन्द्रीय एवं परिसरीय स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र :

मस्तिष्क के निलयों, प्रमस्तिष्कमेरु द्रव के परिभ्रमण का सकल एवं रोगलक्षण शरीर, तंत्रिका मार्ग एवं त्वचीय संवेदन, श्रवण एवं दृष्टि विक्षित, कपाल तंत्रिकाएं, वितरण एवं रोगलाक्षणिक महत्व, स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र के अवयव ।

2. मानव शरीर क्रिया विज्ञान :

आवेग का चालन एवं संचरण, संकुचन की क्रियाविधि, तंत्रिका-पेशीय संचरण, प्रतिवर्त, संतुलन नियंत्रण, संस्थिति एवं पेशी-तान, अवरोही मार्ग, अनुमस्तिष्क के कार्य, आधारी गंडिकाएं, निद्रा एवं चेतना का क्रियाविज्ञान ।

अंतःस्त्रावी तंत्र : हार्मोन क्रिया की क्रियाविधि, रचना, स्रवण, परिवहन, उपापचय, पैक्रियाज एवं पोयूष ग्रंथि के कार्य एवं स्रवण नियमन ।

जनन तंत्र का क्रिया विज्ञान : आर्तवचक्र, स्तन्यस्रवण, सगर्भता

रक्त : विकास, नियमन एवं रक्त कोशिकाओं का परिणाम ।

हृद्वाहिका, हृद्निस्पादन, रक्तदाब, हृद्वाहिका कार्य का नियमन ।

3. जैव रसायन :

अंगकार्य परीक्षण-यकृत, वृक्क, थायरॉइड ।

प्रोटीन संश्लेषण ।

विटामिन एवं खनिज ।

निर्बन्धन विखंड दैर्घ्य बहुरूपता (RFLP)

पॉलीमेरेज शृंखला प्रतिक्रिया (PCR)

रेडियो-इम्यूनोऐसे (RIA)

4. विकृति विज्ञान :

थोथ एवं विरोहण, वृद्धि विक्षोथ एवं कैंसर रहयूमैटिक एवं इस्कीमिक हृदय रोग एवं डायबिटीज मेलिटस का विकृतिजनन एवं ऊतकविकृति विज्ञान ।

सुदृढ, दुर्दम, प्राथमिक एवं विक्षेपी दुर्दमता में विभेदन, रक्तसनीजन्य कार्सिनोमा का विकृतिजनन एवं ऊतकविकृति विज्ञान, स्तन कार्सिनोमा, मुख कैंसर, ग्रीवा कैंसर, ल्यूकोमिया, यकृत सिरोसिस, स्तवकवृक्कशोथ, यक्ष्मा तीव्र अस्थिमज्जाशोथ का हेतु, विकृतिजनन एवं ऊतक विकृति विज्ञान ।

5. सूक्ष्म जैविकी :

देहद्रवी एवं कोशिका माध्यमित रोगक्षमता

निम्नलिखित रोगकारक एवं उनका प्रयोगशाला निदान :

-मेंनिंगोकोक्कस, सालमोनेला

-शिगेला, हर्पीज, डेंगू, पोलियो

अव्यक्त एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंध ।

दर्शन शास्त्र

प्रश्न पत्र-2

प्रश्न पत्र-1

दर्शन का इतिहास एवं समस्याएं :

1. प्लेटो एवं अरस्तू : प्रत्यय; द्रव्य; आकार एवं पुद्गल; कार्यकारण भाव; वास्तविकता एवं शक्यता ।
2. तर्कबुद्धिवाद (देकार्त, स्पिनोजा, लीबनिज) : देकार्त की पद्धति एवं असंदिग्ध ज्ञान; द्रव्य; परमात्मा; मन-शरीर द्वैतवाद; नियतत्ववाद एवं स्वातंत्र्य ।
3. इन्द्रियानुभव (लॉक, बर्कले, ह्यूम); ज्ञान का सिद्धांत; द्रव्य एवं गुण; आत्मा एवं परमात्मा; संशयवाद ।
4. कांट : संश्लेषात्मक प्रागनुभविक निर्णय की संभवता; दिक एवं काल; पदार्थ; तर्कबुद्धि प्रत्यय; विप्रतिषेध; परमात्मा के अस्तित्व के प्रमाणों की मीमांसा ।
5. हीलेग : द्वंद्वात्मक प्रणाली; परमप्रत्ययवाद ।
6. मूर, रसेल एवं पूर्ववर्ती विटगेन्स्टीन; सामान्य बुद्धि का मंडन; प्रत्ययवाद का खंडन; तार्किक परमाणवाद; तार्किक रचना; अपूर्ण प्रतीक; अर्थ का चित्र सिद्धांत; उक्ति एवं प्रदर्शन ।
7. तार्किक प्रत्यक्षवाद; अर्थ का सत्यापन सिद्धांत; तत्त्वमीमांसा का अस्वीकार; अनिवार्य प्रतिज्ञाति का भाषिक सिद्धांत ।
8. उत्तरवर्ती विटगेन्स्टीन : अर्थ एवं प्रयोग; भाषा-खेल; व्यक्ति भाषा की मीमांसा ।
9. संवृतिशास्त्र (हर्सल); प्रणाली; सार सिद्धांत; मनोविज्ञानपरता का परिहार ।
10. अस्तित्वपरकतावाद (कीर्कगार्द, सार्त्र, हीडेगर); अस्तित्व एवं सार; वरण, उत्तरदायित्व एवं प्रामाणिक अस्तित्व; विश्वनिसर्ग एवं कालसत्ता ।
11. क्वाइन एवं स्ट्रासन : इन्द्रियानुभववाद की मीमांसा; मूल विशिष्ट एवं व्यक्ति का सिद्धांत ।
12. चार्वाक : ज्ञान का सिद्धांत; अतीन्द्रिय सत्त्वों का अस्वीकार ।
13. जैनदर्शन संप्रदाय; सत्ता का सिद्धांत; सप्तभंगी न्याय; बंधन एवं मुक्ति ।
14. बौद्धदर्शन संप्रदाय; प्रतीत्यसमुत्पाद; क्षणिकवाद, नैरात्म्यवाद ।
15. न्याय-वैशेषिक : पदार्थ सिद्धांत; आभास सिद्धांत; प्रणाम सिद्धांत; आत्मा, मुक्ति; परमात्मा; परमात्मा के अस्तित्व के प्रणाम; कार्यकारण-भाव का सिद्धांत, सृष्टि का परमाणुवाद सिद्धांत ।
16. सांख्य : प्रकृति; पुरुष; कार्यकारण-भाव; मुक्ति ।
17. योग : चित्त; चित्तवृत्ति; क्लेश; समाधि; कैवल्य ।
18. मीमांसा; ज्ञान का सिद्धांत ।
19. वेदांत संप्रदाय : ब्रह्मन; ईश्वर; आत्मनः; जीव; जगत; माया; अविद्या; अध्यास; मोक्ष; अपृथक् सिद्धि; पंचविधभेद ।
20. अरविन्द : विकास, प्रतिविकास; पूर्ण योग ।

सामाजिक-राजनैतिक दर्शन

1. सामाजिक एवं राजनैतिक आदर्श; समानता, न्याय, स्वतंत्रता ।
2. प्रभुसत्ता : आस्टिन बोर्दो, जास्की, कौटिल्य ।
3. व्यक्ति एवं राज्य : अधिकार; कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व ।
4. शासन के प्रकार : राजतंत्र; धर्मतंत्र एवं लोकतंत्र ।
5. राजनैतिक विचारधाराएं; अराजकतावाद; अराज्यवाद एवं समाजवाद ।
6. मानववाद; धर्मनिरपेक्षतावाद; बहुसंस्कृतिवाद ।
7. अपराध एवं दंड : भ्रष्टाचार, व्यापक हिंसा, जातिसंहार, प्राणदंड ।
8. विकास एवं सामाजिक उन्नति ।
9. लिंग भेद : स्त्रीभ्रूण हत्या, भूमि एवं संपत्ति अधिकार; सशक्तिकरण ।
10. जाति भेद : गांधी एवं अम्बेडकर ।

धार्मिक दर्शन

1. ईश्वर की धारणा : गुण; मनुष्य एवं विश्व से संबंध (भारतीय एवं पश्चात्य) ।
2. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण और उसकी मीमांसा (भारतीय एवं पश्चात्य) ।
3. अशुभ की समस्या ।
4. आत्मा : अमरता; पुनर्जन्म एवं मुक्ति ।
5. तर्कबुद्धि, श्रुति एवं आस्था ।
6. धार्मिक अनुभव : प्रकृति एवं वस्तु (भारतीय एवं पश्चात्य) ।
7. ईश्वर रहित धर्म ।
8. धर्म एवं नैतिकता ।
9. धार्मिक शुचिता एवं परम सत्यता की समस्या ।
10. धार्मिक भाषा की प्रकृति : सादृश्यमूलक एवं प्रतीकात्मक; संज्ञानवादी एवं निस्संज्ञानवादी ।

भौतिकी

प्रश्न पत्र-1

1. (क) कण यांत्रिकी

गतिनियम, उर्जा एवं संवेग का संरक्षण, घूर्णी प्रेम पर अनुप्रयोग, अपकेंद्री एवं कोरियालिस त्वरण; केन्द्रीय बल के अंतर्गत गति; कोणीय संवेग का संरक्षण, केप्लर नियम, क्षेत्र एवं विभव; गैलीलीय पिंडों के कारण गुरुत्व क्षेत्र एवं विभव; गैस एवं प्लासों समीकरण, गुरुत्व स्वऊर्जा; द्विपिंड समस्या; समानांतर द्रव्यमान; रदरफोर्ड; प्रकीर्णन; द्रव्यमान केन्द्र एवं प्रयोगशाला संदर्भ प्रेम ।

9. संयुक्त राष्ट्र : विचारित भूमिका एवं वास्तविक लेखा-जोखा; विशेषीकृत संयुक्त राष्ट्र अंगिकरण-लक्ष्य एवं कार्यकरण; संयुक्त राष्ट्र सुधारों की आवश्यकता।
10. विश्व राजनीति का क्षेत्रीयकरण : EU, ASEAN, APEC, SAARC, NAFTA।
11. समकालीन वैश्विक सरोकार : लोकतंत्र, मानवाधिकार, पर्यावरण, लिंग न्याय, आतंकवाद, नाभिकीय प्रसार।

1. भारत की विदेश नीति : विदेश नीति के विचारक नीति निर्माण की संस्थाएं; विरासत एवं परिवर्तन ।
2. गुट निरपेक्षता आंदोलन को भारत का योगदान : विभिन्न चरण; वर्तमान भूमिका ।
3. भारत और दक्षिण एशिया :
(क) क्षेत्रीय सहयोग : SAARC— पिछले निष्पादन एवं भावी प्रत्याशाएं ।

(ग) भारत की "पूर्व अभिमुख" नीति ।

(घ) क्षेत्रीय सहयोग की बाधाएं : नदी जल विवाद; जलविध सीमा पर उत्प्रासन; राजातीय द्वंद एवं उपप्लव; सीमा विवाद ।

4. भारत एवं वैश्विक दक्षिण : अफ्रीका एवं लातानी अमेरिका के साथ संबंध; एनआईआईओ एवं डब्ल्यूटीओ वार्ताओं के लिए आवश्यक गेत्व की भूमिका ।

5. भारत एवं वैश्विक शक्ति केन्द्र : संयुक्त राज्य अमेरिका; यूरोप संघ (ईयू); जापान, चीन और रूस ।

6. भारत एवं संयुक्त राष्ट्र पणाली : संयुक्त राष्ट्र शान्ति अनुरक्षण में भूमिका: सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग ।

7. भारत एवं नाभिकीय प्रश्न : बदलते प्रत्यक्षण एवं नीति ।

8. भारतीय विदेश नीति में हाल के विकास : अफगानिस्तान में हाल के संकट पर भारत की स्थिति; इराक एवं पश्चिम एशिया; यूएस एवं इजराइल के साथ बढ़ते संबंध; नई विश्व व्यवस्था की दृष्टि।

प्रश्न पत्र-1

भनोविज्ञान के आधार

1. परिचय :

मनोविज्ञान की परिभाषा : मनोविज्ञान का ऐतिहासिक पूर्ववृत्त एवं 21वीं शताब्दी में प्रवृत्तियाँ। मनोविज्ञान एवं वैज्ञानिक पद्धति, मनोविज्ञान का अन्य सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों से संबंध; सामाजिक समस्याओं में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग ।

2. मनोविज्ञान की पद्धति :

अनुसंधान के प्रकार-वर्णनात्मक, मूल्यांकनी, नैदानिक एवं पूर्वानुमानिक । अनुसंधान पद्धति; प्रेक्षण, सर्वेक्षण, व्यक्ति अध्ययन एवं प्रयोग; प्रयोगात्मक तथा अप्रयोगात्मक अभिकल्प की विशेषताएं । परीक्षण सद्यः अभिकल्प; केंद्रीय समूह चर्चा, विचारवंश, आधार सिद्धांत उपागम ।

REF ID: A66022

[illegible]

1. **राजनीति** : स्वतंत्र एवं प्रायः अन्तराष्ट्रिय अर्थव्यवस्था एवं राजनैतिक समाजशास्त्रों पर निर्भर। राजनीति प्रक्रिया को स्तोभाएँ।
2. **राजनीतिक परिप्रेक्ष्य** : राज्य, युद्धों, अन्तराष्ट्रिय राजवादी अर्थव्यवस्थाओं में राज्य की बदलते स्थिति को विशेषताएँ। राजनीति और आर्थिक एवं विज्ञानशास्त्रों में।
3. **राजनीतिक प्रतिनिधित्व** एवं सहभागिता, राजनीति प्रक्रिया एवं राजनीतिक सभाओं में राजनैतिक दल, दलगत समूह एवं राजनीतिक प्रक्रियाएँ।
4. **राजनीतिकरण** : विकसित एवं विकसित राजनीति से प्राप्त अनुप्राण।
5. **राजनीतिक संबंधों** के अध्ययन के उपाय : राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाजशास्त्र, अर्थव्यवस्था एवं प्रणाली विज्ञान।
6. **राजनीतिक संबंधों** में आधारभूत संरचनाएँ : राजनीति, सुरक्षा एवं शांति; शक्ति संतुलन एवं प्रतिस्पर्धा; राजनीति वृत्तों एवं राजनीतिक भूगोल; विश्व पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का विकास।
7. **व्यवस्थित अंतराष्ट्रीय राजनीति व्यवस्था** :
(क) महाशक्तियों का उदय : कार्यनीति, राजनीति, अर्थव्यवस्था, शांति-सुरक्षा की होड़ एवं शीत युद्ध; वर्तमान व्यवस्था।
8. **अंतराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का उद्भव** : राजनीति से विश्व व्यापार संगठन तक। समाजवादी अर्थव्यवस्था एवं तथा पारस्परिक आर्थिक सहयोग परिषद (CEA); राजनीति, आर्थिक व्यवस्था एवं अंतराष्ट्रीय विश्व की मांग; विश्व अर्थव्यवस्था का अन्तर्जातीयकरण।

3. अनुसंधान प्रणालियाँ :

मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में मुख्य चरण (समस्या कथन, प्राक्कल्पना निरूपण, अनुसंधान अभिकल्प, प्रतिचयन, आंकड़ा संग्रह के उपकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या तथा विवरण लेखन । मूल के विरुद्ध अनुप्रयुक्त अनुसंधान, आंकड़ा संग्रह की विधियाँ (साक्षात्कार, प्रेक्षण, प्रत्यक्षता), अनुसंधान अभिकल्प (कार्योत्तर एवं प्रयोगात्मक) सांख्यिकी विधियाँ का अनुप्रयोग (टो-परीक्षण, द्विभागी एवम्, सहसंबंध, रसाश्रयण एवं फैक्टर विश्लेषण), मंद अनुक्रिया सिद्धांत ।

4. मानव व्यवहार का विकास :

बुद्धि एवं विकास; विकास के सिद्धांत, मानव व्यवहार की निर्धारित करने वाले आनुवंशिक एवं पर्यावरणीय कारकों की भूमिका; सजातीयकरण में सांस्कृतिक प्रभाव; जीवन विस्तृति विकास; अभिलक्षण; विकासवादी कार्य; जीवन विस्तृति के प्रमुख चरणों में मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य का संवर्धन ।

5. संवेदन, श्रवण और प्रत्यक्षण :

संवेदन : रीति की संकल्पना, निरपेक्ष एवं व्युत्पन्न दोष-भेद देहली, संवेत उपलब्धता एवं रसकता; अवधान को प्रभावित करने वाले कारक विषय में विचार एवं उद्दीपन अभिलक्षण शामिल हैं । प्रत्यक्षण की परिभाषा और संकल्पना, प्रत्यक्षण में वैयक्तिक कारक, प्रापक्षिक संगठन-पूर्व अनुभवों का प्रभाव; प्रापक्षिक रसा-संज्ञान एवं सहज प्रत्यक्ष को प्रभावित करने वाले कारक, अज्ञान आकलन एवं प्रापक्षिक तत्त्वता । प्रत्यक्षण की सुगमता, अतीन्द्रिय प्रत्यक्षण, संस्कृति एवं प्रत्यक्षण, अवलोकन प्रत्यक्षण ।

6. अधिगम :

अधिगम की संकल्पना तथा सिद्धांत (व्यवहारवादी, गेस्टाल्टवादी एवं सूचना प्रक्रमण मॉडल) । विलेय, विभेद एवं सामान्यीकरण की प्रक्रियाएँ; कार्यक्रमबद्ध अधिगम, प्रयुक्तता अधिगम, आत्म अनुदेशात्मक अधिगम; प्रवर्तीकरण की संकल्पनाएँ, प्रकार एवं सारणियाँ; पलायन, परिहार एवं दण्ड, प्रतिरूपण एवं सामाजिक अधिगम ।

7. स्मृति :

संकेतन एवं स्मरण; अल्पावधि स्मृति, दीर्घावधिस्मृति, सबेदी स्मृति प्रतिमापरक स्मृति, अनुसरण स्मृति, मल्टिस्टोर मॉडल, प्रक्रमण के स्तर; संगठन एवं स्मृति सुधार की स्मरणजनक तकनीकें; विस्मरण के सिद्धांत; क्षय व्यक्तिकरण एवं प्रत्यानयन विफलन; अधिस्मृति; स्मृतिलोप आघातों पर एवं अभिघातपूर्व ।

8. चिंतन एवं समस्या समाधान :

पियाजे का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत; संकल्पना निर्माण प्रक्रम; सूचना प्रक्रमण तर्क एवं समस्या समाधान, समस्या समाधान में सहायक एवं बाधाकारी कारक, समस्या समाधान की विधियाँ; सृजनात्मक चिंतन एवं सृजनात्मकता का प्रतिपोषण; निर्णय एवं द्विचिन्तन को प्रभावित करने वाले कारक; अभिनव प्रवृत्तियाँ ।

9. अभिप्रेरण तथा संवेग :

अभिप्रेरण संयोग के मनोवैज्ञानिक एवं शरीरकियात्मक आधार, अभिप्रेरण तथा संवेग का मापन; अभिप्रेरण एवं संवेग का व्यवहार पर प्रभाव; बाह्य एवं आंतर अभिप्रेरण; आंतर अभिप्रेरण को प्रभावित करने वाले कारक; संवेगात्मक सक्षमता एवं संबंधित मुद्दे ।

10. बुद्धि एवं अभिक्षमता :

बुद्धि एवं अभिक्षमता की संकल्पना, बुद्धि का स्वरूप एवं सिद्धांत-लियरभैर, थर्स्टन, गलफोर्ड बर्नन, स्टेशनवर्ग एवं जे. पी. दास; संवेगात्मक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, बुद्धि एवं अभिक्षमता का मापन, बुद्धिलब्धि की संकल्पना, विचलन बुद्धिलब्धि, बुद्धिलब्धि स्थिरता; बहु बुद्धि का मापन, तरल बुद्धि एवं क्रिस्टलित बुद्धि ।

11. व्यक्तित्व :

व्यक्तित्व की संकल्पना तथा परिभाषा; व्यक्तित्व के सिद्धांत (मनोविश्लेषणात्मक, सामाजिक-सांस्कृतिक, अंतर्वैयक्तिक, विकासवादी, मानवतावादी, व्यवहारवादी विरोध गुण एवं जाति उपागम); व्यक्तित्व का मापन (प्रक्षेपी परीक्षण, पेन्सिल-पेपर परीक्षण); व्यक्तित्व के प्रति भारतीय दृष्टिकोण; व्यक्तित्व विकास हेतु प्रशिक्षण । नवीनतम उपागम जैसे कि विंग-5 फैक्टर सिद्धांत; विभिन्न परंपराओं में स्व का बोध ।

12. अभिवृत्तियाँ, मूल्य एवं अभिरुचियाँ :

अभिवृत्तियाँ, मूल्यों एवं अभिरुचियों की परिभाषाएँ; अभिवृत्तियों के घटक; अभिवृत्तियों का निर्माण एवं अनुकरण; अभिवृत्तियों, मूल्यों एवं अभिरुचियों का मापन । अभिवृत्ति परिवर्तन के सिद्धांत, मूल्य प्रतिपोषण की विधियाँ । रुढ़ भाषणों एवं पूर्वाग्रहों का निर्माण, अन्य के व्यवहार को बदलना, गुणारोप के सिद्धांत, अभिनव प्रवृत्तियाँ ।

13. भाषा एवं संज्ञापन :

मानव भाषा-गुण, संरचना एवं भाषागत सोचन; भाषा अर्जन-पूर्वानुसूलता, कार्तीयक अवधि, प्राक्कल्पना; भाषा विकास के सिद्धांत (स्कीनर, चोम्स्की); संज्ञापन की प्रक्रिया एवं प्रकार; प्रभावपूर्ण संज्ञापन एवं प्रशिक्षण ।

14. आधुनिक सगकालीन मनोविज्ञान में मुद्दे एवं पारिप्रेक्ष्य:

मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग; तृप्ति बुद्धि; साइकोसाइबरनेटिक्स; चेतना-नींद-जागरण कार्यक्रमों का अध्ययन; स्थान उद्दीपनसंवेदन, ध्यान, हिप्नोटिक/औषध प्रेरित भावों अतीन्द्रिय प्रत्यक्षण; अतीन्द्रिय प्रत्यक्षण मिथ्याभास अध्ययन ।

प्रश्न पत्र-II

मनोविज्ञान : विषय और अनुप्रयोग

1. व्यक्तिगत विभिन्नताओं का वैज्ञानिक मापन :

व्यक्तिगत विभिन्नताओं का स्वरूप, मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षाओं की विशेषताएँ और संरचना, मनोवैज्ञानिक परीक्षाओं के प्रकार; मनोवैज्ञानिक परीक्षाओं के उपयोग, दुरुपयोग तथा सीमाएँ । मनोवैज्ञानिक परीक्षाओं के प्रयोग में नीतिपरक विषय ।

2. मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य तथा मानसिक विकार :

स्वास्थ्य-अस्वास्थ्य की संकल्पना, सकारात्मक स्वास्थ्य, कल्याण, मानसिक विकार (चिंता, विकार, मनःस्थिति विकार, सीजोफ्रेनिया तथा श्रमिक विकार, व्यक्तित्व विकार, तात्त्विक दुर्व्यवहार विकार) मानसिक विकारों के कारक तत्व, सकारात्मक स्वास्थ्य, कल्याण, जीवनशैली तथा जीवन की भुगवत्ता को प्रभावित करने वाले कारक ।

3. चिकित्सात्मक उपागम :

मनोवैज्ञानिक चिकित्साएँ : व्यवहार चिकित्साएँ; रोगी केन्द्रित चिकित्साएँ, संज्ञानात्मक चिकित्साएँ । देशी चिकित्साएँ (योग, ध्यान)

कार्य के लिए भारतीयज्ञान व्यवस्थापिका में ज्ञान वस्तु और प्रौद्योगिकी और जन-संस्पर्ध भाषण से प्रारम्भ किया। इस भाषण में डॉ. अमृत लाल शर्मा जी ने बहुमुखी विकास, सुरक्षा का अर्थ, जन-संस्पर्ध प्रौद्योगिकी और जन-संस्पर्ध के द्वारा मुख्य प्रतिस्पर्धियों के बीच में प्रतिस्पर्ध विकास से भारतीयज्ञान प्रविणता ।

[illegible][illegible]

(197) *to be* *was* *wasn't* *is* *isn't* *are* *aren't*

[illegible][illegible]

(9) संशोधनार्थ एवं अन्य उद्देश्येन प्रयुक्तः भवेत् ।

(११) आधुनिकता का प्रतिनिधित्व ।

WILLIAM P. BROWN

$$\frac{1}{V} \frac{dV}{dt} = \frac{1}{T} \frac{dT}{dt} - \frac{1}{P} \frac{dP}{dt}$$

प्रमाणानिवृत्ति सिद्धांत

८. प्रभावना

लोक प्रशासन का अर्थ, विस्तार तथा महत्त्व, विकास, लोक प्रशासन का लोक प्रशासन विषय का विकास तथा इसकी वर्तमान स्थिति, लोक प्रशासन, लोक विकल्प उपाय, उपारोक्षण की सुनौतियाँ, विकास, सुवर्द्धनीकरण, अच्छा अभिशासन अवधारणा तथा अनुशासन, लोक प्रशासन प्रबंध ।

माविर्धानिक स्थिति; संरचना, धर्म, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण;
संसाधन के पहलु; आचरण सीखता एवं अनुशासन; कर्मचारी संघ;

राजनीतिक अधिकारों, शिक्षाएत निवारण प्रक्रियाविधि, राजस्व प्रशासन, तटस्थता, सिविल सेवा सक्षमतावाद ।

9. वितीय प्रबंध

राजनीतिक उपकरण को रूप में प्रयुक्त, जोसूचक, संचालक, नियंत्रण; मौद्रिक एवं राजकोषीय क्षेत्र में वित्त भंडारण, वित्त लेखाकार तकनीक; लेखापरिक्षा; लेखा प्रशिक्षणक एवं लेखा परीक्षा एवं महालेखापरीक्षक की भूमिका ।

10. स्वतंत्रता के बाद से हुए प्रशासनिक सुधार

प्रमुख सरोकार; महत्वपूर्ण समितियाँ एवं आयोग; स्वतंत्रता के बाद एवं मानव संसाधन विकास में हुए सुधार; कार्यन्वयन की समस्याएँ ।

11. ग्रामीण विकास

स्वतंत्रता के बाद से संस्थान एवं अभिकरण; ग्रामीण विकास कार्यक्रम, फोकस एवं कार्यनीतियाँ; विकेन्द्रीकरण पंचायती राज, ग्रामों संविधान संशोधन ।

12. नगरीय स्थानीय शासन

नगरपालिका शासन; मुख्य विशेषताएँ, संरचना, कार्य, कार्यक्षेत्र, 74वाँ संविधान संशोधन; विश्वव्यापी स्थानीय शासन के स्थानिकतावाद; विकास गतिशील; नगर प्रबंध के विशेष लक्ष्य, विचार, कार्य एवं प्रशासन ।

13. कानून व्यवस्था प्रशासन

ब्रिटिश रिक्थ; राष्ट्रीय पुलिस आयोग; जांच आयोग के कार्य व्यवस्था बनाए रखने तथा उपलब्ध एवं आतंकवाद का राजस्व प्रशासन में पैरामिलिटरी बलों संघर्ष केन्द्रीय एवं राज्य अभिवारणों की प्रभाव, प्रशासन एवं प्रशासन का अपराधीकरण; पुलिस लोक संबंध; पुलिस के भूमिका

14. भारतीय प्रशासन में महत्वपूर्ण भुद्वे

लोक सेवा में भूतंग; नियामक आयोग; राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग; बहुदलीय शासन प्रणाली में प्रशासन की समस्याएँ; नगरपालिका प्रशासन अंतराफलक; भ्रष्टाचार एवं प्रशासन; विपदा प्रबंधन ।

समाज शास्त्र

प्रश्न पत्र-I

समाजशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत

1. समाजशास्त्र : विद्या शाखा

(क) यूरोप में आधुनिकता एवं सामाजिक परिवर्तन के समाजशास्त्र का आदिर्भाव ।

(ख) समाजशास्त्र का विषय-क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से इसकी तुलना ।

(ग) समाजशास्त्र एवं सामान्य बोध ।

2. समाजशास्त्र विज्ञान के रूप में

(क) विज्ञान, वैज्ञानिक पद्धति एवं समीक्षा

(ख) अनुसंधान क्रियाविधि के प्रमुख सैद्धांतिक तत्व

(ग) प्रत्यक्षवाद एवं इसकी समीक्षा

(घ) तथ्य, मूल्य एवं उद्देश्यपरकता

(ङ) अ-प्रत्यक्षवादी क्रियाविधियाँ

3. अनुसंधान पद्धतियाँ एवं विश्लेषण

(क) गुणात्मक एवं मात्रात्मक पद्धतियाँ

(ख) दत्त संग्रहण की तकनीक

(ग) परिवर्त, प्रतिप्रयन, गणकल्पना, विश्वसनीयता एवं वैधता ।

4. समाजशास्त्रीय चिंतन

(क) कार्लमार्क्स : ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन विधि, व्यवस्था, वर्ग संघर्ष ।

(ख) इमाइल दुखीम : श्रम विभाजन, सामाजिक तथ्य, आत्महत्या धर्म एवं समाज ।

(ग) मैक्स वेबर : सामाजिक क्रिया, आदर्श प्रकाश, सत्ता, अधिकारी तंत्र, प्रोटेस्टेंट नीतिशास्त्र और पूँजीवाद की भावना ।

(घ) तालकॉट पार्सनस : सामाजिक व्यवस्था, प्रतिरूप संरचना

(ङ) रॉबर्ट के मर्टन : अव्यक्त तथा अभिव्यक्त प्रकाश, अनुसृष्टता एवं विसामान्यता, संदर्भ समूह

(च) मोड : आत्म एवं तत्वात्मक

5. स्त्रीकरण एवं गतिशीलता

(क) संकल्पनाएँ-समानता, असमानता, अधिकार, अपवर्जन, गरीबी एवं वंचन ।

(ख) सामाजिक स्त्रीकरण के सिद्धांत-संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धांत, वेबर का सिद्धांत ।

(ग) आयाम-वर्ग, स्थिति समूहों, लिंग, नृजातीयता एवं प्रजाति का सामाजिक स्त्रीकरण ।

(घ) सामाजिक गतिशीलता-खुली एवं बंद व्यवस्थाएँ, गतिशीलता के प्रकार, गतिशीलता के स्रोत एवं कारण ।

6. कार्य एवं आर्थिक जीवन

(क) विभिन्न प्रकार के समाजों में कार्य का सामाजिक संगठन-दास समाज, सामंती समाज, औद्योगिक/पूँजीवादी समाज ।

(ख) कार्य का औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन ।

(ग) श्रम एवं समाज

7. राजनीति एवं समाज

(क) सत्ता के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।

(ख) सत्ता प्रवर्जन, अधिकारीतंत्र, दबाव समूह, राजनैतिक एत ।

(ग) राष्ट्र, राज्य, नागरिकता, लोकतंत्र, सिविल समाज, विचार धारा ।

(घ) विरोध, आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, सामूहिक क्रिया, क्रांति ।

8. धर्म एवं समाज

- (क) धर्म के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।
 (ख) धार्मिक कर्म के प्रकार : जीववाद, एकतत्त्ववाद, बहुतत्त्ववाद पंथ, उपासना पद्धतियाँ ।
 (ग) आधुनिक समाज में धर्म : धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण, धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद, मूलतत्त्ववाद ।

9. नातेदारी की व्यवस्थाएँ

- (क) परिवार, गृहस्थी, विवाह ।
 (ख) परिवार के प्रकार एवं रूप ।
 (ग) वंश एवं वंशानुक्रम ।
 (घ) पितृतंत्र एवं श्रम लिंगाधारित विभाजन ।
 (ङ) समसामयिक प्रवृत्तियाँ ।

10. आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन

- (क) सामाजिक परिवर्तन के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।
 (ख) विकास एवं पराश्रितता ।
 (ग) सामाजिक परिवर्तन के कारक ।
 (घ) शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन ।
 (ङ) विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक परिवर्तन ।

प्रश्न पत्र-II

भारतीय समाज : संरचना एवं परिवर्तन

क. भारतीय समाज का परिचय

- (i) भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य
 (क) भारतीय विद्या (जी. एस. धुर्ये) ।
 (ख) संरचनात्मक प्रकायवाद (एम. एन. श्रीनिवास) ।
 (ग) मार्क्सवादी समाजशास्त्र (ए. आर. देसाई) ।
 (ii) भारतीय समाज पर औपनिवेशिक शासन का प्रभाव
 (क) भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि ।
 (ख) भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण ।
 (ग) औपनिवेशिक काल के दौरान विरोध एवं आंदोलन ।
 (घ) सामाजिक सुधार ।

ख. सामाजिक संरचना

- (i) ग्रामीण एवं कृषिक सामाजिक संरचना
 (क) भारतीय ग्राम का विचार एवं ग्राम अध्ययन ।
 (ख) कृषिक सामाजिक संरचना-पट्टेदारी प्रणाली का विकास, भूमि सुधार ।

(ii) जाति व्यवस्था

- (क) जाति व्यवस्था के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य-(जी. एस. धुर्ये, एम. एन. श्रीनिवास, लुई द्यूमॉ, आन्द्रे बेतेय) ।
 (ख) जाति व्यवस्था के अभिलक्षण ।
 (ग) अस्पृश्यता-रूप एवं परिप्रेक्ष्य ।
 (iii) भारत में जनजातीय समुदाय
 (क) परिभाषीय समस्याएँ ।
 (ख) भौगोलिक विस्तार ।
 (ग) औपनिवेशिक नीतियाँ एवं जनजातियाँ ।
 (घ) एकीकरण एवं स्वायत्तता के मुद्दे ।

(iv) भारत में सामाजिक वर्ग

- (क) कृषिक वर्ग संरचना ।
 (ख) औद्योगिक वर्ग संरचना ।
 (ग) भारत में मध्यम वर्ग ।

(v) भारत में नातेदारी की व्यवस्थाएँ

- (क) भारत में वंश एवं वंशानुक्रम ।
 (ख) नातेदारी व्यवस्थाओं के प्रकार ।
 (ग) भारत में परिवार एवं विवाह ।
 (घ) परिवार घरेलू आयाम ।
 (ङ) पितृतंत्र, हकदारी एवं श्रम का लिंगाधारित विभाजन ।

(vi) धर्म एवं समाज

- (क) भारत में धार्मिक समुदाय
 (ख) धार्मिक अल्पसंख्यकों की समस्याएँ ।

ग. भारत में सामाजिक परिवर्तन

- (i) भारत में सामाजिक परिवर्तन की दृष्टियाँ
 (क) विकास आयोजना एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था का विचार ।
 (ख) संविधान, विधि एवं सामाजिक परिवर्तन ।
 (ग) शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन ।
 (ii) भारत में ग्रामीण एवं कृषिक रूपांतरण
 (क) ग्रामीण विकास कार्यक्रम, समुदाय विकास कार्यक्रम, सहकारी संस्थाएँ, गरीबी उन्मूलन योजनाएँ ।
 (ख) हरित क्रांति एवं सामाजिक परिवर्तन ।
 (ग) भारतीय कृषि में उत्पादन की बदलती विधियाँ ।
 (घ) ग्रामीण मजदूर, बंधुआ एवं प्रवासन की समस्याएँ ।
 (iii) भारत में औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण
 (क) भारत में आधुनिक उद्योग का विकास ।

(ख) भारत में नगरीय बस्तियों की वृद्धि।

(ग) श्रमिक वर्ग : संरचना, वृद्धि, वर्ग संघटन।

(घ) अनौपचारिक क्षेत्रक, बाल श्रमिक।

(ङ) नगरीय क्षेत्रों में गंदी बस्ती एवं वंचन।

(iv) राजनीति एवं समाज

(क) राष्ट्र, लोकतंत्र एवं नागरिकता।

(ख) राजनैतिक दल, दबाव समूह, सामाजिक एवं राजनैतिक प्रवर्जन।

(ग) क्षेत्रीयतावाद एवं सत्ता का विकेन्द्रीकरण।

(घ) धर्मनिरपेक्षीकरण।

(v) आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन

(क) कृषक एवं किसान आंदोलन।

(ख) महिला आंदोलन।

(ग) पिछड़ा वर्ग एवं दलित आंदोलन।

(घ) पर्यावरणीय आंदोलन।

(ङ) नृजातीयता एवं अधिष्ठान आंदोलन।

(vi) जनसंख्या गतिकी

(क) जनसंख्या अकार, वृद्धि संघटन एवं वितरण।

(ख) जनसंख्या वृद्धि के घटक : जन्म, मृत्यु, प्रवासन।

(ग) जनसंख्या नीति एवं परिवार नियोजन।

(घ) उभरते हुए मुद्दे : कालप्रभाव, लिंग अनुपात, बाल एवं वृद्ध मृत्युदर, जनन स्वास्थ्य।

(vii) सामाजिक रूपांतरण की चुनौतियाँ

(क) विकास का संकट : विस्थापन, पर्यावरणीय सक्षमता एवं संपोषणीयता।

(ख) गरीबी, वंचन एवं असमानताएं।

(ग) स्त्रियों के प्रति हिंसा।

(घ) जाति द्वन्द्व।

(ङ) नृजातीय द्वन्द्व, सांप्रदायिकता, धार्मिक पुनःअवर्तन।

(च) असाक्षरता तथा शिक्षा में असमानताएं।

सांख्यिकी

प्रश्न पत्र-1

प्रायिकता

प्रतिदर्श समष्टि एवं अनुवृत्त, प्रायिकता माप एवं प्रायिकता समष्टि, भेद्यफलन के रूप में यादृच्छिक चर, कोटि फलन चर का बंटन फलन, असंतत एवं संतत-प्ररूप यादृच्छिक चर, प्रायिकता द्रव्यमान फलन, प्रायिकता घनत्व-फलन, अपेक्षित यादृच्छिक चर, उपाति एवं सप्रतिबंध बंटन, अनुवृत्तों का एक यादृच्छिक चर की का

प्रसंभाव्य स्वातंत्र्य, यादृच्छिक चर की प्रत्याशा एवं आधूर्ण, सप्रतिबंध प्रत्याशा, यादृच्छिक चर का p -th माध्य में, एवं लगभग हर जगह, उनका निकर्ष एवं अंतसंबंध, शेवीशेव असमिका तथा खिंशिन का बृहद् संख्याओं का दुर्बल नियम, बृहद् संख्याओं का प्रबल नियम एवं कोलमोगोरोफ प्रमेय, प्रायिकता जन्म फलन, आधूर्ण जनन फलन, अभिलक्षण फलन, प्रतिलोमन प्रमेय, केंद्रीय सीमा प्रमेय के लिंडबर्ग एवं लेवी प्ररूप, मानक असंतत एवं संतत प्रायिकता बंटन।

सांख्यिकीय अनुमिति

संगति, अनभिन्नता, दक्षता, पूर्णता, सहायक आँकड़े, गुणखंडन-प्रमेय, बंटन चरघाताकी कुल और इसके गुणधर्म, एकसमान अल्पतम-प्रसरण अनभिन्नत (UMVU) आकलन, राव-ब्लैकवेल एवं लेहमैन-शीफ प्रमेय, एकल प्राचल के लिए क्रैमर-राव असमिका, आधूर्ण विधियों द्वारा आकलन, अधिकतम संभावितता, अल्पतम वर्ग, न्यूनतम काई-वर्ग एवं रूपांतरित न्यूनतम काई-वर्ग, अधिकतम संभावितता एवं अन्य आकलकों के गुणधर्म, उपगामी दक्षता, पूर्व एवं पश्च बंटन, हानि फलन, जोखिम फलन तथा अल्पमहिष्ठ आकलक, बेज आकलक अयादृच्छिकीकृत तथा यादृच्छिकीकृत परीक्षण, क्रांतिक फलन, MLE परीक्षण, पेयैन-गिअर्सन प्रमेयिका, UMPU परीक्षण, एकदिष्ट संभावितता अनुपात, समरूप एवं अनभिन्न परीक्षण, एकल प्राचल के लिए UMPU परीक्षण, संभावितता अनुपात परीक्षण एवं इसका उपगामी बंटन। विश्वास्यता परिवंध एवं परीक्षणों के साथ इसका संबंध।

समंजन-सुष्ठता एवं इसकी संगति के लिए कोलमोगोरोफ परीक्षण, चिह्न परीक्षण एवं इसका इष्टमत्व। विलकॉक्सन चिह्नित-कोटि परीक्षण एवं इसकी संगति, कोलमोगोरोफ-स्मिरनोफ द्वि-प्रतिदर्श परीक्षण, रन परीक्षण, विलकॉक्सन-मैन विट्टनी परीक्षण एवं माध्यिकता परीक्षण, उनकी संगति तथा उपगामी प्रसामान्यता।

वालड का SPRT एवं इसके गुणधर्म, बर्नूली, प्वासों, प्रसामान्य एवं चरघाताकी बंटनों के लिए प्राचलों के बारे में परीक्षणों के लिए OC एवं ANS फलन। वालड का भूत तत्समक।

रैखिक अनुमिति एवं बहुआर विप्रलेषण

रैखिक सांख्यिकीय निदर्श, न्यूनतमवर्ग सिद्धांत एवं प्रसरण विश्लेषण, मांस-मारकोफ सिद्धांत, प्रसामान्य समीकरण, न्यूनतमवर्ग आंकलन एवं उनकी परिशुद्धता, एकमार्गी, द्विमार्गी एवं त्रिमार्गी वर्गीकृत न्यास में न्यूनतमवर्ग सिद्धांत पर आधारित अंतराल आकल तथा साधकता परीक्षण, समाश्रयण, विश्लेषण रैखिक समाश्रयण वक्ररेखी समाश्रयण एवं लांबिक बहुपद, बहुसमाश्रयण, बहु एवं आंशिक सहसंबंध, प्रसारण एवं सहप्रसारण घटक आकलन, बहुचर प्रसामान्य बंटन, महलानोबिस¹⁰ एवं हॉटेलिंग¹² आँकड़े तथा उनका अनुप्रयोग एवं गुणधर्म, विविक्तकर विश्लेषण, विहित सहसंबंध, मुख्य घटक विश्लेषण।

प्रतिचयन सिद्धांत एवं प्रयोग अभिकल्प

स्थिर-समविष्ट एवं अधि-समविष्ट उपागमों की रूपरेखा, परिमित समष्टि प्रतिचयन के विविक्तकारो लक्षण, प्रायिकता प्रतिचयन अभिकल्प, प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन, क्रमबद्ध प्रतिचयन एवं इसकी क्षमता, गुच्छा प्रतिचयन, द्विचरण एवं बहुचरण प्रतिचयन, एक या दो सहायक चर शामिल करते हुए आंकलन की अनुपात एवं समाश्रयण विधियाँ, द्विप्रावस्था प्रतिचयन,

प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना आभाष अनुपातिक प्राधिकता, हैंसेन-हरविट्ज एवं हॉरविट्ज-थॉम्पसन आंकलन, हॉरविट्ज-थॉम्पसन, आंकलन के संदर्भ में ऋणोत्तर प्रभरण आंकलन, अप्रतिचयन त्रुटियाँ। नियम प्रभाव निर्दर्श (द्विमापी वर्गीकरण) यादृच्छिक एवं पिश्रित प्रभाव निर्दर्श (प्रतिसेल सवान प्रेक्षण के साथ द्विमापी वर्गीकरण) CRD, RBD, LSD एवं उनके विश्लेषण, अपूर्ण ब्लॉक अभिकल्प, लाबिकता एवं संतुलन की संकल्पनाएँ, BIBD, अप्राप्त क्षेत्रक प्रविधि, बहु-उपादानी प्रयोग तथा बहु-उपादानी परीक्षण में 2ⁿ एवं 3ⁿ संकरण, विभक्त क्षेत्र एवं सरल जातक अभिकल्पना, आंकड़ा स्फूर्तिरण डंकन का बहुपरसी परीक्षण।

प्रश्न पत्र-II

I. औद्योगिक सांख्यिकी

प्रक्रिया एवं उत्पाद नियंत्रण, नियंत्रण, चादो का सामान्य सिद्धांत, चतु एवं गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रण चार्ट, \bar{X} , R, \bar{p} , p, np एवं C-चार्ट, संबंधी चंग चार्ट। गुणों के लिए एकसः, द्विपक्षीय एवं अनुक्रमिक प्रतिचयन योजनाएँ, OC, ASN, AOQ एवं ATI वक्र, उत्पादक एवं उपभोक्ता जोखिम की संकल्पनाएँ, AQL, LTPD एवं AOQL चर्तों के लिए प्रतिचयन योजना, डॉज-रेमिंग साधियों का प्रयोग।

विश्वास्यता की संकल्पना, विफलता दर एवं विश्वास्यता फलन, श्रेणियों, समांतर प्रणालियों एवं अन्य सरल विन्यासों की विश्वास्यता, नवीकरण घटक एवं नवीकरण फलन, विफलता प्रतिदर्श : चरघातांकी, बीबुल, प्रसाधन्य, लॉग प्रसाधन्य।

आयु परीक्षण में समस्याएँ, चरघातांकी निर्दर्शों के लिए खंडवर्जित एवं रुंडित प्रयोग।

II. इष्टतमीकरण प्रविधियाँ

संक्रिया विज्ञान में विभिन्न प्रकार के निर्दर्श, उनकी रचना एवं हल की सामान्य विधियाँ, अनुकार एवं मॉण्टे-कार्लो विधियाँ, रैखिक प्रोग्रामन (LP) समस्या का सूत्रीकरण, सरल LP निर्दर्श एवं इसका आलेखीय हल, प्रत्युच्च्य प्रक्रिया, कृत्रिम चर्तों के साथ M-प्रविधि एवं द्विप्रावस्था विधियाँ, LP का द्वैध सिद्धांत एवं इसकी आर्थिक विवेधा, सुगृहिता विश्लेषण, परिवहन एवं नियतन समस्या, आयतीत खेल, दो-व्यक्ति स्तूप योग खेल, हल विधियाँ (आलेखीय एवं बीजीय)।

हासशील एवं विकृत मर्दों का प्रतिस्थापन, स्फूड़ एवं व्यष्टि प्रतिस्थापन नीतियाँ, वैज्ञानिक सामग्री-सूची प्रबंधन की संकल्पना एवं सामग्री सूची समस्याओं की विस्तरी परीक्षा, अद्यता काल के साथ या उसके बिना निर्धारणात्मक एवं प्रसंभाव्य मॉणों के साथ सरल निर्दर्श डैन प्ररूप के विशेष संदर्श के साथ भंडारण निर्दर्श।

सामापी विविक्त काल भाकोव श्रृंखलाएँ, संक्रमण प्राधिकता आन्धूह, अवस्थाओं एवं अन्तर्गतप्रयप्रमणों का वर्गीकरण, सामापी सतत काल, भाकोव श्रृंखला, प्यरा प्रक्रिया, र्भक्त सिद्धांत के तत्व, एवं M/M/1, M/M/K, G/M/1 एवं M/G/1 र्भक्तियाँ।

कंप्यूटरों पर SPSS जैसे जाने माने आधुनिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजों का प्रयोग कर सांख्यिकीय समस्याओं के हल प्राप्त करना।

III. मात्रात्मक अर्थशास्त्र एवं राजकीय आंकड़े

प्रवृत्ति निर्धारण, मौसमी एवं चक्रीय घटक, बॉक्स-जेनस विधि,

अनुपनत श्रेणी परीक्षण, AZRIMA निर्दर्श एवं स्वसमाश्रयी तथा गतिमान माध्य घटकों का क्रम निर्धारण, पूर्वानुमान। सामान्यतः प्रयुक्त सूचकांक-लास्मियर, पाशे एवं फिशर के आदर्श सूचकांक, श्रृंखला आधार सूचकांक, सूचकांकों के उपयोग और सीमाएँ, थोक कीमतों, उपभोक्ता कीमतों, कृषि उत्पादन एवं औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक, सूचकांकों के लिए परीक्षण-अनुपातिकता, काल-विपर्यय, उत्पादन उत्क्रमण एवं वृत्तीय।

सामान्य रैखिक निर्दर्श, साधारण न्यूनतम वर्ग एवं सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग, प्राक्कलन विधियाँ, बहुसरेखता की समस्या, बहुसरेखता के परिणाम एवं हल, स्वसहबंध एवं इसका परिणाम, विशोभों की विषम विचालिता एवं इसका परीक्षण, विशोभों के स्वातंत्र्य का परीक्षण, संरचना की संकल्पना एवं युग्मगत समीकरण निर्दर्श, अभिनिर्धारण समस्या-अभिज्ञेयता की कोटी एवं क्रम प्रतिबंध, प्राक्कलन की द्विप्रावस्था न्यूनतम वर्ग विधि।

भारत में जनसंख्या, कृषि, औद्योगिक उत्पादन एवं कीमतों के संबंध में वर्तमान राजकीय सांख्यिकीय प्रणाली, राजकीय आंकड़े ग्रहण की विधियाँ, उनकी विश्वनीयता एवं सीमाएँ, ऐसे आंकड़ों वाले मुख्य प्रकाशन, आंकड़ों के संग्रहण के लिए जिम्मेवार विभिन्न राजकीय अधिकरण एवं उनके प्रमुख कार्य।

IV. जनसांख्यिकी एवं मनोमिति

जनगणना, पंजीकरण, एवं अन्य सर्वेक्षणों से जनसांख्यिकीय आंकड़ें, उनकी सीमाएँ एवं उपयोग, व्याख्या, जन्म मरण दरों और अनुपातों की रचना एवं उपयोग, जननक्षमता की माप, जनन दरें, रूणता दर मानकीकृत मृत्यु दर, पूर्ण एवं संक्षिप्त वय सारणियाँ, जन्म मरण आंकड़ों एवं जनगणना विवरणियों से वय सारणियों की रचना, वय सारणियों के उपयोग, वृद्धिघात एवं अन्य जनसंख्या वृद्धि वक्र, वृद्धि घात वक्र समंजन, जनसंख्या प्रक्षेप, स्थिर जनसंख्या, स्थिरकल्प जनसंख्या, जनसांख्यिकीय प्राचलों के आंकलन में प्रविधियाँ, मृत्यु के कारण के आधार पर मानक वर्गीकरण, स्वस्थ्य सर्वेक्षण एवं अस्पताल आंकड़ों का उपयोग।

मापनियों एवं परीक्षणों के मानकीकरण की विधियाँ, Z समंक, मानक समंक, T-समंक, शततमक समंक, बुद्धि लब्धि एवं इसका मापन एवं उपयोग, परीक्षण समंकों की वैधता एवं विश्वसनीयता एवं इसका निर्धारण, मनोमिति में उपादान विश्लेषण एवं पथविश्लेषण का उपयोग।

प्राणी विज्ञान

प्रश्न पत्र-1

1. अरज्जुकी और रज्जुकी

(क) विभिन्न फाइलों का उपवर्गों तक वर्गीकरण एवं संबंध; एसीलोमेटा और सीलोमेटा; प्रोटोस्टोम और ड्यूटोस्टोम, वाइलेटरेलिया और रेडियटा, प्रोटिस्टा पैराजोआ, ओनिकोफोरा तथा हेमिकॉरिडाटा का स्थान; सममिति।

(ख) प्रोटोजोआ : गमन, पोषण तथा जनन, लिंग पैरामीशियम, मॉनोसिस्टस प्लाज्मोडियम तथा लीशमेनिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त।

- (ग) पोरिफेरा : कंकाल, नालतंत्र तथा जनन ।
- (घ) नीडोरिया : बहुरूपता, रक्षा संरचनाएं तथा उनकी क्रियाविधि, प्रवाल भित्तियां और उनका निर्माण, पैटामेनेसिस, ओबीलिया औरिलिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त ।
- (ङ) प्लैटिहेल्मिन्थोज : परजीवी अनुकूलन : फेसिओला तथा टीनिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त तथा उनके रोगजनक लक्षण ।
- (च) नेमेटोहेल्मिन्थोज : एस्केरिस एवं बुचेरेरिया के सामान्य लक्षण, जीवन वृत्त तथा परजीवी अनुकूलन ।
- (छ) एनेलीडा : सीलोम और विखंडता, पॉलीकीटों में जीन-वेधियां, नेरीस (नीरेंथीस), केंचुआ (फेरिटिया) तथा पोंक के सामान्य लक्षण तथा जीवन-वृत्त ।
- (ज) आर्थ्रोपोडा : क्रस्टेशिया में डिक्प्रकार और परजीविता, आर्थ्रोपोडा (झींग, तिलचट्टा तथा बिच्छू) में पुरिड और श्वसन; कीटों (तिलचट्टा, मच्छर, मधुमक्खी तथा तितली) में मुखों का रूपान्तरण, कीटों में पाश्चर्य तथा इसका हार्मोनी नियमन, दोमकों तथा मधुमक्खियों का सामाजिक व्यवहार ।
- (झ) मोलस्का : अशन, श्वसन, गमन, लैमेलिडेंस, पाइला, तथा सीपिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त मोलुस्कोपों में ऐंठन तथा अव्यवर्तन ।
- (ञ) एकाइनोडर्मेटा : अशन, श्वसन, गमन, डिक्प्रकार, एस्टीरियस के सामान्य लक्षण तथा जीवन-वृत्त ।
- (ट) प्रोटोकोर्डेटा : रज्युक्तियों का उद्भव, ड्रेफिलोस्टोया तथा हर्डेरिया के सामान्य लक्षण तथा जीवन-वृत्त ।
- (ठ) पाइसीज : श्वसन गमन तथा प्रवासन ।
- (ड) एम्फिबिया : चतुष्पादों का उद्भव, जनन-देहाभाल, शावकांतरण ।
- (ड) रेप्टीलिया वर्ग : सरीसृपों की उत्पत्ति, कसेटि के प्रकार, स्फेनोडॉन तथा मगरमच्छों का स्थान ।
- (ण) एवीज; पक्षियों का उद्भव, उड्डयन-अनुकूलन तथा प्रवासन ।
- (त) मैमेलिया : स्तनधारियों का उद्भव, दंतविन्यास, अंडा देने वाले स्तनधारियों, कोष्ठधारी, स्तनधारियों, जलीय स्तनधारियों तथा प्राइमेटों के सामान्य लक्षण, अंतःस्रावी ग्रंथियां (पीयूष ग्रंथि, अवटु ग्रंथि, परावटु ग्रंथि, अधिवृक्क ग्रंथि, अग्नशय, जनन ग्रंथि) तथा उसमें अंतर्लक्षण ।
- (ध) कशेरुकी प्राणियों के विभिन्न तंत्रों का भुक्तानामक, कार्यात्मक शरीर (अध्यावरण तथा इसके व्युत्पाद, अंतःकंकाल, चलन अंग, पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, हृदय तथा महाधमनी चापों सहित परिसंचारी तंत्र, भ्रू-जनन तंत्र, अस्थि तंत्र तथा ज्ञानेन्द्रियां (आंख तथा नाक) ।

2. पारिस्थितिकी

- (क) जीवमंडल : जीवमंडल की संकल्पना; वायोम, जैवभूसाधन चक्र, ग्रीन हाउस प्रभाव सहित वातावरण में मानव प्रेरित परिवर्तन, पारिस्थितिक अनुक्रम, जीवोम तथा ईकोटोन, सामुदायिक पारिस्थितिक ।
- (ख) परितंत्र की संकल्पना, पारितंत्र की संरचना एवं कार्य, पारितंत्र के प्रकार, पारिस्थितिक अनुक्रम, पारिस्थितिक अनुकूलन ।
- (ग) समष्टि, विशेषताएं, समष्टि भित्तिकी, समष्टि स्थिरीकरण ।
- (घ) प्राकृतिक संसाधनों का जैव विविधता एवं विविधता संरक्षण ।
- (ङ) भारत का वन्य जीवन ।
- (च) संपोषणीय विकास के लिए सुदूर सुग्राहीकरण ।
- (छ) पर्यावरणीय जैवनिम्नीकरण, प्रदूषण, तथा जीवमंडल पर इसके प्रभाव एवं उसकी रोकथाम ।

3. जीव पारिस्थितिकी

- (क) व्यवहार : संवेदी निस्यदन, प्रतिसंवेदिता, शिक उद्दीपन, सीखना एवं स्मृति, वृत्ति, अभ्यास, प्रानुकूलन, अध्यासन ।
- (ख) चलन में हार्मोनों की भूमिका, संवेतन प्रसार में फीरोमोनों की भूमिका; गोपकता, परभक्षी पहचान, परभक्षी तौर तरीके, प्राइमेटों में सामाजिक सोपान, कीटों में सामाजिक संगठन ।
- (ग) अभिविन्यास, संचालन, अभिग्रह, जैविकलय, जैविक नियतकालिकता, ज्वारीय, ऋतुपरक तथा दिवसप्रत्ययलय ।
- (घ) यौन द्वन्द्व, स्वार्थपरता, नातेदारी एवं परंपरारित समेत प्राणी-व्यवहार के अध्ययन की विधियां ।

4. आर्थिक प्राणि विज्ञान

- (क) मधुमक्खी पालन, रेशमकीट पालन, लाखकीट पालन, शफरी संवर्ध, सीप पालन, झींगा पालन, कृषि संवर्ध ।
- (ख) प्रमुख संक्रामक एवं संचरणीय रोग (मलेरिया, फाइलेरिया, क्षय रोग, हैजा तथा एड्स), उनके वाहक, रोगणु तथा रोकथाम ।
- (ग) पशुओं तथा मवेशियों के रोग, उनके रोगाणु (पैरिथिस) तथा वाहक (चिचड़ी कुटकी, टेबेनस, स्टोमोक्सिस) ।
- (घ) गन्ने के पीडक (पाइरिला परपुसिएला), तिलहन का पीडक (ऐकिया जनाटा) तथा चावल का पीडक (सिटोफिलस ओरिजे) ।
- (ङ) पारजीनी जंतु ।
- (च) चिकित्सकीय जैव प्रौद्योगिकी, मानव आनुवंशिक रोग एवं आनुवंशिक काउंसलिंग, जीन चिकित्सा ।

(छ) विधि जैव प्रौद्योगिकी ।

5. जैव सांख्यिकी

प्रयोगों की अधिकल्पना; निराकरणी परिकल्पना ; सह-संबंध, समाश्रयण, केन्द्रीय प्रवृत्ति का वितरण एवं मापन, काई-स्क्वेयर, विद्यार्थी-टेस्ट, एफ-टेस्ट (एकमात्र तथा द्विमात्रा एफ-टेस्ट)

6. उपकरणिय पद्धति

(क) स्पेक्ट्रोमी प्रकारमापित्र प्रावस्था विपर्यास एवं प्रतिदीप्ति सूक्ष्म दर्शिकी, रेडियोएक्टिव अनुरेखक, द्रुत अपकेंद्रित्र, जेल एलेक्ट्रोफोरेसिस, PCR, ALISA, FISH एवं गुणसूत्रपेटिंग ।

(ख) इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी (TEM, SEM) ।

प्रश्न पत्र - 2

1. कोशिका जीव विज्ञान

(क) कोशिका तथा इसके कोशिकांगों (केंद्रक, प्लाज्मा, शिल्ली, माइटोकॉण्ड्रिया, गॉल्जीकाप, अंतर्द्रव्यी जालिका, राइबोसोम तथा लाइसोसोम) की संरचना एवं कार्य, कोशिका-विभाजन (समसूत्री तथा अर्धसूत्री), समसूत्री तर्कु तथा समसूत्री तंत्र, गूणसूत्र गति । क्रोमोसोम प्रकार पॉलिटीन एवं लैंग्रश, क्रोमैटिन की व्यवस्था, कोशिकाचक्र नियमन ।

(ख) न्यूक्लीइक अम्ल सांस्थितिकी, DNA अनुकल्प, DNA प्रतिकृति अनुलेखन, RNA प्रक्रमण, स्थानांतरण, प्रोटीन बलन एवं परिवहन ।

2. आनुवंशिकी

(क) जीन की आधुनिक संकल्पना, विभाक्त जीन, जीन नियमन, आनुवंशिक-कूट ।

(ख) लिंग गुणसूत्र एवं उनका विकास, डोसोफिला तथा मानव में लिंग-निर्धारण ।

(ग) वंशागति के मेंडलीय नियम, पुनर्योजन, सहलग्नता, बहुगुण, विकल्पी, रक्त समूहों की आनुवंशिकी, वंशावली विश्लेषण, मानव में वंशागत रोग ।

(घ) उत्परिवर्तन तथा उत्परिवर्तजनन ।

(ङ) पुनर्योगज DNA प्रौद्योगिकी, वाहकों के रूप में प्लैजमिड्स, कॉसमिड्स, कृत्रिम गुणसूत्र, पारजीनी, DNA क्लोनिंग तथा पूर्ण क्लोनिंग (सिद्धांत तथा क्रिया पद्धति) ।

(च) प्रोकरियारेट्स तथा यूकैरियारेट्स में जीन नियमन तथा जीन अभिव्यक्ति ।

(छ) संकेत अणु, कोशिका मृत्यु, संकेतन पथ में दोष तथा परिणाम ।

(ज) RELP, RAPD एवं AFLP तथा फिंगरप्रिंटिंग में अनुप्रयोग, राइबोजाइम प्रौद्योगिकी, मानव जीनोम परियोजना, जीनोमिक्स एवं प्रोटोमिक्स ।

3. विकास

(क) जीवन के उद्भव के सिद्धांत ।

(ख) विकास के सिद्धांत; प्राकृतिक चरण, विकास में उत्परिवर्तन की भूमिका, विकासोत्पन्न प्रतिरूप, आण्विक डाइव, अनुहरण, विभिन्नता, पृथक्करण एवं जाति उद्भव ।

(ग) जीवाश्म आंकड़ों के प्रयोग से घोड़े, हाथी तथा मानव का विकास ।

(घ) हार्डी-वीनबर्ग नियम ।

(ङ) महाद्वीपीय विस्थापन तथा प्राणियों का वितरण ।

4. वर्गीकरण-विज्ञान

(क) प्राणिविज्ञानिक नामावली, अंतर्राष्ट्रीय नियम, क्लैडिस्टिक्स, आण्विक वर्गीकी एवं जैव विविधता ।

5. जीव रसायन

(क) कार्बोहाइड्रेट्स, वसाओं, वसाअम्लों एवं कोलस्ट्रॉल, प्रोटीनों एवं अमीनोअम्लों, न्यूक्लिइक अम्लों की संरचना एवं भूमिका । बायो एनर्जेटिक्स ।

(ख) ग्लाइकोसिस तथा ऊर्ज चक्र, ऑक्सीकरण तथा अपचयन, ऑक्सीकरणी फास्फोरिलेशन, ऊर्जा संरक्षण तथा विमोचन, ATP चक्र, चक्रीय AMP-इसकी संरचना तथा भूमिका ।

(ग) हार्मोन वर्गीकरण (स्टेराइड तथा पेप्टाइड हार्मोन), जैव संश्लेषण तथा कार्य ।

(घ) एंजाइम : क्रिया के प्रकार तथा क्रिया विधियां ।

(ङ) विटामिन तथा को-एंजाइम ।

(च) इम्यूनोग्लोब्यूलिन एवं रोगक्षमता ।

6. कार्यिकी (स्तनधारियों के विशेष संदर्भ में)

(क) रक्त की संघटना तथा रक्त, मानव में रक्त समूह तथा RH कारक, स्कंदन के कारक तथा क्रिया विधि, लोह उपापचय, अम्ल क्षारक साम्य, तापनियमन, प्रतिस्कंदक ।

(ख) हीमोग्लोबिन : रचना प्रकार एवं ऑक्सीजन तथा कार्बनडाईऑक्साइड परिवहन में भूमिका ।

(ग) पाचन एवं अवशोषण : पाचन में लार ग्रंथियों, यकृत, अग्न्याशय तथा आंत्र ग्रंथियों की भूमिका ।

(घ) उत्सर्जन : नेफ्रोन तथा मूत्र विरचन का नियमन; परसरण नियमन एवं उत्सर्जी उत्पाद ।

(ङ) पेशी : प्रकार, कंकाल पेशियों की संकुचन की क्रिया विधि, पेशियों पर व्यायाम का प्रभाव ।

(च) न्यूरोन : तंत्रिका आवेग-उसका चालन तथा अंतर्ग्रंथनी संचरण: न्यूरोट्रांसमीटर ।

(छ) मानव में दृष्टि, श्रवण तथा घ्राणबोध ।

(ज) जनन की कार्यिकी, मानव में यौवनारंभ एवं रजोनिवृत्ति ।

7. परिवर्धन जीवविज्ञान

(क) युग्मक जनन; शुक्र जनन; शुक्र की रचना, पैरैसिटोस शुक्र की भात्रे एवं जीवे धारिता। अंड जनन, पूर्ण उपलब्धता, निषेचन, माफोजेनेसिस एवं माफोजेन, स्लाइड प्रेपारेशन, शरीर अक्ष रचना की स्थापना, फेट मल्लविक, यकृत एवं चूने में पैस्टुरेशन, चूने में विकासशील जीव, मातृक जीन, आंख एवं हृदय का विकास, रक्तनिर्माण प्रयोग।

(ख) कोशिका वंश परंपरा, कोशिका-कोशिका जनन, कोशिका आनुवंशिक एवं प्रेरित विलयजनकता, कोशिका का कार्यान्वयन के नियंत्रण में कारोतिविकार को प्रभावित, शक्लजीवन एवं चिमपूणता, कोशिका मृत्यु, कोशिका प्रजनन।

(ग) मानव में विकासीय जीन, भात्रे निरूपण एवं प्रजनन, क्लोनिंग।

(घ) स्टैमकोशिका: स्रोत, प्रकार एवं भयंकर कारक, निरूपण उपयोग।

(ङ) जाति आवर्तन नियम।

परिशिष्ट-2

सिविल सेवा परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा सकती है उसका संक्षिप्त व्योम :-

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा :—(क) नियुक्ति पर 1 वर्ष की अवधि के आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी या अनुसूचित वर्ग के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवार को नियुक्ति की अवधि में केन्द्रीय सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित समय में जाति निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाओं में भाग लेनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षार्थी को अपने कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे ईर्ष्या, अमान्यता, कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार तत्काल उसे भर्ती कर सकती है। या यथास्थिति उसे स्थाई पद पर प्रत्याभूति प्राप्त कर सकती है जिस पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार है अथवा होगा। बशर्ते कि सरकार को निर्यात से पहले उस पर लागू नियमों के अंतर्गत पूर्ण परीक्षा मिलबित न कर दिया गया हो।

(ग) परीक्षा अवधि के संतोषजनक रूप से पूरा होने पर सरकार अधिकारी को सेवा में स्थाई कर सकती है यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो सरकार उसे भी संतोषजनक कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे पुनः भर्ती के साथ बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत भारत में या विदेश में किसी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के विभिन्न ग्रेडों से संबंधित पे बैंड तथा ग्रेड पे :

कनिष्ठ वेतनमान

पे बैंड-3 15600-39100 रु. + 5400 रु. ग्रेड पे

धरिष्ठ वेतनमान

(i) धरिष्ठ सप्रथ वेतनमान

पे बैंड-3 : 15600-39100 रु. + 6600 रु. ग्रेड पे (प्रयोजन पर वेतन निर्धारण के समय दो अतिरिक्त वेतनवृद्धियां प्रदान की जाएंगी)।

(ii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :

पे बैंड-3 रु. 15600-39100 + 7600 रु. ग्रेड पे (प्रयोजन पर वेतन निर्धारण के समय दो अतिरिक्त वेतनवृद्धियां प्रदान की जाएंगी)।

(iii) वर्यन ग्रेड :

पे बैंड-4 रु. 17400-67000 + 8700 रु. ग्रेड पे (प्रयोजन के समय पे बैंड के न्यूनतम पर दो अतिरिक्त वेतनवृद्धियां तथा ग्रेड पे प्रदान की जाएंगी)।

अधिसमय वेतनमान :

पे बैंड-4 : 37400-67000 रु. + 10000 रु. ग्रेड पे

अधिसमय से ऊपर के वेतनमान

(i) उच्च प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान

67000 रु. (3 प्रशिक्षण की दर से वेतनवृद्धि)--- 19800, ग्रेड पे - वृद्ध

(ii) शीर्ष वेतनमान

80000 रु. (नियत) ग्रेड पे-न्यून।

संशोधन प्रथम अखिल भारतीय सेवाएं (संशोधन प्रथम, नियत, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रारंभ होगी और परिवीक्षा पर बिनाई गई अवधि को समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन, छुट्टी के लिए गणने की अनुमति होगी।

(घ) धरिष्ठ निष्ठ :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (धरिष्ठ निष्ठ) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ङ) छुट्टी :—भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 द्वारा शासित होते हैं।

(ज) डाक्टरी परिचर्या :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अंतर्गत प्राप्त डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(झ) सेवानिवृत्ति लाभ :—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा, मृत्यु व सेवानिवृत्ति लाभ नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा :—(क) नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष होगी जिसे बढ़ाया जा सकता है। सफल उम्मीदवारों को भारत में लगभग 18 मास तक रहना होगा। इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप-कौंसिल बनाकर विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों में भेज दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि में परिवीक्षाधीन अधिकारियों की एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी और इसके बाद ही वे सेवा में स्थायी हो सकेंगे।

(ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परीक्षा के समाप्त होने और निर्धारित परीक्षाएं पास करने पर ही परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी किया जाएगा। परन्तु यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सब्सटेंटिव पोस्ट) हो तो उस पर वापस भेज सकती है।

(ग) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो उसे देखते हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यदि उसके कोई मूल पद हो तो उसे उस पर वापस भेज सकती है।

(घ) पूर्व संशोधित वेतनमान : कनिष्ठ वेतनमान 8000-275-13500 रुपये भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त अधिकारी वरिष्ठ वेतनमान (10650-325-15850 रुपये) और कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (12750-375-16500 रुपये) में क्रमशः 4 वर्ष और 9 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद नियुक्ति के पात्र होंगे।

इसके अतिरिक्त, चयन ग्रेड, सुपर टाइम ग्रेड और 15100 रुपये और 26000 रुपये के बीच, उच्च वेतनमान वाले कुछ पद हैं जिसमें भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी पदोन्नति के पात्र हैं।

(ङ) परीक्षा अवधि में परीक्षाधीन अधिकारी को इस प्रकार वेतनमान मिलेगा :

पहले वर्ष 8000 रुपये प्रति मास

दूसरे वर्ष 8275 रुपये प्रति मास

टिप्पणी 1 : परीक्षाधीन अधिकारी की परीक्षा पर धिताई गई अवधि समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

टिप्पणी 2 : परीक्षाधीन अधिकारी को परीक्षा अवधि में वेतन वृद्धि तभी मिलेगी जब वह निर्धारित परीक्षाएं (यदि कोई हों) पास कर लेगा और सरकार को संतोषप्रद प्रगति करके दिखाएगा। विभागीय परीक्षाएं पास करके अग्रिम वेतन वृद्धियां भी अर्जित की जा सकती हैं।

टिप्पणी 3 : परीक्षा के तौर पर नियुक्ति से पूर्व सावधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी का वेतन एफ आर 22-बी (1) के उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(च) भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(छ) विदेश में सेवा करते समय भारतीय विदेश सेवा से अधिकारियों को उनकी हैसियत के अनुसार विदेश भत्ते मिलेंगे जिससे कि वे नौकर-चाकरों और जीवन निर्वाह के खर्च को पूरा कर सकें और आतिथ्य (एंटरटेन्मेंट) संबंधी अपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। इसके अतिरिक्त विदेश में सेवा करते समय भारतीय सेवा के अधिकारियों को निम्नलिखित रियायतें भी मिलेंगी :—

(1) हैसियत अनुसार निःशुल्क सज्जित आवास।

(2) सहायता प्राप्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अंतर्गत चिकित्सा परिचर्या की सुविधाएं।

(3) विदेश में नियुक्त होने पर छुट्टी पर भारत आने के लिए वापसी हवाई यात्रा का किराया जो अधिक से अधिक 2/3 वर्षों के सामान्य समय में एक बार उसकी और आश्रित पारिवारिक सदस्यों को दिया जाएगा; इसके अतिरिक्त अधिकारी को पूरी सेवा अवधि में दो बार उसे स्वयं को और परिवार सदस्यों की व्यक्तिगत तथा पारिवारिक संकट के कारण भारत आने का एक तरफा संकटकालीन हवाई यात्रा किराया दिया जाएगा।

(4) भारत में पढ़ने वाले 6 से 22 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार छुट्टियों में माता-पिता से मिलने के लिए वापसी हवाई यात्रा किराया कुछ शर्तों के अधीन दिया जाएगा।

(5) अधिकारी के सेवा स्थान पर अध्ययनरत 5 से 20 वर्ष तक की आयु वाले अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता यदि ऐसा कोई विद्यालय विदेश मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त हो।

(ज) समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1972 कुछ तरसीमों के साथ इस सेवा के सदस्यों पर लागू होंगे। विदेश सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों को भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियमावली, 1961 के अंतर्गत विदेश में की गई कार्यशील सेवा के काल के लिए अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी जो के. सि.से. (छुट्टी) नियमावली, 1972 के अंतर्गत मिलने वाली अर्जित छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक होगी।

(झ) भविष्य निधि : भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि केन्द्रीय सेवा नियमावली, 1960 द्वारा शासित हैं।

(ञ) सेवानिवृत्ति लाभ : प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी केन्द्रीय सिविल (पेंशन) नियमावली, 1972 द्वारा शासित होते हैं।

(ट) भारत में रहते समय अधिकारियों को रियायतें मिलेंगी जो उनके समकक्ष या समान हैसियत वाले अन्य सरकारी कर्मचारियों को मिलती हैं।

3. भारतीय पुलिस सेवा :

(क) नियुक्ति परीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी उसे कुछ शर्तों पर बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णय अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से विहित प्रशिक्षण लेना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) और (ग) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खंड (ख) और (ग) में दिया गया है।

(घ) भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत भारत में या विदेशों में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(ख) वेतनमान :-

रैंक	समय-वेतनमान	वेतनमान		
		संशोधित वेतनमान	ग्रेड पे	संशोधन पूर्व
पुलिस अधीक्षक	कनिष्ठ वेतनमान	15,600-39,100 रु.	5400 रु.	8,000-275-13,500 रु.
	वरिष्ठ वेतनमान	15,600-39,100 रु.	6600 रु.	10,000-325-15,200 रु.
	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	15,600-39,100 रु.	7600 रु.	12,000-375-16,500 रु.
	चयन ग्रेड	37,400-67,000 रु.	8700 रु.	14,300-400-18,300 रु.
उप-महानिरीक्षक	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000 रु.	8900 रु.	16,400-450-20,000 रु.
महानिरीक्षक	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000 रु.	10,000 रु.	18,400-500-22,400 रु.
अपर महानिदेशक	सुपर समय वेतनमान से ऊपर	37,400-67,000 रु.	12,000 रु.	22,400-525-24,500 रु.
महानिदेशक	सुपर समय वेतनमान से ऊपर	र.प.-ग्रे. 75500-80,000 रु. (3 प्रतिशत की दर से वेतनवृद्धि)	शून्य	24,050-650-26,000 रु.
		80,000 रु. (नियत)		26,000 रु. (नियत)

महंगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवाएं (महंगाई 1972) नियम, 1972 के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रारंभ होगी और परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन, छुट्टी के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(घ) से (झ) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खंड (च), (छ), (ज) और (झ) में दिया गया है।

4. भारतीय डाक तार सेवा तथा वित्त सेवा

(क) नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष बुनियादी कार्यक्रम सहित, की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित परिष्कार प्राप्त करने अपने को स्थायी किए जाने के योग्य सिद्ध न किया हो।

(ख) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का प्रदर्शन आचरण असंतोषजनक हो, उसे देखते हुए उसके कार्यक्षम होने की संभावना न हो, तो सरकार तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है अथवा जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार होगा, उस पद पर उसका प्रारवर्तन कर दिया जायेगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त/मुक्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से

मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका प्रत्यावर्तन कर सकती है।

(घ) डाक विभाग उन संघटक विभागों में से एक है जिसका संचालन (सेवा द्वारा), भारतीय डाक और दूरसंचार सेवा और वित्त सेवा ग्रुप 'क' भर्ती नियमावली, 2001 के अनुसार किया जाता है। दूरसंचार विभाग और डाक विभाग में पदों पर भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाएगी।

(ङ) भारतीय डाक तार तथा वित्त सेवा पर भारत के किसी भी भाग में सेवा का एक निश्चित उत्तरदायित्व है।

(च) भारतीय डाक तार तथा वित्त सेवा का पूर्व संशोधित वेतनमान :-

(1) कनिष्ठ वेतनमान — रु. 8000-275-13500

(2) वरिष्ठ वेतनमान — रु. 10000-325-15200

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (साधारण) —

रु. 12000-325-16500

(4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) —

रु. 14300-400-18300

(5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड — रु. 18400-500-22400

(6) वरिष्ठ उप-महानिदेशक (एफ) — रु. 22400-525-24500

और

(7) सलाहकार (वित्त) — रु. 22400-600-26000

(छ) जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सांविधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त हो उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

(5) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा

(क) नियुक्ति परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके, अपने को पक्का किए जाने योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी अथवा, जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार होगा, उस पद पर उनका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ख) यदि यथास्थिति सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है अथवा जैसा भी मामला हो सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार होगा, उस पद पर उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(च) वेतनमान

पद का नाम	वर्तमान वेतनमान	संशोधित वेतन ढाँचा तदनुरूपी		
		पे बैंड का नाम	वेतनमान	तदनुरूपी ग्रेड पे
कनिष्ठ समय वेतनमान	₹ 8000-275-13500	पीबी-3	15600-39100	5400
वरिष्ठ समय वेतनमान	₹ 10000-325-15200	पीबी-3	15600-39100	6600
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	₹ 12000-375-16500	पीबी-3	15600-39100	7600
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड का गैर कार्यात्मक चयन ग्रेड	₹ 14300-400-18300	पीबी-4	37400-67000	8700
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	₹ 18400-500-22400	पीबी-4	37400-67000	10000
प्रधान महालेखा परीक्षक/महानिदेशक	₹ 22400-525-24500	उच्च प्रशासनिक ग्रेड	67000-(3 % की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि)-79000	शून्य
अपर उप नियंत्रक एवं एवं महालेखा परीक्षक	₹ 24050-650-26000	उच्च प्रशासनिक ग्रेड + वेतनमान	75500-(3 % की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि) 80000/-	शून्य
उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	₹ 26000 (नियत)	शीर्ष वेतनमान	80000 (नियत)	शून्य

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के समय वेतनमान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतनवृद्धि के प्रयोजन से उसकी सेवा कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी।

(ग) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यथास्थिति सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती/सकता है या यदि यथास्थिति सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोष हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती/सकता है, या उसकी परिवीक्षा की अवधि को, जितना उचित रामझे बढ़ा सकती/सकता है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर कोई नई नियुक्तियों के संबंध में स्थाई करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) लेखापरीक्षा में लेखा सेवा से अलग किए जाने की संभावना और अन्य सुधारों को ध्यान में रखते हुए भारतीय लेखा परीक्षाओं और लेखा सेवा में परिवर्तन हो सकता है और कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिए चुना जाए इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के आधार पर कोई दावा नहीं करेगा और उसे अलग किए गए केन्द्रीय/राज्य सरकार और नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के अंतर्गत सांविधिक लेखा परिक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के अंतर्गत अलग किए गए लेखा कार्यालयों के संबंध में अंतिम रूप में रहना पड़ेगा।

(ङ.) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है और उन्हें क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) पर भारत के बाहर भी भेजा जा सकता है।

टिप्पणी 2 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों की पहली वेतनवृद्धि विभागीय परीक्षा के भाग I के उत्तीर्ण कर लेने की तारीख अथवा एक वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की तारीख इनमें से जो भी पहले हो उसे स्वीकृत की जा सकती है। दूसरी वेतनवृद्धि विभागीय परीक्षा के भाग II के उत्तीर्ण

कर लेने की तारीख अथवा दो वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की तारीख इनमें से जो भी पहले हो वैसे स्वीकृत की जा सकती है; वेतनमान को रु. 8825 प्रति माह तक कर लेने वाली तीसरी वेतन वृद्धि 3 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की तारीख और परीक्षा की निर्दिष्ट अवधि को संतोषजनक ढंग से अथवा अन्य निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर ही स्वीकृत की जाएगी।

टिप्पणी 3 : जो सरकारी कर्मचारी परीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सर्वाधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त हो उसका वेतन मूल नियम, 22ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

टिप्पणी 4 : भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा के अधिकारियों पर भारत में कहीं पर भी या विदेशों में सेवा करने का विनिरचय दायित्व है।

6. भारतीय राजस्व सेवा पूर्व संशोधित वेतनमान (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप “क”

सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
रु. 8000-275-13500

उपायुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
रु. 10000-325-15200

संयुक्त आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
रु. 12000-375-16500

अतिरिक्त आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
रु. 14300-400-18300

आयुक्त सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
रु. 18400-500-22400

मुख्य आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
रु. 22400-525-24500

(क) नियुक्तियां 2 वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर की जाएंगी। किन्तु यदि परीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करके स्थायीकरण का हकदार नहीं हो जाता तो उक्त अवधि को भी बढ़ाया जा सकता है। दो वर्ष की अवधि में विभागीय प्रतियोगिताओं को उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्ति रद्द भी की जा सकती है अथवा, जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है, उस पद पर उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं है तो सरकार उसे तुरंत सेवामुक्त कर सकती है अथवा, जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है, उस पद पर उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) परीक्षाधीन अधिकारी का परीक्षाकाल पूर्ण होने पर सरकार उनकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है अथवा परीक्षाधीन काल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका परावर्तन किया जा सकता है। किन्तु अस्थाई रिक्तियों पर नियुक्ति किये जाने पर स्थायीकरण संबंधी उसका कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(घ) भारतीय राजस्व सेवा सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप “क” के अधिकारी को भारत के किसी भी भाग में सेवा करनी होगी। तथा भारत में ही ‘फील्ड सर्विस’ करनी होगी।

टिप्पणी 1 : परीक्षाधीन अधिकारी को आरम्भ में रु. 8000-275-13500 के समय वेतनमान में न्यूनतम वेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिए अपने सेवा काल को वह कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से माना जाएगा।

टिप्पणी 2 : जो सरकारी कर्मचारी परीक्षा के आधार पर भारतीय राजस्व सेवा सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप “क” में नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सर्वाधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर नियुक्त किया गया हो तो उसका वेतन मूल नियम 22ख (1) के व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

टिप्पणी 3 : परीक्षा अवधि के दौरान अधिकारी को प्रशिक्षण निदेशालय (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), नई दिल्ली में एक विभागीय प्रशिक्षण और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में फाउण्डेशन कोर्स प्रशिक्षण लेना होगा। उसे विभागीय परीक्षा के भाग I और भाग II उत्तीर्ण करने होंगे। परीक्षाधीन अधिकारी की वेतनवृद्धि निम्नानुसार नियमित होगी :

रु. 8275 तक बढ़ाने वाली पहली वेतनवृद्धि विभागीय परीक्षा के दो भागों में से एक उत्तीर्ण कर लेने की तारीख अथवा एक वर्ष की सेवा पूरी न कर लेने की तारीख से या एक वर्ष की सेवा पूरी करने पर, इसमें जो भी पहले हो, स्वीकृत की जाएगी, वेतन को 8550 रूपये तक बढ़ाने वाली दूसरी वेतनवृद्धि उक्त परीक्षा का दूसरा भाग उत्तीर्ण करने की तारीख से या दो वर्ष की सेवा पूरी करने पर (इसमें जो भी पहले हो), स्वीकृत की जाएगी, किन्तु 8825 रूपये तक बढ़ाने वाली तीसरी वेतनवृद्धि तभी दी जाएगी जब तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो तथा परीक्षा के लिए निर्धारित अवधि में परीक्षा पूरी कर ली हो और सरकार द्वारा यदि कोई अन्य शर्त विहित की जाये तो वह पूरी कर ली हो।

टिप्पणी 4 : परीक्षाधीन अधिकारी को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारतीय राजस्व सेवा सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप “क” के गठन में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक समझकर किये जाने वाले प्रत्येक परिवर्तन के अधीन होगी और इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया जायेगा।

7. भारतीय रक्षा लेखा सेवा

(1) वेतनमान :

(क) कनिष्ठ समय वेतनमान (रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक एवं समकक्ष) 8000-275-13500 रु. (संशोधन पूर्व)/15600 39100 रु. + 5400 (ग्रेड पे) (संशोधित)

(ख) वरिष्ठ समय वेतनमान (रक्षा लेखा उप नियंत्रक एवं समकक्ष) 10000-325-15200 रु. (संशोधन पूर्व)/15600-39100 रु. + 6600 रु. (ग्रेड पे) (संशोधित)

(ग) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक एवं समकक्ष) 12000-375-16500 रु. (संशोधन पूर्व)/15600-39100 रु. + 7600 रु. (ग्रेड पे) (संशोधित)

- (घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) (रक्षा लेखा अपर नियंत्रण एवं समकक्ष) 14000-400-18300 रु. (संशोधन पूर्व)/37400 67000 रु. + 8700 (ग्रेड पे) (संशोधित)
- (ङ) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रक्षा लेखा नियंत्रक एवं समकक्ष) 18400-500-22400 रु. (संशोधन पूर्व)/37400-67000 रु. + 10000 रु. (ग्रेड पे) (संशोधित)
- (च) रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक एवं समकक्ष 22400-525-24500 रु. (संशोधन पूर्व)/67000-79000 रु. (संशोधित)
- (छ) रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक एवं समकक्ष 24500-650-26000 रु. (संशोधन पूर्व)/75000 रु. (3% की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि) 80000 रु. (संशोधित)
- (ज) रक्षा लेखा महानियंत्रक (विभाग का प्रमुख) 26000 रु. नियत (संशोधनपूर्व)/80000 रु. नियत (संशोधित)।
- (झ) रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक/वित्त लेखा तथा लेखा (फैक्ट्री) सहायक नियंत्रक के रूप मेंपर तैनात
- (2) परिवीक्षाधीन अधिकारी का आरंभिक न्यूनतम समय वेतनमान रु. 8000-275-13,500/- (संशोधित पूर्व)/रु. (15600-39100)+5400 (ग्रेड वेतन) (संशोधित) होगा।
- (3) नियुक्तियाँ दो वर्षों की अवधि की परिवीक्षा के आधार पर होंगी जिसके दौरान परिवीक्षार्थियों को निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करके स्थायीकरण के लिए अर्हता प्राप्त करनी होगी। यदि आवश्यक हुआ तो इस अवधि को सरकार चार वर्ष तक के लिए आगे बढ़ा सकती है। परिवीक्षा पास करने में लगातार असफल होने पर (जिसमें बढ़ाई गई अवधि शामिल है) सेवा समाप्त कर दी जाएगी। दो वर्ष की सामान्य अवधि के बाद परिवीक्षाकाल को बढ़ाया जाना वरिष्ठता क्रम को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। इसके अलावा यदि कोई परिवीक्षार्थी परिवीक्षावधि के दौरान भारतीय रक्षा लेखा सेवा में किसी भी प्रकार से अनुपयुक्त पाया जाता है, तो उसकी सेवाएं सरकार द्वारा बिना किसी सूचना के समाप्त की जा सकती हैं। नियुक्ति भारतीय रक्षा लेखा सेवा के संविधान में किसी भी परिवर्तन की शर्त पर होगी जो भारत सरकार के विवेक पर होगा और आप इस तरह के परिवर्तन के परिणाम से हुई किसी भी क्षतिपूर्ति के दावे के हकदार नहीं होंगे।
- (4) आयोग द्वारा किसी भी वर्ष में आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर कनिष्ठ समय वेतनमान में पदों पर भर्ती किये गये व्यक्तियों की वरिष्ठता उक्त विषय पर नियमों और अदेशों के तथा प्रतियोगिता परीक्षा में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अनुसंशित योग्यता क्रम के आधार पर निर्धारित की जाएगी। बशर्ते कि पहले वे चयन के आधार पर नियुक्त परिवीक्षार्थी का रैंक बाद के चयन के आधार पर नियुक्त व्यक्ति से श्रेणी में ऊपर होगा।
- (5) भारतीय रक्षा लेखा सेवा में नियुक्ति की स्वीकृति में भारत में और इसके बाहर क्षेत्रीय सेवा तथा देश के किसी भाग में सेवा के लिए निश्चित रूप से दायित्व निहित है।

- (6) परिवीक्षा के दौरान अधिकारियों को तीन चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा (1) लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी में बुनियादी पाठ्यक्रम, (अवधि तीन माह), (2) राष्ट्रीय वित्त प्रबन्धन संस्थान, फरीदाबाद में एम.बी.ए. (वित्त) प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (अवधि दस माह), (3) राष्ट्रीय रक्षा वित्त प्रबन्धन अकादमी, पुणे में विभागीय प्रशिक्षण (अवधि दस माह)।
- (7) प्रशिक्षण अवधि समाप्त कर लेने पर अधिकारियों को निम्नलिखित संगठनों में से किसी भी एक संगठन में सहायक रक्षा लेखा नियंत्रक/सहायक वित्त एवं लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) के रूप में नियुक्त किया जाएगा :-
- (1) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (आर्मी कमांड्स)
 - (2) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (एयर फोर्स)
 - (3) प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक (नेवी)
 - (4) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन)
 - (5) प्रधान लेखा नियंत्रक (आयुध फैक्ट्रीज)
 - (6) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (अनुसंधान और विकास)
 - (7) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (सीमा सड़क)
 - (8) एकीकृत वित्तीय सलाहकार (सेना/नौसेना/वायुसेना/सीमा सड़क/तटरक्षक/अनुसंधान और विकास)
 - (9) प्रधान नियंत्रक/नियंत्रक का कोई अन्य कार्यालय

8. भारतीय राजस्व सेवा, आयकर ग्रुप 'क'

- (क) नियुक्ति परिवीक्षा के आधार पर की जायेगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी, परन्तु यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आपको स्थाई किये जाने योग्य सिद्ध न कर सके, यदि कोई अधिकारी 3 वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता जा रहा हो तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।
- (ख) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो या तो उसे देखते हुए उसका कार्य कुशल होने की संभावना न होकर सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।
- (ग) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना समझे बढ़ा सकती है परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में स्थाई करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी है तो वह अधिकारी ऊपर के खंडों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) पूर्व संशोधित वेतनमान :

- (1) आयकर सहायक आयुक्त ग्रुप 'क'—कनिष्ठ वेतनमान—रु. 8000-275-13500
- (2) आयकर उपायुक्त/आयकर उपनिदेशक वरिष्ठ वेतनमान—रु. 10000-325-15200
- (3) आयकर सहायक आयुक्त/आयकर संयुक्त निदेशक वेतनमान—रु. 12000-375-16500
- (4) आयकर अपर आयुक्त वेतनमान—रु. 14300-400-18300
- (5) आयकर आयुक्त वेतनमान—रु. 18400-500-22400
- (6) प्रधान आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक वेतनमान—रु. 22400-525-24500

परिवीक्षाधीन अवधि में अधिकारी को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी तथा राष्ट्रीय प्रत्यक्षकर अकादमी, नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। मसूरी में शिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास करनी होगी। इसके अतिरिक्त परिवीक्षाधीन अवधि में विभागीय परीक्षा भी पास करनी होगी। एक वर्ष की सेवा समाप्ति पर वेतन बढ़ाकर 8275 रु. कर दिया जाएगा। केवल विभागीय परीक्षा पास कर लेने से वेतन बढ़ाकर 8275 रु. कर दिया जाएगा। 8550 रु. के स्तर के ऊपर के वेतन तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उस अधिकारी की सेवा का स्थायीकरण न हो जाए तथा 3 वर्ष की सेवा पूरी न हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो आवश्यक समझी जायें।

यदि वह अकादमी की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं कर लेता तो एक वर्ष के लिए उसकी वेतनवृद्धि स्थगित कर दी जाएगी अथवा उस तारीख तक जब कि विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे दूसरी वेतनवृद्धि मिलने वाली हो और उन दोनों में से जो भी अधिक पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

बुनियादी पाठ्यक्रम में तथा राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर में संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए वरीयताक्रम का परस्पर निर्धारण परीक्षार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा तथा इन निष्पादनों के आधार पर दिए गए स्तर को इन वाक्ययांशों के रूप में निर्दिष्ट किया जाएगा—सिविल सेवा परीक्षा (76.67 प्रतिशत), बुनियादी पाठ्यक्रम (8.33 प्रतिशत) तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण (15 प्रतिशत)।

टिप्पणी :—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भली-भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय राजस्व सेवा ग्रुप I के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेंगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार

द्वारा किया जाएगा और वे उस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे।

9. भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप "क" (प्रशासन)

(क) चुने गए उम्मीदवारों को 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाएगा। महानिदेशक, आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की अनुसंधान पर परिवीक्षा की अवधि सरकार द्वारा घटाई या बढ़ाई जा सकती है और परिवीक्षाधीन उम्मीदवार को सरकार द्वारा यथा-निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और सरकार द्वारा निर्धारित विभागीय तथा भाषा परीक्षण उत्तीर्ण करते होंगे। भाषा परीक्षण हिन्दी में परीक्षण होगा।

परिवीक्षा की अवधि के समापन पर सरकार अधिकारी की नियुक्ति स्थाई करेगी। किन्तु यदि परिवीक्षा की अवधि के दौरान या उसके अन्त में उसका आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक हो तो सरकार उसे या तो कार्यमुक्त करेगी या उसकी परिवीक्षा की अवधि को यथापेक्षित बढ़ाएगी।

(ख) 1. चुने हुए उम्मीदवारों को आवश्यकता पड़ने पर प्रशिक्षण पर बिताई अवधि सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा करनी पड़ेगी gkshafdurqkrz:g gsfid (i) उसे नियुक्ति की तारीख के 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से सेवा नहीं करनी होगी, और (ii) उसे साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में सेवा नहीं करनी होगी।

2. उम्मीदवार पर यथा संशोधित सा.का.नि. सं. 92, दिनांक 9-3-1957, के अधीन प्रकाशित सिविलियन संबंधी रक्षा सेवा (फोल्ड लाइबिलिटी) नियमावली, 1957 भी लागू होगा। उनकी इन नियमों में निर्धारित चिकित्सा मानक के अनुसार परीक्षा की जाएगी।

(ग) लागू वेतन की निम्नलिखित दरें हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान -15600-39100 रु., ग्रेड पे 5400

वरिष्ठ समय वेतनमान -15600-39100 रु., ग्रेड पे 6600

वरिष्ठ समय वेतनमान (गैर-कार्यात्मक) 15600-39100 रु., ग्रेड पे 7600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (कार्यात्मक) 37400-367000 रु., ग्रेड पे 8700

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 37400-67000 रु., ग्रेड पे 10000

वरिष्ठ महाप्रबन्धक/वरिष्ठ उप-महानिदेशक/उच्च प्रशासनिक ग्रेड-67400-79000 रु.

अपर महानिदेशक आयुध कारखाना/सदस्य (आयुध कारखाना बोर्ड) 75500-80000 रु.

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड 80000 रु. (नियत)

महानिदेशक आयुध कारखाना

अध्यक्ष, आयुध कारखाना बोर्ड रु. 26000 (नियत)

टिप्पणी :—उस सरकारी कर्मचारी का वेतन नियम के अधीन विनियमित किया जाएगा जिसने परिवीक्षाधीन के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले मूल रूप में आवधिक पद के अलावा कोई स्थायी पद को धारण किया।

(घ) परीक्षा 15600-39100 रु., ग्रेड पे 5400 रु. के निर्धारित वेतनमान में वेतन आहरित करेंगे। परीक्षा अवधि के दौरान उन्हें फाउण्डेशनल कोर्स में विभाग की विभिन्न शाखाओं, राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी, अलक्षारी, नागपुर और/या लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी, मंसूरी में प्रशिक्षण प्राप्त करना अपेक्षित होगा।

(ङ) परीक्षार्थी को प्रशिक्षण/परीक्षा अवधि के दौरान उनके प्रशिक्षण पर हुए सम्पूर्ण व्यय और उनको किए हुए अन्य भुगतानों की राशि वापिस करनी होगी, बशर्ते वह अपने प्रशिक्षण/परीक्षा की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के भीतर सेवा से त्यागपत्र देने की इच्छा व्यक्त करता/करती है अथवा बशर्ते वह प्रशिक्षण/परीक्षा से नाम वापिस ले लेता है/ ले लेती है। परीक्षार्थी को नियुक्ति के समय इस आशय का एक बंधपत्र देना होगा।

(च) भारतीय आयुध कारखाना सेवा-समूह 'क' में 9 (ग) में दर्शाए गए पद या ग्रेड या समय वेतनमान शामिल है और अधिकारियों की निम्नलिखित श्रेणियां शामिल हैं नामशः :-

- (1) इंजीनियर (यांत्रिकी/वैद्युत/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार/सिविल)
- (2) रसायन इंजीनियरी
- (3) घात्विक इंजीनियरी
- (4) चमड़ा प्रौद्योगिकीविद्
- (5) वस्त्र तकनीकीकार
- (6) प्रशासनिक अधिकारी

टिप्पणी 1.—प्रशासनिक अधिकारी सामान्यतया सिविल सेवा परीक्षा (सी एस ई) के माध्यम से भर्ती किए जाते हैं। क्रम सं. (1) में दिए गए इंजीनियर इंजीनियरी सेवा परीक्षा (ई एस ई) के माध्यम से भर्ती किए जाते हैं। क्रम सं. (ii) में (v) तक को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ परीक्षा तथा/अथवा साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती किया जाता है।

10. भारतीय डाक सेवा ग्रुप 'क'

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग में प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी अवधि, आमतौर पर दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में इन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी प्रशिक्षणाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) निर्धारित प्रशिक्षण को संतोषप्रद ढंग से पूरा करने पर तथा निर्धारित विभागीय परीक्षण पास करने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है, या यदि सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है। या उसकी परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खंडों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) पूर्व संशोधित वेतनमान :

- (1) कनिष्ठ समय वेतनमान-रु. 8000-275-13500
- (2) वरिष्ठ समय वेतनमान-रु. 10000-325-15200
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान रु. 12000-375-16500
- (4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) वेतनमान-रु. 14300-400-18300
- (5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान-रु. 18400-500-22400
- (6) वरिष्ठ उप महानिदेशक मुख्य महा पोस्टमास्टर वेतनमान-रु. 22400-525-24500
- (7) प्रधान मुख्य महा पोस्टमास्टर : वेतनमान-रु. 22400-600-26000
- (8) डाक सेवा बोर्ड के सदस्य : वेतनमान-रु. 24050-600-26000

(च) जो सरकारी कर्मचारी परीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर आवधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22(ख)(1) की अवस्थाओं के अधीन नियमित होगा।

(छ) परीक्षाधीन अधिकारियों को यह भली-भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा के गठन के लिए किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन में प्रभावित हो सकेंगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकर का दावा नहीं कर सकेंगे।

(ज) कनिष्ठ समय वेतनमान में सीधी भर्ती की अधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता निर्धारित करते समय, सीधी भर्ती के उम्मीदवारों द्वारा सिविल सेवा परीक्षा में तथा परीक्षा प्रशिक्षण में उनके द्वारा प्राप्त अकों को ध्यान में रखा जाएगा।

(झ) भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों को सरकार द्वारा यथा अपेक्षित सेना डाक सेवा में भारत अथवा विदेश में कार्य करना होगा।

(ञ) इस समय सेवा में इस समय रु. 24050-650-26000 के ग्रेड में 3 पद, रु. 22400-600-26000 के ग्रेड में 3 पद, रु. 22400-525-24500 के ग्रेड में 20 पद, रु. 18400-500-22400 के ग्रेड में 58 पद तथा रु. 14300-400-18300 रु./12000-375-16500 (गैर-कार्यात्मक चयन ग्रेड तथा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के ग्रेड में 91 पद हैं।

11. भारतीय सिविल लेखा सेवा ग्रुप 'क'

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा के आधार पर की जाएगी किन्तु यदि परीक्षाधीन अधिकारी ने स्थायीकरण के लिए निर्धारित विभागीय परीक्षा पास कर अर्हता प्राप्त नहीं की तो वह अवधि बढ़ाई जा सकती है। तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाओं में बार-बार असफल रहने पर नियुक्तियां समाप्त की जाएंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई है, उसका (प्रत्यावर्तन) किया जा सकता है।

(ग) परीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसके नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है। यदि सरकार की राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त

कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है। परन्तु अस्थायी रिक्तियों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में स्थायीकरण का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि नियुक्ति भारतीय सिविल लेखा सेवा के गठन में किए गए ऐसे परिवर्तनों के अधीन होगी जो समय-समय पर भारत सरकार द्वारा ठीक समझे जाएं और ऐसे परिवर्तनों के परिणामस्वरूप वे किसी प्रतिकार का दावा नहीं करेंगे।

(ङ) वेतनमान :-

क्र. सं.	पद	पे बैंड/ वेतनमान का नाम	तदनुसूची पे बैंड/वेतनमान का नाम	ग्रेड पे वेतनमान
1.	लेखा (नियत)	शीर्ष	80000 (नियत)	शून्य
2.	अपर लेखा महानियंत्रक	उच्चतर प्रशा. ग्रेड+ वेतनमान	75500-(3% की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि 80000)	शून्य
3.	प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक	उच्च प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान	67000-(3% की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि) 79000	शून्य
4.	वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (संयुक्त लेखा महा नियंत्रक/लेखा मुख्य नियंत्रक)	पी.बी.-4	37400-67000	10000
5.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड चयन (उप लेखा महानियंत्रक/लेखा नियंत्रक)	पी.बी.-4	37400-67000	8700
6.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (उप लेखा महानियंत्रक/लेखा नियंत्रक)	पी.बी.-3	15600-39100	7600
7.	वरिष्ठ समय वेतनमान (सहायक लेखा महानियंत्रक/लेखा उप-नियंत्रक)	पी.बी.-3	15600-39100	6600
8.	कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक लेखा नियंत्रक)	पी.बी.-3	15600-39100	5400

टिप्पणी 1.—परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा भारतीय सिविल लेखा सेवा के समय वेतनमान में कम से कम वेतन से आरम्भ होगी और वेतनवृद्धि के प्रयोजनार्थ वह उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से गिनी जायेगी।

टिप्पणी 2.—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को रु. 15600+5400 से ऊपर के चरण का वेतन तब तक मंजूर नहीं किया जायेगा जब तक कि वे समय-समय पर विहित किये जाने वाले नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण न हो जाएं।

टिप्पणी 3.—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले अधीक्षक पद से अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर रहा हो उसका वेतन मूल नियम 22(ख)(1) में दिए गए उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

12. भारतीय रेलवे यातायात सेवा ग्रुप 'क'

13. भारतीय रेलवे लेखा सेवा ग्रुप 'क'

14. भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा ग्रुप 'क'

15. रेलवे सुरक्षा बल ग्रुप 'क'

(क) परिवीक्षा भारतीय रेलवे लेखा सेवा (भा.रे.ले.से.), भारतीय रेलवे यातायात सेवा (भा.रे.या.ले.) और भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (भा.रे.का.से.) के अलावा इन सेवाओं के भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। इस दौरान उम्मीदवारों को दो वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनकी कार्यकारी पद पर परिवीक्षा के दौरान कम से कम एक वर्ष के लिए नियुक्ति की जाएगी। यदि किसी मामले में संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा ना करने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जाती है तो उसके अनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। इसके अलावा यदि कार्यकारी पद पर परिवीक्षा के आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि के दौरान कार्य संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो सरकार जितना उचित समझे परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

किन्तु भारतीय रेलवे लेखा सेवा, भारतीय रेलवे यातायात सेवा और भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवारों की नियुक्ति 1.5 वर्ष के लिए परिवीक्षा पर की जाएगी जिसके दौरान उनको प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि प्रशिक्षण के संतोषजनक रूप से पूरा न होने पर किसी स्थिति में प्रशिक्षण की अवधि को बढ़ा दिया जाता है तो उसके अनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जायेगी।

(ख) **प्रशिक्षण**—सभी परिवीक्षाधीन अधिकारियों को विशिष्ट सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार 1.5 वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा। यह प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा तथा उन्हें ऐसी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा जो इस अवधि पर सरकार समय-समय पर निर्धारित करे।

(ग) **नियुक्ति की समाप्ति**—(1) परिवीक्षा की अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारी की नियुक्ति में दोनों पक्षों में से किसी भी पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर समाप्ति की जा सकती है किन्तु इस प्रकार के नोटिस की आवश्यकता संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही के कारण सेवा में बर्खास्तगी या सेवा से हटा दिए जाने और मानसिक या शारीरिक असमर्थता से संबंधित मामलों में नहीं होगी। किन्तु सरकार को सेवा समाप्ति करने का अधिकार होगा।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक न हो अथवा ऐसा प्रतीत होता हो कि उसके सक्षम बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर

सकती है अथवा स्थाई पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर भी सेवा समाप्त की जा सकती है। परीक्षा की अवधि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर भी सेवा समाप्त की जा सकेगी।

(घ) स्थायीकरण—परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक रूप से पूरा कर लेने और निर्धारित सभी विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं के उत्तीर्ण करने पर यदि सब प्रकार से नियुक्ति के लिए विचार कर लिए जाते हैं तो परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी किया जायेगा।

(ङ) वेतनमान—भारतीय रेलवे यातायात सेवा/भारतीय रेलवे लेखा सेवा/भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा

क्र. सं.	ग्रेड	पे बैंड/वेतनमान का नाम	सदृश वेतनमान	सदृश ग्रेड पे
1.	कनिष्ठ वेतनमान	पी बी-3	15600-39100	5400
2.	वरिष्ठ वेतनमान	पी बी-3	15600-39100	6600
3.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	पी बी-3	15600-39100	7600
4.	वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	पी बी-4	37400-67000	10000

इसके अतिरिक्त, रु. 37400 और 80000 के बीच सुपर समय वेतनमान पद हैं, जिनके लिए उक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

रेलवे सुरक्षा बल

क्र. सं.	ग्रेड	पे बैंड/वेतनमान का नाम	सदृश वेतनमान	सदृश ग्रेड पे
1.	कनिष्ठ वेतनमान	पी बी-3	15600-39100	5400
2.	वरिष्ठ वेतनमान	पी बी-3	15600-39100	6600
3.	वरिष्ठ कमांडेंट (मुख्यालय)	पी बी-3	15600-39100	7600
4.	उप महानिरीक्षक	पी बी-4	37400-67000	8900
5.	महानिरीक्षक	पी बी-4	37400-67000	8900
6.	महानिदेशक	उच्च प्रशासनिक ग्रेड+वेतनमान	75500 (3% की दर से वार्षिक वेतनवृद्धि)-80000	शून्य

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम से प्रारंभ होगी और उन्हें परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में छुट्टी, पेंशन व वेतन वृद्धियों के लिए गिनने की अनुमति होगी।

मंहगाई भत्ता और अन्य भत्ते भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेंगे।

परिवीक्षा की अवधि में विभागीय तथा अन्य परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर वेतन-वृद्धियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण लागत की वापसी.—यदि किसी वजह, जो सरकार की राय में परिवीक्षार्थियों के नियंत्रण से बाहर नहीं है, से कोई परिवीक्षार्थी प्रशिक्षण या परिवीक्षा को छोड़ना चाहता है तब उसे वेतन और भत्तों, नौकरी शुरू करने से संबंधित यात्रा व्यय सहित भुगतान की गई सभी राशियां और सभी खर्च जो परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वहन किए जाएंगे अथवा वहन किए गए होंगे, वापस करने पड़ेंगे। इस प्रयोजनार्थ परिवीक्षार्थियों को एक बंधपत्र निष्पादित करना आवश्यक होगा जिसकी एक प्रति उनकी नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव के साथ संलग्न होगी। तथापि, परिवीक्षार्थी जिन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु आवेदन करने की अनुमति दी गई है, को प्रशिक्षण की लागत लौटानी आवश्यक नहीं होगी।

(छ) छुट्टी.—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(ज) डाक्टर की चिकित्सा सहायता.—(1) अधिकारी समय-समय पर लागू नियमावली के अनुसार डाक्टर की चिकित्सा सहायता और उपचार के पात्र होंगे।

(2) पास तथा विशेषाधिकार टिकट.—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमावली के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकट प्राप्त के पात्र होंगे।

(झ) भविष्य निधि तथा पेंशन.—उक्त सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों द्वारा शासित होंगे तथा उस निधि के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में योगदान करेंगे।

(ञ) उक्त सेवा के पद पर भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत के बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना में कार्य करना पड़ सकता है।

टिप्पणी :—रेलवे सुरक्षा बल में भर्ती किए गए उम्मीदवार इसके अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 तथा रे.सु. बल नियमावली 1959 में नियम उपबंधों द्वारा भी शासित होंगे।

16. भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा ग्रुप “क”

(क) (1) नियुक्ति के लिए चुना गया उम्मीदवार परिवीक्षा पर रखा जाएगा जिसकी अवधि आमतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा।

(2) जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले अवधि के पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था उसका वेतन मूल नियम 22(ख) (1) में दिए गए उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) परीक्षा की अवधि में उम्मीदवारों को निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ग) (1) यदि सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले, उसे सेवामुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिखकर "कारण बताओ" का अवसर भी दिया जाएगा।

(2) यदि परीक्षा-अवधि की समाप्ति पर अधिकारी ने ऊपर पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार अपने विवेक से या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या यदि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी परीक्षा-अवधि बढ़ानी आवश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परीक्षा-अवधि बढ़ा सकती है।

(3) परीक्षा-अवधि के समाप्त होने पर सरकारी अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा-अवधि को जितना समझे, बढ़ा सकती है। परीक्षा-अवधि में ऐसे आदेश पारित या बढ़ाये जा सकते हैं, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले अधिकारी को सेवामुक्ति के कारण से अवगत कराया जाएगा और लिखकर "कारण बताओ" का अवसर भी दिया जाएगा।

(घ) इस सेवा के सदस्य को उसकी परीक्षा-अवधि में वार्षिक वेतन-वृद्धि तय हो जाने पर भी, तब तक नहीं मिलेगी जब तक वह विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेगा। जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारीख से मिल जाएगी।

(ङ.) यदि कोई परीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी राष्ट्रीय प्रत्यक्षकर अकादमी, नागपुर, तथा एस.वी.पी. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं करता है तो जिस तारीख को उसे पहली वेतनवृद्धि प्राप्त होगी उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अंतर्गत उसे जब दूसरी वेतनवृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

(च) पूर्व संशोधित वेतनमान निम्न प्रकार है :—

रक्षा संपदा के महानिदेशक रु. 26000 (नियत)

प्रधान निदेशक तथा समकक्ष पद, उच्च प्रशासनिक ग्रेड 22400-525-24500 रुपए

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 18400-500-22400 रुपए

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) 14300-400-18300 रुपए

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य) 12000-375-16500 रुपए

वरिष्ठ समय वेतनमान 10000-325-15200 रुपए

कनिष्ठ समय वेतनमान 8000-275-13500 रुपए

(छ) (i) कनिष्ठ समय वेतनमान में, अधिकारी सामान्यतः छावनी अधिनियम, 2006/रक्षा सम्पदा अधिकारी/स्टॉफ नियुक्तियाँ आदि के अंतर्गत अधिसूचित छावनीयों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाएंगे।

(ii) वरिष्ठ समय वेतनमान में, अधिकारी या तो परिमण्डल के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों/रक्षा सम्पदा अधिकारियों के रूप में या स्टाफ नियुक्तियों आदि में नियुक्त किए जाएंगे।

(ज) कनिष्ठ समय वेतनमान से उच्च वेतनमान में सभी पदोन्नतियाँ समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा नियमावली, 1995 के अनुसार की जाएंगी।

(झ) भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा के अधिकारियों से भारत के किसी भाग में सेवा ली जा सकती है और साथ ही फील्ड सर्विस के लिए उन्हें भारत के किसी भाग में भेजा जा सकता है।

(ञ) इस सेवा में नियुक्त किए गए उम्मीदवार को समय-समय पर संशोधित भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा ग्रुप 'क' नियमावली, 1985 द्वारा शासित किया जाएगा।

17. भारतीय सूचना सेवा, कनिष्ठ ग्रेड (ग्रुप 'क')

(क) "भारतीय सूचना सेवा में समस्त भारत के पद शामिल हैं, जिसमें सूचना और प्रसारण मंत्रालय/रक्षा मंत्रालय (जन संपर्क निदेशालय) के विभिन्न माध्यम संगठनों (जैसे कि प्रेस सूचना ब्यूरो, दूरदर्शन, आकाशवाणी विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, क्षेत्र प्रचार निदेशालय, आदि) के विदेशों में कुछ पदों सहित पद सम्मिलित हैं, जिनके लिए प्रबंध कुशलता और जानकारी तथा सरकार के लिए तथा सरकार की ओर से इसका प्रसार करने की क्षमता अपेक्षित है ताकि सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों और जन साधारण के सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान के लिए उनके कार्यान्वयन के बारे में विभिन्न माध्यमों से जनता को शिक्षित, प्रेरित और सूचित किया जा सके। केन्द्रीय सूचना सेवा जो 1 मार्च, 1960 को गठित की गई थी, का नाम सन् 1987 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 153 दिनांक 7-3-1987 द्वारा बदल कर भारतीय सूचना सेवा कर दिया गया है।

(ख) उक्त सेवा में संप्रति निम्नलिखित ग्रेड है :—

ग्रेड	वेतनमान
1	2
भारतीय सूचना सेवा ग्रेड "क"	
(1) उच्चतर ग्रेड	26000 (नियत) रुपए
(2) चयन ग्रेड	22400-525-24500 रुपए
(3) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	18400-500-22400 रुपए
(4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (नान-फंक्शनल) (चयन ग्रेड)	14300-400-18300 रुपए
(5) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	12000-375-16500 रुपए
(6) वरिष्ठ ग्रेड	10000-325-15200 रुपए
(7) कनिष्ठ ग्रेड	8000-275-13500 रुपए

(ग) "ग्रेड में शेष रिक्तियाँ तथा उच्चतर ग्रेड, चयन ग्रेड, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड, कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड तथा वरिष्ठ ग्रेडों में रिक्तियाँ अगले न्यून ग्रेड में पदधारी अधिकारियों में से चयन द्वारा पदोन्नति से भरी जाएंगी।"

(घ) (1) कनिष्ठ वेतनमान के सीधी भर्ती वालों को दो वर्ष परीक्षा पर रहना होगा। परीक्षा के दौरान उन्हें भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली में 9 महीने की अवधि के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि तथा स्वरूप में सरकार द्वारा परिवर्तन

किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें विभागीय परीक्षण (परिक्षणों) को उत्तीर्ण करना होगा, प्रशिक्षण की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षण (परिक्षणों) को उत्तीर्ण नहीं करने पर उम्मीदवार सेवा से कार्यमुक्त अथवा स्थायी पद यदि कोई हो, जिस पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार हो तो प्रवर्तित किया जा सकता है।

(2) परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार लागू नियमों के अनुसार सीधी भर्ती द्वारा किए गए अधिकारियों को उनकी नियुक्तियों में स्थायी कर सकते हैं। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो तो उसे सेवा से हटा दिया जाएगा या उसकी परिवीक्षा अवधि को सरकार जितना उचित समझेगी बढ़ा देगी। यदि उसका कार्य या आचरण ऐसा हो जिसे देखते हुए ऐसा जान पड़े कि उसके कार्य कुशल होने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल सेवा से हटा सकती है।

(3) परिवीक्षाधीन अधिकारी ग्रेड-II के समय वेतनमान के निम्नतम स्तर प्रारम्भ करेंगे और सेवा में उनकी प्रवेश की तारीख से वेतनवृद्धि के लिए उनकी सेवा की गिनती होगी।

(ड.) सरकार किसी भी अधिकारी को सूचना और प्रसारण मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय (जनसंपर्क निदेशालय) के अधीन किसी संगठन में क्षेत्रगत पद पर काम करने को कह सकती है।

(च) जहां तक छुट्टी, पेंशन और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को समूह 'क' तथा समूह 'ख' के अन्य अधिकारियों के समान माना जाएगा।

18. भारतीय व्यापार सेवा, ग्रुप 'क' (ग्रेड-3).—(क) उक्त सेवा नियुक्ति 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होगी जिसको कुल शर्तों के अधीन धटायी या बढ़ाया जा सकता है। उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि के दौरान संतोषजनक परिवीक्षा के समापन की शर्त के रूप में ऐसे विहित प्रशिक्षण तथा अध्ययन पूरे करने होंगे और ऐसी परिवीक्षा तथा प्रशिक्षण हिन्दी की परीक्षा सहित उत्तीर्ण करने होंगे जैसे सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएं।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या यह दर्शाता है कि उसके कुशल बनने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल पदमुक्त कर सकती है यथास्थिति उसकी उस स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है जिस पर उसका लियन है अथवा जिस पर उसकी लियन उस स्थिति में रहता जब वह लियन उसकी उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों या सरकार के समुचित आदेशों के अधीन स्थगित कर दिया गया होता।

(ग) किसी अधिकारी की परिवीक्षा की अवधि के संतोषजनक समापन पर सरकार उक्त अधिकारी को इस सेवा में स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक हो तो सरकार या तो उसे उक्त सेवा से मुक्त कर सकती है अथवा उसकी परिवीक्षा की अवधि को कुछ शर्तों के अधीन उतनी अवधि के लिए और आगे बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

किन्तु शर्त यह है कि सरकार का जिन मामलों में परिवीक्षा की अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव है उनसे सरकार ऐसा करने के अपने इरादे की सूचना लिखित रूप में उक्त अधिकारी को देगी।

(घ) उक्त सेवा के ग्रेड-III में नियुक्त अधिकारी को भारत में या उससे बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ेगा। इन अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति हो जाने पर भारत सरकार के किसी अन्य मंत्रालय या विभाग या सरकार के निगम या आद्योगिक उपक्रम में कार्य करना होगा।

(ड.) वेतनमान

क्रम सं.	ग्रेड	वेतनमान
(1)	वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अपर महानिदेशक, विदेश व्यापार)	18400-500-24500 रुपए
(2)	चयन ग्रेड (नान फंक्शनल)	14300-400-18300 रुपए
(3)	ग्रेड-I (संयुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार तथा संयुक्त निदेशक नि.सं.)	12000-375-16500 रुपए
(4)	ग्रेड-II (उप महानिदेशक, विदेश व्यापार तथा संयुक्त निदेशक नि.सं.)	10000-325-15200 रुपए
(5)	ग्रेड-III (सहायक महानिदेशक, विदेश व्यापार)	8000-275-13500 रुपए

उक्त पाँचों ग्रेडों में सेवा वाणिज्य मंत्रालय के अधीन है। नई दिल्ली स्थित विदेश व्यापार महानिदेशालय वाणिज्य मंत्रालय के सचिवालय का संबद्ध कार्यालय है यही कार्यालय इस सेवा के उपयोग करने वाला संगठन है।

उक्त सेवा के ग्रेड-III के संबद्ध अधिकारी सामान्यतः अनुभागों के प्रधान होंगे जबकि ग्रेड-II में अधिकारी सामान्यतः एक या इससे अधिक अनुभागों की शाखाओं के प्रभारी होंगे।

उक्त सेवा के ग्रेड-II के अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उस सेवा के ग्रेड-III में पदोन्नति के पात्र होंगे।

उक्त सेवा के ग्रेड-II के अधिकारी उक्त सेवा के ग्रेड-I या केन्द्रीय सरकार के अन्य ऊँचे प्रशासनिक पदों या सरकार के निगमों, उपक्रमों में नियुक्ति के पात्र होंगे।

उक्त सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार नान-फंक्शनल चयन ग्रेड में नियुक्ति तथा वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अपर महानिदेशक) विदेश व्यापार में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) उक्त सेवा के ग्रेड-III में सीधी भर्ती इस ग्रेड का 50 प्रतिशत स्थायी रिक्तियों को भरने के लिए इस सेवा के भर्ती नियमों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से की जाती है। शेष 50 प्रतिशत रिक्तियाँ फीडर ग्रेड में से पदोन्नति द्वारा भरी जाती हैं।

(छ) भविष्य निधि भारतीय व्यापार सेवा के ग्रेड-III के नियुक्त अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) में सम्मिलित होने के पात्र होंगे तथा उक्त निधि को विनियमित कर रहे प्रभावी नियमों से शासित होंगे।

(ज) अवकाश : भारतीय व्यापार सेवा के ग्रेड-II में नियुक्त अधिकारियों पर समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 लागू होगी।

(झ) चिकित्सा परिचर्या : भारतीय व्यापार सेवा से ग्रेड-III के अधिकारियों पर समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सेवा (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली, 1944 लागू होगा।

(ज) सेवा निवृत्ति लाभ : भारतीय व्यापार सेवा के ग्रेड-III के अधिकारियों पर समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 लागू होगा।

(ट) केन्द्रीय सरकार कर्मचारी गुप बीमा योजना, 1980 भारतीय व्यापार सेवा ग्रेड-III में नियुक्त अधिकारी केन्द्रीय सरकार कर्मचारी गुप बीमा योजना, 1980 के द्वारा शासित होंगे।

19. भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा (क) नियुक्तियां परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी परंतु कुछ शर्तों के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवार को परिवीक्षा की अवधि में केन्द्रीय सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार तत्काल सेवामुक्त कर सकती है या यथास्थिति उसे स्थाई पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है। जिस पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार है अथवा होगा; बशर्ते कि उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों के अंतर्गत पुनर्ग्रहणाधिकार निलंबित न कर दिया गया हो।

(ग) परिवीक्षा अवधि के असंतोषजनक रूप से पूरा होने पर सरकार अधिकारी को सेवा में स्थाई कर सकती है, यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो सरकार उसे भी सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे कुछ शर्तों के साथ बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा से संबंधित प्रत्येक अधिकारी को केन्द्र सरकार के अंतर्गत भारत में या भारत से बाहर कहीं भी सेवा करने के लिए कहा जा सकता है।

20. सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड, गुप "ख" (क) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय निम्नलिखित पांच ग्रेड हैं :-

क्रम सं.	ग्रेड	पे बैंड/वेतनमान का नाम	तदनुरूपी में पे बैंड/वेतनमान	तदनुरूपी ग्रेड पे
1.	प्रधान निदेशक (गुप-क)	पी बी-4	37400-67000 संशोधन पूर्व (18400-500-22400 रु.)	10000
2.	निदेशक (गुप-क)	पी बी-4	37400-67000 संशोधन पूर्व (14300-400-18300 रु.)	8700
3.	संयुक्त निदेशक (गुप-क)	पी बी-3	15600-39100 संशोधन पूर्व (12000-375-16500 रु.)	7600
4.	उप निदेशक (गुप-क)	पी बी-3	15600-39100 संशोधन पूर्व (10000-325-15200 रु.)	6600
5.	अनुभाग अधिकारी (गुप-ख राजपत्रित)	पी बी-2	(i) 9300-34800 (आरंभिक नियुक्ति पर) संशोधन पूर्व (7500-250-12000 रु.)	4800
		पी बी-3	(ii) 15600-39100, संशोधन पूर्व (8000-275-13500 रु.)	5400 (गैर-4 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी करने पर गैर-कार्यात्मक वेतनमान/ग्रेड पे, सतर्कता निर्बाधन के अधीन)
6.	सहायक (गुप 'ख' अराजपत्रित)	पी बी-2	9300-34800 संशोधन पूर्व (7450-225-11500 रु.)	4600

(ड) वेतनमान :-

- कनिष्ठ समय वेतनमान : 8000-275-13,500 रुपए (पूर्व संशोधित)
- वरिष्ठ समय वेतनमान : 10,000-325-15,200 रुपए (पूर्व संशोधित)
- कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : 12,000-375-16,500 रुपए (पूर्व संशोधित)
- कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : (नान फंक्शनल सेलेक्शन ग्रेड): 14,300-400-18,300 रुपए (पूर्व संशोधित)
- वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : 18,400-500-22,400 रुपए (पूर्व संशोधित)
- उच्च प्रशासनिक ग्रेड : 22,400-24,500 रुपए (पूर्व संशोधित)

महंगाई भत्ता केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में आरंभ होगी तथा परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वृद्धि या पेंशन छुट्टी के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(च) सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों का विनियमन भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा नियम, 2008 के अनुपालन में किया जाएगा। ऐसे मामले जिनके लिए भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा नियम, 2008 में कोई प्रावधान नहीं किया गया है, के संबंध में सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तें वैसी ही होंगी जैसी केन्द्रीय सिविल सेवा समूह 'क' अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होती हैं।

उपयुक्त सेवा एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय (सेना, नौसेना और वायुसेना) और अन्तर-सेवा संगठन, रक्षा मंत्रालय की आवश्यकता पूरी करती है। प्रत्यक्ष भर्ती केवल अनुभाग अधिकारी ग्रेड और सहायक ग्रेड के लिए की जाती है।

(ख) परिवीक्षा, या उसके विस्तार की अवधि के दौरान, अधिकारियों को सफलतापूर्वक परिवीक्षा संतोषजनक पूरी करने की शर्त (सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा नियमावली, 2011 को नियम 10 I (4) के रूप में प्रशिक्षण संबंधी ऐसे पाठ्यक्रमों और अनुदेशों, जो भी उचित समझा जाएगा, को पूरा करना और ऐसे परीक्षणों को पास करना अपेक्षित होगा।

(ग) परिवीक्षा संबंधी किसी भी मामले के लिए सेवा के सदस्यों पर इस संबंध में समय-समय पर सरकार द्वारा जारी अनुदेश (सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा नियमावली, 2001 का नियम 10 I (5) लागू होंगे।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा रक्षा मंत्रालय अन्तः-सेना संगठनों में अनुभाग अधिकारी सामान्यतः अनुभागों के प्रमुख होंगे जबकि उप-निदेशक एक या अधिक अनुभागों के कार्य प्रभारी होंगे।

(ङ) अनुभाग अधिकारी समय-समय पर तत्संबंधी लागू नियमों के अनुसार उप-निदेशक ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के उप-निदेशक समय-समय पर तत्संबंधी लागू नियमों के अनुसार उक्त सेवा के संयुक्त निदेशक ग्रेड में तथा प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के पात्र होंगे।

(छ) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के संयुक्त निदेशक सेवा के निदेशक के पद पर और अन्य प्रशासनिक पदों के लिए समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार सेना में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(ज) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में निदेशक से ऊपर के स्तर के प्रधान निदेशक [ग्रुप 'क', पी बी-4 (37400-67000), ग्रेड पे 10000 रु., संशोधन पूर्व (18400-500-22400 रु.)] के तीन पद हैं। ये तीन पद तीन वर्ष की अनुमोदित सेवा वाले निदेशकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाने हैं।

(झ) जहां तक सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के अधिकारियों की छुट्टी, पेंशन तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है वे समय-समय पर रक्षा सेवाओं के व्यय में से वेतन पाने वाले अधिकारियों के लिए लागू नियमों, विनियमों तथा आदेशों द्वारा शासित होंगे।

21. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादरा और नागर हवेली सिविल सेवा समूह-ख

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्तियों की जाएंगी जिसे सक्षम प्राधिकारी के विवेक से बढ़ाया जा सकता है। परिवीक्षा पर नियुक्ति किए गए अभ्यर्थियों को ऐसे प्रशिक्षण पर जाना आवश्यक होगा और ऐसे परीक्षण पास करने होंगे जिन्हें केन्द्र सरकार निर्धारित करे।

(ख) यदि सरकार की राय में, परिवीक्षा पर सेवा के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी का कार्य या व्यवहार असन्तोषजनक पाया जाता है या यह दर्शाता है कि वह निपुण सरकारी कर्मचारी बनने में सक्षम नहीं है, तो केन्द्र सरकार बिना कोई कारण बताए अविलम्ब उसे सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) जिस अधिकारी की परिवीक्षावधि सन्तोषजनक तरीके से पूरी कर लेने के बारे में घोषणा कर दी जाती है, तो उसे सेवा में स्थायी किया जाएगा। तथापि, केन्द्र सरकार की राय में, उसका कार्य या व्यवहार असन्तोषजनक पाया जाता है, केन्द्र सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या ऐसी आगे की अवधि के लिए उसका परिवीक्षा काल बढ़ा सकती है, जैसा भी वह उचित समझे।

(घ) ग्रेड और वेतनमान :

क्रम सं.	सेवा का ग्रेड	पे बैंड/वेतनमान	तदनुसूची पे बैंड/वेतनमान	तदनुसूची ग्रेड पे
1.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-I (ग्रुप-क)	पी बी-4	37400-67,000	8700
2.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-II (ग्रुप-क)	पी बी-3	15,600-39,100	7600
3.	चयन ग्रेड-III	पी बी-3	15,600-39,100	6600
4.	एंट्री ग्रेड (ग्रुप-ख)	पी बी-2	(i) 9,300-34,800 (आरंभिक नियुक्ति पर)	4800
		पी बी-3	(ii) 15,600-39,100 (4 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी करने पर, सतकंता एवं सत्यनिष्ठा निर्वाधन के अधीन)	5400

प्रतियोगी परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए अधिकारी, सेवा एंट्री ग्रेड में नियुक्त होने पर, उपर्युक्त ग्रेड में प्रारंभिक नियुक्ति हेतु निर्धारित न्यूनतम वेतनमान में वेतन आहरित करेंगे :

बशर्ते कि यदि सेवा में नियुक्ति होने से पहले वह केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत कालावधि पद के अलावा अन्य पद पर है तो उसका वेतनमान आधारभूत नियमों के प्रावधानों के तहत निर्धारित किया जाएगा।

(ङ) सेवा के अधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा, समय-समय पर निर्धारित की गई दरों पर महंगाई वेतन, महंगाई भत्ता, नगर प्रतिपूरक भत्ता, गृह किराया भत्ता और ऐसे ही अन्य भत्तों के हकदार होंगे।

(च) सेवा के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादरा और नागर हवेली सिविल सेवा नियमावली, 2003 के प्रावधानों द्वारा शासित होंगे और इन नियमों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से समय-समय पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी अन्य विनियमों या निर्देशों का पालन करेंगे। वे मामले जो विशेष रूप से उपर्युक्त नियमों, विनियमों या आदेशों से शासित नहीं होते हैं वे संघ के मामले के साथ जुड़े सेवा से सदृश अधिकारियों के लिए लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

22. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, दमन दीव, दादर और नागर हवेली पुलिस सेवा समूह-ख

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्ति को जाएंगी जिसे सक्षम प्राधिकारी के विवेक से बढ़ाया जा सकता है। परीक्षा पर नियुक्त किए गए अभ्यर्थियों को ऐसे प्रशिक्षण पर जाना आवश्यक होगा और ऐसे परीक्षण पास करने होंगे जिन्हें केन्द्र सरकार निर्धारित करे।

(ख) यदि सरकार की राय में, परीक्षा पर सेवा के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी का कार्य या व्यवहार असंतोषजनक पाया जाता है या यह दर्शाता है कि वह निपुण सरकारी कर्मचारी बनने में सक्षम नहीं है, तो केन्द्र सरकार बिना कोई कारण बताए अविलम्ब उसे सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) जिस अधिकारी की परीक्षावधि सन्तोषजनक नहीं है उसे पूरी कर लेने के बारे में घोषणा कर दी जाती है, तो उसे सेवा में स्थायी किया जाएगा। तथापि, केन्द्र सरकार की राय में, उसका कार्य या व्यवहार असंतोषजनक पाया जाता है, केन्द्र सरकार या तो उस सेवामुक्त कर सकती है या ऐसी आगे की अवधि के लिए उसका परीक्षा का कार्य बढ़ा सकती है, जैसा भी वह उचित समझे।

(घ) ग्रेड और वेतनमान :

क्रम सं.	सेवा का ग्रेड का नाम	प बैंड/ वेतनमान का नाम	तदनुरूपी प बैंड/वेतनमान	तदनुरूपी ग्रेड पें
1.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-1 (ग्रुप-क)	पी बी-4	37,400-67,000	8700
2.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-11 (ग्रुप-क)	पी बी-3	15,600-39,100	7600
3.	चयन ग्रेड-1 (ग्रुप-क)	पी बी-3	15,600-39,100	6600
4.	एंट्री ग्रेड (ग्रुप-ख)	पी बी-2	(i) 93,000-14,800 (प्रारंभिक नियुक्ति पर) (ii) 15,600-39,100 (4 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी होने पर, सतर्कता और सत्यानुरोध नियमों के अधीन)	4800

प्रतियोगी परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए अधिकारी, सेवा की एंट्री ग्रेड में नियुक्त होने पर, उपर्युक्त ग्रेड में प्रारंभिक नियुक्ति पर निर्धारित न्यूनतम वेतनमान में वेतन आर्हस्त करेंगे।

बशर्ते कि यदि सेवा में नियुक्त होने से पहले वेतनमान पर कार्य कर रहा था तो उसका वेतनमान आधारभूत नियमों के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

(ड) सेवा के अधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा, समय-समय पर निर्धारित की गई दरों पर महंगाई वेतन, महंगाई भत्ता, नगर प्रांतपूरक भत्ता, गृह किराया भत्ता और ऐसे ही अन्य भत्तों के हकदार होंगे।

(च) सेवा के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादर और नागर हवेली पुलिस सेवा नियमावली, 2003 के प्रावधानों द्वारा शासित होंगे और इन नियमों की प्रभावों बनाने के उद्देश्य से समय-समय पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी अन्य विनियमों या निर्देशों का पालन करेंगे। वे मामले जो विशेष रूप से उपर्युक्त नियमों, विनियमों या आदेशों से शासित नहीं होते हैं वे संघ के मामलों के साथ जुड़े सेवा में सदृश अधिकारियों के लिए लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

23. पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तिगत दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिनमें सक्षम अधिकारी के विवेक पर वृद्धि भी हो सकती है। परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसा विभागीय परीक्षण मास करना होगा जो पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक निर्धारित करें।

(ख) प्रशासक की राय में यदि परीक्षा पर चल रहे अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक है या ऐसा आभास देता है कि उनके सक्षम बन जाने की संभावना नहीं है तो प्रशासक उसको उसी समय सेवामुक्त कर सकता है अथवा स्थायी पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यवर्तन किया जा सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के बारे में अपनी परीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर लेने की घोषणा कर दी जाती है तो उसे उक्त सेवा में स्थायी किया जा सकता है। प्रशासक की राय में यदि उनका कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो प्रशासक उसे या तो सेवामुक्त कर सकता है या उसकी परीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और आगे बढ़ा सकता है जितना वह ठीक समझे।

(घ) प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों को सेवा से नियुक्त होने पर वेतनमान (रु. 6,500-200-10,500) का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

(ड) पूर्व संशोधित वेतनमान :-

(1)	प्रारंभिक नियुक्ति पर	रु. 6,500-200-10,500
(2)	चार वर्ष की रेंजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	रु. 8,000-275-13,500
(3)	आठ वर्ष की रेंजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	रु. 10,000-325-15,200
(4)	बारह वर्ष की रेंजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	रु. 12,000-375-16,500
(5)	18 वर्ष की रेंजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	रु. 14,300-400-18,300

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति की सेवा में नियुक्त कर केवल वेतन का एंट्री ग्रेड वेतनमान प्राप्त होगा किन्तु यदि वह सेवा नियुक्ति से पहले मूल रूप से आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा की

अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22 (ख) (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतनवृद्धि मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियमावली, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारी पांडिचैरी सिविल सेवा नियमावली, 1967 तथा इन नियमों के कार्यान्वित करने के लिए प्रशासन द्वारा जारी किए गए अनुदेशों द्वारा शासित होंगे।

24. पांडिचैरी पुलिस सेवा-ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियों दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिसमें सक्षम अधिकारी के विवेक पर वृद्धि भी हो सकती है। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसा विभागीय परीक्षण पास करना होगा जो पांडिचैरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक निर्धारित करें।

(ख) प्रशासक की राय में यदि परिवीक्षा पर चल रहे अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या ऐसा आभास देता है कि उनके सक्षम बन जाने की संभावना नहीं है तो प्रशासक उसको उसी समय सेवामुक्त कर सकता है अथवा स्थायी पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के बारे में अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर लेने की घोषणा कर दी जाती है तो उसे उक्त सेवा में स्थायी किया जा सकता है प्रशासक की राय में यदि उनका कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो प्रशासक उसे या तो सेवामुक्त कर सकता है अथवा उसकी परिवीक्षा की अवधि उत्तरे समय के लिए और आगे बढ़ा सकता है जितनी वह ठीक समझे।

(घ) उक्त सेवा में मर्चण्डित अधिकारी को संघ राज्य क्षेत्र पांडिचैरी में करी भी कार्य धरन पड़ सकता है।

(ङ) पूर्व पंशोधित वेतनमान :-

(i) ग्रेड-1 (चयन ग्रेड) रु. 10,000-325-15,200

(ii) ग्रेड-11 (प्रथम ग्रेड) रु. 6,500-200-10,500

प्रतिशोधित प्रवेश के परिणाम के आधार पर भर्ती हुआ कोई व्यक्ति उक्त सेवा में नियुक्त होने पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त करेगा।

किन्तु उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले यदि आवश्यक पद के अन्तर्गत किसी अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त रहा हो तो सेवा में उसकी परिवीक्षा की अवधि के दौरान उसका वेतन "मूल नियमावली" के नियम 22-ए उप-नियम (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा। उक्त सेवा में नियुक्त अन्य व्यक्तियों के मामले में वेतन तथा वेतनवृद्धि मूल नियमावली के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) उक्त सेवा के अधिकारी पांडिचैरी पुलिस सेवा नियम, 1972 के साथ-साथ प्रशासक द्वारा बनाए गए अन्य ऐसे विनियम या उन नियमों को लागू करने के उद्देश्य से जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

टिप्पणी:-सहभागी सेवाओं के कर्तव्यों की प्रकृति में अधिकारी द्वारा धारित पद के अनुसार परिवर्तन हो सकता है, अर्थात् अधिकारी द्वारा धारित विभिन्न पदों के लिए सौंपे गए कार्य अलग अलग हैं।

परिशिष्ट-3

उम्मीदवारों के शारीरिक परीक्षण संबंधी विनियम

उम्मीदवारों की सुविधा तथा उनके अपेक्षित शारीरिक मानक होने की संभावना सुनिश्चित करने के लिए ये विनियम प्रकाशित किए जा रहे हैं। ये विनियम चिकित्सा परीक्षकों का भी मार्गदर्शन करेंगे।

टिप्पणी I : शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा करते समय चिकित्सा बोर्ड शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग के अंतर्गत आरक्षण प्राप्त करने के लिए पात्रता मापदण्ड ध्यान में रखेंगे, शारीरिक रूप से विकलांग कोटा वही रहेगा जैसा कि विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण तथा पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के संगत प्रावधानों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है।

टिप्पणी II : यह भी कि सरकार विकलांग उम्मीदवारों को विनिर्दिष्ट प्रपत्र में विकलांगता प्रमाण-पत्र जारी करने तथा इन विनियमों के अनुरूप शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों की नियमित चिकित्सा जांच करने हेतु विशेष चिकित्सा बोर्ड (बोर्डों)/ अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का गठन भी कर सकती है।

दृष्टिहीन उम्मीदवार केवल उन्ही पदों पर चयन/नियुक्ति के लिए पात्र होंगे जो केन्द्र सरकार की सेवाओं में, शारीरिक विकलांगों के लिए आरक्षण तथा रियायतों की विवर्गणिका में उनके लिए उपयुक्त निर्धारित किए गए हैं।

2. (क) भारत सरकार को स्वास्थ्य बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

विभिन्न सेवाओं का वर्गीकरण दो श्रेणियों 'तकनीकी तथा गैर-तकनीकी' के अर्थात् इस प्रकार होगा :-

(क) तकनीकी

(1) भारतीय रेलवे यातायात सेवा।

(2) भारतीय पुलिस सेवा तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस सेवा ग्रुप 'क' और 'ख'।

(3) रेलवे सुरक्षाबल ग्रुप 'क'।

(ख) गैर-तकनीकी

भा. प्र. से. भा. वि. से. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, भारतीय गजस्थ सेवा (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद), भारतीय सिविल लेखा सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा, भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय राजस्व सेवा (आई. टी.), भारतीय आयुध सेवा, ग्रुप 'क' भारतीय डाक सेवा, भारतीय रक्षा मंत्रालय सेवा ग्रुप 'क', भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा, ग्रुप 'क' के पद और अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं के ग्रुप 'क' तथा 'ख' के पद।

1. नियुक्ति के योग्य दहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2(क) भारत के अभ्यर्थियों (एंग्लो इंडियन जाति सहित) की आयु-सीमा, ऊँचाई और छाती की माप के सह संबंध के मामले में यह मेडिकल बोर्ड पर छोड़ दिया गया है कि अभ्यर्थियों की जांच में निर्यात-निर्देश के लिए कौन-सा सह संबंध अधिक उपयुक्त होगा। यदि ऊँचाई, वजन और छाती की माप में कोई विसंगति होती है, तो अभ्यर्थी को बोर्ड द्वारा उपयुक्त अथवा अनुपयुक्त घोषित किए जाने से पूर्व जाँच और छाती के एक्सरे जांच हेतु उसे अस्पताल में भर्ती किया जाना चाहिए।

केवल उन उम्मीदवारों की छाती का एक्सरे किया जाएगा जिन्हें चिकित्सा परीक्षण के भाग-2 के लिए मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए जाएंगे।

(ख) निश्चित सेवाओं के लिए कद और छाती के घरे का कम से कम माप नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सेवा का नाम	कद	छाती का पूरा घेरा	छाती का फैलाव (फुलाकर)
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) भारतीय रेल (यातायात सेवा)	152 सें. सी.	*84 सें. मी.	5 सें. मी. (पुरुषों के लिए)
	150 सें. मी.	79 सें. मी.	5 सें. मी. (महिलाओं के लिए)
(2) भारतीय पुलिस सेवा, रेलवे सुरक्षा बल ग्रुप 'क' तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस सेवा ग्रुप 'क' और 'ख'	165 सें. मी. 150 सें. मी.	84 सें. मी. *79 सें. मी.	5 सें. मी. (पुरुषों के लिए) 5 सें. मी. (महिलाओं के लिए)

*अनुसूचित जनजातियों के और ऐसी जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, कुमायूँ, नागा जनजातियों आदि से संबंधित उम्मीदवारों जिनकी औसत लम्बाई दूसरों में प्रकट: कम होती है के मामले में, न्यूनतम निर्धारित कद की लम्बाई में छूट दी जा सकेगी।

भारतीय पुलिस सेवा ग्रुप 'क' एवं 'ख' पुलिस सेवा और रेलवे सुरक्षा बल ग्रुप 'क' के पदों की पुलिस सेवा हेतु अनुसूचित जनजातियों।

*और गोरखा, गढ़वाली, असमिया, कुमायूँ, नागा जैसी जातियों से संबंधित उम्मीदवारों के मामले में छूट देकर निम्नलिखित न्यूनतम ऊँचाई मानक लागू है :-

पुरुष 160 सें. मी.

महिला 145 सें. मी.

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा :-

वह अपने जूते उतार देगा और उसे मापदण्ड (स्टैंड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एडियों के पाँवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियाँ, पिंडलियाँ, नितम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे रहेंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स ऑफ दि हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ा फूड) के नीचे आ जाए कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :-

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव जुड़े हों, उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका किनारा असफलक शोल्डर ब्लेड के निम्न कोणों (इंफोरियर एंगल्स) से लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें लटका रहने दिया जाएगा, किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे के ऊपर या कंधे नीचे की ओर न किए जाएँ जिससे कि फीता न हिले तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

टिप्पणी :- अंतिम निर्णय लेने से पहले उम्मीदवारों को ऊँचाई और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(i) सामान्य : उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी जिसका उद्देश्य किसी बीमारी अथवा अपसामान्यता का पता लगाना होगा। उम्मीदवार यदि आँख, पलकों की ऐसी रूग्ण दशा में पीड़ित हो अथवा इस प्रकार की संसक्त संरचना रखता हो जो उसे सेवा के लिए अयोग्य बनाती हो या भविष्य में बना सकती हो तो उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता : दृष्टि की तीक्ष्णता के निर्धारण की परीक्षा में दो परीक्षण सम्मिलित होंगे-एक दूर दृष्टि के लिए तथा दूसरा निकट दृष्टि के लिए प्रत्येक आँख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई उच्चतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :-

सेवा का वर्ग

भा. पु. से. तथा अन्य पुलिस सेवाएं ग्रुप 'क' तथा 'ख' और आई. आर. टी. एस. (तकनीकी सेवाएं) बेहतर दृष्टि खराब दृष्टि		भ प्र. से., वि. से. और अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाएं ग्रुप 'क' तथा 'ख' (गैर-तकनीकी सेवाएं) बेहतर खराब दृष्टि दृष्टि	
(शोधित दृष्टि)	(शोधित दृष्टि)	(शोधित दृष्टि)	(शोधित दृष्टि)
(1)	(2)	(3)	(4)
1. दूर दृष्टि 6/6	या 6/9 6/12 या 6/9	6/6 या 6/9	6/18 से शून्य या 6/12
2. निकट जे। ** दृष्टि	जे२ **	जे१ ** जे२	जे३ से शून्य ** जे२
3. सुधार के मान्य प्रकार	ऐनक	ऐनक 10 एल *रेडियल कैराटेंटमी **	
4. अपवर्तक दोषी की मान्य सीमाएं	+4.00 डी (सिलेंडरस सहित)--गैर विकृतिजन्य निकट दृष्टि (मायोपिया) +4.00 जो सिलेंडरस सहित (हाइपरमेट्रोपिया)	कोई नहीं, बल्कि गैरविकृतिजन्य निकट दृष्टिदोष रहित	
5. अपेक्षित रंग दृष्टि	उच्च श्रेणी	निम्न श्रेणी	
6. आवश्यक द्विवर्ती दृष्टि	हां	नहीं	

*नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजने के लिए ।

**रेलवे सेवाओं अर्थात् भा. रे. ले. से., भा. रे. का. से. रेलवे सुरक्षा बल के लिए निकट दृष्टि बेहतर दृष्टि में जे तथा खराब दृष्टि में जे२ है ।

(घ)(1) उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं और लोक सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के संबंध में मायोपिया (सिलिंडर मिलाकर) कुल +4.00 डी से अधिक नहीं हो। हाइपरमेट्रोपिया (सिलिंडर मिलाकर) कुल +4.00 डिग्री से अधिक नहीं होना चाहिए:

किन्तु शर्त यह है कि यदि 'तकनीकी' के रूप में वर्गीकृत सेवाओं (रेल मंत्रालय के अधीन सेवाओं को छोड़कर) से संबद्ध उम्मीदवार हाई मायोपिया के आधार पर अयोग्य पाया जाए तो वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजा जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि क्या निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं । यदि यह मामला रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा यशर्त कि वह दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता है ।

(2) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दृष्टि हो जोकि यह कह सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ड.) दृष्टि क्षेत्र.--सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कंफ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी । जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाईट ब्लाइंडनेस).--साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है--(1) विटामिन (ए) की कमी होने के कारण और (2) रेटिना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटि नोटिस पिगमेंटोसा होती है । उपर्युक्त (1) में फंडसी की स्थिति असामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है। अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है । श्रेणी के लॉग प्रौढ़ होते हैं और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होते हैं । सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति संवर्ग में आते हैं । उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन इस परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा । उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो-रेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है इन दोनों जांचों का अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है । और इसलिए साधारण चिकित्सक जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है । इन तकनीकी दांतों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि बताएं कि रतौंधी के लिए उन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं या नहीं । यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी ।

रेलवे सेवाओं के लिए (भा. रे. या. से., भा. रे. ले. से. भा. रे. का. से. तथा रेलवे सुरक्षा बल).-रतौंधी का परीक्षण नियमित कार्य के रूप में नहीं बल्कि विशेष मामलों में किए जाने की आवश्यकता है । रतौंधी अथवा अंधेरा अनुकूलन की जांच हेतु कोई मानक परीक्षण निर्धारित नहीं किया गया है । चिकित्सा बोर्ड को ऐसे स्थूल परीक्षणों का, यथा कम की हुई रोशनी में अथवा एक अंधेरे कमरे में उम्मीदवार से विभिन्न वस्तुओं की पहचान करवाकर जब वह उसमें 20 से 30 मिनट तक रह लें, दृष्टि तीक्ष्णता की रिकार्ड करने का, तात्कालिक प्रबंध करने का स्वविवेकाधिकार देना चाहिए । उम्मीदवार के वक्तव्य पर हमेशा भरोसा नहीं करना चाहिए परन्तु उन पर उचित ध्यान देना चाहिए ।

(छ) कलर विजन.-उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं के संबंध में कलर विजन की जांच जरूरी है । जहां तक गैर-तकनीकी सेवाओं/ पदों का संबंध है सम्बद्ध मंत्रालय/विभाग को मैडिकल बोर्ड को सूचना देनी होगी कि उम्मीदवार जो सेवा चाहता है उसके लिए कलर विजन परीक्षा होनी चाहिए या नहीं ।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैंटर्न एपचर के आकार पर निर्भर होगा ।

ग्रंथ	रंग के प्रत्यक्ष	रंग के प्रत्यक्ष
	ज्ञान का उच्चतर	ज्ञान का निम्नतर
	ग्रंथ	ग्रंथ
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि. मीटर	1.3 मि. मीटर
3. उदभासन काल	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

भारतीय पुलिस सेवा तथा अन्य गुप्त 'क' तथा 'ख' पुलिस सेवाएं भारतीय रेल यातायात सेवा, रेलवे सुरक्षा बल के गुप्त 'क' पद और लोक बचाव से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए विजन के उच्चतर ग्रंथ आवश्यक हैं। किन्तु दूसरी सेवाओं के लिए कलर विजन के लोअर ग्रंथ को पर्याप्त मान लिया जाए।

लाल संकेत, हरे संकेत और पीला रंग का आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इशिताहारी प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें अच्छी रेशनी में और एंडीज ग्रीज जैसी उपयुक्त लैंटर्न को रेशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए विश्वव्यापी समझा जाएगा। वैसे तो दोनों में से किसी भी एक की जांच को साधारणतया तथा पर्याप्त समझा जा सकता है लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात में संबंधित सेवाओं के लिए लैंटर्न जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए तथापि भारतीय रेल यातायात सेवा और रेलवे सुरक्षा बल में गुप्त 'क' के पदों में नियुक्त हेतु उम्मीदवारों के कलर विजन के परीक्षा के लिए एशिया प्लेट और एडिंक की हरी लैंटर्न दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

(ज) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन)।

(1) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) की, जिसके परिमाणस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्य कारण समझना चाहिए।

(2) भैगापन (स्किवेंट) तकनीकी सेवाओं में जहां द्विने (वाइनोकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर पर होने पर भी भैगापन की अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भैगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए। रेलवे तकनीकी सेवा के लिए वाइनोकुलर दृष्टि अनिवार्य है।

(3) यदि किसी व्यक्ति की एक आंख हो अथवा यदि एक आंख की दृष्टि की सामान्य हो और दूसरी आंख भी मन्द दृष्टि हो अथवा असामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बांध है त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है बशर्ते कि सामान्य आंख :-

(1) की दूरी 6/6 और निकट की दृष्टि जे/1 चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रुटि 4 डायॉप्टरिज से अधिक नहीं।

(2) की दृष्टि का दूसरा क्षेत्र हो।

(3) की सामान्य, रंग दृष्टि, जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह सम्मान हो ज्ञान पर एक सम्मान्य प्रस्तावनी कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलाप का निष्पादन कर सकता है।

दृष्टि तीक्ष्णता संबंधी उपरोक्त छूट प्राप्त नामक "तकनीकी" रूप के वर्गीकृत पदों/सेवाओं के लिए उम्मीदवार पर लागू नहीं होंगे। संबद्ध मंत्रालय/विभाग की चिकित्सा बोर्ड को यह सूचित करना होगा कि उम्मीदवार "तकनीकी" पद के लिए है अथवा नहीं।

(4) कोन्टेक्ट लेंस उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोन्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाईप किए हुए अक्षरों को उदभासन 15 फीट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

विशेष नेत्र बोर्ड के लिए दिशानिर्देश

आँखों की जांच के लिए विशेष नेत्र बोर्ड में 3 नेत्र विशेषज्ञ होंगे।

(क) उन मामलों में, जिनमें चिकित्सा बोर्ड ने दृष्टि क्षमता को निर्धारित सामान्य सीमा के अंतर्गत पाया है किन्तु उन्हें किसी ऐसी आंगिक और प्रणामी बीमारी का संदेह है जो दृष्टि क्षमता को हानि पहुंचा सकती है, उन्हें ऐसे मामले को प्रथम चिकित्सा बोर्ड के भाग के रूप में विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड के पास भेज देना चाहिए।

(ख) आँखों की किसी भी प्रकार की शल्य चिकित्सा से संबंधित मामले, आई. ओ. एल. अपवर्तक (रिफ्रेक्टिव) कार्निअल शल्य चिकित्सा, रंग दोष के संदिग्ध मामलों को विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड को भेजा जाना चाहिए।

(ग) उन मामलों में, जहां उम्मीदवार उच्च निकट दृष्टि (मायोमिया) अथवा उच्च दूरदृष्टि दोष (हाइपर मेट्रोपिया) से पीड़ित पाया जाता है तो केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड/राज्य चिकित्सा बोर्ड को तत्काल ऐसे मामलों को अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक/ए.एम. ओ. द्वारा गठित 3 नेत्र विशेषज्ञों के एक विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड, जिसका अध्यक्ष अस्पताल के नेत्र चिकित्सा विभाग का अध्यक्ष अथवा बरिष्ठतम नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ हो; के पास भेज देना चाहिए। नेत्र विशेषज्ञ/चिकित्सा अधिकारी, जिसने प्रारंभिक नेत्र जांच की है, विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड का सदस्य नहीं हो सकता।

विशेष चिकित्सा बोर्ड द्वारा उक्त जांच अधिमानतः उसी दिन को जानी चाहिए। किन्तु यदि केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड/राज्य चिकित्सा बोर्ड द्वारा की गई चिकित्सा जांच के दिन 3 नेत्र विशेषज्ञों वाले विशेष चिकित्सा बोर्ड की बैठक सम्भव नहीं है तो विशेष बोर्ड की बैठक शीघ्रातिशीघ्र आयोजित की जानी चाहिए।

विशेष नेत्र बोर्ड अपने निर्णय पर पहुंचने से पहले विस्तृत जांच करेगी।

चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट तब तक पूर्ण नहीं मानी जाएगी जब तक कि ऐसे मामलों में, जो विशेष चिकित्सा बोर्ड को भेजे गए हों, विशेष चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट भी उससे शामिल न हो।

मामूली अक्षमता के कारण अयोग्य पाए गए मामलों पर रिपोर्ट देने संबंधी दिशानिर्देश

निम्नस्तरीय दृष्टि तीक्ष्णता और अवसामान्य रंग दृष्टि संबंधी अक्षमता के मामलों में किसी व्यक्ति को अयोग्य घोषित करने से पहले बोर्ड द्वारा परीक्षण को 15 मिनट बाद पुनः दोहराया जाएगा।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम मिस्टिलिक प्रेशर के आंकलन की कामचलाक विधि नीचे दी जाती है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर आंकलन करने के लिए 110 में आधी आयु जाड़ देने का तरीका विल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की और 90 एम. एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट में यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यात्मक (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की ऐक्सरे और विद्युत हृदय लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और उक्त यूरिया निकार (क्लियरेंस) की जांच भी नियमित रूप से की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दबाव) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दवांतरमापी का भर्करोमैनोमीटर किम्म का उपकरण (डिस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किम्म को व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाव नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बसते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से ही कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़ की भुजा के अन्दर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ में एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लौटाना चाहिए, ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रकट धमनी (ब्रेकियल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों बीच स्टैथमोकोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम एच जी हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो

जायें वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद में ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलूओं की समीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार की ग्लूकोस मेह (ग्लाइकोसुरिया) सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पायें तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोस अमधुमेही (नान-डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मैडीसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञों के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षण जरूरी समझेगा, करेगी और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट या अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिनों तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेषण करना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कोई काम की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बसते कि कान की बीमारी बढने वाली न हो ता रेलवे सेवाओं के मामलों में यह प्रावधान लागू नहीं होगा। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :

- (1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रिक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
- (2) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की ग्रीकर फ्रिक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।

- (3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र ।
- (4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सब-नार्मल श्रवण ।
- (5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला
- (6) नासापट की हड्डी संबंधी विरूपताओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलर्जिक दशा ।
- (7) टॉमिक्स और अथवा स्वर यंत्र (लैरिक्स) के लिए प्रवाहक दशा ।
- (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य । कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (2) के अधीन विचार किया जा सकता है ।
- (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर ही आयोग्य ।
- (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र पर अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (1) किसी एक कान से सामान्य रूप से एक ओर से मास्टायड कैविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण वाले कान मास्टायड, कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य ।
- (2) दोनों ओर से मास्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य ।
- तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (1) प्रत्येक मामले की परिस्थिति के अनुसार निर्णय किया जाएगा ।
- (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (1) टॉमिक्स और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य ।
- (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (8) कान, नाक, गले, (ई. एन. टी.) के हल्के अथवा अपने स्थान पर बुरा ट्यूमर ।
- (9) आस्टोकिलरीसिस
- (10) कान, नाक, अथवा गले के जन्मजात दोष ।
- (11) नेजल पॉली
- (i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से आयोग्य ।
- (ii) दुर्लभ ट्यूमर-अयोग्य
- श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य ।
- (1) यदि कामकाज में बाधक न हो तो योग्य ।
- (2) भारी जो मात्रा में कलाहट हो तो अयोग्य ।
- अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो ।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, ओर अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़ा ठीक है या नहीं ।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
- (च) उसके रक्त-चाप है या नहीं ।
- (छ) उसके हार्डड्रोसिल बड़ी हुई बैरिक्कोसिल बैरिकाजिशरा (वेन) या बवासीर है या नहीं ।
- (ज) उसके अंगों, हाथों पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथि भली-भाँति स्वतंत्र रूप से हिलती है या नहीं ।
- (झ) उसे कोई अस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।
- (ट) उसमें किसी उग्र या पुरानी बीमारी के निशान हैं या नहीं उससे कमजोर गठन का पता लगे ।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं ।
11. हृदय तथा फेफड़ों की किन्हीं ऐसी असामान्यताओं का पता लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक परीक्षण के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए उम्मीदवारों की छाती का रेडियोग्राफिक परीक्षण उस समय किया जाएगा जब उसे संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वैयक्तिक परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा ।
- उम्मीदवार की शारीरिक योग्यता के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड (संबंधित उम्मीदवार की चिकित्सा परीक्षा करने वाले) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा ।
- सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहाँ कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के

विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विपणन (एवरेन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञान/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मैडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख कर देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मैडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रुपये 100.00 का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापिस मिलेगा जो अपीलिय स्वास्थ्य बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जम्ब कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने योग्य होने के दावे के समर्थन में स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवार को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिनों के अन्दर अपीलें करनी चाहिए। अन्यथा अपीलिय मैडिकल बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए उनके अनुरोध पर कोई विचार नहीं होगा। अपीलिय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलिय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा रोष हो तो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर को मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (इंडियन डिफेंस अकाउन्ट्स सर्विस) उम्मीदवार को भारत में और भारत के बाहर क्षेत्रा सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी ऐसे उम्मीदवार के मामले में मैडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप में रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरों बोर्ड के द्वारा खराबी बताई हो उनका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरों बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-छोटी खराबी चिकित्सा (औषधि या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दोबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया छह महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दोबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में निम्नलिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए :

1. अपना पूरा नाम लिखें..... (साफ अक्षरों में)

2. (क) अपनी आयु और जन्म का स्थान बताएं

.....
(ख) क्या आप अनुसूचित जनजाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं। जिसका औसतन कद दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताएं।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रूक-रूक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रथियों (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इसमें पीप पड़ना, निरन्तर थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़ों की बीमारी, मुर्छा के दौरों, रूमटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

या

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शैय्या पर लेटे रहना पड़ा है और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है।

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ।
5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण में किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ।
6. आपके परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौर दें : —

यदि पिताजी जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था
---	---	---

1	2	3
आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण	यदि माता जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण

- 1.
- 2.
- 3.

आपको कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपको कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है । मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु के कारण
---	--

- 1.
- 2.
- 3.

क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न पर उत्तर हां में हो तो बताइए किस सेवा किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
10. कब और कहाँ मेडिकल हुआ ?
11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ।
12. उपयुक्त सभी उन्नत मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा धिश्वास के अनुसार सत्य तथा सही हैं तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में की गई विकृति या किसी भ्रम की जानकारी को छुपाने के लिए कानून के अंतर्गत किसी भी कार्यवाई का भागी हूँगा । झूठी सूचनाएँ देना या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता माना जाएगा और भुले सम्कार के अंतर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा । मेरे स्वाकाल के दौरान किसी भी समय ऐसे कोई जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं रद्द कर दी जाएंगी ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

प्रपत्र

(बी) शारीरिक जांच (अभ्यर्थी का नाम) के संबंध में मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : उत्तम..... अल्प.....
- साधारण..... अधम.....
- पोषण : दुबला..... औसत.....
- मोटा..... ऊँचाई : (बिना जूते के).....
- वजन..... सर्वाधिक वजन.....
- कब..... वजन में
- हाल में कोई परिवर्तन.....
- तापमान.....

छाती की माप : (1) छाती फुलाकर

(2) छाती फुलाए बिना

2. त्वचा : कोई स्पष्ट रोग
3. आँख :
- (1) कोई रोग.....
- (2) रतौंधी.....
- (3) वर्ण दृष्टि दोष.....
- (4) दृष्टि दूरी.....
- (5) विजुअल एक्ज्यूटी.....
- (6) फण्डस जाँच.....

एक्ज्यूटी ऑफ विजन	नग्न आँख चश्मा के साथ	काँच की शक्ति स्फरिकल, सिलिंड्रिकल-एक्सस
-------------------	-----------------------	--

1	2	3
---	---	---

- दूर दृष्टि
- दायी आँख-
- बायी आँख-
- निकट दृष्टि
- दायी आँख-
- बायी आँख-
- हाइपरमेट्रोपिया (स्पष्ट)
- दायी आँख-
- बायी आँख-

4. कान..... जाँच..... श्रवणः
- दायाँ कान.....
- बायाँ कान.....
5. ग्रंथियाँ..... थायरॉयड.....
6. दाँतों की स्थिति.....
7. श्वसन तंत्र: क्या शारीरिक जाँच में श्वसन अंगों में कोई असामान्य बात दिखाई दी है.....
- यदि हाँ, तो पूर्ण विवरण दें.....

8. परिसंचरण तंत्र:

- (क) हृदय : कोई आर्गेनिक लेजन.....
स्थायी गति.....25 बार कूदने के बाद.....
कूदने के 2 मिनट के बाद.....

(ख) रक्तचाप:

सिस्टोलिक.....डायस्टोलिक.....

9. पेंडू : माप.....टेंडरनेस.....

हार्निया.....

(क) पेल्वेयल यकृत.....प्लीहा.....

वृक्क.....ट्यूमर.....

हेमरॉयड्स.....फिस्टूला.....

10. स्नायुतंत्र : स्नायु संबंधी अथवा मानसिक निःशक्तता

11. लोंको मोटर सिस्टम : कोई असामान्यता.....

12. जेनाइटों यूरिनरी सिस्टम : हाइड्रोसिल, बेरिकोसील इत्यादि के कोई प्रमाण:

मूत्र विश्लेषण :

(क) दिखने में कैसा है.....

(ख) विशेष समूह.....

(ग) एल्ब्यूमेन.....

(घ) शर्करा.....

(ङ) कास्ट्स.....

(च) कोशिकाएं.....

13. अभ्यर्थी जिस सेवा का है, उसमें कर्तव्य निर्वहन हेतु अयोग्य घोषित किए जाने का कोई कारण अभ्यर्थी के स्वास्थ्य में है?

टिप्पणी : महिला अभ्यर्थी के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह या अधिक अवधि से गर्भवती है, तो उसे विनियम 9 द्वारा अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

14. (i) सेवा का नामक यथाएँ जिसके लिए अभ्यर्थी की जांच की गई है:--

- (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा
(ख) भारतीय आरक्षी सेवा, केन्द्रीय आरक्षी सेवा समूह 'क' और 'ख' रेलवे सुरक्षा बल और दिल्ली एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आरक्षी सेवा, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में आरक्षी उपाधीक्षक।

(ग) केन्द्रीय सेवाएं, समूह 'क' और 'ख'

(ii) क्या उसे निम्नलिखित सेवाओं में सक्षम एवं निरन्तर रूप से अपना कर्तव्य निर्वहन करने के लिए हर तरह से योग्य पाया गया है:

- (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा
(ख) भारतीय आरक्षी सेवा समूह 'क' और 'ख' रेलवे सुरक्षा बल तथा दिल्ली एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आरक्षी सेवा (विशेषकर ऊंचाई, छाती की

माप, आंखों की दृष्टि, वर्णाभता और लांकोमोमेट्रिक्स सिस्टम देखें)

(ग) भारतीय रेलवे यातायात सेवा

(विशेषकर ऊंचाई, छाती, आँखों की दृष्टि, वर्णाभता देखें)

(घ) अन्य केन्द्रीय सेवाएं, समूह 'क'/'ख'

(iii) क्या अभ्यर्थी फील्ड सेवा के लिए योग्य है?

टिप्पणी 1: बोर्ड को अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) स्वस्थ

(ii)के कारण अस्वस्थ

(iii)के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ।

(iv) केवल शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित विनिर्दिष्ट रिक्तियों के लिए उपयुक्त।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार की छाती का एक्स-रे परीक्षण नहीं किया गया है, इस कारण उपर्युक्त निष्कर्ष अंतिम नहीं है और छाती के एक्स-रे परीक्षण की रिपोर्ट के अधधीन है।

स्थान :अध्यक्ष

हस्ताक्षर : सदस्य

दिनांक :सदस्य

मेडिकल बोर्ड की मुहर

प्रपत्र-II

उम्मीदवार का कथन/घोषणा

1. अपना नाम लिखें:

(बड़े अक्षरों में)

2. रोल नम्बर:

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

15. छाती की एक्स-रे जांच

टिप्पणी: बोर्ड को अपने निष्कर्ष निम्नलिखित तीन श्रेणियों में से एक के अंतर्गत दर्ज करने चाहिए :-

(i) योग्य.....

(ii)के कारण अयोग्य

(iii)के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य

(iv) केवल शारीरिक रूप से निःशक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित विनिर्दिष्ट रिक्तियों के लिए योग्य.....

स्थान:अध्यक्ष

हस्ताक्षरसदस्य

सदस्य

तारीख :

मेडिकल बोर्ड की मुहर

परिशिष्ट-4

शारीरिक अपेक्षाओं तथा कार्यात्मक वर्गीकरण सहित शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग हेतु आयुक्त चिह्नित सेवाओं की एक सूची

क्रम संख्या	सेवा का नाम	श्रेणी (श्रेणियाँ) जिसके लिए पहचान की गई	*कार्यात्मक वर्गीकरण	*शारीरिक अपेक्षाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	भारतीय प्रशासनिक सेवा	(i) लोकोमोटर, अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	बीए, ओएल ओए, बीएच एम डब्ल्यू पी बी पी डी	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई एच, आर डब्ल्यूटी
2.	भारतीय विदेश सेवा	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल आर डब्ल्यूसी, एम एफ, एल बी एलएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई
3.	भारतीय राजस्व सेवा (सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'क')	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) श्रवण बाधित	ओएल ओए, एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बीएन, एल, एस ई, एमएफ, आर डब्ल्यू, एच, सी
4.	भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएल, बी एल एल बी एन एच	एस, डब्ल्यू एसई आर डब्ल्यू, सी
5.	भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल एलबी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बीएन, एसई, आरडब्ल्यू, एच, सी
6.	भारतीय रक्षा लेखा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एचएच एलबी	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एसई, आर डब्ल्यू, सी
7.	भारतीय राजस्व सेवा (आयकर), ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, सी
8.	भारतीय आयुध भण्डारखाना सेवा, ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल एलबी पीडी	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, सी
9.	भारतीय डाक सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल बी, एलबी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, आर डब्ल्यू, एस ई एच, सी
10.	भारतीय मॉबिल लेखा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलबी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
11.	भारतीय रेलवे लेखा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलवी एचएच	एस, एसटी डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एच सी
12.	भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल बी एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
13.	भारतीय रक्षा संपदा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) नेत्रहीनता या आत्म दृष्टि (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एम एफ, पी पी, केसी, एस ई, आर डब्ल्यू, एच, सी
14.	भारतीय सूचना सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल बी, एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
15.	भारतीय व्यापार सेवा ग्रुप 'क' (ग्रेड-3)	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एम एफ, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
16.	भारतीय कारपोरेट विधि सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल एलवी एचएच	एसटी, आर डब्ल्यू, एसई, एस, बी, एनएच
17.	सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा ग्रुप 'ख' (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एम एफ एस ई, आर डब्ल्यू, एच, सी
18.	दिल्ली अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली सिविल सेवा ग्रुप 'ख'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एम एफ, एच, सी
19.	दिल्ली अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली पुलिस सेवा ग्रुप 'ख'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) श्रवण बाधित	ओएल एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, पी पी, केसी, एम एफ, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
20.	पॉडचेरी सिविल सेवा (ग्रुप 'ख')	(i) लॉकमोटर अक्षमता	ओए, ओएल, ओएल, बीएल, एल वी	एस, एसटी, डब्ल्यू, एमई, आर डब्ल्यू, एच, सी
		(ii) दृष्टि बाधित	एलवी	
		(iii) श्रवण बाधित	एचएच	
अक्षमता की श्रेणियां उप-श्रेणियां		ओएच, बीएच, एचएच बी एल (BL)	अस्थि विकलांग दृष्टि बाधित श्रवण बाधित दोनों गैर प्रभावित लेकिन भुजाएं नहीं	
		बीए (BA)		
		बीएलए (BLA)	दोनों भुजाएं प्रभाति	
		ओएल (OL)	दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं प्रभावित	
		ओए (OA)	एक पैर प्रभावित	
		ओएएल (OAL)	एक भुजा प्रभावित	
		एमडब्ल्यू (MW)	एक भुजा और एक पैर प्रभावित	
		बी (B)	मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक शक्ति	
		एलवी (LV)	नेत्रहीन	
		एच (H)	आंशिक दृष्टि	
			सुनना	
शारीरिक अपेक्षाएं		एमएफ (MF)	हाथ (अंगुलियों से) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य ।	
		पीपी (PP)	खींच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य ।	
		एल (L)	उत्थापन (लिफ्टिंग) द्वारा किए जाने वाले कार्य ।	
		केसी (KC)	घुटने के बल बैठकर तथा क्राउचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य ।	
		बीएन (BN)	झुककर किए जाने वाले कार्य ।	
		एस (S)	बैठकर (बेंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य ।	
		एसटी (ST)	खड़े होकर किए जाने वाले कार्य ।	
		डब्ल्यू (W)	चलते हुए किए जाने वाले कार्य ।	
		एसई (SE)	देख कर किए जाने वाले कार्य ।	
		एच (H)	सुनकर या बोल कर किए जाने वाले कार्य ।	
		आर डब्ल्यू (RW)	पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य ।	
		सी (C)	वार्तालाप ।	

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 2011

RULES

F. No. 13018/3/2011-AIS(I).—The rules for a competitive examination –Civil Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 2011 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are, with the concurrence of the Ministries concerned and the Comptroller and Auditor General of India in respect of the Indian Audit and Accounts Service, published for general information :

- (i) The Indian Administrative Service.
- (ii) The Indian Foreign Service.
- (iii) The Indian Police Service.
- (iv) The Indian P&T Accounts and Finance Service, Group 'A'.
- (v) The Indian Audit and Accounts Service, Group 'A'.
- (vi) Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Gr. "A".
- (vii) The Indian Defence Accounts Service, Group 'A'.
- (viii) The Indian Revenue Service, (I.T.) Group 'A'.
- (ix) The Indian Ordnance Factories Service, Group 'A'. (Asstt. Works Manager –Administration).
- (x) The Indian Postal Service, Group 'A'.
- (xi) The Indian Civil Accounts Service, Group 'A'.
- (xii) The Indian Railway Traffic Service, Group 'A'.
- (xiii) The Indian Railway Accounts Service, Group 'A'.
- (xiv) The Indian Railway Personnel Service, Group 'A'.
- (xv) Post of Assistant Security Commissioner, Group 'A' in Railway Protection Force.
- (xvi) The Indian Defence Estates Service, Group 'A'.
- (xvii) The Indian Information Service, Junior Grade Group 'A'.
- (xviii) Indian Trade Service, Group 'A' (Gr. III).
- (xix) Indian Corporate Law Service, Group 'A'.
- (xx) Armed Forces Headquarters Civil Service, Group 'B' (Section Officer's Grade).
- (xxi) Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli Civil Service, Group 'B'.
- (xxii) Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli Police Service, Group 'B'.
- (xxiii) Pondicherry Civil Service, Group 'B'.
- (xxiv) Pondicherry Police Service, Group 'B'.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the Preliminary and Main Examinations will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate shall be required to indicate in his/her application form for the Main Examination his/her order of preferences for various services/posts for which he/she would like to be considered for appointment in case he/she is recommended for appointment by Union Public Service Commission.

A candidate who wishes to be considered for IAS/IPS shall be required to indicate in his/her application form for the Main Examination his/her order of preferences for various State cadres for which he/she would like to be considered for allotment in case he/she is appointed to the IAS/IPS.

Note I.—The candidate is advised to be very careful while indicating preferences for various services/posts. In this connection, attention is also invited to rule 19 of the Rules. The candidate is also advised to indicate all the services posts in the order of preference in his/her application form. In case he/she does not give any preference for any services/posts, it will be assumed that he/she has no specific preference for those services. If he/she is not allotted to any one of the services/posts for which he/she has indicated preference, he/she shall be allotted to any of the remaining services posts in which there are vacancies after allocation of all the candidates who can be allocated to services/posts in accordance with their preferences.

Note II.—The candidates are advised to visit DOP & T's website www.persmin.nic.in for information/details about service allocation/cadre allotment.

Note III.—"A candidate who wishes to be considered for IAS/IPS shall be very careful while indicating preferences for various cadres. The candidate is advised to indicate all the cadres in the order of preference in his/her Detailed Application form (DAF) [which is to be filled in case of his/her selection for the Civil Services (Main) Examination]. In case he/she does not give any preference for any cadre it will be assumed that he/she does not have a specific preference for any cadre. If he/she is not allotted to any one of the cadres for which he/she has indicated preference, he/she shall be allotted to any of the remaining cadres in which there are vacancies after allocation of all the candidates who can be allocated to those cadres in accordance with their preferences."

3. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and Physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. Every candidate appearing at the examination who is otherwise eligible, shall be permitted four attempts at the examination.

Provided that this restriction on the number of attempts will not apply in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates who are otherwise eligible.

Provided further that the number of attempts permissible to candidates belonging to Other Backward Classes, who are otherwise eligible, shall be seven. The relaxation will be available to the candidates who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

Provided further that a physically handicapped will get as many attempts as are available to other non-physically handicapped candidates of his or her community, subject to the condition that a physically handicapped candidate belonging to the General Category shall be eligible for seven attempts. The relaxation will be available to the physically handicapped candidates who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

Note :—

- (I) An attempt at a Preliminary Examination shall be deemed to be an attempt at the Examination.
- (II) If a candidate actually appears in any one paper in the Preliminary Examination, he/she shall be deemed to have made an attempt at the Examination.
- (III) Notwithstanding the disqualification/cancellation of candidature, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

5. (1) For the Indian Administrative Service and Indian Police Service, a candidate must be a citizen of India.

(2) For other Services, a candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma (Myanmar), Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer

of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him/her by the Government of India.

6. (a) A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on the 1st of August, 2011 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1981 and not later than 1st August, 1990.

(b) The upper age-limit prescribed above will be relaxable:

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates;
- (iii) up to a maximum of five years if a candidate had ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989;
- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (v) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 2011 and have been released:
 - (a) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 2011) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency; or
 - (b) on account of physical disability attributable to Military Service; or
 - (c) on invalidment.
- (vi) up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 2011 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vii) up to a maximum of 10 years in the case of blind, deaf-mute and Orthopaedically handicapped persons.

Note I :—Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and the Other Backward

Classes who are also covered under any other clauses of Rule 6(b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State of J & K, blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

Note II :—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Note III :—The age concession under Rule 6(b)(v) and (vi) will not be admissible to Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who are released on own request.

Note IV :—Notwithstanding the provision of age-relaxation under Rule 6(b)(vii) above, a physically disabled candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically disabled candidates by the Government.

Save as provided above, the age limits prescribed can in no case be relaxed.

The date of birth, accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only at the time of applying for the Civil Services (Main) Examination. No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the Instruction include the alternative certificates mentioned above.

Note I :—Candidate should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or granted.

Note 2 :—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently or at any other Examination of the Commission on any grounds whatsoever.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State

Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I :—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will also be eligible for admission to the Preliminary Examination.

All candidates who are declared qualified by the Commission for taking the Civil Services (Main) Examination will be required to produce proof of passing the requisite examination along with their application for the Main Examination failing which such candidates will not be admitted to the Main Examination.

Note II :—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualification as a qualified candidate provided that he has passed examination conducted by other institution the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note III :—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree would also be eligible for admission to the examination.

Note IV :—Candidates who have passed the final professional M.B.B.S or any other Medical Examination but have not completed their internship by the time of submission of their applications for the Civil Services (Main) Examination, will be provisionally admitted to the Examination provided they submit along with their application a copy of certificate from the concerned authority of the University/Institution that they had passed the requisite final professional medical examination. In such cases, the candidates will be required to produce at the time of their interview original degree or a certificate from the concerned competent authority of the University/Institution that they had completed all requirements (including completion of internship) for the award of the Degree.

8. A candidate who is appointed to the Indian Administrative Service or the Indian Foreign Service on the results of an earlier examination and continues to be a member of that service will not be eligible to compete at this examination.

In case such a candidate is appointed to the IAS/IFS after the Preliminary Examination of Civil Services Examination, 2011 is over and he/she continues to be a member of that service, he/she shall not be eligible to appear in the Civil Services (Main) Examination, 2010 notwithstanding his/her having qualified in the Preliminary Examination, 2011.

Also provided that if such a candidate is appointed to IAS/IFS after the commencement of the Civil Services (Main)

Examination, 2011 but before the result thereof and continues to be a member of that service, he/she shall not be considered for appointment to any service/post on the basis of the result of this examination viz. Civil Services Examination, 2011.

9. Candidates must pay the fees prescribed in the Commission's Notice.

10. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work charged employee, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination. Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

11. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Preliminary Examination, Main (Written) Examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Preliminary Examination, Main (Written) Examination and interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

12. No candidate will be admitted to the Preliminary/ Main Examination unless he holds a certificate of admission for the Examination.

13. No request for withdrawal of candidature received from a candidate after he has submitted his application will be entertained under any circumstances.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

(i) Obtaining support for his candidature by the following means, namely :—

- (a) offering illegal gratification to; or
- (b) applying pressure on; or
- (c) blackmailing, or threatening to blackmail any person connected with the conduct of the examination; or

(ii) impersonation; or

(iii) procuring impersonation by any person; or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or

(vi) resorting to the following means in connection with his candidature for the examination, namely :—

(a) obtaining copy of question paper through improper means;

(b) finding out the particulars of the persons connected with secret work relating to the examination;

(c) influencing the examiners; or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing obscene matter or drawing obscene sketches in the scripts; or

(ix) misbehaving in the examination hall including tearing of the scripts, provoking fellow examinees to boycott examination, creating a disorderly scene and the like; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or

(xi) being in possession of or using any mobile phone, pager or any electronic equipment or device or any other equipment capable of being used as a communication device during the examination; or

(xii) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or

(xiii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; and/or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules :

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the Preliminary Examination as may be fixed by the

Commission at their discretion shall be admitted to the Main Examination; and candidates who obtain such minimum qualifying marks in the Main Examination (Written) as may be fixed by the Commission at their discretion shall be summoned by them for an interview for personality test :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards in the Preliminary Examination as well as Main Examination (Written) if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up vacancies reserved for them.

16. (1) After interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the Main Examination. Thereafter, the Commission shall, for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the Main Examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes against reserved vacancies, the Commission may relax the general qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the Main Examination :

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or the selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

(2) While making service allocation, the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Other Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Govt. If by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.

(3) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendations in the manner prescribed in sub-rules (4) and (5).

(4) While recommending the candidates, the Commission shall, in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number

of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso to sub-rule (1). Along with this list of recommended candidates, the Commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso to sub-rule (1). Amongst the reserved categories, the number of candidates from each of the Scheduled Caste, the Scheduled Tribe and Other Backward Class categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category.

5. The candidates recommended in terms of the provisions of sub-rule (4), shall be allocated by the Government to the services and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requiring it to recommend, in order of merit, from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of filling up the unfilled vacancies in each category.

17. The minimum qualifying marks as specified under rules 15 and 16 may be relaxable at the discretion of the Commission in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them :

Provided that where a physically handicapped candidate obtains the minimum qualifying marks in his own merit in the requisite number for General, or the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe or Other Backward Class category candidates, then, the extra physically handicapped candidates, i.e., more than the number of vacancies reserved for them shall be recommended by the Commission on the relaxed standards and consequential amendments in the rules will be notified in due course.

18. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the results.

19. (i) Due consideration will be given at the time of making allocation on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services at the time of his application. The appointment to various services will also be governed by the Rules/Regulations in force as applicable to the respective Services at the time of appointment.

(ii) The cadre allotment to candidates' appointment to IAS/IPS will be governed by the policy of cadre allotment in force at the time of allotment of cadre. Due consideration will

be given at the time of making allocation on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various cadres at the time of his application.

20. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Service.

21. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for the medical examination except in the case of appeal :

Provided further that Government may constitute a special Medical Board with experts in the area for conducting the medical examination of physically disabled candidates.

Note :—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

22. The eligibility for availing reservation against the vacancies reserved for the physically disabled persons shall be the same as prescribed in "The Persons with Disability (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995" :

Provided further that the physically disabled candidates shall also be required to meet special eligibility criteria in terms of physical requirements functional classification (abilities/disabilities) consistent with requirements of the identified service post as may be prescribed by its cadre controlling authority. A list of Services identified suitable for Physically Disabled Category along with the physical requirements and functional classifications.

The physical requirement and functional classification can, for example, be one or more of the following :

CODE PHYSICAL REQUIREMENTS

- MF 1. Work performed by manipulation by fingers.
- PP 2. Work performed by pulling and pushing.
- L 3. Work performed by lifting.
- KC 4. Work performed by kneeling and crouching
- BN 5. Work performed by bending.
- S 6. Work performed by sitting (on bench or chair).

- ST 7. Work performed by standing.
- W 8. Work performed by walking.
- SE 9. Work performed by seeing.
- H 10. Work performed by hearing/speaking.
- RW 11. Work performed by reading and writing.
- C 12. Communication.

CODE FUNCTIONAL CLASSIFICATION

- BL 1. both legs affected but not arms.
- SA 2. both arms affected—
 - a. impaired reach.
 - b. weakness of grip.
 - c. ataxic
- BLA 3. both legs and both arms affected.
- OL 4. one leg affected (R or L)
 - a. impaired reach.
 - b. weakness of grip.
 - c. ataxic.
- OA 5. one arm affected (R or L)
 - a. impaired reach.
 - b. weakness of grip.
 - c. ataxic.
- OAL 6. One arm and one leg affected
- MW 7. muscular weakness
- B 8. Blind.
- LV 9. Low Vision
- H 10. Hering

Note : The above lists is subject of revision.

23. A candidate will be eligible to get the benefit of community reservation only in case the particular caste to which the candidates belongs is included in the list of reserved communities issued by the Central Government. If a candidate indicates in his/her application form for Civil Services (Preliminary) Examination that he/she belongs to General Category but subsequently writes to the Commission to change his/her category, to a reserved one, such request shall not be entertained by the Commission.

While the above principle will be followed in general, there may be a few cases where there was a little gap (say 2-3 months) between the issuance of a Government Notification enlisting a particular community in the list of any of the reserved communities and the date of submission of the application by the candidate. In such cases the request of change of community from general to reserved may be considered by the Commission on merit.

24. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to Service :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

25. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

26. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

R. K. GUPTA, Director

APPENDIX I

SECTION I

PLAN OF EXAMINATION

The competitive examination comprises two successive stages :

- (i) Civil Services Preliminary Examination (Objective Type) for the selection of candidates for Main Examination; and
- (ii) Civil Services (Main) Examination (Written and Interview) for the selection of candidates for the various Services and posts.

2. The preliminary Examination will consist of two papers of Objective type (multiple choice questions) and carry a maximum of 400 marks in the subjects set out in sub-section (A) of Section II. This examination is meant to serve as a screening test only; the marks obtained in the Preliminary Examination by the candidates who are declared qualified for admission to the Main Examination will not be counted for determining their final order of merit. The number of candidates to be admitted to the Main Examination will be about twelve to thirteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year in the various Services and posts. Only those candidates who are declared by the Commission to have qualified in the Preliminary Examination in the year will be eligible for admission to the Main Examination of that year provided they are otherwise eligible for admission, to the Main Examination.

Note I : The Commission will draw a list of candidates to be qualified for Civil Services (Main) Examination based on the total qualifying marks as may be determined by the Commission, of the two papers put together.

Note II : There will be negative marking for incorrect answers (as detailed below) for all questions except some of the questions where the negative marking will be inbuilt in the form of different marks being awarded to the most appropriate and not so appropriate answer for such questions.

(i) There are four alternatives for the answers to every question. For each question for which a wrong answer has been given by the candidate, one-third (0.33) of the marks assigned to that question will be deducted as penalty.

(ii) If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happen to be correct and there will be same penalty as above for that question.

(iii) If a question is left blank i.e. no answer is given by the candidate, there will be no penalty for that question."

3. The Main Examination will consist of written examination and an interview test the written examination will consist of 9 papers of conventional essay type in the subjects set out in sub-section (B) of Section II. Also see Note (ii) under para I of Section II(B).

4. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written part of the Main Examination as may be fixed by the Commission at their discretion, shall be summoned by them for an interview for a Personality Test vide sub-section 'C' of Section II. However, the papers on Indian languages and English will be of qualifying nature. Also see Note (ii) under para I of Section II(B). The marks obtained in these papers will not be counted for ranking. The number of candidates to be summoned for interview will be about twice the number of vacancies to be filled. The interview will carry 300 marks (with no minimum qualifying marks).

Marks thus obtained by the candidates in the Main Examination (written part as well as interview) would determine their final ranking. Candidates will be allotted to the various Services keeping in view their ranks in the examination and the preferences expressed by them for the various Services and posts.

SECTION II

Scheme and subjects for the Preliminary and Main Examination.

A. PRELIMINARY EXAMINATION :

The Examination shall comprise of two compulsory Papers of 200 marks each.

Note :

- (i) Both the question papers will be of the objective type (multiple choice questions).
- (ii) The question papers will be set both in Hindi and English. However, questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.
- (iii) Details of the syllabi are indicated in Part A of Section III.
- (iv) Each paper will be of two hours duration. Blind candidates will; however, be allowed an extra time of twenty minutes for each paper.

B. MAIN EXAMINATION :

The written examination will consist of the following papers :--

Paper I—One of the Indian Language to be selected by the candidate from the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution.	300 Marks
Paper II—English	300 Marks
Paper III—Essay	200 Marks
Papers—General Studies	300 Marks
IV and V	for each paper
Papers VI, VII, VIII and IX. Any two subjects to be selected from the list of the optional subjects set out in para 2 below. Each subject will have two papers.	300 Marks for each paper

Interview Test will carry 300 Marks.

NOTE:

- (i) The papers on Indian Languages and English will be of Matriculation or equivalent standard and will be of qualifying nature. The marks obtained in these papers will not be counted for ranking.
- (ii) Evaluation of the papers, namely, 'Essay', 'General Studies' and Optional Subjects of all the candidates would be done simultaneously along with evaluation of their qualifying papers on 'Indian Languages' and 'English' but the papers on 'Essay', General Studies and Optional Subjects of only such candidates will be taken cognizance of as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission at their discretion for the qualifying papers on 'Indian Language' and 'English' and 'therefore, the marks in 'Essay' 'General Studies and Optional subjects' will not be disclosed to those candidates who fail to obtain such minimum qualifying standard in 'Indian Language' and 'English.'
- (iii) The Paper I on Indian Languages will not, however, be compulsory for candidates hailing from the North-Eastern States of Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram and Nagaland and also for candidates hailing from the State of Sikkim.
- (iv) For the Language papers, the scripts to be used by the candidates will be as under :

<i>Language</i>	<i>Script</i>
Assamese	Assamese
Bengali	Bengali
Gujarati	Gujarati
Hindi	Devanagari
Kannada	Kannada
Kashmiri	Persian
Konkani	Devanagari
Malayalam	Malayalam
Manipuri	Bengali

Marathi	Devanagari
Nepali	Devanagari
Oriya	Oriya
Punjabi	Gurmukhi
Sanskrit	Devanagari
Sindhi	Devanagari or Arabic
Tamil	Tamil
Telugu	Telugu
Urdu	Persian
Bodo	Devanagari
Dogri	Devanagari
Maithilli	Devanagari
Santali	Devanagari or Olchiki

Note: For Santali language, question paper will be printed in Devanagari script; but candidates will be free to answer either in Devanagari script or in Olchiki.

2. List of optional subjects for Main Examination :

- (i) Agriculture
- (ii) Animal Husbandry and Veterinary Science
- (iii) Anthropology
- (iv) Botany
- (v) Chemistry
- (vi) Civil Engineering
- (vii) Commerce and Accountancy
- (viii) Economics
- (ix) Electrical Engineering
- (x) Geography
- (xi) Geology
- (xii) History
- (xiii) Law
- (xiv) Management
- (xv) Mathematics
- (xvi) Mechanical Engineering
- (xvii) Medical Science
- (xviii) Philosophy
- (xix) Physics
- (xx) Political Science and International Relations
- (xxi) Psychology
- (xxii) Public Administration
- (xxiii) Sociology
- (xxiv) Statistics
- (xxv) Zoology
- (xxvi) Literature of one of the following languages :
Arabic, Assamese, Bengali, Bodo, Chinese, Dogari, English, French, German, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Konkani, Maithili, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Oriya, Pali, Persian, Punjabi, Russian, Sanskrit, Santali, Sindhi, Tamil, Telugu, Urdu.

NOTE:

- (i) Candidates will not be allowed to offer the following combinations of subjects :
 - (a) Political Science & International Relations and Public Administration;
 - (b) Commerce & Accountancy and Management;
 - (c) Anthropology and Sociology;
 - (d) Mathematics and Statistics;
 - (e) Agriculture and Animal Husbandry & Veterinary Science;
 - (f) Management and Public Administration;
 - (g) Of the Engineering subjects viz., Civil Engineering, Electrical Engineering and Mechanical Engineering—not more than one subject;
 - (h) Animal Husbandry & Veterinary Science and Medical Science.
- (ii) The question papers for the examination will be of conventional (essay) type.
- (iii) Each paper will be of three hours duration. Blind candidates will, however, be allowed an extra time of thirty minutes at each paper.
- (iv) Candidates will have the option to answer all the question papers, except the language papers, viz., Papers I and II above, in any one of the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution or in English.
- (v) Candidates exercising the option to answer Papers III to IX in any one of the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution may, if they so desire, give English version within brackets of only the description of the technical terms, if any, in addition to the version in the language opted by them.
Candidates should, however, note that if they misuse the above rule, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to them and in extreme cases, their script(s) will not be valued for being in an unauthorised medium.
- (vi) The question papers other than language papers will be set both in Hindi and English.
- (vii) The details of the syllabi are set out in Part B of Section III.

General Instructions (Preliminary as well as Main Examination)

- (i) Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them. However, blind candidates will be allowed to write the examination with the help of a scribe.
- (ii) An extra time of twenty minutes per hour shall be permitted for the candidates with locomotor disability and cerebral palsy where dominant (writing) extremity is affected

to the extent of slowing the performance of function (minimum of 40% impairment) in the Civil Services (Main) Examination only. However, no scribe shall be permitted to such candidates.

Note (1) : The eligibility conditions of a scribe, his/her conduct inside the examination hall and the manner in which and extent to which he/she can help the blind candidate in writing the Civil Services Examination shall be governed by the instructions issued by the UPSC in this regard. Violation of all or any of the said instructions shall entail the cancellation of the candidature of the blind candidate in addition to any other action that the UPSC may take against the scribe.

Note (2) : For purpose of these rules the candidate shall be deemed to be a blind candidate if the percentage of visual impairment is Forty per cent (40%) or more. The criteria for determining the percentage of visual impairment shall be as follows :—

	All with corrections		Percentage
	Better eye	Worse eye	
1	2	3	4
Category O	6/9—6/18	6/24 to 6/36	20%
Category I	6/18—6/36	6/60 to nil	40%
Category II	6/60—4/60 or field of vision 10—20°	3/60 to nil	75%
Category III	3/60—1/60 or field of vision 10°	F.C. at 1 ft to nil	100%
Category IV	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	100%
One eyed person	6/6	F.C. at 1 ft to nil	30%

Note (3) : For availing of the concession admissible to a blind candidate, the candidate concerned shall produce a certificate in the prescribed proforma from a Medical Board constituted by the Central/State Governments alongwith their application for the Main Examination.

Note (4) : The concession admissible to blind candidates shall not be admissible to those suffering from Myopia.

(ii) The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

(iii) If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

(iv) Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

(v) Credit will be given for orderly, effective, and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

(vi) In the question papers, wherever required, SI units will be used.

(vii) Candidates should use only International form of Indian numerals (i.e. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

(viii) Candidates will be allowed the use of Scientific (Non-Programmable type) Calculators at the conventional (Essay) type examination of UPSC. Programmable type calculators will however not be allowed and the use of such calculators shall tantamount to resorting to unfair means by the candidates. Loaning or interchanging of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore bring the same inside the Examination Hall.

C. Interview Test

The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for a career in public service by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgement, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross-examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The interview test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and outside their own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

SECTION III

SYLLABUS FOR THE EXAMINATION

NOTE : Candidates are advised to go through the Syllabus published in this Section for the Preliminary Examination and the Main Examination, as periodic revision of syllabus has been done in several subjects.

Part A—Preliminary Examination

Paper I - (200 marks) Duration : Two hours

- Current events of national and international importance
- History of India and Indian National Movement

- Indian and World Geography-Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
- Indian Polity and Governance-Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development-Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector Initiatives, etc.
- General issues on Environmental ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization
- General Science.

Paper II-(200 marks) Duration : Two hours

- Comprehension
- Interpersonal skills including communication skills;
- Logical reasoning and analytical ability
- Decision making and problem solving
- General mental ability
- Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc. — Class X level)
- English Language Comprehension skills (Class X level).

Note 1 : Questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level (last item in the Syllabus of Paper-II) will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.

Note 2 : The questions will be of multiple choice, objective type.

Part B—Main Examination

The main Examination is intended to assess the overall intellectual traits and depth of understanding of candidates rather than merely the range of their information and memory. **Total number of questions in the question papers of optional subjects will be eight. All questions will carry equal marks. Each paper will be divided into two parts, viz. Part A and Part B, each part containing four questions. Out of eight questions, five questions are to be attempted. One questions in each part will be compulsory. Candidates will be required to answer three more questions out of the remaining six questions, taking at least one question from each Part. In this way, at least two questions will be attempted from each Part i.e. one compulsory question plus one more.**

The scope of the syllabus for optional subject papers for the examination is broadly of the honours degree level i.e. a level higher than the bachelors degree and lower than the masters degree. In the case of Engineering, Medical Science and law, the level corresponds to the bachelors degree.

COMPULSORY SUBJECTS**English and Indian Languages**

The aim of the paper is to test the candidate's ability to read and understand serious discursive prose, and to express his ideas clearly and correctly, in English and Indian language concerned.

The pattern of questions would be broadly as follows:—
English—

- (i) Comprehension of given passages
- (ii) Precis Writing
- (iii) Usage and Vocabulary
- (iv) Short Essay.

Indian Languages :—

- (i) Comprehension of given passages
- (ii) Precis Writing
- (iii) Usage and Vocabulary
- (iv) Short Essay
- (v) Translation from English to the Indian languages and vice-versa.

Note 1.— The papers on Indian Languages and English will be of Matriculation or Equivalent standard and will be of qualifying nature only. The marks obtained in these papers will not be counted for ranking.

Note 2.— The candidates will have to answer the English and Indian Languages papers in English and the respective Indian Language (except where translation is involved).

ESSAY

Candidates will be required to write an essay on a specific topic. The choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

GENERAL STUDIES**General Guidelines :**

The nature and standard of questions in the General Studies papers will be such that a well-educated person will be able to answer them without any specialized study. The questions will be such as to test a candidate's general awareness of a variety of subjects, which will have relevance for a career in Civil Services. The questions are likely to test the candidate's basic understanding of all relevant issues, and ability to analyze, and take a view on conflicting socio-economic goals, objectives and demands. The candidates must give relevant, meaningful and succinct answers.

PAPER-I**1. History of Modern India and Indian Culture**

The History of Modern India will cover history of the country from about the middle of the nineteenth century and would also include questions on important personalities who shaped the freedom movement and social reforms. The part relating to Indian Culture will cover all aspects of Indian culture

from the ancient to modern times as well as principal features of literature, arts and architecture.

2. Geography of India

In this part, questions will be on the physical, economic and social geography of India.

3. Constitution of India and Indian Polity

This part will include questions on the Constitution of India, as well as all constitutional, legal, administrative and other issues emerging from the politico-administrative system prevalent in the country.

4. Current National Issues and Topics of Social Relevance

This part is intended to test the Candidate's awareness of current national issues and topics of social relevance in the present-day India, such as the following :

- (i) The Indian economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment.
- (ii) Issues arising from the social and economic exclusion of large sections from the benefits of development.
- (iii) Other issues relating to the development and management of human resource.
- (iv) Health issues including the management of Public Health, Health education and ethical concerns regarding health-care, medical research and pharmaceuticals.
- (v) Law enforcement, internal security and related issues such as the preservation of communal harmony.
- (vi) Issues relating to good governance and accountability to the citizens including the maintenance of human rights, and of probity in public life.
- (vii) Environmental issues, ecological preservation, conservation of natural resources and national heritage.

PAPER-II**1. India and the World**

This part will include questions to test candidate's awareness of India's relationship with the world in various spheres such as the following :

- Foreign Affairs with special emphasis on India's relations with neighbouring countries and in the region.
- Security and defence related matters.
- Nuclear policy, issues, and conflicts. The Indian Diaspora and its contribution to India and the world.

2. India's Economic Interaction with the World

In this part, questions will be on economic and trade issues such as foreign trade, foreign investments; economic and diplomacy issues relating to oil, gas and energy flows; the role and functions of I.M.F., World Bank, W.T.O. WIPO etc. which influence India's economic interaction with other countries and international institutions.

3. Developments in the field of Science & Technology, IT and Space

In this part, questions will test the candidate's awareness of the developments in the field of science and technology, information technology, space and basic ideas about computers, robotics, nanotechnology, biotechnology and related issues regarding intellectual property rights.

4. International Affairs and Institutions

This part will include questions on important events in world affairs and on international institutions.

5. Statistical analysis, graphs and diagrams

This part will test the candidate's ability to draw conclusions from information presented in statistical, graphical or diagrammatical form and to interpret them.

AGRICULTURE

PAPER-I

Ecology and its relevance to man, natural resources, their sustainable management and conservation. Physical and social environment as factors of crop distribution and production. Agro ecology; cropping pattern as indicators of environments. Environmental pollution and associated hazards to crops, animals and humans. Climate change --International conventions and global initiatives. Green house effect and global warming. Advance tools for ecosystem analysis—Remote Sensing (RS) and Geographic Information Systems (GIS).

Cropping patterns in different agro-climatic zones of the country. Impact of high-yielding and short-duration varieties on shifts in cropping patterns. Concepts of various cropping, and farming systems. Organic and Precision farming. Package of practices for production of important cereals, pulses, oil seeds, fibres, sugar, commercial and fodder crops.

Important features, and scope of various types of forestry plantations such as social forestry, agro-forestry, and natural forests : Propagation of forest plants. Forest products. Agro-forestry and value addition. Conservation of forest flora and fauna.

Weeds, their characteristics, dissemination and association with various crops; their multiplications; cultural, biological, and chemical control of weeds.

Soil—physical, chemical and biological properties. Processes and factors of soil formation. Soils of India. Mineral and organic constituents of soils and their role in maintaining soil productivity. Essential plant nutrients and other beneficial elements in soils and plants. Principles of soil fertility, soil testing and fertiliser recommendations, integrated nutrient management Biofertilizers. Losses of nitrogen in soil, nitrogen-use efficiency in submerged rice soils, nitrogen fixation in soils. Efficient phosphorus and potassium use. Problem soils and their reclamation. Soil factors affecting green house gas emission.

Soil conservation, integrated watershed management. Soil erosion and its management. Dry land agriculture and its

problems. Technology for stabilising agriculture production in rain fed areas.

Water-use efficiency in relation to crop production, criteria for scheduling irrigations, ways and means of reducing run-off losses of irrigation water. Rainwater harvesting. Drip and sprinkler irrigation. Drainage of water-logged soils, quality of irrigation water, effect of industrial effluents on soil and water pollution. Irrigation projects in India.

Farm management, scope, importance and characteristics, farm planning. Optimum resource use and budgeting. Economics of different types of farming systems. Marketing management strategies for development, market intelligence. Price fluctuations and their cost; role of co-operatives in agricultural economy; types and systems of farming and factors affecting them. Agricultural price policy. Crop Insurance.

Agricultural extension, its importance and role, methods of evaluation of extension programmes, socio-economic survey and status of big, small and marginal farmers and landless agricultural labourers; Training programmes for extension workers. Role of Krishi Vigyan Kendra's (KVK) in dissemination of Agricultural technologies. Non-Government Organisation (NGO) and self-help group approach for rural development.

PAPER-II

Cell structure, function and cell cycle. Synthesis, structure and function of genetic material. Laws of heredity. Chromosome structure, chromosomal aberrations, linkage and cross-over, and their significance in recombination breeding. Polyploidy, euploids and aneuploids. Mutation—and their role in crop improvement. Heritability, sterility and incompatibility, classification and their application in crop improvement. Cytoplasmic inheritance, sex-linked, sex-influenced and sex-limited characters.

History of plant breeding. Modes of reproduction, selfing and crossing techniques. Origin, evolution and domestication of crop plants, center of origin, law of homologous series, crop genetic resources --conservation and utilization. Application of principles of plant breeding, improvement of crop plants. Molecular markers and their application in plant improvement. Pure-line selection, pedigree, mass and recurrent selections, combining ability, its significance in plant breeding. Heterosis and its exploitation. Somatic hybridization. Breeding for disease and pest resistance. Role of interspecific and intergeneric hybridization. Role of genetic engineering and biotechnology in crop improvement Genetically modified crop plants.

Seed production and processing technologies. Seed certification, Seed testing and storage. DNA finger printing and seed registration. Role of public and private sectors in seed production, and marketing. Intellectual Property Rights (IPR) issues, WTO issues and its impact on Agriculture.

Principles of Plant Physiology with reference to plant nutrition, absorption, translocation and metabolism of nutrients. Soil-water-plant relationship.

Enzymes and plant pigments; photosynthesis—modern concepts and factors affecting the process, aerobic and anaerobic respiration; C_3 , C_4 and CAM mechanisms. Carbohydrate, protein and fat metabolism. Growth and development; photoperiodism and vernalization. Plant growth substances and their role in crop production. Physiology of seed development and germination; dormancy. Stress physiology—draught, salt and water stress.

Major fruits, plantation crops, vegetables, spices and flower crops. Package practices of major horticultural crops. Protected cultivation and high tech horticulture. Post-harvest technology and value addition of fruits and vegetables. Landscaping and commercial floriculture. Medicinal and aromatic plants. Role of fruits and vegetables in human nutrition.

Diagnosis of pests and diseases of field crops, vegetables, orchard and plantation crops and their economic importance. Classification of pests and diseases and their management. Integrated pest and diseases management. Storage pests and their management. Biological control of pests and diseases. Epidemiology and forecasting of major crop pests and diseases. Plant quarantine measures. Pesticides, their formulation and modes of action.

Food production and consumption trends in India. Food security and growing population—vision 2020. Reasons for grain surplus. National and International food policies. Production, procurement, distribution constraints. Availability of foodgrains, per capita expenditure on food. Trends in poverty, Public Distribution System and Below Poverty Line population, Targeted Public Distribution System (PDS), policy implementation in context to globalization. Processing constraints. Relation of food production to National Dietary Guidelines and food consumption pattern. Food based dietary approaches to eliminate hunger. Nutrient deficiency—Micro nutrient deficiency : Protein Energy Malnutrition or Protein Calorie Malnutrition (PEM or PCM), Micro nutrient deficiency and HRD in context of work capacity of women and children. Food grain productivity and food security.

ANIMAL HUSBANDRY AND VETERINARY SCIENCE

PAPER-I

1. Animal Nutrition :

- 1.1 Partitioning of food energy within the animal. Direct and indirect calorimetry. Carbon—nitrogen balance and comparative slaughter methods. Systems for expressing energy value of foods in ruminants, pigs and poultry. Energy requirements for maintenance, growth, pregnancy, lactation, egg, wool, and meat production.
- 1.2 Latest advances in protein nutrition. Energy protein inter-relationships. Evaluation of protein quality. Use of NPN compounds in ruminant diets. Protein requirements for maintenance, growth, pregnancy, lactation, egg, wool and meat production.

- 1.3 Major and trace minerals—Their sources, physiological functions and deficiency symptoms. Toxic minerals. Mineral interactions. Role of fat-soluble and water-soluble vitamins in the body, their sources and deficiency symptoms.
- 1.4 Feed additives—methane inhibitors, probiotics, enzymes, antibiotics, hormones, oligosaccharides, antioxidants, emulsifiers, mould inhibitors, buffers etc. Use and abuse of growth promoters like hormones and antibiotics—latest concepts.
- 1.5 Conservation of fodders. Storage of feeds and feed ingredients. Recent advances in feed technology and feed processing. Anti-nutritional and toxic factors present in livestock feeds. Feed analysis and quality control. Digestibility trials—direct, indirect and indicator methods. Predicting feed intake in grazing animals.
- 1.6 Advances in ruminant nutrition. Nutrient requirements. Balanced rations. Feeding of calves, pregnant, work animals and breeding bulls. Strategies for feeding milch animals during different stages of lactation cycle. Effect of feeding on milk composition. Feeding of goats for meat and milk production. Feeding of sheep for meat and wool production.
- 1.7 Swine Nutrition. Nutrient requirements. Creep, starter, grower and finisher rations. Feeding of pigs for lean meat production. Low cost rations for swine.
- 1.8 Poultry nutrition. Special features of poultry nutrition. Nutrient requirements for meat and egg production. Formulation of rations for different classes of layers and broilers.

2. Animal Physiology :

- 2.1 Physiology of blood and its circulation, respiration; excretion. Endocrine glands in health and disease.
- 2.2 Blood constituents. —Properties and functions—blood cell formation—Haemoglobin synthesis and chemistry—plasma proteins production, classification and properties. coagulation of blood; Haemorrhagic disorders—anti-coagulants—blood groups—Blood volume—Plasma expanders—Buffer systems in blood. Biochemical tests and their significance in disease diagnosis.
- 2.3 Circulation. —Physiology of heart, cardiac cycle, heart sounds, heart beat, electrocardiograms. Work and efficiency of heart—effect of ions on heart function—metabolism of cardiac muscle, nervous and chemical regulation of heart, effect of temperature and stress on heart, blood pressure and hypertension, osmotic regulation, arterial pulse, vasomotor regulation of circulation, shock. Coronary and pulmonary circulation, Blood-Brain barrier Cerebrospinal fluid-circulation in birds.
- 2.4 Respiration. —Mechanism of respiration. Transport and exchange of gases—neural control of respiration—Chemo-receptors—hypoxia-respiration in birds.

- 2.5 Excretion.—Structure and function of kidney-formation of urine-methods of studying renal function-renal regulation of acid-base balance : physiological constituents of urine-renal failure-passive venous congestion-Urinary secretion in chicken-Sweat glands and their function. Bio-chemical test for urinary dysfunction.
- 2.6 Endocrine glands.—Functional disorders- their symptoms and diagnosis. Synthesis of hormones, mechanism and control of secretion--hormonal receptors-classification and function.
- 2.7 Growth and Animal Production.—Prenatal and postnatal growth, maturation, growth curves, measures of growth, factors affecting growth, conformation, body composition, meat quality
- 2.8 Physiology of Milk Production, Reproduction and Digestion.—Current status of hormonal control of mammary development. milk secretion and milk ejection. Male and Female reproductive organs, their components and functions. Digestive organs and their functions.
- 2.9 Environmental Physiology.—Physiological relations and their regulation; mechanisms of adaptation, environmental factors and regulatory mechanisms involved in animal behaviour, climatology - various parameters and their importance. Animal ecology. Physiology of behaviour. Effect of stress on health and production.

3. Animal Reproduction :

Semen quality.—Preservation and Artificial Insemination.—Components of semen, composition of spermatozoa, chemical and physical properties of ejaculated semen, factors affecting semen in vivo and in vitro. Factors affecting semen production and quality, preservation, composition of diluents, sperm concentration, transport of diluted semen. Deep freezing techniques in cows, sheep, goats, swine and poultry. Detection of oestrus and time of insemination for better conception. Anoestrus and repeat breeding.

4. Livestock Production and Management :

- 4.1 Commercial Dairy Farming.—Comparison of dairy farming in India with advanced countries. Dairying under mixed farming and as specialized farming, economic dairy farming. Starting of a dairy farm. Capital and land requirement, organization of the dairy farm. Opportunities in dairy farming, factors determining the efficiency of dairy animal. Heard recording, budgeting cost of milk production, pricing policy; Personnel Management. Developing Practical and Economic rations for dairy cattle; supply of greens throughout the year, feed and fodder requirements of Dairy Farm. Feeding regimes for young stock and bulls, heifers and breeding animals, new trends in feeding young and adult stock; Feeding records.

- 4.2 Commercial meat, egg and wool production.—Development of practical and economic rations for sheep, goats, pigs, rabbits and poultry. Supply of greens, fodder, feeding regimes for young and mature stock. New trends in enhancing production and management. Capital and land requirements and socio-economic concept.
- 4.3 Feeding and management of animals under drought, flood and other natural calamities.

5. Genetics and Animal Breeding :

- 5.1 History of animal genetics. Mitosis and Meiosis : Mendelian inheritance; deviations to Mendelian genetics; Expression of genes; Linkage and crossing over; Sex determination, sex influenced and sex limited characters; Blood groups and polymorphism; Chromosome aberrations; Cytoplasmic inheritance; Gene and its structure; DNA as a genetic material; Genetic code and protein synthesis; Recombinant DNA technology. Mutations, types of mutations, methods for detecting mutations and mutation rate, Transgenesis.
- 5.2 Population Genetics applied to Animal Breeding—Quantitative Vs. Qualitative traits; Hardy Weinberg Law; Population Vs. Individual; Gene and genotypic frequency; Forces changing gene frequency; Random drift and small populations; Theory of path coefficient; Inbreeding, methods of estimating inbreeding coefficient, systems of inbreeding; Effective population size; Breeding value, estimation of breeding value, dominance and epistatic deviation; Partitioning of variation; Genotype X environment correlation and genotype X environment interaction; role of multiple measurements; Resemblance between relatives.
- 5.3 Breeding Systems.—Breeds of livestock and Poultry. Heritability, repeatability and genetic and phenotypic correlations, their methods of estimation and precision of estimates; Aids to selection and their relative merits; Individual, pedigree, family and within family selection; Pregnancy testing; Methods of selection; Construction of selection indices and their uses; Comparative evaluation of genetic gains through various selection methods; Indirect selection and correlated response; Inbreeding, out breeding, upgrading, cross-breeding and synthesis of breeds; Crossing of inbred lines for commercial production; Selection for general and specific combining ability; Breeding for threshold characters. Sire index.

6. Extension :

Basic philosophy, objectives, concept and principles of extension. Different Methods adopted to educate farmers under rural conditions. Generation of technology, its transfer and feedback. Problems and constraints in transfer of technology. Animal husbandry programmes for rural development.

PAPER—II**1. Anatomy, Pharmacology and Hygiene :**

- 1.1 **Histology and Histological Techniques :** Paraffin embedding technique of tissue processing and H.E. staining—Freezing microtomy—Microscopy Bright field microscope and electron microscope. Cytology—structure of cell organelles and inclusions; cell division—cell types—Tissues and their classification—embryonic and adult tissues—Comparative histology of organs—Vascular, Nervous, digestive, respiratory, musculo-skeletal and urogenital systems—Endocrine glands—Integuments—sense organs.
- 1.2 **Embryology.**—Embryology of vertebrates with special reference to aves and domestic mammals gametogenesis-fertilization-germ layers-foetal membranes and placentation-types of placenta in domestic mammals—Teratology—twins and twinning—organogenesis-germ layer derivatives—endodermal, mesodermal and ectodermal derivatives.
- 1.3 **Bovine Anatomy.**—Regional Anatomy : Paranasal sinuses of OX—surface anatomy of salivary glands. Regional anatomy of infraorbital, maxillary, mandibuloalveolar, mental and corneal nerve block. Regional anatomy of paravertebral nerves, pudendal nerve, median, ulnar and radial nerves, fibular and digital nerves—Cranial nerves—structures involved in epidural anaesthesia—superficial lymph nodes—surface anatomy of visceral organs of thoracic, abdominal and pelvic cavities—comparative-features of locomotor apparatus and their application in the biomechanics of mammalian body.
- 1.4 **Anatomy of Fowl.**—Musculo-skeletal system—functional anatomy in relation to respiration and flying, digestion and egg production.
- 1.5 **Pharmacology and therapeutics drugs.**—Cellular level of pharmacodynamics and pharmacokinetics. Drugs acting on fluids and electrolyte balance. Drugs acting on Autonomic nervous system. Modern concepts of anaesthesia and dissociative anaesthetics. Autocoids. Antimicrobials and principles of chemotherapy in microbial infections. Use of hormones in therapeutics—chemotherapy of parasitic infections. Drug and economic concerns in the Edible tissues of animals—chemotherapy of Neoplastic diseases. Toxicity due to "insecticides, plants, metals, non-metals, zootoxins and mycotoxins".
- 1.6 **Veterinary Hygiene with reference to water, air and habitation.**—Assessment of pollution of water, air and soil—Importance of climate in animal health—effect of environment on animal function and performance relationship between industrialisation and animal agriculture—animal housing requirements for specific categories of domestic animals viz. pregnant cows and sows, milking cows, broiler

birds—stress, strain and productivity in relation to animal habitation.

2. Animal Diseases :

- 2.1 Etiology, epidemiology pathogenesis, symptoms, post-mortem lesions, diagnosis, and control of infectious diseases of cattle, sheep and goat, horses, pigs and poultry.
- 2.2 Etiology, epidemiology, symptoms, diagnosis, treatment of production diseases of cattle, horse, pig and poultry.
- 2.3 Deficiency diseases of domestic animals and birds.
- 2.4 Diagnosis and treatment of non-specific conditions like impaction, Bloat, Diarrhoea, Indigestion, dehydration, stroke, poisoning.
- 2.5 Diagnosis and treatment of neurological disorders.
- 2.6 **Principles and methods of immunisation of animals against specific diseases—hard immunity—disease free zones—'zero' disease concept—chemoprophylaxis.**
- 2.7 **Anaesthesia.**—local, regional and general—preanesthetic medication. Symptoms and surgical interference in fractures and dislocation. Hernia, choking abomasal displacement—Caesarian operations. Rumenotomy—Castrations.
- 2.8 **Disease investigation techniques.**—Materials for laboratory investigation—Establishment. Animal Health Centres—Disease free zone.

3. Veterinary Public Health :

- 3.1 **Zoonoses.**—Classification, definition, role of animals and birds in prevalence and transmission of zoonotic diseases—occupational zoonotic diseases.
- 3.2 **Epidemiology.**—Principle, definition of epidemiological terms, application of epidemiological measures in the study of diseases and disease control. Epidemiological features of air, water and food borne infections. OIE regulation, WTO, sanitary and phytosanitary measures.
- 3.3 **Veterinary Jurisprudence.**—Rules and Regulations for improvement of animal quality and prevention of animal diseases—State and Central Rules for prevention of animal and animal product borne diseases—S.P. C.A.—Veterolegal cases—Certificates—Materials and Methods of collection of samples for veterolegal investigation.

4. Milk and Milk Products Technology :

- 4.1 **Market Milk.**—Quality, testing and grading of raw milk. Processing, packaging, storing, distribution, marketing defects and their control. Preparation of the following milks : Pasteurized, standardized, toned, double toned, sterilized, homogenized, reconstituted, recombined and flavoured milks. Preparation of cultured milks, cultures and their management, yoghurt, Dahi, Lassi and Srikhand. Preparation of

flavoured and sterilized milks. Legal standards. Sanitation requirement for clean and safe milk and for the milk plant equipment.

- 4.2 **Milk Products Technology.**—Selection of raw materials, processing, storing, distributing and marketing milk products such as Cream, Butter, Ghee, Khoa, Channa, Cheese, condensed, evaporated, dried milk and baby food, Ice cream and Kulfi; by-products, whey products, butter milk, lactose and casein. Testing, grading, judging milk products—BIS and Agmark specifications, legal standards, quality control nutritive properties. Packaging processing and operational control. Costing of dairy products.

5. Meat Hygiene and Technology :

5.1 Meat Hygiene

- 5.1.1 Ante mortem care and management of food animals, stunning, slaughter and dressing operations; abattoir requirements and designs; Meat inspection procedures and judgement of carcass meat cuts—grading of carcass meat cuts—duties and functions of Veterinarians in wholesome meat production.

- 5.1.2 **Hygienic methods of handling production of meat.**—Spoilage of meat and control measures—Post-slaughter physicochemical changes in meat and factors that influence them—Quality improvement methods—Adulteration of meat and detection—Regulatory provisions in Meat trade and Industry.

5.2 Meat Technology

- 5.2.1 **Physical and chemical characteristics of meat.**—Meat emulsions—Methods of preservation of meat—Curing, canning, irradiation, packaging of meat and meat products, processing and formulations.

- 5.3 **By-products.**—Slaughter house by-products and their utilisation—Edible and inedible by products—Social and economic implications of proper utilisation of slaughter house by-products—Organ products for food and pharmaceuticals.

- 5.4 **Poultry Products Technology.**—Chemical composition and nutritive value of poultry meat, pre-slaughter care and management. Slaughtering techniques, inspection, preservation of poultry meat and products. Legal and BIS standards.

Structure composition and nutritive value of eggs
Microbial spoilage. Preservation and maintenance.
Marketing of poultry meat, eggs and products.

- 5.5 **Rabbit/Fur Animal farming.**—Rabbit meat production. Disposal and utilization of fur and wool and recycling of waste by products. Grading of wool.

ANTHROPOLOGY

PAPER-I

- 1.1 Meaning, Scope and development of Anthropology.
1.2 Relationships with other disciplines : Social Sciences, behavioural Sciences, Life Sciences, Medical Sciences, Earth Sciences and Humanities.

- 1.3 Main branches of Anthropology, their scope and relevance.

- (a) Social-cultural Anthropology.
- (b) Biological Anthropology.
- (c) Archaeological Anthropology.
- (d) Linguistic Anthropology.

- 1.4 Human Evolution and emergence of Man :

- (a) Biological and Cultural factors in human evolution.
- (b) Theories of Organic Evolution (Pre-Darwinian, Darwinian and Post-Darwinian).
- (c) Synthetic theory of evolution; Brief outline of terms and concepts of evolutionary biology (Doll's rule, Cope's rule, Gause's rule, parallelism, convergence, adaptive radiation, and mosaic evolution).

- 1.5 Characteristics of Primates; Evolutionary Trend and Primate Taxonomy; Primate Adaptations; (Arboreal and Terrestrial) Primate Taxonomy; Primate Behaviour; Tertiary and Quaternary fossil primates; Living Major Primates; Comparative Anatomy of Man and Apes; Skeletal changes due to erect posture and its implications.

- 1.6 Phylogenetic status, characteristics and geographical distribution of the following :

- (a) Plio-preleistocene hominids in South and East Africa—Australopithecines.
- (b) *Homo erectus* : Africa (*Paranthropus*), Europe (*Homo erectus (heidelbergensis)*), Asia (*Homo erectus javanicus*, *Homo erectus pekinensis*).
- (c) Neanderthal man—La-chapelle-aux-saints (Classical type), Mt. Carmel (Progressive type).
- (d) Rhodesian man.
- (e) *Homo sapiens*—Cromagnon, Grimaldi and Chancelade.

- 1.7 The biological basis of Life : The Cell, DNA structure and replication, Protein Synthesis, Gene, Mutation, Chromosomes, and Cell Division.

- 1.8 (a) Principles of Prehistoric Archaeology. Chronology : Relative and Absolute Dating methods.

- (b) Cultural Evolution—Broad Outlines of Prehistoric cultures :

- (i) Paleolithic
- (ii) Mesolithic
- (iii) Neolithic
- (iv) Chalcolithic
- (v) Copper-Bronze Age
- (vi) Iron Age

- 2.1 **The Nature of Culture :** The concept and Characteristics of culture and civilization; Ethnocentrism vis-a-vis cultural Relativism.

- 2.2 **The Nature of Society** : Concept of Society; Society and Culture; Social Institution; Social groups; and Social stratification.
- 2.3 **Marriage** : Definition and universality; Laws of marriage (endogamy, exogamy, hypergamy, hypogamy, incest taboo); Type of marriage (monogamy, polygamy, polyandry, group marriage). Functions of marriage; Marriage regulations (preferential, prescriptive and proscriptive); Marriage payments (bride wealth and dowry).
- 2.4 **Family** : Definition and universality; Family, household and domestic groups; functions of family; Types of family (from the perspectives of structure, blood relation, marriage, residence and succession); Impact of urbanization, industrialization and feminist movements on family.
- 2.5 **Kinship** : Consanguinity and Affinity; Principles and types of descent (Unilineal, Double, Bilateral Ambilineal); Forms of descent groups (lineage, clan, phratry, moiety and kindred); Kinship terminology (descriptive and classificatory); Descent, Filiation and Complimentary Filiation; Decent and Alliance.
3. **Economic Organization** : Meaning, scope and relevance of economic anthropology; Formalist and Substantivist debate; Principles governing production, distribution and exchange (reciprocity, redistribution and market), in communities, subsisting on hunting and gathering, fishing, swiddening, pastoralism, horticulture, and agriculture; globalization and indigenous economic systems.
4. **Political Organization and Social Control** : Band, tribe, chiefdom, kingdom and state; concepts of power, authority and legitimacy; social control, law and justice in simple societies.
5. **Religion** : Anthropological approaches to the study of religion (evolutionary, psychological and functional); monotheism and polytheism; sacred and profane; myths and rituals; forms of religion in tribal and peasant societies (animism, animatism, fetishism, naturism and totemism); religion, magic and science distinguished; magico-religious functionaries (priest, shaman, medicine man, sorcerer and witch).
6. **Anthropological theories** :
 - (a) Classical evolutionism (Tylor, Morgan and Frazer)
 - (b) Historical particularism (Boas) Diffusionism (British, German and American)
 - (c) Functionalism (Malinowski); Structural—Functionism (Radcliffe-Brown)
 - (d) Structuralism (L'evi-Strauss and E. Leach)
 - (e) Culture and personality (Benedict, Mead, Linton, Kardiner and Cora-du Bois)
 - (f) Neo—evolutionism (Childe, White, Steward, Sahlins and Service)
 - (g) Cultural materialism (Harris)
 - (h) Symbolic and interpretive theories (Turner, Schneider and Geertz)
 - (i) Cognitive theories (Tyler, Conklin)
 - (j) Post-modernism in anthropology.
7. **Culture, language and communication** : Nature, origin and characteristics of language; verbal and non-verbal communication; social context of language use.
8. **Research methods in anthropology** :
 - (a) Fieldwork tradition in anthropology
 - (b) Distinction between technique, method and methodology
 - (c) Tools of data collection : observation, interview, schedules, questionnaire, case study, genealogy, life-history, oral history, secondary sources of information, participatory methods.
 - (d) Analysis, interpretation and presentation of data.
- 9.1 **Human Genetics** : Methods and Application : Methods for study of genetic principles in man-family study (pedigree analysis, twin study, foster child, co-twin method, cytogenetic method, chromosomal and karyo-type analysis), biochemical methods, immunological methods, D.N.A. technology and recombinant technologies.
- 9.2 Mendelian genetics in man-family study, single factor, multifactor, lethal, sub-lethal and polygenic inheritance in man.
- 9.3 Concept of genetic polymorphism and selection, Mendelian population, Hardy-Weinberg law; causes and changes which bring down frequency-mutation, isolation, migration, selection, inbreeding and genetic drift. Consanguineous and non-consanguineous mating, genetic load, genetic effect of consanguineous and cousin marriages.
- 9.4 Chromosomes and chromosomal aberrations in man, methodology.
 - (a) Numerical and structural aberrations (disorders).
 - (b) Sex chromosomal aberration- Klinefelter (XXY), Turner (XO), Super female (XXX), intersex and other syndromic disorders.
 - (c) Autosomal aberrations- Down syndrome, Patau, Edward and Cri-du-chat syndromes.
 - (d) Genetic imprints in human disease, genetic screening, genetic counseling, human DNA profiling, gene mapping and genome study.
- 9.5 Race and racism, biological basis of morphological variation of non-metric and characters. Racial criteria, racial traits in relation to heredity and environment; biological basis of racial classification, racial differentiation and race crossing in man.
- 9.6 **Age, sex and population variation as genetic marker** : ABO, Rh blood groups, HLA Hp, transferring, Gm,

blood enzymes. Physiological characteristics—Hb level, body fat, pulse rate, respiratory functions and sensory perceptions in different cultural and socio-economic groups.

- 9.7 **Concepts and methods of Ecological Anthropology :** Bio-cultural Adaptations—Genetic and Non-genetic factors. Man's physiological responses to environmental stresses: hot desert, cold, high altitude climate.
- 9.8 **Epidemiological Anthropology :** Health and disease. Infectious and non-infectious diseases. Nutritional deficiency related diseases.
10. **Concept of human growth and development :** Stages of growth—pre-natal, natal, infant, childhood, adolescence, maturity, senescence.
—Factors affecting growth and development genetic, environmental, biochemical, nutritional, cultural and socio-economic.
—Ageing and senescence. Theories and observations
—Biological and chronological longevity. Human physique and somatotypes. Methodologies for growth studies.
- 11.1 Relevance of menarche, menopause and other bioevents to fertility. Fertility patterns and differentials.
- 11.2 Demographic theories—biological, social and cultural.
- 11.3 Biological and socio-ecological factors influencing fecundity, fertility, natality and mortality.
12. **Applications of Anthropology :** Anthropology of sports, Nutritional anthropology, Anthropology in designing of defence and other equipments. Forensic Anthropology, Methods and principles of personal identification and reconstruction. Applied human genetics—Paternity diagnosis, genetic counseling and eugenics, DNA technology in diseases and medicine, serogenetics and cytogenetics in reproductive biology.

PAPER-II

- 1.1 **Evolution of the Indian Culture and Civilization—**Prehistoric (Paleolithic, Mesolithic Neolithic and Neolithic-Chalcolithic), Protohistoric (Indus Civilization). Pre-Harappan, Harappan and post-Harappan cultures. Contributions of the tribal cultures to Indian civilization.
- 1.2 **Palaeo—**Anthropological evidences from India with special reference to Siwaliks and Narmada basin (*Ramapithecus, Sivapithecus and Narmada Man*).
- 1.3. **Ethno-archaeology in India:** The concept of ethno-archaeology; Survivals and Parallels among the hunting, foraging, fishing, pastoral and peasant communities including arts and crafts producing communities.
2. **Demographic profile of India—**Ethnic and linguistic elements in the Indian population and their distribution. Indian population—factors influencing its structure and growth.
- 3.1 The structure and nature of traditional Indian social system—Varnashram, Purushartha, Karma, Rina and Rebirth.
- 3.2 **Caste system in India—**Structure and characteristics Varna and caste, Theories of origin of caste system. Dominant caste, Caste mobility, Future of caste system, Jajmani system. Tribe-caste continuum.
- 3.3 Sacred Complex and Nature-Man-Spirit Complex.
- 3.4. Impact of Buddhism, Jainism, Islam and Christianity of Indian society.
4. Emergence, growth and development in India—Contributions of the 18th, 19th and early 20th Century scholar-administrators. Contributions of Indian anthropologists to tribal and caste studies.
- 5.1 **Indian Village—**Significance of village study in India; India village as a social system; Traditional and changing patterns of settlement and inter-caste relations; Agrarian relations in Indian villages, Impact of globalization on Indian villages.
- 5.2 Linguistic and religious minorities and their social, political and economic status.
- 5.3 Indigenous and exogenous processes of socio-cultural change in Indian society: Sanskritization, Westernization, Modernization; Inter-play of little and great traditions; Panchayati Raj and social change; Media and Social change.
- 6.1 **Tribal situation in India—**Bio-genetic variability, linguistic and socio-economic characteristics of the tribal populations and their distribution.
- 6.2 **Problems of the tribal Communities—**Land alienation, poverty, indebtedness, low literacy, poor educational facilities, unemployment, under employment, health and nutrition.
- 6.3 Developmental projects and their impact on tribal displacement and problems of rehabilitation. Development of forest policy and tribals. Impact of urbanisation and industrialization on tribal populations.
- 7.1 Problems of exploitation and deprivation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes. Constitutional safeguards for Scheduled Tribes and Scheduled Castes.
- 7.2 Social change and contemporary tribal societies : Impact of modern democratic institutions, development programmes and welfare measures on tribals and weaker sections.
- 7.3 The concept of ethnicity; Ethnic conflicts and political developments; Unrest among tribal communities; Regionalism and demand for

autonomy; Pseudo-tribalism. Social change among the tribes during colonial and post-Independent India.

- 8.1 Impact of Hinduism, Buddhism, Christianity, Islam and other religions on tribal societies.
- 8.2 Tribe and nation state—a comparative study of tribal communities in India and other countries.
- 9.1 History of administration of tribal areas, tribal policies, plans, programmes of tribal development and their implementation. The concept of PTGs (Primitive Tribal Groups), their distribution, special programmes for their development. Role of N.G.O.s in tribal development.
- 9.2 Role of anthropology in tribal and rural development.
- 9.3 Contributions of anthropology to the understanding of regionalism, communalism and ethnic and political movements.

BOTANY

PAPER-I

1. Microbiology and Plant Pathology :

Structure and reproduction/multiplication of viruses, viroids, bacteria, fungi and mycoplasma; Applications of microbiology in agriculture, industry, medicine and in control of soil and water pollution; Prion and Prion hypothesis.

Important crop diseases caused by viruses, bacteria, mycoplasma, fungi and nematodes; Modes of infection and dissemination; Molecular basis of infection and disease resistance/defence; Physiology of parasitism and control measures. Fungal toxins. Modelling and disease forecasting; Plant quarantine.

2. Cryptogams :

Algae, fungi, lichens, bryophytes, pteridophytes—structure and reproduction from evolutionary viewpoint; Distribution of Cryptogams in India and their ecological and economic importance.

3. Phanerogams :

Gymnosperms : Concept of Progymnosperms. Classification and distribution of gymnosperms. Salient features of Cycadales, Ginkgoales, Coniferales and Gnetales, their structure and reproduction. General account of Cycadofilicales, Bennettitales and Cordaitales; Geological time scale; Type of fossils and their study techniques.

Angiosperms : Systematics, anatomy, embryology, palynology and phylogeny.

Taxonomic hierarchy; International Code of Botanical Nomenclature; Numerical taxonomy and chemotaxonomy; Evidence from anatomy, embryology and palynology.

Origin and evolution of angiosperms; Comparative account of various systems of classification of angiosperms; Study of angiospermic families—

Mangnoliaceae, Ranunculaceae, Brassicaceae, Rosaceae, Fabaceae, Euphorbiaceae, Malvaceae, Dipterocarpaceae, Apiaceae, Asclepiadaceae, Verbenaceae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Asteraceae, Poaceae, Arecaceae, Liliaceae, Musaceae and Orchidaceae.

Stomata and their types; Glandular and non-glandular trichomes; Unusual secondary growth; Anatomy of C_3 and C_4 plants; Xylem and phloem differentiation; Wood anatomy.

Development of male and female gametophytes, pollination, fertilization; Endosperm—its development and function. Patterns of embryo development; Polyembryony, apomixes; Applications of palynology; Experimental embryology including pollen storage and test-tube fertilization.

4. Plant Resource Development :

Domestication and introduction of plants; Origin of cultivated plants, Vavilov's centres of origin. Plants as sources for food, fodder, fibres, spices, beverages, edible oils, drugs, narcotics, insecticides, timber, gums, resins and dyes; latex, cellulose, starch and its products; Perfumery; Importance of Ethnobotany in Indian context; Energy plantations; Botanical Gardens and Herbaria.

5. Morphogenesis :

Totipotency, polarity, symmetry and differentiation; Cell, tissue, organ and protoplast culture. Somatic hybrids and Cybrids; Micropropagation; Somaclonal variation and its applications; Pollen haploids, embryo rescue methods and their applications.

PAPER-II

1. Cell Biology :

Techniques of cell biology. Prokaryotic and eukaryotic cells—structural and ultrastructural details; Structure and function of extracellular matrix (cell wall) and membranes—cell adhesion, membrane transport and vesicular transport; Structure and function of cell organelles (chloroplasts, mitochondria, ER, dictyosomes, ribosomes, endosomes, lysosomes, peroxisomes; Cytoskeleton and microtubules; Nucleus, nucleolus, nuclear pore complex; Chromatin and nucleosome; Cell signalling and cell receptors; Signal transduction. Mitosis and meiosis; molecular basis of cell cycle. Numerical and structural variations in chromosomes and their significance; Chromatin organization and packaging of genome; Polytene chromosomes; B-chromosomes—structure, behaviour and significance.

2. Genetics, Molecular Biology and Evolution :

Development of genetics, and gene versus allele concepts (Pseudoalleles); Quantitative genetics and

multiple factors; Incomplete dominance, polygenic inheritance, multiple alleles; Linkage and crossing over of gene mapping including molecular maps (idea of mapping, function); Sex chromosomes and sex-linked inheritance; sex determination and molecular basis of sex differentiation; Mutations (biochemical and molecular basis); Cytoplasmic inheritance and cytoplasmic genes (including genetics of male sterility).

Structure and synthesis of nucleic acids and proteins; Genetic code and regulation of gene expression; Gene silencing; Multigene families; Organic evolution-evidences, mechanism and theories.

Role of RNA in origin and evolution.

3. **Plant Breeding, Biotechnology and Biostatistics :**

Methods of plant breeding—introduction, selection and hybridization (pedigree, backcross, mass selection, bulk method); Mutation, polyploidy, male sterility and heterosis breeding. Use of apomixes in plant breeding; DNA sequencing; Genetic engineering—methods of transfer of genes; Transgenic crops and biosafety aspects; Development and use of molecular markers in plant breeding; Tools and techniques—probe, southern blotting, DNA fingerprinting, PCR and FISH. Standard deviation and coefficient of variation (CV). Tests of significance (Z-test, t-test and chi-square tests). Probability and distributions (normal, binomial and Poisson). Correlation and regression.

4. **Physiology and Biochemistry :**

Water relations, mineral nutrition and ion transport, mineral deficiencies. Photosynthesis—photochemical reactions, photophosphorylation and carbon fixation pathways; C_3 , C_4 and CAM pathways; Mechanism of phloem transport, Respiration (anaerobic and aerobic, including fermentation)—electron transport chain and oxidative phosphorylation; Photorespiration; Chemiosmotic theory and ATP synthesis; Lipid metabolism; Nitrogen fixation and nitrogen metabolism. Enzymes, coenzymes; Energy transfer and energy conservation. Importance of secondary metabolites. Pigments as photoreceptors (plastidial pigments and phytochrome). Plant movements; Photoperiodism and flowering, vernalization, senescence; Growth substances—their chemical nature, role and applications in agriculture; growth indices, growth movements. Stress physiology (heat, water, salinity, metal); Fruit and seed physiology. Dormancy, storage and germination of seed. Fruit ripening—its molecular basis and manipulation.

5. **Ecology and Plant Geography :**

Concept of ecosystem; Ecological factors. Concepts and dynamics of community; Plant succession.

Concepts of biosphere; Ecosystems; Conservation; Pollution and its control (including phytoremediation); Plant indicators; Environment (Protection) Act.

Forest types of India—'Ecological and economic importance of forests, afforestation, deforestation and social forestry; Endangered plants, endemism IUCN categories, Red Data Books; Biodiversity and its conservation; Protected Area Network; Convention of Biological Diversity, Farmers' Rights; and Intellectual Property Rights; Concept of Sustainable Development; Biogeochemical cycles. Global warming and climatic change; Invasive species; Environmental Impact Assessment; Phytogeographical regions of India.

CHEMISTRY

PAPER-I

1. **Atomic Structure :**

Heisenberg's uncertainty principle Schrodinger wave equation (time independent); Interpretation of wave function, particle in one-dimensional box, quantum numbers, hydrogen atom wave functions; Shapes of s, p and d orbitals.

2. **Chemical bonding :**

Ionic bond, characteristics of ionic compounds, lattice energy, Born-Haber cycle; covalent bond and its general characteristics, polarities of bonds in molecules and their dipole moments; Valence bond theory, concept of resonance and resonance energy; Molecular orbital theory (LCAO method); bonding H_2 , He_2 , H_2^+ to Ne_2 , NO , CO , HF , CN^+ ; Comparison of valence bond and molecular orbital theories, bond order, bond strength and bond length.

3. **Solid State :**

Crystal systems; Designation of crystal faces, lattice structures and unit cell; Bragg's law; X-ray diffraction by crystals; Close packing, radius ratio rules, calculation of some limiting radius ratio values; Structures of $NaCl$, ZnS , $CsCl$, CaF_2 ; Stoichiometric and nonstoichiometric defects, impurity defects, semi-conductors.

4. **The Gaseous State and Transport Phenomenon :**

Equation of state for real gases, intermolecular interactions, and critical phenomena and liquefaction of gases; Maxwell's distribution of speeds, intermolecular collisions, collisions on the wall and effusion; Thermal conductivity and viscosity of ideal gases.

5. **Liquid State :**

Kelvin equation; Surface tension and surface energy, wetting and contact angle, interfacial tension and capillary action.

6. **Thermodynamics :**

Work, heat and internal energy; first law of thermodynamics.

Second law of thermodynamics; entropy as a state function, entropy changes in various processes, entropy-reversibility and irreversibility, Free energy functions; Thermodynamic equation of state; Maxwell relations; Temperature, volume and pressure dependence of U , H , A , G , C_p and C_v , α and β ; J-T effect and inversion temperature; criteria for equilibrium, relation between equilibrium constant and thermodynamic quantities; Nernst heat theorem, introductory idea of third law of thermodynamics.

7. Phase Equilibria and Solutions :

Clausius-Clapeyron equation; phase diagram for a pure substance; phase equilibria in binary systems, partially miscible liquids—upper and lower critical solution temperatures; partial molar quantities, their significance and determination; excess thermodynamic functions and their determination.

8. Electrochemistry :

Debye-Huckel theory of strong electrolytes and Debye-Hückel limiting Law for various equilibrium and transport properties.

Galvanic cells, concentration cells; electrochemical series, measurement of e.m.f. of cells and its applications fuel cells and batteries.

Processes at electrodes; double layer at the interface; rate of charge transfer, current density; overpotential; electroanalytical techniques : amperometry, ion selective electrodes and their use.

9. Chemical Kinetics:

Differential and integral rate equations for zeroth, first, second and fractional order reactions; Rate equations involving reverse, parallel, consecutive and chain reactions; Branching chain and explosions; effect of temperature and pressure on rate constant. Study of fast reactions by stop-flow and relaxation methods. Collisions and transition state theories.

10. Photochemistry:

Absorption of light; decay of excited state by different routes; photochemical reactions between hydrogen and halogens and their quantum yields.

11. Surface Phenomena and Catalysis:

Adsorption from gases and solutions on solid adsorbents; Langmuir and B.E.T. adsorption isotherms; determination of surface area, characteristics and mechanism of reaction on heterogeneous catalysts.

12. Bio-inorganic Chemistry:

Metal ions in biological systems and their role in ion-transport across the membranes (molecular mechanism), oxygen-uptake proteins, cytochromes and ferredoxins.

13. Coordination Chemistry

(i) Bonding in transition of metal complexes. Valence bond theory, crystal field theory and its modifications; applications of theories in the explanation of magnetism and electronic spectra of metal complexes.

(ii) Isomerism in coordination compounds; IUPAC nomenclature of coordination compounds; stereochemistry of complexes with 4 and 6 coordination numbers; chelate effect and polynuclear complexes; trans effect and its theories; kinetics of substitution reactions in square-planar complexes; thermodynamic and kinetic stability of complexes.

(iii) EAN rule, Synthesis structure and reactivity of metal carbonyls; carboxylate anions, carbonyl hydrides and metal nitrosyl compounds.

(iv) Complexes with aromatic systems, synthesis, structure and bonding in metal olefin complexes, alkyne complexes and cyclopentadienyl complexes; coordinative unsaturation, oxidative addition reactions, insertion reactions, fluxional molecules and their characterization; Compounds with metal—metal bonds and metal atom clusters.

14. Main Group Chemistry:

Boranes, borazines, phosphazenes and cyclic phosphazene, silicates and silicones, Interhalogen compounds; Sulphur—nitrogen compounds, noble gas compounds.

15. General Chemistry of 'f' Block Element:

Lanthanides and actinides: separation, oxidation states, magnetic and spectral properties; lanthanide contraction.

PAPER-II

1. Delocalised Covalent Bonding :

Aromaticity, anti-aromaticity; annulenes, azulenes, tropolones, fulvenes, sydnones.

2.(i) **Reaction mechanisms** : General methods (both kinetic and non-kinetic) of study of mechanisms or organic reactions : isotopies, method cross-over experiment, intermediate trapping, stereochemistry; energy of activation; thermodynamic control and kinetic control of reactions.

(ii) **Reactive intermediates** : Generation, geometry, stability and reactions of carboniumions and carbanions, free radicals, carbenes, benzynes and nitrenes.

(iii) **Substitution reactions** :— S_N1 , S_N2 , and S_Ni , mechanisms ; neighbouring group participation; electrophilic and nucleophilic reactions of aromatic compounds including heterocyclic compounds—pyrrole, furan, thiophene and indole.

- (iv) **Elimination reactions** :—E1, E2 and E1cb mechanisms; orientation in E2 reactions Saytzeff and Hoffmann; pyrolytic *syn* elimination—acetate pyrolysis, Chugaev and Cope eliminations.
- (v) **Addition reactions** :—Electrophilic addition to C=C and C≡C; nucleophilic addition to C=O, C≡N, conjugated olefins and carbonyls.
- (vi) **Reactions and Rearrangements** :—(a) Pinacol-pinacolone, Hoffmann, Beckmann, Baeyer-Villiger, Favorskii, Fries, Claisen, Cope, Stevens and Wagner—Meerwein rearrangements.
- (b) Aldol condensation, Claisen condensation, Dieckmann, Perkin, Knoevenagel, Witting, Clemmensen, Wolff-Kishner, Cannizzaro and von Richter reactions; Stobbe, benzoin and acyloin condensations; Fischer indole synthesis, Skraup synthesis, Bischler-Napieralski, Sandmeyer, Reimer-Tiemann and Reformatsky reactions.
3. **Pericyclic reactions** :—Classification and examples; Woodward-Hoffmann rules—electrocyclic reactions, cycloaddition reactions [2+2 and 4+2] and sigmatropic shifts [1, 3; 3, 3 and 1, 5], FMO approach.
4. (i) **Preparation and Properties of Polymers**: Organic polymers polyethylene, polystyrene, polyvinyl chloride, teflon, nylon, terylene, synthetic and natural rubber.
- (ii) Biopolymers: Structure of proteins, DNA and RNA.
5. **Synthetic Uses of Reagents**: OsO₄, HIO₄, CrO₃, Pb(OAc)₄, SeO₂, NBS, B₂H₆, Na-Liquid NH₃, LiAlH₄, NaBH₄, *n*-BuLi, MCPBA.
6. **Photochemistry** :—Photochemical reactions of simple organic compounds, excited and ground states, singlet and triplet states, Norrish-Type I and Type II reactions.
7. **Spectroscopy**: Principle and applications in structure elucidation :
 - (i) **Rotational**—Diatomic molecules, isotopic substitution and rotational constants.
 - (ii) **Vibrational**—Diatomic molecules, linear triatomic molecules, specific frequencies of functional groups in polyatomic molecules.
 - (iii) **Electronic**—Singlet and triplet states, $n \rightarrow \pi^*$ and $\pi \rightarrow \pi^*$ transitions; application to conjugated double bonds and conjugated carbonyls Woodward-Fieser rules; Charge transfer spectra.
 - (iv) **Nuclear Magnetic Resonance (¹H NMR)** : Basic principle; chemical shift and spin-spin interaction and coupling constants.
 - (v) **Mass Spectrometry** :—Parent peak, base peak, metastable peak, McLafferty rearrangement.

CIVIL ENGINEERING

PAPER-I

1. Engineering Mechanics, Strength of Materials and Structural Analysis.

1.1 Engineering Mechanics :

Units and Dimensions, SI Units, Vectors, Concept of Force, Concept of particle and rigid body. Concurrent, Non-Concurrent and parallel forces in a plane, moment of force free body diagram, conditions of equilibrium, Principle of virtual work, equivalent force system.

First and Second Moment of area, Mass moment of Inertia.

Static Friction.

Kinematics and Kinetics:

Kinematics in Cartesian Co-ordinates, motion under uniform and non-uniform acceleration, motion under gravity, Kinetics of particle : Momentum and Energy principles, collision of elastic bodies, rotation of rigid bodies.

1.2 Strength of Materials :

Simple Stress and Strain, Elastic constants, axially loaded compression members, Shear force and bending moment, theory of simple bending, Shear Stress distribution across cross sections, Beams of uniform strength.

Deflection of beams: Mecaulay's method, Mohr's Moment area method, Conjugate beam method, unit load method. Torsion of Shafts, Elastic stability of columns, Euler's, Rankine's and Secant formulae.

1.3 Structural Analysis :

Castigliano's theorems I and II, unit load method, of consistent deformation applied to beams and pin jointed trusses, Slope-deflection, moment distribution.

Rolling loads and Influences lines : Influences lines for Shear Force and Bending moment at a section of a beam. Criteria for maximum shear force and bending Moment in beams traversed by a system of moving loads. Influences lines for simply supported plane pin jointed trusses.

Arches : Three hinged, two hinged and fixed arches, rib shortening and temperature effects.

Matrix methods of analysis : Force method and displacement method of analysis of indeterminate beams and rigid frames.

Plastic Analysis of beams and frames : Theory of plastic bending, plastic analysis, statical method, Mechanism method.

Unsymmetrical bending : Moment of inertia, product of inertia, position of Neutral Axis and Principal axes, calculation of bending stresses.

2. Design of Structures : Steel, Concrete and Masonry Structures.

2.1 Structural Steel Design :

Structural steel : Factors of safety and load factors. Riveted, bolted and welded joints and connections. Design of tension and compression members, beams of built up section, riveted and welded plate girders, gantry girders, stanchions with battens and lacing.

2.2 Design of Concrete and Masonry Structures :

Concept of mix design. Reinforced Concrete : Working Stress and Limit State method of design—Recommendations of I. S. codes. Design of one way and two way slabs, stair- case slabs, simple and continuous beams of rectangular, T and L sections. Compression members under direct load with or without eccentricity.

Cantilever and Counter fort type retaining walls. Water tanks : Design requirements for Rectangular and circular tanks resting on ground.

Prestressed Concrete : Methods and systems of prestressing, anchorages, Analysis and design of sections for flexure based on working stress, loss of prestress.

Design of brick masonry as per I. S. Codes

3. Fluid Mechanics, Open Channel Flow and Hydraulic Machines :

3.1 Fluid Mechanics :

Fluid properties and their role in fluid motion, fluid statics including forces acting on plane and curve surfaces.

Kinematics and Dynamics of Fluid flow : Velocity and accelerations, stream lines, equation of continuity, irrotational and rotational flow, velocity potential and stream functions.

Continuity, momentum, energy equation, Navier Stokes equation, Euler's equation of motion, application to fluid flow problems, pipe flow, sluice gates, weirs.

3.2 Dimensional Analysis and Similitude: Buckingham's Pi-theorem, dimensionless parameters.

3.3 Laminar Flow :

Laminar flow between parallel, stationary and moving plates, flow through tube.

3.4 Boundary layer :

Laminar and turbulent boundary layer on a flat plate, laminar sub-layer, smooth and rough boundaries, drag and lift.

Turbulent flow through pipes : Characteristics of turbulent flow, velocity distribution and variation of pipe friction factor, hydraulic grade line and total energy line.

3.5 Open Channel Flow :

Uniform and non-uniform flows, momentum and energy correction factors, specific energy and specific force, critical depth, rapidly varied flow, hydraulic jump, gradually varied flow, classification of surface profiles, control section, step method of integration of varied flow equation.

3.6 Hydraulic Machines and Hydropower :

Hydraulic turbines, types classification, Choice of turbines performance parameters, controls, characteristics, specific speed.

Principles of hydropower development.

4. Geotechnical Engineering :

Soil Type and Structure—gradation and particle size distribution—consistency limits.

Water in soil—capillary and structural—effective stress and pore water pressure—permeability concept—field and laboratory determination of permeability—Seepage pressure—quick sand conditions—Shear strength determination—Mohr Coulomb concept.

Compaction of soil—Laboratory and field test.

Compressibility and consolidation concept—consolidation theory—consolidation settlement analysis.

Earth pressure theory and analysis for retaining walls, Application for sheet piles and Braced excavation.

Bearing capacity of soil—approaches for analysis—Field tests—settlement analysis—stability of slope of earth work.

Subsurface exploration of soils—methods

Foundation—Type and selection criteria for foundation of structures—Design criteria for foundation—Analysis of distribution of stress for footings and pile—pile group action—pile load test.

Ground improvement techniques.

PAPER—II

1. Construction Technology, Equipment, Planning and Management

1.1 Construction Technology

Engineering Materials :

Physical properties of construction materials with respect to their use in construction—Stones, Bricks and Tiles; Lime, Cement, different types of Mortars and Concrete.

Specific use of ferro cement, fibre reinforced C. C., High strength concrete.

Timber; Properties defects—common preservation treatments.

Use and selection of materials for specific use like

Low Cost Housing, Mass Housing, High Rise Buildings.

1.2 Construction :

Masonry principles using Brick, stone, Blocks—construction detailing and strength characteristics.

Types of plastering, pointing, flooring, roofing and construction features.

Common repairs in buildings.

Principle of functional planning of building for residents and specific use—Building code provisions.

Basic principles of detailed and approximate estimating—specification writing and rate analysis—principles of valuation of real property.

Machinery for earthwork, concreting and their specific uses—Factors affecting selection of equipments—operating cost of equipments.

1.3 CONSTRUCTION PLANNING AND MANAGEMENT:

Construction activity—schedules—organization for construction industry—Quality assurance principles.

Use Basic principle of network—analysis in form of CPM and PERT—their use in construction monitoring, Cost optimization and resource allocation.

Basic principles of Economic analysis and methods.

Project profitability—Basic principles of Boot approach to financial planning—simple toll fixation criterions.

2. Surveying and Transportation Engineering

2.1 Surveying : Common methods and instruments for distance and angle measurement for CE work—their use in plane table, traverse survey, levelling work, triangulation, contouring and topographical map.

Basic principles of photogrammetry and remote sensing.

2.2 Railways Engineering : Permanent way—components, types and their function—Functions and Design constituents of turn and crossing—Necessity of geometric design of track—Design of station and yards.

2.3 Highway Engineering :

Principles of Highway alignments—classification and geometrical design elements and standards for Roads.

Pavement structure for flexible and rigid pavements—Design principles and methodology of pavements.

Typical construction methods and standards of materials for stabilized soil, WBM, Bituminous works and CC roads.

Surface and sub—surface drainage arrangements for roads—culvert structures.

Pavement distresses and strengthening by overlays.

Traffic surveys and their application in traffic planning—Typical design features for channelized, intersection rotary etc.—signal designs—standard Traffic signs and markings.

3. Hydrology, Water Resources and Engineering :

3.1 Hydrology :

Hydrological cycle, precipitation, evaporation, transpiration, infiltration, overland flow, hydrograph, flood frequency analyses, flood routing through a reservoir, channel flow routing—Muskingam method.

3.2 Ground Water flow :

Specific yield, storage coefficient, coefficient of permeability, confined and unconfined aquifers, aquifers, aquitards, radial flow into a well under confined and unconfined conditions.

3.3 Water Resources Engineering :

Ground and surface water resources, single and multipurpose projects, storage capacity of reservoirs, reservoir losses, reservoir sedimentation.

3.4 Irrigation Engineering :

- (i) Water requirements of crops : consumptive use, duty and delta, irrigation methods and their efficiencies.
- (ii) Canals : Distribution systems for cannal irrigation, canal capacity, canal losses, alignment of main and distributory canals, most efficient section, lined canals, their design, regime theory, critical shear stress, bed load.
- (iii) Water logging : causes and control, salinity.
- (iv) Canal structures : Design of head regulators, canal falls, aqueducts, metering flumes and canal outlets.
- (v) Diversion head work : Principles and design of weirs on permeable and impermeable foundation, Khosla's theory, energy dissipation.
- (vi) Storage works : Types of dams, design, principles of rigid gravity stability analysis.
- (vii) Spillways : Spillway types, energy dissipation.
- (viii) River training : Objectives of river training, methods of river training.

4. Environmental Engineering**4.1 Water Supply :**

Predicting demand for water, impurities of water and their significance, physical, chemical and bacteriological analysis, waterborne diseases, standards for potable water.

4.2 Intake of Water :

Water treatment: principles of coagulation, flocculation and sedimentation; slow-, rapid-, pressure-, filters; chlorination, softening, removal of taste, odour and salinity.

4.3 Sewerage Systems :

Domestic and industrial wastes, store sewage—separate and combined systems, flow through sewers, design of sewers.

4.4 Sewage Characterisation :

BOD, COD, solids, dissolved oxygen, nitrogen and TOC. Standards of disposal in normal water course and on land.

4.5 Sewage Treatment :

Working principles, units, chambers, sedimentation tank, trickling filters, oxidation ponds, activated sludge process, septic tank, disposal of sludge, recycling of waste water.

4.6 Solid waste :

Collection and disposal in rural and urban contexts, management of long-term ill-effects.

5. Environmental pollution :

Sustainable development. Radioactive wastes and disposal. Environmental impact assessment for thermal power plants, mines, river valley projects. Air pollution. Pollution control acts.

COMMERCE AND ACCOUNTANCY**PAPER I****Accounting and Finance****Accounting, Taxation & Auditing****1. Financing Accounting :**

Accounting as a financial information system; Impact of behavioural sciences. Accounting Standards e.g., Accounting for Depreciation, Inventories, Research and Development Costs, Long-term Construction Contracts. Revenue Recognition, Fixed Assets, Contingencies, Foreign Exchange Transactions, Investments and Government Grants, Cash Flow Statement, Earnings per Share.

Accounting for Share Capital Transactions including Bonus Shares, Right Shares.

Employees Stock Option and Buy-Back of Securities.

Preparation and Presentation of Company Final Accounts.

Amalgamations, Absorption and Reconstruction of companies.

2. Cost Accounting :

Nature and functions of cost accounting. Installation of Cost Accounting System. Cost Concepts related to Income Measurement, Profit Planning, Cost Control and Decision Making.

Methods of Costing: Job Costing, Process Costing, Activity Based Costing.

Volume-cost-Profit Relationship as a tool of Profit Planning.

Incremental Analysis/Differential Costing as a Tool of Pricing Decisions, Product Decisions, Make or Buy Decisions, Shut-Down Decisions etc.

Techniques of Cost Control and Cost Reduction : Budgeting as a Tool of Planning and Control. Standard Costing and Variance Analysis.

Responsibility Accounting and Divisional Performance Measurement.

3. Taxation :

Income Tax: Definitions. Basis of charge; Incomes which do not form part of total income. Simple problems of Computation of Income (of individuals only) under various heads, i.e., Salaries, Income from House Property, Profits and Gains from Business or Profession, Capital Gains, Income from other sources, Income of other Persons included in Assessee's Total Income.

Set-off and Carry forward of Loss.

Deductions from Gross Total Income.

Salient Features/Provisions Related to VAT and Services Tax.

4. Auditing :

Company Audit: Audit related to Divisible Profits, Dividends, Special investigations, Tax audit.

Audit of Banking, Insurance, Non-Profit Organization and Charitable Societies/Trusts/Organizations.

Financial Management, Financial Institutions and Markets**1. Financial Management :**

Finance Function : Nature, Scope and Objectives of Financial Management : Risk and Return Relationship.

Tools of Financial Analysis: Ratio Analysis, Funds-Flow and Cash-Flow Statement.

Capital Budgeting Decisions: Process, Procedures and Appraisal Methods. Risk and Uncertainty Analysis and Methods.

Cost of Capital : Concept, Computation of Specific Costs and Weighted Average Cost of Capital. CAPM as a Tool of Determining Cost of Equity Capital.

Financing Decisions: Theories of Capital Structure—Net Income (NI) Approach.

Net Operating Income (NOI) Approach, MM Approach and Traditional Approach. Designing of Capital structure: Types of Leverages (Operating, Financial and Combined), EBIT-EPS Analysis, and other Factors.

Dividend Decisions and Valuation of Firm : Walter's Model, MM Thesis, Gordon's Model Lintner's Model. Factors Affecting Dividend Policy.

Working Capital Management: Planning of Working Capital. Determinants of Working Capital. Components of Working Capital: Cash, Inventory and Receivables.

Corporate Restructuring with focus on Mergers and Acquisitions (Financial aspect only).

2. Financial Markets and Institutions :

Indian financial System: An Overview

Money Markets: Participants, Structure and Instruments. Commercial Banks, Reforms in Banking sector. Monetary and Credit Policy of RBI. RBI as a Regulator.

Capital Market : Primary and Secondary Market. Financial Market Instruments and Innovative Debt Instruments; SEBI as a Regulator.

Financial Services: Mutual Funds, Venture Capital, Credit Rating Agencies, Insurance and IRDA.

PAPER-II

Organisation Theory and Behaviours, Human Resource Management and Industrial Relations

Organisation Theory and Behaviour

1. Organisation Theory :

Nature and concept of Organisation: External Environment of Organisation— Technological, Social, Political, Economical and Legal; Organizational Goals Primary and Secondary Goals, Single and Multiple Goals; Management by Objectives.

Evolution of Organisation theory : Classical Neo-classical and System Approach.

Modern Concepts of Organisation Theory : Organisational Design, Organisations Structure and Organisational Culture.

Organisational Design—Basic Challenges; Differentiation and Intergration Process; Centralization and Decentralization Process; Standardization/Formalization and Mutual Adjustment. Coordinating Formal and Informal Organizations, Mechanistic and Organic Structures.

Designing Organizational structures— Authority and Control; Line and Staff Functions, Specialization and Coordination. Types of Organization Structure—Functional, Matrix Structure, Project Structure. Nature and Basis of Power, Sources of Power, Power Structure and Politics. Impact of Information Technology on Organizational Design and Structure.

Managing Organizational Culture.

2. Organisation Behaviour :

Meaning and Concept; Individual in organization: Personality, Theories, and Determinants; Perception Meaning and Process.

Motivation : Concepts, Theories and Applications. Leadership—Theories and Styles. Quality of Work Life (QWL): Meaning and its impact on Performance, Ways of its Enhancement. Quality Circles (QC)—Meaning and their Importance. Management of Conflicts in Organizations. Transactional Analysis, Organizational Effectiveness, Management of Change.

Human Resources Management and Industrial Relations

1. Human Resources Management (HRM) :

Meaning Nature and Scope of HRM, Human Resource Planning, Job Analysis, Job Description, Job Specification, Recruitment Process, Selection Process, Orientation and Placement, Training and Development Process, Performance Appraisal and 360° Feed Back, Salary and Wage Administration, Job Evaluation, Employee Welfare, Promotions, Transfers and Separations.

2. Industrial Relations (IR) :

Meaning, Nature, Importance and Scope of IR, Formation of Trade Union, Trade Union Legislation, Trade Union Movement in India. Recognition of Trade Unions, Problems of Trade Unions in India. Impact of Liberalization on Trade Union Movement.

Nature of Industrial Disputes: Strikes and Lockouts, Causes of Disputes, Prevention and Settlement of Disputes.

Worker's Participation in Management: Philosophy, Rationale, Present Day Status and Future Prospects.

Adjudication and Collective Bargaining.

Industrial Relations in Public Enterprises Absenteeism and Labour Turnover in Indian Industries and their Causes and Remedies.

ILO and its Functions.

ECONOMICS**PAPER—I****1. Advanced Micro Economics :**

- (a) Marshallian and Varrasiam Approaches to Price determination.
- (b) Alternative Distribution Theories; Ricardo, Kaldor, Kaleeki.
- (c) Markets Structure : Monopolistic Competition, Duopoly, Oligopoly.
- (d) Modern Welfare Criteria : Pareto Hicks and Scitovsky, Arrow's Impossibility Theorem, A. K. Sen's Social Welfare Function.

2. Advance Macro Economics :

Approaches to Employment Income and Interest Rate determination : Classical, Keynes (IS)-LM) curve, Neo classical synthesis and New classical, Theories of Interest Rate determination and Interest Rate Structure.

3. Money-Banking and Finance :

- (a) Demand for and Supply of Money : Money Multiplier Quantity Theory of Money (Fisher, Pique and Friedman) and Keyne's Theory on Demand for Money, Goals and Instruments of Monetary Management in Closed and Open Economies. Relation between the Central Bank and the Treasury. Proposal for ceiling on growth rate of money.
- (b) Public Finance and its Role in market Economy : In stabilisation of supply, allocative, of resources and in distribution and development. Sources of Government revenue, forms of Taxes and Subsidies, their incidence and effects. Limits to taxation, loans, crowding-out effects and limits to borrowings. Public expenditure and its effects.

4. International Economics :

- (a) Old and New theories of International Trade.
 - (i) Comparative advantage,
 - (ii) Terms of Trade and Offer Curve.
 - (iii) Product Cycle and Strategic Trade Theories.
 - (iv) Trade as an engine of growth and theories of under development in an open economy.
- (b) Forms of Protection : Tariff and quota.
- (c) Balance of Payments Adjustment : Alternative Approaches.
 - (i) Price versus income, income adjustments under fixed exchange rates.
 - (ii) Theories of Policy Mix.
 - (iii) Exchange rate adjustments under capital mobility.

- (iv) Floating Rates and their Implications for Developing Countries : Currency Boards.
- (v) Trade Policy and Developing Countries.
- (vi) BOP, adjustments and Policy Coordination in open economy macromodel.
- (vii) Speculative attacks.
- (viii) Trade Blocks and Monetary Unions.
- (ix) WTO : TRIMS, TRIPS, Domestic Measures, Different Rounds of WTO talks.

5. Growth and Development :

- (a)(i) Theories of growth : Harrod's model;
- (ii) Lewis model of development with surplus labour.
- (iii) Balanced Unbalanced growth.
- (iv) Human Capitals and Econmic growth.
- (v) Research and Development and Economic Growth.
- (b) Process of Economic Development of less developed countries : Myrdal and Kuzments on economic development and structural change : Role of Agriculture in Economic Development of less developed countries.
- (c) Economic development and International Trade and Investment, Role of Multinationals.
- (d) Planning and Economic development : changing role of Markets and Planning, Private --Public Partnership.
- (e) Welfare indicators and measures of growth -Human Development Indices. The basic needs approach.
- (f) Development and Environmental Sustainability- Renewable and Non-renewable Resources, Environmental Degradation, Intergenerational equity development.

PAPER II**Indian Economics in Post-Independence Era :**

Land System and its changes, Commercialization of agriculture Drain theory, Laissez faire theory and critique. Manufacture and Transport : Jute, Cotton, Railways, Money and Credit.

Indian Economy after Independence :**A. The Pre-Liberalization Era :**

- (i) Contribution of Vakil, Gadgil and V.K.R.V. Rao.
- (ii) Agriculture : Land Reforms and land tenure system, Green Revolution and capital formation in agriculture.
- (iii) Industry Trends in composition and growth, Role of public and private sector, small scale and cottage industries.
- (iv) National and Per capita income : Patterns, trends, aggregate and sectoral composition and changes therein.

- (v) Broad factors determining National Income and distribution, Measures of poverty, Trends in poverty and inequality.

B. The Post Liberalization Era :

- (i) New Economic Reform and Agriculture : Agriculture and WTO, Food processing, subsidies, Agricultural prices and public distribution system, Impact of public expenditure on agricultural growth.
- (ii) New Economic Policy and Industry : Strategy of industrialization, Privatization, Disinvestments, Role of foreign direct investment and multinationals
- (iii) New Economic Policy and Trade : Intellectual property rights : Implications of TRIPS, TRIMS, GATS and new EXIM policy.
- (iv) New Exchange Rate Regime : Partial and full convertibility, Capital account convertibility.
- (v) New Economic Policy and public finance : Fiscal Responsibility Act, Twelfth Finance Commission and Fiscal Federalism and Fiscal Consolidation.
- (vi) New Economic Policy and Monetary system: Role of RBI under the new regime.
- (vii) Planning : From central Planning to indicative planning, Relation between planning and markets for growth and decentralized planning : 73rd and 74th Constitutional amendments.
- (viii) New Economic Policy and Employment : Employment and poverty, Rural wages, Employment Generation, Poverty alleviation schemes, New Rural, Employment Guarantee Scheme.

ELECTRICAL ENGINEERING

PAPER I

1. Circuits—Theory :

Circuit components; network graphs; KCL, KVL; Circuit analysis methods : nodal analysis, mesh analysis; basic network theorems and applications; transient analysis : RL, RC and RLC circuits; sinusoidal steady state analysis; resonant circuits; coupled circuits; balanced 3-phase circuits. Two-port networks.

2. Signals and Systems :

Representation of continuous-time and discrete-time signals and systems; LTI systems; convolution; impulse response; time-domain analysis of LTI systems based on convolution and differential/difference equations. Fourier transform, Laplace transform, Z-transform, Transfer function. Sampling and recovery of signals DFT, FFT. Processing of analog signals through discrete-time systems.

3. E.M. Theory :

Maxwell's equations, wave propagation in bounded media. Boundary conditions, reflection and refraction of plane

waves. Transmission lines : travelling and standing waves, impedance matching, Smith chart.

4. Analog Electronics :

Characteristics and equivalent circuits (large and small-signal) of Diode, BJT, JFET and MOSFET. Diode circuits : Clipping, clamping, rectifier. Biasing and bias stability. FET amplifiers. Current mirror; Amplifiers : single and multi-stage, differential, operational feedback and power. Analysis of amplifiers; frequency-response of amplifiers. OPAMP circuits. Filters; sinusoidal oscillators : criterion for oscillation; single-transistor and OPAMP configurations. Function generators and wave-shaping circuits. Linear and switching power supplies.

5. Digital Electronics :

Boolean algebra; minimisation of Boolean functions; logic gates; digital IC families (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS). Combinational circuits : arithmetic circuits, code converters, multiplexers and decoders. Sequential circuits: latches and flip-flops, counters and shift-registers. Comparator, timers, multivibrators. Sample and hold circuits. ADC's and DAC's. Semiconductor memories. Logic implementation using programmable devices (ROM, PLA, FPGA).

6. Energy Conversion :

Principles of electromechanical energy conversion : Torque and emf in rotating machines. DC machines : characteristics and performance analysis; starting and speed control of motors. Transformers : principles of operation and analysis; regulation, efficiency; 3-phase transformers. 3-phase induction machines and synchronous machines : characteristics and performance analysis; speed control.

7. Power Electronics and Electric Drives :

Semi-conductor power devices : diode, transistor, thyristor, triac, GTO and MOSFET-static characteristics and principles of operation; triggering circuits; phase control rectifiers; bridge converters : fully-controlled and half-controlled; principles of thyristor choppers and inverters; DC-DC converters; Switch mode inverter; basic concepts of speed control of dc and ac motor drives applications of variable-speed drives.

8. Analog Communication :

Random variables : continuous, discrete; probability, probability functions. Statistical averages; probability models; Random signals and noise : white noise, noise equivalent bandwidth; signal transmission with noise; signal to noise ratio. Linear CW modulation : Amplitude modulation : DSB, DSB-SC and SSB. Modulators and Demodulators: Phase and Frequency modulation : PM & FM signals; narrow band FM; generation & detection of FM and PM. Deemphasis, Preemphasis. CW modulation system : Superhetrodyne receivers, AM receivers, communication receivers. FM receivers, phase locked loop, SSB receiver Signal to noise ratio calculation for AM and FM receivers.

PAPER II**1. Control Systems :**

Elements of control systems; block-diagram representations; open-loop & closed-loop systems; principles and applications of feed-back. Control system components. LTI systems : time-domain and transform-domain analysis. Stability : Routh Hurwitz criterion, root-loci, Bode-plots and polar plots, Nyquist's criterion; Design of lead-lag compensators. Proportional, PI, PID controllers. State-variable representation and analysis of control systems.

2. Microprocessors and Microcomputers :

PC organisation; CPU, instruction set, register setting diagram, programming, interrupts, memory interfacing, I/O interfacing, programmable peripheral devices.

3. Measurement and Instrumentation :

Error analysis; measurement of current voltage, power, energy, power-factor, resistance, inductance, capacitance and frequency; bridge measurements. Signal conditioning circuit; Electronic measuring instruments : multimeter, CRO, digital voltmeter, frequency counter, Q-meter, spectrum-analyser, distortion-meter. Transducers : thermocouple, thermistor, LVDT, strain-gauge, piezo-electric crystal.

4. Power Systems: Analysis and Control :

Steady-state performance of overhead transmission lines and cables; principles of active and reactive power transfer and distribution; per-unit quantities; bus admittance and impedance matrices; load flow; voltage control and power factor correction; economic operation; symmetrical components, analysis of symmetrical and unsymmetrical faults. Concepts of system stability : swing curves and equal area criterion. Static VAR system. Basic concepts of HVDC transmission.

5. Power System Protection :

Principles of overcurrent, differential and distance protection. Concept of solid state relays. Circuit breakers. Computer aided protection : introduction; line, bus, generator, transformer protection; numeric relays and application of DSP to protection.

6. Digital Communication :

Pulse code modulation (PCM), differential pulse code modulation (DPCM), delta modulation (DM), Digital modulation and demodulation schemes : amplitude, phase and frequency keying schemes (ASK, PSK, FSK). Error control coding : error detection and correction, linear block codes, convolution codes. Information measure and source coding. Data networks, 7-layer architecture.

GEOGRAPHY**PAPER I****PRINCIPLES OF GEOGRAPHY****Physical Geography :**

- 1. Geomorphology :** Factors controlling landform development; endogenetic and exogenetic forces; Origin and evolution of the earth's crusts; Fundamentals of geomagnetism; Physical conditions of the earth's interior; Geosynclines; Continental drift; Isostasy; Plate tectonics; Recent views on mountain building; Volcanicity; Earthquakes and Tsunamis; Concepts of geomorphic cycles and Land scape development; Denudation chronology; Channel morphology; Erosion surfaces; Slope development; Applied Geomorphology; Geomorphology, economic geology and environment.
- 2. Climatology :** Temperature and pressure belts of the world; Heat budget of the earth; Atmospheric circulation; Atmospheric stability and instability. Planetary and local winds; Monsoons and jet streams; Air masses and fronts; Temperate and tropical cyclones; Types and distribution of precipitation; Weather and Climate; Koppen's Thornthwaite's and Trewartha's classification of world climate; Hydrological cycle; Global climatic change, and role and response of man in climatic changes Applied climatology and Urban climate.
- 3. Oceanography :** Bottom topography of the Atlantic, Indian and Pacific Oceans; Temperature and salinity of the oceans; Heat and salt budgets, Ocean deposits; Waves, currents and tides; Marine resources; biotic, mineral and energy resources; Coral reefs coral bleaching; Sea-level changes; Law of the sea and marine pollution.
- 4. Biogeography :** Genesis of soils; Classification and distribution of soils; Soil profile; Soil erosion, Degradation and conservation; Factors influencing world distribution of plants and animals; Problems of deforestation and conservation measures; Social forestry, agro-forestry; Wild life; Major gene pool centres.
- 5. Environmental Geography :** Principle ecology; Human ecological adaptations; Influence of man on ecology and environment; Global and regional ecological changes and imbalances; Ecosystem their management and conservation; Environmental degradation, management and conservation; Biodiversity and sustainable development; Environmental policy; Environmental hazards and remedial measures; Environmental education and legislation.

Human Geography :

- 1. Perspectives in Human Geography :** Areal differentiation; Regional synthesis; Dichotomy and

dualism; Environmentalism; Quantitative revolution and locational analysis; Radical, behavioural, human and welfare approaches; Languages, religions and secularisation; Cultural regions of the world; Human development index.

2. Economic Geography : World economic development: measurement and problems; World resources and their distribution; Energy crisis; the limits to growth; World agriculture: typology of agricultural regions; Agricultural inputs and productivity; Food and nutrition problems; Food security; famine: causes, effects and remedies; World industries: location patterns and problems; Patterns of world trade.

3. Population and Settlement Geography : Growth and distribution of world population; Demographic attributes; Causes and consequences of migration; Concepts of over-under and optimum population; Population theories, world population problems and policies, Social well-being and quality of life; Population as social capital.

Types and patterns of rural settlements; Environmental issues in rural settlements; Hierarchy of urban settlements; Urban morphology; Concept of primate city and rank-size rule; Functional classification of towns; Sphere of urban influence; Rural-urban fringe; Satellite towns; Problems and remedies of urbanization; Sustainable development of cities.

4. Regional Planning : Concept of a region; Types of regions and methods of regionalisation; Growth centres and growth poles; Regional imbalances; Regional development strategies; Environmental issues in regional planning; Planning for sustainable development.

5. Models, Theories and Laws in Human Geography : System analysis in Human geography; Malthusian, Marxian and demographic transition models; Central Place theories of Christaller and Losch; Perroux and Boudeville; Von Thunen's model of agricultural location; Weber's model of industrial location; Ostov's model of stages of growth. Heart-land and Rimland theories; Laws of international boundaries and frontiers.

PAPER II

GEOGRAPHY OF INDIA

1. Physical Setting : Space relationship of India with neighbouring countries; Structure and relief; Drainage system and watersheds; Physiographic regions; Mechanism of Indian monsoons and rainfall patterns; Tropical cyclones and western disturbances; Floods and droughts; Climatic regions; Natural vegetation, Soil types and their distributions.

2. Resources : Land, surface and ground water, energy, minerals, biotic and marine resources, Forest and wild life resources and their conservation; Energy crisis.

3. Agriculture : Infrastructure: irrigation, seeds, fertilizers, power; Institutional factors; land holdings, land tenure and land reforms; Cropping pattern, agricultural productivity, agricultural intensity, crop combination, land capability; Agro and social-forestry; Green revolution and its socio-economic and ecological implications; Significance of dry farming; Livestock resources and white revolution; Aqua-culture; Sericulture, Agriculture and poultry; Agricultural regionalisation; Agro-climatic zones; Agro-ecological regions.

4. Industry : Evolution of industries; Locational factors of cotton, jute, textile, iron and steel, aluminium, fertiliser, paper, chemical and pharmaceutical, automobile, cottage and agro-based industries; Industrial houses and complexes including public sector undertakings; Industrial regionalisation; New industrial policy; Multinationals and liberalisation; Special Economic Zones; Tourism including ecotourism.

5. Transport, Communication and Trade : Road, railway, waterway, airway and pipeline net works and their complementary roles in regional development; Growing importance of ports on national and foreign trade; Trade balance; Trade Policy; Export processing zones; Developments in communication and information technology and their impacts on economy and society; Indian space programme.

6. Cultural Setting : Historical Perspective of Indian Society; Racial linguistic and ethnic diversities; religious minorities; Major tribes, tribal areas and their problems; Cultural regions; Growth, distribution and density of population; Demographic attributes: sex-ratio, age structure, literacy rate, work-force, dependency ratio, longevity; migration (inter-regional, interaregional and international) and associated problems; Population problems and policies; Health indicators.

7. Settlements : Types, patterns and morphology of rural settlements; Urban developments; Morphology of Indian cities; Functional classification of Indian cities; Conurbations and metropolitan regions; Urban sprawl; Slums and associated problems; Town planning; Problems of urbanisation and remedies.

8. Regional Development and Planning : Experience of regional planning in India; Five Year Plans; Integrated rural development programmes; Panchayati Raj and decentralised planning; Command area development; Watershed management; Planning for backward area, desert, drought-prone, hill tribal area

development; Multi-level planning; Regional planning and development of island territories.

9. **Political Aspects :** Geographical basis of Indian federalism; State reorganisation; Emergence of new states; Regional consciousness and inter state issues; International boundary of India and related issues; Cross border terrorism; India's role in world affairs; Geopolitics of South Asia and Indian Ocean realm.

10. **Contemporary Issues :** Ecological issues; Environmental hazards: landslides, earthquakes, Tsunamis, floods and droughts, epidemics; Issues related to environmental pollution; Changes in patterns of land use; Principles of environmental impact assessment and environmental management; Population explosion and food security; Environmental degradation; Deforestation, desertification and soil erosion; Problems of agrarian and industrial unrest; Regional disparities in economic development; Concept of sustainable growth and development; Environmental awareness; Linkage of rivers; Globalisation and Indian economy.

NOTE : Candidates will be required to answer one compulsory map question pertinent to subjects covered by this paper.

GEOLOGY

PAPER I

1. General Geology :

The Solar System, meteorites, origin and interior of the earth and age of earth; Volcanoes—causes and products, Volcanic belts. Earthquakes—causes, effects, seismic zone of India; Island arcs, trenches and mid-ocean ridges; Continental drift; Seafloor spreading, plate tectonics. Isostasy.

2. Geomorphology and Remote Sensing :

Basic concepts of geomorphology. Weathering and soil formations; Landforms, slopes and drainage. Geomorphic cycles and their interpretation. Morphology and its relation to structures and lithology; Coastal geomorphology; Applications of geomorphology in mineral prospecting, civil engineering; hydrology and environmental studies; Geomorphology of Indian sub-continent.

Aerial photographs and their interpretation—merits and limitations; The Electromagnetic spectrum. Orbiting Satellites and Sensor Systems. Indian Remote Sensing Satellites. Satellite data products; Applications of remote sensing in geology; The Geographic Information System (GIS) and Global Positioning System (GPS)—its applications.

3. Structural Geology :

Principles of geologic mapping and map reading, projection diagrams, Stress and strain ellipsoid and stress-strain relationships of elastic, plastic and viscous materials;

Strain markers in deformed rocks. Behaviour of minerals and rocks under deformation conditions. Folds and faults classification and mechanics; Structural analysis of folds, foliations, lineations, joints and faults, unconformities; Time-relationship between crystallization and deformation.

4. Paleontology :

Species—definition and nomenclature; Megafossils and Microfossils. Modes of preservation of fossils; Different kinds of microfossils; Application of microfossils in correlation, petroleum exploration, paleoclimatic and paleoceanographic studies; Evolutionary trend in Hominidae, Equidae and Proboscidae. Siwalik fauna.

Gondwana flora and fauna and its importance; Index fossils and their significance.

5. Indian Stratigraphy :

Classification of stratigraphic sequences: lithostratigraphic, biostratigraphic, chrono-stratigraphic and magnetostratigraphic and their interrelationships; Distribution and classification of Precambrian rocks of India; Study of stratigraphic distribution and lithology of Phanerozoic rocks of India with reference to fauna, flora and economic importance. Major boundary problems—Cambrian/Precambrian, Permian/Triassic, Cretaceous/Tertiary and Pliocene/Pleistocene; Study of climatic conditions, paleogeography and igneous activity in the Indian subcontinent in the geological past. Tectonic framework of India. Evolution of the Himalayas.

6. Hydrogeology and Engineering Geology :

Hydrologic cycle and genetic classification of water; Movement of subsurface water; Springs; Porosity, permeability, hydraulic conductivity, transmissivity and storage coefficient, classification of aquifers; Water-bearing characteristics of rocks; Groundwater chemistry. Salt water intrusion. Types of wells. Drainage basin morphometry; Exploration for groundwater; Groundwater recharge; Problems and management of groundwater; Rainwater harvesting; Engineering properties of rocks; Geological investigations for dams, tunnels highways, railway and bridges; Rock as construction material; Landslides causes, prevention and rehabilitation; Earthquake-resistant structures.

PAPER II

1. Mineralogy :

Classification of crystals into systems and classes of symmetry; International system of crystallographic notation; Use of projection diagrams to represent crystal symmetry; Elements of X-ray crystallography.

Physical and chemical characters of rock forming silicate mineral groups; Structural classification of silicates; Common minerals of igneous and metamorphic rocks; Minerals of the carbonate, phosphate, sulphide and halide groups; Clay minerals.

Optical properties of common rock forming minerals; Pleochroism, extinction angle, double refraction, birefringence, twinning and dispersion in minerals.

2. Igneous and Metamorphic Petrology :

Generation and crystallisation of magmas. Crystallisation of albite- anorthite, diopside—anorthite and diopside—wollastonite—silica systems. Bowen's Reaction Principle; Magmatic differentiation and assimilation. Petrogenetic significance of the textures and structures of igneous rocks. Petrography and petrogenesis of granite, syenite, diorite, basic and ultrabasic groups, charnockite, anorthosite and alkaline rocks. Carbonatites. Deccan volcanic province.

Types and agents of metamorphism. Metamorphic grades and zones; Phase rule. Facies of regional and contact metamorphism; ACF and AKF diagrams; Textures and structures of metamorphic rocks. Metamorphism of arenaceous, argillaceous and basic rocks; Minerals assemblages. Retrograde metamorphism; Metasomatism and granitisation, migmatites. Granulite terrains of India.

3. Sedimentary Petrology :

Sedimentas and Sedimentary rocks: Processes of formation; diagenesis and lithification; Clastic and non-clastic rocks-their classification, petrography and depositional environment; Sedimentary facies and provenance. Sedimentary structures and their significance. Heavy minerals and their significance. Sedimentary basins of India.

4. Economic Geology :

Ore, ore mineral and gangue, tenor of ore. Classification of ore deposits; Processes of formation of mineral deposits; Controls of ore localisation; Ore textures and structures; Metallogenic epochs and provinces; Geology of the important Indian deposits of aluminium, chromium, copper, gold, iron, lead, zinc, manganese, titanium, uranium and thorium and industrial minerals; Deposits of coal and petroleum in India. National Mineral Policy; Conservation and utilization of mineral resources. Marine mineral resources and Law of Sea.

5. Mining Geology :

Methods of prospecting—geological, geophysical, geochemical and geobotanical; Techniques of sampling. Estimation of reserves of ore; Methods of exploration and mining-metallic ores, industrial minerals, marine mineral resources and building stones. Mineral beneficiation and ore dressing.

6. Geochemistry and Environmental Geology :

Cosmic abundance of elements. Composition of the planets and meteorites. Structure and composition of earth and distribution of elements. Trace elements. Elements of crystal chemistry-types of chemical bonds, coordination number. Isomorphism and polymorphism. Elementary thermodynamics.

Natural hazards—floods, mass wasting, costal hazards, earthquakes and volcanic activity and mitigation; Environmental impact of urbanization, mining, industrial and radioactive waste disposal, use of fertilizers, dumping of mine waste and fly-ash. Pollution of ground and surface water, marine pollution. Environment protection- legislative measures in India; Sea level changes: causes and impact.

HISTORY

PAPER I

1. Sources

Archaeological sources :

Exploration, excavation, epigraphy, numismatics, monuments

Literary sources:

Indigenous: Primary and secondary; poetry, scientific literature, literature, literature in regional languages, religious literature.

Foreign account: Greek, Chinese and Arab writers.

2. Pre-history and Proto-history :

Geographical factors; hunting and gathering (paleolithic and mesolithic); Beginning of agriculture (neolithic and chalcolithic).

3. Indus Valley Civilization :

Origin, date, extent, characteristics-decline, survival and significance, art and architecture.

4. Megalithic Cultures :

Distribution of pastoral and farming cultures outside the Indus, Development of community life, Settlements, Development of agriculture, Crafts, Pottery, and Iron industry.

5. Aryans and Vedic Period :

Expansions of Aryans in India :

Vedic Period: Religious and philosophic literature; Transformation from Rig Vedic period to the later Vedic period, Political, social and economical life; Significance of the Vedic Age; Evolution of Monarchy and Varna system.

6. Period of Mahajanapadas :

Formation of States (Mahajanapada); Republics and monarchies; Rise of urban centres; Trade routes; Economic growth; Introduction of coinage; Spread of Jainism and Buddhism; Rise of Magadha and Nandas.

Iranian and Macedonian invasions and their impact.

7. Mauryan Empire :

Foundation of the Mauryan Empire, Chandragupta, Kautilya and Arthashastra; Ashoka; Concept of Dharma; Edicts; Polity, Administration, Economy; Art, architecture and sculpture; External contacts; Religion; Spread of religion; Literature.

Disintegration of the empire; Sungas and Kanvas.

8. Post-Mauryan Period (Indo-Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas) :

Contact with outside world; growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art, architecture, culture, literature and science.

9. Early State and Society in Eastern India, Deccan and South India:

Kharavela, The Satavahanas, Tamil States of the Sangam Age; Administration, Economy, land grants, coinage, trade guilds and urban centres; Buddhist centres; Sangam literature and culture; Art and architecture.

10. Guptas, Vakatakas and Vardhanas:

Polity and administration, Economic conditions, Coinage of the Guptas, Land grants, Decline of urban centres, Indian feudalism, Caste system, Position of women, Education and educational institutions; Nalanda, Vikramshila and Vallabhi, Literature, scientific literature, art and architecture.

11. Regional States during Gupta Era:

The Kadambas, Pallavas, Chalukyas of Badami; Polity and Administration, Trade guilds, Literature; growth of Vaishnava and Saiva religions. Tamil Bhakti movement, Shankaracharya; Vedanta; Institutions of temple and temple architecture; Palas, Senas, Rashtrakutas, Paramaras, Polity and administration; Cultural aspects. Arab conquest of Sind; Alberuni, The Chalukyas of Kalyana, Cholas, Hoysalas, Pandyas; Polity and Administration; Local Government; Growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society.

12. Themes in Early Indian Cultural History:

Languages and texts, major stages in the evolution of art and architecture, major philosophical thinkers and schools, ideas in Science and Mathematics.

13. Early Medieval India, 750-1200:

- Polity: Major political developments in Northern India and the peninsula, origin and the rise of Rajputs
- The Cholas: administration, village economy and society "Indian Feudalism"
- Agrarian economy and urban settlements
- Trade and commerce
- Society: the status of the Brahman and the new social order
- Condition of women
- Indian science and technology.

14. Cultural Traditions in India, 750-1200:

- Philosophy: Shankaracharya and Vedanta, Ramanuja and Vishishtadvaita, Madhva and Brahma-Mimamsa
- Religion: Forms and features of religion, Tamil devotional cult, growth of Bhakti, Islam and its arrival in India, Sufism.
- Literature: Literature in Sanskrit, growth of Tamil literature, literature in the newly developing languages, Kalhan's Rajtarangini, Alberuni's India
- Art and Architecture: Temple architecture, sculpture, painting

15. The Thirteenth Century:

- Establishment of the Delhi Sultanate: The Ghurian invasions - factors behind Ghurian success
- Economic, Social and cultural consequences
- Foundation of Delhi Sultanate and early Turkish Sultans
- Consolidation: The rule of Iltutmish and Balban.

16. The Fourteenth Century:

- "The Khalji Revolution"
- Alauddin Khalji: Conquests and territorial expansion, agrarian and economic measure.
- Muhammad Tughluq: Major projects, agrarian measures, bureaucracy of Muhammad Tughluq.
- Firuz Tughluq: Agrarian measures, achievements in civil engineering and public works, decline of the Sultanate, foreign contacts and Ibn Battuta's account.

17. Society, Culture and Economy in the Thirteenth and Fourteenth Centuries:

- Society: composition of rural society, ruling classes, town dwellers, women, religious classes, caste and slavery under the Sultanate, Bhakti movement, Sufi movement
- Culture: Persian literature, literature in the regional languages of North India, literature in the languages of South India, Sultanate architecture and new structural forms, painting, evolution of a composite culture.
- Economy: Agricultural Production, rise of urban economy and non-agricultural production, trade and commerce.

18. The Fifteenth and Early Sixteenth Century -Political Developments and Economy:

- Rise of Provincial Dynasties : Bengal, Kashmir (Zainul Abedin), Gujarat,
- Malwa, Bahmanids.
- The Vijayanagara Empire.
- Lodis.
- Mughal Empire, first phase : Babur, Humayun.
- The Sur Empire : Sher Shah's administration.
- Portuguese colonial enterprise, Bhakti and Sufi Movements

19. The Fifteenth and Early Sixteenth Century- Society and culture:

- Regional cultures specificities
- Literary traditions
- Provincial architectural
- Society, culture, literature and the arts in Vijayanagara Empire.

20. Akbar:

- Conquests and consolidation of empire.
- Establishment of *jagir* and *mansab* systems.
- Rajput policy.
- Evolution of religious and social outlook. Theory of *Sulh-i-kul* and religious policy.
- Court patronage of art and technology.

21. Mughal Empire in the Seventeenth Century:

- Major administrative policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb.
- The Empire and the Zamindars.
- Religious policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb
- Nature of the Mughal state.
- Late Seventeenth Century crisis and the revolts
- The Ahom kingdom
- Shivaji and the early Maratha Kingdom.

22. Economy and society, in the 16th and 17th Centuries:

- Population. Agricultural and craft production.
- Towns, commerce with Europe through Dutch, English and French companies : a trade revolution.
- Indian mercantile classes. Banking, insurance and credit systems.
- Conditions of peasants, Condition of Women.
- Evolution of the Sikh community and the Khalsa Panth

23. Culture during Mughal Empire:

- Persian histories and other literature
- Hindi and religious literatures.
- Mughal architecture.
- Mughal painting.
- Provincial architecture and painting.
- Classical music.
- Science and technology.

24. The Eighteenth Century:

- Factors for the decline of the Mughal Empire.
- The regional principalities: Nizam's Deccan, Bengal, Awadh
- Maratha ascendancy under the Peshwas.
- The Maratha fiscal and financial system.
- Emergence of Afghan power Battle of Panipat, 1761.
- State of, political, cultural and economic, on eve of the British conquest.

PAPER-II**1. European Penetration into India:**

The Early European Settlements; The Portuguese and the Dutch; The English and the French East India Companies; Their struggle for supremacy; Carnatic Wars; Bengal-The conflict between the English and the Nawabs of Bengal; Siraj and the English; The Battle of Plassey; Significance of Plassey.

2. British Expansion in India:

Bengal-Mir Jafar and Mir Kasim; The Battle of Buxar; Mysore; The Marathas; The three Anglo-Maratha Wars; The Punjab.

3. Early Structure of the British Raj:

The Early administrative structure: From diarchy to direct control; The Regulating act (1773); The Pitt's India Act(1784); The Charter act (1833); The Voice of free trade and the changing character of British colonial rule; The English utilitarian and India.

4. Economic Impact of British Colonial Rule:

- (a) Land revenue settlements in British India; The Permanent Settlement; Ryotwari Settlement; Mahalwari Settlement; Economic impact of the revenue arrangements; Commercialization of agriculture; Rise of landless agrarian labourers; Impoverishment of the rural society.
- (b) Dislocation of traditional trade and commerce; De-industrialisation; Decline of traditional crafts; Drain of wealth; Economic transformation of India; Railroad and communication network including telegraph and postal services; Famine and poverty in the rural interior; European business enterprise and its limitations.

5. Social and Cultural Developments:

The state of indigenous education, its dislocation; Orientalist-Anglicist controversy, The introduction of western education in India; The rise of press, literature and public opinion; The rise of modern vernacular literature; Progress of science; Christian missionary activities in India.

6. Social and Religious Reform Movements in Bengal and Other Areas:

Ram Mohan Roy, The Brahmo Movement; Devendranath Tagore; Iswarchandra Vidyasagar; The Young Bengal Movement; Dayanada Saraswati; The social reform movements in India including Sati, widow remarriage, child marriage etc.; The contribution of Indian renaissance to the growth of modern India. Islamic revivalism-the Feraizi and Wahabi Movements.

7. Indian Response to British Rule:

Peasant movement and tribal uprisings in the 18th and 19th centuries including the Rangpur Dhing (1783), the Kol Rebellion (1832), the Mopla Rebellion in Malabar (1841-1920), the Santal Hul (1855), Indigo Rebellion (1859-60), Deccan Uprising (1875) and the Munda Ulgulan (1899-1900); The Great Revolt of 1857—Origin, character, causes of failure, the consequences; The shift in the character of peasant uprisings in the post-1857 period; the peasant movements of the 1920s and 1930s.

8. Factors leading to the birth of Indian Nationalism; Politics of Association; The Foundation of the Indian National Congress; The Safety-valve thesis relating to the birth of the Congress; Programme and objectives of Early Congress; the social composition of early Congress leadership; the Moderates and Extremists; The Partition of Bengal (1905); The Swadeshi Movement in Bengal; the economic and political aspects of Swadeshi Movement; The beginning of revolutionary extremism in India.

9. Rise of Gandhi; Character of Gandhian nationalism; Gandhi's popular appeal; Rowlatt Satyagraha; the Khilafat Movement; the Non-cooperation Movement; National politics from the end of the Non-cooperation movement to the beginning of the Civil Disobedience Movement; the two phases of the Civil Disobedience Movement; Simon Commission; The Nehru Report; the Round Table Conferences; Nationalism and the Peasant Movements; Nationalism and Working class movements; Women and Indian youth and students in Indian politics (1885-1947); the election of 1937 and the formation of ministries; Cripps Mission; the Quit India Movement; the Wavell Plan; The Cabinet Mission.

10. Constitutional Developments in the Colonial India between 1858 and 1935.

11. Other strands in the National Movement.

The Revolutionaries: Bengal, the Punjab, Maharashtra, U.P. the Madras Presidency, Outside India.

The Left; The Left within the Congress: Jawaharlal Nehru, Subhas Chandra Bose, the Congress Socialist Party; the Communist Party of India, other left parties.

12. Politics of Separatism; the Muslim League; the Hindu Mahasabha; Communalism and the politics of partition; Transfer of power; Independence.

13. Consolidation as a Nation; Nehru's Foreign Policy; India and her neighbours (1947-1964); The linguistic reorganisation of States (1935-1947); Regionalism and regional inequality; Integration of Princely States; Princes in electoral politics; the Question of National Language.

14. Caste and Ethnicity after 1947; Backward castes and tribes in post-colonial electoral politics; Dalit movements.

15. Economic development and political change; Land reforms; the politics of planning and rural reconstruction; Ecology and environmental policy in post-colonial India; Progress of science.

16. Enlightenment and Modern ideas:

(i) Major Ideas of Enlightenment : Kant, Rousseau.

(ii) Spread of Enlightenment in the colonies.

(iii) Rise of socialist ideas (up to Marx); spread of Marxian Socialism.

17. Origins of Modern Politics :

(i) European States System

(ii) American Revolution and the Constitution

(iii) French Revolution and Aftermath, 1789-1815

(iv) American Civil War with reference to Abraham Lincoln and the abolition of slavery.

(v) British Democratic politics, 1815-1850 : Parliamentary Reformers, Free Traders, Chartists.

18. Industrialization :

(i) English Industrial Revolution : Causes and Impact on Society.

(ii) Industrialization in other countries : USA, Germany, Russia, Japan.

(iii) Industrialization and Globalization.

19. Nation-State System :

(i) Rise of Nationalism in 19th century.

(ii) Nationalism : State-building in Germany and Italy.

(iii) Disintegration of Empires in the face of the emergence of nationalities across the world.

20. Imperialism and Colonialism :

(i) South and South-East Asia.

(ii) Latin America and South Africa.

(iii) Australia.

(iv) Imperialism and free trade: Rise of neo-imperialism.

21. Revolution and Counter-Revolution :

(i) 19th Century European revolutions.

(ii) The Russian Revolution of 1917-1921.

(iii) Fascist Counter-Revolution, Italy and Germany.

(iv) The Chinese Revolution of 1949.

22. World Wars :

(i) 1st and 2nd World Wars as Total Wars : Societal implications.

(ii) World War I : Causes and Consequences.

(iii) World War II : Causes and Consequences.

23. The World after World War II:

- (i) Emergence of Two power blocs.
- (ii) Emergence of Third World and non-alignment
- (iii) UNO and the global disputes.

24. Liberation from Colonial Rule :

- (i) Latin America-Bolivar.
- (ii) Arab World-Egypt.
- (iii) Africa-Apartheid to Democracy.
- (iv) South-East Asia-Vietnam.

25. Decolonization and Under development :

- (i) Factors constraining Development ; Latin America, Africa.

26. Unification of Europe :

- (i) Post War Foundations ; NATO and European Community.
- (ii) Consolidation and Expansion of European Community
- (iii) European Union.

27. Disintegration of Soviet Union and the Rise of the Unipolar World :

- (i) Factors leading to the collapse of Soviet Communism and Soviet Union, 1985-1991.
- (ii) Political Changes in East Europe 1989-2001.
- (iii) End of the Cold War and US Ascendancy in the World as the lone superpower.

LAW**PAPER-I****Constitutional and administrative Law :**

1. Constitution and Constitutionalism: The distinctive features of the Constitution.
2. Fundamental Rights—Public interest litigation; Legal Aid; Legal services authority.
3. Relationship between Fundamental rights, Directive principles and Fundamental duties.
4. Constitutional Position of the President and relation with the Council of Ministers.
5. Governor and his powers.
6. Supreme Court and the High Courts:
 - (a) Appointments and transfer.
 - (b) Powers, functions and jurisdiction.
7. Centre, States and local bodies:
 - (a) Distribution of legislative powers between the Union and the States.
 - (b) Local Bodies.
 - (c) Administrative relationship among Union, State and Local Bodies.
 - (d) Eminent domain-State property-common property-community property.
8. Legislative powers, privileges and immunities.

9. Services under the Union and the States:

- (a) Recruitment and conditions of services; Constitutional safeguards; Administrative tribunals.
 - (b) Union Public Service Commission and State Public Service Commissions—Power and functions.
 - (c) Election Commission—Power and functions.
10. Emergency provisions.
 11. Amendment of the Constitution.
 12. Principle of Natural Justice—Emerging trends and judicial approach.
 13. Delegated legislation and its constitutionality
 14. Separation of powers and constitutional governance.
 15. Judicial review of administrative action.
 16. Ombudsman: Lokayukta, Lokpal etc.

International Law :

1. Nature and Definition of International Law.
2. Relationship between International Law and Municipal Law.
3. State Recognition and State Succession.
4. **Law of the sea:** Inland Waters, Territorial Sea, Contiguous Zone, Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and High Seas.
5. **Individuals:** Nationality, statelessness; Human Rights and procedures available for their enforcement.
6. Territorial jurisdiction of States, Extradition and Asylum.
7. **Treaties :** Formation, application, termination and reservation.
8. **United Nations :** Its principal organs, powers and functions and reform.
9. Peaceful settlement of disputes—different modes.
10. Lawful recourse to force : aggressions, self-defence, intervention.
11. Fundamental principles of international humanitarian law—International conventions and contemporary developments.
12. Legality of the use of nuclear weapons; ban on testing of nuclear weapons; Nuclear non-proliferation treaty, CTST.
13. International Terrorism, State sponsored terrorism, Hijacking, International Criminal Court.
14. New International Economic Order and Monetary Law : WTO, TRIPS, GATT, IMF, World Bank.
15. Protection and Improvement of the Human Environment : International Efforts.

PAPER II**Law of Crimes :—**

1. General principles of Criminal liability : mens rea and actus reus, mens rea in statutory offences.
2. Kinds of punishment and emerging trends as to abolition of capital punishment.
3. Preparations and criminal attempt.
4. General exceptions.
5. Joint and constructive liability.
6. Abetment.
7. Criminal conspiracy.
8. Offences against the State.
9. Offences against public tranquility.
10. Offences against human body.
11. Offences against property.
12. Offences against women.
13. Defamation.
14. Prevention of Corruption Act, 1988.
15. Protection of Civil Rights Act, 1955 and subsequent legislative developments.
16. Plea bargaining.

Law of Torts

1. Nature and definition.
2. Liability based upon fault and strict liability; Absolute liability.
3. Vicarious liability including State Liability.
4. General defences.
5. Joint tort fessors.
6. Remedies.
7. Negligence.
8. Defamation.
9. Nuisance.
10. Conspiracy.
11. False imprisonment.
12. Malicious prosecution.
13. Consumer Protection Act, 1986.

Law of Contracts and Mercantile Law

1. Nature and formation of contract/E-contract.
2. Factors vitiating free consent.
3. Void, voidable, illegal and unenforceable agreements.
4. Performance and discharge of contracts.
5. Quasi-contracts.
6. Consequences of breach of contract.
7. Contract of indemnity, guarantee and insurance.
8. Contract of agency.
9. Sale of goods and hire purchase.
10. Formation and dissolution of partnership.
11. Negotiable Instruments Act, 1881.
12. Arbitration and Conciliation Act, 1996.
13. Standard form contracts.

Contemporary Legal Developments

1. Public Interest Litigation.
2. Intellectual property rights—Concept, types/prospects.
3. Information Technology Law including Cyber Laws—Concept, purpose/prospects.
4. Competition Law—Concept, purpose/prospects.
5. Alternate Dispute Resolution—Concept, types/prospects.
6. Major statutes concerning environmental law.
7. Right to Information Act.
8. Trial by media.

Literature of the following languages :

NOTE (i).—A candidate may be required to answer some or all the Questions in the language concerned.

NOTE (ii).—In regard to the languages included in the Eighth Schedule to Constitution, the scripts will be the same as indicated in Section II (B) of Appendix I relating to the Main Examination.

NOTE (iii).—Candidates should note that the questions not required to be answered in a specific language will have to be answered in the language medium indicated by them for answering papers on Essay, General Studies and Optional Subjects.

ARABIC**PAPER I**

[Answer must be written in Arabic]

Section A

1. (a) Origin and development of the language—
an outline.
(b) Significant features of the grammar of the
language. Rhetorics, Prosody.
(c) Short Essay in Arabic.

Section B

2. Literary History and Literary Criticism : Socio-
Cultural background, Classical literature, literary
movements, modern trends, origin and development of modern
prose: drama, novel, short story, essay.

PAPER II

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability. Answers must be written in Arabic.

SECTION-A**POETS:**

1. Imraul Qais : Qifa Nabke Min Zikra Habibin Wa
Manzilli (Complete)
Al Muallaqatus Saba
2. Hassan Bin Thabit : Lillahi Darru Isabatin
Nadamtuhum (complete)
Diwan Hassan Bin Thabit
3. Jarir : Hayyu Umamata Wazkuru Ahdan
Mada

- To
Jalbas Sifahi Wa Damiatin Biklla
Nukhbatul Adab : Deptt. of Arabic,
A.M.U. Aligarh
4. Farzdaq : Hazal Lazi Tariful Batha-o-watatuhu
(complete)
Majmuatun Minan Nazm-i-Wan Nasr,
Jamia Salafia, Varanasi.
5. Al Mutanabbi :- Ya Ukhta Khair-e-Akhin Ya Binta
Khair-e-Abin

- To
Aqamahul Fikru Bainal Lij-e-
Wattaabi
Nukhbatul Adab, Deptt. of Arabic,
A.M.U. Alig.
6. Abul Ala Al-Maarri :—Ala Fi Sabil Majdi Ma Ana
Faailu

- To
Wa Ya Nafsu Jiddi Inna Dahraki
Hazilu.
Majmuatun Minan Nazm-i-Wan Nasr,
Jamia Salafia, Varanasi.
7. Shauqi :— Wulidal Huda Falkainatu Diau.

- To
Makhtara Ila Dinakal Fuqarau
Salamun Neeli Ya Ghandi.
(complete)
Shauqiat
8. Hafiz Ibrahim : -Rajatu Linafsi Fattahamtu Hasati
(complete)
Nukhbatul Adab
9. Ilya Abu Madi :- Damatun Kharso (complete)
Mukhtarat Minal Sher Al Arabi Al
Hadith, M.M. Badwi

SECTION-B**(a) AUTHORS**

AUTHORS	BOOKS	LESSONS
1. Ibnul Muqaffa	Kalilah Wa Dimnah	Al Asad Wal Thaur
2. Al-Jahiz	Mukhtarat Min Adabi Arab Part II By : S.A. Hasan Ali Nadwi	Bakhilum Hakim (complete)
3. Ibn Khaldun	Muqaddamah	Araun Fit Talim (complete)
4. Mahmud Taimur	Qalar Rawi	Am Mutawalli (complete)
5. Taufiqul Hakim	Masrahiyat	Sirrul Muntahira (complete)
6. Abbas Mahmud Aqqad	Mukhtarat Min Adabi Arab-II	Assiddiq (complete)

(B) STUDY OF INDIAN AUTHORS :

1. Ghulam Ali Azad Bilgrami
2. Shah Walullah Dehlavi
3. Zulfiqar Ali Deobandi
4. Abdul Aziz Meman
5. Syed Abul Hassan Ali Hasani Nadvi

ASSAMESE**PAPER I**

[Answers must be written in Assamese]

Section A**Language**

- (a) History of the origin and development of the Assamese Language—its position among the Indo-Aryan language—periods in its history.
- (b) Development of Assamese prose.
- (c) Vowels and consonants of the Assamese Language—Rules of phonetic changes with stress on Assamese coming down from Old Indo-Aryan.
- (d) Assamese vocabulary— and its sources.
- (e) Morphology of the language— conjugation— enclitic definitives and pleonastic suffixes.
- (f) Dialectal divergences— the Standard colloquial and the Kamrupi dialect in particular.
- (g) Assamese script— its evolution through the ages till 19th century A.D.

Section B**Literary Criticism and Literary History**

- (a) Principles of literary criticism upto New criticism.
- (b) Different literary genres.
- (c) Development of literary forms in Assamese.
- (d) Development of literary criticism in Assamese.
- (e) Periods of the literary history of Assam from the earliest beginnings, i.e. from the period of the charyyageeta with their socio-cultural background : the proto Assamese Pre-Sankaradeva Sankaradeva—Post- Sankaradeva— Modern period (from the coming of the Britishers) Post-Independence period. Special emphasis is to be given on the Vaisnavite period, the gonaki and the post-independence periods.

PAPER II

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidates critical ability.

[Answers must be written in Assamese]

Section A

Râmâyana (Ayodhyâ Kânda—by Madhava Kandali only)

Pārijāt-Harana	—by Sankaradeva.
Rāsakrīdā	--- by Sankaradeva (From Kirtana Ghosa)
Bāargeet	- by Madhavadeva.
Rājasūya	—by Madhavadeva.
Kathā-Bhāgavata (Books I and II)	—by Baikurthanath Bhattacharyya.
Gurucarit-Kathā (Sankaradeva's Part only)	—ed. by Maheswar Neog.

SECTION B

Mar Jeevan Soñwaran	—by Lakshminath Bezbaroa.
Kripābar Borbaruār	--- by Lakshminath Bezbaroa.
Kakatar Topola	—by Chandra Kumar Agarwalla.
Pratimā	--- by Padmanath Gohain Barua.
Manomatī	—by Rajanikanta Bordoloi.
Purani Asamīyā Sāhitya	- by Banikanta Kakati.
Kārengur Ligiri	--- by Jyotiprasad Agarwalla
Jeevanar Bātāt	- by Bina Barva (Birinchī Kumar Barua)
Mrityunjōy	--- by Birendrakumar Bhattacharyya
Samrāt	- by Navakanta Barua

BENGALI**PAPER I****History of Language and Literature.****[Answers must be written in Bengali]****Section A : Topics from the History of Bangla language**

1. The chronological track from Proto Indo-European to Bangla (Family tree with branches and approximate dates).
2. Historical stages of Bangla (Old, Middle, New) and their linguistic features.
3. Dialects of Bangla and their distinguishing characteristics.
4. Elements of Bangla Vocabulary.
5. Forms of Bangla Literary Prose—Sadhu and Chalit.
6. Processes of language change relevant for Bangla : Apinihitī (Anaptyxis), Abhishruti (umlaut), Murdhanyibhavan (cerebralization), Nasikyibhavan (Nasalization), Samibhavan (Assimilation), Sadrishya (Analogy), Svaragama (Vowel insertion) —Adi Svaragama, Madhya Svaragama or Svarabhakti, Antya Svaragama, Svarasangati (Vowel harmony), y---shruti and w---shruti.

7. Problems of standardization and reform of alphabet and spelling, and those of transliteration and Romanization.
8. Phonology, Morphology and Syntax of Modern Bangla. (Sounds of Modern Bangla, Conjuncts; word formations, compounds; basic sentence patterns.)

Section B : Topics from the History of Bangla Literature.

1. Periodization of Bangla Literature : Old Bangla and Middle Bangla.
2. Points of difference between modern and pre-modern Bangla Literature.
3. Roots and reasons behind the emergence of modernity in Bangla Literature.
4. Evolution of various Middle Bangla forms ; Mangal Kavyas, Vaishnava lyrics, Adapted narratives (Ramayana, Mahabharata, Bhagavata) and religious biographies.
5. Secular forms in middle Bangla literature.
6. Narrative and lyric trends in the nineteenth century Bangla poetry.
7. Development of prose.
8. Bangla dramatic literature (nineteenth century, Tagore, Post—1944 Bangla drama).
9. Tagore and post-Tagoreans.
10. Fiction, major authors : Bankimchandra, Tagore, Saratchandra, Bibhutibhusan, Tarasankar, Manik).
11. Women and Bangla literature : creators and created.

PAPER II

Prescribed texts for close study.

[Answers must be written in Bengali]**Section A**

1. **Vaishnava Padavali** (Calcutta University) Poems of Vidyapati, Chandīdas, Jnanadas, Govindadas and Balaramdas.
2. **Chandimangal** Kalketu episode by Mukunda (Sahitya Akademi).
3. **Chaitanya Charitamrita**, Madhya Lila by Krishnadas Kaviraj (Sahitya Akademi).
4. **Meghnadbadh Kavya** by Madhusudan Dutta.
5. **Kapalkundala** by Bankimchandra Chatterjee.
6. **Samya and Bangadesher Krishak** by Bankimchandra Chatterjee.
7. **Sonar Tari** by Rabindranath Tagore.
8. **Chhinnapatravali** by Rabindranath Tagore.

Section B

9. **Raktakarabi** by Rabindranath Tagore.
10. **Nabajatak** by Rabindranath Tagore.
11. **Grihadaha** by Saratchandra Chatterjee.
12. **Prabandha Samgraha**, Vol. 1, by Pramatha Choudhuri.
13. **Aranyak** by Bibhutibhusan Banerjee.

14. **Short stories** by Manik Bandyopadhyay : Atashi Mami, Pragaitihasik, Holud-Pora, Sarisrip, Haraner Natjamai, Chhoto-Bokulpurer Jatri, Kustharogir Bou, Jakey Ghush Ditey Hoy.
15. **Shrestha Kavita** by Jibanananda Das.
16. **Jagori** by Satinath Bhaduri.
17. **Ebam Indrajit** by Badal Sircar.

PAPER I

History of Bodo Language and Literature

[Answers must be written in Bodo]

Section A

History of Bodo Language

1. Homeland, language family, its present status and its mutual contact with Assamese.
2. (a) phonemes : Vowel and Consonant Phonemes
(b) Tones.
3. Morphology : Gender, Case and Case endings, Plural suffix, Definitives, Verbal suffix.
4. Vocabulary and its sources.
5. Syntax : Types of sentences, Word Order
6. History of scripts used in writing Bodo Language since inception.

Section B

History of Bodo literature

1. General introduction of Bodo folk literature.
2. Contribution of the Missionaries.
3. Periodization of Bodo Literature.
4. Critical analysis of different genre (Poetry, Novel, Short Story and Drama)
5. Translation Literature.

Paper II

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidates.

(Answers must be written in Bodo)

Section A

- (a) Khonthai-Methai
(Edited by Madaram Brahma & Rupnath Brahma.)
- (b) Hathorkhi-Hala
(Edited by Pramod Chandra Brahma)
- (c) Boroni Gudi Sibsa Arw Aroz : Madaram Brahma
- (d) Raja Nilambar : Dwarendra Nath Basumatary
- (c) Bibar (prose section)
(Edited by Satish Chandra Basumatary).

Section B

- (a) Bibi Bithai (Aida Nwi) : Bihuram Boro
- (b) Radab : Samar Brahma Chaudhury
- (c) Okhrang Gongse Nangou : Brajendra Kumar Brahma
- (d) Baisagu Arw Harimu : Laksheswar Brahma

- (e) Gwdan Boro : Manoranjan Lahary
- (f) Jujaini Or : Chittaranjan Muchahary
- (g) Mwihoor : Dharanidhar Wary
- (h) Hor Badi Khwmsi : Kamal Kumar Brahina
- (i) Jaolia Dewan : Mangal Singh Hozowary
- (j) Hagra Guduni Mwi : Nilkamal Brahma

CHINESE

PAPER I

This paper will require the candidates to have a good knowledge of standard Chinese language and its characteristics so as to test the candidate's organisational capabilities. All the questions (except the question on translation from Chinese to English) must be answered in Chinese. All the questions carry equal marks.

Section A

1. Essay writing in about 500 Chinese characters on a topical subject.
2. Translation :
a. Chinese-English
b. English-Chinese
3. Syntactic and grammatical usage.

Section B

1. Explanation of idioms and phrases in Chinese.
2. Development of Chinese language.
3. Comprehension Precise writing.

PAPER II

This paper will require the candidates to have a good grasp of Chinese studies and will be designed to test the candidate's critical ability. All the questions must be answered in Chinese. All the questions carry equal marks.

Section A

1. Short notes on topics related to major events in modern Chinese history (From 1919 till date).
2. Critical evaluation of major literary works in pre-liberation period (1919–1949) :
a. Lao She : Four Generations, Rickshaw-puller.
b. Ba Jin : Family.
c. Lu Xun : Medicine, Madman's Dairy, The True Story of Ah Q.
d. Mao Dun : Midnight.
e. Ai Quing : Coal's Reply (Mei de Duihua), Beggar (Qigai), I Love This Land (Wo Ai Zhe Tudi), Old Man (Laoren)
f. Guo Moruo : The Goddesses.
3. Role of Philosophy and Religion in the Development of Chinese Society.

Section B

1. Socio-Economic/Political/Educational/Sports/Science and Technological Development since 1979.

2. Critical appreciation of major literary works in post-liberation period (1949 till date):

- a. Gu Hua : The Town Called Hibiscus (Furongzhen)
- b. Chen Rong : Till the Middle Age (Ren dao Zhongnian)
- c. Liu Xinwu : The Class-in-Charge (Ban Zhuren)
- d. Lu Yao : The Human Existence (Rensheng)
- e. Ai Qing : Fish Fossil, the Mirror. The Gardener's Dream, The Hunter Who Drew Birds.
- f. Shu Ting : Motherland, My Beloved Motherland.

DOGRI

PAPER I

HISTORY OF DOGRI LANGUAGE AND LITERATURE

(Answers must be written in Dogri)

Section A

History of Dogri Language

1. Dogri language: Origin and development through different stages.
2. Linguistic boundaries of Dogri and its dialects.
3. Characteristic features of Dogri language.
4. Structure of Dogri Language:

(a) Sound Structure:

Segmental : Vowels and Consonants

Non-segmental : Length, Stress, Nasalization, Tone and Juncture.

(b) Morphology of Dogri:

(i) Inflection Categories: Gender, Number, Case, Person, Tense and Voice.

(ii) Word Formation: use of prefixes, infixes and suffixes.

(iii) Vocabulary: tatsam, tadbhav, foreign and regional.

(c) Sentence Structure: Major Sentence-types and their constituents, agreement and concord in Dogri syntax.

5. Dogri Language and Scripts: Dogre/Dogra Akkhar, Devanagari and Persian.

Section B

History of Dogri Language

1. A brief account of Pre-independence Dogri Literature: Poetry & Prose.
2. Development of modern Dogri Poetry and main trends in Dogri Poetry.
3. Development of Dogri short-story, main trends & prominent short-story writers.

4. Development of Dogri Novel, main trends & contribution of Dogri Novelists.
5. Development of Dogri Drama & contribution of prominent playwrights.
6. Development of Dogri Prose; Essays, Memoirs & travelogues.
7. An introduction to Dogri Folk literature-Folk songs, Folk tales & Ballads.

PAPER-II

TEXTUAL CRITICISM OF DOGRI LITERATURE

(Answers must be written in Dogri)

Section A

Poetry

1. Azadi Pailhe Di Dogri Kavita
The following poets:
Devi Ditta, Lakkhu, Ganga Ram, Ramdhan, Hardutt, Pahari Gandhi Baba Kanshi Ram & Permanand Almast
2. Modern Dogri Poetry
Azadi Bad Di Dogri Kavita
The following poets :
Kishan Smailpuri, Tara Smailpuri, Mohan Lal Sapolia, Yash Sharma, K.S. Madhukar, Padma Sachdev, Jitendra Udhamपुरi, Charan Singh and Prakash Premi
3. Sheeraza Dogri Number 102, Ghazal Ank
The following poets :
Ram Lal Sharma, Ved Pal Deep, N.D. Jamwal, Shiv Ram Deep, Ashwini Magotra and Virendra Kesar
4. Sheeraza Dogri Number 147, Ghazal Ank
The following poets:
R.N. Shastri, Jitendra Udhamपुरi, Champa Sharma and Darshan Darshi.
5. Ramayan (Epic) by Shambhu Nath Sharma (upto Ayodhya Kand)
6. Veer Gulab (Khand Kavya) by Dinoo Bhai Pant.

Section B

Prose

1. Ajakani Dogri Kahani
The following Short Story writers :
Madan Mohan Sharma, Narendra Khajuri and B.P. Sathe
2. Ajakani Dogri Kahani Part-II
The following Short Story writers :
Ved Rahi, Narsingh Dev Jamwal, Om Goswami, Chahitrapal, Lalit Magotra, Chaman Arora and Ratan Kesar.
3. Khatha Kunj Bhag II
The following Story writers :
Om Vidyarthi, Champa Sharma and Krishan Sharma.

4. Meel Patthar (collection of short stories) by Bandhu Sharma.
5. Kaiddi (Novel) by Desh Bandhu Dogra Nutan.
6. Nanga Rukkh (Novel) by O.P. Sharma Sarathi.
7. Nayaan (Drama) by Mohan Singh.
8. Satrang (A collection of one act plays).

The following play wrights :

Vishwa Nath Khajuria, Ram Nath Shastri, Jitendra Sharma, Lalit Magotra and Madan Mohan Sharma.

9. Dogri Lalit Nibandh

The following authors:

Vishwa Nath Khajuria, Narayan Mishra, Balkrishan Shastri, Shiv Nath, Shyam Lal Sharma, Lakshmi Narayan, D.C. Prashant, Ved Ghai, Kunwar Viyogi.

ENGLISH

The syllabus consists of two papers, designed to test a first-hand and critical reading of texts prescribed from the following periods in English Literature : Paper I : 1600-1900 and Paper 2 : 1900–1990.

There will be two compulsory questions in each paper : (a) A short-notes question related to the topics for general study, and (b) A critical analysis of UNSEEN passages both in prose and verse.

PAPER I

(Answers must be written in English)

Texts for detailed study are listed below. Candidates will also be required to show adequate knowledge of the following topics and movements :

The Renaissance; Elizabethan and Jacobean Drama; Metaphysical Poetry; The Epic and the Mock-epic; Neo-classicism; Satire; The Romantic Movement; The Rise of the Novel; The Victorian Age.

Section A

1. William Shakespeare : King Lear and The Tempest.
2. John Donne. The following poems :
 - Canonization;
 - Death be not proud;
 - The Good Morrow;
 - On his Mistress going to bed;
 - The Relic;
3. John Milton : Paradise Lost, I, II, IV, IX.
4. Alexander Pope. The Rape of the Lock.
5. William Wordsworth. The following poems :
 - Ode on Intimations of Immortality.
 - Tintern Abbey.
 - Three years she grew.

- She dwelt among untrodden ways.
- Michael.
- Resolution and Independence.
- The World is too much with us.
- Milton, thou shouldst be living at this hour.
- Upon Westminster Bridge.

6. Alfred Tennyson : In Memoriam.

7. Henrik Ibsen : A Doll's House

Section B

1. Jonathan Swift. Gulliver's Travels.
2. Jane Austen. Pride and Prejudice.
3. Henry Fielding. Tom Jones.
4. Charles Dickens. Hard Times.
5. George Eliot. The Mill on the Floss.
6. Thomas Hardy. Tess of the d'Urbervilles.
7. Mark Twain. The Adventures of Huckleberry Finn.

PAPER II

(Answers must be written in English)

Texts for detailed study are listed below. Candidates will also be required to show adequate knowledge of the following topics and movements :

Modernism; Poets of the Thirties; The stream-of-consciousness Novel; Absurd Drama; Colonialism and Post-Colonialism; Indian Writing in English; Marxist, Psychoanalytical and Feminist approaches to literature; Post-Modernism.

Section A

1. William Butler Yeats. The following poems :
 - Easter 1916.
 - The Second Coming.
 - A Prayer for my daughter.
 - Sailing to Byzantium.
 - The Tower.
 - Among School Children.
 - Leda and the Swan.
 - Meru.
 - Lapis Lazuli.
 - The Second Coming.
 - Byzantium.
2. T.S. Eliot. The following poems :
 - The Love Song of J. Alfred Prufrock.
 - Journey of the Magi.
 - Burnt Norton.
3. W.H. Auden. The following poems :
 - Partition
 - Musee des Beaux Arts

- In Memory of W.B. Yeats
 - Lay your sleeping head, my love
 - The Unknown Citizen
 - Consider
 - Mundus Et Infans
 - The Shield of Achilles
 - September 1, 1939
 - Petition
4. John Osborne : Look Back in Anger.
5. Samuel Beckett. Waiting for Godot.
6. Philip Larkin. The following poems:
- Next
 - Please
 - Deceptions
 - Afternoons
 - Days
 - Mr. Bleaney
7. A.K. Ramanujan. The following poems :
- Looking for a Cousin on a Swing
 - A River
 - Of Mothers, among other Things
 - Love Poem for a Wife I
 - Small-Scale Reflections on a Great House
 - Obituary
- (All these poems are available in the anthology *Ten Twentieth Century Indian Poets*, edited by R. Parthasarthy, published by Oxford University Press, New Delhi).

Section B

1. Joseph Conrad. Lord Jim.
2. James Joyce. Portrait of the Artist as a Young Man.
3. D.H. Lawrence. Sons and Lovers.
4. E.M. Forster. A Passage to India.
5. Virginia Woolf. Mrs. Dalloway.
6. Raja Rao. Kanthapura.
7. V.S. Naipaul. A House for Mr. Biswas.

FRENCH PAPER I

[Answers must be written in French except in the case of question requiring translation from French to English]

Section A

1. Main trends in French Literature
 - a. Classicism
 - b. Romanticism
 - c. Realism
2. Art in France
 - a. Romanticism
 - b. Realism
 - c. Impressionism

3. The Vth Republic
 - (a) De Gaulle and the Vth Republique
 - (b) May 1968
 - (c) Pompidou
 - (d) Giscard d'Estaing
 - (e) Mitterrand
 - (f) Chirac
4. Translation : French to English (2 passages of socio-politico-economic nature of 200 words each).

Section B

1. Main trends in French Literature
 - a. Symbolism
 - b. Surrealism
 - c. Theatre of the Absurd
2. Art in French
 - a. Surrealism
 - b. Cubism
 - c. Abstract Painting.
3. The Vth Repulic
 - a. Partis politiques en France
 - b. Place et rôle du Président de la Vc République
 - c. Le Gouvernement
 - d. Le Parlement
 - e. Le Sénat
4. Translation : English to French 2 passages of socio-politico-economic nature of 200 words each.

PAPER II

(Answers must be written in French)

Section A

This paper will require an in-depth reading of the following texts and the questions will be designed to test the candidate's critical ability.

1. XVIIth Century
 - (a) Corneille: *Le Cid*
 - (b) Racine: *Andromaque*
 - (c) Moliere: *L'Avare*
2. XVIIIth Century

Beaumarchais: *Le Mariage de Figaro*
3. XIXth Century
 - (a) Lamartine: *Le lac, Le Vallon*
 - (b) Victor Hugo: *La Conscience, Elle Avait Pris Ce Pli, Demain, Dès L'Aube...*

- (c) Victor Hugo: *Hernani*
 (d) Musset: *Souvenir, La Nuit de Décembre*
 (e) Mérimée: *Colomba*
 (f) Balzac: *Eugénie Grandet*
 (g) Flaubert: *Madame Bovary*
 (h) Baudelaire: *L'Invitation au Voyage, Recueillement, L'Albatros*
 (i) Rimbaud: *Le Dormeur du Val*
 (j) Verlaine: *Chanson d'Automne, Mon Rêve Familier, Il Pleure Dans Mon Coeur...*

Section B**4. XXth Century**

- (a) Apollinaire: *Nuit Rhénane, Le Pont Mirabeau*
 (b) Jacques Prévert: *Pour Faire Le Portrait d'Un Oiseau, Barbara*
 (c) Paul Fluard: *Liberté*
 (d) Paul Valéry: *Les Pas, La Fileuse*
 (e) André Gide: *La Symphonie Pastorale*
 (f) Camus: *L'Etranger*
 (g) Sartre: *Les Mains Sales*
 (h) Ionesco: *Rhinocéros*

Francophonie :

- (a) Gérard Besette: *Le Libraire*
 (b) Ananda Devi: *Le Voile de Draupadi*
 (c) Cheikh Hamidou Kane: *L'Aventure Ambigüe*
 (d) Abdellatif Laabi: *Poèmes en prose*
 1. *L'Arbre à poèmes (L'Etreinte du Monde)*
 2. *Lès Reves viennent mourir sur la page (L'Etreinte du Monde)*

5. Essay of general nature on a contemporary theme.**GERMAN****PAPER I****(Answers must be written in German)****Section A****1. Structure of language :**

Candidates are expected to have a thorough knowledge of German grammar with reference to specific aspects such as word order, syntactic structure and semantics.

2. Essay in German :

Candidates are expected to demonstrate command over techniques of written expression in German by writing an essay on a contemporary topic of a general nature.

Section B**1. Translation of a text of a general nature from English into German****2. Socio-political and cultural history of Germany from the 18th century onwards with special reference to :**

- Impact of Enlightenment on German society and culture.
- The impact of Prussian culture on Germany.
- Cultural debates in the Weimar Republic.
- The concept of culture under National Socialism in Germany.
- The development of two German literatures and cultures after 1945.
- Reunification of Germany and the problems of cultural pluralism.
- The role and relevance of German language and literature in the European Union.

PAPER II**(Answers must be written in German)****Section A****1. Development of German literature from the 19th century to the present.**

Candidates should know the main trends, representative authors and their important works. The emphasis is not on collecting information on works and authors, but the candidate is expected to identify features of a literary epoch on the basis of representative texts.

2. The Study of literary genres.

Candidates must be aware of the characteristic features of the different genres like *Roman, Novelle, Drama, Ballade, Elegie, Marchen, Fabeln, Kurzgeschichte*.

Section B**1. Perceptions of Literary Interpretation.**

Candidates should be aware of various approaches to a critical understanding of literature.

2. Study of Selected Texts.

- Goethe : *Die Leiden des jungen Werther*.
- Schiller : *Maria Stuart*.
- Eichendorff : *Gedichte*.
- Gottfried Keller : *Kleider machen Leute*.
- Thomas Mann : *Die vertauschten Köpfe*.
- Franz Kafka : *Vor dem Gesetz*.
- Friedrich Dürrenmatt : *Die Physiker*.
- Max Frisch : *Andorra*.
- Heinrich Böll : *Die verlorene Ehre der Katharina Blum*.
- Ingeborg Bachmann : *Alles (aus dem Erzählband: Das Dreißigste Jahr)*.
- Rose Ausländer : *Gedichte*.
- Christa Wolf : *Der geteilte Himmel*.
- Günter Grass : *Zunge zeigen*.

GUJARATI**PAPER I****(Answers must be written in Gujarati)****Section A****Gujarati Language : Form and History**

- (1) History of Gujarati Language with special reference to New Indo-Aryan i.e. last one thousand years.
- (2) Significant features of the Gujarati language : phonology, morphology and syntax.
- (3) Major dialects : Surti, pattani, charotari and Saurashtri.

History of Gujarati literature**Medieval :**

4. Jaina tradition
5. Bhakti tradition : Sagun and Nirgun (Jnanmargi)
6. Non-sectarian tradition (Laukik parampara)

Modern :

7. Sudharak yug
8. Pandit yug
9. Gandhi yug
10. Anu-Gandhi yug
11. Adhunik yug

Section B

Literary Forms : (Salient features, history and development of the following literary forms :)

- (a) **Medieval**
 1. Narratives : Rasa, Akhyan and Padyavarta
 2. Lyrical: Pada
- (b) **Folk**
 3. Bhavai
- (c) **Modern**
 4. Fiction : Novel and Short Story
 5. Drama
 6. Literary Essay
 7. Lyrical Poetry
- (d) **Criticism**
 8. History of theoretical Gujarati criticism
 9. Recent research in folk tradition.

PAPER II**(Answers must be written in Gujarati)**

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidate.

Section A**1. Medieval**

- (i) Vasantvilas phagu—AJNATKRUT

- (ii) Kadambari—BHALAN

- (iii) Sudamacharitra—PREMANAND

- (iv) Chandrachandravagini varta—SHAMAL

- (v) Akhegeeta—AKHO

2. Sudharakyug & Pandityug

- (vi) Mari Hakikat—NARMADASHA

- (vii) Farbasveerah—DALPATRAM

- (viii) Saraswatichandra-Part I—GOVARDHANRAM TRIPATHI

- (ix) Purvalap—'KANT' (MANISHANKAR RATNAJI BHATT)

- (x) Raino Parvat—RAMANBHAI NEELKANTH

Section B**1. Gandhiyug & Anu Gandhiyug**

- (i) Hind Swaraj—MOHANDAS KARAMCHAND GANDHI

- (ii) Patanni Prabhuta—KANHAIYALAL MUNSHI

- (iii) Kavyani Shakti—RAMNARAYAN VISHWANATH PATHAK

- (iv) Saurashtrani Rasdhar-Part I—ZAVERCHAND MEGHANI

- (v) Manvini Bhavai—PANNALAL PATEL

- (vi) Dhvani—RAJENDRA SHAH

2. Adhunikyug

- (vii) Saptapadi—UMASHANKAR JOSHI

- (viii) Janantike—SURESH JOSHI

- (ix) Ashwatthama—SITANSHU YASHASCHANDRA.

HINDI**PAPER I****(Answers must be written in Hindi)****Section A****1. History of Hindi Language and Nagari Lipi**

- I. Grammatical and applied forms of Apbhransh, Awahatta & Arambhik Hindi.

- II. Development of Braj and Awadhi as Literary language during medieval period.

- III. Early form of Khari-boli in Siddha-Nath Sahitya, Khusero, Sant Sahitaya, Rahim etc. and Dakhni Hindi.

- IV. Development of Khari-boli and Nagari Lipi during 19th Century.

- V. Standardisation of Hindi Bhasha & Nagari Lipi.

- VI. Development of Hindi as a National Language during freedom movement.

- VII. The development of Hindi as a National Language of Union of India.

- VIII. Scientific & Technical Development of Hindi Language.
- IX. Prominent dialects of Hindi and their inter-relationship.
- X. Salient features of Nagari Lipi and the efforts for its reform & Standard form of Hindi.
- XI. Grammatical structure of Standard Hindi.

Section B

2. History of Hindi Literature

- I. The relevance and importance of Hindi literature and tradition of writing History of Hindi Literature.
- II. Literary trends of the following four periods of history of Hindi Literature.
- A: Adikal—Sidh, Nath and Raso Sahitya. Prominent poets—Chandvardai, Khusaro, Hemchandra, Vidyapati.
- B: Bhaktikal—Sant Kavyadhara, Sufi Kavyadhara, Krishna Bhaktidhara and Ram Bhaktidhara. Prominent Poets—Kabir, Jayasi, Sur & Tulsi.
- C: Ritikal—Ritikavya, Ritibaddhkavya & Riti Mukta Kavya. Prominent Poets—Keshav, Bihari, Padmakar and Ghananand.
- D: Adhunik Kal—
- Renaissance, the development of Prose, Bharatendu Mandal.
 - Prominent Writers—Bharatendu, Bal Krishna Bhatt & Pratap Narain Mishra.
 - Prominent trends of modern Hindi Poetry: Chhayavad, Pragativad, Prayogvad, Nai Kavita, Navgeet and Contemporary poetry and Janvadi Kavita. Prominent Poets—Maithili Sharan Gupta, Prasad, Nirala, Mahadevi, Dinkar, Agyeya, Muktibodh, Nagarjun.

III. Katha Sahitya

- A: Upanyas & Realism
- B: The origin and development of Hindi Novels.
- C: Prominent Novelists—Premchand, Jainendra, Yashpal, Renu and Bhism Sahani.
- D: The origin and development of Hindi short story.
- E: Prominent Short Story Writers—Premchand, Prasad, Agyeya, Mohan Rakesh & Krishna Sobti.

IV. Drama & Theatre

- A: The Origin & Development of Hindi Drama.
- B: Prominent Dramatists—Bharatendu, Prasad, Jagdish Chandra Mathur, Ram Kumar Verma, Mohan Rakesh.
- C: The development of Hindi Theatre.

V. Criticism

- A: The origin and development of Hindi criticism :

Saiddhantik, Vyavharik, Pragativadi. Manovishleshanvadi & Nai Alochana.

B: Prominent critics—Ramchandra Shukla, Hajari Prasad Dwivedi, Ram Vilas Sharma & Nagendra.

VI. The other form of Hindi prose—Lalit Nibandh, Rekhaachitra, Sansmaran, Yatra-vrittant.

PAPER II

(Answers must be written in Hindi)

The paper will require first-hand reading of the prescribed texts and will test the critical ability of the candidates.

Section A

- Kabir : Kabir Granthawali, Ed. Shyam Sundar Das (First hundred Sakhis)
- Surdas : Bhramar Gitsar, Ed. Kamchandra Shukla (First hundred Padas)
- Tulsidas : Ramcharit Manas (Sundar Kand) Kavita wali (Uttarkand)
- Jayasi : Padmawat Ed. Shyam Sundar Das (Sinhali Dwip Khand & Nagmativiyog Khand)
- Bihari : Bihari Ratnakar Ed. Jagunnath Prasad Ratnakar (First 100 Dohas)
- Maithili Sharan Gupta : Bharat Bharati
- Prasad : Kamayani (Chintia and Shradha Sarg)
- Nirala : Rag-Virag, Ed. Ram Vilas Sharma (Ram Ki Shakti Puja & Kukumutta)
- Dinkar : Kurukshetra
- Agyeya : Angan Ke Par Dwar (Asadhiya Vina)
- Muktibodh : Brahm Rakshas
- Nagarjun : Badal Ko Ghire Dekha Hai, Akal Ke Bad, Harijan Gatha

Section B

- Bharatendu : Bharat Durdasha
- Mohan Rakesh : Ashad Ka Ek Din
- Ramchandra Shukla : Chintamani (Part I) (Kavita Kya Hai, Shradha Aur Bhakti)
- Dr. Satyendra : Nibandh Nilaya—Bal Krishna Bhatt, Premchand, Gulab Rai, Hajari Prasad Dwivedi, Ram Vilas Sharma, Agyeya, Kuber Nath Rai.
- Premchand : Godan, Premchand ki Sarvashreshtha Kahaniyan, Ed. Amrit Rai/Manjusha—Prem Chand ki Sarvashreshtha Kahaniyan. Ed. Amrit Rai.
- Prasad : Skandgupta
- Yashpal : Divya

8. Phaniswar Nath : Maila Anchal Renu
 9. Mannu Bhandari : Mahabhoj
 10. Rajendra Yadav : Ek Dunia Samantar (All Stories)

KANNADA**PAPER I**

(Answers must be written in Kannada)

Section A**A. History of Kannada Language**

What is Language? General characteristics of Language. Dravidian Family of Languages and its specific features. Antiquity of Kannada Language. Different phases of its Development.

Dialects of Kannada Language : Regional and Social. Various aspects of developments of Kannada Language: phonological and Semantic changes. Language borrowing.

B. History of Kannada Literature

Ancient Kannada literature : Influence and Trends, Poets for study : Specified poets from Pampa to Ratnakara Varni are to be studied in the light of contents, form and expression : Pampa, Janna, Nagachandra.

Medieval Kannada literature : Influence and Trends.

Vachana Literature : Basavanna, Akka Mahadevi.

Medieval Poets : Harihara, Raghavanka, Kumara-Vyasa.

Dasa literature : Purandara and Kanaka.

Sangataya : Ratnakarvarni

C. Modern Kannada literature : Influence, trends and ideologies, Navodaya, Pragatishila, Navya, Dalita and Bandaya.

Section B**A. Poetics and Literary Criticism**

Definition and concepts of poetry; Word, Meaning, Alankara, Reeti, Rasa, Dhvani, Auchitya.

Interpretations of Rasa Sutra. Modern Trends of literary criticism : Formalist, Historical, Marxist, Feminist, Post-colonial criticism.

B. Cultural History of Karnataka

Contribution of Dynasties to the culture of Karnataka: Chalukyas of Badami and Kalyani, Rashtrakutas, Hoysalas, Vijayanagara rulers, in literary context.

Major religions of Karnataka and their cultural contribution.

Arts of Karnataka ; Sculpture, Architecture, Painting, Music, Dance—in the literary context.

Unification of Karnataka and its impact of Kannada literature.

PAPER II

(Answers must be written in Kannada)

The Paper will require first-hand reading of the Texts prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidates.

Section A**A. Old Kannada Literature**

1. Vikramaarjuna Vijaya of Pampa (Cantos 12 & 13), (Mysore University Pub.)

2. Vaddaraadhane (Sukumaraswamyia Kathe, Vidyutchorana Kathe)

B. Medieval Kannada Literature

1. Vachana, Kammata, Ed. K. Marulasiddappa K.R. Nagaraj (Bangalore University Pub.)

2. Janapriya Kanakasamputa, Ed. D. Javare Gowda (Kannada and Culture Directorate, Bangalore)

3. Nambiyannana Ragale, Ed., T.N. Sreekantaiah (Ta. Vem. Smaraka Grantha Male, Mysore)

4. Kumaravyasa Bharata : Karna Parva (Mysore University)

5. Bharatesha Vaibhava Sangraha Ed Ta. Su. Shama Rao (Mysore University)

Section B**A. Modern Kannada Literature**

1. Poetry : Hosagannada Kavite, Ed. G.H. Nayak (Kannada Saahitya Parishattu, Bangalore)

2. Novel : Bettada Jeeva—Shivarama Karanta Madhavi—Anupama Niranjana Odalaala-Deva-nuru Mahadeva

3. Short Story : Kannada Sanna Kathegalu, Ed. G.H. Nayak (Sahitya Academy, New Delhi)

4. Drama : Shudra Tapaswi—Kuvempu. Tughalak—Girish Karnad.

5. Vichara : Devaru—A.N. Moorthy Rao (Pub: D.V.K. Sahitya : Moorthy, Mysore.)

B. Folk Literature :

1. Janapada Swaroopa—Dr. H.M. Nayak. (Ta. Vem. Smaraka Grantha Male, Mysore.)

2. Janpada Geetaanjali—Ed. D. Javare Gowda. (Pub : Sahitya Academy, New Delhi).

3. Kannada Janapada Kathegalu—Ed. J.S. Paramashiviah (Mysore University).

4. Beedi Makkalu Beleda. Ed. Kalegowda Nagavara (Pub : Bangalore University).

5. Savirada Ogatugalu—Ed. S.G. Imrapura.

KASHMIRI**PAPER I****(Answers must be written in Kashmiri)****Section A**

1. Genealogical relationship of the Kashmiri language: various theories.
2. Areas of occurrence and dialects (geographical/social)
3. Phonology and grammar:
 - i. Vowel and consonant system;
 - ii. Nouns and pronouns with various case inflections;
 - iii. Verbs: various types and tenses.
4. Syntactic structure:
 - i. Simple, active and declarative statements;
 - ii. Coordination;
 - iii. Relativisation.

Section B

1. Kashmiri literature in the 14th century (Socio-cultural and intellectual background with special reference to *Lal Dyad* and *Sheikhul Alam*).
2. Nineteenth century Kashmiri literature (development of various genres : *vatsun*; *ghazal* and *mathnavi*).
3. Kashmiri literature in the first half of the twentieth century (with special reference to Mahjoor and Azad; various literary influences).
4. Modern Kashmiri literature (with special reference to the development of the short story, drama, novel and nazm).

PAPER II**(Answers must be written in Kashmiri)****Section A**

1. Intensive study of Kashmiri poetry upto the nineteenth century :
 - (i) *Lal Dyad*,
 - (ii) *Sheikhul Aalam*
 - (iii) *Habba Khatoon*
2. Kashmiri poetry : 19th Century
 - (i) Mahmood Gami (*Vatsans*)
 - (ii) Maqbool shah (*Gulrez*)
 - (iii) Rasool Mir (*Ghazals*)
 - (iv) Abdul Ahad Nadim (*N'at*)
 - (v) Krishanjoo Razdan (*Shiv Lagun*)
 - (vi) Sufi Poets (Text in *Sanglaab*, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir)
3. Twentieth Century Kashmiri poetry (text in *Azich Kashmir Shairi*, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir).
4. Literary criticism and research work : development and various trends.

Section B

1. An analytical study of the short story in Kashmiri.
 - (i) *Afsana Majmu'a*, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir.
 - (ii) *Kashur Afsana Az*, published by the Sahitya Akademi.
 - (iii) *Hamasar Kashur Afsana*, published by the Sahitya Akademi.

The following short story writers only : Akhtar Mohi-ud Din, Kamil, Hari Krishan Kaul, Hraday Kaul Bharti, Banshi Nirdosh, Gulshan Majid.

2. Novel in Kashmiri :
 - (i) *Mujrim* by G. N. Gowhar
 - (ii) *Marun*—Ivan Ilyichun, (Kashmiri version of Tolstoy's) *The Death of Ivan Ilyich* (published by Kashmiri Deptt.)
3. Drama in Kashmiri :
 - (i) *Natuk Kariv Band* by Hari Krishan Kaul
 - (ii) *Qk Angy Natuk*, ed. Motilal Keemu, published by the Sahitya Akademi.
 - (iii) *Razi Oedipus*, tr. Naji Munawar published by the Sahitya Akademi.
4. Kashmiri Folk Literature :
 - (i) *Kashur Luki Theatre* by Mohammad Subhan Bhagat, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir.
 - (ii) *Kashiry Luki Beeth* (all volumes) published by the J&K Cultural Academy.

KONKANI**PAPER I****(Answers must be written in Konkani)****Section A****History of the Konkani Language :**

- (i) Origin and development of the language and influences on it.
- (ii) Major variants of Konkani and their linguistic features.
- (iii) Grammatical and lexicographic work in Konkani, including a study of cases, adverbs, indeclinables and voices.
- (iv) **Old Standard Konkani, New Standard and Standardisation problems.**

Section B**History of Konkani Literature**

Candidates would be expected to be well-acquainted with Konkani literature and its social and cultural background and consider the problems and issues arising out of them.

- (i) History of Konkani literature from its probable source to the present times, with emphasis on its major works, writers and movements.

- (ii) Social and cultural background of the making of Konkani literature from time to time.
- (iii) Indian and Western influences on Konkani literature, from the earliest to modern times.
- (iv) Modern literary trends in the various genres and regions including a study of Konkani folklore.

PAPER II

(Answers must be written in Konkani)

Textual Criticism of Konkani Literature

The paper will be designed to test the candidate's critical and analytical abilities. Candidates would be expected to be well-acquainted with Konkani Literature and required to have first-hand reading of the following texts :

Section A : Prose

1. (a) Konkani Mansugangotri (excluding poetry) ed. by Prof. Olivinho Gomes.
- (b) Old Konkani language and literature-the Portuguese Role
2. (a) Otino Denvcharak—a novel by A. V. da Cruz.
- (b) Vadoll ani Varem—a novel by Antonio Pereira.
- (c) Devache Kurpen—a novel by V.J.P. Saldanha.
3. (a) Vajralikhani—Shenoy goem-bab-An anthology-ed. by Shantaram Varde Valavalikar.
- (b) Konkani Lalit Niband—Essays-ed. by Shyam Verenkar.
- (c) Teen Dasakam—An anthology—ed. by Chandrakant Keni.
4. (a) Demand—Drama-by Pundalik Naik.
- (b) Kadambini: A Miscellany of Modern Prose—ed. by Prof. O.J.F. Gomes and Smt. P.S. Tadkodkar.
- (c) Ratha Tujee Ghudieo—by Smt. Jayanti Naik.

Section B : Poetry

1. (a) Ev ani Mori : Poetry by Eduardo Bruno de Souza.
- (b) Abravanchem Yadnyadan—by Luis Mascarenhas.
2. (a) Godde Ramayan—ed. by R.K. Rao.
- (b) Ratnahar I and II—collection of poems—ed. R. V. Pandit.
3. (a) Zayo Zuyo—poems- Manohar L. Sardessai.
- (b) Kanadi Mati Konkani Kavi— Anthology of Poems—ed. Pratap Naik.
4. (a) Adrushatache Kalle- Poems by Pandurang Bhangui.
- (b) Yaman—Poems by Madhav Borkar.

MAITHILI

PAPER I

HISTORY OF MAITHILI LANGUAGE AND ITS LITERATURE

(Answers must be written in Maithili)

PART A

History of Maithili Language

1. Place of Maithili in Indo-European Language family.

2. Origin and development of Maithili language. (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili)
3. Periodic division of Maithili Language. (Beginning, Middle era, Modern era).
4. Maithili and its different dialects.
5. Relationship between Maithili and other Eastern languages (Bengali, Asamese, Oriya)
6. Origin and Development of Tirhuta Script.
7. Pronouns and Verbs in Maithili Language.

PART B

History of Maithili Literature

1. Background of Maithili Literature (Religious, Economic, Social, Cultural).
2. Periodic division of Maithili literature.
3. Pre-Vidyapati Literature.
4. Vidyapati and his tradition.
5. Medieval Maithili Drama (Kirtanya Natak, Ankia Nat, Maithili dramas written in Nepal).
6. Maithili Folk Literature (Folk Tales, Folk Drama, Folk Stories, Folk Songs).
7. Development of different literary forms in modern era.
 - (a) Prabandh-kavya
 - (b) Muktak-kavya
 - (c) Novel
 - (d) Short Story
 - (e) Drama
 - (f) Essay
 - (g) Criticism
 - (h) Memoirs
 - (i) Translation
8. Development of Maithili Magazines and Journals.

PAPER-II

(Answers must be written in Maithili)

The paper will require first-hand reading of the prescribed texts and will test the critical ability of the candidates.

PART A

Poetry

1. Vidyapati Geet-Shati—Publisher : Sahitya Akademi, New Delhi (Lyrics- 1 to 50)
2. Govind Das Bhajanavali—Publisher : Maithili Academy, Patna (Lyrics- 1 to 25)
3. Krishnajanm—Manbodh
4. Mithilabhasha Ramayana—Chanda Jha (only Sunder-Kand)
5. Rameshwar Charit Mithila Ramayan—Lal Das (only Bal-kand)
6. Keechak-Vadh—Tantra Nath Jha.
7. Datta-Vatj—Surendra Jah 'Suman' (only 1st and 2nd Cantos).

8. Chitra-Yatri
9. Samakaleen Maithili Kavita—Publisher: Sahitya Akademi, New Delhi.

Part-B

10. Varna Ratnakar—Jyotirishwar (only 2nd Kallol)
11. Khattar Kakak Tarang—Hari Mohan Jha
12. Lorik—Vijaya Manipadma
13. Prithvi Putra—Lalit
14. Bhaphait Chahak Jinagi—Sudhanshu 'Shekhar' Choudhary
15. Kriti Rajkamlak—Publisher: Maithili Academy, Patna (First Ten Stories only)
16. Katha—Sangrah—Publisher: Maithili Academy, Patna.

MALAYALAM

PAPER I

(Answers must be written in Malayalam)

Section A

1—Early phase of Malayalam language :

- 1.1 Various theories : Origin from proto Dravidian, Tamil, Sanskrit.
- 1.2 Relation between Tamil and Malayalam : Six nayas of A. R. Rajarajavarma.
- 1.3 Pattu School—Definition, Ramacharitam, later pattu works—Niranam works and Krishnagatha.

2—Linguistic features of :

- 2.1 Manipravalam—definition. Language of early manipravala works—Champu, Sandesakavya, Chandrotsava, minor works. Later manipravala works— medieval Champu and Attakkatha.
- 2.2 Folklore—Southern and Northern ballads, Mappila songs.
- 2.3 Early Malayalam Prose—Bhashakautaliyam, Brahmandapuram, Attaprakaram, Kramadipika and Nambiantamil.

3—Standardisation of Malayalam :

- 3.1 Peculiarities of the language of Pana, Kilippattu and Tullal.
- 3.2 Contributions of indigenous and European missionaries to Malayalam.
- 3.3 Characteristics of contemporary Malayalam : Malayalam as administrative language. Language of scientific and technical literature—media language.

Section B

LITERARY HISTORY

4—Ancient and Medieval Literature :

- 4.1 Pattu—Ramacharitam, Niranam Works and Krishnagatha.
- 4.2 Manipravalam—early and medieval manipravala works including attakkatha and champu.
- 4.3 Folk literature.

- 4.4 Kilippattu, Tullal and Mahakavya.

5—Modern Literature—Poetry

- 5.1 Venmani poets and contemporaries.
- 5.2 The advent of Romanticism—Poetry of Kavitraya i.e., Asan, Ulloor and Vallathol.
- 5.3 Poetry after Kavitraya.
- 5.4 Modernism in Malayalam Poetry.

6—Modern Literature—Prose

- 6.1 Drama.
- 6.2 Novel.
- 6.3 Short story.
- 6.4 Biography, travelogue, essay and criticism.

PAPER II

(Answers must be written in Malayalam)

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and is designed to test the candidates critical ability.

Section A

Unit 1

- 1.1 Ramacharitam—Patalam I.
- 1.2 Kannassaramayanam—Balakandam first 25 stanzas.
- 1.3 Unnunilandesam—Purvabhagam 25 slokas including Prastavana.
- 1.4 Mahabharatham Kilippattu —Bhishmaparvam.

Unit 2

- 2.1 Kumaran Asan—Chintavisthayaya Sita.
- 2.2 Vailoppilli—Kutiyozhikkal.
- 2.3 G. Sankara Kurup—Perunthachan.
- 2.4 N. V. Krishna Variar—Tivandiye pattu.

Unit 3

- 3.1 O. N. V.—Bhumikkoru Charamagitam.
- 3.2 Ayyappa Panicker—Kurukshetram.
- 3.3 Akkittam—Pandatha Messanthi.
- 3.4 Attur Ravivarma—Megharupam.

Section B

Unit 4

- 4.1 O. Chanthu Menon—Indulekha.
- 4.2 Thakazhy—Chemmin.
- 4.3 O. V. Vijayan—Khasakkinte Ithihasam.

Unit 5

- 5.1 M. T. Vasudevan Nair—Vanaprastham (Collection).
- 5.2 N. S. Madhavan—Higvitta (Collection).
- 5.3 C. J. Thomas—1128-il Crime 27.

Unit 6

- 6.1 Kuttikrishna Marar—Bharataparyatanam.
- 6.2 M. K. Sanu—Nakshatrangalute Snehabhajanam.
- 6.3 V. T. Bhattathirippad—Kannirum Kinavum.

MANIPURI**PAPER I****(Answers must be written in Manipuri)****Section A****Language :**

- (a) General characteristics of Manipuri Language and history of its development; its importance and status among the Tibeto-Burman Languages of North-East India; recent development in the study of Manipuri language; evolution and study of old Manipuri script.
- (b) Significant features of Manipuri language :
 - (i) Phonology : Phoneme-vowels, consonants juncture, tone, consonant cluster and its occurrence, syllable-its structure, pattern and types.
 - (ii) Morphology : Word-class, root and its types; affix and its types; grammatical categories-gender, number, person, case, tense and aspects, process of compounding (samās and sandhi).
 - (iii) Syntax : Word order; types of sentences, phrase and clause structures.

Section B

- (a) Literary History of Manipuri :
Early period (upto 17th Century)—Social and cultural background; Themes, diction and style of the works.
Medieval period (18th and 19th Century)—Social, religious and political background; Themes, diction and style of the works.
Modern period—Growth of major literary forms; change of Themes, diction and style.
- (b) Manipuri Folk Literature :
Legend, Folktale, Folksong, Ballad, Proverb and Riddle.
- (c) Aspects of Manipuri Culture :
Pre-Hindu Manipuri Faith; Advent of Hinduism and the process of syncreticism;
Performing arts—Lai Haraoba, Maha Ras;
Indigenous games—Sagol Kangjei, Khong Kangjei, Kang.

PAPER II**(Answers must be written in Manipuri)**

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test candidate's critical ability to assess them.

Section A**Old and Medieval Manipuri Literature :****(a) Old Manipuri Literature :**

1. O. Bhogeswar Singh (Ed.) : Numit Kappa
2. M. Gourachandra Singh (Ed.) : Thawanthaba Hiran
3. N. Khelchandra Singh (Ed.) : Naothingkhong Phambal Kaba
4. M. Chandra Singh (Ed.) : Panthoibi Khonggul

(b) Medieval Manipuri Literature :

1. M. Chandra Singh (Ed.) : Samsok Ngamba
2. R.K. Snahal Singh (Ed.) : Ramayana Adi Kanda
3. N. Khelchandra Singh (Ed.) : Dhananjay Laibu Ningba
4. O. Bhogeswar Singh (Ed.) : Chandrakirti Jila Changba

Section B**Modern Manipuri Literature :****(a) Poetry and Epic :****(I) Poetry :**

- (a) Manipuri Sheireng (Pub) Manipuri Sahitya Parishad, 1998 (ed.)

Kh. Chaoba Singh	: Pi Thadoi, Lamgi Chekla Amada, Loktak
Dr. L. Kamal Singh	: Nirjanata, Nirab Rajani.
A. Minaketan Singh	: Kamalda, Nonggumlaikkhoda.
L. Samarendra Singh	: Ingagi Nong, Mamang Leikai Thambal Satle
E. Nilakanta Singh	: Manipur, Lamangnaba
Shri Biren	: Tangkhul Hui.
Th. Ibopishak	: Anouba Thunglaba Jiba.

(b) Kanchi Sheireng. (Pub) Manipur University 1998 (ed.)

- | | |
|--------------------|-------------------------|
| Dr. L. Kamal Singh | : Biswa-Prem |
| Shri Biren | : Chaphadraba Laigi Yen |
| Th. Ibopishak | : Norok Patal Prithivi |

(II) Epic :

1. A. Dorendrajit Singh : Kansa Bodha
2. H. Anganghal Singh : Khamba-Thoibi Sheireng (San-Senba, Lei Langba, Shamu Khonggi Bichar)

(III) Drama :

1. S. Lalit Singh : Areppa Marup
2. G.C. Tongbra : Matric Pass
3. A. Samarendra : Judge Saheb ki Imung

(b) Novel, Short-story and Prose :**(I) Novel :**

1. Dr. L. Kamal Singh : Madhabi
2. H. Anganghal Singh : Jahera
3. H. Guno Singh : Laman
4. Pacha Meetei : Imphal Amasung, Magi Ishing, Nungsitki Phibam

(II) Short-story :

- (a) Kanchi Warimacha (Pub) Manipur University 1997 (ed.)

R.K. Shitaljit Singh	: Kamala Kamala
M.K. Binodini	: Eigi Thahoudraba Heitup
	Lalu
Kh. Prakash	: Wanom Shareng

- (b) Parishadki Khangatlabha Warimacha (Pub) Manipuri Sahitya Parishad 1994 (ed.)

S. Nilbir Shastri : Loukhatpa
R.K. Elangba : Karinunggi

- (c) Anouba Manipuri Warimacha (Pub) The Cultural Forum Manipur 1992 (ed.)

N. Kunjamohon Singh : Ijat Tanba
E. Dinamani : Nongthak Khongnang

(III) Prose :

- (a) Warenggi Saklon [Due Part] (Pub) The Cultural Forum Manipur 1992 (ed.)

Kh. Chaoba Singh : Khamba-Thoibigi Wari
Amasung Mahakavya

- (b) Kanchi Wareng (Pub) Manipur University, 1998 (ed.)

B. Manisana Shastri : Phajaba
Ch. Manihar Singh : Lai-Haraoba

- (c) Apunba Wareng (Pub) Manipur University, 1986 (ed.)

Ch. Pishak Singh : Samaj Amasung Sanskriti
M.K. Binodini : Thoibidu Warouhouida
Eric Newton : Kalagi Mahousa (translated
by I.R. Babu)

- (d) Manipuri Wareng (Pub) The Cultural Forum Manipur 1999 (ed.)

S. Krishnamohan Singh : Lan

MARATHI

PAPER I

(Answers must be written in Marathi)

Section A

Language and Folk-lore

- (a) Nature and Functions of Language
(with reference to Marathi)

Language as a signifying system : Langue and Parole; Basic functions; Poetic Language; Standard Language and dialect; Language variations according to social parameters.

Linguistic features of Marathi in thirteenth century and seventeenth century.

- (b) Dialects of Marathi

Ahirani; Varhadi; Dangi.

- (c) Marathi Grammar

Parts of Speech; Case-system; Prayog-vichar (Voice).

- (d) Nature and kinds of Folk-lore

(with special reference to Marathi)

Lok-Geet, Lok Katha, Lok Natya.

Section B

(History of Literature and Literary Criticism)

- (a) History of Marathi Literature

1. From beginning to 1818 AD, with special reference to the following : The Mahanubhava writers, the Varkari poets, the Pandit poets, the Shahirs, Bakhar literature.

2. From 1850 to 1990, with special reference to developments in the following major forms : Poetry, Fiction (Novel and Short Story), Drama; and major literary currents and movements, Romantic, Realist, Modernist, Dalit, Gramin, Feminist.

- (b) Literary Criticism

1. Nature and function of Literature;
2. Evaluation of Literature;
3. Nature, Objectives and Methods of Criticism;
4. Literature, Culture and Society.

PAPER II

(Answer must be written in Marathi)

Textual study of prescribed literary works.

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

(Prose)

- (1) 'Smritisthala'
- (2) Mahatma Jotiba Phule
'Shetkaryacha Asud'
'Sarvajanic Satyadharma'
- (3) S.V. Ketkar
'Brahmankanya'
- (4) P.K. Atre
'Sashtang Namaskar'
- (5) Sharchchandra Muktibodh
'Jana Hey Volatu Jethe'
- (6) Uddhav Shelke
'Shilan'
- (7) Baburao Bagul
'Jevha Mi Jaat Chorli Hoti'
- (8) Gouri Deshpande
'Ekek Paan Galavaya'
- (9) P.I. Sonkamble
'Athavaninche Pakshi'

Section B

(Poetry)

- (1) 'Namadevanchi Abhangawani'
Ed: Inamdar, Relekar, Mirajkar
Modern Book Depot, Pune
- (2) 'Painjan'
Ed : M.N. Adwant
Sahitya Prasar Kendra, Nagpur

- (3) 'Damayanti-Swayamvar'
By Raghunath Pandit
- (4) 'Balakvinchi Kavita'
By Balkavi
- (5) 'Vishakha'
By Kusumagraj
- (6) 'Maridgandh'
By Vinda Karandikar
- (7) 'Jahimama'
By Narayan Surve
- (8) 'Sandhyakalchya Kavita'
By Grace
- (9) 'Ya Sattet Jeev Ramat Nahi'
By Namdev Dhasal

NEPALI**PAPER I**

(Answers must be written in Nepali)

Section A

- History of the origin and development of Nepali as one of the new Indo Aryan Languages.
- Fundamentals of Nepali Grammar and phonology :
 - Nominal forms and categories :—
Gender, Number, Case, Adjectives, Pronouns, Avyayas
 - Verbal forms and categories :—
Tense, Aspects, Voice, Roots and Fixes
 - Nepali Swara and Vyanjana;
- Major Dialects of Nepali
- Standardisation and Modernisation of Nepali with special reference to language movements (viz. Halanta Bahiskar, Jharrova etc.)
- Teaching of Nepali language in India—Its history and development with special reference to its socio-cultural aspects.

Section B

- History of Nepali literature with special reference to its development in India.
- Fundamental concepts and theories of literature :
Kavya/Sahitya, Kavya Prayojan, Literary genres, Shabda Shakti, Rasa, Alankara, Tragedy, Comedy, Aesthetics, Stylistics.
- Major literary trends and movements—
Swachchhandatavad, Yatharthavad, Astitwavad, Ayamik Movement Contemporary Nepali writings, Postmodernism.
- Nepali folklores (the following folk-form only)—
Sawai, Jhyaurey, Selo, Sangini, Lahari.

PAPER II

(Answers must be written in Nepali)

This paper will require first hand reading of the texts prescribed below and questions will be designed to test the candidate's critical acumen.

Section A

- Santa Jnandil Das — Udaya Lahari
- Lekhnath Poudyal — Tarun Tapasi
(Vishrams III, V, VI, XII, XV, XVIII only)
- Agam Sing Giri — Jaleko Pratibimba Royeko
Pratidhwani (The following Poems only—
Prasawako
Chichyahatsanga
Byunjheko Ek Raat,
Chhorolai, Jaleko
Pratibimba : Royeko
Pratidhwani, Hamro
Akashmani Pani Hunchha
Ujyalo, Tihar).
- Haribhakta Katuwal — Yo Zinadagi Khai Ke
Zindagi : (The following poems only—Jeevan : Ek
Dristi, Yo Zindagi Khai
Ke Zindagi, Akashka Tara
Ke Tara, Hamilai Nirdho
Nasamjha, Khai Manyata
Yahan Atmahutiko
Balidan Ko).
- Balkrishna Sama — Prahlad.
- Manbahadur Mukhia — Andhyaroma
Banchneharu (The following One-Act only—
Andhyaroma
Banchneharu 'Suskeru')

Section B

- Indra Sundas — Sahara.
- Lilbahadur Chhetri — Brahmaputrako
Chheuchhau
- Rupnarayan Sinha — Katha Navaratna
(The following stories only—Biteka
Kura, Jimmewari Kasko,
Dhanamatiko Cinema—
Swapna,
Vidhwasta Jeevan).

4. Indrabahadur Rai -- Vipana Katipaya (The following stories only-- Raatbhari Huri Chalyo, Jayamaya Aphumatra Lekhapani Aipugi, Bhagi, Ghosh Babu, Chhutuaiyo).
5. Sanu Lama -- **Katha Sampaad** (The following stories only-- Swasni Manchhey, Khani Tarna Ekdin, Phurbale Gaun Chhadyo, Asinapo Manchhey).
6. Laxmi Prasad Devkota -- **Laxmi Nibandha Sangraha** (The following essays only-- Sri Ganesha Namha, Nepali Sahityako Itihasa Sarvashrestha Purus, Kalpana, Kala Ra Jeevan, Gadha Buddhiman ki Guru?)
7. Ramkrishna Sharma -- **Das Gorkha** (The following essays only-- Kavi, Samaj Ra Sahitya, Sahityama Sapekshata, Sahityik Ruchiko Praudhata, Nepali Sahityako Pragati).

ORIYA**PAPER I**

(Answers must be written in Oriya)

Section A**History of Oriya Language**

- (i) Origin and development of Oriya Language-- Influence of Austric, Dravidian, Perso-- Arabic and English on Oriya Language.
- (ii) Phonetics and Phonemics : Vowels, Consonants Principles of changes in Oriya sounds.
- (iii) Morphology : Morphemes (free, bound compound and complex), derivational and inflectional affixes, case inflection, conjugation of verb.
- (iv) Syntax : Kinds of sentences and their transformation, structure of sentences.
- (v) Semantics--Different types of change in meaning. Euphemism.
- (vi) Common errors in spellings, grammatical uses and construction of sentences.
- (vii) Regional variations in Oriya Language (Western, Southern and Northern Oriya) and Dialects (Bhatri and Desia).

Section B**History of Oriya Literature**

- (i) Historical backgrounds (social, cultural and political) of Oriya Literature of different periods.
- (ii) Ancient epics, ornate kavyas and padavalis.
- (iii) Typical structural forms of Oriya Literature (Koili, Chautisa, Poi, Chaupadi, Champu).
- (iv) Modern trends in poetry, drama short story, novel, essay and literary criticism.

PAPER II

(Answers must be written in Oriya)

Critical Study of texts--

The paper will require first hand reading of the text and test the critical ability of the candidate.

Section A**Poetry****(Ancient)**

1. Sārālā Dās--Shanti Parva from Mahābhārata.
2. Jaganāth Dās--Bhāgabata, XI Skadhā--Jadu Avadhuta Sambāda.

(Medieval)

3. Dinakrushna Dās--Raskallola-- (Chhāndas --16 & 34)
4. Upendra Bhanja--Lāvanyabati (Chhāndas --1 & 2).

(Modern)

5. Rādhānath Rāy--Chandrabhāgā.
6. Māyādhār Mānasinha--Jeevan--Chitā.
7. Sāchidananda Routray--Kabitā--1962.
8. Ramākānta Ratha--Saptama Ritu.

Section B**Drama :**

9. Manoranjan Dās--Kāthū-Ghoda.
10. Bijay Mishra--Tata Niranjanā.

Novel :

11. Fakir Mohan Senāpati--Chhamāna Āthaguntha.
12. Gopināth Mohānty--Dānāpani.

Short Story :

13. Surendra Mohānty--Marālara Mrityu.
14. Manoj Dās--Laxmira Abhisāra.

Essay :

15. Chittaranjan Dās--Tranga O Tadit (First Five essays).
16. Chandra Sekhar Rath--Mun Satyadharmā Kahuchhi (First five essays).

PALI**PAPER-I****(Pali Language)**

N.B. All answers must be written in Pāli language in Devanāgarī or Roman Script

Section A

1. Origin and Homeland of Pāli and its characteristics.
2. Pāli Grammar—(i) Technical Terms of Pāli Grammar—Akkhara, Sara, Vyanjana, Niggahita, Nāma, Sabbanāma Akhyāta, Upasagga, Nipāta, Abyaya, (ii) Kāraka, (iii) Samāsa, (iv) Sandhi, (v) Taddhita (Apaccabodhaka—and Adhikārabodhaka- Paccaya); (vi) Etymological derivation of the following words :—
Buddho, Bhikkhu, Sāmanero, Satthā, Dhammo, Latāya, Purisānam, Tumhe, Amhebbhi, Muninā, Rattisū, Phalāya, Atthisu, Raññam, Sangho.
3. Translation of two Pāli unseen passages into English.

Section B

4. Essay consisting of 300 words on any one of the following:—
(a) Bhagavā Buddhō, (b) Tilakkhaṇm, (c) Ariyo atthagiko maggo, (d) Cattāri ariyāsaccāni, (e) Kammavādo (f) Pattecasamuppādo, (g) Nibbānam paramaim sukhā, (h) Tipiteka, (i) Dhammapadam, (j) Majjhima—Patipad.
5. Summary of Pāli passages.
6. Explanation of Pāli verses in Pāli.
7. The meaning of following indeclinables (*Abyaya* and *Nipāta*) and their use in candidates' own Pāli sentences:
(i) Athā, (ii) Antarā, (iii) Addhā, (iv) Kadā, (v) Kittāvātā, (vi) Ahorattam, (vii) Divā, (viii) Yathā, (ix) Ce, (x) Seyyāhīdam, (xi) Vinā, (xii) Kudācanam, (xiii) Saddhīm, (xiv) Antarena, (xv) Kho, (xvi) Mā, (xvii) Evaṃ, (xviii) Ettha, (xix) Kira, (xx) Pana.

PAPER II**(Pali Literature)**

There will be two compulsory questions which must be answered in Pāli Language in Devanāgarī or Roman Script. The remaining questions must be attempted either in Pāli or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A

- (i) Life and teachings of Buddha from the Pāli sources.
- (ii) History of Pāli Literature—Canonical and Non-Canonical with reference to the following books and authors :
Mahāvagga, Cullavagga, Pātimokkha, Dāgha-Nikāya, Dhammapada, Jātaka, Teragāthā, Therāgāthā, Dāpavamsa, Mahāvamsa, Dāthavamsa, Sāsnavamsa, Milindapañha, Pebakopadesa, Nettippakāraṇa, Buddhādatta, Buddhaghosa and Dhammapāla.

Section B

1. Textual questions, critical comments and annotated translations would be asked from the following prescribed texts :—
(i) Dīgha-Nikāya (Only the Sāmaññaphala-Sutta)
(ii) Sutta-nipāta (Only the Khaggavisāṇa-Sutta and Dhaniya-Sutta)
(iii) Dhammapada (Only the first five Vagga-s)
(iv) Milindapañha (Only the Lakkhaṇa-pañha)
(v) Mahāvamsa (Only the Tatiya-Saṅgīti)
(vi) Abhidhammattha-Saṅgaha (First, Second and Sixth Chapters).
(vii) Pāli Prosody : Vuttodaya-Anutthubha, indavajirā, Upendavajirā, Vasantatilakā, Mālinī, Sikharini, Upajāti, Totaka, Dodhaka Vamsattha.
(viii) Pāli Rhetoric : Subodhālankāra—Yamaka, Anuppāsa, Rupaka, Upama, Atisayutti, Vyatireka, Nidassana, Atthantaranyāsa, Dipaka, Dīthanta.

2. Short Notes on Buddhist concepts dealt with in the prescribed texts.

3. Explanation of Pāli Verses from the prescribed texts.

PERSIAN**PAPER I**

There will be two questions indicated in question paper which must be answered in Persian. The remaining questions must be answered either in Persian or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A

1. (a) Description of the origin and development of Persian language (to be answered in Persian).
(b) Applied Grammar, Rhetorics, Prosody, Idioms and Phrases frequently used.
(i) Grammar : Ism and its kinds. Zamir-e-Muttasil and Munfasil, Murakkabi-Tausifi, Murakkab-i-Izafi. Ismi-Isharā Musharun Elaih, Fel and its kinds, Tenses, Gardan, singular and plural Jumleh and its kinds.
(ii) Rhetorics : Tajnees, Ishteqaq, Luzum-mala-yalzum, Seyaqatul Aaad, Qalb, Tarsee, Esteaara, Maratun Nazir, Laff-o-Nashr, Iham, Husn-o-Tajahulil Tajahuli Aarefaneh, Talmih, Tansiqus Sifat.
(iii) Prosody : Bahri-Muzara, Ramal, Mutaqarib, Tawil, Hazaj, Kamil.

Section B

1. Short essay in Persian---250 words (to be answered in Persian).
2. History of Persian Literature in Iran and India; Literary Criticism and styles; trends in classical and modern literature; socio-cultural influences; development of modern literary genres including drama, novel, short story.

PAPER II

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability. There will be two compulsory questions— one each in textual portions of prose and poetry which are to be answered in Persian. The remaining questions are to be answered either in Persian or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A**PROSE**

1. Nizami Arooz Samarqandi : Chahar Maqala :
(i) Dabiri
(ii) Shaa'iri
2. Qabus. b. Washmgir : Qabus Nama :
(i) Dar Shinakhtan-e-Haqq-e-Pidar-wa-Madar
(ii) Dar Bishi Justan Az Sukhandani
(iii) Dar Talib Ilmi Wa Faqih Wa Fuqaha
3. Sadi Shirazi : Gulistan :
(i) Dar Tasir-e-Suhbat
4. Modh. Awfi : Jawameul Hikayat :
(i) First Ten Hikayaat
5. Ziauddin Burney : Tarikh-i-Firozshahi :
(i) Wasaya-i-Sultan Balban Be Farzand-e-Buzurg
6. Abul Fazl : Ain-e-Akbari :
(i) Ain-Khazina-i-Abadi
(ii) Ain-e-Shabistan-e-Iqbal
(iii) Ain-e-Manzil Dar Yurishha
(iv) Ain-e-Cheragh Afrozi
7. Sadiq-i-Hedayat :
(i) Dash Akul
(ii) Girdab
8. Mohd. Hijazi :
(i) Khudkushi
(ii) Pezeshk-e-Chashm.

Section B**POETRY**

1. Firadausi : Shahnama :
(i) Rustam-o-Sohrab
2. Khayyam : Rubaaiyat (Radif Alif and Be)
3. Saadi Shirazi : Bustan :
'Dar Adi-u-Tadbir-u-Rai'

4. Amir Khusrau : Majmua-i-Diwan-e-Khusrau.
(Radif Dal)
5. Maulana Rum : Mathnawi Maanawi
(First Half of Daftar Duwum)
6. Hafiz : (Radif Alif and Dal)
7. Urfi Shirazi : Qasaaid :
(i) Iqbal-e-Karam Migazad Arbabi-Himam Ra.
(ii) Har Sukhta Jane Ki Ba Kashmir Dar Ayad.
(iii) Sabah-e-Idd Ke Dar Takiyagah-e-Naz-u-Naeem.
8. Ghalib : Ghazaaliyat (Radif Alif)
9. Bahar Mashhadi :
(i) Jughd-e-Jung
(ii) Sukoot-e-Shab
(iii) Damawandiye
(iv) Dukhtar-e-Basra
10. Furugh-e-Farrukhzad :
(i) Dar Barabar-e-Khuda
(ii) Diw-e-Shab
11. Nimayushij :
(i) Qu
(ii) Khar-Kan

NOTE :—Textual portions of prose and poetry are to be explained in Persian compulsorily.

PUNJABI**PAPER I**

Answers must be written in Punjabi in Gurumukhi script

Section A

- (a) Origin of Punjabi language; different stages of development and recent development in Punjabi language; characteristics of Punjabi phonology and the study of its tones; classification of vowels and consonants.
- (b) Punjabi morphology; the number-gender system (animate and inanimate), prefixes, affixes and different categories of Post positions; Punjabi word formation; **Tatsam. Tad Bhav.** forms; Sentence structure, the notion of subject and object in Punjabi; Noun and verb phrases.
- (c) Language and dialect : the notions of dialect and idiolect: major dialects of Punjabi : Pothohari, Majhi, Doabi, Malwai, Paudhi; the validity of speech variation on the basis of social stratification, the distinctive features of various dialects with special reference to tones Language and script; origin and development of Gurumukhi; Suitability of Gurumukhi for Punjabi

(d) Classical background : Nath Jogi Sahit.

Medieval literature : Gurmat, Suti, Kissa and Var : janamsakhis.

Section B

- (a) Modern trends Mystic, romantic, progressive and neomystic (Vir Singh, Puran Singh, Mohan Singh, Amrita Pritam, Bawa Balwant, Pritam Singh Safeer, J. S. Neki).
Experimentalist (Jasbir Singh Ahluwalia, Ravinder Ravi, Ajaib Kamal).
Aesthetes (Harbhajan Singh, Tara Singh). Neo-progressive (Pash, Jagtar, Patar).
- (b) Folk literature Folk songs, Folk tales, Riddles, Proverbs.
Epic (Vir Singh, Avtar Singh Azad, Mohan Singh).
Lyric (Gurus, Sufis and Modern Lyricists—Mohan Singh, Amrita Pritam, Shiv Kumar, Harbhajan Singh).
- (c) Drama (I.C. Nanda, Harcharan Singh, Balwant Gargi, S.S. Sekhon, Charan Das Sidhu).
Novel (Vir Singh, Nanak Singh, Jaswant Singh Kanwal, K.S. Duggal, Sukhbir, Gurdial Singh, Dalip Kaur Tiwana, Swaran Chandan).
Short Story (Sujan Singh, K. S. Virk, Prem Parkash, Waryam Sandhu).
- (d) Socio-cultural Sanskrit, Persian and Western.
Literary influences; Essay (Puran Singh, Teja Singh, Gurbaksh Singh).
Literary Criticism (S.S. Sekhon, Attar Singh, Kishan Singh, Harbhajan Singh, Najam Hussain Sayyad).

PAPER-II

Answered must be written in Punjabi in Gurumukhi script

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

- (a) Sheikh Farid The complete Bani as included in the Adi Granth.
(b) Guru Nanak Japu Ji. Baramah. Asa di Var.
(c) Bulleh Shah Kafian
(d) Waris Shah Heer

Section B

- (a) Shah Mohammad Jangnama (Jang Singhan te Firangian)
Dhani Ram Chatrik Chandan Vari
(Poet) Sufi Khana
Nawan Jahan
- (b) Nanak Singh Chitta Lahu
(Novelist) Pavittar Papi
Ek Mian Do Talwaran
- (c) Gurbaksh Singh Zindagi-di-Ras
(Essayist) Nawan Shivala
Merian Abhul Yadaan.
Balraj Sahni Mera Roosi Safarnama
(Travelogue) Mera Pakistani Safarnama
- (d) Balwant Gargi Loha Kutt
(Dramatist) Dhuni-di-Agg
Sultan Razia
Sant Singh Sekhon Sahityarth
(Critic) Parsidh Punjabi Kavi
Punjabi Kav Shiromani.

RUSSIAN

PAPER-I

Answers must be written in Russian except in the case of question requiring translation from Russian to English

(Language and Culture)

Section A

- Modern Russian Language :
Phonetics, Morphology, Syntax Lexicology, Lexicography and Semantics, linguistics.
- Translation from Russian into English and vice versa.

Section B

- Social-political and economical development of the Russian Federation : Patriotic war of 1812, October Revolution, Perestroika and Glasnot, disintegration of USSR. Regional & Cultural variations of the Russian Federation.
- Essay on general topics.

PAPER-II

Answers must be written in Russian

(Literature)

Section A

Literary History and Literary Criticism.

Literary movements, Sentimentalism, Romanticism, Naturalism, Realism, Critical Realism, Socialism, Acmeism, Symbolism, Futurism; Origin and development of literary genres : Folk literature, Lyrics and poems—A.S. Pushkin, M.U. Lermontov, Alexander Blok, Esenin, V. Mayakovsky, Anna Akhmatova. Epic—L.N. Tolstoy, M. Sholokhov. Short story,

novelet, novels—Pushkin, Lermontov, N.V. Gogol, S. Shchedrin, I. Goncharov, I. Turgenev, F.M. Dostoevsky, L.N. Tolstoy, A.P. Chekov, M. Gorkay, M. Sholokhov, I. Bunin, E. Zamyatin, Boris Pasternak, A. Solzhenitsyn, M. Bulgakov, Chingiz Aitmatov, V. Rasputin, V. Shukshin, Criticism—Belinsky, Dobrolyubov, Chernyshevsky, Pisarev. Drama—Chekhov, Gogol. Influence of socio-political movements on literature.

Section B

This part will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

- | | |
|----------------------|--|
| 1. A.S. Pushkin | Evgeny Onegin |
| 2. M.U. Lermontov | Hero of our times |
| 3. N.V. Gogol | Revizor |
| 4. I.S. Turgenev | Fathers and Sons |
| 5. F.M. Dostoevsky | Crime and Punishment |
| 6. L.N. Tolstoy | i. War and Peace
ii. Resurrection |
| 7. A.P. Chekhov | i. Toska
ii. Smert Chinovnika
iii. Chameleon |
| 8. A.M. Gorky | Mother |
| 9. A. Blok | The twelve |
| 10. B.B. Mayakovsky | i. Cloud in pants
ii. Good |
| 11. M. Sholokhov | Fate of a man |
| 12. B. Pasternak | Doctor Zhivago |
| 13. Solzhenitsyn | One day in the life of
Ivan Danisovich |
| 14. V. Rasputin | Zhivi i Pomni |
| 15. Chingiz Aitmatov | Bely Porokhod |
| 16. V. Shukshin | Chudik |

SANSKRIT

PAPER-I

There will be three questions as indicated in the Question Paper which must be answered in Sanskrit. The Remaining questions must be answered either in Sanskrit or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A

- Significant features of the grammar, with particular stress on Sanjna, Sandhi, Karaka, Samasa, Kartari and Karmani vacyas (voice usages) (to be answered in Sanskrit).
- (a) Main characteristics of Vedic Sanskrit language
(b) Prominent feature of classical Sanskrit language
(c) Contribution of Sanskrit to linguistic studies
- General Knowledge of :—
(a) Literary history of Sanskrit
(b) Principal trends of literary criticism
(c) Ramayana
(d) Mahabharata

- (e) The origin and development of literary genres of
Mahakavya
Rupaka (drama)
Katha
Akhyayika
Campu
Khandakavya
Muktaka Kavya.

Section B

- Essential of Indian Culture with stress on
(a) Purusārthas
(b) Samskāras
(c) Varnāśramavyavasthā
(d) Arts and fine arts
(e) Technical Sciences.
- Trends of Indian Philosophy
(a) Mīmāṃsā
(b) Vedānta
(c) Nyaya
(d) Vaiśeṣika
(e) Sāṅkhya
(f) Yoga
(g) Bauddha
(h) Jaina
(i) Carvāka
- Short Essay (in Sanskrit)
- Unseen passage with the questions (to be answered in Sanskrit).

PAPER-II

Question from Group 4 is to be answered in Sanskrit only. Questions from Groups 1, 2 and 3 are to be answered either in Sanskrit or in the medium opted by the candidate.

Section A

General study of the following groups :—

- | | | |
|----------------|-----|---------------------------------------|
| Group 1 | (a) | Raghuvamsam—Kalidasa |
| | (b) | Kumarasambhavam—Kalidasa |
| | (c) | Kiratarjuniyam—Bharavi |
| | (d) | Sisupalavadham—Magha |
| | (e) | Naisadhiyacaritam—Sriharsa |
| Group 2 | (f) | Kadambari—Banabhatta |
| | (g) | Dasakumaracaritam—Dandin |
| | (h) | Sivarajyodayam—S.B. Varnekar |
| | (a) | Isāvāsyopanisad |
| | (b) | Bhagavadgītā |
| Group 3 | (c) | Sundarakanda of Valmiki's
Ramayana |
| | (d) | Arthashastra of Kautilya |
| | (a) | Svapnavasavadattam—Bhasa |
| | (b) | Abhijnanasakuntalam—Kalidasa |
| | | |

- (c) Mricchakatikam—Sudraka
 (d) Mudraraksasam—Visakhadatta
 (e) Uttararamacaritam—Bhavbhuti
 (f) Ratnavali—Sriharshavardhana
 (g) Venisamharam—Bhattanarayana
- Group 4** Short notes in Sanskrit on the following :—
 (a) Meghadutam— Kalidasa
 (b) Nitisatakam—Bhartrhari
 (c) Pancatantra—
 (d) Rajatarangini—Kalhana
 (e) Harsacaritam—Banabhatta
 (f) Amarukasatakam—Amaruka
 (g) Gitagovindam—Jayadeva.

Section B

This section will require first hand reading of the following selected texts :— (Questions from Groups 1 & 2 are to be answered in Sanskrit only) Questions from Groups 3 and 4 are to be answered either in Sanskrit or in the Medium opted by the candidate.

- Group 1** (a) Raghuvamsam—Canto 1, Verses 1 to 10
 (b) Kumarasambhavam—Canto I, Verses 1 to 10
 (c) Kiratarjuniya—Canto I, Verses 1 to 10
- Group 2** (a) Isavasyopanisad—Verses—1, 2, 4, 6, 7, 15 and 18
 (b) Bhagavatgita II Chapter Verses 13 to 25
 (c) Sundarakandam of Valmiki Canto 15, Verses 15 to 30 (Geeta Press Edition)
- Group 3** (a) Meghadutam—Verses 1 to 10
 (b) Nitisatakam—Verses 1 to 10 (Edited by D.D. Kosambi Bharatiya Vidya Bhavan Publication)
 (c) Kadambari—Sukanasopadesa (only)
- Group 4** (a) Svapnavasavadattam Act VI
 (b) Abhijnansakuntalam Act IV Verses 15 to 30 (M.R. Kale Edition)
 (c) Uttararamacaritam Act I Verses 31 to 47 (M.R. Kale Edition).

SANTALI

PAPER I

(Answers must be written in Santali)

Section A

Part-I—History of Santali Language

1. Main Austric Language family, population and distribution.

2. Grammatical structure of Santali Language.
 3. Important character of Santali Language: Phonology, Morphology, Syntax, Semantics, Translation, Lexicography.
 4. Impact of other languages of Santali.
 5. Standardization of Santali Language.

PART-II—History of Santali Literature

1. Literary trend of the following four periods of history of Santali Literature.
 (a) Ancient Literature before 1854.
 (b) Missionary period Literature between 1855 to 1889 AD.
 (c) Medieval period: Literature between 1890 to 1946 AD.
 (d) Modern period : Literature from 1947 AD to till date.
2. Writing tradition in History of Santali literature.

Section-B

Literary forms—Main characteristics, history and development of following literary forms.

Part-I

Folk Literature in Santali—folk song, folk tale, phrase, idioms puzzles, and Kudum.

Part-II

Modern literature in Santali

1. Development of poetry and prominent poets.
 2. Development of prose and prominent writers.
 (i) Novels and prominent Novelists.
 (ii) Stories and prominent story writers.
 (iii) Drama and Prominent Dramatist.
 (iv) Criticism and prominent critics.
 (v) Essay, sketches, memoirs, travelogues and prominent writers.

Santali writers

Shyam Sundar Hembram, Pandit Raghunath Murmu, Barha Beshra, Sadhu Ramchand Murmu, Narayan Soren 'Toresutam', Sarda Prasad Kisku, Raghunath Tudu, Kalipada Soren, Sakla Soren, Digamber Hansda, Aditya Mitra 'Santali', Babulal Murmu 'Adivasi', Jadumani Beshra, Arjun Hembram, Krishna Chandra Tudu, Rupchand Hansda, Kalendra Nath Mandi, Mahadev, Hansda, Gour Chandra Murmu, Thakur Prasad Murmu, Hara Prasad Murmu, Uday Nath Majhi, Parimal Hembram, Dharendra Nath Baske, Shyam Charan Hembram, Damayanti Beshra, T.K. Rapaj, Boyha Biswanath Tudu.

Part-III

Cultural Heritage of Santali tradition, customs, festival and rituals (birth, marriage and death).

PAPER II

(Answers must be written in Santali)

Section A

This paper will require in-depth reading of the following texts and the questions will be designed to test the candidates' critical ability.

Ancient Literature :**Prose**

- (a) Kherwal Bonso Dhorom Puthi—Majhi Ramdas Tudu "Rasika".
- (b) Marc Hapramko Reyak Katha—L.O. Srafsrud.
- (c) Jomsim Binti Lita—Mangal Chandra Turkulumang Soren.
- (d) Marang Buru Binti—Kanailal Tudu.

Poetry

- (a) Karam Sereng—Nunku Soren.
- (b) Devi Dasain Sereng—Manindra Hansda.
- (c) Horh Sereng—W.G. Archer.
- (d) Baha Sereng—Balaram Tudu.
- (e) Dong Sereng—Padmashri Bhagwat Murmu 'Thakur'.
- (f) Hor Sereng—Raghunath Murmu.
- (g) Soros Sereng—Babulal Murmu "Adivasi".
- (h) More Sin More Ndia—Rup chand Hansda.
- (i) Judasi Madwa Latar—Tez Narayan Murmu.

Section B**Modern Literature****Part I—Poetry**

- (a) Onorhen Baha Dhalwak—Paul Jujhar Soren.
- (b) Asar Binti—Narayan Soren "Tore Sutam".
- (c) Chand Mala—Gora Chand Tudu.
- (d) Onto Baha Mala—Aditya Mitra "Santali".
- (e) Tiryo Tetang—Hari Har Hansda.
- (f) Sisirjon Rar—Thakur Prasad Murmu.

Part II—Novels

- (a) Harmawak Ato—R.Karstians (Translator—R.K. Kisku Rapaz).
- (b) Manu Mati—Chandra Mohan Hansda.
- (c) Ato Orak—Doman Hansdak.
- (d) Ojoy Gada Dhiph re—Nathaniel Murmu.

Part III—Stories

- (a) Jiyon Gada—Rup Chand Hansda and Jadumani Beshra.
- (b) Mayajaal—Doman Sahu 'Samir' and Padmashri Bhagwat Murmu 'Thakur'.

Part IV—Drama

- (a) Kherwar Bir—Pandit Raghunath Murmu
- (b) Juri Khatir—Dr. K.C. Tudu.
- (c) Birsa Bir—Ravi Lal Tudu.

Part V—Biography

Santal Ko Ren Mayam Gohako—Dr. Biswanath Hansda.

SINDHI**PAPER I**

Answers must be written in Sindhi
(Arabic or Devanagari Script)

Section A

1. (a) Origin and evolution of Sindhi language—views of different scholars.
- (b) Significant linguistic features of Sindhi language, including those pertaining to its phonology, morphology and syntax.
- (c) Major dialects of the Sindhi language.
- (d) Sindhi vocabulary—stages of its growth, including those in the pre-partition and post-partition periods.
- (e) Historical study of various Writing Systems (Scripts) of Sindhi.
- (f) Changes in the structure of Sindhi language in India, after partition, due to influence of other languages and social conditions.

Section B

2. Sindhi literature through the ages in context of socio-cultural conditions in the respective periods :

- (a) Early medieval literature upto 1350 A.D. including folk literature.
- (b) Late medieval period from 1350 A.D. to 1850 A.D.
- (a) Renaissance period from 1850 A.D. to 1947 A.D.
- (d) Modern period from 1947 and onwards.

(Literary genres in Modern Sindhi literature and experiments in poetry, drama, novel, short story, essay, literary criticism, biography, autobiography, memoirs and travelogues.)

PAPER II

Answer must be written in Sindhi
(Arabic or Devanagari script)

This paper will require the first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

References to context and critical appreciation of the texts included in this section.

(1) Poetry

- a. "Shah Jo Choond Shair" : ed. H.I. Sadarangani, Published by Sahitya Akademi (First 100 pages).
- b. "Sachal Jo Choond Kalam" : ed. Kalyan B. Advani Published by Sahitya Akademi (Kafis only).
- c. "Sami-a-ja Choond Sloka" : ed. B.H. Nagrani Published by Sahitya Akademi (First 100 pages).
- d. "Shair-e-Bewas" : by Kishinchand Bewas ("Saamoondi Sipoon" portion only).
- e. "Roshan Chhanvro" : Narayan Shyam.
- f. "Virhange Khapoi je Sindhi Shair jee Choond" : ed. H.I. Sadarangani, published by Sahitya Akademi.

(2) Drama

- g. "Behtareen Sindhi Natak" (One-act Plays) : Edited by M. Kamal Published by Gujarat Sindhi Academy.
- h. "Kako Kaloomal" (Full-length Play) : by Madan Jumani.

Section B

References to context and critical appreciation of the texts included in this section.

- a. 'Pakheera Valar Khan Vichhrya' (Novel) : by Gobind Malhi.
- b. 'Sat Deenhan' (Novel) : by Krishin Khatwani.
- c. 'Choond Sindhi Kahanyoon' (Short Stories) Vol. III. : Edited by Prem Prakash, published by Sahitya Akademi.
- d. 'Bandhan' (Short Stories) : Sundari Uttamchandani.
- e. 'Behtareen Sindhi Mazmoon' (Essays): Edited by Hiro Thakur, published by Gujarat Sindhi Academy.
- f. 'Sindhi Tanqeed' (Criticism) : Edited by Harish Vaswani : Published by Sahitya Akademi.
- g. 'Mumhinjee Hayati-a-ja Sona Ropa varqa' (Autobiography) : by Popati Hiranandani.
- h. "Dr. Choithram Gidwani" (Biography) : by Vishnu Sharma.

TAMIL**PAPER I**

Answers must be written in Tamil

Section A**Part 1: History of Tamil Language**

Major Indian Language Families—The place of Tamil among Indian Languages in general and Dravidian in particular—Enumeration and Distribution of Dravidian languages.

The language of Sangam Literature—The language of medieval Tamil : Pallava Period only —Historical study of Nouns, Verbs, Adjectives, Adverbs—Tense markers and case markers in Tamil.

Borrowing of words from other languages into Tamil—Regional and social dialects—difference between literary and spoken Tamil.

Part 2 : History of Tamil Literature

Tolkappiyam-Sangam Literature—The division of Akam and Puram—The secular characteristics of Sangam Literature—The development of Ethical literature—Silappadikaram and Manimekalai.

Part 3 : Devotional Literature (Alwars and Nayanamars)

The bridal mysticism in Alwar hymns—Minor literary forms (Tutu, Ula, Parani, Kuravanji).

Social factors for the development of Modern Tamil Literature; Novel, Short Story and New Poetry—The impact of various political ideologies on modern writings.

Section B**Part 1 : Recent trends in Tamil Studies**

Approaches to criticism : Social, psychological, historical and moralistic—the use of criticism—the various techniques in literature; Ullurai, Iraicchi, Thonnam (Myth) Otturuvagam (allegory), Angadam (Satire), Meyappadu, Padimam (image), Kuriyedu (Symbol), Irunmai (Ambiguity)—The concept of comparative literature-the principle of comparative literature.

Part 2 : Folk literature in Tamil

Ballads, Songs, proverbs and riddles—Sociological study of Tamil folklore. Uses of translation—Translation of Tamil works into other languages-Development of journalism in Tamil.

Part 3 : Cultural Heritage of the Tamils

Concept of Love and War—Concept of Aram-the ethical codes adopted by the ancient Tamils in their warfare-customs beliefs, rituals, modes of worship in the five Thinais.

The Cultural changes as revealed in post sangam literature—cultural fusion in the medieval period (Janism and Buddhism). The development of arts and architecture through the ages (Pallavas, later Cholas, and Nayaks). The impact of various political, social, religious and cultural movements on Tamil Society. The role of mass media in the cultural change of contemporary Tamil society.

PAPER II

Answers must be written in Tamil

The paper will require first-hand reading of the text prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidate.

Section A**Part 1 : Ancient Literature**

- (1) Kuruntokai (1—25 poems)
- (2) Purananuru (182—200 poems)
- (3) Tirukkural Porutpal; Arasiyalum Amaichiyalum (from Iramatchi to Avaianjanai).

Part 2 : Epic Literature

- (1) Silappadikaram : Madhurai Kadam only.
- (2) Kambaramayanam : Kumbakarunam Vadhai Padalam.

Part 3 : Devotional Literature

- (1) Tiruvasagam : Neethal Vinnappam
- (2) Tiruppavai : (Full Text).

Section B**Modern Literature****Part 1 : Poetry**

- (1) Bharathiar : Kannan Pattu
- (2) Bharathidasan : Kudumba Vilakku
- (3) Naa. Kamarasan : Karappu Malarkal

Prose

- (1) Mu. Varadharajanar : Aramum Arasiyalum
- (2) C. N. Annadurai : Ye! Thazhatha Tamilagame.

Part 2 : Novel, Short Story and Drama

- (1) Akilon : Chittairappavai
- (2) Jayakanthan : Gurupcedam
- (3) Cho : Yaurkkum Vetkamillai

Part 3 : Folk Literature

- (1) Muthuppattan kathai Edited by Na. Vanamamalai, (Publication : Madurai Kamaraj University).
- (2) Malaiyaruvi, Edited by Ki. Va Jagannathan (Publication : Saraswathi Mahal, Thanjavur).

TELUGU**PAPER I****Answer must be written in Telugu****Section A : Language**

1. Place of Telugu among Dravidian languages and its antiquity—Etymological History of Telugu, Tenu and Andhra.
2. Major linguistic changes in phonological, morphological, grammatical and syntactical levels, from Proto-Dravidian to old Telugu and from old Telugu to Modern Telugu.
3. Evolution of spoken Telugu when compared to classical Telugu—Formal and functional view of Telugu language.

4. Influence of other languages and its impact on Telugu.
5. Modernization of Telugu language :
 - (a) Linguistic and literary movements and their role in modernization of Telugu.
 - (b) Role of media in modernization of Telugu (News-papers, Radio, TV etc.)
 - (c) Problems of terminology and mechanisms in coining new terms in Telugu in various discourses including scientific and technical.
6. Dialects of Telugu—Regional and social variations and problems of Standardization.
7. Syntax—Major divisions of Telugu sentences—simple, complex and compound sentences—Noun and verb predications—Processes of nominalization and relativization—Direct and indirect reporting-conversion processes.
8. Translation—Problems of translation, cultural, social and idiomatic—Methods of translation—Approaches to translation—Literary and other kinds of translation—Various uses of translation.

Section B : Literature

1. Literature in Pre-Nannaya Period—Marga and Desi poetry.
2. Nannaya Period—Historical and literary background of Andhra Mahabharata.
3. Saiva poets and their contribution—Dwipada, Sataka, Ragada, Udaharana.
4. Tikkana and his place in Telugu literature.
5. Errana and his literary works—Nachana Somana and his new approach to poetry.
6. Srinatha and Potana—Their works and contribution.
7. Bhakti poets in Telugu literature—Tallapaka Annamayya, ramadasu, tyagayya.
8. Evolution of prabandhas—Kavya and prabandha.
9. Southern school of Telugu literature—raghunatha Nayaka, chemakura vankatakavi and women poets—Literary forms like yakshagana, prose and padakavita.
10. Modern Telugu Literature and literary forms—Novel, Short Story, Drama, Playlet and poetic forms.
11. Literary Movements : Reformation, Nationalism, Neo-classicism, Romanticism and Progressive, Revolutionary movements.
12. Digambarakavulu, feminist and dalit Literature.
13. Main divisions of folk literature—Performing folk arts.

PAPER II**Answer must be written in Telugu**

This paper will require first hand reading of the prescribed texts and will be designed to test the candidate's

critical ability, which will be in relation to the following approaches :-

- (i) Aesthetic approach—Rassa, Dhawani, Vakroti and Auchitya—Formal and Structural-Imagery and Symbolism.
- (ii) Sociological, Historical, Ideological, Psychological approaches.

Section A

1. Nannaya-Dushyanta Chritra (Adiparva 4th Canto verses 5—109).
2. Tikkana-Sri Krishna Rayabaramu (Udyoga parva-3rd Canto verses 1—144).
3. Srinath-Guna Nidhi Katha (Kasikhandam, 4th Canto, verses 76—133).
4. Pingali Surana-sugatri Salinulakatha (Kalapurnodayamu 4 Canto verses, 60—142).
5. Molla-Ramayanamu (Balakanda including avatarika).
6. Kasula Purushothama Kavi— Andhra Nayaka Satakamu.

Section B

7. Gurajada Appa Rao —Animutyalu (Short stories).
8. Viswanatha Satyanarayana— Andhra prasasti.
9. Devulapalli Krishna Sastry —Krishnapaksham (excluding Uravsi and Pravasam).
10. Sri Sri-Maha prastanam.
11. Jashuva-Gabbilam (Part I).
12. C. Narayana Reddy—Karpuravasanta rayalu.
13. Kanuparti Varalakshamma— Sarada lekhalu (Part I).
14. Atreya—N.G.O.
15. Racha Konda Viswanatha Sastry— Alpajacevi.

URDU

PAPER I

Answer must be written in Urdu

Section A

Development of Urdu Language

- (a) Development of Indo-Aryan
 - (i) Old Indo-Aryan
 - (ii) Middle Indo-Aryan
 - (iii) New Indo-Aryan.
- (b) Western Hindi and its dialects Brij Bhasha Khadi Boli, Haryanavi, Kannauji, Bundeli— Theories about the origin of Urdu language.
- (c) Dakhani Urdu—origin and development, its significant linguistic features.
- (d) Social and Cultural roots of Urdu language— and its distinctive features.

Script, Phonology, Morphology, Vocabulary.

Section B

(a) Genres and their development :

- (i) Poetry: Ghazal, Masnavi, Qasida, Marsia, Rubai Jadid Nazm.
 - (ii) Prose: Novel, Short Story, Dastan, Drama, Inshaiya, Khutoot, Biography.
- (b) Significant features of : (i) Deccani, Delhi and Lucknow schools. (ii) Sir Syed movement, Romantic movement, Progressive movement, Modernism.
 - (c) Literary Criticism and its development with reference to Hali, Shibli, Kaleemuddin Ahmad, Ehtisham Hussain, Ale-Ahmad Suroor.
 - (d) Essay writing (covering literary and imaginative topics).

PAPER II

Answer must be written in Urdu

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

- | | |
|------------------------|-----------------------------|
| 1. Mir Amman | Bagho-Babar |
| 2. Ghalib | Intikhab-e-Khutoot-e Ghalib |
| 3. Mohd. Husain Azad | Nairang-e-Khayal |
| 4. Prem Chand | Godan |
| 5. Rajendra Singh Bedi | Apne Dukh Mujhe Dedo |
| 6. Abul Kalam Azad | Ghubar-e-Khatir |

Section B

- | | |
|-----------------|---|
| 1. Mir | Intikhab-e-Kalam-e-Mir (Ed. Abdul Haq.) |
| 2. Mir Hasan | Sahrul Bayan |
| 3. Ghalib | Diwan-e-Ghalib |
| 4. Iqbal | Bal-e-Jibrail |
| 5. Firaq | Gul-e-Naghma |
| 6. Faiz | Dast-e-Saba |
| 7. Akhtaruliman | Bint-e-Lamhat |

MANAGEMENT

The candidate should make a study of the concept of development of Management as science and art drawing upon the contributions of leading thinkers of management and apply the concepts to the real life of government and business decision-making keeping in view the changes in the strategic and operative environment.

PAPER I**1. Managerial Function and Process :**

Concept and foundations of management, Evolution of Management Thoughts; Managerial Functions—Planning, Organizing, Controlling; Decision-making; Role of Manager, Managerial skills; Entrepreneurship; Management of innovation; Managing in a global environment, Flexible Systems Management; Social responsibility and managerial ethics; Process and customer orientation; Managerial processes on direct and indirect value chain.

2. Organisational Behaviour and Design :

Conceptual model of organization behaviour: The individual processes—personality, values and attitude, perception, motivation, learning and reinforcement, work stress and stress management; The dynamics of organization behaviour—power and politics, conflict and negotiation, leadership process and styles, communication; The Organizational Processes—decision-making, job design; Classical, Neoclassical and Contingency approaches to organizational design; Organizational theory and design—organizational culture, managing cultural diversity, learning organization; Organizational change and development; Knowledge Based Enterprise—systems and processes; Networked and virtual organizations.

3. Human Resource Management :

HR challenges; HRM functions; The future challenges of HRM; Strategic Management of human resources: Human resource planning; Job analysis; Job evaluation, Recruitment and selection; Training and development; Promotion and transfer; Performance management; Compensation management and benefits; Employee morale and productivity; Management of organizational climate and Industrial relations; Human resources accounting and audit; Human resource information system; International human resource management.

4. Accounting for Managers :

Financial accounting—concept, importance and scope, generally accepted accounting principles, preparation of financial statements with special reference to analysis of a balance sheet and measurement of business income, inventory valuation and depreciation, financial statement analysis, fund flow analysis, the statement of cash flows; Management accounting—concept, need, importance and scope; Cost accounting—records and processes, cost ledger and control accounts, reconciliation and integration between financial and cost accounts; Overhead cost and control, Job and process costing, Budget and budgetary control, Performance budgeting, Zero-base budgeting, relevant costing and costing for decision-making, standard costing and variance analysis, marginal costing and absorption costing.

5. Financial Management :

Goal of Finance Function. Concepts of value and return. Valuation of bonds and Shares; Management of working capital : Estimation and Financing; Management of cash, receivables, inventory and current liabilities; Cost of capital ; Capital budgeting; Financial and operating leverage; Design of capital structure: theories and practices; Shareholder value creation: dividend policy, corporate financial policy and strategy, management of corporate distress and restructuring strategy; Capital and money markets: institutions and instruments; Leasing hire purchase and venture capital; Regulation of capital market; Risk and return: portfolio theory; CAPM; APT; Financial derivatives: option, futures, swap; Recent reforms in financial sector.

6. Marketing Management :

Concept, evolution and scope; Marketing strategy formulation and components of marketing plan; Segmenting and targeting the market; Positioning and differentiating the market offering; Analyzing competition; Analyzing consumer markets; Industrial buyer behaviour; Market research; Product strategy; Pricing strategies; Designing and managing Marketing channels; Integrated marketing communications; Building customer satisfaction, Value and retention; Services and non-profit marketing; Ethics in marketing; Consumer protection; Internet marketing; Retail management; Customer relationship management; Concept of holistic marketing.

PAPER-II**1. Quantitative Techniques in Decision Making :**

Descriptive statistics—tabular, graphical and numerical methods, introduction to probability, discrete and continuous probability distributions, inferential statistics—sampling distributions, central limit theorem, hypothesis testing for differences between means and proportions, inference about population variances, Chi-square and ANOVA, simple correlation and regression, time series and forecasting, decision theory, index numbers; Linear programming—problem formulation, simplex method and graphical solution, sensitivity analysis.

2. Production and Operations Management :

Fundamentals of operations management: Organizing for production; Aggregate production planning, capacity planning, plant design; process planning, plant size and scale of operations, Management of facilities; Line balancing; Equipment replacement and maintenance; Production control; Supply, chain management—vendor evaluation and audit; Quality management; Statistical process control, Six Sigma; Flexibility and agility in manufacturing systems; World class manufacturing; Project management concepts, R&D management, Management of service operations, Role and importance of materials management, value analysis, make or buy decision; Inventory control, MRP; Waste management.

3. Management Information System :

Conceptual foundations of information systems; Information theory; Information resource management; Types of information Systems; Systems Development—Overview of Systems and Design; System Development management life-cycle, Designing online and distributed environments; Implementation and control of project; Trends in information technology; Managing data resources—Organising data, DSS and RDBMS; Enterprise Resource Planning (ERP), Expert systems, e-Business architecture, e-Governance; Information systems planning, Flexibility in information systems; User involvement; Evaluation of information systems.

4. Government Business Interface :

State participation in business, Interaction between Government, Business and different Chambers of Commerce and Industry in India; Government's policy with regard to Small Scale Industries; Government clearances for establishing a new enterprise; Public Distribution System; Government control over price and distribution; Consumer Protection Act (CPA) and The Role of Voluntary organizations in protecting consumers' rights; New Industrial Policy of the Government : liberalization, deregulation and privatisation; Indian planning system; Government policy concerning development of Backward areas/regions; The Responsibilities of the business as well as the Government to protect the environment; Corporate Governance; Cyber Laws.

5. Strategic Cost Management :

Business policy as a field of study; Nature and scope of strategic management, Strategic intent, vision, objectives and policies; Process of strategic planning and implementation; Environmental analysis and internal analysis; SWOT analysis; Tools and techniques for strategic analysis — Impact matrix: The experience curve, BCG matrix, GEC mode. Industry analysis. Concept of value chain; Strategic profile of a firm; Framework for analysing competition; Competitive advantage of a firm; Generic competitive strategies; Growth strategies —expansion, integration and diversification; Concept of core competence, Strategic flexibility; Reinventing strategy; Strategy and structure; chief Executive and Board; turnaround management; Management of strategic change; Strategic alliances, Mergers and Acquisitions; Strategy and corporate evolution in the Indian context.

6. International Business :

International Business Environment : Changing composition of trade in goods and services; India's Foreign Trade: Policy and trends; Financing of International trade; Regional Economic Cooperation; FTAs; Internationalisation of service firms; International production; Operation Management in International companies; International taxation; Global competitiveness and technological developments; Global E-Business; Designing global organisational structure and control; Multicultural

management; Global business strategy; Global marketing strategies; Export Management; Export-Import procedures; Joint Ventures; Foreign Investment: Foreign direct investment and foreign portfolio investment; Cross-border Mergers and Acquisitions; Foreign Exchange Risk Exposure Management; World Financial Markets and International Banking; External Debt Management; Country Risk Analysis.

MATHEMATICS

PAPER I

(1) Linear Algebra :

Vector spaces over \mathbb{R} and \mathbb{C} , linear dependence and independence, subspaces, bases, dimensions, Linear transformations, rank and nullity, matrix of a linear transformation.

Algebra of Matrices; Row and column reduction, Echelon form, congruence's and similarity; Rank of a matrix; Inverse of a matrix; Solution of system of linear equations; Eigenvalues and eigenvectors, characteristic polynomial, Cayley-Hamilton theorem, Symmetric, skew-symmetric, Hermitian, skew-Hermitian, orthogonal and unitary matrices and their eigenvalues.

(2) Calculus :

Real numbers, functions of a real variable, limits, continuity, differentiability, mean-value theorem, Taylor's theorem with remainders, indeterminate forms, maxima and minima, asymptotes; Curve tracing; Functions of two or three variables; Limits, continuity, partial derivatives, maxima and minima, Lagrange's method of multipliers, Jacobian.

Riemann's definition of definite integrals; Indefinite integrals; Infinite and improper integral; Double and triple integrals (evaluation techniques only); Areas, surface and volumes.

(3) Analytic Geometry :

Cartesian and polar coordinates in three dimensions, second degree equations in three variables, reduction to Canonical forms; straight lines, shortest distance between two skew lines, Plane, sphere, cone, cylinder, paraboloid, ellipsoid, hyperboloid of one and two sheets and their properties.

(4) Ordinary Differential Equations :

Formulation of differential equations; Equations of first order and first degree, integrating factor; Orthogonal trajectory; Equations of first order but not of first degree, Clairaut's equation, singular solution.

Second and higher order linear equations with constant coefficients, complementary function, particular integral and general solution.

Section order linear equations with variable coefficients, Euler-Cauchy equation; Determination of complete solution

when one solution is known using method of variation of parameters.

Laplace and Inverse Laplace transforms and their properties. Laplace transforms of elementary functions. Application to initial value problems for 2nd order linear equations with constant coefficients.

(5) Dynamics and Statics :

Rectilinear motion, simple harmonic motion, motion in a plane, projectiles; Constrained motion; Work and energy, conservation of energy; Kepler's laws, orbits under central forces

Equilibrium of a system of particles; Work and potential energy, friction, Common catenary; Principle of virtual work; Stability of equilibrium, equilibrium of forces in three dimensions.

(6) Vector Analysis :

Scalar and vector fields, differentiation of vector field of a scalar variable; Gradient, divergence and curl in cartesian and cylindrical coordinates; Higher order derivatives; Vector identities and vector equation.

Application to geometry : Curves in space, curvature and torsion; Serret-Frenet's formulae.

Gauss and Stokes' theorems, Green's identities.

PAPER II

(1) Algebra :

Groups, subgroups, cyclic groups, cosets, Lagrange's Theorem, normal subgroups, quotient groups, homomorphism of groups, basic isomorphism theorems, permutation groups, Cayley's theorem.

Rings, subrings and ideals, homomorphisms of rings; Integral domains, principal ideal domains, Euclidean domains and unique factorization domains; Fields, quotient fields.

(2) Real Analysis :

Real number system as an ordered field with least upper bound property; Sequences, limit of a sequence, Cauchy sequence, completeness of real line; Series and its convergence, absolute and conditional convergence of series of real and complex terms, rearrangement of series. Continuity and uniform continuity of functions, properties of continuous functions on compact sets.

Riemann integral, improper integrals; Fundamental theorems of integral calculus.

Uniform convergence, continuity, differentiability and integrability for sequences and series of functions; Partial derivatives of functions of several (two or three) variables, maxima and minima.

(3) Complex Analysis :

Analytic function, Cauchy-Riemann equations, Cauchy's theorem, Cauchy's integral formula, power series, representation of an analytic function, Taylor's series; Singularities; Laurent's series; Cauchy's residue theorem; Contour integration.

(4) Linear Programming :

Linear programming problems, basic solution, basic feasible solution and optimal solution; Graphical method and simplex method of solutions; Duality.

Transportation and assignment problems.

(5) Partial differential Equations :

Family of surfaces in three dimensions and formulation of partial differential equations; Solution of quasilinear partial differential equations of the first order, Cauchy's method of characteristics; Linear partial differential equations of the second order with constant coefficients, canonical form; Equation of a vibrating string, heat equation, Laplace equation and their solutions.

(6) Numerical Analysis and Computer Programming :

Numerical methods: Solution of algebraic and transcendental equations of one variable by bisection, Regula-Falsi and Newton-Raphson methods, solution of system of linear equations by Gaussian Elimination and Gauss-Jordan (direct), Gauss-Seidel (iterative) methods, Newton's (forward and backward) and interpolation, Lagrange's interpolation.

Numerical integration: Trapezoidal rule, Simpson's rule, Gaussian quadrature formula.

Numerical solution of ordinary differential equations : Euler and Runge Kutta methods.

Computer Programming : Binary system; Arithmetic and logical operations on numbers; Octal and Hexadecimal Systems; Conversion to and from decimal Systems; Algebra of binary numbers.

Elements of computer systems and concept of memory; Basic logic gates and truth tables, Boolean algebra, normal forms.

Representation of unsigned integers, signed integers and reals, double precision reals and long integers.

Algorithms and flow charts for solving numerical analysis problems.

(7) Mechanics and Fluid Dynamics :

Generalised coordinates; D'Alembert's principle and Lagrange's equations; Hamilton equations; Moment of inertia; Motion of rigid bodies in two dimensions.

Equation of continuity; Euler's equation of motion for inviscid flow; Stream-lines, path of a particle; Potential flow; Two-dimensional and axisymmetric motion; Sources and sinks, vortex motion; Navier-Stokes equation for a viscous fluid.

MECHANICAL ENGINEERING

PAPER I

1. Mechanics :

1.1 Mechanics of Rigid Bodies :

Equations of equilibrium in space and its application; first and second moments of area; simple problems on friction; kinematics of particles for plane motion; elementary particle dynamics.

1.2 Mechanics of Deformable Bodies :

Generalized Hooke's law and its application; design problems on axial stress, shear stress and bearing stress; material properties for dynamic loading; bending shear and stresses in beams; determination of principle stresses and strains-analytical and graphical; compound and combined stresses; bi-axial stresses-thin walled pressure vessel; material behaviour and design factors for dynamic load; design of circular shafts for bending and torsional load only; deflection of beam for statically determinate problems; theories of failure.

2. Engineering Materials :

Basic concepts on structure of solids, common ferrous and non-ferrous materials and their applications; heat-treatment of steels; non-metals-plastics, ceramics, composite materials and nano-materials.

3. Theory of Machines :

Kinematic and dynamic analysis of plane mechanisms. Cams, Gears and epicyclic gear trains, flywheels, governors, balancing of rigid rotors, balancing of single and multi-cylinder engines, linear vibration analysis of mechanical systems (single degree of freedom), Critical speeds and whirling of shafts.

4. Manufacturing Science :

4.1 Manufacturing Process:

Machine tool engineering - Merchant's force analysis; Taylor's tool life equation; conventional machining; NC and CNC machining process; jigs and fixtures.

Non-conventional machining-EDM, ECM, ultrasonic, water jet machining etc.; application of lasers and plasmas; energy rate calculations.

Forming and welding processes-standard processes.

Metrology-concept of fits and tolerances; tools and gauges; comparators; inspection of length; position; profile and surface finish.

4.2 Manufacturing Management :

System design: factory location-simple OR models; plant layout-methods based; applications of engineering economic analysis and break-even analysis for product selection, process selection and capacity planning; predetermined time standards.

System planning; forecasting methods based on regression and decomposition, design and blancing of multi model and stochastic assembly lines; inventory management-probabilistic inventory models for order time and order quantity determination; JIT systems; strategic sourcing; managing inter plant logistics.

System operations and control: Scheduling algorithms for job shops; applications of statistical methods for product and process quality control applications of control charts for mean, range, percent defective, number of defectives and

defects per unit; quality cost systems; management of resources, organizations and risks in projects.

System improvement: Implementation of systems, such as total quality management, developing and managing flexible, lean and agile organizations.

PAPER II

1. Thermodynamics, Gas Dynamics Turbine :

1.1 Basic concept of First-law and Second law of Thermodynamics; concept of entropy and reversibility; availability and unavailability and irreversibility.

1.2 Classification and properties of fluids; incompressible and compressible fluids flows; effect of Mach number and compressibility; continuity momentum and energy equations; normal and oblique shocks; one dimensional isentropic flow; flow of fluids in duct with frictions that transfer.

1.3 Flow through fans, blowers and compressors; axial and centrifugal flow configuration; design of fans and compressors; single problems compresses and turbine cascade; open and closed cycle gas turbines; work done in the gas turbine; reheat and regenerators.

3. Heat Transfer :

2.1 Conduction heat transfer—general conduction equation-Laplace, Poisson and Fourier equations; Fourier law of conduction; one dimensional steady state heat conduction applied to simple wall, solid and hollow cylinder and spheres.

2.2 Convection heat transfer—Newton's law of convection; free and forced convection; heat transfer during laminar and turbulent flow of an incompressible fluid over a flat plate; concepts of Nusselt number, hydrodynamic and thermal boundary layer their thickness; Prandtl number; analogy between heat and momentum transfer-Reynolds, Colburn, Prandtl analogies; heat transfer during laminar and turbulent flow through horizontal tubes; free convection from horizontal and vertical plates.

2.3 Black body radiation—basic radiation laws such as Stefan-boltzman, Planck distribution, Wein's displacement etc.

2.4 Basic heat exchanger analysis; classification of heat exchangers.

3.1.C. Engines :

3.1 Classification, thermodynamic cycles of operation; determination of brake power, indicated power, mechanical efficiency, heat balance sheet, interpretation of performance characteristics, petrol, gas and diesel engines.

3.2 Combustion in SI and CI engines, normal and abnormal combustion; effect of working parameters on knocking, reduction of knocking; Forms of combustion chamber for SI and CI engines; rating of fuels; additives; emission.

3.3 Different systems of IC engines-fuels: lubricating; cooling and transmission systems. Alternate fuels in IC engines.

4. Steam Engineering :

4.1 Steam generation-modified Rankine cycle analysis; Modern steam boilers: steam at critical and supercritical pressures: draught equipment; natural and artificial draught; boiler fuels solid, liquid and gaseous fuels. Steam turbines - Principle: types: compounding; impulse and reaction turbines; axial thrust.

4.2 Steam nozzles -flow of steam in convergent and divergent nozzle pressure at throat for maximum discharge with different initial steam conditions such as wet, saturated and superheated. effect of variation of back pressure: supersaturated flow of steam in nozzles. Wilson line.

4.3 Rankine cycle with internal and external irreversibility; reheat factor; reheating and regeneration, methods of governing; back pressure and pass out turbines.

4.4 Steam power plants - combined cycle power generation; heat recovery steam generators (HRSG) fired and unfired, co-generation plants.

5. Refrigeration and Air-conditioning :

5.1 Vapour compression refrigeration cycle - cycle on p-H & T-s diagrams; ecofriendly refrigerants - R 134a, 123; Systems like evaporators, condensers, compressor, expansion devices. Simple vapour absorption systems.

5.2 Psychrometry - properties; processes; charts; sensible heating and cooling; humidification and dehumidification effective temperature; air-conditioning load calculation; simple duct design.

MEDICAL SCIENCE

PAPER-I

1. Human Anatomy :

Applied anatomy including blood and nerve supply of upper and lower limbs and joints of shoulder, hip and knee.

Gross anatomy, blood supply and lymphatic drainage of tongue, thyroid, mammary gland, stomach, liver, prostate, gonads and uterus.

Applied anatomy of diaphragm, perineum and inguinal region.

Clinical anatomy of kidney, urinary bladder, uterine tubes, vas deferens.

Embryology : Placenta and placental barrier. Development of heart, gut, kidney, uterus, ovary, testis and their common congenital abnormalities.

Central and Peripheral Autonomic Nervous System : Gross and clinical anatomy of ventricles of brain, circulation of cerebrospinal fluid; Neural pathways and lesions of cutaneous sensations, hearing and vision; Cranial nerves

distribution and clinical significance; Components of autonomic nervous system.

2. Human Physiology :

Conduction and transmission of impulse, mechanism of contraction, neuromuscular transmission, reflexes, control of equilibrium, posture and muscle tone, descending pathways, functions of cerebellum, basal ganglia. Physiology of sleep and consciousness.

Endocrine System : Mechanism of action of hormones; formation, secretion, transport, metabolism, function and regulation of secretion of pancreas and pituitary gland

Physiology of Reproductive System : Pregnancy menstrual cycle, lactation, pregnancy.

Blood : Development, regulation and fate of blood cells.

Cardio-vascular, cardiac output, blood pressure, regulation of cardiovascular functions.

3. Biochemistry :

Organ function tests - liver, kidney, thyroid Protein synthesis.

Vitamins and minerals.

Restriction fragment length

polymorphism (RFLP).

Polymerase chain reaction (PCR).

Radio-immunoassays (RIA)

4. Pathology :

Inflammation and repair, disturbances of growth and cancer, Pathogenesis and histopathology of rheumatic and ischaemic heart disease and diabetes mellitus. Differentiation between benign, malignant, primary and metastatic malignancies, Pathogenesis and histopathology of bronchogenic carcinoma, carcinoma breast, oral cancer, cancer cervix, leukemia, Etiology, pathogenesis and histopathology of—cirrhosis liver, glomerulonephritis, tuberculosis, acute osteomyelitis.

5. Microbiology :

Humoral and cell mediated immunity.

Diseases caused by and laboratory diagnosis of —

- * Meningococcus, Saimonella
- * Shigella, Herpes, Dengue, Polio
- * HIV/AIDS, Malaria, E. Histolytica, Giardia
- * Candida, Cryptococcus, Aspergillus.

6. Pharmacology :

Mechanism of action and side effects of the following drugs :

- * Antipyretics and analgesics, Antibiotics,
- * Antimalaria, Antikala-azar, Antidiabetics,
- * Antihypertensive, Antidiuretics, General and cardiac vasodilators, Antiviral, Antiparasitic, Antigungal, Immunosuppressants,
- * Anticancer.

7. Forensic Medicine and Toxicology

Forensic examination of injuries and wounds; Examination of blood and seminal stains; Poisoning, sedative overdose, hanging, drowning, burns, DNA and finger print study.

PAPER-II

1. General Medicine

Etiology, clinical features, diagnosis and principles of management (including prevention) of—Typhoid, Rabies, AIDS, Dengue, Kala-azar, Japanese Encephalitis.

Etiology, clinical features, diagnosis and principles of management of:

Ischaemic heart disease, pulmonary embolism.

Bronchial asthma.

Pleural effusion, tuberculosis, Malabsorption syndromes; acid peptic diseases, Viral hepatitis and cirrhosis of liver.

Glomerulonephritis and pyelonephritis, renal failure, nephrotic syndrome, renovascular hypertension, complications of diabetes mellitus, coagulation disorders, leukaemia. Hypo and hyper thyroidism, meningitis and encephalitis.

Imaging in medical problems, ultrasound, echocardiogram, CT scan, MRI.

Anxiety and Depressive Psychosis and schizophrenia and ECT.

2. Paediatrics

Immunization, Baby friendly hospital, congenital cyanotic heart disease, respiratory distress syndrome, broncho pneumonias, kernicterus. IMNCI classification and management, PEM grading and management. ARI and Diarrhea of under five and their management.

3. Dermatology

Psoriasis, Allergic dermatitis, scabies, eczema, vitiligo, Stevan Johnson's syndrome, Lichen Planus.

4. General Surgery

Clinical features, causes, diagnosis and principles of management of cleft palate, harelip.

Laryngeal tumour, oral and esophageal tumours.

Peripheral arterial diseases, varicose veins, coarctation of aorta.

Tumours of Thyroid, Adrenal, Glands.

Abscess cancer, fibroadenoma and adenosis of breast.

Bleeding peptic ulcer, tuberculosis of bowel, ulcerative colitis, cancer stomach.

Renal mass, cancer prostatic.

Haemothorax, stones of Gall bladder, Kidney, Ureter and Urinary Bladder.

Management of surgical conditions of Rectum, Anus and Anal canal, Gall bladder and Bile ducts.

Splenomegaly, cholecystitis, portal hypertension, liver abscess, peritonitis, carcinoma head of pancreas.

Fractures of spine, Colles' fracture and bone tumors.

Endoscopy.

Laposcopic Surgery.

5. Obstetrics and Gynaecology including Family Planning

Diagnosis of pregnancy.

Labour management, complications of 3rd stage, Antepartum and postpartum hemorrhage, resuscitation of the newborn, Management of abnormal life and difficult labour. Management of small for date or premature newborn.

Diagnosis and management of anemia. Preeclampsia and Toxaemias of pregnancy, Management of Post-menopausal Syndrome.

Intra-uterine devices, pills, tubectomy and vasectomy. Medical termination of pregnancy including legal aspects.

Cancer cervix.

Leucorrhoea, pelvic pain; infertility, dysfunctional uterine bleeding (DUB), amenorrhoea, Fibroid and prolapse of uterus.

6. Community Medicine (Preventive and Social Medicine)

Principles, methods approach and measurements of Epidemiology.

Nutrition, nutritional diseases/disorders and Nutrition Programmes.

Health information Collection, Analysis and Presentation.

Objectives, components and critical analysis of National programmes for control/eradication of:

Malaria, Kala-azar, Filaria and Tuberculosis,

HIV/AIDS, STDs and Dengue.

Critical appraisal of Health care delivery system.

Health management and administration; Techniques, Tools, Programme Implementation and Evaluation.

Objectives, Components, Goals and Status of Reproductive and Child Health, National Rural Health Mission and Millennium Development Goals.

Management of hospital and industrial waste.

PHILOSOPHY

PAPER-I

History and Problems of Philosophy

1. Plato and Aristotle : Ideas; Substance; Form and Matter; Causation; Actuality and Potentiality.
2. Rationalism (Descartes, Spinoza, Leibniz); Cartesian Method and Certain Knowledge; Substance; God; Mind-Body Dualism; Determinism and Freedom.
3. Empiricism (Locke, Berkeley, Hume) : Theory of Knowledge; Substance and Qualities; Self and God; Scepticism.
4. Kant: Possibility of Synthetic a priori Judgments; Space and Time; Categories; Ideas of Reason; Antinomies; Critique of Proofs for the Existence of God.
5. Hegel : Dialectical Method; Absolute Idealism.
6. Moore, Russell and Early Wittgenstein : Defence of Commonsense; Refutation of Idealism; Logical Atomism; Logical Constructions; Incomplete Symbols; Picture Theory of Meaning; Saying and Showing.
7. Logical Positivism : Verification Theory of Meaning; Rejection of Metaphysics; Linguistic Theory of Necessary Propositions.
8. Later Wittgenstein : Meaning and Use; Language-games; Critique of Private Language.
9. Phenomenology (Husserl): Method; Theory of Essences; Avoidance of Psychologism.
10. Existentialism (Kierkegaard, Sartre, Heidegger): Existence and Essence; Choice, Responsibility and Authentic Existence; Being-in-the-world and Temporality.
11. Quine and Strawson : Critique of Empiricism; Theory of Basic Particulars and Persons.
12. Carvaka : Theory of Knowledge; Rejection of Transcendent Entities.
13. Jainism : Theory of Reality; Saptabhanginaya; Bondage and Liberation.
14. Schools of Buddhism : Prat Ityasamutpada; Ksanikavada, Nairatmyavada.
15. Nyaya—Vaishesika : Theory of Categories; Theory of Appearance; Theory of Pramana; Self, Liberation; God; Proofs for the Existence of God; Theory of Causation; Atomistic Theory of Creation.

16. Samkhya; Prakrit; Purusa; Causation; Liberation.
17. Yoga; Citta; Cittavrtti; Klesas; Samadhi; Kaivalya.
18. Mimamsa: Theory of Knowledge.
19. Schools of Vedanta : Brahman; Isvara; Atman; Jiva; Jagat; Maya; Avidya; Adhyasa; Moksa; Aprthaksiddhi; Pancavidhabheda.
20. Aurobindo: Evolution, Involution; Integral Yoga.

PAPER-II

Socio-Political Philosophy

1. Social and Political Ideals : Equality, Justice, Liberty.
2. Sovereignty : Austin, Bodin, Laski, Kautilya.
3. Individual and State : Rights; Duties and Accountability.
4. Forms of Government : Monarchy; Theocracy and Democracy.
5. Political Ideologies: Anarchism; Marxism and Socialism.
6. Humanism; Secularism; Multi-culturalism.
7. Crime and Punishment : Corruption, Mass Violence, Genocide, Capital Punishment.
8. Development and Social Progress.
9. Gender Discrimination : Female Foeticide, land and Property Rights; Empowerment.
10. Caste Discrimination : Gandhi and Ambedkar.

Philosophy of Religion

1. Notions of God : Attributes; Relation to Man and the World. (Indian and Western).
2. Proofs for the Existence of God and their Critique (Indian and Western).
3. Problem of Evil.
4. Soul : Immortality; Rebirth and Liberation.
5. Reason, Revelation and Faith.
6. Religious Experience : Nature and Object (Indian and Western).
7. Religion without God.
8. Religion and Morality.
9. Religious Pluralism and the Problem of Absolute Truth.
10. Nature of Religious language : Analogical and Symbolic; Cognitivist and Non-cognitive.

PHYSICS**PAPER-I****1. (a) Mechanics of Particles :**

Laws of motion; conservation of energy and momentum, applications to rotating frames, centripetal and Coriolis accelerations; Motion under a central force; Conservation of angular momentum, Kepler's laws; Fields and potentials; Gravitational field and potential due to spherical bodies, Gauss and Poisson equations, gravitational self-energy; Two-body problem; Reduced mass, Rutherford scattering; Centre of mass and laboratory reference frames.

(b) Mechanics of Rigid Bodies :

System of particles; Centre of mass, angular momentum, equations of motion; Conservation theorems for energy, momentum and angular momentum; Elastic and inelastic collisions; Rigid body; Degrees of freedom, Euler's theorem, angular velocity, angular momentum, moments of inertia, theorems of parallel and perpendicular axes, equation of motion for rotation; Molecular rotations (as rigid bodies); Di and tri-atomic molecules; Precessional motion; top, gyroscope.

(c) Mechanics of Continuous Media :

Elasticity, Hooke's law and elastic constants of isotropic solids and their inter-relation; Streamline (Laminar) flow, viscosity, Poiseuille's equation, Bernoulli's equation, Stokes' law and applications.

(d) Special Relativity :

Michelson-Morely experiment and its implications; Lorentz transformations length contraction, time dilation, addition of relativistic velocities, aberration and Doppler effect, mass-energy relation, simple applications to a decay process. Four dimensional momentum vector; Covariance of equations of physics.

2. Waves and Optics :**(a) Waves :**

Simple harmonic motion, damped oscillation, forced oscillation and resonance; Beats; Stationary waves in a string; Pulses and wave packets; Phase and group velocities; Reflection and refraction from Huygens' principle.

(b) Geometrical Optics :

Laws of reflection and refraction from Fermat's principle; Matrix method in paraxial optic-thin lens formula, nodal planes, system of two thin lenses, chromatic and spherical aberrations.

(c) Interference :

Interference of light -Young's experiment, Newton's rings, interference by thin films, Michelson interferometer; Multiple beam interference and Fabry Perot interferometer.

(d) Diffraction :

Fraunhofer diffraction - single slit, double slit, diffraction grating, resolving power; Diffraction by a circular aperture and

the Airy pattern; Fresnel diffraction: half-period zones and zone plates, circular aperture.

(e) Polarisation and Modern Optics :

Production and detection of linearly and circularly polarized light; Double refraction, quarter wave plate; Optical activity; Principles of fibre optics, attenuation; Pulse dispersion in step index and parabolic index fibres; Material dispersion, single mode fibers; Lasers-Einstein A and B coefficients. Ruby and He-Ne lasers. Characteristics of laser light-spatial and temporal coherence; Focusing of laser beams. Three-level scheme for laser operation; Holography and simple applications.

3. Electricity and Magnetism :**(a) Electrostatics and Magnetostatics :**

Laplace and Poisson equations in electrostatics and their applications; Energy of a system of charges, multipole expansion of scalar potential; Method of images and its applications. Potential and field due to a dipole, force and torque on a dipole in an external field; Dielectrics, polarisation. Solutions to boundary-value problems-conducting and dielectric spheres in a uniform electric field; Magnetic shell, uniformly magnetised sphere; Ferromagnetic materials, hysteresis, energy loss.

(b) Current Electricity :

Kirchhoff's laws and their applications. Biot-Savart law, Ampere's law, Faraday's law, Lenz' law. Self-and mutual-inductances; Mean and rms values in AC circuits; DC and AC circuits with R, L and C components; Series and parallel resonance; Quality factor; Principle of transformer.

4. Electromagnetic Waves and Blackbody Radiation :

Displacement current and Maxwell's equations; Wave equations in vacuum, Poynting theorem; Vector and scalar potentials; Electromagnetic field tensor, covariance of Maxwell's equations; Wave equations in isotropic dielectrics, reflection and refraction at the boundary of two dielectrics; Fresnel's relations; Total internal reflection; Normal and anomalous dispersion; Rayleigh scattering; Blackbody radiation and Planck's radiation law- Stefan-Boltzmann law, Wien's displacement law and Rayleigh-Jeans law.

5. Thermal and Statistical Physics :**(a) Thermodynamics :**

Laws of thermodynamics, reversible and irreversible processes, entropy; Isothermal, adiabatic, isobaric, isochoric processes and entropy changes; Otto and Diesel engines. Gibbs' phase rule and chemical potential; Van der Waals equation of state of a real gas, critical constants; Maxwell-Boltzmann distribution of molecular velocities, transport phenomena, equipartition and virial theorems; Dulong-Petit, Einstein, and Debye's theories of specific heat of solids; Maxwell relations and application; Clausius-Clapeyron equation. Adiabatic demagnetisation, Joule-Kelvin effect and liquefaction of gases.

(b) Statistical Physics :

Macro and micro states, statistical distributions, Maxwell-Boltzmann, Bose-Einstein and Fermi-Dirac Distributions, applications to specific heat of gases and blackbody radiation; Concept of negative temperatures.

PAPER-II**1. Quantum Mechanics :**

Wave-particle duality; Schrodinger equation and expectation values; Uncertainty principle; Solutions of the one-dimensional Schrodinger equation for free particle (Gaussian wave-packet), particle in a box, particle in a finite well, linear harmonic oscillator; Reflection and transmission by a step potential and by a rectangular barrier; Particle in a three dimensional box, density of states, free electron theory of metals; Angular momentum; Hydrogen atom; Spin half particles, properties of Pauli spin matrices.

2. Atomic and Molecular Physics :

Stern-Gerlach experiment, electron spin, fine structure of hydrogen atom; L-S coupling, J-J coupling; Spectroscopic notation of atomic states; Zeeman effect; Franck-Condon principle and applications; Elementary theory of rotational, vibrational and electronic spectra of diatomic molecules; Raman effect and molecular structure; Laser Raman spectroscopy; Importance of neutral hydrogen atom, molecular hydrogen and molecular hydrogen ion in astronomy. Fluorescence and Phosphorescence; Elementary theory and applications of NMR and EPR; Elementary ideas about Lamb shift and its significance.

3. Nuclear and Particle Physics :

Basic nuclear properties-size, binding energy, angular momentum, parity, magnetic moment; Semi-empirical mass formula and applications. Mass parabolas; Ground state of a deuteron, magnetic moment and non-central forces; Meson theory of nuclear forces; Salient features of nuclear forces; Shell model of the nucleus - success and limitations; Violation of parity in beta decay; Gamma decay and internal conversion; Elementary ideas about Mossbauer spectroscopy; Q-value of nuclear reactions; Nuclear fission and fusion, energy production in stars. Nuclear reactors.

Classification of elementary particles and their interactions; Conservation laws; Quark structure of hadrons; Field quanta of electroweak and strong interactions; Elementary ideas about unification of forces; Physics of neutrinos.

4. Solid State Physics, Devices and Electronics :

Crystalline and amorphous structure of matter; Different crystal systems, space groups; Methods of determination of crystal structure; X-ray diffraction, scanning and transmission electron microscopies; Band theory of solids—conductors, insulators and semi-conductors; Thermal properties of solids, specific heat, Debye theory; Magnetism: dia, para and ferromagnetism; Elements of super-conductivity, Meissner

effect, Josephson junctions and applications; Elementary ideas about high temperature super-conductivity.

Intrinsic and extrinsic semi-conductors- p-n-p and n-p-n transistors; Amplifiers and oscillators. Op-amps: FET, JFET and MOSFET; Digital electronics-Boolean identities, De Morgan's laws, Logic gates and truth tables. Simple logic circuits; Thermistors, solar cells; Fundamentals of microprocessors and digital computers.

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL**RELATIONS****PAPER-I****Political Theory and Indian Politics :**

1. Political Theory: meaning and approaches.
2. Theories of state : Liberal, Neo-liberal, Marxist, Pluralist, post-colonial and Feminist.
3. Justice : Conceptions of justice with special reference to Rawls's theory of justice and its communitarian critiques.
4. Equality : Social, political and economic; relationship between equality and freedom; Affirmative action.
5. Rights : Meaning and theories: different kinds of rights; Concept of Human Rights.
6. Democracy : Classical and contemporary theories: different models of democracy - representative, participatory and deliberative.
7. Concept of power : hegemony, ideology and legitimacy.
8. Political Ideologies : Liberalism, Socialism, Marxism, Fascism, Gandhism and Feminism.
9. Indian Political Thought: *Dharamshastra*, *Arthashastra* and Buddhist Traditions; Sir Syed Ahmed Khan, Sri Aurobindo, M. K. Gandhi, B. R. Ambedkar, M. N. Roy.
10. Western Political Thought : Plato, Aristotle, Machiavelli, Hobbes, Locke, John S. Mill, Marx, Gramsci, Hannah Arendt.

Indian Government and Politics**1. Indian Nationalism :**

- (a) Political Strategies of India's Freedom Struggle : Constitutionalism to mass Satyagraha, Non-cooperation, Civil Disobedience; Militant and Revolutionary Movements, Peasant and Workers Movements.
- (b) Perspectives on Indian National Movement; Liberal, Socialist and Marxist; Radical Humanist and Dalit.

2. Making of the Indian Constitution : Legacies of the British rule; different social and political perspectives.
3. Salient Features of the Indian Constitution : The Preamble, Fundamental Rights and Duties, Directive Principles; Parliamentary System and Amendment Procedures; Judicial Review and Basic Structure doctrine.

4. (a) Principal Organs of the Union Government : Envisaged role and actual working of the Executive, Legislature and Supreme Court.
- (b) Principal Organs of the State Government : Envisaged role and actual working of the Executive, Legislature and High Courts.
5. Grassroots Democracy : Panchayati Raj and Municipal Government; Significance of 73rd and 74th Amendments; Grassroot movements.
6. Statutory Institutions/Commissions : Election Commission, Comptroller and Auditor General, Finance Commission, Union Public Service Commission, National Commission for Scheduled Castes, National Commission for Scheduled Tribes, National Commission for Women; National Human Rights Commission, National Commission for Minorities, National Backward Classes Commission.
7. Federalism : Constitutional provisions; changing nature of centre-state relations; integrationist tendencies and regional aspirations; inter-state disputes.
8. Planning and Economic development : Nehruvian and Gandhian perspectives; Role of planning and public sector; Green Revolution, land reforms and agrarian relations; liberalization and economic reforms.
9. Caste, Religion and Ethnicity in Indian Politics.
10. Party System : National and regional political parties, ideological and social bases of parties; Patterns of coalition politics; Pressure groups, trends in electoral behaviour; changing socio-economic profile of Legislators.
11. Social Movement : Civil liberties and human rights movements; women's movements; environmentalist movements.
5. Approaches to the Study of International Relations : Idealist, Realist, Marxist, Functionalist and Systems theory.
6. Key Concepts in International Relations : National interest, security and power; Balance of power and deterrence; Transnational actors and collective security; World capitalist economy and globalisation.
7. Changing International Political Order :
 - (a) Rise of super powers; Strategic and ideological Bipolarity, arms race and cold war; Nuclear threat;
 - (b) Non-aligned Movement : Aims and achievements.
 - (c) Collapse of the Soviet Union; Unipolarity and American hegemony; Relevance of non-alignment in the contemporary world.
8. Evolution of the International Economic System : From Brettonwoods to WTO; Socialist economies and the CMEA (Council for Mutual Economic Assistance); Third World demand for new international economic order; Globalisation of the world economy.
9. United Nations : Envisaged role and actual record; Specialized UN agencies : aims and functioning; need for UN reforms.
10. Regionalisation of World Politics : EU, ASEAN, APEC, AARC, NAFTA.
11. Contemporary Global Concerns : Democracy, human rights, environment, gender justice terrorism, nuclear proliferation.

India and the World

1. Indian Foreign Policy : Determinants of foreign policy; the institutions of policy-making; Continuity and change.
2. India's Contribution to the Non-Alignment Movement : Different phases; Current role.
3. India and South Asia :
 - (a) Regional Co-operation : SAARC-past performance and future prospects.
 - (b) South Asia as a Free Trade Area.
 - (c) India's "Look East" policy.
 - (d) Impediments to regional co-operation : River water disputes; illegal cross border migration; Ethnic conflicts and insurgencies; Border disputes.
4. India and the Global South : Relations with Africa and Latin America; Leadership role in the demand for NIEO and WTO negotiations.
5. India and the Global Centres of Power : USA, EU, Japan, China and Russia.

PAPER-II

Comparative Politics and International Relations

Comparative Political Analysis and International Politics :

1. Comparative Politics : Nature and major approaches; Political economy and political sociology perspectives; Limitations of the comparative method.
2. State in Comparative Perspective : Characteristics and changing nature of the State in capitalist and socialist economies, and advanced industrial and developing societies.
3. Politics of Representation and Participation : Political parties, pressure groups and social movements in advanced industrial and developing societies.
4. Globalisation : Responses from developed and developing societies.

6. India and the UN System: Role in UN Peace-keeping; Demand for Permanent Seat in the Security Council.
7. India and the Nuclear Question : Changing perceptions and policy.
8. Recent developments in Indian Foreign Policy : India's position on the recent crises in Afghanistan. Iraq and West Asia, growing relations with US and Isreal: Vision of a new world order.

PSYCHOLOGY

PAPER I

Foundations of Psychology

1. Introduction : Definition of Psychology; Historical antecedents of Psychology and trends in the 21st century; Psychology and scientific methods; Psychology in relation to other social sciences and natural sciences; Application of Psychology to societal problems.

2. Methods of Psychology : Types of research : Descriptive, evaluative, diagnostic and prognostic; Methods of Research : Survey, observation, case-study and experiments; Characteristics of experimental design and non-experimental designs; quasi experimental designs; Focussed group discussions, brain storming, grounded theory approach.

3. Research methods : Major steps in psychological research (problem statement, hypothesis formulation, research design, sampling, tools of data collection, analysis and interpretation and report writing); Fundamental versus applied research; Methods of data collection (interview, observation, questionnaire and case study). Research Designs (Ex-post facto and experimental). Application of statistical techniques (t-test, two-way ANOVA, correlation and regression and factor analysis) item response theory.

4. Development of Human Behaviour : Growth and development; Principles of development, Role of genetic and environmental factors in determining human behaviour; Influence of cultural factors in socialization; Life span development— Characteristics, development tasks, promoting psychological well-being across major stages of the life span.

5. Sensation, Attention and Perception : Sensation: concepts of threshold, absolute and difference thresholds, signal-detection and vigilance; Factors influencing attention including set and characteristics of stimulus; Definition and concept of perception, biological factors in perception; Perceptual organization-influence of past experiences, perceptual defence-factor influencing space and depth perception, size estimation and perceptual readiness: The plasticity of perception; Extrasensory perception: Culture and perception, Subliminal perception.

6. Learning : Concepts and theories of learning (Behaviourists, Gestaltalist and Information processing models). The processes of extinction, discrimination and generalisation. Programmed learning, probability learning, self instructional learning, concepts, types and the schedules of reinforcement, escape, avoidance and punishment, modelling and social learning.

7. Memory : Encoding and remembering: Short-term memory, Long-term memory, Sensory memory, Iconic memory. Echoic memory: The Multistore model, levels of processing; Organization and Mnemonic techniques to improve memory; Theories of forgetting: decay, interference and retrieval failure: Metamemory; Amnesia: Anterograde and retrograde.

8. Thinking and Problem Solving : Piaget's theory of cognitive development; Concept formation processes; Information processing. Reasoning and problem solving. Facilitating and hindering factors in problem solving. Methods of problem solving: Creative thinking and fostering creativity; Factors influencing decision making and judgement: Recent trends.

9. Motivation and Emotion : Psychological and physiological basis of motivation and emotion; Measurement of motivation and emotion; Effects of motivation and emotion on behaviour; Extrinsic and intrinsic motivation: Factors influencing intrinsic motivation; Emotional competence and the related issues.

10. Intelligence and Aptitude : Concept of intelligence and aptitude, Nature and theories of intelligence-Spearman, Thurstone, Guilford Vernon, Sternberg and J.P. Das; Emotional Intelligence, Social intelligence, measurement of intelligence and aptitudes, concept of I Q deviation I Q, constancy of I Q; Measurement of multiple intelligence; Fluid intelligence and crystallized intelligence.

11. Personality : Definition and concept of personality: Theories of personality (psychoanalytical, socio-cultural, interpersonal, developmental, humanistic, behaviouristic, trait and type approaches); Measurement of personality (projective tests, pencil-paper test); The Indian approach to personality: Training for personality development; Latest approaches like big 5 factor theory; The notion of self in different traditions.

12. Attitudes, Values and Interests : Definitions of attitudes, values and interests; Components of attitudes; Formation and maintenance of attitudes. Measurement of attitudes, values and interests. Theories of attitude changes, strategies for fostering values. Formation of stereotypes and prejudices; Changing other's behaviour, Theories of attribution; Recent trends.

13. Language and Communication : Human language: Properties, structure and linguistic hierarchy, Language acquisition—predisposition, critical period hypothesis; Theories of language development—Skinner and Chomsky; Process and types of communication—effective communication training.

14. Issues and Perspectives in Modern Contemporary Psychology : Computer application in the psychological laboratory and psychological testing; Artificial intelligence; Psycho cybernetics; Study of consciousness sleep-wake schedules; dreams, stimulus deprivation, meditation, hypnotic/drug induced states; Extrasensory perception; Intersensory perception; Simulation studies.

PAPER II

Psychology : Issues and applications

1. Psychological Measurement of Individual Differences :

The nature of individual differences. Characteristics and construction of standardized psychological tests. Types of psychological tests. Use, misuse and limitation of psychological tests. Ethical issues in the use of psychological tests.

2. Psychological well being and Mental Disorders :

Concept of health-ill health positive health, well being casual factors in Mental disorders (Anxiety disorders, mood disorders; schizophrenia and delusional disorders; personality disorders, substance abuse disorders). Factors influencing positive health, well being; life style and quality of life; Happiness disposition

3. Therapeutic Approaches :

Psychodynamic therapies. Behaviour therapies. Client centered therapy. Cognitive therapies. Indigenous therapies (Yoga, Meditation). Biofeedback therapy. Prevention and rehabilitation of the mentally ill; Fostering mental health.

4. Work Psychology and Organisational Behaviour :

Personnel selection and training. Use of Psychological tests in the industry. Training and human resource development. Theories of work motivation. Herzberg, Maslow, Adam Equity theory, Porter and Lawler, Vroom; Leadership and participatory management; Advertising and marketing; Stress and its management; Ergonomics; consumer psychology; Managerial effectiveness; Transformational leadership; Sensitivity training; Power and politics in organizations.

5. Application of Psychology to Educational Field :

Psychological principles underlying effective teaching-learning process. Learning styles. Gifted, retarded, learning disabled and their training. Training for improving memory and better academic achievement. Personality development and value education. Educational, vocational guidance and Career counselling. Use of Psychological tests in educational institutions; Effective strategies in guidance programmes.

6. Community Psychology :

Definition and concept of Community Psychology. Use of small groups in social action. Arousing community consciousness and action for handling social problems. Group decision making and leadership for social change. Effective strategies for social change.

7. Rehabilitation Psychology :

Primary, secondary and tertiary prevention programmes—role of psychologists. Organising of services for rehabilitation of physically, mentally and socially

challenged persons including old persons. Rehabilitation of persons suffering from substance abuse, juvenile delinquency, criminal behaviours. Rehabilitation of victims of violence. Rehabilitation of HIV/AIDS victims, the role of social agencies.

8. Application of Psychology to disadvantaged groups :

The concepts of disadvantaged, deprivation social, physical, cultural and economic consequences of disadvantaged and deprived groups. Educating and motivating the disadvantaged towards development; Relative and prolonged deprivation.

9. Psychological problem of social integration :

The concept of social integration. The problem of caste, class, religion and language conflicts and prejudice. Nature and manifestation of prejudice between the ingroup and outgroup. Casual factors of such conflicts and prejudices. Psychological strategies for handling the conflicts and prejudices. Measures to achieve social integration.

10. Application of Psychology in Information Technology and Mass Media :

The present scenario of information technology and the mass media boom and the role of psychologists. Selection and training of Psychology professionals to work in the field of IT and mass media. Distance learning through IT and mass media. Entrepreneurship through e-commerce. Multilevel marketing. Impact of TV and fostering value through IT and mass media. Psychological consequences of recent developments in Information Technology.

11. Psychology and Economic development :

Achievement motivation and economic development. Characteristics of entrepreneurial behaviour. Motivating and Training people for entrepreneurship and economic development; Consumer rights and consumer awareness, Government policies for promotion of entrepreneurship among youth including women entrepreneurs.

12. Application of Psychology to environment and related fields :

Environmental Psychology effects of noise, pollution and crowding. Population Psychology : Psychological consequence of population explosion and high population density. Motivating for small family norms. Impact of rapid scientific and technological growth on degradation of environment.

13. Application of psychology in other fields :

(a) Military Psychology

Devising psychological tests for defence personnel for use in selection, Training, counseling; training psychologists to work, with defence personnel in promoting positive health; Human engineering in defence.

(b) Sports Psychology

Psychological interventions in improving performance of athletes and sports. Persons participating in Individual and Team Games.

(c) Media influences on pro and anti-social behaviour.

(d) Psychology of terrorism.

14. Psychology of Gender :

Issues of discrimination, Management of diversity; Glass ceiling effect, Self-fulfilling prophesy, Women and Indian society.

PUBLIC ADMINISTRATION

PAPER I

Administration Theory

1. Introduction :

Meaning, scope and significance of Public Administration. Wilson's vision of Public Administration. Evolution of the discipline and its present status. New Public Administration. Public Choice approach; Challenges of liberalization, Privatisation, Globalisation; Good Governance: concept and application; New Public Management.

2. Administrative Thought :

Scientific Management and Scientific Management movement; Classical Theory; Weber's bureaucratic model its critique and post-Weberian Developments; Dynamic Administration (Mary Parker Follett); Human Relations School (Elton Mayo and others); Functions of the Executive (C.I. Barnard); Simon's decision-making theory; Participative Management (R. Likert, C. Argyris, D. McGregor.)

3. Administrative Behaviour :

Process and techniques of decision-making; Communication; Morale; Motivation Theories content, process and contemporary; Theories of Leadership; Traditional and Modern;

4. Organisations :

Theories systems, contingency; Structure and forms: Ministries and Departments, Corporations, Companies; Boards and Commissions; Ad hoc, and advisory bodies; Headquarters and Field relationships; Regulatory Authorities; Public-Private Partnerships.

5. Accountability and Control :

Concepts of accountability and control; Legislative, Executive and judicial control over administration; Citizen and Administration; Role of media, interest groups, voluntary organizations; Civil society; Citizen's Charters; Right to Information; Social audit.

6. Administrative Law :

Meaning, scope and significance; Dicey on Administrative law; Delegated legislation; Administrative Tribunals.

7. Comparative Public Administration :

Historical and sociological factors affecting administrative systems; Administration and politics in different countries; Current status of Comparative Public Administration;

Ecology and administration; Riggsian models and their critique.

8. Development Dynamics :

Concept of development; Changing profile of development administration; 'Anti-development thesis'; Bureaucracy and development; Strong state versus the market debate; Impact of liberalisation on administration in developing countries; Women and development the self-help group movement.

9. Personnel Administration :

Importance of human resource development; Recruitment, training, career advancement, position classification, discipline, performance appraisal, promotion, pay and service conditions; employer-employee relations, grievance redressal mechanism; Code of conduct; Administrative ethics.

10. Public Policy :

Models of policy-making and their critique; Processes of conceptualisation, planning, implementation, monitoring, evaluation and review and their limitations; State theories and public policy formulation.

11. Techniques of Administrative Improvement :

Organisation and methods, Work study and work management; e-governance and information technology; Management aid tools like network analysis, MIS, PERT, CPM.

12. Financial Administration :

Monetary and fiscal policies; Public borrowings and public debt Budgets types and forms; Budgetary process; Financial accountability; Accounts and audit.

PAPER II

Indian Administration

1. Evolution of Indian Administration :

Kautilya Arthashastra; Mughal administration; Legacy of British rule in politics and administration Indianization of Public services, revenue administration, district administration, local self Government.

2. Philosophical and Constitutional framework of Government :

Salient features and value premises; Constitutionalism; Political culture; Bureaucracy and democracy; Bureaucracy and development.

3. Public Sector Undertakings :

Public sector in modern India; Forms of Public Sector Undertakings; Problems of autonomy, accountability and control; Impact of liberalization and privatization.

4. Union Government and Administration :

Executive, Parliament, Judiciary-structure, functions, work processes; Recent trends; Intra-governmental relations; Cabinet Secretariat; Prime Minister's Office; Central Secretariat; Ministries and Departments; Boards; Commissions; Attached offices; Field organizations.

5. Plans and Priorities :

Machinery of planning; Role, composition and functions of the Planning Commission and the National Development Council; 'Indicative' planning; Process of plan formulation at Union and State levels; Constitutional Amendments (1992) and decentralized planning for economic development and social justice.

6. State Government and Administration :

Union-State administrative, legislative and financial relations; Role of the Finance Commission; Governor; Chief Minister; Council of Ministers; Chief Secretary; State Secretariat; Directorates.

7. District Administration since Independence :

Changing role of the Collector; Union-State-local relations; Imperatives of development management and law and order administration; District administration and democratic decentralization.

8. Civil Services :

Constitutional position; Structure, recruitment, training and capacity building; Good governance initiatives; Code of conduct and discipline; Staff associations; Political rights; Grievance redressal mechanism; Civil service neutrality; Civil service activism.

9. Financial Management :

Budget as a political instrument; Parliamentary control of public expenditure; Role of finance ministry in monetary and fiscal area; Accounting techniques; Audit; Role of Controller General of Accounts and Comptroller and Auditor General of India.

10. Administrative Reforms since Independence :

Major concerns; Important Committees and Commissions; Reforms in financial management and human resource development; Problems of implementation.

11. Rural Development :

Institutions and agencies since Independence; Rural development programmes: foci and strategies; Decentralization and Panchayati Raj; 73rd Constitutional amendment.

12. Urban Local Government :

Municipal governance: main features, structures, finance and problem areas; 74th Constitutional Amendment; Global-local debate; New localism; Development dynamics, politics and administration with special reference to city management.

13. Law and Order Administration:

British legacy; National Police Commission; Investigative agencies; Role of Central and State Agencies including para military forces in maintenance of law and order and countering insurgency and terrorism; Criminalisation of politics and administration; Police-public relations; Reforms in Police.

14. Significant issues in Indian Administration:

Values in public service; Regulatory Commissions; National Human Rights Commission; Problems of administration in coalition regimes; Citizen administration interface; Corruption and administration; Disaster management.

SOCIOLOGY**PAPER I****FUNDAMENTALS OF SOCIOLOGY****1. Sociology - The Discipline:**

- (a) Modernity and social changes in Europe and emergence of sociology.
- (b) Scope of the subject and comparison with other social sciences.
- (c) Sociology and common sense.

2. Sociology as Science:

- (a) Science, scientific method and critique.
- (b) Major theoretical strands of research methodology.
- (c) Positivism and its critique.
- (d) Fact value and objectivity.
- (e) Non-positivist methodologies.

3. Research Methods and Analysis:

- (a) Qualitative and quantitative methods.
- (b) Techniques of data collection.
- (c) Variables, sampling, hypothesis, reliability and validity.

4. Sociological Thinkers:

- (a) Karl Marx - Historical materialism, mode of production, alienation, class struggle.
- (b) Emile Durkheim - Division of labour, social fact, suicide, religion and society.
- (c) Max Weber - Social action, ideal types, authority, bureaucracy, protestant ethic and the spirit of capitalism.
- (d) Talcott Parsons - Social system, pattern variables.
- (e) Robert K. Merton - Latent and manifest functions, conformity and deviance, reference groups.
- (f) Mead - Self and identity.

5. Stratification and Mobility :

- (a) Concepts - equality, inequality, hierarchy, exclusion, poverty and deprivation.
- (b) Theories of social stratification - Structural functionalist theory, Marxist theory, Weberian theory
- (c) Dimensions - Social stratification of class, status groups, gender, ethnicity and race.
- (d) Social mobility - open and closed systems, types of mobility, sources and causes of mobility.

6. Works and Economic Life :

- (a) Social organization of work in different types of society - slave society, feudal society, industrial capitalist society.

(b) Formal and informal organization of work.

(c) Labour and society.

7. Politics and Society :

(a) Sociological theories of power.

(b) Power elite, bureaucracy, pressure groups and political parties.

(c) Nation, state, citizenship, democracy, civil society, ideology.

(d) Protest, agitation, social movements, collective action, revolution.

8. Religion and Society :

(a) Sociological theories of religion.

(b) Types of religious practices: animism, monism, pluralism, sects, cults.

(c) Religion in modern society: religion and science, secularization, religious revivalism, fundamentalism.

9. Systems of Kinship :

(a) Family, household, marriage.

(b) Types and forms of family.

(c) Lineage and descent.

(d) Patriarchy and sexual division of labour.

(e) Contemporary trends.

10. Social Change in Modern Society :

(a) Sociological theories of social change.

(b) Development and dependency.

(c) Agents of social change.

(d) Education and social change.

(e) Science, technology and social change.

PAPER II

INDIAN SOCIETY: STRUCTURE AND CHANGE

A. Introducing Indian Society :

(i) Perspectives on the Study of Indian Society :

(a) Indology (G.S. Ghure).

(b) Structural functionalism (M. N. Srinivas).

(c) Marxist sociology (A. R. Desai).

(ii) Impact of colonial rule on Indian society :

(a) Social background of Indian nationalism.

(b) Modernization of Indian tradition.

(c) Protests and movements during the colonial period.

(d) Social reforms.

B. Social Structure :

(i) Rural and Agrarian Social Structure :

(a) The idea of Indian village and village studies

(b) Agrarian social structure—
evolution of land tenure system, land reforms.

(ii) Caste System :

(a) Perspectives on the study of caste systems: G. S. Ghurye, M. N. Srinivas, Louis Dumont, Andre Beteille.

(b) Features of caste system.

(c) Untouchability-forms and perspectives

(iii) Tribal communities in India :

(a) Definitional problems. (b) Geographical spread.

(c) Colonial policies and tribes.

(d) Issues of integration and autonomy.

(iv) Social Classes in India :

(a) Agrarian class structure.

(b) Industrial class structure.

(c) Middle classes in India.

(v) Systems of Kinship in India :

(a) Lineage and descent in India.

(b) Types of kinship systems.

(c) Family and marriage in India.

(d) Household dimensions of the family.

(e) Patriarchy, entitlements and sexual division of labour.

(vi) Religion and Society :

(a) Religious communities in India.

(b) Problems of religious minorities.

C. Social Changes in India :

(i) Visions of Social Change in India :

(a) Idea of development planning and mixed economy.

(b) Constitution, law and social change.

(c) Education and social change.

(ii) Rural and Agrarian Transformation in India :

(a) Programmes of rural development, Community Development Programme, cooperatives, poverty alleviation schemes.

(b) Green revolution and social change.

(c) Changing modes of production in Indian agriculture.

(d) Problems of rural labour, bondage, migration.

(iii) Industrialization and Urbanisation in India :

(a) Evolution of modern industry in India.

(b) Growth of urban settlements in India.

(c) Working class: structure, growth, class mobilization.

(d) Informal sector, child labour.

(e) Slums and deprivation in urban areas.

(iv) Politics and Society :

- (a) Nation, democracy and citizenship.
- (b) Political parties, pressure groups, social and political elite.
- (c) Regionalism and decentralization of power.
- (d) Secularization.

(v) Social Movements in Modern India :

- (a) Peasants and farmers movements.
- (b) Women's movement.
- (c) Backward classes & Dalit movements.
- (d) Environmental movements.
- (e) Ethnicity and Identity movements.

(vi) Population Dynamics :

- (a) Population size, growth, composition and distribution.
- (b) Components of population growth: birth, death, migration.
- (c) Population Policy and family planning.
- (d) Emerging issues: ageing, sex ratios, child and infant mortality, reproductive health.

(vii) Challenges of Social Transformation :

- (a) Crisis of development : displacement, environmental problems and sustainability.
- (b) Poverty, deprivation and inequalities.
- (c) Violence against women.
- (d) Caste conflicts.
- (e) Ethnic conflicts, communalism, religious revivalism.
- (f) Illiteracy and disparities in education.

STATISTICS**PAPER I****1. Probability :**

Sample space and events, probability measure and probability space, random variable as a measurable function, distribution function of a random variable, discrete and continuous-type random variable, probability mass function, probability density function, vector-valued random variable, marginal and conditional distributions, stochastic independence of events and of random variables, expectation and moments of a random variable, conditional expectation, convergence of a sequence of random variable in distribution, in probability, in path mean and almost everywhere, their criteria and interrelations, Chebyshev's inequality and Khintchine's weak law of large numbers, strong law of large numbers and Kolmogoroff's theorems, probability generating function,

moment generating function, characteristic function, inversion theorem, Linderberg and Levy forms of central limit theorem, standard discrete and continuous probability distributions.

2. Statistical Inference:

Consistency, unbiasedness, efficiency, sufficiency, completeness, ancillary statistics, factorization theorem, exponential family of distribution and its properties, uniformly minimum variance unbiased (UMVU) estimation, Rao Blackwell and Lehmann-Scheffe theorems, Cramer-Rao inequality for single Parameter. Estimation by methods of moments, maximum likelihood, least squares, minimum chisquare and modified minimum chisquare, properties of maximum likelihood and other estimators, asymptotic efficiency, prior and posterior distributions, loss function, risk function, and minimax estimator. Bayes estimators.

Non-randomised and randomised tests, critical function, MP tests, Neyman-Pearson lemma, UMP tests, monotone likelihood ratio: similar and unbiased tests, UMPU tests for single paramet likelihood ratio test and its asymptotic distribution. Confidence bounds and its relation with tests.

Kolmogorov's test for goodness of fit and its consistency, sign test and its optimality. Wilcoxon signedranks test and its consistency, Kolmogorov-Smirnov two sample test, run test, Wilcoxon-Mann-Whitney test and median test, their consistency and asymptotic normality.

Wald's SPRT and its properties, Oc and ASN functions for tests regarding parameters for Bernoulli, Poisson, normal and exponential distributions. Wald's fundamental identity.

3. Linear Inference and Multivariate Analysis :

Linear statistical models, theory of least squares and analysis of variance, Gauss-Markoff theory, normal equations, least squares estimates and their precision, test of significance and interval estimates based on least squares theory in oneway, two-way and three-way classified data, regression analysis, linear regression, curvilinear regression and orthogonal polynomials, multiple regression, multiple and partial correlations, estimation of variance and covariance components, multivariate normal distribution, Mahalanobis's D^2 and Hotelling's T^2 statistics and their applications and properties, discriminant analysis, canonical correlations, principal component analysis.

4. Sampling Theory and Design of Experiments :

An outline of fixed-population and super-population approaches, distinctive features of finite population sampling, probability sampling designs, simple random sampling with and without replacement, stratified random sampling, systematic sampling and its efficacy, cluster sampling, twostage and multi-stage sampling, ratio and regression methods of estimation involving one or more auxiliary variables, two-phase sampling, probability proportional to size sampling with and

without replacement, the Hansen-Hurwitz and the Horvitz-Thompson estimators, non-negative variance estimation with reference to the Horvitz-Thompson estimator, non-sampling errors.

Fixed effects model (two-way classification) random and mixed effects models (two-way classification with equal observation per cell), CRD, RBD, LSD and their analyses, incomplete block designs, concepts of orthogonality and balance, BIBD, missing plot technique, factorial experiments and 2^4 and 3^2 , confounding in factorial experiments, split-plot and simple lattice designs, transformation of data Duncan's multiple range test.

PAPER II

1. Industrial Statistics

Process and product control, general theory of control charts, different types of control charts for variables and attributes, \bar{X} , R , s , p , np and charts, cumulative sum chart. Single, double, multiple and sequential sampling plans for attributes, OC, ASN, AOQ and ATI curves, concepts of producer's and consumer's risks, AQL, LTPD and AOQL, Sampling plans for variables, Use of Dodge-Romin tables.

Concept of reliability, failure rate and reliability functions, reliability of series and parallel systems and other simple configurations, renewal density and renewal function, Failure models: exponential, Weibull, normal, lognormal. Problems in life testing, censored and truncated experiments for exponential models.

2. Optimization Techniques :

Different types of models in Operations Research, their construction and general methods of solution, simulation and Monte-Carlo methods formulation of Linear Programming (LP) problem, simple LP model and its graphical solution, the simplex procedure, the two-phase method and the M-technique with artificial variables, the duality theory of LP and its economic interpretation, sensitivity analysis, transportation and assignment problems, rectangular games, two-person zerosum games, methods of solution (graphical and algebraic).

Replacement of failing or deteriorating items, group and individual replacement policies, concept of scientific inventory management and analytical structure of inventory problems, simple models with deterministic and stochastic demand with and without lead time, storage models with particular reference to dam type.

Homogeneous discrete-time Markov chains, transition probability matrix, classification of states and ergodic theorems, homogeneous continuous-time Markov chains, Poisson process, elements of queuing theory, M/M/1, M/M/K, G/M/1 and M/G/1 queues.

Solution of statistical problems on computers using well-known statistical software packages like SPSS.

3. Quantitative Economics and Official Statistics:

Determination of trend, seasonal and cyclical components, Box-Jenkins method, tests for stationary series, ARIMA models and determination of orders of autoregressive and moving average components, fore-casting.

Commonly used index numbers - Laspeyre's, Paasche's and Fisher's ideal index numbers, chain-base index number, uses and limitations of index numbers, index number of wholesale prices, consumer price, agricultural production and industrial production, test for index numbers -proportionality, time-reversal, factor-reversal and circular.

General linear model, ordinary least square and generalized least squares methods of estimation, problem of multi-collinearity, consequences and solutions of multi-collinearity, autocorrelation and its consequences, heteroscedasticity of disturbances and its testing, test for independence of disturbances concept of structure and model for simultaneous equations, problem of identification-rank and order conditions of identifiability, two-stage least square method of estimation.

Present official statistical system in India relating to population, agriculture, industrial production, trade and prices, methods of collection of official statistics, their reliability and limitations, principal publications containing such statistics, various official agencies responsible for data collection and their main functions.

4. Demography and Psychometry :

Demographic data from census, registration, NSS other surveys, their limitations, and uses, definition, construction and uses of vital rates and ratios, measures of fertility, reproduction rates, morbidity rate, standardized death rate, complete and abridged life tables, construction of life tables from vital statistics and census returns, uses of life tables, logistic and other population growth curves, fitting a logistic curve, population projection, stable population, quasi-stable population, techniques in estimation of demographic parameters, standard classification by cause of death, health surveys and use of hospital statistics.

Methods of standardisation of scales and tests, Z-scores, standard scores, T-scores, percentile scores, intelligence quotient and its measurement and uses, validity and reliability of test scores and its determination, use of factor analysis and path analysis in psychometry.

ZOOLOGY

PAPER I

1. Non-chordata and Chordata :

- (a) Classification and relationship of various phyla up to subclasses: Acoelomate and Coelomate, Protostomes and Deuterostomes, Bilateria and Radiata; Status of Protista, Parazoa, Onychophora and Hemichordata; Symmetry.

- (b) Protozoa: Locomotion, nutrition, reproduction, sex; General features and life history of *Paramecium*, *Monocystis*, *Plasmodium* and *Leishmania*.
- (c) Porifera: Skeleton, canal system and reproduction.
- (d) Cnidaria: Polymorphism, defensive structures and their mechanism; coral reefs and their formation; metagenesis; general features and life history of *Obelia* and *Aurelia*.
- (e) Platyhelminthes: Parasitic adaptation; general features and life history of *Fasciola* and *Taenia* and their-Pathogenic symptoms.
- (f) Nematelminthes: General features, life history, parasitic adaptation of *Ascaris* and *Wuchereria*.
- (g) Annelida: Coelom and metamerism; modes of life in polychaetes; general features and life history of *Nereis*, earthworm and leach.
- (h) Arthropoda: Larval forms and parasitism in Crustacea; vision and respiration in arthropods (Prawn, cockroach and scorpion); modification of mouth, parts in insects (cockroach, mosquito, housefly, honey bee and butterfly), metamorphosis in insect and its hormonal regulation, socialbehaviour of *Apis* and termites.
- (i) Molluscs: Feeding, respiration, locomotion, general features and life history of *Lamellidens*, *Pila* and *Sepia*. Torsion and detorsion in gastropods.
- (ii) Echinodermata: Feeding, respiration, locomotion, larval forms, general features and life history of *Asterias*.
- (k) Protochordata: Origin of chordates; general features and life history of *Branchiostoma* and *Herdmania*.
- (l) Pisces: Respiration, locomotion and migration.
- (m) Amphibia: Origin of tetrapods, parental care, paedomorphosis.
- (n) Reptilia: Origin of reptiles, skull types, status of *Sphenodon* and crocodiles.
- (o) Aves: Origin of birds, flight adaptation, migration.
- (p) Mammalia: Origin of mammals, dentition, general features of egg laying mammals, pouchedmammals, aquatic mammals and primates, endocrine glands (pituitary, thyroid, parathyroid, adrenal, pancreas, gonads) and their interrelationships.
- (q) Comparative functional anatomy of various systems of vertebrates. (integument and its derivatives, endoskeleton, locomotory organs, digestive system, respiratory system, circulatory system including heart and aortic arches, urinogenital system, brain and sense organs (eye and ear).

2. Ecology :

- (a) Biosphere: concept of biosphere; biomes, Biogeochemical cycles, Human induced changes in atmosphere including green house effect, ecological succession, biomes and ecotones, community ecology.
- (b) Concept of ecosystem; structure and function of ecosystem, types of ecosystem, ecological succession, ecological adaptation.
- (c) Population; characteristics, population dynamics, population stabilization.
- (d) Biodiversity and diversity conservation of natural resources.
- (e) Wildlife of India.
- (f) Remote sensing for sustainable development.
- (g) Environmental biodegradation; pollution and its impact on biosphere and its prevention.

3. Ethology :

- (a) Behaviour: Sensory filtering, responsiveness, sign stimuli, learning, and memory, instinct, habituation, conditioning, imprinting.
- (b) Role of hormones in drive; role of pheromones in alarm spreading; crypsis, predator detection, predator tactics, social hierarchies in primates, social organization in insects;
- (c) Orientation, navigation, homing; biological rhythms: biological clock, tidal, seasonal and circadian rhythms.
- (d) Methods of studying animal behaviour including sexual conflict, selfishness, kinship and altruism.

4. Economic Zoology:

- (a) Apiculture, sericulture, lac culture, carp culture, pearl culture, prawn culture, vermiculture.
- (b) Major infectious and communicable diseases (malaria, filaria, tuberculosis, cholera and AIDS) their vectors, pathogens and prevention.
- (c) Cattle and livestock diseases, their pathogen (helminths) and vectors (ticks, mites, *Tabanus*, *Stomoxys*).
- (d) Pests of sugar cane (*Pyrilla perpusiella*), oil seed (*Achaeajana*) and rice (*Sitophilus oryzae*).
- (e) Transgenic animals.
- (f) Medical biotechnology, human genetic disease and genetic counselling, gene therapy.
- (g) Forensic biotechnology.

5. Biostatistics:

Designing of experiments; null hypothesis; correlation, regression, distribution and measure of central tendency, chi square, student-test, F-test (one-way & two-way F-test).

5. Instrumentation methods:

- (a) Spectrophotometer, phase contrast and fluorescence microscopy, radioactive tracer, ultracentrifuge, gel electrophoresis, PCR, ELISA, FISH and chromosome painting.
- (b) Electron microscopy (TEM, SEM).

PAPER II**1. Cell Biology :**

- (a) Structure and function of cell and its organelles (nucleus, plasma membrane, mitochondria, Golgi bodies, endoplasmic reticulum, lysosomes and lysosomes), cell division (mitosis and meiosis), mitotic spindle and mitotic apparatus, chromosome movement, chromosome type, plectonemic and lobar brush, organization of chromatin, heterochromatin, Cell cycle regulation.
- (b) Nucleic acid topology, DNA motif, DNA replication, transcription, RNA processing, translation, protein foldings and transport.

2. Genetics :

- (a) Modern concept of gene, split gene, genetic regulation, genetic code.
- (b) Sex chromosomes and their evolution, sex determination in *Drosophila* and man.
- (c) Mendel's laws of inheritance, recombination, linkage, multiple alleles, genetics of blood groups, pedigree analysis, hereditary diseases in man.
- (d) Mutations and mutagenesis.
- (e) Recombinant DNA technology, plasmid, cosmid, artificial chromosomes as vectors, transgenics, DNA cloning and whole animal cloning (principles and methods).
- (f) Gene regulation and expression in prokaryotes and eukaryotes.
- (g) Signal molecules, cell death, defects in signaling pathway and consequences.
- (h) RFLP, RAPD and AFLP and application of RFLP in DNA finger-printing, ribozyme technologies, human genome project, genomics and proteomics.

3. Evolution:

- (a) Theories of origin of life.
- (b) Theories of evolution; Natural selection, role of mutation in evolution, evolutionary patterns, molecular drive, mimicry, variation, isolation and speciation.
- (c) Evolution of horse, elephant and man using fossil data.
- (d) Hardy-Weinberg Law.
- (e) Continental drift and distribution of animals.

4. Systematics

Zoological nomenclature, international code, cladistics, molecular taxonomy and biodiversity.

5. Biochemistry

- (a) Structure and role of carbohydrates, fats, fatty acids,

cholesterol, proteins and amino-acids, nucleic acids, Bioenergetics.

- (b) Glycolysis and Krebs cycle, oxidation and reduction, oxidative phosphorylation, energy conservation and release, ATP, cyclic cyclic AMP, its structure and role
- (c) Hormone classification (steroid and peptide hormones), biosynthesis and functions.
- (d) Enzymes: types and mechanisms of action.
- (e) Vitamins and co-enzymes.
- (f) Immunoglobulin and immunity.

6. Physiology (with special reference to mammals)

- (a) Composition and constituents of blood; blood groups and Rh factor in man; factors and mechanism of coagulation; iron metabolism, acid-base balance, thermo regulation, anticoagulants
- (b) Haemoglobin: Composition, types and role in transport of oxygen and carbon dioxide.
- (c) Digestion and absorption: Role of salivary glands, liver, pancreas and intestinal glands.
- (d) Excretion: nephron and regulation of urine formation; osmo-regulation and excretory product.
- (e) Muscles: Types, mechanism of contraction of skeletal muscles, effects of exercise on muscles.
- (f) Neuron: nerve impulse—its conduction and synaptic transmission; neurotransmitters.
- (g) Vision, hearing and olfaction in man.
- (h) Physiology of reproduction puberty and menopause in human.

7. Developmental Biology :

- (a) Gametogenesis; spermatogenesis, composition of semen, *in vitro* and *in vivo* capacitation of mammalian sperm, Oogenesis, totipotency; fertilization, morphogenesis and morphogen; blastogenesis, establishment of body axes formation, fate map, gastrulation in frog and chick; genes in development in chick homeotic genes, development of eye and heart, placenta in mammals.
- (b) Cell lineage, cell to cell interaction, Genetic and induced teratogenesis, role of thyroxine in control of metamorphosis in amphibia, paedogenesis and neoteny, cell death, aging.
- (c) Developmental genes in man, *in vitro* fertilization; and embryo transfer; cloning.
- (d) Stem cells: Sources, types and their use in human welfare.
- (e) Biogenetic law.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is made through Civil Services Examination

1. Indian Administrative Service.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may

be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Central Government may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert him to the permanent post, on which he holds a lien or would hold a lien had it not been suspended under the rules applicable to him prior to his appointments to the Service.

(c) On satisfactory completion of his period of probation Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period, subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Administrative Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Pay Bands and Grade Pays attached to various grades of IAS:—

Junior Scale

Pay Band-3 : Rs. 15600-39100 plus Grade Pay Rs. 5400.

Senior Scale

(i) Senior Time Scale

Pay Band-3 : Rs. 15600-39100 plus Grade Pay Rs. 6600

(Two additional increments shall be granted at the time of pay fixation on promotion);

(ii) Junior Administrative Grade

Pay Band-3 : Rs. 15600-39100 plus Grade Pay Rs. 7600; (Two additional increments shall be granted at the time of pay fixation on promotion);

(iii) Selection Grade

Pay Band-4 : Rs. 37400-67000 plus Grade Pay Rs. 8700; (Two additional increments shall be granted at the time of promotion on the minimum of the pay band plus grade pay);

Super Time Scale

Pay band-4 : Rs. 37400-67000, plus Grade Pay Rs. 10000;

Above Super Time Scale

(i) HAG Scale

Rs. 67000-(increment @ 3%)-79000, Grade Pay : nil.

(ii) Apex Scale

Rs. 80000 (fixed), Grade Pay : nil.

Dearness allowance will be admissible in accordance with

the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Service (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(f) **Provident Fund.**—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955, as amended from time to time.

(g) **Leave.**—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955 as amended from time to time.

(h) **Medical Attendance.**—Officers of the Indian Administrative Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service Medical Attendance Rules, 1954, as amended from time to time.

(i) **Retirement Benefit.**—Officers of the Indian Administrative Service appointed on the basis of Competitive examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958 as amended from time to time.

2. Indian Foreign Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to pursue a course of training in India for approximately eighteen months. Thereafter they may be posted as Third Secretaries or Vice Consuls in Indian Missions abroad. During their period of training the probationers will be required to pass one or more departmental examinations before they become eligible for confirmation in Service.

(b) On the conclusion of his period of probation to the satisfaction of Government and on his passing the prescribed examination, the Probationer is confirmed in his appointment. If, however, his work or conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such period, as they may think fit, or may revert him to his substantive post, if any.

(c) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is not likely to prove suitable for the Foreign Service, Government may either discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(d) Scale of pay (Pre-revised).—

Junior Scale.—Rs. 8,000-275-13,500

Officers appointed to the Indian Foreign Service shall be eligible for appointment to the Senior Scale (Rs. 10,650-325-15,850) and Junior Administrative Grade (Rs. 12,750-375-16,500) on completion of four years and in the 9th year of service respectively.

In addition there are posts in the Selection Grade, Super Time Scale and above carrying pay between Rs. 15,100 and Rs. 26,000 to which IFS Officers are eligible for promotion.

(e) A probationer will receive the following pay during probation :

First Year.—Rs. 8,000 per mensem.

Second Year.—Rs. 8,275 per mensem.

NOTE 1.—A probationer will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time-scale.

NOTE 2.—Annual increments during probation will be contingent on the probationer passing the prescribed test if any and showing progress to the satisfaction of Government. Increments can also be earned in advance by passing the departmental examination.

NOTE 3.—The pay of the Government servant, who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer, will be regulated, subject to the provisions of F.R. 22-B(i).

(f) An officer belonging to the Indian Foreign Service will be liable to serve anywhere in or outside India.

(g) During service abroad I.F.S. Officers are granted foreign allowance according to their status to compensate them for the increased cost of living and of servants and also to meet the special responsibilities in regard to entertainment. In addition, the following facilities are also admissible to I.F.S. Officers during service abroad :

- (i) Free furnished accommodation according to status.
- (ii) Medical attendance facilities under the Assisted Medical attendance Scheme.
- (iii) One set of Home Leave Passage is given during each posting abroad for a normal tenure of 2/3 year, for self and dependent family members. In addition two single Emergency Passages are given during an officer's entire career for self or a member of his family to travel to India for reasons of personal or family emergency.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vacation, subject to certain conditions.

(v) Children education allowance for a maximum of two children between ages 5 and 20 studying at the station of the officer's posting in any of the schools approved by the Ministry of External Affairs.

(h) Central Civil Services (Leave Rules, 1972) as amended from time to time, will apply to members of the Service subject to certain modifications. For service abroad I.F.S. officers are entitled under the IFS (PLCA) Rules, 1961 to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent to Earned Leave admissible under the C.C.S. (Leave) Rules, 1972, for the period of effective service rendered abroad.

(i) **Provident Fund.**—Officers of the Indian Foreign Service are governed by the General Provident Fund (Central Service) Rules, 1960.

(j) **Retirement Benefits.**—Officers of the Indian Foreign Service appointed on the basis of competitive examination are governed by the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.

(k) While in India Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Government servants of equal and similar status.

3. Indian Police Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(b) and (c) As in clause (b) and (c) for the Indian Administrative Service.

(d) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Scales of Pay :—

Rank	Time-Scale	Pay Scale		
		Revised		Pre-revised
		Pay-scale	Grade Pay	
	Junior Scale	Rs. 15,600-39,100	5400	Rs. 8,000-275-13500
	Senior Scale	Rs. 15,600-39,100	6600	Rs. 10,000-325-15200
SP	Junior Administrative Grade	Rs. 15,600-39,100	7600	Rs. 12,000-375-16,500
	Selection Grade	Rs. 37,400-67,000	8700	Rs. 14,300-400-18,300
DIG	Super time Scale	Rs. 37,400-67,000	8900	Rs. 16,400-450-20,000
IG	Super-time Scale	Rs. 37,400-67,000	10,000	Rs. 18,400-500-22,400
ADG	Above Super-time Scale	Rs. 37,400-67,000	12,000	Rs. 22,400-525-24,500
DG	Above Super-time Scale	HAG-Rs. 75,500-80,000	Nil	Rs. 24,050-650-26,000
		(Increment @ 3%)		
		Rs. 80,000 (Fixed)		Rs. 26,000 (Fixed)

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave pension or increment in the time scale.

(f) to (i) As in clauses (f), (g), (h) and (i) for the Indian Administrative Service.

4. Indian P and T Accounts and Finance Service.—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years including the Foundational Course, provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed examinations.

(b) If, in the opinion of Government, the work and conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, the Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert to the management post on which he holds a lien under the rules applicable to his prior to his appointment to the service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit or may revert him to his substantive post, if any.

(d) "The Department of Posts is one of the constituent department serviced (by the Service) as per Indian Posts and Telecommunications Accounts and Finance Service Gr. "A" Recruitment Rules, 2001. The Recruitment to posts in the Department of Telecom and in the Department of Posts would be made through UPSC."

(e) The Indian P&T Accounts and Finance Service carries with it a definite liability for service in any part of India.

(f) Scales of Pay (Pre-revised)

-
- (i) Junior Time Scale.—[Rs. 8,000-275-13,500]
 - (ii) Senior Time Scale.—[Rs. 10,000-325-15,200]
 - (iii) Junior Administrative Grade.—[Rs. 12,000-375-16,500] (Ordinary Grade)
 - (iv) Junior Administrative Grade (Selection Grade).—[Rs. 14,300-400-18,300]
 - (v) Senior Administrative Grade.—[Rs. 18,400-500-22,400]
 - (vi) Senior DDG.—[Rs. 22,400-525-24,500] and
 - (vii) Advisor (Finance) [Rs. 22,400-600-26,000]

(g) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22 (b) (i).

5. Indian Audit and Accounts Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination, repeated failures to pass the departmental examination within a period of three years will involve loss of appointment or as the case may be reversion to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(b) If in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or as the case may be revert him to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes and any candidate selected for that Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Governments or in the Statutory Audit Offices under the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service required it in the cadre on which posts in the separated Accounts offices under the Central or State Governments may be borne.

(e) The Indian Audit and Accounts Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for field service in or out of India.

(f) Scales of Pay :—

Indian Audit and Accounts Service

Name of the posts	Existing Scale:	Revised Pay Structure		
		Name of the Pay Bands	Corresponding Pay Scales	Corresponding Grade
Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500	PB-3	15600-39100	5000
Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200	PB-3	15600-39100	6000
Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500	PB-3	15600-39100	7000
Non-functional Selection Grade of JAG	Rs. 14300-400-18300	PB-4	37400-67000	3500
Sr. Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400	PB-4	37400-67000	10000
Pr. AG/DG	Rs. 22400-525-24500	HAG	67000 (annual increment @ 3%)-79000	Nil
Addl. Deputy C & AG	Rs. 24050-650-26000	HAG+ Scale	75500 (annual increment @ 3%)-80000	Nil
Deputy C & AG	Rs. 26000/- (fixed)	Apex Scale	80000 (fixed)	Nil

NOTE 1.—Probationary Officers will start on the Minimum of the time scale of I.A. and A.S. and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The Officers on probation may be granted the first increment with effect from the date of passing Part I of the departmental examination or on completion of one year's service whichever is earlier. The second increments may be granted with effect from the date of passing Part II of the departmental examination or on completion of two years service whichever is earlier. The third increment raising the pay to Rs. 8825 per month will be granted only on the completion of 3 years' service and subject to satisfactory completion of the specified period of probation or such other conditions as may be laid down.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however be regulated subject to the provision of F.R. 22-B (1).

NOTE 4.—I A & AS carries with it a definite liability to serve anywhere in India or abroad.

6. Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A"

Scales of pay (Pre-revised) :

Assistant Commissioner of Customs and Central Excise	Rs. 8,000-275-13,500.
Deputy Commissioner of Customs and Central Excise	Rs. 10,000-325-16,500.
Joint Commissioner of Customs and Central Excise	Rs. 12,000-375-16,500.
Additional Commissioner of Customs and Central Excise	Rs. 14,300-400-18,300.
Commissioner of Customs and Central Excise	Rs. 18,400-500-22,400.
Chief Commissioner of Customs and Central Excise	Rs. 22,400-525-24,500.

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examination within a period of two years will involve loss of appointment or as the case may be, reversion to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(b) If in the opinion of the Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient. Government may discharge him forthwith or as the case may be revert him to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(c) On the conclusion of his/her period of probation Government may confirm the officer in his/her appointment or if his/her work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him/her from the service or may extend his/her period of probation for such further period as Government may think fit or may revert him to his substantive post, if any provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) The Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A" carries with it a definite liability for service in any part of India.

NOTE 1.—A probationary officer will start at the minimum of the time scale of pay of Rs. 8000-275-13500 and will count his/her service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer in the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A" will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B (1).

NOTE 3.—During the period of probation, an officer will undergo departmental training at the Directorate of Training (Customs and Central Excise) New Delhi and also fundamental course training at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie. He/She will have to pass Part I and Part II of the Departmental Examination. The increments of the Probationers will be regulated as under :

"The first increment raising the pay to Rs. 8275 will be granted with effect from the date of passing of one of the two parts of the departmental examination or on completion of one year's service, whichever is earlier. The second increment raising the pay to Rs. 8550 will be granted with effect from the date of passing the second part of examination or on completion of two years' service whichever is earlier. The third increment raising pay to Rs. 8825 will however, be granted only on completion of 3 years' service and subject to satisfactory completion of probation and any other period specified in that behalf and any other condition which may be prescribed by the Government."

NOTE 4.—It should be clearly understood by the probationers that the appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A" which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such change.

7. Indian Defence Accounts Service

1. Scale of pay :

- (a) Junior Time Scale (Assistant Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 8,000-275-13,500 (pre-revised)/Rs. 15,600—39,100 plus 5,400 (Grade Pay) (revised).
- (b) Senior Time Scale (Deputy Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 10,000-325-15,200 (pre-revised)/Rs. 15,600—39,100 plus 6,600 (Grade Pay) (revised).
- (c) Junior Administrative Grade (Joint Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 12,000-375-16,500 (pre-revised) Rs. 15,600—39,100 plus 7,600 (Grade Pay) (revised).
- (d) Junior Administrative Grade (Selection Grade) (Additional Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 14,000-400-18,300 (pre-revised) Rs. 37,400—67,000 plus 8,700 (Grade Pay) (revised).
- (e) Senior Administrative Grade (Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 18,400-500-22,400 (pre-revised)/Rs. 37,400—67,000 plus 10,000 (Grade Pay) (revised).
- (f) Principal Controller of Defence Accounts and equivalent 22,400-525-24,500 (pre-revised)/Rs. 67,000-79,000 (revised).
- (g) Additional Controller General of Defence Accounts and equivalent—Rs. 24,500-650-26,000 (pre-revised)/Rs. 75,500 (annual increment @ (3%) 80,000 (revised)

- (h) Controller General of Defence Accounts (Head of the Department)—Rs. 26,000 Fixed (pre-revised)/Rs. 80,000 (Fixed) (revised)

A Probationary Officer will start at the minimum of the Time Scale of Pay of Rs. 8,000-275-13,500 (pre-revised)/Rs. 15,600-39,100 plus 5,400 (Grade pay) (revised).

3. Appointments will be made on probation for a period of two years, during which the Probationers will have to qualify for confirmation by passing the prescribed Departmental Examinations. This period may be extended by the Government upto a total of four years, if considered necessary. Repeated failure to pass the probation (including extension thereof) will result in termination of service. Extension of probation beyond the normal period of two years may entail loss of seniority. Further, if during the period of probation, if any of the probationers are held to be unsuitable in any manner for employment in the Indian Defence Accounts Service, their services may be terminated by the Government without notice. The appointment is subject to any change in the Constitution of the Indian Defence Accounts Service, which the Government of India may think it proper to name and that you will have no claim for any compensation in consequence of such change.

4. Seniority of person recruited on the basis of results of Civil Services Examination conducted by the Commission in any year to the posts in the Junior Time Scale shall be fixed in accordance with the rules and orders on the subject and with reference to their merit position as recommended by the Union Public Service Commission based on the Competitive Examination. Provided that any probationer appointed on the basis of earlier selection shall rank above the persons appointed on the basis of subsequent selection.

5. The acceptance of this appointment in the Indian Defence Accounts Service involves a definite liability for field service in or out of India as well as for service in any part of the country.

6. During the period of probation the officers will undergo training in three phases : (1) Foundation course at The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie (duration—three months), (2) A certificate course in MBA (Finance) at the National Institute of Financial Management, Faridabad (duration—10 months), and (3) Departmental training at National Academy of Defence Financial Management, Pune (duration—10 months).

7. At the end of the training period the officers will be posted as Assistant Controller of Defence Accounts/Assistant Controller of Finance and Accounts (Factories) and equivalent to any one of the following organisations :—

- (1) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Army Commands).
- (2) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Air Force).
- (3) Principal Controller of Defence Accounts (Navy).
- (4) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Pensions).

- (5) Principal Controller Accounts (Ordnance Factories).
- (6) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Research and Development).
- (7) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Border Roads).
- (8) Integrated Financial Advisers (Army/Navy/Air Force/Border Road/Coast Guard/R & D).
- (9) Any other Principal Controller/Controller Officer.

8. Indian Revenue Service (I.T.) Group A—

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for a confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment or reversion to his substantive post, if any.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Income-tax Officer the Government may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointment in the service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scale of pay (Pre-revised) :—

- (i) Assistant Commissioner of Income-tax, group junior scale Rs. 8000—275—13500.
- (ii) Deputy Commissioner of Income-tax/Deputy Director of Income-tax. Rs. 10000—325—15200
- (iii) Joint Commissioner of Income-tax/Joint Director of Income-tax. Rs. 12000—375—16500
- (iv) Additional Commissioner of Income-tax. Rs. 14300—400—18300
- (v) Commissioner of Income-tax. Rs. 18400—500—22400
- (vi) Chief Commissioner of Income-tax/Director General of Income-tax. Rs. 22400—525—24500.

During the period of probation an officer will undergo training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie and the National Academy of Direct Taxes, Nagpur. At the end of the training at Mussoorie, he/she will have to pass the end-of-course test. In addition departmental examination will also have to be passed during

the period of probation. On completion of one year of service his/her pay will be raised to Rs. 8275. On passing the single departmental examination the pay will be raised to Rs. 8550. The pay beyond the stage of Rs. 8550 will not be allowed unless he/she is confirmed and has completed 3 years of service subject to such other condition as may be found necessary.

In case he/she does not pass the end-of-the course test at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(1) The seniority amongst direct recruits, inter-se shall be determined on the basis of performance in the Civil Services Examination conducted by the Union Public Service Commission, in the Foundational Course and in the Professional Training conducted in the National Academy of Direct Taxes, Nagpur and the weightage to be given in such performances would be as indicated in the parenthesis—Civil Services Examination (76.67%), Foundational Course (8.33%) and Professional Training (15%).

Note.—It should clearly understood by probationer that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Revenue Service Group 'A' which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequences of any such changes.

9. Indian Ordnance Factories Service.—Group 'A' (Administration).—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Factories/Chairman Ordnance Factory Board. Probationer will undergo such training as shall be provided by the Government and are required to pass departmental and language test as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi. On the conclusion of period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected Candidates shall if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any provided that such persons : (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Services (Field Liability) Rules, 1957 published under No. S.R.O. 92 dated 9th March, 1957 as amended. They will be medically examined in accordance with medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Jr. Time Scale	Rs. 15,600-39100 G.P. 5400
Sr. Time Scale	Rs. 15,600-39100 G.P. 6600
Sr. Time Scale (NF)	Rs. 15,600-39100 G.P. 7600
Jr. Admn. Grade (F)	Rs. 37,400-67000 G.P. 8700
Sr. Admn. Grade	Rs. 37,400-67000 G.P. 10000
Sr. GM/Sr. DDG/HAG	Rs. 67,000-79000
Addl. DGOF/Member (OFB)	Rs. 75500-80000
DGOF/Chairman OFB	Rs. 80000 (Fixed)

NOTE.—The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity to his appointment as a probationer will be regulated as admissible under the rules.

(d) The probationer will draw pay in the prescribed scale of pay Rs. 15600-39100 G.P. 5400. During the period of probation, they will be required to undergo training in various branches of department National Academy of Defence Production Ambajhari, Nagpur and/or in the Lal Bahadur Shastri Academy of Administration, Mussoorie, in a foundational course of training.

(e) A probationer shall be liable to refund the entire cost of his training and any other payments made to him during the period of training/probation, if he/she wishes to resign from the service within a period of five years from the date of expiry of his training/probation or if he/she withdraws from training/probation. A bond of Rs. 1,00,000 (Rupees One Lakh) to that effect shall be executed by the probationer at the time of appointment.

(f) Indian Ordnance Factories Service—Group 'A' consists of the posts or grades or time scales mentioned in 9(c) and comprises of the following categories of officers, namely :—

- (i) Engineers (Mechanical/Electrical/Electronics and Telecommunications/Civil)
- (ii) Chemical Engineering
- (iii) Metallurgical Engineering
- (iv) Leather Technologists
- (v) Clothing Technicians
- (vi) Administrative Officers.

NOTE.—The Administrative Officers are ordinarily recruited through Civil Services Examination (CSE). Engineers at Sl. No. (i) are ordinarily recruited through Engineering Services Examination (ESE), Sl. No. (ii) to (v) are recruited through specialist Examination and/or interview conducted by UPSC.

10. Indian Postal Service.—(a) Selected candidates will be under training in the department for a period which will not ordinarily exceed two years. During this period they will be required to pass the prescribed departmental test.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer under training is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(c) On satisfactory completion of the prescribed training and passing the prescribed Departmental tests, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of the Government, been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of training for such further period as Government may think fit.

(d) If power to make appointment in the service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of pay :—

- (i) Junior Time Scale—Rs. 8000-275-13500
- (ii) Senior Time Scale—Rs. 10000-325-15200
- (iii) Junior Administrative Grade—Rs. 12000-375-16500
- (iv) Junior Administrative Grade (Selection Grade)—Rs. 14300-400-18300
- (v) Senior Administrative Grade—Rs. 18400-500-22400
- (vi) Sr. Deputy Director General/Chief Post Master General—Rs. 22400-525-24500
- (vii) Principal Chief Post Master General—Rs. 22400-600-26000
- (viii) Members of the Postal Services Board—Rs. 24050-650-26000.

(f) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B (1).

(g) It should be clearly understood by the officers on probation that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Postal Service which Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any changes.

(h) While fixing the *inter se* seniority of direct recruits in the Junior Time Scale, the marks obtained by direct recruits in the Civil Services Examination and the marks obtained by them in the Probationary Training shall be taken into account:

(i) Officers of the Indian Postal Service are liable to serve in the Army Postal Service in India or abroad as required by Government.

(j) In the service there are at present 3 posts in the scale of Rs. 24050-650-26000, 3 posts in the scale of Rs. 22400-600-26000, 20 posts in the scale of Rs. 22400-525-24500, 58 posts in the scale of Rs. 18400-500-22400 and

91 posts in the scale of 14300-400-18300/12000-375-16500 (Non-Functional Selection Grade and the Junior Administrative Grade).

11. **Indian Civil Accounts Service.**—(a) Appointment will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of three years will involve loss of appointment.

(b) If in the opinion of Government, the works or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may, either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) It should be clearly understood by the Officer in probation that the appointment would be subject to any change in the Constitution of the Indian Civil Accounts Service, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such changes.

(e) Scales of pay :—

Sl. No.	Post	Name of Pay Band/Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Grade Pay
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Controller General of Accounts	Apex Scale	80000 (Fixed)	Nil
2.	Additional Controller General of Accounts	HAG+Scale	75500 (annual increment @ 3%) 80000	Nil
3.	Principal Chief Controller of Accounts	HAG Scale	67000 (annual increment @ 3%) 79000	Nil
4.	Senior Administrative Grade (Jt. CGA/CCA)	PB-4	37400-67000	10000
5.	Selection Grade in Junior Administrative Grade (Dy. CGA/CA)	PB-4	37400-67000	8700

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6.	Junior Administrative Grade (Dy. CGA/CA)	PB-3	15600-39100	7600
7.	Senior Time Scale (Asstt. CGA/Dy. CA)	PB-3	15600-39100	6600
8.	Junior Time Scale (ACA)	PB-3	15600-39100	5400

NOTE 1.—Probationary officer will start on the minimum of the scale of ICAS and will count their service for increments from the date of joining.

“The officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 15600+5400 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.”

NOTE 3.—The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however be regulated subject to the provision of F.R. 22(B)(1).

12. **Indian Railway Traffic Service :**

13. **Indian Railway Accounts Service :**

14. **Indian Railway Personnel Service :**

15. **Group ‘A’ Posts in the Railway Protection Force :**

(a) **Probation.**—Candidates recruited in these Services except IRAS, IRTS and IRPS will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered.

However, the candidates recruited to the Indian Railway Accounts Service Indian Railway Personnel Service and Indian Railway Traffic service will be appointed as Probationers for a period of 1.5 years during which they will undergo training. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will also be correspondingly extended.

(b) **Training.**—All the probationers will be required to undergo training for a period of 1.5 years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examination during this period as the Government may determine from time to time.

(c) **Termination of appointment.**—

(i) The appointment of probationers can be terminated by three months notice in writing on either side during the period of probation.

Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

- (ii) If in the opinion of the Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him

forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

- (iii) Failure to pass the departmental examinations may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi or an approved standard within the period of probation shall involve liability to termination of services.

(d) **Confirmation.**—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed department and Hindi examinations, the probationer will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) Scale of pay.—Indian Railway Traffic Service/Indian Railway Accounts Services/Indian Railway Personnel Service

Sl. No.	Grade	Name of Pay Band/Scale	Corresponding Scale	Corresponding Grade Pay
1.	Junior Scale	PB-3	Rs. 15600-39100	Rs. 5400
2.	Senior Scale	PB-3	Rs. 15600-39100	Rs. 6600
3.	Junior Administrative Grade	PB-3	Rs. 15600-39100	Rs. 7600
4.	Senior Administrative Grade	PB-4	Rs. 37400-67000	Rs. 10000

In addition there are supertime scale post carrying pay between Rs. 37400 and Rs. 80000 to which the officers of the above service are eligible.

Sl. No.	Grade	Name of Pay Band/Scale	Corresponding Scale	Corresponding Grade Pay
1.	Junior Scale	PB-3	Rs. 15600-39100	Rs. 5400
2.	Senior Scale	PB-3	Rs. 15600-39100	Rs. 6600
3.	Senior Commandant HQs	PB-3	Rs. 15600-39100	Rs. 7600
4.	Deputy Inspector General	PB-4	Rs. 37400-67000	Rs. 8900
5.	Inspector General	PB-4	Rs. 37400-67000	Rs. 10000
6.	Director General	HAG+Scale	Rs. 75500-(annual increment @ 3% 80000)	Nil

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) **Refund of the Cost of Training.**—If for any reason, which, in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationers, a probationer, wishes to withdraw from training or probation he shall be liable to refund any moneys paid to him, including the pay and allowances, travelling expenses to join appointment and all expenses that shall or may have been incurred by the Central Government for the Probationary Training. For this purpose Probationers will be required to execute a bond, a copy of which will be enclosed along with their offers of appointment. The Probationers permitted to apply for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of training.

(g) **Leave.**—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) **Medical attendance.**—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) **Passes and Privilege Ticket Order.**—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) **Provident Fund and Pension.**—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Service/post are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

NOTE.—Candidates recruited to the Railway Protection Force will in addition to governed by the provisions contained in the R.P.F. Act, 1957 and the R.P.F. Rules, 1959.

16. Indian Defence Estates Service, Group 'A'.—(a)

(i) A candidate selected for appointment shall be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(ii) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(i).

(b) During the period of probation a candidate will be required to pass the prescribed departmental examination.

(c) (i) If in the opinion of Government, the work or conduct of any Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him after apprising him the grounds on which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed.

(ii) If at the conclusion of the period of probation an Officer has not passed the Departmental Examination mentioned in sub-para (b) above, Government may, in its discretion, either discharge him from service or if the circumstances of the case so warrant, extend the period of probation for such period as Government may consider fit.

(iii) On the conclusion of the period of probation Government may confirm an officer in his appointment, or if his work or conduct has, in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed or extends the period of probation for such further period Government may consider fit.

(d) No annual increment which may become due will be admissible to a member of the service during his probation unless he has passed the departmental examination. An increment which was not thus drawn will be allowed from the date of passing of the departmental examination.

(e) In case any of the Probationer does not pass the 'end-of-the-course test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussorie/National Academy of Direct Taxes, Nagpur/SVP National Police Academy, Hyderabad his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues whichever is earlier.

(f) The scale of pay are as under : (Pre-Revised)—

Director General of Defence Estates	Rs. 26000 (fixed)
Principal Director & Equivalent posts, Higher Administrative Grade	Rs. 22400-525-24500
Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300

Junior Administrative Grade (Ordinary)	Rs. 12000-375-16500
Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200
Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500

(g) (i) In the Junior Time Scale, officers will be normally appointed as Chief Executive Officers in Cantonments notified under the Cantonments Act, 2006/Defence Estates Officers/Staff appointments etc.

(ii) In the Senior Time Scale, the officers will either be appointed as Chief Executive Officers/Defence Estates Officers of a Circle OR in the Staff appointments etc.

(h) All promotions from Junior Time Scale to higher scales will be done in accordance with Indian Defence Estates Service Rules, 1985 as amended from time to time.

(i) The Indian Defence Estates Service carries with it a definite liability for Service in any part of India as well as for Field Service in India.

(j) A candidate appointed to the service shall be governed by the Indian Defence Estates Service (Group 'A') Rules, 1985 as amended from time to time.

17. The Indian Information Service, Junior Grade

(Gr. A).—(a) The Indian Information Service consists of posts all over India including a few abroad in various media organisations (like Press Information Bureau, Doordarshan, All India Radio, Directorate of Advertising & Visual Publicity, Directorate of Field Publicity, etc.) of the Ministry of Information and Broadcasting/Ministry of Defence (Directorate of Public Relations) requiring management skills and competency in dealing with the information and its dissemination for and on behalf of the Government so as to educate, motivate and inform the people through different media on Government policies and programmes and their implementation for the social and economic upliftment of the general masses. The Central Information Service which was constituted with effect from 1st March, 1960 has been renamed as the Indian Information Service in 1987 vide Ministry of I&B's notification No. G.S.R. 153 dated 7-3-1987.

(b) The service has at present the following grades :

Grade	Scale of Pay (Pre-revised)
I.I.S. Group 'A'	
(i) Higher Grade	Rs. 26000 fixed
(ii) Selection Grade	Rs. 22400-525-24500
(iii) Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
(iv) Junior Administrative Grade (Non-Functional- Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300
(v) Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500
(vi) Senior Grade	Rs. 10000-325-15200
(vii) Junior Grade	Rs. 8000-275-13500

(c) "The remaining vacancies in the Grade and also vacancies in the Higher Grade, Selection Grade, Senior Administrative Grade, Junior Administrative Grade and Senior Grade are filled up by promotion by selection from amongst officers holding duty posts in the next lower grade".

(d) (i) Direct recruits to the Junior Grade will be on probation for two years. During probation, they will be given professional training in the Indian Institute of Mass Communication, New Delhi for a period of 9 months. The period and nature of training will be liable to alteration by Government. During the training, they will have to pass departmental test(s). Failure to pass the departmental test(s) during the training period involves liability to discharge from service or reversion to substantive post, if any, on which the candidate may hold lien.

(ii) On the conclusion of period of probation, Government may confirm the direct recruits in their appointments in accordance with the rules in force. If the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory he will be discharged from service or his period of probation extended for such period as the Government may deem fit. If his work or his conduct is such as to show that he is unlikely to become an efficient officer of the service, he may be discharged forthwith.

(iii) Officers on probation shall start on the minimum of the time scale of Junior Grade Group A and will count their service for increment from the date of joining.

(e) Government may post an officer to hold a field post in any organisation under the Ministry of Information and Broadcasting/Ministry of Defence (Directorate of Public Relations).

(f) As regards leave, pension and other conditions of service Officers of the Indian Information Service will be treated like other Group 'A' and Group 'B' Officers.

18. The Indian Trade Service, Group 'A' (Grade III).—

(a) Appointment to the service will be made on probation for a period of 2 years which may be extended or curtailed subject to the conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training and instructions and to pass such examinations and test (including examination in Hindi) as a condition to satisfactory completion of probation at such place and in such manner during the period of probation as the Central Government may determine.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or as the case be, revert him to the permanent post if any to which he holds the lien or would hold a lien had it not been suspended under the rules applicable to him prior to his appointment to the service or such orders as they think fit.

(c) On satisfactory completion of his period of probation, Government may confirm the officer in the service if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either, discharge him from

the service or extend the period of probation for such further period subject to certain conditions as Government may think fit:

Provided that in cases where it is proposed to extend the period of probation, the Government shall give notice in writing of its intention to do so to the officer.

(d) An officer appointed to the Grade III of the Service shall be liable to service anywhere in India or outside. Officers if deputed shall be liable to serve in any other Ministry or Department of the Government of India or Corporation and Industrial Undertaking of Government.

(e) Scale of pay :—

Sl. No.	Grade	Scale of Pay
1.	Sr. Administrative Grade (Addl. DGFT)	Rs. 18400-500-24500
2.	Selection Grade (Non-Functional)	Rs. 14300-400-18300
	Grade I (Joint Director General of Foreign Trade) & Jt. Director (E.P.)	Rs. 12000-375-16500
	Grade II (Deputy Director General of Foreign Trade) & Deputy Director (E.P.)	Rs. 10000-325-15200
	Grade III (Assistant Director General of Foreign Trade)	Rs. 8000-275-13500

The service in all the five grades is controlled by the Ministry of Commerce. The Directorate General of Foreign Trade, New Delhi which is an attached office of the Ministry of Commerce, Government of India, is the user organisation of the service.

Officers belonging to Grade III of the service will normally be heads of Sections while officers of Grade II will normally be in charge of branches consisting of one or more Sections.

Officers belonging to Grade III of the service will be eligible for promotion to Grade II of the service in accordance with the rules in force time to time.

Officers belonging to Grade II of the service will be eligible for appointment to Grade I of the service or to other higher administrative posts in the Central Government or in Corporation/Undertaking of the Government.

Officers belonging to Grade I of the service will be eligible for appointment to non-functional Selection Grade and for promotion to Sr. Administrative Grade (Addl. DGFT) in accordance with the rules in force from time to time.

(f) Direct Recruitment to Grade III of the service is made to fill 50 per cent permanent vacancies in that Grade in accordance with the Recruitment Rules for the service through Combined Civil Services Examination conducted by UPSC. The remaining 50% vacancies are filled through promotion from amongst feeder grades.

(g) Provident Funds—Officers appointed in the Grade III of Indian Trade Service shall be eligible to join the General Provident Fund (Central Services) and shall be governed by the rules in force regulating the Fund.

(h) Leave—Officer appointed to the Grade III of Indian Trade Services will be governed by the CCS (Leave) Rules, 1972 as amended from time to time.

(i) Medical Attendance—Officers of the Grade III of Indian Trade Service will be governed by the Civil Service (Medical Attendance) Rules, 1944 as amended from time to time.

(j) Retirement benefits—Officers of the Grade III of Indian Trade Service will be governed by the CCS (Pension) Rules, 1972 as amended from time to time.

(k) Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980—Officers appointed to the Grade III of Indian Trade Service will be governed by the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980.

19. Indian Corporate Law Service.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examination during the period of probation as the Central Government may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert to the permanent post, on which he holds a lien or would hold a lien had it not been suspended under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.

(c) On satisfactory completion of his period of probation, Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either, discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period, subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Corporate Law Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government.

(e) Scales of pay :—

Grade	Scale of Pay (Pre-revised)
(i) Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500
(ii) Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200
(iii) Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500
(iv) Junior Administrative Grade (Non Functional Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300
(iv) Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
(v) Higher Administrative Grade	Rs. 22400-24500

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(f) The conditions of service of the members of the Service will be regulated in accordance with the Indian Corporate Law Service Rules, 2008. The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision has been made in the Indian Corporate Law Service Rules, 2008 shall be the same as are applicable from time to time, to the Group 'A' Officers of the Central Civil Service.

20. The Armed Forces Headquarters Civil Service, Section Officers, Grade, Group B.

(a) Armed Forces Headquarters Civil Service, has at present the following grades :—

Sl. No.	Grade	Name of Pay Band/ Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Corresponding Grade pay
1.	Principal Director (Group A)	PB-4	37400-67000 Pre-revised (Rs. 18400-500-22400)	10000
2.	Director (Group A)	PB-4	37400-67000 Pre-revised (Rs. 14300-400-18300)	8700
3.	Joint Director (Group A)	PB-3	15600-39100 Pre-revised (Rs. 12000-375-16500)	7600
4.	Deputy Director (Group A)	PB-3	15600-39100 Pre-revised (Rs. 10000-325-15200)	6600
5.	Section Officer (Group B Gazetted)	PB-2	(i) 9300-34800 (on initial Appointment) Pre-revised (Rs. 7500-250-12000)	4800
		PB-3	(ii) 15600-39100 Pre-revised (Rs. 8000-275-13500) (Non-functional scale/grade pay on completion of 4 years approved service subject to vigilance clearance)	5400 (Non-functional grade pay)
6.	Assistant (Group B Non-Gazetted)	PB-2	9300-34800 Pre-revised (Rs. 7450-225-11500)	4600

The above Service cater to the Integrated Headquarters of the Ministry of Defence (Army, Navy and Air Force) and the Inter Service Organisations under the Ministry of Defence.

Direct recruitment is made to the Section Officers Grade and to the Assistant Grade only.

(b) During the period of probation, or any extension thereof, officers may be required to undergo such courses of training and instructions and to pass such examinations and tests, as it may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation. (Rule 10-I(4) of AFHQ Civil Service Rules, 2001).

(c) For any other matter relating to probation, the members of the service shall be governed by the instructions issued by the Government in this regard from time to time. (Rule 10-I(5) of AFHQ Civil Service Rules, 2001).

(d) In Armed Forces, Headquarters and Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence, Section Officers will normally be heads of Sections while, Deputy Directors will normally be in charge of one or more Sections.

(e) Section Officers Grade will be eligible for promotion to the Grade of Deputy Directors in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(f) Deputy Directors of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the Joint Director Grade of the Service and to other administrative post in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Joint Directors of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the post of Director of the Service and to other administrative posts in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) Armed Forces Headquarters Civil Service has three posts of Principal Director [Group 'A', PB-4, 37400-67000, Grade Pay Rs. 10000 Pre-revised (Rs. 18400-500-22400)] above the level of Director. These three posts are filled by promotions from amongst Directors with three years approved service.

(i) As regards leave, pension and other conditions of service officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be governed by the rules, regulations and orders in force from time to time in respect of civilians paid from Defence Service Estimates.

21. NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Civil Service—Group-B

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of the Government, the work or conduct of an Officer appointed to the Service on probation is found unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Government servant, the Central Government may discharge him forthwith without assigning any reasons.

(c) An officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation shall be confirmed in the Service. However, if his work or conduct has, in the opinion of the Central Government, been found unsatisfactory, the Central Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as it may think fit.

(d) Grades and scales of pay :—

Sl. No.	Grade of the Service	Name of Pay Band/ Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Corresponding Grade Pay
1.	Junior Administrative Grade-I (Group-A)	PB-4	37,400-67,000	8700
2.	Junior Administrative Grade-II (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	7600
3.	Selection Grade-I (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	6600
4.	Entry Grade (Group-B)	PB-2	(i) 9300-34800 (on initial appointment)	4800
		PB-3	(ii) 15,600-39,100 (on completion of 4 years approved service, subject to vigilance and integrity clearance)	5400

An officer recruited on the results of the Competitive Examination shall, on appointment to the Entry Grade of the Service, draw pay at the minimum of the scale prescribed for initial appointment to the said grade :

Provided that if he held a post, other than a tenure post, under the Central Government or the State Governments prior to his appointment to the Service, his pay shall be regulated under the provisions of the Fundamental Rules.

- (e) Officers of the Service are entitled to get Dearness Pay, Dearness Allowance, City Compensatory Allowance, House Rent Allowance and such other allowances at the rates as may be prescribed by the Central Government from time to time.
- (f) Officers appointed to the Service shall be governed by the provisions of the NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Civil Service Rules, 2003 and such other regulations or instructions as may be issued by the Central Government from time to time for the purpose of giving effect to these Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or Regulations and Orders, they shall be governed by the Rules or Regulations and Orders

applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

22. NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Police Service—Group-B

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.
- (b) If in the opinion of the Government, the work or conduct of an Officer appointed to the Service on probation is found unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Government servant, the Central Government may discharge him forthwith without assigning any reasons.
- (c) An officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation shall be confirmed in the Service. However, if his work or conduct has, in the opinion of the Central Government, been found unsatisfactory, the Central Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as it may think fit.

(d) Grades and scales of pay :—

Sl. No.	Grade of the Service	Name of Pay Band/ Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Corresponding Grade Pay
1.	Junior Administrative Grade-I (Group-A)	PB-4	37,400-67,000	8700
2.	Junior Administrative Grade-II (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	7600
3.	Selection Grade-I (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	6600
4.	Entry Grade (Group-B)	PB-2	(i) 9300-34800 (on initial appointment)	4800
		PB-3	(ii) 15,600-39,100 (on completion of 4 years approved service, subject to vigilance and integrity clearance)	5400

An officer recruited on the results of the Competitive Examination shall, on appointment to the Entry Grade of the Service, draw pay at the minimum of the scale prescribed for initial appointment to the said grade :

Provided that if he held a post, other than a tenure post, under the Central Government or the State Governments prior to his appointment to the Service, his pay shall be regulated under the provisions of the Fundamental Rules.

- (e) Officers of the Service are entitled to get Dearness Pay, Dearness Allowance, City Compensatory Allowance, House Rent Allowance and such other allowances at the rates as may be prescribed by the Central Government from time to time.

- (f) Officers appointed to the Service shall be governed by the provisions of the NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Police Service Rules, 2003 and such other regulations or instructions as may be issued by the Central Government from time to time for the purpose of giving effect to these Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or Regulations or Orders, they shall be governed by the Rules, Regulations and Orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

23. Pondicherry Civil Service, Group B

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.
- (b) If in the opinion of the administrator, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.
- (c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.
- (d) A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service draw pay at the minimum of the scale of pay Rs. 6500-200-10500.
- (e) Scales of pay (Pre-revised) :—
- (i) On initial appointment —Rs. 6500-200-10500
 - (ii) On fulfilling the residence requirement of 4 years —Rs. 8000-275-13500
 - (iii) On fulfilling the residence requirement of 8 years —Rs. 10000-325-15200
 - (iv) On fulfilling the residence requirement of 13 years —Rs. 12000-375-16500
 - (v) On fulfilling the residence requirement of 18 years —Rs. 14300-400-18300

A person recruited on the results of the Competitive Examination shall, on appointment to the Service, draw pay in the entry grade scale of pay only :

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of Rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

- (e) Officers of the Service are eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

- (f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instruction issued by Administrator for the purpose of giving effect to those rules.

24. Pondicherry Police Service, Group B

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.
- (b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the administrator may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.
- (c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.
- (d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Pondicherry.
- (e) Scales of pay :—

Sl. No.	Grades of the Service	Scales of Pay
1.	Junior Administrative Grade-I (Group-A)	Rs. 14,300-400-18,300
2.	Junior Administrative Grade-II (Group-A)	Rs. 12,000-375-16,500
3.	Selection Grade (Group-'A')	Rs. 10,000-325-15,200
4.	Entry Grade (Group-'B')	Rs. 6,500-200-10,500 (on initial appointment)

A person recruited on the results of Competitive Examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time scale.

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of Rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

- (f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Police Service Rules, 1972 and such other regulations as may be made or instruction issued by Administrator for the purpose of giving effect to those rules.

Note: Nature of duties in the participating Services varies with the post held by the officer, i.e. assignments are different for different post held by the officer.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATIONS OF CANDIDATES

The regulations are published for the convenience of candidates and enable them to ascertain the probability of their possessing the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

Note 1.—The Medical Board while conducting medical examination of the candidates who have applied against the posts reserved for physically disabled category will keep in mind the eligibility criteria for availing the reservation under physically disabled quota shall be the same prescribed under relevant provisions of the Persons with Disabilities (equal opportunity, protection of right and full participation) Act, 1995.

Note 2.—Further Government may also constitute Spécial Medical Board(s)/Appellate Medical Board to issue the Disability Certificate in the prescribed form to physically disabled candidates and also to conduct the regular medical examination of physically disabled candidates in terms of these regulations.

Blind candidates shall be eligible only for selection/appointment in posts which are identified as suitable for them in the Brochure on Reservations and Concessions for physically handicapped in Central Government services.

2. (a) The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

The classification of various Services under the two categories, namely "Technical" and "Non-Technical" will be as under :—

A. TECHNICAL

- (1) Indian Railway Traffic Service.
- (2) Indian Police Service and other Central Police Services Group 'A' and 'B'.
- (3) Group 'A' Posts in the Railway Protection Force.

B. NON-TECHNICAL

IAS, IFS, IA and AS, IRS (Customs and Central Excise), Indian Civil Accounts Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Railway Personnel Service, Indian Defence Accounts Service, Indian Revenue Service (IT), Indian Ordnance Factories Services, Group A, Indian Postal Service, Indian Defence Estates Service Group A, Indian P&T Accounts and Finance Service, Group A and other Central Civil Services Group A and B.

1. To be passed as fit for appointment, a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties on his appointment.

"2. (a) In the matter of co-relation of age limit, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian race), it is left to the Medical Board to use whatever correlation figure are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board."

(b) However, for certain services minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows:—

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) Indian Railway Traffic Service(s)	152 cm*	84 cm	5 cm (for men)
	150 cm*	79 cm	5 cm (for women)
(2) Indian Police Service, Group 'A' Post in Railway Protection Force and other Central Police Services Group 'A' & Group 'B'	165 cm	84 cm	5 cm (for men)
	150 cm**	79 cm	5 cm (for women)

*The minimum height prescribed is relaxable in the case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Kumaonis, Nagaland Tribal etc. whose average height is distinctly lower.

**The following relaxed minimum height standard in case of candidates belonging to the Scheduled Tribes and to the races such as Gorkhas, Assamese, Kumaonis, Nagaland are applicable to Indian Police Service and Group 'A,' Group 'B' Police Services and Group 'A' Post in Railway Protection Force.

Men	160 cms.
Women	145 cms.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toe or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with heels calves buttocks and shoulder touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :

He will be made to stand erect with his feet together and to raise arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) **General**—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) **Visual Acuity**—The examination for determining the acuteness of visions includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

(b) There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of services.

(d) (i) In respect of the Technical service mentioned above and any other service concerned with the safety of public the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed minus 4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed plus 4.00 D :

Provided that in case a candidate in respect of the services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) **Field of Vision** : The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

CLASS OF SERVICE

	IPS and other Police Services, Group 'A' and 'B' and IRIS/RPF (Technical Services)		IAS, IFS and Other Central Civil Services, Group 'A' and 'B' (Non-technical Services)	
	Better eye (corrected vision)	Worse eye	Better eye (corrected vision)	Worse eye
1. Distant vision	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	6/6 or 6/9	6/18 to Nil or 6/12
2. Near vision	J1**	J2**	J1** J2	J3 to Nil** J2
3. Types of corrections permitted	Spectacles		Spectacles 10L* Radial Keratotomy*/Lasik Laser Surgery	
4. Limits of refractive error permitted	+4.00 D (including cylinder)-Non-Pathological Myopia +4.00 D (including cylinder) (Hypermetropia)		None but without Pathological Myopia	
5. Colour vision requirements	High Grade		Low Grade	
6. Binocular vision needed	Yes		No	

*To be referred to a Special Board of Ophthalmologists.

** Near vision for Railway Services viz., IRIS, IRAS, IRPS and RPF is J1 in better eye and JII in worse eye.

(f) **Night Blindness :** Broadly there are two types of night blindness : (1) as a result of Vitamin A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina—common cause being Retinitis Pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vitamin A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) Specially when fundus is not involved Electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require as a routine test in a medical check up. Because of these specialized set up, and equipment and thus are not possible as a technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

For Railway Services (IRTS, IRAS, IRPS and RPF)—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. "Candidates" own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(g) **Colour Vision :** The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned above. As regards the Non-Technical Services/posts the Ministry/Department concerned will have to inform the Medical Board that the candidate is for a service requiring colour vision examination or not.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade Colour Perception	Lower Grade Colour Perception
1	2	3
1. Distance between the lamp and candidate	16 ft	16 ft
2. Size of aperture	1.3 mm.	13 mm.
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

For the IPS and other Police Services, Group 'A' and 'B' Indian Railway Traffic Service Group A posts in the Railway Protection Force and for other Services concerned with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower, grade of colour vision should be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes, recognition with ease and without hesitation of signal red, green and yellow colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable Edridge Green's lantern shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edridge Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the Indian Railway Traffic Service and Group 'A' posts in the Railway Protection Force.

(h) **Ocular condition other than visual acuity—**

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) **Squint :** For technical services where the presence of binocular vision is essential squint, even if the vision acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other service the presence of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards. For Railways technical services binocular vision is essential.

(iii) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision the usual effect is that the person is lacking stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision J/I near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required :

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/services classified as "TECHNICAL" The Ministry/Department concerned will have to inform the medical board that the candidate is for a "TECHNICAL" post or not.

- (iv) **Contact Lenses :** During the medical examination of candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the typed letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

GUIDELINES FOR SPECIAL OPHTHALMIC BOARD :

Special Ophthalmic Board for eye examination shall consist of 3 Ophthalmologists :

- (a) Cases where the Medical Board has recorded visual function within normal prescribed limits but suspects a disease of progressive and organic nature, which is likely to cause damage to the visual function should refer the candidate to a Special Ophthalmic Board for opinion as part of the first Medical Board.
- (b) All cases of any type of surgery on eyes, IOL, refractive corneal surgery, doubtful cases of colour defect should be referred to special Ophthalmic Board.
- (c) In such cases where a candidate is found to be having high myopia or high hypermetropia the Central Standing Medical Board/State Medical Board should immediately refer the candidates for a special Board of three Ophthalmologists constituted by the Medical Superintendent of the hospital/A.M.O. with the head of the Department of Ophthalmology of the Hospital or the senior most ophthalmologist as the Chairman of the special Board. The Ophthalmologist/Medical Officer who has conducted the preliminary ophthalmic examination cannot be a part of the Special Board.

The examination by the special Board should preferably be done on the same day. Whenever it is not possible to convene the special Board of three Ophthalmologists on the day of the medical examination by the Central Standing Medical Board/State Medical Board, the special Board may be convened at an earliest possible date.

The Special Ophthalmic Board may carry out detailed investigations before arriving at their decision.

The Medical Board's report may not be deemed as complete unless it includes the report of the Special Board for all such cases which are referred to it.

GUIDELINE FOR REPORTING ON BORDER LINE UNFIT CASES

In Border line cases of substandard visual acuity, subnormal colour vision, the test will be repeated after 15 minutes by the Board before declaring a person unfit.

7. Blood pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) with Young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) with subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the cloth to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following returns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sound are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well heard clear sound change to soft muffed fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the reading. Rechecking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This silent Gap may cause error in readings.

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the

standard of medical fitness required they may pass the candidate fit, subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion. "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effect of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- | | | |
|---|--|---|
| (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :— | | |
| (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is up to 30 Decibel in higher frequency. | |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is up to 30 Decibel in speech frequencies of 1000—4000. | |
| (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present. Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he | <p>may be considered under 4(ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears unfit.</p> <p>(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.</p> <p>(i) Either ear normal hearing other ear mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibel in either ear with or without hearing aid.</p> <p>Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.</p> <p>(ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms—Temporarily unfit.</p> <p>(i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.</p> <p>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily unfit.</p> <p>(i) Benign tumours—Temporarily unfit.</p> <p>(ii) Malignant Tumour—unfit.</p> <p>If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.</p> <p>(i) If not interfering with functions—Fit.</p> <p>(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.</p> <p>Temporarily Unfit.</p> |
| | (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. | |
| | (5) Persistently discharging ear operated/unoperated | |
| | (6) Chronic Inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal Septum. | |
| | (7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or Larynx. | |
| | (8) Benign or locally Malignant tumours of the E.N.T. | |
| | (9) Otosclerosis | |
| | (10) Congenital defects of ear, nose or throat. | |
| | (11) Nasal/poly | |

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient and that the hearts and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest of candidate for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination will be done at the time when he is called for the Personality Test by the Union Public Service Commission.

The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 100.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise request for second medical examination by an Appellate Medical Board, will not be entertained. The Medical Examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Department of Personnel and Training on receipt of appeal accompanied by the prescribed fee.

MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examination :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or appointing authority as the case may be that he has no disease constitutional affliction, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that Service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as present and that one of the main objects of medical examinations is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of pre-mature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A Lady Doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Defence Accounts Service are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government Service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to the effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to the effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidate who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).....
2. (a) State your age and birth place
- (b) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower, Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had smallpox intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attack, rheumatism, appendicitis?

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes.
6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their age and state of health	No. of brothers dead, their age, and causes of death
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their age and state of health	No. of sisters dead, their age, and causes of death
1	2	3	4

7. Have you been examined by a Medical Board before?
8. If answer to the above is "Yes", please state what service/services you were examined for?
9. Who was the examining authority?
10. When and where was the Medical Board held?
11. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.
12. All the above answers are to the best of my knowledge and belief, true and correct and I shall be liable for action under law for any material infirmity in the information furnished by me or suppression of relevant material information. The furnishing of false information or suppression of any factual information would be a disqualification and is likely to render me unfit for employment under the Government. If the fact that false information has been furnished or that there has been suppression of any factual information comes to notice at any time during my service, my services would be liable to the terminated.

Candidate's signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

PROFORMA

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical Examination.

1. General development : Good—
Fair— Poor—
Nutrition : Thin— Average—
Obese— Height : (Without Shoes)—
Weight — Best
Weight — When — any
recent changes in weight—
Temperature—

Girth of chest :

- (1) After full inspiration
- (2) After full expiration
2. Skin : Any obvious disease
3. Eyes :
 - (1) Any disease.....
 - (2) Night blindness
 - (3) Defect in colour vision
 - (4) Field of vision
 - (5) Visual acuity
 - (6) Fundus examination

Acuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glass sph. cyl. Axis
1	2	3

Distant vision

RE

LE

Near vision

RE

LE

Hypermetropia (Manifest)

RE

LE

4. Ears—Inspection.....Hearing :
 - Right Ear.....
 - Left Ear.....
5. Glands.....Thyroid.....
6. Condition of teeth.....
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.....
If yes explain fully.....

8. Circulatory System :

- (a) Heart : Any Organic Lesions.....Rates
Standing.....After
hopping 25 times.....
2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure :

Systolic.....Diastolic.....

9. Abdomen :

Girth.....Tenderness.....

Hemia.....

(a) Palpable Liver Spleen.....

Kidneys.....Tumours.....

Haemorrhoids.....Fistula.....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities.....

11. Loco Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance.....
- (b) Sp Gr.....
- (c) Albumen.....
- (d) Sugar.....
- (e) Casts.....
- (f) Cells.....

13. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note.—In the case of female candidate, if it is found—that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she would be declared temporarily unfit vide Regulation 9.

14. (i) State the service for which the candidate has been examined :—

- (a) I.A.S. and I.F.S.
- (b) I.P.S., Central Police Services Group 'A' & 'B' RPF and Delhi and Nicobar Islands Police Service, Deputy Superintendent of Police in C.B.I.
- (c) Central Services, Group A and B.

(ii) Has he/she been found qualified in all respects, for the efficient and continuous discharges of his/her duties in :

- (a) I.A.S. and I.F.S.
- (b) I.P.S. Central Police Services Group 'A' & 'B' RPF and Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service. (See especially height, chest girth, eye sight, colour blindness and locomotive system).
- (c) Indian Railway Traffic Service (see specially height, chest, eye sight, colour blindness).
- (d) Other Central Services Group A/B.

(iii) Is the Candidate fit for FIELD SERVICE ?

15. Chest X-Ray Examination.

Note : The Board should record their findings under one of the following three categories :—

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporarily unfit on account of.....
- (iv) Fit only for specified vacancy reserved for physically impaired

Place

Chairman

Signature

Member

Date

Member

Seal of the Medical Board

ANNEXURE IV

A List of Services Identified suitable for Physically Disabled Category along with the Physical Requirements and Functional Classifications

Sl. No.	Name of the Service	Category(ies) for which identified	Functional Classification	Physical requirements
1.	Indian Administrative Service	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	BA, OL, OA, BH, MW PB PD	S, ST, W, SE, H, RWT F, PP, L, KC, B, ST, W, H, RWT F, PP, L, KC, B, ST, W, SE, RWT
2.	Indian Foreign Service	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL LV HH	S, ST, W, RW, C, MF, SE
3.	Indian Revenue Service (Customs and Central Excise Gr. A)	(i) Locomotor disability (ii) Hearing impairment	OL, OA HH	S, ST, W, BN, L, SE, ME, RW, H, C.
4.	Indian P and T Accounts and Finance Service Gr. A	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL, LV H.H.	S, W, SE, RW, C
5.	Indian Audit and Accounts Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, LV HH	S, ST, W, BN, SE, RW, H, C
6.	Indian Defence Accounts Services, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, BN, SE, RW, C
7.	Indian Revenue Service (IT) Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL HH	S, ST, W, SE, RW, C
8.	Indian Ordnance Factories Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, LV HH	S, ST, W, BN, RW, SE, H, C
9.	Indian Postal Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL B, LV HH	S, ST, W, BN, RW, SE, H, C
10.	Indian Civil Accounts Services, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, SE, RW, H, C
11.	Indian Railway Accounts Services, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, SE, RW, H, C
12.	Indian Railway Personnel Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, B, LV HH	S, ST, W, BN, SE, RW, H, C
13.	Indian Defence Estates Service Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Blindness or Low Vision (iii) Hearing impairment	OA, OL, IV HH	S, ST, W, BN, MF, PP, KC, SE, RW, H, C
14.	Indian Information Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL B, LV HH	S, ST, W, SE, RW, H, C
15.	Indian Trade Service Gr. 'A' (Gr. III)	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, BN, MF, SE, RW, H, C
16.	Indian Corporate Law Services	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	ST, RW, SE, S, B, H,

Sl. No.	Name of the Service	Category(ies) for which identified	Functional	Physical requirements
17.	Armed Forces Headquarters Civil Service, Gr. 'B' (Section Officers' Grade)	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, LV HH	S, ST, W, BN, MF, SE, RW, C
18.	Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Civil Service, Gr. 'B'	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (ii) Hearing impairment	OA, OL LV HH	S, ST, W, SE, RW, MF, H, C SE, R, W, H, C
19.	Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Police Service, Gr. 'B'	(i) Locomotor disability (ii) Hearing impairment	OL HH	S, ST, W, BN, PP, KC, MF, SE, R, W, H, C
20.	Pondicherry Civil Service (Group B)	(i) Locomotor disability (ii) Visual impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL, LV LV HH	S, ST, W, SE, RW, HC

Categories of Disabled	OH	Orthopaedically Handicapped
	VH	Visually Handicapped
	HH	Hearing Handicapped
Sub-categories	BL	Both legs
	BA	Both arms
	BLA	Both legs and arms
	OL	One leg
	OA	One arm
	OAL	One arm and One Leg
	MW	Muscular weakness
	B	Blind
Physical Requirement	LV	Low vision
	H	Hearing
	MF	Manipulation by fingers
	PP	Pulling and pushing
	L	Lifting
	KC	Kneeling and Crutching
	BN	Bending
	S	Sitting (on bench or chair)
	ST	Standing
	W	Walking
	SE	Seeing
	H	Hearing/Speaking
	RW	Reading and Writing
	C	Communication